

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द-175075, हिमाचल प्रदेश, भारत



वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175075, हिमाचल प्रदेश, भारत

दृष्टिकोण

विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नवाचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवम् धारणीय समाज का समावेश हो।

ध्येय

- व्यक्तिगत एवम् सामूहिक प्रयासों से समाज के लाभार्थ ज्ञान सृजन करना।
- शिक्षा द्वारा ऐसे व्यवसायी तैयार करना जो विशेषतः हिमालय क्षेत्र के विकास एवम् अन्ततः राष्ट्र तथा मानवता के विकास में नव प्रवर्तन उत्पादों एवम् प्रक्रियाओं के माध्यम से नेतृत्व कर सकें।
- समाज एवम् उद्योग की समस्याओं विशेषकर हिमालय क्षेत्र की संवेदनशील पर्यावरणीय प्रकृति के लिये शिक्षा के माध्यम से वैश्विक स्वीकृति के समाधान प्रस्तुत करने की भावना से युक्त दक्ष उद्यमी तैयार करना।
- अगली पीढ़ी के अभियंताओं, वैज्ञानिकों एवम् शोधकर्ताओं को प्रेरित करने में सक्षम प्राध्यापक प्रशिक्षित करना।
- शिक्षा और शोध के उपर्युक्त लक्ष्यों के अनुसरण में अत्याधुनिक और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु उद्योग के साथ सक्रिय भूमिका निभाना।
- प्रतिभा एवम् उत्कृष्टता से परिपूर्ण सम्मानजनक कार्य संस्कृति विकसित करना।

| | पृष्ठ संख्या |
|---|--------------|
| निदेशक की कलम से | 1 |
| 1. शैक्षणिक संरचना | 2 |
| 1.1 स्कूल | 2 |
| 1.2 उपाधि कार्यक्रम | 2 |
| 1.3 वर्तमान नामांकित छात्रों के आंकड़े: नामांकन, वर्ष, बैच, लिंग और श्रेणी के आधार पर | 3 |
| 2. परियोजना उन्मुख बीटेक पाठ्यक्रम | 5 |
| 2.1 प्रारूप व्यवहार्य | 5 |
| 2.2 इंटरएक्टिव सामाजिक-तकनीकी अभ्यास (आईएसटीपी) | 6 |
| 3. शैक्षणिक स्कूल | 7 |
| 3.1 संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई) | 7 |
| • संकाय/कर्मचारी | 8 |
| • अनुसंधान परियोजनायें | 13 |
| • अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति | 15 |
| • पेटेंट | 16 |
| • प्रकाशित पुस्तक/पुस्तक अध्याय | 16 |
| • राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र | 17 |
| • सम्मेलनों में भागीदारी और पत्र प्रस्तुति | 21 |
| • लोकसम्पर्क/सतत शिक्षा गतिविधियों का आयोजन | 23 |
| • सम्मेलन/कार्यशाला/अन्य संस्थान/उद्योग का दौरा (भारत या विदेश)/आमंत्रित व्याख्यान | 25 |
| • प्रतिष्ठित अतिथियों/विद्वानों/छात्रों/प्रशिक्षुओं की मेजबानी | 27 |
| • पेशेवर उपलब्धि/सम्मान और पुरस्कार/पेशेवर समितियों की सदस्यता | 30 |
| • नई पहल/नई अनुसंधान सुविधाएं सृजित/स्थापित उपकरण/प्रयोगशाला | 31 |
| • छात्र गतिविधियां/उपलब्धियां | 31 |
| 3.2 अभियांत्रिकी स्कूल (एसई) | 33 |
| • संकाय/कर्मचारी | 33 |
| • अनुसंधान परियोजनायें | 41 |
| • अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट | 42 |
| • पेटेंट | 47 |
| • अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र | 49 |
| • पेशेवर संकाय/छात्र उपलब्धियां/सम्मान/पुरस्कार | 64 |
| • पेशेवर संस्थाओं की सदस्यता | 64 |
| • प्रयोगशाला में स्थापित कुछ प्रमुख उपकरण | 65 |
| 3.3 मूलभूत विज्ञान स्कूल (एसबीएस) | 66 |
| • संकाय/कर्मचारी | 66 |
| • संकाय सहचर | 71 |
| • अनुसंधान परियोजनायें | 71 |
| • परियोजनाओं की प्रगति | 78 |
| • प्रकाशित पुस्तक अध्याय | 82 |
| • प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र | 82 |
| • राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी और पत्र प्रस्तुति | 96 |
| • अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी और पत्र प्रस्तुति | 96 |
| • आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता/सतत शिक्षा कार्यक्रम | 97 |
| • आयोजित कार्यशाला/सम्मेलन | 98 |
| • पेशेवर उपलब्धियां, सम्मान और पुरस्कार | 99 |
| • व्यावसायिक संस्थाओं की सदस्यता | 99 |
| • लोकसंपर्क गतिविधियां | 99 |
| 3.4 मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस) | 100 |
| • संकाय | 100 |
| • अनुसंधान परियोजनायें | 102 |
| • पुस्तक/पुस्तक अध्याय प्रकाशित | 104 |
| • अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र | 105 |

| | | |
|-----|---|-----|
| | • राष्ट्रीय सम्मेलन | 106 |
| | • अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 107 |
| | • पेशेवर संस्थाओं को अनुदान/अध्येतावृत्ति/सदस्यता | 107 |
| | • आयोजित वार्ता, कार्यशालाएं और राष्ट्रीय सम्मेलन | 108 |
| 4. | समझौता ज्ञापन (एमओयू) | 112 |
| 5. | महत्त्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र | 115 |
| | 5.1 उन्नत सामग्री अनुसंधान केंद्र (एएमआरसी) | 115 |
| | 5.2 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केंद्र (सी4डीएफईडी) | 122 |
| | 5.3 बायोएक्स | 132 |
| 6. | अनुसंधान समूह | 142 |
| | 6.1 डिजाइन और नवाचार केन्द्र पेटेंट, डिजाइन और नवाचार संस्कृति | 142 |
| | 6.2 संघनित पदार्थ भौतिकी | 147 |
| 7. | केंद्रीय पुस्तकालय | 148 |
| 8. | आठवां दीक्षांत समारोह | 152 |
| 9. | छात्र सुविधाएं और गतिविधियाँ | 152 |
| | 9.1 खेल समिति | 167 |
| | 9.2 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) | 178 |
| | 9.3 मार्गदर्शन और परामर्श योजना (जीसीएस) | 179 |
| | 9.4 करियर और स्थानन प्रकोष्ठ | 180 |
| | 9.5 महिला प्रकोष्ठ | 183 |
| 10. | मीडिया कवरेज | 184 |
| 11. | निर्माण गतिविधियां | 187 |
| 12. | बोर्ड ऑफ गवर्नर्स | 222 |
| 13. | वित्त समिति | 223 |
| 14. | भवन एवं निर्माण समिति | 224 |
| 15. | सीनेट | 225 |
| 16. | शैक्षणिक अधिकारी | 226 |
| 17. | प्रशासनिक अधिकारी | 227 |
| | 17.1 31 मार्च 2021 को कर्मचारियों की सूची (वेतनमान पर नियमित/प्रतिनियुक्त/अनुबंध) | 227 |
| | 17.2 31 मार्च 2021 को संविदा कर्मचारियों की सूची (समेकित परिलब्धियों पर) | 229 |
| 18. | छात्र नेतृत्व 2020-21 | 229 |
| 19. | पीएचडी छात्र-2020 बैच | 230 |
| 20. | एमएस छात्र-2020 बैच | 232 |
| 21. | बीटेक छात्र-2020 बैच | 232 |
| | 21.1 बीटेक-एमटेक जैव अभियांत्रिकी में संकलित दोहरी उपाधि | 232 |
| | 21.2 सिविल अभियांत्रिकी | 233 |
| | 21.3 संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | 234 |
| | 21.4 डेटा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | 235 |
| | 21.5 विद्युत अभियांत्रिकी | 236 |
| | 21.6 अभियांत्रिकी भौतिकी | 238 |
| | 21.7 यांत्रिक अभियांत्रिकी | 238 |
| 22. | एमएससी (रसायन विज्ञान)-2020 बैच | 240 |
| 23. | एमएससी (अनुप्रयुक्त गणित)-2020 बैच | 241 |
| 24. | एमएससी (भौतिकी)-2020 बैच | 242 |
| 25. | एमटेक (संरचनात्मक अभियांत्रिकी)-2020 बैच | 242 |
| 26. | एमटेक (यांत्रिकी अभियांत्रिकी)-2020 बैच | 243 |
| 27. | एमटेक (ऊर्जा अभियांत्रिकी)-2020 बैच | 243 |
| 28. | एमटेक (वीएलएसआई)-2020 बैच | 243 |
| 29. | एमटेक (पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव्स)-2020 बैच | 244 |
| 30. | एमटेक (संचार एवं संकेत प्रक्रम)-2020 बैच | 244 |
| 31. | एमटेक (जैव प्रौद्योगिकी)-2020 बैच | 244 |
| 32. | एमए (विकास अध्ययन)-2020 बैच | 245 |
| 33. | आईपीएचडी (भौतिकी)-2020 बैच | 245 |



निदेशक की कलम से

आईआईटी मंडी ने 2009 से अपनी यात्रा शुरू करने के बाद तेजी से प्रगति की है। वर्तमान में, आईआईटी मंडी में अभियांत्रिकी, विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों में लगभग 1850 छात्र पढ़ रहे हैं। संस्थान विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त अनुसंधान करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है जो नवीनतम प्रगति के साथ तालमेल रखता है।

वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण अभूतपूर्व स्थिति देखी गई। तथापि, संस्थान ने अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा और अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया। शिक्षण गतिविधियाँ ऑनलाइन आयोजित की गईं और छात्रों को समय पर स्नातक किया गया। हमारे संकाय ने कई शोध परियोजनाएं पूर्ण की, जिनमें कोविड

से सम्बन्धित अनुसंधान परियोजनाएं शामिल हैं, और इस वर्ष कई शोधपत्र और पेटेंट प्रकाशित किए। हमारे शोधकर्ताओं ने मैकेनिकल और स्ट्रक्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के लिए वासविक अवार्ड, इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज की सदस्यता, फुलब्राइट-नेहरू डॉक्टरेट रिसर्च फेलोशिप, यंग साइंटिस्ट अवार्ड, फेलोशिप और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई बेहतरीन पेपर अवार्ड सहित कई पुरस्कार भी जीते।

2020-21 के दौरान, संस्थान ने कक्षाओं, छात्रावासों, संकाय/कर्मचारियों के आवास और खेल सुविधाओं सहित कई नए भवनों के पूर्ण होने के साथ तेजी से विस्तार देखा है। वर्तमान में, दोनों परिसर (उत्तर और दक्षिण) पूरी तरह कार्यात्मक हैं। वर्ष के दौरान, हमारे छात्रों ने परिसर में 500 पौधे लगाए।

पिछले दस वर्षों में, आईआईटी मंडी ने जर्मनी में टीयू9 के साथ एक मजबूत साझेदारी की है। इसमें संकाय और छात्रों और संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों की महत्वपूर्ण गतिशीलता शामिल थी। इस वर्ष हमारी आउटरीच गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसमें हिमाचल प्रदेश सरकार और आईआईटी मंडी द्वारा प्रायोजित परियोजनाएं शामिल थीं, जिससे हिमाचल प्रदेश के लोगों को लाभ हुआ।

फरवरी 2021 में, आईआईटी मंडी ने ऑनलाइन मोड में इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए कंपोजिट के डिजाइन और निर्माण पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला की मेजबानी की। कार्यशाला में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें विदेशों के विश्वविद्यालयों के प्रतिभागी और इसरो, टाटा स्टील, एलएम विंड पावर आदि के उद्योग कर्मी शामिल थे। आईआईटी कानपुर, आईआईटी रुड़की, आईआईटी मंडी, सालेर्नो विश्वविद्यालय, पीएसआई स्विट्जरलैंड, आईआईटी बॉम्बे, केएमयूटीएनबी थाईलैंड, इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च हाइड्रो क्यूबेक कनाडा ने परस्पर वार्ता की। नवंबर 2020 में, आईआईटी मंडी ने कॉमन फ्रेमवर्क का उपयोग करके भारत में भेद्यता मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यशाला पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला की मेजबानी की। भारत और विदेशों के प्रख्यात वैज्ञानिकों और संकाय सदस्यों द्वारा मुख्य व्याख्यान दिए गए।

24 फरवरी 2021 को आईआईटी मंडी ने अपना 12वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री जय राम ठाकुर ने सम्मानित अतिथि स्वर्गीय श्री राम सवरूप शर्मा, लोक सभा सदस्य की गरिमामयी उपस्थिति में शिरकत की। 12 दिसंबर 2020 को आईआईटी मंडी का 8 वां दीक्षांत समारोह ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था। स्नातक मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रघुनाथ अनंत माशेलकर, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक, और प्रोफेसर प्रेम व्रत, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी मंडी के भाषणों से प्रेरित थे।

आईआईटी मंडी के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने आईआईटी मंडी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए पूरे वर्ष कड़ी मेहनत करना जारी रखा। मुझे विश्वास है कि वर्ष के दौरान उनकी नई पहल आने वाले वर्षों में सार्थक होगी।

प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी

निदेशक

1. शैक्षणिक संरचना

शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान नामक तीन समकोणीय लेकिन पूरक संरचनाएं कार्यान्वित की जाती हैं। ये अकादमिक स्कूल, छात्र उपाधि कार्यक्रम और अनुसंधान समूह हैं। इनमें से प्रत्येक को एक विशिष्ट उद्देश्य की पूर्ति के लिए डिजाइन किया गया है। संस्थान के शैक्षणिक लक्ष्यों को सर्वोत्तम रूप से प्राप्त करने के लिए तीनों सुगमता से परस्पर क्रिया करती हैं। संरचना अंतर-अनुशासनात्मक सीखने और अनुसंधान को प्रोत्साहित करती है जो तकनीकी नवाचार के साथ अग्रसर होती है।

1.1 स्कूल

संकाय सदस्य व्यापक तौर पर शिथिल परिभाषित शैक्षणिक स्कूलों से संबंधित हैं। प्रत्येक स्कूल संकाय के लिए एक घरेलू वातावरण प्रदान करता है जिनकी रुचि कुछ मौलिक शैक्षणिक सिद्धांतों को साझा करती है। कुछ संकाय सदस्यों की अन्य विद्यालयों में संयुक्त नियुक्ति भी होती है। व्यापक रूप से संकाय सदस्यों को स्कूलों में समूहित करके, आईआईटी मंडी ने संस्थान के भीतर पारंपरिक विभागों और प्रभागों से परहेज किया है। यह संस्थान के भीतर सभी विषयों में एक अंतःविषय संस्कृति और सहयोगी अनुसंधान और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

वर्तमान में, संस्थान में स्कूल हैं:

संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई)

संगणक विज्ञान, संगणक अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और अर्धचालक सहित इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, सिग्नल प्रोसेसिंग, स्वचालन और नियंत्रण और विद्युत ऊर्जा प्रणालियों के व्यापक क्षेत्रों में संकाय सदस्य इस स्कूल का हिस्सा हैं।

अभियांत्रिकी स्कूल (एसई)

यांत्रिकी अभियांत्रिकी और सिविल अभियांत्रिकी, सामग्री विज्ञान सहित अभियांत्रिकी के अन्य क्षेत्रों के संकाय सदस्य इस स्कूल का हिस्सा हैं।

मूलभूत विज्ञान स्कूल (एसबीएस)

भौतिकी, गणित, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान सहित बुनियादी विज्ञान के सभी क्षेत्रों के संकाय सदस्य इस स्कूल का हिस्सा हैं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस)

अंग्रेजी, जर्मन अध्ययन, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, प्रबंधन, इतिहास और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के संकाय सदस्य इस स्कूल का हिस्सा हैं।

1.2 उपाधि कार्यक्रम

- निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक) की जाती है:
 - सिविल अभियांत्रिकी (सीई)
 - कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी (सीएसई)
 - डेटा विज्ञान और अभियांत्रिकी (डीएसई)
 - इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी (ईई)
 - अभियांत्रिकी भौतिकी (ईपी)
 - मैकेनिकल अभियांत्रिकी (एमई)
 - बीटेक-एमटेक बायो-अभियांत्रिकी में एकीकृत दोहरी डिग्री
- एमएस (अनुसंधान द्वारा) निम्नलिखित इंजीनियरिंग विषयों में की जाती है:
 - कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
 - मैकेनिकल अभियांत्रिकी
 - इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
 - सिविल अभियांत्रिकी

3. अभियांत्रिकी, बुनियादी विज्ञान, और मानविकी और सामाजिक विज्ञान में पीएचडी
4. एमएससी रसायन विज्ञान में
5. एमएससी अनुप्रयुक्त गणित में
6. एमएससी भौतिकी में
7. एमटेक यांत्रिकी अभियांत्रिकी में ऊर्जा प्रणालियों में विशेषज्ञता के साथ
8. एमटेक सामग्री में विशेषज्ञता के साथ ऊर्जा अभियांत्रिकी में
9. एमटेक स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी में
10. एमटेक वीएलएसआई में
11. एमटेक पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव में
12. एमटेक संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग में
13. एमटेक जैव प्रौद्योगिकी में
14. आईपीएचडी (भौतिक विज्ञान)
15. विकास अध्ययन में एमए

1.3 वर्तमान नामांकित छात्रों के आंकड़े: नामांकन वर्ष, बैच, लिंग और श्रेणी के आधार पर

| लिंग के अनुसार डेटा | | |
|---------------------|-------------|------------|
| वर्ष | पुरुष | महिला |
| 2012 | 1 | 0 |
| 2013 | 2 | 0 |
| 2014 | 5 | 6 |
| 2015 | 23 | 16 |
| 2016 | 51 | 22 |
| 2017 | 175 | 41 |
| 2018 | 216 | 60 |
| 2019 | 469 | 147 |
| 2020 | 473 | 147 |
| Total | 1415 | 439 |

| वर्ष | बीटेक | | | | | | एम.एस.सी. (रसायन विज्ञान/गणित/भौतिकी) | | | | | | एमटेक | | | | | | | |
|---------|---------|-------|------|------|------------|-----|---------------------------------------|-------|------|------|------------|-----|---------|-------|------|------|------------|-----|----|-----|
| | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | ईडब्ल्यूएस | कुल | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | ईडब्ल्यूएस | कुल | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | ईडब्ल्यूएस | कुल | | |
| 2014 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| 2015 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 2 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| 2016 | 0 | 1 | 0 | 0 | -- | 1 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| 2017 | 73 | 39 | 23 | 11 | -- | 146 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | |
| 2018 | 94 | 53 | 29 | 15 | -- | 191 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | |
| 2019 | 126 | 72 | 41 | 17 | 6 | 262 | 46 | 28 | 16 | 6 | 4 | 100 | 80 | 37 | 17 | 3 | 9 | 146 | | |
| 2020 | 124 | 87 | 45 | 22 | 32 | 310 | 31 | 35 | 17 | 8 | 15 | 106 | 43 | 29 | 12 | 3 | 4 | 91 | | |
| कुल योग | | | | | | 912 | | | | | | | 209 | | | | | | | 239 |

| वर्ष | एमए | | | | | | आईपीएचडी | | | | | | एमएस (अनुसंधान द्वारा) | | | | | | | |
|---------|---------|-------|------|------|------------|-----|----------|-------|------|------|------------|-----|------------------------|-------|------|------|------------|-----|--|----|
| | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | ईडब्ल्यूएस | कुल | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | ईडब्ल्यूएस | कुल | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | ईडब्ल्यूएस | कुल | | |
| 2015 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | 4 | 1 | 0 | 0 | 0 | 5 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | | |
| 2016 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | | |
| 2017 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | 4 | 2 | 0 | 0 | 0 | 6 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 | | |
| 2018 | -- | -- | -- | -- | -- | -- | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 18 | 2 | 0 | 0 | 0 | 20 | | |
| 2019 | 5 | 2 | 2 | 0 | 2 | 11 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 | 21 | 4 | 0 | 0 | 0 | 25 | | |
| 2020 | 6 | 4 | 2 | 1 | 0 | 13 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 4 | 10 | 4 | 0 | 0 | 4 | 18 | | |
| कुल योग | | | | | | 24 | | | | | | | 22 | | | | | | | 69 |

| वर्ष | पीएचडी. | | | | | | अंशकालिक/ईआरपी (एमएस/पीएचडी) | | | | | | |
|---------|---------|-------|------|------|------------|-----|------------------------------|-------|------|------|------------|-----|----|
| | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | ईडब्ल्यूएस | कुल | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | ईडब्ल्यूएस | कुल | |
| 2012 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |
| 2013 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | |
| 2014 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 | 5 | 2 | 0 | 0 | 0 | 7 | |
| 2015 | 18 | 6 | 2 | 0 | 0 | 26 | 4 | 1 | 0 | 0 | 0 | 5 | |
| 2016 | 47 | 11 | 7 | 0 | 0 | 65 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 | |
| 2017 | 40 | 11 | 4 | 0 | 0 | 55 | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 3 | |
| 2018 | 49 | 5 | 4 | 0 | 0 | 58 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 | |
| 2019 | 43 | 15 | 2 | 2 | 0 | 62 | 7 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 | |
| 2020 | 37 | 20 | 3 | 2 | 8 | 70 | 5 | 2 | 1 | 0 | 0 | 8 | |
| कुल योग | | | | | | 341 | | | | | | | 38 |

2. परियोजना उन्मुख बीटेक पाठ्यक्रम

ऐतिहासिक रूप से, आईआईटी में बीटेक पाठ्यक्रम, जिसका उद्देश्य शाखा में अनुसंधान या अभियांत्रिकी में करियर के लिए प्रत्येक विशिष्ट शाखा में विशेषज्ञों को प्रशिक्षण देना था। शाखा के सभी उप-क्षेत्रों को गहराई से कवर करते हुए पाठ्यक्रम में एक बड़ा और उत्कृष्ट समावेश था। बुनियादी विज्ञान और अभियांत्रिकी में भी एक महत्वपूर्ण घटक था। पाठ्यक्रमों को सावधानीपूर्वक अनुक्रमित किया गया था, यह मानते हुए कि सभी छात्र उन्हें लॉक-स्टेप में ले जाएंगे। समाज और प्रौद्योगिकी में बदलाव के साथ, आईआईटी मंडी ने बीटेक पाठ्यक्रमों में एक नया रूप ले लिया है। एक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में, हमें एक मजबूत प्रौद्योगिकी ध्येय के साथ भारत के विकास के लिए नेताओं को प्रशिक्षित करना चाहिए। हमारे बीटेक स्नातक की आवश्यक और वांछनीय विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- कुछ उपयोगी करने के जुनून के साथ स्व-प्रेरित।
- जल्दी से सीखने और नवीन समाधान तैयार करने की क्षमता।
- एक केंद्रित और अनुशासित तरीके से कड़ी मेहनत करने की क्षमता।
- बुनियादी सिद्धांतों में एक ठोस आधार और पर्याप्त व्यावहारिक अनुभव।
- तत्काल उत्पादक होने के लिए पर्याप्त विशिष्ट ज्ञान।
- प्रभावी ढंग से संवाद करने और दूसरों के साथ काम करने की क्षमता।
- इन विशेषताओं के साथ, हमारे स्नातकों से उम्मीद की जा सकती है कि वे अपनी पहचान बनाएंगे, आईआईटी की प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे और अपनी शिक्षा में निवेश के लिए राष्ट्र की प्रतिपूर्ति करेंगे।

डिजाइन और नवाचार में सुविधा सामान्य वैज्ञानिक और अभियांत्रिकी सिद्धांतों और विधियों की मजबूत समझ और विज्ञान और अभियांत्रिकी के बाहर ज्ञान विस्तार यानी मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन सभी बीटेक की नींव हैं।

छात्र की चुनी हुई शाखा में ज्ञान का मूल सिद्धांत पाठ्यक्रम, प्रयोगशालाएं, या अभ्यास में सिद्धांतों और तकनीकों को सीखने के साथ इसे न्यूनतम रखा जाता है। अंत में, हमारे पास बड़ी संख्या में विशेषज्ञ बास्केट हैं। इनमें से कई अंतःविषय हैं। पाठ्यक्रम आरेख में सीमाओं को जानबूझकर अस्पष्ट और अतिव्यापी तरीके से खींचा गया है। यह लचीलेपन और भावी प्रौद्योगिकी स्नातक की स्वाभाविक अंतःविषय प्रकृति पर जोर देने के लिए है।

2.1 प्रारूप व्यवहार्य

आईआईटी मंडी कई वर्षों से “डिजाइन प्रैक्टिकम (डीपी)” नाम से अपना अनूठा उत्कृष्ट अवरस्नातक पाठ्यक्रम चला रहा है। पाठ्यक्रम दूसरे वर्ष के अवर स्नातक छात्रों को समाज के लिए उपयोगी उत्पादों को विकसित करने में उनके रचनात्मक, अभिनव और प्रबंधकीय कौशल को विकसित करने के लिए पेश किया जाता है। यह पाठ्यक्रम तकनीकी ज्ञान को प्रदूषण (वायु, पानी और शोर), स्वच्छता, जलवायु परिवर्तन, सार्वजनिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, कृषि आदि जैसे सामाजिक अनुप्रयोगों से जोड़ने का लक्ष्य रखता है। पाठ्यक्रम को समय और संसाधन-विवश परिदृश्य बनाने के लिए भी डिजाइन किया गया है। जिसके तहत छात्रों को प्रदर्शन करना होता है। यादृच्छिक रूप से चुने गए पांच से छह छात्रों की अंतःविषय टीमों को सामाजिक रूप से प्रासंगिक समस्याओं पर चर्चा करने, संभावित समाधानों की पहचान करने और अंततः सर्वोत्तम समाधान को लागू करने के लिए एक उत्पाद के साथ आने की यात्रा में दो सलाहकार समूह द्वारा पोषित किया जाता है। इस कार्यक्रम के अपेक्षित सीखने के परिणाम अंतःविषय टीमों में काम करने की क्षमता, समन्वय, प्रतिनिधिमंडल, नेतृत्व, तकनीकी शिक्षा, योजना और अखंडता, गलतियों से सीखना और टीम वर्क हैं। पिछले वर्षों में सफलतापूर्वक निर्मित और प्रदर्शित उत्पादों में दीवार पर चढ़ने वाला रोबोट, अग्निशमन रोबोट, जेस्चर-नियंत्रित 3-डी होलोग्राम, स्वचालित राशन वेंडिंग मशीन आदि शामिल हैं। ऐसे उत्पादों में सार्वजनिक सुरक्षा और मूल्यवान मानव जीवन को बचाने के लिए रक्षा शामिल है।

कोविड संबंधी बाधाओं के कारण इस वर्ष परिसर में डीपी का आयोजन नहीं किया जा सका। हालांकि, छात्र इस विचार के साथ काम कर रहे हैं और अंतिम उत्पादों को तैयार करने से पहले जितना संभव हो उतना प्रगति कर रहे हैं। समन्वयक एक इन-पर्सन ओपन हाउस की योजना बना रहे हैं, जहां छात्र कैंपस में वापस आने और अपने उत्पादों का निर्माण करने के बाद अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर सकते हैं।

2.2 इंटरएक्टिव सामाजिक-तकनीकी अभ्यास (आईएसटीपी)

आईआईटी मंडी एक बदलती दुनिया की जरूरतों को बेहतर ढंग से समायोजित करने के लिए इस अद्वितीय अंतःविषय पाठ्यक्रम की पेशकश करता है जहां सामाजिक चुनौतियों के लिए पहले से अधिक तकनीकी समाधान की आवश्यकता होती है, और प्रौद्योगिकी को अब समाज से ऊपर या बाहर के रूप में नहीं देखा जा सकता है। यह दृष्टिकोण तकनीकी मार्गों के माध्यम से आज की महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजाइन और नवाचार के प्रति प्रोत्साहन की अकादमिक संस्कृति के निर्माण पर केंद्रित है। डिजाइन और इनोवेशन स्ट्रीम के तहत एक महत्वपूर्ण कोर्स इंटरएक्टिव सोशियो-टेक्निकल प्रैक्टिकम (आईएसटीपी) है, जो तीसरे वर्ष के बी.टेक के लिए पेश किया जाता है। आईआईटी मंडी और विदेशों के संस्थानों के छात्र उनके समकक्ष सामाजिक प्रासंगिकता के साथ संयुक्त प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं पर दो महीने तक काम करते हैं। विद्यार्थी दल व्यापक क्षेत्रीय कार्य और साहित्य समीक्षा के माध्यम से वास्तविक दुनिया की विशिष्ट समस्याओं का आकलन करते हैं। समस्या के विभिन्न आयामों की जाँच करने के बाद, वे उसी के लिए तकनीकी समाधान प्रस्तावित करते हैं।

कोविड-19 महामारी और पूरे देश में लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध के कारण, 2020-21 में, आईआईटी मंडी के 81 छात्रों द्वारा केवल 20 आईआईटी मंडी संकाय सदस्यों और एनजीओ भागीदारों के मार्गदर्शन में 22 परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।

पाठ्यक्रम के तौर-तरीकों और सभी परियोजना रिपोर्टों के बारे में विस्तृत जानकारी यहां उपलब्ध है:

<http://www.iitmandi.ac.in/ISTP/>

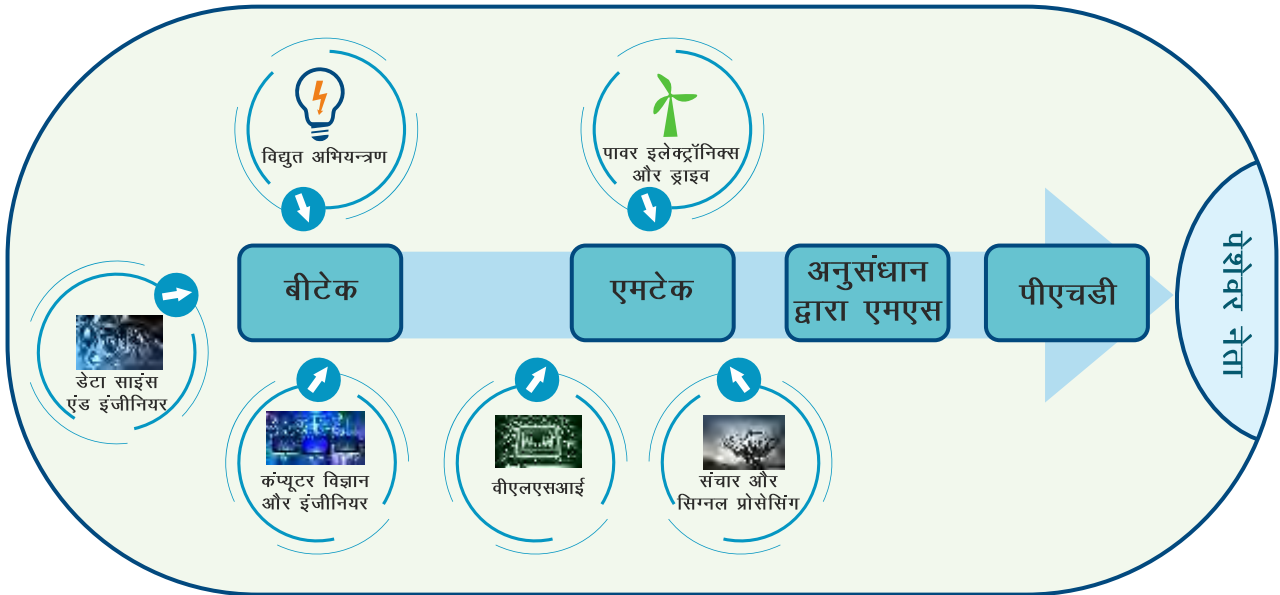
3. शैक्षणिक स्कूल

3.1 संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी (एससीईई)

आईआईटी मंडी के स्कूल संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी (एससीईई) का उद्देश्य संगणक, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत अभियांत्रिकी से संबंधित प्रौद्योगिकियों में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता बनाए रखना है।

संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल में 35 नियमित संकाय सदस्य, 6 अन्य संकाय सदस्य, 8 स्टाफ सदस्य और लगभग 77 पीएचडी छात्र, 137 मास्टर छात्र और 597 बीटेक छात्र हैं, इसके पांच व्यापक क्षेत्र हैं, अर्थात् पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, नियंत्रण और सेंसर, वीएलएसआई, सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी।

बीटेक स्कूल चार यूजी डिग्री प्रदान करता है, अर्थात् संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, डेटा साइंस एवं अभियांत्रिकी में, और स्कूल ऑफ बेसिक साइंस के साथ संयुक्त रूप से बायोअभियांत्रिकी में दोहरी डिग्री प्रोग्राम। स्कूल में तीन एमटेक कार्यक्रम हैं, अर्थात् पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार, और वीएलएसआई और नियमित पीएचडी और एमएस अनुसंधान कार्यक्रम हैं।



एससीईई, आईआईटी मंडी द्वारा पेश किए जाने वाले डिग्री प्रोग्राम

एससीईई में विभिन्न पाठ्यक्रमों की सेवन क्षमता और प्रारम्भिक वर्ष

| पाठ्यक्रम | प्रारम्भिक वर्ष | सेवन क्षमता |
|--|-----------------|--------------------|
| बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी) | 2009 | 70 |
| बीटेक (विद्युत अभियन्त्रण) | 2009 | 68 |
| बीटेक डेटा विज्ञान और अभियांत्रिकी | 2019 | 28 |
| बीटेक (बायो अभियांत्रिकी) दोहरी डिग्री | 2019 | 28 |
| एमटेक (वीएलएसआई) | 2016 | 36 |
| एमटेक (संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग) | 2017 | 35 |
| एमटेक (पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव) | 2017 | 36 |
| एमएस अनुसंधान द्वारा | 2010 | आवश्यकता के अनुसार |
| पीएचडी | 2010 | |

अनुसंधान क्षेत्र सैद्धांतिक और अनुप्रयोग-आधारित विषयों के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करते हैं जैसे कि स्मार्ट ग्रिड, नवीकरणीय ऊर्जा, कुशल अर्धचालक उपकरणों के लिए सामग्री, अगली पीढ़ी के संचार और कुशल मानव-कंप्यूटर संपर्क आदि।

स्नातक स्तर पर, हम छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के सिद्धांत और व्यवहार दोनों की एक मजबूत नींव प्रदान करके एक व्यावहारिक सीखने के दृष्टिकोण पर जोर देते हैं। हमारे पास स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज और स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज के साथ संयुक्त संकाय पद भी हैं, ताकि छात्रों को उनके अध्ययन के चुने हुए क्षेत्र के सामाजिक, नैतिक और समावेशी आयामों से अवगत कराया जा सके, जिससे वे समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

बी.टेक. के पहले बैच के छात्रों ने 2013 में स्नातक की पढ़ाई पूरी की और सक्षम इंजीनियरों के रूप में नवाचार की दुनिया में प्रवेश किया। स्नातकोत्तर स्तर पर, हमारे संकाय कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में छात्रों के लिए अनुसंधान और पेशेवर क्षमताओं के लिए बुनियादी बातों और अवसरों की गहरी महारत प्रदान करते हैं।





हमारे संकाय सदस्य व्यावहारिक और सैद्धांतिक अनुसंधान दोनों में लगे हुए हैं, अक्सर सरकारी एजेंसियों, निजी उद्योग और गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग संकाय की प्राथमिकता है। इसका उद्देश्य हमारे विषयों के भीतर ज्ञान की उन्नति करना है और समाज में योगदान देना भी है।

2020-21 में लगभग 66 जर्नल पेपर्स, और 32 पीयर-रिव्यूड कॉन्फ्रेंस पेपर्स, 6 बुक/बुक चैप्टर और 5 पेटेंट फाइल किए गए थे।

अधिक जानकारी के लिए:





वेबसाइट: <http://iitmandi.ac.in/Schools/SCEE/index.php>

संकाय

| क्र.सं. | नाम | विशेषज्ञता और अनुसंधान रुचि | छायाचित्र |
|---------|---|--|---|
| 1 | डॉ. समर अग्निहोत्री सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष http://faculty.iitmandi.ac.in/~samar/ | रिले नेटवर्क, सुरक्षित संचार और संगणना, वितरित संपीड़न और गणना |  |
| 2 | डॉ. अंकुश बाग सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~ankushbag/ | सेमीकंडक्टर डिवाइसेस, एपिटैक्सी और यौगिक अर्धचालक |  |
| 3 | डॉ. आदर्श पटेल सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~adarsh/ | वायरलेस संचार और अनुप्रयोगों के साथ नेटवर्क सिग्नल प्रोसेसिंग, गेम थ्योरी, मशीन लर्निंग, टैंसर, और अनुकूलन आधारित तकनीकें। |  |
| 4 | डॉ. आदित्य निगम सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~aditya/ | डीप लर्निंग, बायोमेट्रिक्स, कंप्यूटर विज्ञान, इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विज्ञान और मशीन लर्निंग |  |

| | | | |
|----|---|---|---|
| 5 | डॉ. अमित कुमार सिंह सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~amit/ | GaN- आधारित उच्च आवृत्ति डीसी-डीसी कन्वर्टर, IoT . के लिए DC-DC कन्वर्टर के अनुप्रयोग और द्विभाजन विश्लेषण डिजिटली नियंत्रित डीसी-डीसी कनवर्टर |  |
| 6 | डॉ. अनिल के. साव सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~anil/ | चिकित्सा छवि प्रसंस्करण, भाषण प्रसंस्करण, माइक्रोस्कोपी छवि प्रसंस्करण, विरल प्रतिनिधित्व |  |
| 7 | डॉ. अर्णव भावसार विनायक सह प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~arnav/ | कंप्यूटर विज्ञान, मेडिकल इमेज विश्लेषण, मशीन लर्निंग, डीप सीखना |  |
| 8 | डॉ. आरती कश्यप सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~arti/ | चुंबकत्व और चुंबकीय सामग्री, वितरित डेटाबेस अनुप्रयोग विकास और बड़ा डेटा एनालिटिक्स |  |
| 9 | डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~bsr/ | अक्षय ऊर्जा, शक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रिड एकीकरण अक्षय ऊर्जा, विद्युत प्रणाली हार्मोनिक्स, पावर सिस्टम (ऑपरेशन, नियंत्रण और विश्लेषण), पैरामीटर विद्युत मशीनों का अनुमान |  |
| 10 | डॉ. दिलीप ए.डी. सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~addileep/ | पैटर्न पहचान, कर्नेल तरीके पैटर्न विश्लेषण, मशीन लर्निंग के लिए, भाषण प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान |  |
| 11 | डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~gopishrikanth/ | एंटीना और तरंग प्रसार, माइक्रोवेव निष्क्रिय घटक, FSS और ईबीजी संरचनाएं, विद्युत रूप से नमूना एंटीना, एमआईएमओ/विविधता एंटीना, मोटामटेरियल |  |
| 12 | डॉ. हिमांशु मिश्रा सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~himanshumisra/ | विद्युत ड्राइव, डीएफआईजी सिस्टम, इलेक्ट्रिक वाहन, अक्षय ऊर्जा, पावर कन्वर्टर |  |
| 13 | डॉ. हितेश श्रीमाली सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~hitesh/ | एनालॉग और मिश्रित सिग्नल वीएलएसआई डिजाइन, एनालॉग-टू-डिजिटल कन्वर्टर और डिजाइन विकिरण हार्ड सर्किट (स्पेस) आवेदन) |  |

| | | | |
|----|--|---|---|
| 14 | डॉ. जिनेश मच्छर सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~jinesh/ | ज्यामितीय मॉडलिंग, सिमुलेशन, डिजाइन |  |
| 15 | डॉ. कुणाल घोष सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~kunal/ | सिलिकॉन सौर सेल, प्रदर्शन और फोटोवोल्टिक का विश्वसनीयता विश्लेषण मॉड्यूल |  |
| 16 | डॉ. मानस ठाकुर सहायक प्राध्यापक https://manas.gitlab.io/ | कार्यक्रम विश्लेषण, संकलक, प्रोग्रामिंग भाषा |  |
| 17 | डॉ. मौमिता दास सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~moumita/ | इलेक्ट्रिक वाहन: पावर कन्वर्टर और नियंत्रण, भंडारण पहलू, वाइड बैंडगैप डिवाइसेस का अनुप्रयोग (SiC, GaN) पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और उपयोग में अक्षय ऊर्जा स्रोतों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग |  |
| 18 | डॉ. नरसा रेड्डी टुम्मरु सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~tummuru/ | भविष्य के माइक्रोग्रिड में हाइब्रिड ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोग, अक्षय ऊर्जा अनुप्रयोगों और स्मार्टग्रिड संचार नेटवर्क में कुशल पावर इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस |  |
| 19 | डॉ. पद्मनाभन राजन सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~padman/ | भाषण और ऑडियो प्रसंस्करण, संगीत का विश्लेषण, जैव ध्वनिकी (प्राकृतिक ध्वनियों का विश्लेषण –पक्षी कॉल, एनिमल वोकलिजेशन), मशीन सीखने और पैटर्न पहचान, विशेष रूप से ऑडियो सिग्नल पर लागू होता है |  |
| 20 | डॉ. प्रतिम कुंडू सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~pratim/ | कैस्केडिंग विफलताओं से बचने के लिए व्यापक क्षेत्र माप का उपयोग करके विद्युत प्रणाली संचालन की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए तकनीकों का विकास। अनुसंधान स्मार्ट ग्रिड संचालन में सुधार के लिए कम्प्यूटेशनल एल्गोरिदम विकसित करने पर केंद्रित है |  |
| 21 | डॉ. राहुल श्रेष्ठ सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~rahul_shrestha/ | वीएलएसआई डिजाइन और सर्किट और सिस्टम सिग्नल प्रोसेसिंग और वायरलेस के लिए संचार। |  |
| 22 | डॉ. रामेश्वर प्रताप सहायक प्राध्यापक https://sites.google.com/site/prataprameshwaryadav/home?authuser=0 | डेटा साइंस में एल्गोरिदम और मशीन लर्निंग, सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान |  |

| | | | |
|----|---|---|---|
| 23 | डॉ. रेणु एम. रमेशन सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~renumr/ | इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विज्ञान, –III गम्भीर समस्याएं |  |
| 24 | डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~satinder/ | वीएलएसआई प्रौद्योगिकी, सीएमओएस डिवाइस निर्माण और विशेषता, उन्नत लिथोग्राफी, नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स |  |
| 25 | डॉ. सत्यजीत ठाकोर सहायक प्राध्यापक https://sites.google.com/site/satyajitthakor/ | संचार सिद्धांत, सूचना सिद्धांत, नेटवर्क कोडिंग |  |
| 26 | डॉ. शुभजित रॉय चौधरी सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~src/ | बायोमेडिकल एंबेडेड सिस्टम, गैर- इनवेसिव डायग्नोस्टिक सिस्टम, निकट इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी, वीएलएसआई वास्तुकला |  |
| 27 | डॉ. सिद्धार्थ सरमा सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~siddhartha/index.html | वायरलेस में संसाधन आवंटन नेटवर्क, वायरलेस सेंसर नेटवर्क और IoT, वायरलेस एनर्जी हार्वेस्टिंग। |  |
| 28 | डॉ. श्रीलक्ष्मी मंजुनाथ सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~sreelakshmi/ | संचार नेटवर्क, वाहन नेटवर्क, नियंत्रण सिद्धांत, गैर-रैखिक गतिशीलता, गैर-रैखिक नियंत्रक डिजाइन और समय-विलंबित सिस्टम |  |
| 29 | डॉ. श्रीनिवासु बोडापति सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~srinivasu/ | वीएलएसआई डिजाइन, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, हार्डवेयर सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफी और एफपीजीए आधारित सिस्टम डिजाइन |  |
| 30 | डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~srikant_srinivasan/ | बाहरी वातावरण में IOT, रास्पबेरी पाई सेंसर नेटवर्क, मशीन लर्निंग, डेटा माइनिंग, इमेज प्रसंस्करण, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स / स्पिट्रॉनिक डिवाइस मॉडलिंग और क्वांटम और अर्ध का उपयोग करके सिमुलेशन-शास्त्रीय परिवहन तकनीक |  |
| 31 | डॉ. श्रीकांत सुगवनम सहायक प्राध्यापक https://www.srikanthsugavanam.com/ | फाइबर लेजर, रीयल-टाइम लेजर विशेषता तकनीक |  |

| | | | |
|----|---|--|---|
| 32 | डॉ. श्रीराम कैलासम् सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~sriramk/ | वितरित कॉम्प्लेक्स इवेंट प्रोसेसिंग, क्लाउड रिसोर्स शेड्यूलिंग, स्केलेबल औपचारिक अवधारणा के लिए एल्गोरिदम scientific विश्लेषण, के लिए डेटा विश्लेषिकी आंकड़े |  |
| 33 | डॉ. तुषार जैन सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~tushar/ | नियंत्रण सिद्धांत, दोष सहिष्णु नियंत्रण, औद्योगिक प्रक्रिया नियंत्रण |  |
| 34 | डॉ. वरुण दत्त सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~varun/ | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ह्यूमन-कंप्यूटर बातचीत, संज्ञानात्मक विज्ञान, निर्णय और निर्णय लेना |  |
| 35 | डॉ. वरुणकुमार जयपॉल सहायक प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~varunkumar/ | एल्गोरिदम और डेटा संरचनाएं |  |
| 36 | प्रो. रमेश ओरुगंति संयुक्त प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~ramesho/ | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर फोटोवोल्टिक ऊर्जा प्रणाली |  |
| 37 | प्रो. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज प्रोफेसर एमेरिटस (मानद) http://faculty.iitmandi.ac.in/~tag/ | कंप्यूटर नेटवर्क और वितरित सॉफ्टवेयर सिस्टम |  |
| 38 | प्रो. यवोन डिट्रिच संयुक्त प्राध्यापक आईटी विश्वविद्यालय कोपेनहेगन https://www.itu.dk/~ydi/ShortCV.htm | सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग |  |
| 39 | प्रो. राजन कपूर संयुक्त प्राध्यापक अध्यक्ष, लारेंकेलो वेंचर्स एलएलसी बोल्डर, कोलोराडो, यूएसए | नवीकरणीय ऊर्जा औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स हेड माउंटेड डिस्प्ले |  |
| 40 | प्रो. बी.डी. चौधरी अवकाश प्राप्त प्राध्यापक | सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी |  |
| 41 | डॉ. एस्ट्रिड किह अभ्यागत सह-प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~astrid/ | वितरित एल्गोरिदम, सत्यापन, सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान |  |
| 42 | डॉ. इरविन फ्यूहरर अभ्यागत सह-प्राध्यापक | एमआरआई, आरएफ हार्डवेयर, बायोमेडिकल अभियांत्रिकी |  |

| क्रम सं. | नाम और पदनाम | पदनाम और योग्यता | छायाचित्र |
|----------|-----------------------|--|---|
| 1 | सुश्री नलिनी सिंह गिल | कनिष्ठ सहायक एमसीए |  |
| 2 | सुश्री राखी सांख्यान | कार्यालय सहायक बीएससी (आईटी), एमबीए (एचआर) |  |
| 3 | श्री मानेश्वर | मल्टी-टारकिंग स्टाफ आईटीआई (वैल्डर ट्रेड) |  |
| 4 | श्री तरुण वर्मा | जूनियर लैब असिस्टेंट डिप्लोमा (इलेक्ट्रॉनिक्स), बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स) |  |
| 5 | श्री शिवम | लैब तकनीकी सहायक डिप्लोमा (इलेक्ट्रिकल), एएमआईईई (इलेक्ट्रिकल) |  |
| 6 | श्री अरुण कुमार | प्रयोगशाला तकनीकी सहायक आईटीआई (इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड) |  |
| 7 | सुश्री तरुणा कुमारी | लैब तकनीकी सहायक बीई और एमई (जारी है) |  |
| 8 | सुमित मान | लैब तकनीकी सहायक एमटेक |  |

अनुसंधान परियोजनायें

पीआई, सीओ-पीआई, फंडिंग एजेंसियों के नाम, प्राप्त अनुदान और खर्च की गई राशि आदि।
बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

| क्रम सं. | परियोजना का शीर्षक | प्रायोजक एजेंसी | अन्वेषक | स्वीकृत राशि (रुपये) | परियोजना की अवधि |
|----------|---|-----------------------------------|-------------------------|----------------------|------------------|
| 1 | कृषि फसल के लिए उच्च-थ्रूपुट फेनोटाइपिंग प्रौद्योगिकियां स्वीकृति की तिथि: 01.07.2020 समापन की तिथि: 30.06.2023 | अर्नेटा टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड | डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन | 8,00,000 | 3 वर्ष |

| | | | | | |
|----|---|---------------|--|-----------|--------|
| 2 | लक्ष्मण रेखा: मोबाइल आधारित निरंतर पहचान और जियोफेंसिंग का उपयोग करके एआई-बायोमेट्रिक संचालित होम क्वारंटाइन प्रबंधन एप्लिकेशन स्वीकृति की तिथि: 05.10.2020 समापन की तिथि: 04.10.2021 | आईआईटी जोधपुर | डॉ. आदित्य निगम (पीआई), डॉ. अर्णव भावसार (सह-पीआई) | 10,00,000 | 1 वर्ष |
| 3 | वर्षा प्रेरित भूस्खलन के लिए एक कम लागत वाली एमईएमएस आधारित और वीडियो आधारित निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली स्वीकृति की तिथि: 14.12.2020 समापन की तिथि: 13.12.2023 | डीएसटी | डॉ. वेंकट कला उदय, डॉ. वरुण दत्त (सह-पीआई), डॉ. अर्णव भावसार (सह-पीआई) | 40,17,555 | 3 वर्ष |
| 4 | वीआर में टीडीसीएस के माध्यम से मानव प्रदर्शन में वृद्धि और मशीन सीखने के तरीकों के माध्यम से प्रदर्शन पूर्वानुमान स्वीकृति की तिथि: 09.12.2020 समापन की तिथि: 08.12.2023 | डीआरडीओ | डॉ. वरुण दत्त, डॉ. शुभजित राय चौधुरी (सह-पीआई), डॉ. अर्णव भावसार (सह-पीआई) | 49,13,480 | 3 वर्ष |
| 5 | इलेक्ट्रिक वाहन के कुशल संचालन के लिए स्थायी चुंबक तुल्यकालिक मशीन का नियंत्रण स्वीकृति की तिथि: 19.12.2020 समापन की तिथि: 18.12.2022 | एसईआरबी | डॉ. हिमांशु मिश्रा | 31,38,360 | 2 वर्ष |
| 6 | अटकलों का उपयोग कर आगामी उच्च प्रदर्शन कोड स्वीकृति की तिथि: 22.12.2020 समापन की तिथि: 21.12.2022 | एसईआरबी | डॉ. मानस ठाकुर | 25,67,730 | 2 वर्ष |
| 7 | इलेक्ट्रिक वाहनों के फास्ट चार्जिंग और कुशल पावर प्रबंधन के लिए सिस्टम और तरीके स्वीकृति की तिथि: 22.12.2020 समापन की तिथि: 21.12.2022 | एसईआरबी | डॉ. मौमिता दास | 32,83,500 | 2 वर्ष |
| 8 | इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर चार्जिंग रणनीतियाँ: पहाड़ी राज्यों में सुनिश्चित रेंज स्वीकृति की तिथि: 18.02.2021 समापन की तिथि: 17.02.2022 | आईईईई | डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित | 18,72,000 | 1 वर्ष |
| 9 | कम लागत वाले एक्सटेन्सोमीटर-आधारित भूस्खलन की निगरानी और जल्दी चेतावनी उपकरण स्वीकृति की तिथि: 26.02.2021 पूरा होने की तिथि: 25.02.2024 | डीएसटी | डॉ. कला वेंकट उदय (पीआई), डॉ. वरुण दत्त (सह-पीआई) | 44,87,288 | 3 वर्ष |
| 10 | भारत में कोविड-19 के संबंध में जोखिम धारणा, भय, सामाजिक दूरी, मास्क और उपचार का मूल्यांकन स्वीकृति की तिथि: 26.02.2021 पूरा होने की तिथि: 25.02.2024 | आईसीसीएसआर | डॉ. वरुण दत्त | 44,87,288 | 3 वर्ष |

| | | | | | |
|----|---|-----------------------------|---|-----------|--------|
| 11 | स्मार्ट सैटेलाइट इमेज एनालिटिक्स का उपयोग करके मध्य-हिमालयी किसानों के लिए सतत सिंचाई सलाह स्वीकृति की तिथि: 09.03.2021 पूरा होने की तिथि: 08.03.2024 | डीएसटी | डॉ. मानस ठाकुर (पीआई) प्रो. यवोन डिट्रिच (पीआई) कोपेनहेगन, डेनमार्क के आईटी विश्वविद्यालय से, डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली, डॉ. रमना ठाकुर (सीओपीआई) | 99,29,444 | 3 वर्ष |
| 12 | कम लागत वाली भूस्खलन निगरानी और चेतावनी प्रणाली की तैनाती स्वीकृति की तिथि: 24.02.2021 पूरा होने की तिथि: 23.02.2024 | जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण | डॉ. वरुण दत्त (पीआई), डॉ. कला वेंकट उदय (सह-पीआई) | 49,20,000 | 3 वर्ष |
| 13 | खोज के लिए ACT-R संज्ञानात्मक वास्तुकला का उपयोग करके रोबोट मॉडल पर मानव संज्ञानात्मक व्यवहार को दोहराना – और आभासी वातावरण में मिशन को पुनः प्राप्त करना | डीआरडीओ | डॉ. वरुण दत्त, डॉ. अर्णव भावसार | 36,08,440 | 2 वर्ष |

प्रायोजित परामर्श अनुसंधान परियोजनाएं

| क्रम सं. | प्रस्ताव शीर्षक | संकाय का नाम | हस्ताक्षरित समझौता | स्वीकृत राशि (रुपये में) | परियोजना की अवधि |
|----------|---|----------------|---|--------------------------|------------------|
| 1 | आर कार्यक्रमों के अनुकूलन के लिए कार्यक्रम विश्लेषण हस्ताक्षर करने की तिथि: 31.08.2020 समापन तिथि: 30.08.2021 | डॉ. मानस ठाकुर | मिस्टर माजाना कुंक, रिएक्टर लैब्स, प्राग, चेक गणराज्य | 34,82,400 | 1 वर्ष |

अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति

डॉ. जिनेश मच्छर

5 दशकों से अधिक समय से खुली हुई स्वेप्ट वॉल्यूम गणना के लिए एक मजबूत कार्यान्वयन लिखने की समस्या को 2डी मामले के लिए हल कर दिया गया है।

डॉ. शुभजित राय चौधरी

गैर-इनवेसिव मस्तिष्क उत्तेजना के लिए हमारे विकसित स्पाइकिंग इलेक्ट्रोड का चूहों पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था।

डॉ. मानस ठाकुर

निखिल टीआर (2016), और धीरज और स्वप्निल रुस्तगी (2017) के एमटीपी वर्क, “एक्लिप्स ओपनजे 9 पर सटीक स्टैटिक एनालिसिस का उपयोग करके स्टैक आवंटन में सुधार” शीर्षक से ओपन रनटाइम्स और क्लाउड परफॉर्मेंस टेक्नोलॉजीज (एओआरसीपीटी 2020) में एडवांस पर आईबीएम वर्कशॉप में प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया।)

डॉ. वरुण दत्त

- **इंटरएक्टिव जलवायु परिवर्तन सिमुलेटर:** जलवायु परिवर्तन की विभिन्न सम्भावनाओं के प्रभाव और व्यक्तियों द्वारा किए गए मौद्रिक कार्यों (अनुकूलन या शमन) पर प्रतिक्रिया की उपलब्धता का अध्ययन करने के लिए एक वेब-आधारित उपकरण।
- **हैकआईटी:** एक प्रयोगात्मक साइबर सुरक्षा उपकरण जो विश्लेषकों को कॉन्फिगरेशन चरण के दौरान साइबर अवसंरचना का अनुकरण करने और धोखे के चरण में धोखे एल्गोरिथ्म को परिभाषित करने की अनुमति देता है।
- **धोखे का खेल:** विभिन्न साइबर हमले की स्थितियों में शामिल विभिन्न मापदंडों के प्रतिकूल निर्णय लेने पर प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक वेब-आधारित सिमुलेशन उपकरण।

डॉ. जी. श्रीकांत रेड्डी

उत्पाद विकसित:

- एक्स-बैंड अवशोषण के लिए एफएसएस आधारित वाइड बैंड अवशोषक ।
- यूनिट सेल स्लॉट की एक सरणी का उपयोग करके वाइड स्कैन लीकी वेव एंटीना ।

डॉ. श्रीराम कैलासम्

डिपेंडेबल और सिक्वोर कंप्यूटिंग पर आईईईई ट्रांजेक्शन को सबमिट किए गए डिस्ट्रीब्यूटेड फॉर्मल कॉन्सेप्ट एनालिसिस के लिए रेसिलिएंट फ्रेमवर्क पर एमटीपी काम करता है ।

डॉ. राहुल श्रेष्ठ

हमने स्पेक्ट्रम सेंसर के लिए ASIC चिप तैयार की है जिसका उपयोग सहकारी संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क के लिए किया जा सकता है ।

डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन

FarmerZone App को विकसित किया गया और कई हजार किसानों को वितरित किया गया ।

प्रकाशन / पेटेंट / पुस्तकें / पुस्तक अध्याय / पत्र राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल / सम्मेलन ।

पेटेंट

1. दिनेश बी., एन. गुप्ता, और एच. श्रीमाली, "अडैप्टिव हाइब्रिड एनालॉग-टू-डिजिटल कन्वर्टर विथ फ्रैक्शनल/मल्टी बिट प्रति साइकिल कन्वर्जन", भारतीय पेटेंट, आवेदन संख्या: 202013054196, दिसंबर 2020 में दायर किया गया ।
2. दिनेश बी., एन. गुप्ता, और एच. श्रीमाली, "हाइब्रिड एनालॉग-टू-डिजिटल कन्वर्टर विथ फ्रैक्शनल/मल्टी-बिट प्रति चक्र रूपांतरण", भारतीय पेटेंट, आवेदन संख्या 202011053662, दिसंबर 2020 में दायर किया गया ।
3. एस रॉय चौधरी, ए दत्ता, ए दास, "मस्तिष्क उत्तेजना के लिए न्यूरोवास्कुलर प्रतिक्रियाशीलता निर्धारित करने के लिए सिस्टम और विधियां", यूएस पेटेंट संख्या 10874341 29 दिसंबर 2020 को दी गई ।
4. शिल्पा खार्च, जी. श्रीकांत रेड्डी, "एमआईएमओ डायवर्सिटी एंटीना", आवेदन संख्या. 338999-001 दिनांक 12 फरवरी 2021 ।
5. नीलेश यादव, नरसा रेड्डी 'फिल्टर कैपेसिटर डायनेमिक्स-आधारित फॉल्ट डिटेक्शन के साथ-साथ कम वोल्टेज डीसी माइक्रोग्रिड में भवन अनुप्रयोगों के लिए समय-आवृत्ति स्थानीयकरण के साथ' आवेदन संख्या 202111002237 दिनांक 18 जनवरी 2021 ।

प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय

1. एस रॉय चौधरी, आर अग्रवाल, जी मीणा, ए गुप्ता, एम शर्मा, वी कुमार, एस कुमार, "असिस्टिव टेक्नोलॉजी फॉर गारमेंट्स: एन ऑल सीजनस जैकेट", चैप्टर ने बड़ों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी में योगदान दिया, नागेंद्र कुमार सूर्यदेवरा द्वारा संपादित, पीपी 225-234, एल्सेवियर, 2020 ।
2. जी श्रीकांत रेड्डी "कॉम्पैक्ट वाइडबैंड मुद्रित एंटीना", मेटामटेरियल-व्युत्पन्न आवृत्ति चुनिंदा सतहों की हैंडबुक, स्प्रिंगर
3. टी. सैनी, जी. तोमर, डी.सी. राणा, एस. अत्री, और वी. दत्त, "ए वेटेड एनसेम्बल अप्रोच टू रियल-टाइम प्रेडिक्शन ऑफ सरपेंडेड पार्टिकुलेट मैटर," इन एडवांस्ड कंप्यूटिंग. डी. गर्ग, के. वॉंग, जे. सारंगापानी, और एस. के. गुप्ता, एड., सिंगापुर: स्प्रिंगर, 2021, पीपी. 381-394 ।
4. एस. कौशिक, ए चौधरी, वी दत्त, एन दासगुप्ता, एस नटराजन, और एलए पिकेट, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में "स्वास्थ्य देखभाल व्यय के समय-श्रृंखला पूर्वानुमान के लिए एकल और बहु-सिर वाले तंत्रिका आर्किटेक्चर का मूल्यांकन": सैद्धांतिक अग्रिम और उन्नत अनुप्रयोग. सी. एस. बी. दिनेश और आर. मैंगी, एड.: डी गुइटर, 2020, पीपी. 159-176 ।
5. पी. कुमार, पी. सिहाग, ए. पठानिया, पी. चतुर्वेदी, केवी उदय, और वी. दत्त, "कंपेरिजन ऑफ मूविंग-एवरेज, लेजी, एंड इंफॉर्मेशन गेन मेथड्स फॉर प्रेडिक्टिंग वीकली स्लोप-मूवमेंट्स: ए केस-स्टडी इन चमोली, इंडिया," इन अंडरस्टैंडिंग एंड रिड्यूसिंग लैंडस्लाइड डिजास्टर रिस्क: वॉल्यूम 3 मॉनिटरिंग एंड अर्ली वार्निंग. एन. कासागली, वी. टोफानी, के. सस्सा, पी. टी. बोब्रोस्की, और के. तकारा, एड.: स्प्रिंगर, 2021, पीपी. 321-330 ।

6. चौधरी, एस कौशिक, और वी दत्त, इंटेलिजेंट डेटा इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स में "ट्विटर भावनाओं पर अनुयायियों का प्रभाव दुर्लभ रोग दवाओं के बारे में" एस. सी. सतपथी, वाई. झांग, वी. भटेजा, आर. मांझी, एड., सिंगापुर: स्प्रिंगर, 2021, पीपी. 595–603.

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

- कुडेलिन, एस. सुगवनम, और एम. चर्नशेवा, "पल्स-ऑनसेट डायनेमिक्स इन ए बिडायरेक्शनल मोड-लॉकड फाइबर लेजर वाया इंस्टैबिलिटीज," क्म्युन फिज, वॉल्यूम. 3, नं. 1, पी. 202, दिसंबर 2020, डीओआई: 10.1038/एस42005-020-00465-4 |
- कुडेलिन, एस. सुगवनम, और एम. चर्नशेवा, "अल्ट्राफास्ट फाइबर लेजर पर आधारित रोटेशन सक्रिय सेंसर," सेंसर, वॉल्यूम. 21, नं. 10, पी. 3530, 2021 |
- एन. गुप्ता, ए. मकोसीज, एच. श्रीमाली, ए. अमारा, ए. व्लादिमिरस्कु, सी. एंगेल, "टनल एफईटी नेगेटिव-डिफरेंशियल-रेसिस्टेंस बेस्ड 1T1C रिफ्रेश-फ्री-DRAM, 2T1C SRAM और 3T1C DRAM", में नैनोटेक्नोलॉजी पर आईईईई लेनदेन, वॉल्यूम. 20, पीपी | 270–227, फरवरी 2021 |
- जोशी, एच. श्रीमाली और एसके शर्मा, "डिजिटली असिस्टेड सेकेंडरी स्विच-एंड-कंपेयर टेक्नीक फॉर ए एसएआर एडीसी", ट्रांजेक्शन ऑन सर्किट्स एंड सिस्टम्स II: एक्सप्रेस ब्रीफ्स (टीसीएस-II), (जनवरी 2021 में स्वीकृत) .
- जोशी, एच. श्रीमाली और एसके. शर्मा, "ए डिस्क्रीट-टाइम एमओएस पैरामीट्रिक एम्पलीफायर आधारित चॉपड सिग्नल डेमोड्युलेटर" आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन सिस्टम्स (टीवीएलएसआई), वॉल्यूम. 28, नं. 11, पीपी. 2268–2279, नवंबर 2020 |
- वी.के. शर्मा, जे.एन. त्रिपाठी, और एच. श्रीमाली, "निर्धारक नॉइज एनालिसिस इन सिंगल-स्टेज एम्पलीफायर्स बाय एक्सटेंशन ऑफ इंडिफाइनेट एडमिटेन्स मैट्रिक्स", आईईईई ओपन जर्नल ऑफ सर्किट्स एंड सिस्टम्स (ओजेसीएस), वॉल्यूम में. 1, पीपी. 124–139, 2020 |
- जोशी, एच. श्रीमाली और एसके शर्मा, "एक एसएआर एडीसी के लिए कम स्विचिंग मोड: आईईटी सर्किट, डिवाइस और सिस्टम, वॉल्यूम में आवधिक स्टैंड-बाय मोड सर्किट घटकों के साथ एसएआर ए-टू-डी एल्गोरिदम का विश्लेषण और डिजाइन" . 14, अंक 5, अगस्त 2020, पीपी 686–694 |
- के. अग्रवाल, पी. उनियाल, एस. वीरेंद्रसिंह, एस. कृष्णा, और वी. दत्त, "स्पैम मेल क्लासिफिकेशन यूजिंग एन्सेम्बल एंड नॉन-एनसेम्बल मशीन लर्निंग एल्गोरिदम," लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क एंड सिस्टम्स, वॉल्यूम. 141, पीपी. 179–189, 2021 |
- वी. ठाकुर, के. रॉबिन्सन, ईए ओगुज, आई. दीपिना, ए. पठानिया, पी. कुमार, पी. चतुर्वेदी, केवी उदय, और वी.दत्त, "जल-ट्रिगर भूस्खलन की प्रारंभिक चेतावनी," में व्याख्यान नोट्स सिविल इंजीनियरिंग, वॉल्यूम. 140, पीपी 139–150, 2021 |
- पी. चतुर्वेदी और वी. दत्त, "अंडरस्टैंडिंग ह्यूमन डिजीजन मेकिंग इन एन इंटरएक्टिव लैंडस्लाइड सिमुलेटर टूल वाया रीइन्फोर्समेंट लर्निंग," (अंग्रेजी में), फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, वॉल्यूम. 11, पृ. 3985, 2021 |
- एस. संगर, वी. दत्त, और आर. ठाकुर, "भारत में स्वास्थ्य व्यय के साथ मुकाबला: एनएसएस 71वें दौर से साक्ष्य," ग्लोबल सोशल वेलफेयर, वॉल्यूम. 7, नं. 3, पीपी. 275–284, 2020 |
- एच. कटकवार, पी. अग्रवाल, जेड. मकबूल, और वी. दत्त, "हनीपोट्स से जुड़े एक धोखे के खेल में प्रतिकूल निर्णयों पर नेटवर्क आकार का प्रभाव," मनोविज्ञान में फ्रंटियर्स, वॉल्यूम. 11, पृ. 2385, 2020 |
- आर. त्यागी, पी. अग्रवाल, एम. मोहंती, वी. दत्त, और ए. आनंद, "कम्प्यूटेशनल कॉग्निटिव मॉडलिंग एंड वैलिडेशन ऑफ डीपी140 प्रेरित परिवर्तन ऑफ वर्किंग मेमोरी इन डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी," साइंटिफिक रिपोर्ट्स, वॉल्यूम. 10, नं. 1, पीपी. 1–12, 2020 |
- एम. कुमार और वी. दत्त, "अंडरस्टैंडिंग डिजीजन इन कलेक्टिव रिस्क सोशल डिलेमा गेम्स यूजिंग रीइन्फोर्समेंट लर्निंग," आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन कॉग्निटिव एंड डेवलपमेंटल सिस्टम्स, वॉल्यूम. 12, नं. 4, पीपी. 824–840, 2020 |
- एस. कौशिक, ए. चौधरी, एस. नटराजन, एल.ए. पिकेट, और वी. दत्त, "मेडिसिन व्यय की भविष्यवाणी एक

विचरण—आधारित जनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क के माध्यम से,” आईईईई एक्सेस, वॉल्यूम. 8, पीपी. 110947–110958, 2020 |

16. के. राव, एस. चंद्रा, और वी. दत्त, “डेस्कटॉप और वर्चुअल—रियलिटी ट्रेनिंग अंडर वेरीइंग डिग्री ऑफ टास्क डिफिकल्टी इन ए कॉम्प्लेक्स सर्च—एंड—शूट सिनेरियो,” लेक्चर नोट्स इन कंप्यूटर साइंस, वॉल्यूम. 12428, पीपी 421–439, 2020 |
17. डी. सलीम, एस. ठाकोर, और ए. तिवारी, “पुनरावर्ती एल्गोरिदम को सत्यापित करने के लिए अर्ध—यूनिफॉर्म एन्ट्रॉपी वैक्टर और इसके अनुप्रयोग,” संचार पर आईईईई लेनदेन में, वॉल्यूम. 69, नं. 2, पीपी. 874–883, फरवरी 2021 |
18. एस. आलम, एस. ठाकोर, और एस. अब्बास, “इनर बाउंड्स फॉर द ऑलमोस्ट एंट्रोपिक रीजन एंड नेटवर्क कोड कंस्ट्रक्शन,” आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन कम्प्युनिकेशंस, वॉल्यूम में. 69, नं. 1, पीपी. 19–30, जनवरी 2021 |
19. एम. आई. कुरैशी और एस. ठाकोर, “स्तरित अप्रत्यक्ष यूनिकास्ट नेटवर्क की सूचना क्षमता पर,” आईईईई संचार पत्रों में, वॉल्यूम. 24, नं. 12, पीपी 2715–2718, दिसंबर 2020 |
20. ए. जोशी, एच.श्रीमाली, और एस.के. शर्मा ; SAR ADC के लिए डिजिटली असिस्टेड सेकेंडरी स्विच—एंड—कंपेयर तकनीक; स्वीकृत, सर्किट और सिस्टम II पर आईईईई लेनदेन: एक्सप्रेस ब्रीफ, (2021), Doi: 10.1109/TCSII.2021.3053210 (अर्ली एक्सेस) |
21. पी. गुप्ता, आर. कुमार, एसके शर्मा, अगली पीढ़ी के सीएमओएस अनुप्रयोगों के लिए उच्च प्रदर्शन लागत प्रभावी कॉपर—मेटल—ऑर्गेनिक—नैनोक्लस्टर आधारित गेट डाइइलेक्ट्रिक का एकीकरण, विली में स्वीकार किया गया: उन्नत इलेक्ट्रॉनिक सामग्री (2021), (जल्दी पहुँच) |
22. आर. कुमार, एम. चौहान, एम. जी. मोइनुद्दीन, एस. के. शर्मा और के. ई. गोंजाल्विस; उप—10 एनएम इलेक्ट्रॉन बीम और हीलियम आयन बीम लिथोग्राफी के लिए निकेल आधारित नकारात्मक टोन धातु ऑक्साइड क्लस्टर का विकास; एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेस, 12, 17, (2020) | <https://doi.org/10.1021/acsami.9b21414>.
23. एम जी मोइनुद्दीन, ए. एच. लोन, एस. श्रीनिवासन और एस. के. शर्मा; $MgO \times N 1 - x(x=0.57)$ टनल बैरियर का उपयोग करते हुए STT-RAM एप्लिकेशन के लिए लो—करंट—डेंसिटी मैग्नेटिक टनल जंक्शन; इलेक्ट्रॉन उपकरणों पर आईईईई लेनदेन; वॉल्यूम: 67, (2020); 125 – 132; Doi: 10.1109/TED.2019.2954131.
24. एन. रवि किरण, एम. चौहान, एस. घोष, एस.के. शर्मा और के.ई. गोंजाल्विस; हीलियम आयन बीम लिथोग्राफी के लिए प्रतिरोध: हाल की प्रगति; एसीएस एप्ल. इलेक्ट्रॉन. मेटर. 2, 12, 3805–3817 (2020); <https://doi.org/10.1021/acsaelm.0c00627>.
25. जोशी, एच.श्रीमाली, एस.के. शर्मा; एक असतत—समय एमओएस पैरामीट्रिक एम्पलीफायर—आधारित कटा हुआ सिग्नल डेमोड्युलेटर; बहुत बड़े पैमाने पर एकीकरण (वीएलएसआई) सिस्टम पर आईईईई लेनदेन, वॉल्यूम 28, नंबर 11, (2020) | Doi: 10.1049/jet-cds.2019.0224.
26. पी. जेरोम, एम.जी. मोइनुद्दीन, एस. घोष, एस.के. शर्मा, के.ई. गोंजाल्विस; गैर—रासायनिक रूप से प्रवर्धित पॉलिमरिक हाइब्रिड प्रतिरोधों में ऑर्गेनोटिन अगली पीढ़ी की लिथोग्राफी के लिए संवेदनशीलता के साथ बेहतर समाधान प्रदान करता है; एसीएस एप्लाइड पॉलिमर सामग्री; 2,5, (2020); <https://doi.org/10.1021/acsapm.0c00005>.
27. एम.सोनी, ए.सोनी, और एस.के. शर्मा; पलैश मेमोरी के विश्वसनीयता विश्लेषण के लिए $NrGO$ फ्लोटिंग गेट और अल्ट्रा $thinSiOXNY$ टनलिंग लेयर—आधारित $Al/PMMA/NrGO/SiOXNY/p-Si/Au$ गेट स्टैक; डिवाइस और सामग्री विश्वसनीयता पर आईईईई लेनदेन; वॉल्यूम: 20, अंक: 3, (2020); Doi: 10.1109/TDMR.2020.3010267.
28. एस के शर्मा, एम जी मोइनुद्दीन, एम योगेश, एस शर्मा, एम सहानी, एस घोष, और के ई गोंजाल्विस; एन—सीएआर में नैनोकणों—आधारित फोटोमल्टीप्लायर पर ध्यान केंद्रित करना; प्रोक. SPIE 11326, पैटर्निंग सामग्री और प्रक्रियाओं में अग्रिम XXXVII, 113261C (23 मार्च 2020); Doi: 10.1117/12.2552190.
29. पी. गुप्ता, एम.सोनी, एस.के. शर्मा; सीएमओएस अनुप्रयोगों के लिए अल्ट्राथिन ऑक्सीनाइट्राइड इंटरफेसियल परत के कारण वैकल्पिक लैथेनम ऑक्साइड/सिलिकॉन ऑक्सीनाइट्राइड आधारित गेट स्टैक प्रदर्शन वृद्धि; सामग्री विज्ञान जर्नल: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री; 31, 1986–1995 (2020); <https://doi.org/10.1007/s10854-019-02718-7>.

30. जी. के. बेलमोंटिया, एस.डब्ल्यू. सेंड्रोना, पी.जी. रेड्डी, सी.ए.एस. मौरा, एम.जी.मोइनुद्दीन, जे.पीटरक, एस.के. ईयूवी विकिरण, अनुप्रयुक्त भूतल विज्ञान, वॉल्यूम के तहत एसएन-आधारित गैर-रासायनिक-प्रवर्धित प्रतिरोधों की यंत्रवत अंतर्दृष्टि। 533, 15, 146553, (2020); <https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2020.146553>.
31. एम. कुमार यादव, ए.मंडल, एस. श्रृंगी, एस.के. शर्मा, ए. बैग, आरईएसयूआरएफ का उपयोग करते हुए सी (100) आधारित शोटकी बैरियर डायोड पर $\beta\text{Ga}_2\text{O}_3$ का प्रदर्शन संवर्धन; आईओपी, सेमीकंडसाइंस टेक्नॉल; 35,8, 085009, 8पीपी, (2020). <https://doi.org/10.1021/acsanm.0c01362>.
32. एम. जी. मोइनुद्दीन, आर कुमार, एम योगेश, एस शर्मा, एम सहानी, एस के शर्मा और के ई गोंजाल्विस; पॉलिमर में एंबेडेड फंक्शनलाइज्ड एजी नैनोपार्टिकल्स उच्च-रिजॉल्यूशन लिथोग्राफी के लिए प्रतिरोध करते हैं; एसीएस एप्लाइड नैनो सामग्री; 3, 9, 8651–8661 (2020); <https://doi.org/10.1021/acsanm.0c01362>.
33. आर.सोनी, के.पालित, एम.सोनी, आर. कुमार और एस.के. शर्मा; स्केलेबल यूवी विकिरण-आधारित नाइट्रोजन-डॉपड कम ग्रैफेन ऑक्साइड-संशोधित इलेक्ट्रोड से न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन की अत्यधिक संवेदनशील इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग; सामग्री विज्ञान का बुलेटिन, 43, संख्या: 175 (2020) <https://doi.org/10.1007/s12034-020-02091-w>.
34. एस. के. शर्मा, आर. कुमार, एम. चौहान, एम. जी. मोइनुद्दीन, जे. पीटर, एस. घोष, सी. पी. प्रदीप, के. ई. गोंजाल्विस; सभी नए निकल-आधारित मेटल कोर ऑर्गेनिक क्लस्टर (MCOC) N7+ नोड पैटर्निंग के लिए प्रतिरोध करते हैं; प्रोक. SPIE 11326, पैटर्निंग सामग्री और प्रक्रियाओं में अग्रिम XXXVII, 1132604 (26 मार्च 2020)। Doi: 10.1117/12.2552189.
35. एम. के. यादव, ए. मंडल, एस. दास, एस. के. शर्मा, ए. बैग, इम्पैक्ट ऑफ एनीलिंग टेम्परेचर ऑन बैंड-अलाइनमेंट ऑफ पीएलडी ग्रोन $\text{Ga}_2\text{O}_3/\text{Si}$ (100) हेटरोइंटरफेस, जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स; वॉल्यूम 819,5,153052, (2020); <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2019.153052>.
36. जोशी, एच. श्रीमाली, और एस.के. शर्मा, एसएआर एडीसी के लिए कम स्विचिंग मोड: आवधिक स्टैंड-बाय मोड सर्किट घटकों के साथ एसएआर ए-टू-डी एल्गोरिदम का विश्लेषण और डिजाइन; आईईटी सर्किट, डिवाइस और सिस्टम; खंड 14, अंक 5, (2020), p. 686–694; Doi: 10.1049/iet-cds.2019.0224.
37. आर. कुमार, ए. कुमार, आर. सिंह, आर. कश्यप, आर. कुमार, डी. कुमार, एस. के. शर्मा, एम. कुमार, रूम टेम्परेचर अमोनिया गैस सेंसर यूजिंग मेटा टॉलुइक एसिड-फंक्शनल ग्रेफीन ऑक्साइड; सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी 240 (2020) 121922; <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2019.121922>.
38. एस. शेते, एस. श्रीनिवासन, और टी.ए. गोन्सेल्सवज, "टैसेलगन: एन एप्लीकेशन ऑफ द जेनरेटिव एडवरसैरियल मॉडल फॉर क्रिएटिंग फील्ड-बेस्ड मक्का टैसल डेटा," प्लांट फेनोमिक्स में, वॉल्यूम. 2020, 15 पेज, अगस्त 2020।
39. एच. लोन, एस. श्रृंगी, के. मिश्रा, और एस. श्रीनिवासन, "क्रॉस-सेक्शनल एरिया डिपेंडेंस ऑफ टनल मैग्नेटोरेसिस्टेंस, थर्मल स्टेबिलिटी, एंड क्रिटिकल करंट डेंसिटी इन एमटीजे," आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन मैग्नेटिक्स, वॉल्यूम में। 57, नं. 2, पीपी. 1–10, फरवरी 2021।
40. एस. वी. मिर्नेजामी, एस. श्रीनिवासन, वाई. झोउ, पी. एस. स्केनेबल, बी. गणपतिसुब्रमण्यम, "डिटेक्शन ऑफ द प्रोग्रेसन ऑफ एंथेसिस इन फील्ड-ग्रोन मक्के टैसल्स: ए केस स्टडी," प्लांट फेनोमिक्स में, वॉल्यूम. 2021, 14 पेज, मार्च 2021।
41. जे. मच्छर, हेनरी सेगरमैन और गेशॉन एल्बर, "कंज्यूगेट शेप सिंप्लीफिकेशन वाया सटीक बीजगणितीय प्लानर स्वीप्स टुवर्ड गियर डिजाइन" इन कंप्यूटर्स एंड ग्राफिक्स, वॉल्यूम. 90, पीपी. 1–10, अगस्त 2020।
42. बंदोपाध्याय, जी शर्मा, एस रॉय चौधरी, "एनआईआरएस का कम्यूटेशनल विश्लेषण और तीन न्यूरॉन-सिस्टम फीडफॉरवर्ड इनहिबिशन नेटवर्क के साथ न्यूरोवास्कुलर कपलिंग से बोल्ड सिग्नल", सैद्धांतिक जीवविज्ञान का जर्नल, वॉल्यूम। 498, पीपी. 110297 (1–12), अगस्त 2020। (आईएफ: 2.691)।
43. जी शर्मा, ए बंदोपाध्याय, एस रॉय चौधरी, "इस्केमिक स्ट्रोक पुनर्वास तकनीक के साथ संवहनी गतिविधि पर एक प्रारंभिक अध्ययन", क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी, प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 2020 (आईएफ: 3.614)।
44. जी. शर्मा, ए बंदोपाध्याय, एस रॉय चौधरी, "एनोडल ट्रांसक्रैनिअल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन तकनीक के साथ इस्केमिक स्ट्रोक के मरीजों के स्वस्थ और लेसियन गोलार्ध को वर्गीकृत करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन", क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी, वॉल्यूम 131, नंबर 4, पीपी. ई 199-e200, May 2020. (IF: 3.614).

45. जी शर्मा, एस रॉय चौधरी, "गैर इनवेसिव मस्तिष्क उत्तेजना के लिए इष्टतम स्थानों का पता लगाने के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण", मेडिकल सिस्टम के जर्नल, 44: 85 (1-10), 2020 (आईएफ: 4.46)।
46. जी शर्मा, एस रॉय चौधरी, "गैर इनवेसिव मस्तिष्क उत्तेजना के लिए इष्टतम स्थानों का पता लगाने के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण", मेडिकल सिस्टम के जर्नल, 44: 85 (1-10), 2020 (आईएफ: 2.456)।
47. वाई. अरोड़ा, एस. रॉय चौधरी, "कॉर्टिकल एक्सआईटेबिलिटी थ्रू एनोडल ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन: ए कम्प्यूटेशनल अप्रोच", जर्नल ऑफ मेडिकल सिस्टम्स, 44: 48 (1-13), 2020 (आईएफ: 4.46)।
48. जी. शर्मा, आर. कुमार, एस. रॉय चौधरी, "फैब्रिकेशन ऑफ ड्यूल पर्पस स्पाइकिंग इलेक्ट्रोड फॉर सेंसिंग इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम सिग्नल एंड हाई डेफिनिशन ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन", आईईईई सेंसर्स जर्नल, वॉल्यूम. 20, नंबर 3, पीपी. 1664-1671, 2020. (आईएफ: 3.076)।
49. एस रॉय चौधरी, जी शर्मा, वाई. अरोड़ा, "सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन स्टडीज थ्रू नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी: ए रिव्यू", एडवांस्ड मैटेरियल्स लेटर्स: पार्ट सी- बायोलॉजिकल मैटर एंड मैटेरियल्स, वॉल्यूम. 11(3), 20031482 (1-10), 2020 (आईएफ: 2.49)।
50. एल.वी.आर. प्रसादराजू, ए. मधुबाबू, एस. रॉय चौधरी, "कार्डियक एनॉर्मलिटीज के एक्यूरेट डिटेक्शन में सुधार और मेडिकल सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए प्रोग्नॉस्टिक हेल्थ डायग्नोसिस", आईईईई एक्सेस, वॉल्यूम. 8, पीपी. 32776-32782, 2020। (आईएफ: 4.098)।
51. एम ठाकुर. कैसे (नहीं) 2020 के बाद जावा पॉइंटर विश्लेषण लिखें। प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर पर नए विचारों, नए प्रतिमान, और प्रतिबिंब पर एसीएम सिगप्लान अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आगे! 2020), पीपी. 134-145, एसीएम, न्यूयॉर्क, नवंबर 2020।
52. डी. गोयल, वी. के. जयपॉल और वी. रमन: "डिग्री खोजने की माया". विवेक. आवेदन गणित. खंड 286: पीपी 128-139 (नवंबर 2020)।
53. जेसी डैश, के नागलक्ष्मैया, जीएस रेड्डी, जे मुखर्जी, "इलेक्ट्रिकली स्मॉल हेमी-सिलेंडरिकल शेड मल्टिलेयर वीएचएफ एंटेना फॉर अंडरग्राउंड माइन कम्युनिकेशन", आईईटी माइक्रोवेव्स, एंटेना एंड प्रोपेगेशन, वॉल्यूम 14, अंक 6, पीपी.491 - 497, मई 2020।
54. एन. यादव और एन. आर. तुम्मुरु, "जोनल टाइप लो-वोल्टेज डीसी माइक्रोग्रिड अनुप्रयोगों के लिए एक वास्तविक समय प्रतिरोध आधारित दोष जांच तकनीक, - quot; उद्योग अनुप्रयोगों पर आईईईई लेनदेन में, वॉल्यूम. 56, संख्या 6, पीपी 6815-6824, नवंबर-दिसंबर, 2020।
55. वर्दानी और एन. आर. तुम्मुरु, "क्लोज्ड-लूप करंट कंट्रोल स्ट्रैटेजी के साथ एक सिंगल-स्टेज बिडायरेक्शनल इंडक्टिव पावर ट्रांसफर सिस्टम," परिवहन विद्युतीकरण पर आईईईई लेनदेन में, वॉल्यूम. 6, नं. 3, पीपी. 948-957, सितंबर 2020।
56. आर.बी. चौरसिया और आर श्रेष्ठ, "फास्ट सेंसिंग-टाइम एंड हार्डवेयर-एफिशिएंट आइजेनवैल्यू आधारित ब्लाइंड स्पेक्ट्रम सेंसर फॉर कॉग्निटिव रेडियो नेटवर्क," आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन सर्किट्स एंड सिस्टम्स I: रेगुलर पेपर्स, वॉल्यूम. 67, नं. 4, पीपी. 1296-1308, अप्रैल 2020।
57. आर श्रेष्ठ, "एक बहु-मूलांक एमएपी-डिकोडर माइक्रोआर्किटेक्चर और ऊर्जा-कुशल और परिवर्तनीय-थ्रूपुट अनुप्रयोगों के लिए इसका एएसआईसी कार्यान्वयन," बहुत बड़े पैमाने पर एकीकरण (वीएलएसआई) सिस्टम पर आईईईई लेनदेन, वॉल्यूम. 29, नं. 1, पीपी. 65-75, जनवरी 2021।
58. आर.बी. चौरसिया और आर श्रेष्ठ, "ए न्यू हार्डवेयर-एफिशिएंट स्पेक्ट्रम-सेंसर वीएलएसआई-आर्किटेक्चर फॉर डेटा फ्यूजन बेस्ड कोऑपरेटिव कॉग्निटिव-रेडियो नेटवर्क," आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन (वीएलएसआई) सिस्टम, वॉल्यूम. 29, नं. 4, पीपी. 760-773, फरवरी 2021।
59. वी. सिंह, बी. पाल, और टी. जैन, ए नोवेल स्टेट एंड पैरामीटर एस्टीमेशन एल्गोरिथम फॉर स्पार्क इग्निशन इंजन, त्रैवार्षिक 21वीं आईएफएसी वर्ल्ड कांग्रेस, वॉल्यूम. 53, अंक 2, पीजी. 13964-13969, 2020।
60. वी. सिंह, बी. पाल और टी. जैन, स्पार्क इग्निशन इंजन के लिए स्टेट एंड पैरामीटर एस्टीमेशन, डायनेमिकल सिस्टम्स के

कंट्रोल एंड ऑप्टिमाइजेशन में 6वां एडवांस, आईएफएसी—पेपर्सऑनलाइन, वॉल्यूम. 53, अंक 1, पीजी. 573–578, 2020।

61. कुमार और टी. जैन, एन अल्टरनेटिव मेथड फॉर ऑप्टिमल कॉन्सेंस प्रोटोकॉल डिजाइन फॉर स्केलर सिंगल-इंटीग्रेटर्स यूजिंग क्रोटोव कंडीशंस, आईएफएसी—पेपर्सऑनलाइन, वॉल्यूम। 53, अंक 2, पीजी. 2982–2987, 2020।
62. शरण, टी. जैन, अक्षय ऊर्जा प्रणालियों में 3-चरण निष्क्रिय रेक्टिफायर के लिए स्पेक्ट्रल विश्लेषण—आधारित दोष निदान एल्गोरिदम, आईईटी पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, वॉल्यूम 13, अंक 16, पृष्ठ. 3818–3829, 2020.63. वी. सिंह, बी. पाल और टी. जैन, इंटीग्रेटेड मेथोडोलॉजी फॉर स्टेट एंड पैरामीटर एस्टीमेशन ऑफ स्पार्क-इग्निशन इंजन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम साइंस, टेलर एंड फ्रांसिस, वॉल्यूम। 52, अंक 11, पीजी. 2375–2396, 2021।
64. त्यागी, जे. बिस्वास, के. घोष, ए. कोट्टथरायिल, और एस. लोढ़ा, “होल सेलेक्टिव लेयर के रूप में एएलडी एमओओएक्स के साथ सिलिकॉन कैरियर सेलेक्टिव कॉन्टैक्ट सोलर सेल्स का प्रदर्शन विश्लेषण,” सिलिकॉन, 2021।
65. डी.बेरा, आर.प्रताप, बी. डी. वर्मा, बी. सेन, टी. चक्रवर्ती, “क्विंट: नेटवर्क हैशिंग का उपयोग करके नोड एम्बेडिंग”, ज्ञान और डेटा इंजीनियरिंग पर आईईईई लेनदेन (टीकेडीई), पृष्ठ: 1–14, 2021, डीओआई 10.1109/टीकेडीई.2021.3111997।
66. देशपांडे, आर. प्रताप, “आउटलेर्स के साथ सबस्पेस सन्निकटन के लिए नमूना—आधारित आयाम में कमी” या संगणना विज्ञान 858: 100–113, 2021, doi <https://doi.org/10.1016/j.tcs.2021.01.021>

सम्मेलनों में भागीदारी और पत्र प्रस्तुति

1. बंदोपाध्याय, जी शर्मा, एस रॉय चौधरी, “ए कंप्यूटेशनल मॉडल टू एनालिसिस ई/आई (एक्साइटेशन/इनहिबिशन) डायनेमिक्स फॉर न्यूरल नेटवर्क इंटीग्रेटेड विद एस्ट्रोसाइट”, 2020 आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल इंटेलेजेंस इन बायोइन्फॉर्मेटिक्स एंड कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, सैंटियागो, चिली, 27–29 अक्टूबर, 2020।
2. वाई अरोड़ा, ए दत्ता, एस रॉय चौधरी, “एनोडल ट्रांसक्रैनिअल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन के दौरान हेमोडायनामिक प्रतिक्रिया के रास्ते: एक कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण” न्यूरोरेहैबिलिटेशन (आईसीएनआर 2020), वीगो, स्पेन, अक्टूबर 13–15 पर 5 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2020।
3. वाई. अरोड़ा, एस. मुखर्जी, बी. बिस्वास, वी. बेदी, जी. डे. पी. मंडल, एस. घोष, एस. रॉय चौधरी, “ए नोवेल नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी बेस्ड डिवाइस फॉर एल्युमिन एस्टीमेशन”, 42वां वार्षिक मेडिसिन एंड बायोलॉजी सोसाइटी (ईएमबीसी 2020) में आईईईई इंजीनियरिंग का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पालिस डेस कॉन्ग्रेस डी मॉन्ट्रियल, मॉन्ट्रियल, क्यूबेक, कनाडा 20–24 जुलाई, 2020।
4. जी शर्मा, आर राज, एस रॉय चौधरी, “सेरेब्रल कॉर्टेक्स को लक्षित करने के लिए हाई डेफिनिशन ट्रांसक्रैनिअल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन डिवाइस”, आईईईई इंटरनेशनल इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मेजरमेंट टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस 2020, उबरोवनिक, क्रोएशिया, मई 25–28, 2020।
5. आर.एम. सुधन राव, एम. असद और ए.के.सिंघा, “डिजिटल औसत करंट—मोड नियंत्रित बक कन्वर्टर का विश्लेषण और डिजाइन,” प्रो में। आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव्स एंड एनर्जी सिस्टम्स (पेड्स), 2020, पीपी. 1–4, doi: 10.1109/PEDES49360.2020.9379636.
6. एस. भट्टाचार्य, ए. के. सिंघा, और ए. सेनगुप्ता, “डिजाइन ऑफ ए स्ट्रॉन्ग कंट्रोलर फॉर ए वोल्टेज—मोड नियंत्रित बक कन्वर्टर,” इन प्रोक। आईईईई इंडिया काउंसिल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (इंडिकॉन), 2020, doi: 10.1109/INDICON49873.2020.9342588.
7. मुनीस्वरन, ज्योति, और एस. कैलासम, “वितरित एफसीए के लिए एक हाइब्रिड विभाजन रणनीति”, 2020 कॉन्सेप्ट लैटिस और इसके अनुप्रयोगों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीएलए), पीपी. 71–82, तेलिन, एस्टोनिया, जून 2020।
8. ज्योति, ए. बुजमाकोव, और एस.कैलासम, “टुवर्ड्स स्टेबल सिगनेचर सबग्रुप डिस्कवरी” 2020 कॉन्सेप्ट लैटिस एंड इट्स एप्लिकेशन्स (सीएलए), पीपी. 287–292, तेलिन, एस्टोनिया, जून 2020 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
9. मर्लिन एस, एस. कैलासम और टी.ए. गोन्सेल्वज, “रियल टाइम क्लासिकल मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के लिए बेंचमार्किंग

डिस्ट्रीब्यूटेड स्ट्रीम प्रोसेसिंग फ्रेमवर्क”, 2020 कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज (ICCCNT 2020), IIT खड़गपुर इंडिया, 2020 पर 11 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।

10. गणेशन, एस. कैलासम और दिलीप ए डी, “इवेंट-ड्रिवेन डेटा पाइपलाइन फॉर नेटवर्क मैनेजमेंट सिस्टम्स” 2020 कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज पर 11वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीएनटी 2020), आईआईटी खड़गपुर इंडिया, 2020 ।
11. करीम और एच. मिश्रा, “दो-स्तरीय पीडब्लूएम वीएसआई पर साइन-वेव एलसी फिल्टर का प्रभाव लंबी लीड को देखते हुए आईएम ड्राइव सिंचित” एनपीएससी 2020 में प्रस्तुत किया गया ।
12. आर श्रेष्ठ और एस. टेलगोटे, “एक शॉर्ट सेंसिंग-टाइम साइक्लोस्टेशनरी फीचर डिटेक्शन बेस्ड स्पेक्ट्रम सेंसर फॉर कॉग्निटिव रेडियो नेटवर्क,” आईईईई इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन सर्किट्स एंड सिस्टम्स (आईएससीएस), पीपी. 1-5, सेविले, स्पेन, अक्टूबर 2020
13. ए. वर्मा और आर श्रेष्ठ, “5जी न्यू-रेडियो वायरलेस-कम्युनिकेशन स्टैंडर्ड के लिए अगली पीढ़ी के क्यूसी-एलडीपीसी डिकोडर का एक नया वीएलएसआई आर्किटेक्चर,” सर्किट और सिस्टम पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएससीएस), पीपी 1-5, सेविले, स्पेन, अक्टूबर 2020 ।
14. वी.के. शर्मा, जे.एन. त्रिपाठी, एच. श्रीमाली, “एन-पोर्ट सर्किट में नियतात्मक शोर का विश्लेषण करने के लिए एक निरीक्षण आधारित विधि”, आईईईई ईपीईपीएस 2020, पीपी-1-3, अक्टूबर 2020 ।
15. वी.के. शर्मा, जे.एन. त्रिपाठी, एच. श्रीमाली, “एमओएस एम्पलीफायरों में आपूर्ति शोर के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए एक सामान्यीकृत दृष्टिकोण”, आईईईई एसपीआई 2020, पीपी- 1-4, मई 2020 ।
16. एस धीमान, वी.के. शर्मा, एच. श्रीमाली, “कम पीएसआईजे का डिजाइन और विश्लेषण, अंतरिक्ष अनुप्रयोग के लिए ऊर्जा कुशल बूटस्ट्रैप ड्राइवर”, आईईईई आईएससीएस, अक्टूबर 2020, सेविले, स्पेन ।
17. एम आई कुरैशी और एस ठाकोर, “अप्रत्यक्ष यूनिकास्ट नेटवर्क सूचना क्षमता के लिए बाध्य विभाजन पर,” आईईईई इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इंफॉर्मेशन थ्योरी (आईएसआईटी), पीपी. 1623-1628, एलए, यूएसए, जून 2020 में ।
18. एस गुजराल, एस सरमा और एस बनर्जी, “आईओटी के लिए द्विदिश टैग-टू-डिवाइस कम्युनिकेशंस में ट्रांसमिट पावर मिनिमाइजेशन,” 2021 कम्युनिकेशन सिस्टम्स एंड नेटवर्क्स (COMSNETS), बेंगलुरु, भारत पर 13 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी. 572- 580, जनवरी 2021. doi: 10.1109/COMSNETS51098.2021.9352909
19. एस. साहू और एस. सरमा, “मेकिंग आईपीवी6-ओवर-बीएलई एनर्जी-फ्रेंडली: एन एडेप्टिव एल्गोरिथम फॉर डाइवर्स ट्रैफिक,” 2021 13वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्युनिकेशन सिस्टम्स एंड नेटवर्क्स (कॉम्सनेट्स), बेंगलुरु, भारत, पीपी. 581- 588, जनवरी 2021. doi: 10.1109/COMSNETS51098.2021.9352938.
20. चावला, आर के सिंह, ए. पटेल और ए. के. जगन्नाथम, “मिलीमीटर वेव मैसिव एमआईएमओ वायरलेस सेंसर नेटवर्क में डिस्ट्रीब्यूटेड डिटेक्शन,” 2020 सिग्नल प्रोसेसिंग एंड कम्युनिकेशंस (एसपीसीओएम), 2020, पीपी 1-5 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।
21. एमएसए, टी जैन, और जे यामे, “मल्टीजोन बिल्डिंग में वीएवी टर्मिनल इकाइयों के लिए गलती का पता लगाने और अलगाव”, नियंत्रण प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों (सीसीटीए) पर चौथा आईईईई सम्मेलन, पीपी. 795-800, मॉन्ट्रियल, कनाडा, अगस्त 2020 ।
22. वी. सिंह, बी. पाल और टी. जैन, पैरामीटर अनिश्चितता के साथ स्पार्क इग्निशन इंजन के लिए स्थिति और पैरामीटर अनुमान, नियंत्रण और स्वचालन पर 28 वां आईईईई भूमध्य सम्मेलन, स्नातकोत्तर. 502-507, 2020 ।
23. ज्योतिभूषण पी, ए कुमार, जी.एस. रेड्डी, “मीडर लाइन और लूप रेजोनेटर लोडेड ड्यूल् बेंड इलेक्ट्रिकली स्मॉल एंटीना”, 2020 IEEE-Union Radio-ScientifiqueInternationale-URSI रीजनल कॉन्फ्रेंस ऑन रेडियो साइंस (RCRS), भारत, फरवरी 2020 ।
24. एन. शर्मा, एस. उत्तरानी, और वी. दत्त, “मॉडलिंग द एक्स ऑफ फ्रेमिंग इफेक्ट इन एन एक्सपीरियंस-बेस्ड कोविड-19 डिजीज प्रॉब्लम,” इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉग्निटिव मॉडलिंग में, पीपी. 249-255, इरविन, सीए, यूएसए, जून 2020 ।

25. आर. प्रताप, के. रेवनुरु, ए. रवि, आर. कुलकर्णी, "रैंडमनेस एफिशिएंट फीचर हैशिंग फॉर स्पैर्स बाइनरी डेटा" मशीन लर्निंग (एसीएमएल) पर 12वीं एशियाई सम्मेलन, पृष्ठ 689–704, ऑनलाइन सम्मेलन, नवंबर 2020 ।
26. आर. प्रताप, ए. देशमुख, पी. नायर, ए. रवि, "स्केलिंग अप सिम्हाश" मशीन लर्निंग (एसीएमएल) पर 12वाँ एशियाई सम्मेलन, पृष्ठ 705–720, ऑनलाइन सम्मेलन, नवंबर 2020 ।
27. देशपांडे और आर. प्रताप, "आउटलेर्स के साथ सबस्पेस सन्निकटन" 26वां अन्तर्राष्ट्रीय कंप्यूटिंग और कॉम्बिनेटोरिक्स सम्मेलन (कोकून), पृष्ठ 1–13, ऑनलाइन सम्मेलन, अगस्त 2020 ।
28. देशपांडे, पी.कचम और आर प्रताप, "मजबूत के-मीन्स." एसोसिएशन फॉर अनसर्टेन्टी इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (यूएआई), पृष्ठ 799–808, ऑनलाइन सम्मेलन, अगस्त 2020 ।
29. एस. उत्तराणी, एन. शर्मा, और वी. दत्त, "मॉडलिंग द एब्सेंस ऑफ फ्रेमिंग इफेक्ट अमंग इंडियन एंड यूएस पॉपुलेशन इन ए एक्सपीरियंस-बेस्ड COVID-19 डिजीज प्रॉब्लम," 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल कंप्यूटिंग, बिहेवियरल-कल्चरल मॉडलिंग , और मॉडलिंग और सिमुलेशन में भविष्यवाणी और व्यवहार प्रतिनिधित्व, वाशिंगटन डीसी, यूएसए, अक्टूबर 2020 ।
30. एस. भार्गव, एस. कौशिक, ए. चौधरी, और वी. दत्त, "रक्त शर्करा के स्तर की भविष्यवाणी के लिए एक भारत पहनावा दृष्टिकोण का विकास," कंप्यूटिंग और मशीन इंटेलिजेंस पर पहला अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमआई 2021), पीपी. 297 –301, इस्तांबुल, तुर्की, फरवरी 2021 ।
31. के. राव, एस. चंद्रा, और वी. दत्त, "डेस्कटॉप और वर्चुअल-रियलिटी ट्रेनिंग एक जटिल खोज-और-शूट परिदृश्य में कार्य कठिनाई की बदलती डिग्री के तहत," मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2020, पीपी 421–439, कोपेनहेगन, डेनमार्क, अक्टूबर 2020 ।
32. डी. साहू, एन. सूद, यू. रानी, जी. अब्राहम, वी. दत्त, और ए. दिलीप, "नेटवर्क लोड डेटासेट के लिए बहु-चरणीय समय-श्रृंखला पूर्वानुमान का तुलनात्मक विश्लेषण," कम्प्यूटिंग संचार और नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज (आईसीसीसीएनटी), पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2020, पीपी 1–7, खड़गपुर, भारत, अक्टूबर 2020 ।

लोकसम्पर्क / सतत शिक्षा गतिविधियों का आयोजन

डॉ. सिद्धार्थ शर्मा

- "इंटरनेट ऑफ थिंग्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स" पर एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) ऑनलाइन एफडीपी ।

डॉ. श्रीकांत सुगवनम

- EU-H2020-ITN 'MEFISTA'/EU-H2020-EID 'REAL-NET'/EU-H2020-ITN 'WON'/EU-H2020-ETN 'पोस्ट-डिजिटल' हस्तांतरणीय कौशल कार्यशाला 1 (TSW 1) के लिए आमंत्रित वार्ता) – "शैक्षणिक संचार के लिए रचनात्मक संरक्षण" ।

<https://mefista.astonphotonics.uk/transferable-skills-workshop-i-tsw-i/>

डॉ. हितेश श्रीमाली

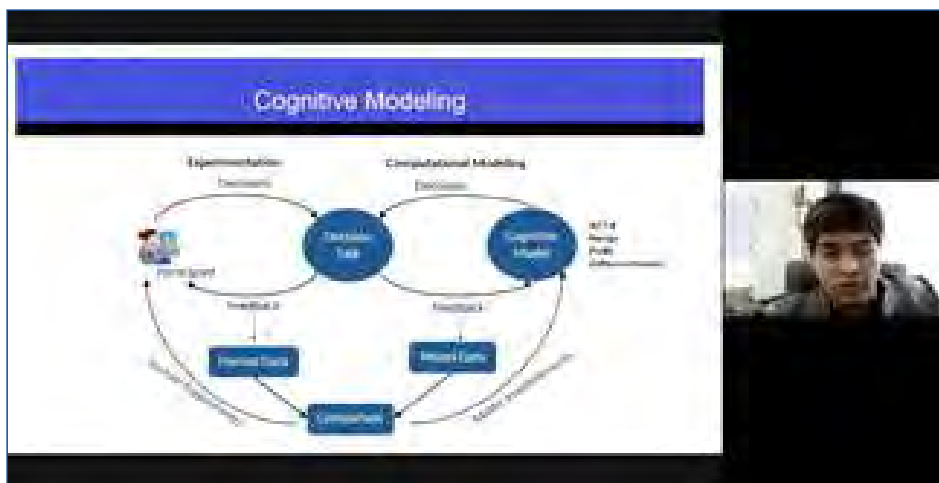
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोसेसर के लिए मिश्रित-सिग्नल डिजाइन दृष्टिकोण पर एआईसीटीई प्रायोजित शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम (एसटीटीपी) ने एलबीआरसीई, एपी, भारत (मार्च 2021) के लिए एक व्याख्यान दिया ।
- TEQIP (22 अगस्त, 2020) के एक भाग के रूप में एनआईटी जालंधर के लिए "ऊर्जा कुशल हाइब्रिड फ्लैश-एसएआर एडीसी के डिजाइन और मॉडलिंग" पर एक व्याख्यान दिया गया था ।
- जेयूआईटी, सोलन, एचपी (17 जून, 2020) के लिए "मिश्रित सिग्नल एसओसी में उद्योग 4.0 की ओर रुझान" पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के एक भाग के रूप में दिया गया व्याख्यान ।
- आईआईटी जोधपुर (मई, 2020) के लिए "ऑन-चिप पावर डिलीवरी नेटवर्क" पर एक व्याख्यान दिया गया ।

डॉ. वरुण दत्त

- प्रतिकूल साइबर सुरक्षा पर DST-UKIERI अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत और लंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम ने 23 और 24 सितंबर 2020 को "प्रतिकूल साइबर सुरक्षा" पर दो दिवसीय आभासी कार्यशाला की मेजबानी की। यह कार्यशाला सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, इनोवेशन एंड कोलैबोरेशन (CMRiC), यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से आयोजित की गई थी। कार्यशाला को यूके-इंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशिएटिव और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत द्वारा वित्त पोषित किया गया था।



- संज्ञानात्मक मॉडलिंग पर दूसरा ऑनलाइन शीतकालीन स्कूल: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने 15 से 17 दिसंबर 2020 तक संज्ञानात्मक मॉडलिंग (डब्ल्यूएससीएम) पर दूसरे शीतकालीन स्कूल की वस्तुतः मेजबानी की। इस पहल की मेजबानी आईआईटी मंडी ने हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय (एचपीटीयू), ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय, वाटरलू विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के सहयोग से की थी। इस कार्यक्रम में विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय शोधकर्तों और पेशेवरों के प्रमुख सत्र शामिल थे, जो छात्रों को संज्ञानात्मक मॉडलिंग के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रशिक्षित करने के लिए थे।



डॉ. श्रीलक्ष्मी मंजुनाथ

- संचार प्रणाली और नेटवर्क (COMSNETS) 2021 पर 13 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रचार सह-अध्यक्ष।

डॉ. सतिन्द्र शर्मा

- IIT मंडी के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया: स्टार्टअप हब, पहल इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY) इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन 6, CGO कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली जनवरी 2020।

- विशेषज्ञ वार्ता, 'उन्नत अनुप्रयोगों के लिए सामग्री और उपकरण, 28.07.2020, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ सेक्टर 26, चंडीगढ़ 160019।
- "नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइसेस एंड सर्किट डिजाइन" पर एसटीसी पर आमंत्रित वार्ता 8 जुलाई, 2020, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (NITTTR) चंडीगढ़ सेक्टर 26, चंडीगढ़ 160019।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), सेक्टर-12, चंडीगढ़ में 18 जून को "इलेक्ट्रॉनिक और फोटोनिक उपकरणों के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (नैनोदेव-2020)" पर ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स आमंत्रित।
- "नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइसेस एंड सर्किट्स डिजाइन" पर ऑनलाइन एसटीसी पर आमंत्रित वार्ता, 7 जुलाई, 2020, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (NITTTR) चंडीगढ़ सेक्टर 26, चंडीगढ़ 160019
- क्वांटम और ऊर्जा सामग्री पर एसटीसी में विशेषज्ञ व्याख्यान: क्षमता और amp; आवेदन, 22 अप्रैल 2020 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (NITTTR) चंडीगढ़ सेक्टर 26, चंडीगढ़ 160019 में।

डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन

- सटीक कृषि को अपनाने की सर्वोत्तम प्रथाओं पर किसान लोक सर्म्पक कार्यक्रम।

सम्मेलन / कार्यशालाएं / अन्य संस्थान / उद्योग का दौरा (भारत या विदेश में) या आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. हितेश श्रीमाली

- डॉ. हितेश श्रीमाली ने IEEE ISCAS 2020 में भाग लिया (वस्तुतः उपस्थित)।

डॉ. शुभजित राय चौधरी

- सेंसर टेक्नोलॉजी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, मैसूर, 21-25 सितंबर, 2020 पर फैंकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में देखभाल के बिंदु पर पैथोफिजियोलॉजिकल मापदंडों की गैर-इनवेसिव सेंसिंग।
- रिसर्च मेथडोलॉजी पर फैंकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में रिसर्च में इंटरडिसिप्लिनारिटी, साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट, सितंबर 20-24, 2020।
- संचार प्रणालियां और नेटवर्क (LVCSN'20), एनआईटी जालंधर, सितंबर 16-20, 2020 के लिए लो पावर वीएलएसआई डिजाइन पर फैंकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप में लो पावर वीएलएसआई सर्किट का आर्किटेक्चरल डिजाइन।
- एनालॉग और डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन पर फैंकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में "वीएलएसआई सर्किट का आर्किटेक्चरल एंड लॉजिक सिंथेसिस" (तीन व्याख्यानों की श्रृंखलाएं), एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़, अगस्त 03-07, 2020।

डॉ. मानस ठाकुर

- किट्स रामटेक द्वारा 29 मई, 2020 को आयोजित "हॉटस्पॉट जेवीएम में जावा प्रदर्शन" शीर्षक से बहु-संस्थागत आमंत्रित वार्ता।
- अगस्त-दिसंबर 2020 में पेश किए गए पाठ्यक्रम CS502 कंपाइलर डिजाइन में प्रो. वी कृष्ण नंदीवाड़ा (आईआईटी मद्रास) द्वारा "समांतर कार्यक्रमों का विश्लेषण और अनुकूलन" पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

डॉ. वरुण दत्त

- "साइबर-भौतिक प्रणालियां, सोसाइटी 5.0 कृत्रिम बुद्धिमत्ता"
- इंडो-यूएस ह्यूमन मशीन टीमिंग वर्कशॉप, अर्लिंगटन, वीए, यूएसए।
- पांचवीं ब्रेन मैपिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्कशॉप, आईआईटी दिल्ली।
- अनुभूति और संगणना पर संकाय विकास कार्यक्रम, आईआईटी रुड़की।

- संज्ञानात्मक मॉडलिंग पर दूसरा ऑनलाइन विंटर स्कूल, आईआईटी मंडी ।

डॉ. रामेश्वर प्रताप

- 8 जुलाई, 2021 को आईआईटी-बीएचयू द्वारा आयोजित “डेटा एनालिटिक्स और प्रेडिक्टिव टेक्नोलॉजीज” पर एक मुख्य भाषण दिया । मैंने अपना हालिया काम बिग डेटा के लिए स्केचिंग और सैंपलिंग तकनीक प्रस्तुत किया ।
- 19 दिसंबर 2020 को आईआईटी-बीएचयू द्वारा आयोजित “डेटा एनालिटिक्स और उद्योगों में इसके अनुप्रयोग पर ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स” में एक मुख्य भाषण दिया ।
- RUSH-lab, RICEUniversity, USA, सितंबर 2020 में “बिग डेटा के लिए कुशल स्केचिंग एल्गोरिथम” पर एक भाषण दिया ।
- “आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिस्टम्स, मैन एंड साइबरनेटिक्स (एसएमसी) –2020” सम्मेलन के संयोजन में आयोजित होने वाले “फीचर एक्सट्रैक्शन एंड लर्निंग ऑन इमेज एंड टेक्स्ट डेटा” पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया ।

डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी

- बहु संकाय विकास कार्यक्रम, आईईईई क्षेत्रीय अध्याय, एनकेएन के लिए आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए । आमंत्रित कार्यक्रमों में से कुछ हैं: आईआईटी पलक्कड़, भारत, CUSAT, भारत, IIT खड़गपुर, भारत, IIITDM जबलपुर, भारत, जेवियर कॉलेज मुंबई, सरकार इंजीनियरिंग कॉलेज सुंदर-नगर एचपी, पिल्लई विश्वविद्यालय मुंबई, एमआईटीएस ग्वालियर एमपी, वीजेटीआई मुंबई, वीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज मुंबई ।
- एनकेएन व्याख्यान: अल्ट्रावाइड बैंड एंटेना, आईआईटी गुवाहाटी ।

डॉ. श्रीराम कैलासम्

- 16-20 नवंबर, 2020 तक क्लाउड कंप्यूटिंग पर आयोजित होने वाले आरजीएनआईआईडी-एनआईटीजे सहयोगी शॉर्ट-टर्म सर्टिफिकेट कोर्स के हिस्से के रूप में “क्लाउड पर बड़े पैमाने पर डेटा और गणना समानता में अनुसंधान चुनौतियों/पद्धतियों पर वार्ता की ।

डॉ. हिमांशु मिश्रा

संकाय विकास कार्यक्रमों में निम्नलिखित व्याख्यान दिया:

- इलेक्ट्रिक वाहन मैनिट पर अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 01 / 01 / 2021 को ।
- दिनांक 19 / 02 / 21 को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग एनआईटी उत्तराखंड के छात्रों और संकाय के लिए “डीएफआईजी-डीसी सिस्टम में डीएफआईजी और शंट सक्रिय फिल्टरिंग का सामान्य अवलोकन” विषय पर विशेषज्ञ वार्ता वितरित की ।

लघु अवधि के पाठ्यक्रमों में विशेषज्ञ वार्ता

- 20 / 10 / 2020 को मैनिट भोपाल में एनर्जी एंड पावर सिस्टम्स (RTEPS) में रिसर्च ट्रेड्स पर ऑनलाइन एक सप्ताह के शॉर्ट टर्म कोर्स में व्याख्यान दिया ।
- 31 / 10 / 2020 को एनआईटी जमशेदपुर में माइक्रोग्रिड 2020 (RTM-2020) में हालिया रुझानों पर ऑनलाइन एक सप्ताह के अल्पकालिक पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया ।
- “पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति और एम्प; इसके आवेदन पर “23 / 09 / 2020 को जेईसी जबलपुर में व्याख्यान दिया ।

डॉ. सतिन्द्र शर्मा

- एस.के. शर्मा, आर. कुमार, एम. चौहान, के. पालित, और के.ई. गोंजाल्विस, सैन जोस, कैलिफोर्निया, यूएसए, 26 मार्च (2021) में एसपीआईई, एडवांस्ड ईयूवी लिथोग्राफी में आमंत्रित वार्ता के लिए स्वीकार किए गए । (मौखिक वार्ता 22 फरवरी 2021 को वर्चुअल मोड पर आयोजित की जाएगी)
- एम. जांगड़ा, डी.एस. आर्य, आर. खोसला, और एस.के. शर्मा; SU-8, PolySi, Si 3 N 4, और SiC- आधारित

संरचनात्मक सामग्री का उपयोग करके कैपेसिटिव Z-अक्ष MEMS एक्सेलेरोमीटर का डिजाइन और सिमुलेशन; आईईईई—आईसीईई 2020, उभरते इलेक्ट्रॉनिक्स पर 5 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 26 से 28 नवंबर (2020) तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भारत द्वारा होस्ट किया गया।

- एम. गर्ग, डी.एस. आर्य, एम.जी. मोइनुद्दीन, एस.के. शर्मा, पी. सिंहय वैक्यूम पैक किए गए एमईएमएस उपकरणों के मापन के लिए अत्यधिक संवेदनशील पॉलिमर माइक्रो-मेष; आईईईई—आईसीईई 2020, उभरते इलेक्ट्रॉनिक्स पर 5 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 26 से 28 नवंबर (2020) तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भारत द्वारा होस्ट किया गया।

डॉ. आदर्श पटेल

- आचार्य प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरु में एफडीपी: 5जी ग्रीन कम्युनिकेशन एंड नेटवर्क्स के तहत एक वार्ता (ऑनलाइन मोड) वितरित, 18–22 जनवरी 2021।
- विषय पाठ्यक्रम संज्ञानात्मक रेडियो के एक भाग के रूप में एक अतिथि वेबिनार दिया, नेटवर्क्स: स्पेक्ट्रम सेंसिंग एंड द रोड अहेड, श्री शिवसुब्रमण्य नादर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई, 30 सितंबर 2020।

डॉ. तुषार जैन

- लेबरटोइरे इंजिनियरी सिस्टमसेट एड ए ला डिजीजन (एलआईएसएडी), इकोलेनेशनल डेस साइंसेज एप्लिकेस अगादिर, 19 दिसंबर, 2020, मैरोक द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में पूर्ण व्याख्यान।

डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन

- आमंत्रित व्याख्यान: राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, किसान क्षेत्र – आलू किसानों को मूल्य प्रदान करना, 21 अक्टूबर, 2020।
- मुख्य अतिथि: आईआईआईटी—ऊना इंडक्शन प्रोग्राम 8 दिसंबर 2020।

प्रतिष्ठित अतिथियों / विद्वानों / छात्रों / प्रशिक्षुओं की मेजबानी

अतिथि व्याख्याता का नाम: प्रो. वी. कृष्णा नंदीवाड़ा।

अतिथि व्याख्याता (एस) की सम्बन्धता: आईआईटी मद्रास।

दिए गए व्याख्यान की तिथि: 30 नवंबर 2020।

वार्ता / कार्यक्रम का शीर्षक: समानांतर कार्यक्रमों के विश्लेषण और अनुकूलन में चुनौतियां।

वार्ता / कार्यक्रम का सारांश: आईआईटी मद्रास के प्रो. कृष्णा नंदीवाड़ा ने डॉ. मानस ठाकुर (आईआईटी मंडी), द्वारा पढ़ाए गए पाठ्यक्रम CS502 कंपाइलर डिजाइन के लिए एक आमंत्रित व्याख्यान के हिस्से के रूप में, समानांतर कार्यक्रमों के लिए विश्लेषण और अनुकूलन डिजाइन करते समय विस्तृत उदाहरणों सहित विभिन्न चुनौतियों पर सितंबर–दिसंबर 2020 सेमेस्टर के दौरान चर्चा की।

- प्रमुख कार्यक्रम: प्रतिकूल साइबर सुरक्षा पर डीएसटी – यूकेआईआईआरआई कार्यशाला।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत और लंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम ने 23 और 24 सितंबर 2020 को “प्रतिकूल साइबर सुरक्षा” पर दो दिवसीय आभासी कार्यशाला की मेजबानी की। यह कार्यशाला सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, इनोवेशन एंड कोलैबोरेशन सीएमआरआईसी यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला को यूके–इंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशिएटिव और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

कार्यशाला का उद्देश्य साइबर सुरक्षा और संबंधित क्षेत्रों के विषय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शोध दिमागों को एक साथ लाना था ताकि उनकी संबंधित विशेषज्ञता में उनके नवीनतम कार्यों पर चर्चा और प्रदर्शन किया जा सके। विश्व स्तरीय अनुसंधान विश्वविद्यालयों, संस्थानों और सरकारी संगठनों जैसे कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय, कार्डिफ विश्वविद्यालय, आईआईएससी बेंगलूर, सीएमआरआईसी, लॉयड्स बैंक, सी-डैक मोहाली, और कई अन्य सहित 16 से अधिक संगठनों का प्रतिनिधित्व 23 कार्यशाला वक्ताओं (तालिका 1) ने किया।

एजेंडा एक उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ जहां प्रोफेसर जैन, डीन (इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, ने दुनिया भर में वर्तमान साइबर सुरक्षा स्थिति का अवलोकन दिया। उन्होंने दुनिया में व्याप्त साइबर खतरों के गंभीर मुद्दों पर लंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी जैसे प्रमुख संस्थानों के बीच सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री रोवन कैनेडी और ब्रिटिश काउंसिल के श्री डोमिनिक स्टैंटन ने कार्यशाला के माध्यम से यूनाइटेड किंगडम और भारत के बीच एक मजबूत शिक्षा बंधन बनाने की अपनी आशा व्यक्त की। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के वैज्ञानिक 'जी' श्री एसके वार्ष्णेय ने दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के बीच आगामी कार्यक्रमों और पहलों के बारे में भी विचार साझा किया। इसके बाद वक्ताओं ने अपनी वार्ता दी, अपने शोध को साझा किया, और एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए अन्य शोधकर्ताओं और संस्थानों के साथ सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की। भारत, यूनाइटेड किंगडम और दुनिया भर के अन्य देशों के विभिन्न संस्थानों से कुल 32 प्रतिभागियों (तालिका 2) ने कार्यशाला में भाग लिया। समापन समारोह में डॉ. सुलक्षणा जैन, वैज्ञानिक डी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत, डॉ जय गोयल, प्रमुख, उच्च शिक्षा और समाज, ब्रिटिश काउंसिल, भारत के अत्यधिक उत्साहजनक शब्दों के साथ दो दिवसीय लंबी कार्यशाला का समापन हुआ।

एक परिणाम के रूप में, कार्यशाला ने अनुसंधान को कवर किया जो प्रतिकूल मानसिक मॉडल, प्रतिकूल निर्णयों पर हाल के और लगातार अनुभवों के प्रभाव और साइबर हमलों को छेड़ने के लिए प्रतिकूल रणनीतियों पर केंद्रित है। शोधकर्ताओं ने संदिग्ध नेटवर्क से संबंधित गतिविधियों की निगरानी के लिए हनीपोट्स (धोखे), घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली और अन्य तरीकों के उपयोग पर चर्चा की। विशेष रूप से, शोधकर्ताओं ने विभिन्न आकार के नेटवर्क में हनीपोट्स के माध्यम से आईडीएस की उपलब्धता और सटीकता और समय और धोखे की मात्रा के प्रभाव को कवर किया। साइबर सुरक्षा अनुसंधान में गेम-थ्योरेटिक और मशीन-लर्निंग टूल और तकनीकों के उपयोग पर संक्षेप में चर्चा की गई। इसके लिए, विभिन्न साइबर सुरक्षा खेलों पर चर्चा हुई, जिसने शोधकर्ताओं को इष्टतम नैश क्रियाओं की गणना करने की अनुमति दी और नैश क्रियाओं से प्रतिकूल क्रियाओं से विचलन भी आयोजित किया गया। इसके अलावा, संज्ञानात्मक, मशीन-लर्निंग और डीप-लर्निंग मॉडल को विरोधियों और नेटवर्क को कार्यक्रमों के निर्णयों के मॉडल के लिए इस्तेमाल किया गया था। कार्यशाला ने छात्रों और शोधकर्ताओं के साइबर हमलों और साइबर-रक्षा में शामिल संज्ञानात्मक और सामाजिक पहलुओं के बारे में सीखने और अनुभव साझा करने में भी मदद की।

तालिका 1: प्रतिकूल साइबर सुरक्षा पर यूकेआईआईआरआई-डीएसटी आभासी कार्यशाला में अतिथि वक्ताओं की सूची

| क्रम सं. | अध्यक्ष का नाम | पद | संस्थान |
|----------|----------------------|------------------|---|
| 1. | प्रो. संदीप शुक्ला | प्राध्यापक | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, भारत |
| 2. | प्रो. वासिल वासिलिव | प्राध्यापक | लंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, यूके |
| 3. | प्रो. सिल्विया इलिवा | प्राध्यापक | सोफिया विश्वविद्यालय, यूके |
| 4. | डॉ. जाहिद मकबूल | सहायक प्राध्यापक | गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज दूरु, भारत |
| 5. | डॉ. सिरिल ओनबुबिको | संस्थापक | सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, इनोवेशन एंड कोलैबोरेशन (सी-एमआरआईसी), यूके |

| | | | |
|-----|----------------------------------|------------------|--|
| 6. | श्री एंथनी फिप्स | वरिष्ठ प्रबंधक | साइबर सुरक्षा, लॉयड्स बैंक, यूके |
| 7. | डॉ. पलवी अग्रवाल | पोस्ट डॉक्टरल | गतिशील निर्णय लेने वाली प्रयोगशाला, कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय, यूएसए |
| 8. | प्रो. औंशुल रेगे | सह-प्राध्यापक | मंदिर विश्वविद्यालय, यूएसए |
| 9. | श्री संजीव कुमार | संयुक्त निदेशक | उन्नत संगणना विकास केंद्र (सी-डैक), मोहाली, भारत |
| 10. | प्रो. संतोष बिस्वास | प्राध्यापक | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, भारत |
| 11. | प्रो. एस. वेंकटेशन | सह-प्राध्यापक | भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, भारत |
| 12. | प्रो कांची गोपीनाथ | प्राध्यापक | भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, भारत |
| 13. | प्रो. फ्रैंक वांगो | प्राध्यापक | कंप्यूटिंग स्कूल, केंट विश्वविद्यालय, यूके |
| 14. | प्रो. रूथ इकवु | शोध सहयोगी | कार्डिफ विश्वविद्यालय, यूके |
| 15. | प्रो. पियरंगेलो रोसाती | सहायक प्राध्यापक | डीसीयू बिजनेस स्कूल, आयरलैंड |
| 16. | श्री विक्टर सोर्विस्की-माईडलार्ज | स्नातक छात्र | लंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, यूके |
| 17. | श्री हर्बर्ट मौसा | स्नातक छात्र | लंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, यूके |

प्रमुख कार्यक्रम: कॉग्निटिव मॉडलिंग पर दूसरा ऑनलाइन विंटर स्कूल, आईआईटी मंडी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने वस्तुतः 15 से 17 दिसंबर 2020 तक संज्ञानात्मक मॉडलिंग (डब्ल्यूएससीएम) पर दूसरे शीतकालीन स्कूल की मेजबानी की। इस पहल की मेजबानी आईआईटी मंडी ने हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय (एचपीटीयू), ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय, वाटरलू विश्वविद्यालय, और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के सहयोग से की थी। इस आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं और पेशेवरों के प्रमुख सत्र शामिल थे, ताकि छात्रों को संज्ञानात्मक मॉडलिंग के क्षेत्र में सर्वोत्तम विधियों पर प्रशिक्षित किया जा सके।

संज्ञानात्मक मॉडलिंग पर शीतकालीन स्कूल का दूसरा संस्करण हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसपी बंसल के साथ शुरू हुआ, जिन्होंने 15 दिसंबर 2020 को उद्घाटन भाषण दिया। उद्घाटन भाषण के दौरान अन्य गणमान्य व्यक्तियों में इंजीनियरिंग के डीन डॉ. धीरेंद्र शर्मा, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, प्रो. सतीश चंद्र जैन, डीन ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मंडी, और प्रो वेंकट कृष्णन, डीन ऑफ स्पॉन्सर्ड रिसर्च, इंडस्ट्रियल कंसल्टेंसी, एंड इंटरनेशनल रिलेशंस शामिल थे। उद्घाटन समारोह में दुनिया भर के विभिन्न देशों के प्रतिभागी, वक्ता और छात्र भी शामिल थे।

डॉ. मैरीके वैन वुग्ट ने तीन दिवसीय आयोजन के दौरान, चर्चा की कि कैसे संचायक मॉडल हमें किसी व्यक्ति की निर्णय लेने की रणनीति के बारे में सार्थक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने की अनुमति देते हैं, सरल संज्ञानात्मक कार्यों से डेटा से बाहर (जैसे कि व्यक्ति धीमा और सटीक या तेज-और-अक्सर-गलत)। उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी कि अवसाद कैसे काम करता है और मन और मस्तिष्क पर ध्यान के प्रभाव को समझने के लिए मानसिक मॉडल कैसे लागू किए जा सकते हैं।

इसके साथ ही, डॉ. टेरेस स्टीवर्ट ने नेंगो जैसे उपकरणों का उपयोग करने पर अपने ज्ञान को साझा किया, जिसका उपयोग विभिन्न न्यूरोन प्रकारों को परिभाषित करने, सीखने के नियमों, अनुकूलन विधियों और बड़े पैमाने पर मस्तिष्क मॉडल बनाने के लिए पुनः प्रयोज्य सबनेटवर्क को परिभाषित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कवर किया कि विभिन्न क्षेत्रों के अंतःविषय शोधकर्ता अपने सत्र में मानव अनुभूति और मस्तिष्क के बारे में सवालों के जवाब कैसे दे सकते हैं।

इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान संज्ञानात्मक मॉडलिंग पर एक वर्चुअल विंटर स्कूल आयोजित करने के प्रभाव के बारे में वार्ता

करते हुए, प्रोफेसर वरुण दत्त, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी ने कहा, "स्कूल ने विविध पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों को अलग-अलग अनुभव प्रदान किए। उदाहरण-आधारित शिक्षण सिद्धांत सहित मॉडल और उपकरण), संचायक मॉडल, स्पाइकिंग न्यूरल नेटवर्क आर्किटेक्चर (जैसे नेंगो) और ईईजी पैटर्न वर्गीकरण, जिनका उपयोग विभिन्न प्रकार के बुनियादी और व्यावहारिक डोमेन में लोगों के निर्णयों को मॉडल करने के लिए किया जा सकता है। डॉ. दत्त ने जटिल गतिशीलता, समय-विलंब और अनिश्चितताओं से जुड़ी विभिन्न वास्तविक दुनिया की समस्याओं में लोगों की सोच और निर्णय लेने के मॉडल के लिए पीईआईबीएल जैसे उपकरणों का उपयोग करने पर भी जोर दिया।

इस साल के विंटर स्कूल में संज्ञानात्मक मॉडल बनाने के लिए विभिन्न उपकरणों को समझने के लिए आकर्षक सत्र दिखाए गए, जिसमें नेंगो (तंत्रिका सिमुलेटर), पीवाईआईबीएल (अनुभव से मानव निर्णयों को मॉडल करने के लिए इस्तेमाल किया गया), और एक्यूमुलेटर मॉडल (दहलीज के संचय के आधार पर मानव निर्णयों को मॉडल करने के लिए) शामिल थे। संज्ञानात्मक मॉडल के उद्योग अनुप्रयोगों को स्पष्ट करने वाले अतिरिक्त सत्रों में ईईजी-आधारित छवि वर्गीकरण, स्ट्रोक निदान, स्वास्थ्य देखभाल में मशीन सीखने के अनुप्रयोगों और सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण के लिए मॉडल पर चर्चा की गई।

तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन डॉ. समर अग्निहोत्री, चेयरपर्सन, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मंडी, प्रो. मैरीके वैन वुग्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगन (नीदरलैंड), डॉ. टेरेस स्टीवर्ट, वाटरलू विश्वविद्यालय, कनाडा, और प्रो. वरुण दत्त, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के समापन भाषण के साथ हुआ।

तालिका 2: संज्ञानात्मक मॉडलिंग पर द्वितीय शीतकालीन विद्यालय में अतिथि वक्ताओं की सूची

| क्रम सं. | अध्यक्ष का नाम | पद | संस्थान |
|----------|------------------------|-----------------------|-------------------------------------|
| 1. | डॉ. मैरीके वैन वुग्टा | सहायक प्रध्यापक | ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स |
| 2. | डॉ. टेरेस सी. स्टीवर्ट | शोध वैज्ञानिक | वाटरलू विश्वविद्यालय, कनाडा |
| 3. | डॉ. पार्थप्रतिम रॉय | सह - प्रध्यापक | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की |
| 4. | डॉ. श्रुति कौशिक | वरिष्ठ डेटा वैज्ञानिक | आरएक्सडाटासाइंस, यूएसए |
| 5. | श्री अभिनव चौधरी | पोस्ट डॉक्टरल सदस्य | इनमास डीआरडीओ, भारत |

पेशेवर उपलब्धियां, सम्मान और पुरस्कार / पेशेवर समितियों की सदस्यता

डॉ. जिनेश मच्छर

- शोप मॉडलिंग इंटरनेशनल कांफ्रेंस, 2020 में "कंज्यूगेट शोप सिंपलिफिकेशन थ्रो वाया प्रीसाइज एलजेवरिक प्लानर स्वीप्स टूवर्ड गियर डिजाइन" शीर्षक वाले पत्र के लिए माननीय उल्लेखनीय पुरस्कार।

डॉ. हितेश श्रीमाली

- आईआईटी मंडी के 12वें स्थापना दिवस (24 फरवरी, 2021) पर "उत्कृष्ट सेवाओं के लिए योगदान के साथ संयुक्त और संस्थान लगातार शिक्षण प्रदर्शन"।

डॉ. शुभजित राय चौधुरी

- पब्लिक हेल्थ में फ्रंटियर्स के एसोसिएट एडिटर के रूप में चयनित।
- कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस में समीक्षा संपादक, फ्रंटियर्स के रूप में चयनित।

डॉ. वरुण दत्त

- SKOCH अवार्ड (स्वर्ण), भूस्खलन निगरानी और चेतावनी प्रणाली के लिए सुरक्षा, 2020 ।
- प्रो. वरुण दत्त अब परियोजना निदेशक आईआईटी मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन (राष्ट्रीय अंतःविषय साइबर भौतिक प्रणालियों के तहत एक प्रौद्योगिकी नवाचार हब) के रूप में कार्यरत हैं ।

डॉ. हिमांशु मिश्रा

- सम्मेलन के ट्रैक अध्यक्ष के रूप में समिति सदस्य स्प्रिंगर EPREC-2021

डॉ. राहुल श्रेष्ठ

- लगातार शिक्षण प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी द्वारा "टीचिंग ऑनर रोल अवार्ड" से सम्मानित किया गया, जिसकी छात्र समुदाय द्वारा अत्यधिक सराहना की जाती है। आईआईटी मंडी के 12वें स्थापना दिवस समारोह (24 फरवरी 2021 को) के दौरान हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर से यह पुरस्कार प्राप्त किया ।

डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन

- डीबीटी-यूरेका के दूसरे ग्लोबल स्टार्स इंडिया के लिए प्रस्ताव समीक्षक "स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और जल के लिए प्रमुख सक्षम प्रौद्योगिकी" पर संयुक्त कॉल ।

नई पहल / नई अनुसंधान सुविधाएं सृजित / उपकरण / प्रयोगशाला स्थापित

डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी

- आंशिक एनीकोइक चैंबर, एंटीना दूर-क्षेत्र विकिरण पैटर्न परीक्षण सुविधा, पीसीबी निर्माण सुविधा, अवशोषण माप सुविधा ।

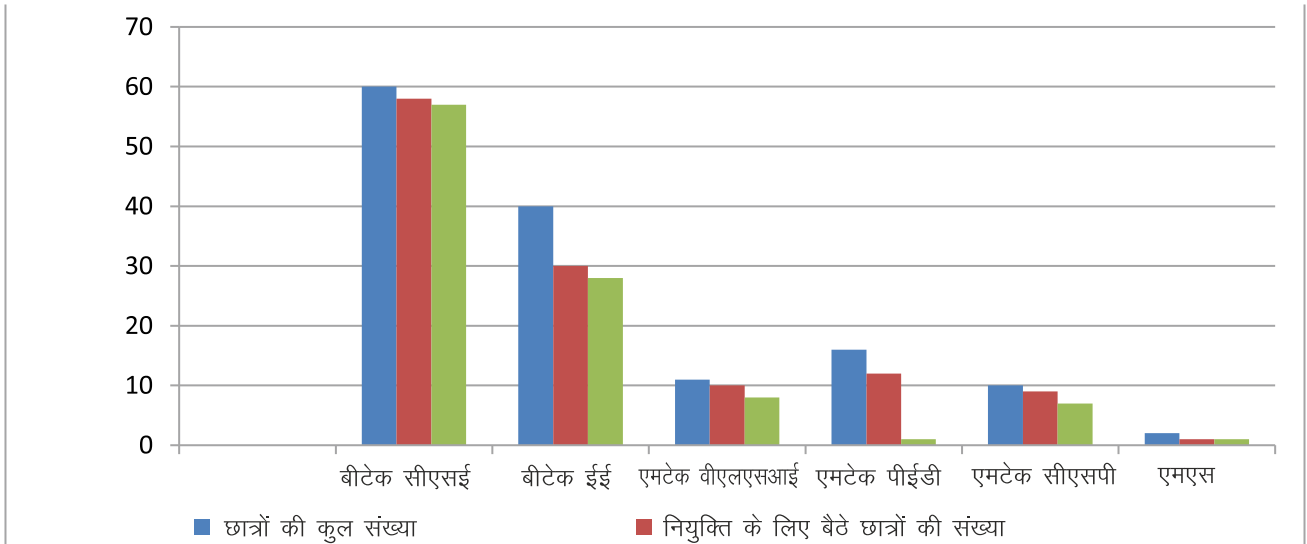
डॉ. राहुल श्रेष्ठ

- हाल ही में आईआईटी-मंडी में वीएलएसआई डिजाइन और परीक्षण प्रयोगशाला में डिजिटल एएसआईसी चिप्स का परीक्षण करने के लिए 32 चैनल लॉजिक एनालाइजर स्थापित किया गया है ।

छात्र गतिविधियां / उपलब्धियां

- निम्नलिखित लेख पूरी तरह से मेरे पीएचडी छात्र द्वारा लिखा गया है:
- एस गुजराल, "आईओटी के लिए एक हाइब्रिड उपयोगकर्ता परिदृश्य में उपकरणों के बीच रिले-एडेड द्विदिश संचार", संचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसी), आईईईई, 2021 में स्वीकार किया गया ।
- डॉ. ए.एस. जोशी, पीएचडी "सिग्नल प्रोसेसिंग अनुप्रयोगों के लिए बहुसंयोजक ऊर्जा-कुशल सीएमओएस एम्पलीफायर और डेटा कन्वर्टर"। पुरस्कृत (2020) डॉ. हितेश श्रीमाली, एससीईई, (सह-गाइड)
- डॉ. एस. शर्मा, पीएचडी "दो-आयामी बहुपरत हेफनियम डाइसल्फाइड आधारित इंटरडिजिटेटेड इलेक्ट्रोड के लिए हाई गेट डाइलेक्ट्रिक्स - फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर: अगली पीढ़ी की तकनीक" के लिए सम्मानित (2020) डॉ. हितेश श्रीमाली, एससीईई, (मेजर गाइड)
- डॉ. पी. अग्रवाल, पूर्व पीएचडी छात्र, एल पासो, संयुक्त राज्य अमेरिका में टेक्सैक्स विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान विभाग में पूर्णकालिक कार्यकाल ट्रैक सहायक प्रोफेसर पद के लिए एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है ।
- एम. सुब्रमण्यम ए को नियंत्रण प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों (सीसीटीए), पर चौथे आईईईईई सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत करने के लिए 24-26 अगस्त, मॉन्ट्रियल, कनाडा, 2020 छात्र यात्रा सहायता से सम्मानित किया गया ।
- वी. सिंह को रॉबर्ट बॉश, बैंगलोर (11 जनवरी 2021 से 1 जुलाई 2021) में एक इंटर्नशिप मिली ।"

छात्र नियुक्ति



चित्र: वर्ष 2020 के स्नातकों के लिए प्लेसमेंट की संख्या

- एससीईई में बीटेक कर रहे सीएसई और ईई स्नातकों के रोजगार के आंकड़े। नियोक्ताओं में रेजरपे, सर्विस नाउ, वर्क्सएप्लिकेशन, आर्सेसियम, टॉपर, माइक्रोसॉफ्ट, डीशां, गोल्डमैन सैक्स, एसएमएस डाटाटेक, जीएमओ, स्प्रिंकलर, कैशफ्री, एचएसबीसी, ओपनटेक्स्ट, सिग्माइंड, टीसीएस, 1 एमजी, एसनजॉब्स, रॉबर्ट बॉश, सैमसंग दिल्ली, एलटीआई, आईबीएम ओयोरूमस, इंटरनेट एकेडमी, टूमाइंड्स, ब्रेन एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, मार्वेल, ईक्लर्क्स, एलएंडटी, सीजीआई, सिग्नल चिप, अमेजन, पब्लिसिस सैपिएंट, एलटीआई, फ्यूचर फर्स्ट, विप्रो एंड मैथवर्क्स आदि शामिल हैं।
- एससीईई में कार्यक्रम एम.टेक कर रहे वीएलएसआई, पीईडी और सीएसपी स्नातकों के रोजगार के आंकड़े। नियोक्ताओं में एनएक्सपी, रेडपाइन सिग्नल, कैंडेंस, सिनोप्सिस, सिग्नलचिप, मार्वेल, डिजीजन पॉइंट, वेहंट टेक्नोलॉजीज, एक्लेरक्स, क्वालकॉम, टीसीएस, अल्टियोस्टार नेटवर्क इंक, एलएंडटी ईसीसी, पी2 पावर, सिग्नलचिप और मार्वेल आदि शामिल हैं।

कर्मचारी सदस्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- श्री मनीष बंसल – पीएचडी के लिए आईआईटी दिल्ली चले गए।
- सुश्री पायल दास – पीएचडी के लिए आईआईटी दिल्ली चली गईं।

समाचार पत्रों और टीवी में मीडिया कवरेज / महत्वपूर्ण तस्वीरें

डॉ. वरुण दत्त



- भूखलन निगरानी प्रणाली के क्षेत्र में एक डोमेन विशेषज्ञ के रूप में डीडी न्यूज द्वारा एक वार्ता पर आमंत्रित किया गया। वीडियो का लिंक: <https://youtu.be/sLYpRbPNYmY>.
- फाइनेंशियल एक्सप्रेस: <https://www.financialexpress.com/auto/car-news/how-driving-the-new-hyundai-elantra-petrol-returned-more-fuel-efficiency-than-claimed-figure-road-trip-highways-mileage-how-to-get-best-mileage-car/2062390/>.
- द स्टेट्समैन: <https://thestatesman.com/cities/shimla/automatic-thermal-screening-visitors-mandi-dc-office-1502919941.html>.
- विश्लेषिकी विद्या पत्रिका: <https://analyticsindiamag.com/iit-mandi-hosts-innovative-winter-school-on-cognitive-modelling/>.
- डेटाक्वेस्ट: <https://www.dqindia.com/iit-mandi-host-virtual-workshop-cyber-security-registration-free/>.
- बीडब्ल्यू शिक्षा: <http://bweducation.businessworld.in/article/IIT-Mandi-To-Host-UKIERI-DST-Virtual-Workshop-On-Adversarial-Cyber-Security-In-Collaboration-With-London-Metropolitan-University-And-Centre-For-Multidisciplinary-Research-Innovation-And-Collaboration/16-07-2020-298170/>.
- करियर 360: <https://news.careers360.com/iit-mandi-and-london-metropolitan-university-host-virtual-workshop>.

3.2 अभियांत्रिकी स्कूल (एसई)








अभियांत्रिकी स्कूल (एसई) सतत प्रौद्योगिकियों के विकास पर केंद्रित अभियांत्रिकी शिक्षा और अनुसंधान में नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से समाज की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे मिशन में सार्वजनिक लाभ के लिए अनुसंधान का अनुवाद करना, इंजीनियरिंग शिक्षा के साथ अनुसंधान को एकीकृत करना, एक क्रॉस-डिसिप्लिनरी रिसर्च दृष्टिकोण के माध्यम से अभियांत्रिकी समाधानों की दिशा में बाहरी अनुसंधान परियोजनाओं में विविधता लाना आदि शामिल हैं। स्कूल उत्कृष्ट शिक्षण, नवीन पाठ्यक्रम के माध्यम से अभियांत्रिकी शिक्षा के उच्च स्तर और एक उत्कृष्ट शोध वातावरण के लिए प्रतिबद्ध है। स्कूल बी.टेक. के लिए कई सामान्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है जैसे डिजाइन प्रैक्टिकम, रिवर्स इंजीनियरिंग, डिजाइन के लिए ग्राफिक्स, सामग्री विज्ञान, उत्पाद प्राप्ति प्रौद्योगिकी, कठोर निकायों के यांत्रिकी, कॉन्टिनम यांत्रिकी और अभियांत्रिकी थर्मोडायनामिक्स, और मैकेनिकल और सिविल स्ट्रीम के मुख्य पाठ्यक्रम। वर्तमान में, अभियांत्रिकी स्कूल में 37 संकाय सदस्य हैं, जिनमें 2 प्रोफेसर, 10 एसोसिएट प्रोफेसर, 19 सहायक प्रोफेसर, 1 विजिटिंग प्रोफेसर, 1 विजिटिंग असिस्टेंट प्रोफेसर, 1 एमेरिटस प्रोफेसर, 2 विशिष्ट विजिटिंग प्रोफेसर और 1 एडजंक्ट प्रोफेसर शामिल हैं। वर्तमान स्कूल में 101 पीएचडी (ईआरपीडी और अंशकालिक पीएचडी विद्वानों सहित), 31 एमएस, 97 एमटेक और बीटेक 195 (एमई-107, सीई-88) छात्र हैं। मुख्य अनुसंधान क्षेत्रों को व्यापक तौर पर सामग्री और डिजाइन, विनिर्माण, थर्मो-तरल पदार्थ इंजीनियरिंग, ऊर्जा और टिकाऊ हिमालयी बुनियादी ढांचे के रूप में वर्गीकृत किया गया है। सामग्री और डिजाइन क्षेत्र में, सेंसर, एक्टुएटर और ऊर्जा संचयन और ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों, संरचनाओं और प्रणालियों के विश्लेषण के लिए सामग्री के विकास की ओर ध्यान केंद्रित किया गया है। तापीय एवं द्रव अभियांत्रिकी में, फैकल्टी सदस्य रेडिएटिव हीट ट्रांसफर, नैनो-स्केल हीट ट्रांसफर और आईसी इंजनों के फ्लो एनालिसिस और हीट ट्रांसफर एनालिसिस की जांच कर रहे हैं।




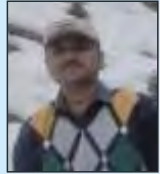



इसके अतिरिक्त, स्कूल में पिघली हुई धातुओं/मिश्र धातुओं की भी खोज की जा रही है। ऊर्जा दक्ष प्रणालियों में जलवायु परिवर्तन अध्ययन, ऊर्जा दक्ष भवनों के लिए चरण परिवर्तन सामग्री के अनुप्रयोग और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए आईआईटी मंडी में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को शामिल किया गया है। सस्टेनेबल हिमालयन इन्फ्रास्ट्रक्चर में ढलान स्थिरता, जियोहाजर्ड जोनेशन, अपशिष्ट प्रबंधन और प्रदर्शन-आधारित डिजाइन के क्षेत्र शामिल हैं। इसके लिए, एसईआरबी, डीआरडीओ, इसरो, एनआरडीएमएस, एनएमएचएस, एमओईएस, डीएलआर (जर्मन एयरोस्पेस सेंटर), भेल आदि जैसी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान, परियोजनाओं की एक अच्छी संख्या प्रदान की गई है। स्कूल में कई अच्छी तरह से सुसज्जित यूजी प्रयोगशालाएं (डिजाइन लैब, थर्मो-फ्लुइड लैब, मैकेनिकल वर्कशॉप, सर्वे लैब, जियोटेक्निकल लैब और एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग एंड अर्थ साइंस लैब तथा पीजी प्रयोगशालाएं (एनर्जी इंजीनियरिंग लैब, एडवांस स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग लैब) हैं। कई रिसर्च लैब स्मार्ट स्ट्रक्चर एंड सिस्टम, आईसी इंजन लैब, कम्पोजिट डिजाइन और निर्माण, थर्मो-फ्लुइड, जियोहाजर्ड, ध्वनिक कंपन प्रयोगशाला, नैनोस्केल सामग्री और उपकरण प्रयोगशाला, स्मार्ट सामग्री और संरचना अनुसंधान प्रयोगशाला, बायोसेंसर और बायोमेटेरियल लैब, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और जलवायु परिवर्तन और आई4एस आदि हैं।

संकाय









| | | |
|----|---|---|
| 1. | <p>डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन अध्यक्ष और सह-प्राध्यापक</p> <p>विशेषज्ञता: कार्यात्मक सामग्री/पतली फिल्मों का विकास, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और संरचना-संपत्ति संबंधों की सीटू अन्वेषण में आईआईएससी, बेंगलूर (2008) से पीएचडी (सामग्री विज्ञान)</p> <p>गृह नगर: चिदंबरम, तमिलनाडु फोन: 01905-267142 ईमेल: chairste@iitmandi.ac.in, viswa@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 2. | <p>डॉ. अतुल धर सह-प्राध्यापक</p> <p>विशेषज्ञता: आईसी इंजन, वैकल्पिक ईंधन, उत्सर्जन नियंत्रण</p> <p>आईआईटी कानपुर से पीएचडी (2013)</p> <p>गृह नगर: सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267143 ईमेल: add@iitmandi.ac.in</p> |  |

| | | |
|----|---|---|
| 3. | <p>डॉ. अर्पण गुप्ता सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: ध्वनिकी, कंपन, जैव-यांत्रिकी, संगणना अल विधियाँ – FEM, CFD, जाली बोल्ट्जमान विधि सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से पीएचडी (2012) गृह नगर: इंदौर, एमपी फोन: 01905-267922 ईमेल: agupta@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 4. | <p>डॉ. अमित शुक्ला सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स, मशीन विजन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 2012 में इंपीरियल कॉलेज, लंदन से पीएचडी गृह नगर: इलाहाबाद फोन: 01905-267222 ईमेल: amitshukla@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 5. | <p>डॉ. आशुतोष कुमार सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भू-तकनीकी इंजीनियरिंग आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी (2018) गृह नगर: फोन: 01905-267825 ईमेल: ashutosh@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 6. | <p>डॉ. दीपक स्वामी सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भूजल प्रवाह और परिवहन मॉडलिंग, जल संसाधन विकास और प्रबंधन, विशेष रूप से बाढ़ और अचानक बाढ़ से संबंधित आपदा शमन। आईआईटी रुड़की से पीएचडी (2014) गृह नगर: कोटा, राजस्थान फोन: 01905-267912 ईमेल: deepak@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 7. | <p>डॉ. डेरिक्स प्रेज शुक्ला सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, हाइड्रो-जियो-केमिस्ट्री, जल प्रदूषण ज्यादातर और अन्य भारी धातुओं के रूप में, प्राकृतिक खतरों का आकलन और मानचित्रण दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएचडी (2012) गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267147 ईमेल: dericks@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 8. | <p>डॉ. गौरव भूटानी सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: द्रव और तापीय विज्ञान इंपीरियल कॉलेज लंदन से पीएचडी (2016) गृह नगर: दिल्ली फोन: 01905-267108 ईमेल: gaurav@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 9. | <p>डॉ. हिमांशु पाठक सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल सॉलिड मैकेनिक्स, फ्रैक्चर मैकेनिक्स, कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत सामग्री भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना से पीएचडी (2015) गृह नगर: मुजफ्फरपुर, बिहार फोन: 01905-267908 ईमेल: himanshu@iitmandi.ac.in</p> |  |



| | | |
|-----|--|---|
| 10. | <p>डॉ. जसप्रीत कौर रंधावा सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: नैनोमटेरियल्स। गोरखपुर विश्वविद्यालय से पीएचडी (2000) गृह नगर: मोहाली, चंडीगढ़ फोन: 01905-267056 ईमेल: jaspreet@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 11. | <p>डॉ. कौस्तव सरकार सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कंक्रीट की टिकाऊ डिजाइन, टिकाऊ कंक्रीट उत्पादन, परिमित तत्व विश्लेषण, सॉफ्ट कंप्यूटिंग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से पीएचडी (2016) फोन: 01905-267901 गृह नगर: कोलकाता ईमेल: srkr@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 12. | <p>डॉ. मोहम्मद तलहा सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: टोस यांत्रिकी, समग्र संरचनाएं, कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत सामग्री, संरचनात्मक यांत्रिकी, कंपोजिट में अनिश्चितता मात्रा का ठहराव और अपूर्णता संवेदनशीलता। आईआईटी खड़गपुर से पीएचडी (2012) गृह नगर: पटना, बिहार फोन: 01905-267152 ईमेल: talha@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 13. | <p>डॉ. मौसमी मुखर्जी सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से पीएचडी (2016) गृह नगर: पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267119 ईमेल: mousumi@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 14. | <p>डॉ. महेशरेड्डी गेड सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भूकंप अभियांत्रिकी और अभियांत्रिकी भूकंप विज्ञान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (2016) से पीएचडी गृह नगर: पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267223 ईमेल: maheshreddy@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 15. | <p>डॉ. प्रमोद कुमार सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: तापीय अभियांत्रिकी आईआईटी रुड़की से पीएचडी (2018) गृह नगर: सोलन (हिमाचल प्रदेश) फोन: 01905-267858 ईमेल: parmmod@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 16. | <p>डॉ. प्यादि अनिल किशन सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स आईआईटी खड़गपुर से पीएचडी (2009) गृह नगर: तिरुपति, आंध्र प्रदेश फोन: 01905-267141 ईमेल: kishan@iitmandi.ac.in</p> |  |

| | | |
|-----|---|---|
| 17. | <p>डॉ. प्रदीप कुमार सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: द्रव और तापीय विज्ञान आईआईटी कानपुर से पीएचडी (2009) गृह नगर: जौनपुर, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267112 ईमेल: pradeepkumar@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 18. | <p>डॉ. राजीव कुमार सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, कंपन, फेम, अनुकूलन (2008) में आईआईटी रुड़की से पीएचडी गृह नगर: जसपुर, उत्तराखंड फोन: 01905-267148 ईमेल: rajeev@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 19. | <p>डॉ. राहुल वैश्य सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: चश्मा और ग्लास-सिरेमिक पीएचडी (इंजीनियरिंग), भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूर (2010) गृह नगर: बदायूं, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267139 ईमेल: rahul@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 20. | <p>डॉ. राजेश घोष सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, बायोमैकेनिक्स, परिमित तत्व विश्लेषण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से पीएचडी (2013) गृह नगर: पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267903 ईमेल: rajesh@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 21. | <p>डॉ. ऋक रानी कोडर सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: हाइब्रिड सामग्री भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पीएचडी (2009) गृह नगर: बल्लौर, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267220 ईमेल: rik@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 22. | <p>डॉ. संदीप कुमार साहा सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भूकंप इंजीनियरिंग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली से पीएचडी (2014) गृह नगर: बिनोदिया, मुर्सीदाबाद, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267907 ईमेल: sandip_saha@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 23. | <p>डॉ. सत्वशील रमेश पोवार सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: डार्ड-सेंसिटाइज्ड सोलर सेल, पेरोव्स्काइट सोलर सेल मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से पीएचडी (2013) गृह नगर: कोल्हापुर, महाराष्ट्र फोन: 01905-267136 ईमेल: satvasheel@iitmandi.ac.in</p> |  |

| | | |
|-----|--|---|
| 24. | <p>डॉ. सायंतन सरकार सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, एरोसोल, जलवायु परिवर्तन मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से पीएचडी (2013) गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267829 ईमेल: sayantan@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 25. | <p>डॉ. सुधीर कुमार पाण्डेय सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: संघनित पदार्थ भौतिकी और सामग्री विज्ञान यूजीसी-डीई कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक से पीएचडी अनुसंधान, इंदौर (2007) गृह नगर: गढ़वा, झारखंड फोन: 01905-267852 ईमेल: sudhir@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 26. | <p>डॉ. सनी ज़फर सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: विनिर्माण इंजीनियरिंग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की से पीएचडी (2016) गृह नगर: चंडीगढ़ फोन: 01905-267268 ईमेल: sunyazafar@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 27. | <p>डॉ. सुमित सिन्हा राय सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: मैकेनिकल इंजीनियरिंग इलिनोइस शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी (2016) गृह नगर – कलकत्ता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267265 ईमेल: sumitsinha@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 28. | <p>डॉ. शुभमय सेन सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग आईआईटी खड़गपुर (2016) से पीएचडी गृह नगर: पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267261 ईमेल: subhamoy@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 29. | <p>डॉ. स्वाति शर्मा सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: सामग्री और विनिर्माण कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यूएसए से पीएचडी गृह नगर: भोपाल फोन: 01905-267830 ईमेल: swati@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 30. | <p>डॉ. वेंकट उदय कला सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे से पीएचडी (2013) गृह नगर: हैदराबाद फोन: 01905-267149 ईमेल: uday@iitmandi.ac.in</p> |  |

| | | |
|-----|---|---|
| 31. | <p>डॉ. विशाल सिंह चौहान सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: डिजाइन इंजीनियरिंग, विद्युत चुम्बकीय विकिरण धातुओं और मिश्र धातुओं के विरूपण के दौरान, ठोस यांत्रिकी, FEM बीआईटी मेसरा, रांची से पीएचडी (2009) गृह नगर: सनावद, एमपी फोन: 01905-267044 ईमेल: vsc@iitmandi-ac-in</p> |  |
| 32. | <p>प्रो. अजीत पी. अन्नाछत्रे अतिथि प्राध्यापक विशेषज्ञता: पर्यावरण इंजीनियरिंग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई (1987) से पीएचडी गृह नगर: पुणे, महाराष्ट्र फोन: 01905-267905 ईमेल: ajit@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 33. | <p>प्रो. आईएनजी. बलथासर नोवाक संयुक्त प्राध्यापक विशेषज्ञता: सिविल इंजीनियरिंग तकनीकी विश्वविद्यालय डार्मस्टाट (1995) से पीएचडी ईमेल: balthasar.novak@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 34. | <p>डॉ. प्रतीक सक्सेना अभ्यागत सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: सस्टेनेबल मैनुफैक्चरिंग, टूलींग प्रोसेस चैन, पेपर-पैकेजिंग, एडिटिव मैनुफैक्चरिंग और ट्राइबोलॉजी डेनमार्क के तकनीकी विश्वविद्यालय से पीएचडी गृह नगर: जयपुर फोन: 01905-267110 ईमेल: prateek@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 35. | <p>प्रो. सतीश चंद्र जैन अवकाश प्राप्त प्राध्यापक विशेषज्ञता: मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मशीन डिजाइन, ट्राइबोलॉजी, कंपन और शोर, कंप्यूटर एडेड डिजाइन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की से पीएचडी (पूर्ववर्ती रुड़की विश्वविद्यालय) (1983) गृह नगर: पटपड़गंज नई दिल्ली फोन: 01905-267803 ईमेल: satish@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 36. | <p>प्रो. सुब्रत राय अभ्यागत विशिष्ट प्राध्यापक विशेषज्ञता: भौतिक धातु विज्ञान, सम्मिश्र और ट्राइबोलॉजी आईआईटी कानपुर से पीएचडी गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल ईमेल: sray@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 37. | <p>प्रो. सुमंत निगम अभ्यागत विशिष्ट प्राध्यापक विशेषज्ञता: भौतिक धातु विज्ञान, विशेषज्ञता: जलवायु गतिशीलता 1984 में प्रिंसटन विश्वविद्यालय से पीएचडी ईमेल: nigam@umd.edu, snigam@iitmandi.ac.in</p> |  |
| 38. | <p>प्रो. तरुण कान्त अभ्यागत विशिष्ट प्राध्यापक विशेषज्ञता: ठोस और संरचनात्मक यांत्रिकी – फेम, समग्र यांत्रिकी, प्लेट और शैल आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी फोन: 91 22 2576 7310 ईमेल: tkant@iitmandi-ac-in, tkant@civil.iitb.ac.in</p> |  |

कार्यालय कर्मचारी

| | | |
|----|---|---|
| 1. | <p>चन्दन कुमार कार्यालय सहायक फोन: 01905-267138, ईमेल: seoa1@iitmandi.ac.in कार्यालय: कमरा नंबर 212, ए4-बिल्डिंग</p> |  |
| 2. | <p>ममता कार्यालय सहायक फोन: 01905-267138 ईमेल: seoffice@iitmandi.ac.in कार्यालय: कमरा नंबर 212, ए4-बिल्डिंग</p> |  |

तकनीकी कर्मचारी

| | | |
|----|---|---|
| 1. | <p>अमित शर्मा वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक मोबाइल: 91-97363-18448 फोन: 91-1905-267178 ईमेल: amits@iitmandi.ac.in कार्यालय: डिजाइन लेब, उत्तरी परिसर</p> |  |
| 2. | <p>अंकुश कपिल वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक मोबाइल: 91-94595-10629 फोन: 91-1905-267018 ईमेल: ankush@iitmandi.ac.in कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |
| 3. | <p>अनीश धीमान प्राविधिक सहायक मोबाइल: 91-94594-77449 फोन: 91-1905-267018 ईमेल: anishdhiman@iitmandi.ac.in कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |
| 4. | <p>भूरी सिंह यांत्रिकी प्रयोगशाला परिसर मोबाइल: 91-98052-95316 फोन: 91-1905-267018 ईमेल: bhuri.iitmandi@gmail.com कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |
| 5. | <p>दिनेश ठाकुर कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक मोबाइल: 91-9418169227 फोन: 91-1905-267241 ईमेल: dinesh_thakur@iitmandi.ac.in कार्यालय: प्रारूप प्रयोगशाला, उत्तरी परिसर</p> |  |
| 6. | <p>धरमपाल सिंह प्राविधिक सहायक मोबाइल: 91-94597-78507 फोन: 91-1905-267018 ईमेल: dharampal@iitmandi.ac.in कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |

| | | |
|-----|--|---|
| 7. | <p>दलविंदर कुमार टर्नर मैकेनिकल वर्कशॉप फोन: 91-1905-267018 मोबाइल: 917988076620 ईमेल: dalvinder@iitmandi.ac.in कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |
| 8. | <p>धुनी चन्द सिविल प्रयोगशाला परिचर मोबाइल: 91-98826-82550 ईमेल: bhuri.iitmandi@gmail.com कार्यालय: जियोटेक्निकल लैब, उत्तरी परिसर</p> |  |
| 9. | <p>राम सिंह सिविल प्रयोगशाला परिचर मोबाइल: 91-9882403748 ईमेल: ramsinghmnd@gmail.com कार्यालय: निर्माण सामग्री प्रयोगशाला, उत्तरी परिसर</p> |  |
| 10. | <p>राकेश कुमार कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक मोबाइल: 91-86996-66497 फोन: 91-1905-2670183 ईमेल: rakeshkumar@iitmandi.ac.in कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |
| 11. | <p>राज कुमार तकनीशियन मोबाइल: 91-98055-77014 फोन: 91-1905-267018 ईमेल: rajkumaruk1970@gmail.com कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |
| 12. | <p>संजीव शर्मा सिविल प्रयोगशाला सहायक मोबाइल: 91-7018283395 ईमेल: cmlab@iitmandi.ac.in कार्यालय: निर्माण सामग्री प्रयोगशाला, उत्तरी परिसर</p> |  |
| 13. | <p>सुनील कुमार प्रयोगशाला तकनीशियन मोबाइल: 91-9882690412 ईमेल: sunilk@iitmandi.ac.in कार्यालय: भूतकनीकी प्रयोगशाला, उत्तरी परिसर</p> |  |
| 14. | <p>सुनील कुमार बढ़ई मोबाइल: 91-98822-76516 फोन: 91-1905-267018 ईमेल: sunil@iitmandi.ac.in कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |
| 15. | <p>विवेक कुमार वेल्डर यांत्रिक कार्यशाला फोन: 91-1905-267018 मोबाइल: 919805679909 ईमेल: vivekkumar@iitmandi.ac.in कार्यालय: केंद्रीय कार्यशाला, दक्षिण परिसर</p> |  |

बाहरी रूप से प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

| क्र. सं. | परियोजना सं. | परियोजना का शीर्षक | प्रायोजक एजेंसी | अन्वेषक | परियोजना की लागत (रुपये) | परियोजना की अवधि |
|----------|---|--|------------------------------|---|--------------------------|------------------|
| 1. | आईआईटीएम / डीएसटी / एजी / 323 | ग्रीन बिल्डिंग में बेहतर ध्वनिक प्रदर्शन के लिए मेटामटेरियल दीवारें | डीएसटी | डॉ. अर्पण गुप्ता (पीआई) डॉ. अम्बर्टो बेरार्डी (सह-पीआई) | 31,34,699 | 2 वर्ष |
| 2. | आईआईटीएम / डीएसटी / केवीयू / 300 | वर्षा प्रेरित भूस्खलन के लिए कम लागत वाली एमईएमएस-आधारित और वीडियो-आधारित निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली | डीएसटी-एनआरडीएमएस | डॉ. के.वी. उदय (पीआई), डॉ. वरुण दत्त और डॉ. अर्णव वी भावसार (सह-पीआई) | 40,17,555 | 3 वर्ष |
| 3. | आईआईटी / डीएसटी / केवीयू / 316 | कम लागत वाली एक्सटेन्सोमीटर आधारित भूस्खलन निगरानी और पूर्व चेतावनी उपकरण | डीडीपी-डीएसटी | डॉ. के.वी. उदय (पीआई) डॉ. वरुण दत्त (सह-पीआई) | 44,87,288 | 3 वर्ष |
| 4. | आईआईटीएम / डीडीएमएस-एम / वीडि / 325 | जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन निगरानी प्रणाली की तैनाती | जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण | डॉ. वरुण दत्त (पीआई) डॉ. के.वी. उदय (सह-पीआई) | 49,20,000 | 3 वर्ष |
| 5. | आईआईटीएम / एनएमएचएस / जेकेआर / 298 | हिमालय में जल सुरक्षा के लिए वसंत कायाकल्प | एनएमएचएस | डॉ. जसप्रीत कौर रंधावा | 33,71,280 | 3 वर्ष |
| 6. | आईआईटीएम / एलयू-एसडब्ल्यू / एसवाईएस / 330 | विकासशील देशों में कोयला आधारित अर्थशास्त्र: मेगा थर्मल पावर प्लांट के आसपास एक पर्यावरण, स्वास्थ्य और लागत मूल्यांकन | लिंगोपिंग विश्वविद्यालय | डॉ. सायंतन सरकार (पीआई) डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता (सह-पीआई) | 30,83,500 | 3 वर्ष |
| 7. | आईआईटीएम / एमएचआरडी-स्टार्स / वीबी / 295 | ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अनुप्रयोगों के लिए WS2 मोनोलेयर में नियंत्रणीय 1T- to 1H चरण संक्रमण के साथ चरण चयनात्मक CVD वृद्धि | एमएचआरडी-स्टार्स | डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन (पीआई) | 49,95,000 | 3 वर्ष |
| 8. | आईआईटीएम / एसडब्ल्यूएसएम / एपीए / 293 | हिमाचल प्रदेश में जल शक्ति विभाग की प्रयोगशालाध्विषलेषणात्मक प्रक्रिया का मूल्यांकन और जल परीक्षण प्रयोगशालाओं का प्रदर्शन | हिमाचल प्रदेश जल शक्ति विभाग | प्रो. अजीत पी. अन्नाछत्रे (पीआई) | 9,12,000 | 9 वर्ष |
| 9. | आईआईटीएम / डीएसटी / जीए / 318 | ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए 3 डी प्रिंट करने योग्य स्मार्ट समग्र हाइड्रोजल-इंक डिजाइन करना | डीएसटी | डॉ. गरिमा अग्रवाल (पीआई) डॉ. ऋक रानी कोडार (सह-पीआई) | 37,96,642 | 3 वर्ष |
| 10. | आईआईटीएम / एसईआरबी / एसवाईएस / 296 | तीन पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों के आवासीय सूक्ष्म वातावरण में थोक और आकार-पृथक एरोसोल का रासायनिक विशिष्टता और वायुमार्ग निक्षेपण मॉडलिंग: मानव जोखिम के लिए निहितार्थ | एसईआरबी | डॉ. सायंतन सरकार | 29,32,560 | 2 वर्ष |

बीज अनुदान परियोजनाएं

| क्र. सं. | परियोजना सं. | परियोजना का शीर्षक | अन्वेषक | स्वीकृत राशि (रुपये में) | परियोजना की अवधि |
|----------|--------------------------------|--|--|--------------------------|------------------|
| 1. | आईआईटीएम / एसजी / 2021 / 02-16 | हाइड्रोलिक लोड और फॉल्ट रफ्टिंग फेनोमेना के अधीन ढलान वाली जमीन पर उथले नींव के लिए डिजाइन पद्धति का विकास: प्रयोगात्मक और संख्यात्मक जांच | पीआई: डॉ. आशुतोष कुमार सह-पीआई: डॉ. महेशरेड्डी गेड | 16,00,000 | 3 वर्ष |

प्रायोजित परामर्श अनुसंधान परियोजनाएं

| क्र.सं. | फाईल सं. | प्रस्ताव शीर्षक | अन्वेषक | हस्ताक्षरित समझौता | स्वीकृत राशि (रुपये में) | परियोजना की अवधि |
|---------|---|---|--|---|--------------------------|------------------|
| 1 | आईआईटीएम / कंस / यूएनडीपी / केवीयू / 39 | हिमाचल प्रदेश के लिए भूस्खलन जोखिम शमन रणनीतियों पर रिपोर्ट | डॉ. कला वेंकट उदय | श्री मनीष मोहनदास, यूएनडीपी, 55 लोधी ईस्टेट, नई दिल्ली | 1,61,070 | 15 दिन |
| 2 | आईआईटीएम / कंस / बीएसएनएल / डीएस / 40 | केंद्रीय विद्यालय सलोह, जिला- ऊना (हि.प्र.) के लिए 'ए' प्रकार के विद्यालय भवन का तृतीय पक्ष स्थल निरीक्षण | डॉ. दीपक स्वामी | श्री विजय कुमार शर्मा बीएसएनएल सिविल डिवाजन, हमीरपुर (हि.प्र.) | 69,030 | 2 वर्ष |
| 3 | आईआईटीएम / कंस / यूएनडीपी / डीपीएस / 42 | हिमाचल प्रदेश के लिए भूस्खलन जोखिम क्षेत्र पर रिपोर्ट की तैयारी | डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला | श्री मनीष मोहनदास यूएनडीपी, 55 लोधी एस्टेट्स, नई दिल्ली | 76,700 | 05 दिन |
| 4 | आईआईटीएम / कंस / ईएसपीटी / एजी / 43 | मेसर्स एनविरोटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित ध्वनिक डिजाइन की जांच। लिमिटेड तंजावुर में पूर्ण मिशन सिम्युलेटर की स्थापना के लिए | डॉ. अर्पण गुप्ता | श्री मनोज कुमार गुप्ता, एनविरोटेक सिस्टम्स प्रा. लिमिटेड, बी1ए / 19, प्रथम तल, वाणिज्यिक परिसर, सेक्टर- 51, नोएडा, उत्तर प्रदेश- 201307 | 61,360 | 1 महीना |
| 5 | आईआईटीएम / कंस / केडीएमई / एसयूएस / 44 | गुलबर्गा के पास एक पुल का रेल संरचना निरीक्षण | डॉ. शुभमय सेन | मोहम्मद मिस्बाहुद्दीन, श्री रमना कॉलोनी, कर्मनघाट, सरूरनगर (एम), हैदराबाद- 500079 | 84,370 | 21 दिन |
| 6 | आईआईटीएम / कंस / हिमुडा / केएस / 45 | सरकारी डिग्री कॉलेज ठियोग में बहुमंजिला छात्रावास भवन का संरचनात्मक सुरक्षा मूल्यांकन। | डॉ. कोस्तव सरकार (पीआई) डॉ. संदीप साहा (सह-पीआई) डॉ. मौसमी मुखर्जी (सह-पीआई) | अभियन्ता कुशल शर्मा हिमाचल प्रदेश आवास एवं शहरी विकास प्राधिकरण प्रभाग शिमला | 4,95,000 | 2 महीने |
| 7 | आईआईटीएम / कंस / यूटीसीएल / केवीयू / 46 | अल्ट्राटेक सीमेंट के एच-1 ब्लॉक के लिए संरचनात्मक सुरक्षा ऑडिट के लिए साइट का दौरा | डॉ. कला वेंकट उदय | श्री ब्रजेश के सिंह यूटीसीएल, बागा | 27,612 | 7 दिन |

आईआईटी मंडी परियोजनाएं

| क्र.सं. | परियोजना का शीर्षक | अन्वेषक | स्वीकृत राशि (रुपये) | परियोजना की अवधि |
|---------|--|---|----------------------|------------------|
| 1. | SARS-CoV-2 वायरस के खिलाफ कूरियर पैकेज के लिए कम लागत वाली कीटाणुशोधन सुरंग का डिजाइन और निर्माण | डॉ. हिमांशु पाठक (पीआई) डॉ. सनी ज़फर (सह-पीआई) | 15,000 | 2 महीने |

अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट

पीआई-डॉ. हिमांशु पाठक

परियोजना का शीर्षक: फटे एल्यूमीनियम विमान पैनलों की चिपकने वाली बंधुआ समग्र पैच मुरम्मत का डिजाइन विश्लेषण

परियोजना संख्या आईआईटीएम / डीआरडीओ / एचपी / 252

परियोजना की अवधि: दिसंबर 2016 से अगस्त 2021

परियोजना लागत: 5.2 लाख रुपये

- इस परियोजना का उद्देश्य पैच की मुरम्मत वाले विमान पैनल विश्लेषण के लिए एक उपयुक्त और कुशल जाल स्वतंत्र कम्प्यूटेशनल मॉडल और कोड विकसित करना है। कार्य में तनाव तीव्रता कारकों की गणना, दरार प्रसार और चक्रीय लोडिंग वातावरण के तहत 2-डी और 3-डी मुरम्मत संरचना के थकान जीवन की भविष्यवाणी शामिल है।

- **परियोजना का शीर्षक:** संरचनात्मक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में तन्त्र दरार वृद्धि के लिए विस्तारित परिमित तत्व (एक्सएफईएम) मॉडल का विकास और कार्यान्वयन।
- **परियोजना संख्या:** आईआईटीएम/एसजी/एचपी/54
- **परियोजना की अवधि:** जून 2019 से जून 2022
- **परियोजना लागत:** रु. 8 लाख
- इलास्टो-प्लास्टिक फ्रैक्चर समस्याओं के मॉडल के लिए 'विस्तारित परिमित तत्व विधि (एक्सएफईएम),' नामक एक जाल-स्वतंत्र कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण लागू किया गया है। ज्यामितीय और भौतिक गैर-रैखिकताओं के साथ इलास्टो-प्लास्टिक फ्रैक्चर समस्याओं को मॉडल करने के लिए एक पूर्ण कम्प्यूटेशनल पद्धति विकसित की गई है। प्रस्तावित दृष्टिकोण को शामिल करने के लिए, एक आंतरिक MATLAB कोड विकसित किया गया है।

पीआई-डॉ. प्रमोद कुमार

परियोजना का शीर्षक: दबाव आयाम और दोलनों के शमन की दिशा में सीधे संपर्क संघनन में चिंगिंग घटना की जांच।

परियोजना संख्या: आईआईटीएम/एसईआरबी/पीकेयू/273

परियोजना की अवधि: दिसंबर 2019 से 2021 तक।

परियोजना लागत: रु.30.87 लाख

- प्रत्यक्ष संपर्क संघनन आधारित प्रयोग करने के लिए प्रायोगिक सुविधा विकसित की गई है और सबकूल्ड वाटर पूल में भाप के ऊर्ध्वाधर इंजेक्शन के लिए विस्तृत प्रयोग किए जा रहे हैं। इसके अलावा, अंतर्निहित संक्षेपण घटना को समझने के लिए संख्यात्मक सिमुलेशन भी किए जा रहे हैं। इस संबंध में सॉफ्टवेयर पैकेज ANSYS FLUENT का उपयोग करके द्रव विधि की मात्रा में इंटरफेसियल मास ट्रांसफर शुरू करने के लिए एक उपयोगकर्ता परिभाषित फंक्शन (UDF) विकसित किया गया है। मॉडलिंग में इंटरफेसियल जंप अप्रोच का उपयोग करते हुए इंटरफेज हीट ट्रांसफर पर जोर दिया जाता है और वाष्प चरण को कंप्रेसिबल माना जाता है।
- **परियोजना का शीर्षक:** भंवर प्रेरित प्रवेश को मंद करने के लिए हाइड्रोलिक मशीनों के लिए इंटेक का बुद्धिमान डिजाइन।
- **परियोजना संख्या:** आईआईटीएम/बीज/पीकेयू/67
- **परियोजना की अवधि:** जून 2019 से जून 2022
- **परियोजना लागत:** रु. 8 लाख
- पंप सेवन भंवर प्रेरित वायु प्रवेश प्रयोगों को करने के लिए एक प्रयोगात्मक सुविधा विकसित की गई है। 25 मिमी आंतरिक व्यास के एकल बेलनाकार डिस्चार्ज ट्यूब का उपयोग करके प्रयोग पूरा किया गया है। प्रयोगों ने संबंधित भंवर संरचनाओं की चार अलग-अलग विशिष्ट विशेषताओं की सूचना दी है। प्रयोगों के निष्कर्ष एक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किए जाते हैं। घटना के कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन को यूलेरियन दृष्टिकोण आधारित द्रव ढांचे की मात्रा का उपयोग करके किया जा रहा है। सिमुलेशन इंटरफेस विकास के विस्तृत हाइड्रोडायनामिक्स को समझने में सहायता करेंगे। इसके अलावा, जलाशय से जुड़े मल्टीपॉइंट आउटलेट्स के लिए प्रयोगों को करने की योजना है।

पीआई-डॉ. राजीव कुमार

परियोजना का शीर्षक: ऊर्जा प्रणालियों का डिजाइन, निर्माण और परीक्षण

परियोजना संख्या: आईआईटीएम/डीएसटी-फिस्ट/आरक/209

परियोजना की अवधि: 5 वर्ष (1.09.2018 से 31.08.2023)

परियोजना लागत : रु. 2,09,50,000 /-

- ऊर्जा प्रणालियों का डिजाइन, निर्माण और परीक्षण। इस परियोजना में कोल्ड वेल्डिंग फैसिलिटी सेटअप और लेजर मशीनिंग मशीन मंगवाई गई है। स्पार्क प्लाज्मा सिंटरिंग सुविधा की खरीद प्रक्रियाधीन है।

पीआई-डॉ. सुमित सिन्हा राय

- **परियोजना का शीर्षक:** सुपरसोनिक रूप से उड़ाए गए अल्ट्राफाइन पीवीडीएफ नैनोफाइबर का उपयोग करके हवा

पानी से अधिकांश मर्मज्ञ कणों (व्यास 300 एनएम) का कुशल निष्कासन ।

- **परियोजना संख्या:** आईआईटीएम / एसएसआर / एसईआरबी / 215
- **परियोजना की अवधि:** 3 वर्ष (17.09.2018 से 16.09.2021)
- **परियोजना लागत:** रु. 48,63,720 /—
- अल्ट्राफाइन और कम जीएसएम नॉनवॉवन झिल्ली के निर्माण के लिए सुपरसोनिक सॉल्यूशन ब्लोइंग नामक फ़ैब्रिकेशन प्रक्रिया का विकास ।
- एएसटीएम एफ2100 / एन 14683 / आईएस 16289:2014 प्रोटोकॉल को शामिल करने के लिए लचीलेपन के साथ सकारात्मक दबाव प्रणाली के लिए एएसटीएम एफ2299 की नकल करते हुए वायु निस्पंदन परीक्षण सेटअप का विकास ।
- एएसटीएम एफ2100 / एन 14683 / आईएस 16289: 2014 प्रोटोकॉल को शामिल करने के लिए लचीलेपन के साथ नकारात्मक दबाव प्रणाली के लिए एएसटीएम एफ 2299 की नकल करते हुए वायु निस्पंदन परीक्षण सेटअप का विकास ।
- विकसित प्रायोगिक योजनाओं से 4 औद्योगिक नमूनों का परीक्षण और राजस्व सृजन ।
- **परियोजना का शीर्षक:** भारी धातु हटाने के लिए एसिड माइन ड्रेनेज का उपचार
- **परियोजना संख्या:** आईआईटीएम / एसएसआर / एमओएम / 221
- **परियोजना की अवधि:** 2 वर्ष (01.01.2019 से 31.12.2021)
- **परियोजना लागत:** रु. 19,84,000 /—
- चिटोसन, लिग्निन आदि युक्त नैनोफाइबर झिल्ली का बड़े पैमाने पर निर्माण ।
- 99% की अधिकतम दक्षता के साथ उक्त बायोपॉलिमर झिल्ली का उपयोग करके पानी से विभिन्न भारी धातुओं जैसे कॉपर, लेड, आर्सेनिक, क्रोमियम, आयरन, जिंक आदि को हटाने के लिए सोखना अध्ययन ।
- 4 एल आधारित प्रोटोटाइप अध्ययन ने 90% की निष्कासन दक्षता का प्रदर्शन किया ।

पीआई—डॉ. सनी ज़फर

परियोजना का शीर्षक: माइक्रोवेव उपयोग के माध्यम से कार्बन फाइबर प्रबलित बहुलक कंपोजिट का विकास

परियोजना संख्या: आईआईटीएम / डीआरडीओ / एसजे / 249

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (11.07.2019 से 10.07.2021)

परियोजना लागत: रु.15,25,800 /—

- परियोजना प्रयोग का काम पूरा हो गया है । माइक्रोवेव इलाज और पारंपरिक इलाज के माध्यम से विकसित कार्बन फाइबर आधारित कंपोजिट के यांत्रिक गुणों पर तुलनात्मक विश्लेषण किया जाता है । परियोजना पूर्ण होने की रिपोर्ट तैयार की जा रही है ।

पीआई—डॉ. शुभमय सेन

- **परियोजना का शीर्षक:** परिवेश के तापमान के प्रभावों को शामिल करते हुए तनावपूर्ण संरचनाओं की कंपन—आधारित स्वास्थ्य निगरानी ।
- **परियोजना संख्या** आईआईटीएम / एसईआरबी / एसयूएस / 236
- **परियोजना की अवधि:** 3 वर्ष (30.03.2019 से 29.03.2022)
- **परियोजना लागत:** रु. 33.70 लाख
- कार्य तनाव के बारे में है, जो एक अभिनव संरचना प्रकार है । नया फॉर्म फाइंडिंग एल्गोरिथम विकसित किया गया है और एक नई एसएचएम तकनीक विकसित की गई है । दो उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं का प्रकाशन किया । सैद्धांतिक काम पूरा हो गया है । प्रायोगिक कार्य लंबित है ।

पीआई—डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन

परियोजना का शीर्षक: अगली पीढ़ी के ऊर्जा भंडारण उपकरणों के लिए असममित माइक्रो सुपरकैपेसिटर का मापनीय विनिर्माण ।

परियोजना संख्या: आईआईटीएम / डीएसटी / वीबी / 195

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (19.03.2018 से 18.07.2021)

परियोजना लागत: ₹.68,60,600 /—

- हम एरियाल कैपेसिटेंस के मामले में एक उच्च विशिष्ट कैपेसिटेंस वैल्यू के साथ वांछित ऊर्जा और पावर घनत्व मूल्यों के साथ एक मैक्रो सुपरकेपेसिटर डिवाइस बनाने में सक्षम हैं। हम (i) स्टैमिंग, (ii) फोटोलिथोग्राफी और (iii) स्क्रीन प्रिंटिंग तकनीकों का उपयोग करके एक IDE डिवाइस बनाने में भी सक्षम हैं। ये उपकरण इन दृष्टिकोणों का उपयोग करके आईडीई पैटर्न वाले उपकरणों को बनाने की सफलता के बारे में एक विचार देते हैं। इसके अलावा, उनके इलेक्ट्रोकेमिकल सुपरकैपेसिटर के प्रदर्शन का अध्ययन करने और उन्हें लचीले सबस्ट्रेट पर भी बनाने की दिशा में काम चल रहा है। अन्य परियोजना से संबंधित 2डी सामग्री में, हम मेटास्टेबल चरणों को स्थिर करने और प्रकाश संचालित चरण संक्रमण कैनेटीक्स की जांच करने में सक्षम हैं। चरण परिवर्तन आधारित अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करने के लिए लंबी स्थिरता प्राप्त करने के लिए अन्य 2 डी सामग्रियों में इसका विस्तार करना और विधियों का अनुकूलन करना है।

प्रकाशित पुस्तकें

1. संदीप कुमार साहा और मौसमी मुखर्जी (2020), कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन में हालिया प्रगति, खंड- I: संरचनाओं के लिए सामग्री, सिविल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, वॉल्यूम 103, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, DOI://doi.org/10.1007/978-981-15-8138-0.
2. संदीप कुमार साहा और मौसमी मुखर्जी (2020), कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन में हालिया प्रगति, वॉल्यूम- II: नैनो टू मैक्रो, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में लेक्चर नोट्स, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, DOI://doi.org/10.1007/978-981-15-8315-5.
3. एच. त्यागी, पी. चक्रवर्ती, एस. पोवार, ए. अग्रवाल, सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी में नए अनुसंधान निर्देश (संपादित), स्प्रिंगर, 2021।

प्रकाशित पुस्तक अध्याय

1. एस. पाण्डेय, एस. गोस्वामी, पी. सैनी, एस. पोवार, ए. धर, हाइब्रिड इलेक्ट्रिकल-सौर ओवन: एक नया परिप्रेक्ष्य। स्प्रिंगर 2021 द्वारा प्रकाशित, 237-255 सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजीज में न्यू रिसर्च डायरेक्शन नामक पुस्तक में।
2. बीवीएस चौहान, एमके शुक्ला, ए धर। एसआई इंजन प्रदर्शन और उत्सर्जन पर एन-बुटानॉल और गैसोलीन मिश्रणों का प्रभाव नामक पुस्तक में: आंतरिक दहन इंजन के लिए वैकल्पिक ईंधन के रूप में अल्कोहल, 175-190, स्प्रिंगर 2021 द्वारा प्रकाशित।
3. शिवप्रसाद एस शास्त्रीआनन्द और सुधीर के पांडेय, गर्मी और बिजली के बीच ऊर्जा रूपांतरण का सिद्धांत, थर्मोइलेक्ट्रिकिटी और उन्नत थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री, 21-53।
4. भूटानी जी, मुरलीधर के (आईआईटीके), खांडेकर एस (आईआईटीके), बुक चैप्टर: ड्रॉपलेट स्टैटिक्स, बुक टाइटल: ड्रॉप डायनेमिक्स और ड्रॉपवाइज कंडेनसेशन ऑन टेक्सचर्ड सर्फेस। मैकेनिकल इंजीनियरिंग शृंखला। स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-030-48461-3_1.
5. अग्रवाल एन, भूटानी जी, पुस्तक अध्याय: अनुकूली-मेष परिमित तत्व विधि का उपयोग कर अशांत प्रवाह की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग: एक बेंचमार्किंग अध्ययन, पुस्तक शीर्षक: कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन में हालिया प्रगति। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-8315-5_27, pp 307-322 Volume-II: Nano to Macro; 2021.
6. सिंह डीके, भूटानी जी, पुस्तक अध्याय: द्विचर जनसंख्या संतुलन समीकरण के समाधान के लिए एक संख्यात्मक ढांचा - मॉडल कार्यान्वयन और सत्यापन, पुस्तक शीर्षक: कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी और सिमुलेशन में हालिया प्रगति। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-8315-5_46, pp 539-552 Volume-II: Nano to Macro; 2021.

7. सिंह एनके, भूतानी जी, बुक चैप्टर: अनिसोट्रोपिक मेश एडेप्टिविटी का उपयोग कर गैर-न्यूटोनियन तरल पदार्थों का परिमित तत्व कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, पुस्तक शीर्षक: कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन में हालिया प्रगति। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-8315-5_28, pp 323-338 Volume-II: Nano to Macro; 2021.
8. दास, एस. और सरकार, के., वेनर्ट्स इंडेक्स का उपयोग करके पहचाने गए नमी संदर्भ वर्षों में गीला और सुखाने के पैटर्न: स्टेशन बनाम ग्रिड डेटा, हाइग्रोथर्मल व्यवहार में, ऊर्जा दक्षता और भवन प्रदर्शन सिमुलेशन (स्प्रिंगर, चाम), 20 जुलाई।
9. अथर्व अनंत सौरकर, सिद्धार्थ पाठक और मौसमी मुखर्जी (2021), सैंडी स्लोपिंग ग्राउंड पर आराम करने वाली स्ट्रिप फुटिंग्स की असर क्षमता: भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन 2019 की कार्यवाही में एक संख्यात्मक अध्ययन – खंड 5, सिविल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, खंड 137, ईडी. एस. पटेल, सी.एच. सोलंकी, के.आर. रेड्डी, एस.के. शुक्ल, स्प्रिंगर सिंगापुर, पीपी. 461–469, आईएसबीएन नंबर 978–981–336–466–0।
10. अथर्व ए. सौरकर, आशुतोष कुमार, भानु सिंह और मौसमी मुखर्जी (2021), इंपलूएंस ऑफ लोड इंपलूएंस ऑन बेयरिंग कैपेसिटी ऑफ फुटिंग रेस्टिंग ऑन स्लोप, इन चेलेंजेज एंड इनोवेशन इन जियोमैकेनिक्स, प्रोसीडिंग्स ऑफ द 16वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की कार्यवाही आईएसीएमएजी – वॉल्यूम 2, सिविल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, वॉल्यूम 126, एड. एम. बारला, ए.डी. डोना, डी. स्टरपी, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, पीपी 85–93, आईएसबीएन नंबर 978–3–030–64518–2।
11. गीतेश नैय्यलगा और मौसमी मुखर्जी (2020), मटेरियल क्रॉस-एनीसोट्रोपी की माइक्रोमैकेनिकल मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन में हाल की प्रगति में – खंड 1: संरचनाओं के लिए सामग्री, सिविल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, वॉल्यूम 103, एड. एस. साहा और एम. मुखर्जी, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, पीपी. 211–224, आईएसबीएन नंबर 978–981–15–8138–0।
12. मौसमी मुखर्जी और अरिंदम डे (2020), वर्ग फुट की असर क्षमता: फाउंडेशन इंजीनियरिंग में उन्नत संख्यात्मक विधियों में गैर-एसोसिएटिव एमसी और एमसीसी मॉडल को नियोजित करने वाला एक तुलनात्मक अध्ययन, जियोमेस्ट 2019, एड. एच. एफ. शेहता, बी.एम. दास, ए.पी.एस. सेल्वादुरै और ए. फयेद, स्प्रिंगर, चाम, पीपी. 34–47, आईएसबीएन नंबर 978–3–030–34192–3।
13. शुभव चौहान और प्रमोद कुमार, “सीक्वेंस ऑफ हाइड्रोडायनामिक फेनोमेना ड्यूरिंग द इंटरैक्शन ऑफ ड्रॉप एंड बबल इन वर्टिकल कंडिट”, कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन में हालिया प्रगति, 443–452, 2021; स्प्रिंगर, सिंगापुर।
14. एच. कौर, ए. कुमार, आर. आर. कोनेर, वी. कृष्णन “मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स फॉर फोटोकैटलिटिक डिग्रेडेशन ऑफ प्रदूषक के प्रकाश उत्प्रेरक घटाव के लिए धातु जैविक संरचनाएं”, एल्सेवियर, 2020, 91–126।
15. डॉ. राजीव कुमार, हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा प्रणालियों की योजना, इलेक्ट्रिक वाहन और माइक्रोग्रिड: मॉडलिंग, नियंत्रण और अनुकूलन”, जिसे स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।
16. राणा, ए., डे, एस., सरकार, एस., 2021. ध्रुवीय ग्रीष्म के दौरान Ny-Alesund में एरोसोल और सतही बर्फ में ब्राउन कार्बन (BrC) के ऑप्टिकल गुण। वर्तमान और पिछले आर्कटिक वातावरण को समझना: जलवायु परिवर्तन के दृष्टिकोण से एक एकीकृत दृष्टिकोण। पहला संस्करण, एल्सेवियर, आईएसबीएन: 9780128228692।
17. एन असवाल, एस सेन, तन्यता संरचनाओं के डिजाइन और स्वास्थ्य निगरानी: जोखिम-आधारित प्रौद्योगिकियों के लिए एक अवलोकन, विश्वसनीयता, सुरक्षा और जोखिम मूल्यांकन, 523–533
18. एच. कुमार और एसके साहा (2021), “तरल भंडारण टैंक की भूकंपीय प्रतिक्रिया, अनिश्चित मिट्टी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए,” इन: साहा एसके, मुखर्जी एम. (संस्करण), कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन में हालिया प्रगति, खंड-I: संरचनाओं के लिए सामग्री, लेक्चर नोट्स इन सिविल इंजीनियरिंग, वॉल्यूम 103, स्प्रिंगर, सिंगापुर।
19. एच. त्यागी, पी. चक्रवर्ती, एस. पोवार, ए. अग्रवाल, ‘सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में नई अनुसंधान दिशाओं का परिचय, एच त्यागी एट अल., संपादक. 2021 स्प्रिंगर सिंगापुर: स्प्रिंगर. पी. 3–10.
20. एस. पाण्डेय, एस. गोस्वामी, पी. सैनी, एस. पोवार, ए. धर, हाइब्रिड इलेक्ट्रिकल-सोलर ओवन: ए न्यू पर्सपेक्टिव, इन न्यू रिसर्च डायरेक्शन्स इन सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजीज, एच. त्यागी एट अल., संपादक. 2021 स्प्रिंगर सिंगापुर: स्प्रिंगर. पी. 237–255

| क्र.सं. | फाइल/आवेदन संख्या | दाखिल करने का वर्ष | पेटेंट विवरण / शीर्षक | आविष्कारक विवरण | वर्तमान स्थिति |
|---------|---|--------------------|---|--|--|
| 1. | 202011006402 | 2020 | पोर्टलैंड सीमेंट आधारित संरचनाओं पर किफायती जीवाणुरोधी सतह बनाने के लिए एक तेज और कुशल रणनीति | डॉ. राहुल वैश्य | समीक्षाधीन |
| 2. | 201911045685 | 2020 | पीजोइलेक्ट्रिक क्रिस्टल युक्त ग्लास-सिरेमिक का उपयोग करके कंपन प्रेरित अपशिष्ट-पानी की सफाई और जीवाणु कीटाणुशोधन | गुरप्रीत सिंह, मूलचंद शर्मा, और डॉ. राहुल वैश्य | समीक्षाधीन |
| 3. | 202011021910 | 2020 | मल्टीमॉडल मैग्नेटो-प्लोरोसेंट कोर-शेल सुपरपरामैग्नेटिक का सिंगल स्टेप सिंथेसिस | डॉ. जसप्रीत कौर रंधावा | दायर |
| 4. | 202011052699 | 2020 | अपशिष्ट जल उपयोग के लिए प्रणाली | डॉ. अतुल धर, सत्वशील पोवार और हेमंत ठाकुर | 09.04.2021 को प्रकाशित |
| 5. | आवेदन नंबर 202021031349, पेटेंट नंबर 367354 | 2020 | परिवेश के तापमान पर TiO ₂ पेस्ट बनाने की विधि | डॉ. एस. पोवार, पी. काजल, एस. गोस्वामी | 18.09.2020 को प्रकाशित और स्वीकृत 24.05.2021 |
| 6. | 202021049173 | 2020 | भोजन पकाने की प्रणाली | डॉ. एस. पोवार, ए. धर, पी. सैनी, एस. पाण्डेय | 1 जनवरी 2021 को प्रकाशित |
| 7. | 338273-001 | 2021 | भारतीय डिजाइन: अंतरिक्ष ताप पंख | डॉ. एस. पोवार, ए. धर, ए. कौंडल, | दायर |
| 8. | 338274-001 | 2021 | भारतीय डिजाइन: टॉपआउट कवर के साथ कुकस्टोव डिजाइन | डॉ. एस. पोवार, डॉ. ए. धर, ए. कौंडल | दायर |
| 9. | 338275-001 | 2021 | भारतीय डिजाइन: टॉप कवर के साथ कुकस्टोव डिजाइन | डॉ. एस. पोवार, डॉ. ए. धर, ए. कौंडल | दायर |
| 10. | 338736-001 | 2021 | भारतीय डिजाइन: फोल्डेबल सोलर थर्मल कलेक्टर | डॉ. एस. पोवार, डॉ. ए. धर, पी. सैनी | दायर |
| 11. | 202111009994 | 2021 | वायु-द्रव मिश्रण से वायु को अलग करने की प्रणाली और विधि | डॉ. प्रमोद कुमार और राहुल कुमार मंडल | दायर |
| 12. | 202011022177 | 2020 | प्लास्टिक की बोतलों से नैनोफाइबर | डॉ. सुमित सिन्हा रे, शेषांग सिंह चंदेल, प्रकाश गिरी, आशीष काकोरिया | दायर |
| 13. | 202041047604 | 2020 | डिटेक्शन यूनिट और उसके संचालन की विधि | अमुधन मुथैया, डॉ. के.वी. उदय, नमन चौधरी, निधि कडेला, शिशिर अस्थाना | मंजूर किया गया |
| 14. | 2873/एमयूएम /2013 | 2013 | विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में महीन दाने वाली मिट्टी के खुर के लक्षणों को निर्धारित करने के लिए एक उपकरण और विधि | प्रो. डी.एन. सिंह, डॉ. के.वी. उदय, आईआईटी बॉम्बे | मंजूर किया गया 2021 |

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्रिकाओं में स्वीकृत पत्र

- कुमार, पी., प्रियंका., शर्मा, ए., पठानिया, ए., माली, एन., चतुर्वेदी, पी., सिंह, आर., उदय, केवी, और दत्त, वी., प्रेडिक्शन ऑफ रियल-वर्ल्ड स्लोप आवर्तक और गैर-आवर्तक तंत्रिका नेटवर्क एल्गोरिदम के माध्यम से आंदोलन: तांगनी भूस्खलन का एक केस स्टडी, भारतीय भू-तकनीकी जर्नल. स्प्रिंगर (प्रेस में, 2021)।

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

- देबयान भट्टाचार्य, मौसमी मुखर्जी और अमित प्रशांत (2021), ग्रेन्युलर मीडिया में अस्थिरता की जांच और उनके संख्यात्मक सिमुलेशन, इंडियन जियोटेक्निकल जर्नल (एसजेआर स्कोर: 0.46), स्प्रिंगर, 51 (3): 552 – 566।

अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में स्वीकृत पत्र

1. भूतानी जी, ब्रिटो-परदा पी, ए फ्रेमवर्क फॉर पॉलीडिस्पर्स पल्प फेज मॉडलिंग इन फ्लोटेशन, सेपरेशन एंड प्यूरिफिकेशन टेक्नोलॉजी (इम्पैक्ट फैक्टर: 3.9), वॉल्यूम 236, 116252, 2020।
2. अहमद रजा, मोहम्मद तल्हा, हिमांशु पाठक, एक्सएफईएम का उपयोग कर उच्च क्रम क्रैक किए गए कार्यात्मक रूप से ढाल प्लेटों की कंपन विशेषताओं पर सामग्री अनिश्चितता का प्रभाव, एप्लाइड मैकेनिक्स के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (विश्व वैज्ञानिक), स्वीकृत, 2021।
3. निशांत वर्मा, मनोज कुमार सिंह, सनी जफर, हिमांशु पाठक, माइक्रोवेव-सहायता प्राप्त संपीड़न-मोल्डिंग और पारंपरिक रूप से संपीड़न-मोल्डिंग प्रक्रिया के दौरान इन-सीटू तापमान माप का तुलनात्मक अध्ययन, सीआईआरपी जर्नल ऑफ मैनुफैक्चरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एल्सवियर), स्वीकृत, 2021.
4. शितोले पी., चौबे ए., मंडल पी., घोष आर. 2021. एलडीएन टी2डीएम माइस बोन में विभिन्न पदानुक्रमित स्तरों में अस्थि गुणों के बिगड़ने से बचाता है। एसीएस ओमेगा (स्वीकृत)।
5. एच. कौर, एस. सिन्हा, वी कृष्णन, आर. आर. कोडार, “फोटोकैटलिटिक रिडक्शन एंड ऑप्टिकल रिकग्निशन ऑफ सीआर (VI): न्यू जेडएन (II) आधारित मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क एज कैटलिटिक सरफेस”, *Ind. Eng. रसायन. रिस.*, 2020, 59, 8538–8550।
6. बी. देवी, ए. जैन, बी. रॉय, भास्कर राव आर, एन.आर. टुम्मुरु, ए. हल्दर, आर. आर. कोडार, “कोबाल्ट-एंबेडेड एन-डोपेड कार्बन नैनोस्ट्रक्चर फॉर ऑक्सीजन रिडक्शन एंड सुपरकैपेसिटर एप्लीकेशन,” *एसीएस एप्ल. नैनो. मेटर.*, 2020, 7, 6354–6366।
7. डी. गंभीर, बी.मोंडल, आर. आर. कोडार “आध्विक-स्तर की अंतर्दृष्टि स्वयं-संयोजन संचालित एनेंटियोसेलेक्टिव मान्यता प्रक्रिया में।”, *रसायन. कम्प्यून.*, 2021, 57, 2535–2538।
8. एच. कौर, एस. सिन्हा, वी. कृष्णन, आर. आर. कोडनर, “ऑक्सो-आयनों की मान्यता के लिए समन्वय नेटवर्क।” *डाल्टन ट्रांस.*, 2021, 50, 8273–8291।
9. कमलप्रीत सिंह, सौरव शर्मा, राजीव कुमार और मोहम्मद तल्हा। पीजोइलेक्ट्रिक विशेषताओं पर पोलिंग अभिविन्यास के प्रभाव के मूल्यांकन के लिए एक 3-आयामी दृष्टिकोण। *इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का जर्नल*। (स्वीकार किया हुआ)।
10. भूपिंदर सिंह और सनी ज़फर; [10-30 wt%] Cr7C3 सामग्री, *JTribology Transactions*, 2021 के साथ Ni + xCr7C3 माइक्रोवेव कम्पोजिट क्लैड का घोल क्षरण प्रदर्शन। (IF: 1-511)। DOI: <https://doi.org/10.1080/10402004.2020.1863537>.
11. भूपिंदर सिंह और सनी ज़फर; माइक्रोमेट्रिक और नैनोमेट्रिक Ni + 10% Cr7C3 समग्र माइक्रोवेव क्लैड्स के सूक्ष्म संरचनात्मक और यांत्रिक पहलू, समग्र सामग्री के जर्नल, 55(3), 347–359, 2021। (IF: 1-972)।
12. मिन्हाज एम. और सनी ज़फर; Ni + B4C माइक्रोवेव कम्पोजिट क्लैड्स के फ्लेक्सुरल परफॉर्मेंस पर B4C कंटेंट का प्रभाव, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स इंजीनियरिंग एंड परफॉर्मेंस, 30, 165–176, 2021 (IF: 1-658)।
13. एच. कुमार और एसके साहा (2021), “फिक्स्ड बेस और बेस आइसोलेटेड ग्राउंड सपोर्टेड लिक्विड स्टोरेज टैंक की

भूकंपीय नाजुकता मृदा-संरचना इंटरैक्शन को ध्यान में रखते हुए”, जर्नल ऑफ द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया): सीरीज ए, डीओआई: 10.1007 / s40030-021-00542-z ।

14. एम. बर्थवाल, ए. धर, एस. पोवार, द टेक्नो-इकोनॉमिक एंड एनवायरनमेंटल एनालिसिस ऑफ जेनेटिक एल्गोरिथम (जीए) ऑप्टिमाइज्ड कोल्ड थर्मल एनर्जी स्टोरेज (सीटीईएस) फॉर एयर-कंडीशनिंग एप्लिकेशन, एप्लाइड एनर्जी, 2020, 116253 (आईएफ) 9.75) ।
15. चौहान, एस. सिंह, ए. धर, एस. पोवार*, ऊर्जा खपत के आधार पर अनानास सुखाने का अनुकूलन, पोषक तत्व प्रतिधारण और बहु-मानदंड निर्णय लेने के माध्यम से सुखाने का समय, जे. क्लीन। उत्पाद, 2021, 292, 125913 (आईएफ 9.29) ।
16. कौंडल, एस. पोवार, * ए. धर, कुक स्टोव प्रदर्शन पर वायु आपूर्ति के प्रभाव की संख्यात्मक जांच, इनहेल। Toxicol., 2021, स्वीकृत (IF: 2.72)
17. पी. काजल, एल.जे. होर, ए. कंवत, पीजे राणा, टीएम कोह, जीवी नूतन, पीसी हरिकेश, टी. कृष्णमूर्ति, एसजी म्हेसालकर, एस. पोवार,* एन. मैथ्यूज, प्रिंट करने योग्य में कार्बन ब्लैक की भूमिका का अनावरण मेसोस्कोपिक पेरोसाइट सोलर सेल, जे.पावर सोर्स, 2021, 501, 230019 (आईएफ: 9.127)
18. एम. बर्थवाल, ए. धर, एस. पोवार,* ताप भंडारण के थर्मल प्रदर्शन में सुधार के लिए चरण परिवर्तन सामग्री में नैनोमटेरियल समावेशन का प्रभाव: एक समीक्षा, एसीएस एप्ल। एनर्जी मैटर, स्वीकृत (आईएफ: 6.024)
19. पठानिया ए., कुमार पी., प्रियंका, मोर्य ए., उदय के.वी. और दत्त वी., डेवलपमेंट ऑफ एन एसेंबल ग्राइंडिंग बूस्टिंग एल्गोरिथम फॉर जनरेटिंग अलर्ट्स अबाउट सॉयल मूवमेंट्स। मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, और वायरलेस कम्युनिकेशन के लिए कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला । इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स. दिसंबर 2020 ।
20. कुमार पी., सिहाग पी., पठानिया ए., चतुर्वेदी पी., उदय के.वी. और दत्त वी. साप्ताहिक ढलान-हलचलों की भविष्यवाणी के लिए मूविंग-औसत, आलसी, और सूचना लाभ विधियों की तुलना: चमोली, भारत में एक केस-स्टडी इन कासागली एन., और टोफन वी. (तीसरा संस्करण), फुल-कलर बुक: 5वें विश्व भूस्खलन मंच की कार्यवाही (डब्ल्यूएलएफ5). क्योटो, जापान. स्प्रिंगर ।
21. पठानिया ए., कुमार पी., सिंह आर., चतुर्वेदी पी., उदय के.वी. और दत्त वी. (2020), ए लो कॉस्ट, सब-सरफेस आईओटी फ्रेमवर्क फॉर लैंडस्लाइड मॉनिटरिंग, वार्निंग एंड प्रेडिक्शन। कंप्यूटिंग, संचार, एम्बेडेड और सुरक्षित प्रणालियों में प्रगति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2020 की कार्यवाही. स्प्रिंगर, अक्टूबर 2020 ।

अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. एम. बर्थवाल, ए. धर, एस. पोवार. एयर कंडीशनिंग अनुप्रयोगों के लिए आनुवंशिक एल्गोरिथम (जीए) अनुकूलित शीत तापीय ऊर्जा भंडारण (सीटीईएस) का तकनीकी-आर्थिक और पर्यावरणीय विश्लेषण। एप्लाइड एनर्जी 283, 116253, 2021 ।
2. पी. कुमार, पी.ए. किशन, एम.एन. मैथ्यू ए. धर. इंजन की स्थिति में स्पार्क इग्नाइटेड हाइड्रोजन एयर प्रीमिक्स्ड कम्बशन का फ्लेम कर्नेल ग्रोथ स्टडी। थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग प्रोग्रेस 21, 100769, 2021 ।
3. एम.के. शुक्ला, के. दुमगा, वाई. बाल्यान, टी. भास्कर, ए. धर. डीजल कालिख के ऑक्सीकरण की दिशा में Zr/CeO₂-Al₂O₃ उत्प्रेरक का प्रदर्शन। एसई तकनीकी पेपर, 2021-28-0013, 2021 ।
4. चौहान, एस. सिंह, ए. धर, एस. पोवार. बहु-मानदंड निर्णय लेने के माध्यम से ऊर्जा खपत, पोषक तत्व प्रतिधारण, और सुखाने के समय के आधार पर अनानास सुखाने का अनुकूलन, जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन 292, 125913, 2021 ।
5. सौरभ यादव और अर्पण गुप्ता: परिमित तत्व विधि का उपयोग कर एकल अक्ष ध्वनिक लेविटेटर के चालक और परावर्तक का पैरामीट्रिक अध्ययन. ध्वनिक भौतिकी 66 / 2020; 242-249 ।
6. जशोद रॉय, आशुतोष कुमार* और दीपांकर चौधरी (2020) "स्यूडोस्टेटिक अप्रोच टू एनालिसिस कंबाइंड पाइल-राफ्ट फाउंडेशन" एएससीई इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोमैकेनिक्स, (आईएसएसएन: 1532-3641, इम्पैक्ट फैक्टर: 2.589 / 2019) यूएसए. वॉल्यूम. 20, नंबर 10, पीपी. 06020028: 1-9, डीओआई: 10.1061 / (एससीई) जीएम.1943-5622.0001806 ।

7. मोरी डी., उदय के.वी., यूरोलाइटिक माइक्रोबियल-प्रेरित कैल्साइट वर्षा को प्रभावित करने वाले मापदंडों के बीच गुणात्मक बातचीत पर एक समीक्षा. पर्यावरण पृथ्वी विज्ञान, वॉल्यूम. 80, नंबर 329 वर्ष: 2021।
8. गौरव अरोड़ा, मनोज कुमार सिंह, हिमांशु पाठक, सनी जफर, माइक्रो-स्केल एनालिसिस ऑफ एचए-पीएलएलए बायो-कंपोजिट्स: इफेक्ट ऑफ इंटरपेनेट्रेशन ऑफ वॉयड्स ऑन मैकेनिकल प्रॉपर्टीज, मैटेरियल्स टुडे कम्प्युनिकेशंस (एल्सेवियर), वॉल्यूम। 28, अनुच्छेद आईडी 102568, 2021। <https://www.sciencedirect.com/science/article/abs/pii/S2352492821005596>.
9. नयन पुंधीर, हिमांशु पाठक, सनी जफर, एचडीपीई-केनाफ और एचडीपीई-सीएनटी मिश्रित संरचनाओं का क्रैशवर्थनेस प्रदर्शन, सामग्री और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में प्रगति (टेलर और फ्रांसिस), स्वीकृत, 2021 <https://www.tandfonline.com/doi/abs/10.1080/2374068X.2021.1927644>.
10. रंजन कुमार मिश्रा, जी. वाई. संदेश रेड्डी, हिमांशु पाठक, द अंडरस्टैंडिंग ऑफ डीप लर्निंग: ए कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू, मैथमैटिकल प्रॉब्लम्स इन इंजीनियरिंग (हिंडावी), वॉल्यूम। 21, अनुच्छेद आईडी 5548884, 2021। <https://www.tandfonline.com/doi/abs/10.1080/2374068X.2021.1927644>.
11. मार्गी गज्जर, हिमांशु पाठक, थर्मो-मैकेनिकल जे-इंटीग्रल के साथ प्लास्टिकी ग्रेडेड मटीरियल का फ्रैक्चर एनालिसिस, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स: डिजाइन एंड एप्लीकेशन (एसएजीई), वॉल्यूम। 235 (5), पृ. 1128–1145, 2021। <https://journals.sagepub.com/doi/abs/10.1177/1464420721991583>.
12. गौरव अरोड़ा, हिमांशु पाठक, लोचदार और विस्कोलेस्टिक गुणों के लिए बहुलक नैनोकम्पोजिट्स का नैनोइंडेंटेशन लक्षण वर्णन: प्रायोगिक और गणितीय दृष्टिकोण, समग्र भाग सी (एल्सेवियर), वॉल्यूम। 4, पी. 100103, 2021। <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2666682020301031>.
13. संजीत कुमार पासवान, सुमन कुमारी, मनोरंजन कर, आस्था सिंह, हिमांशु पाठक, जेपी बोरा, लॉरेंस कुमार, निकेल फेराइट नैनोपार्टिकल्स में संरचना-संपत्ति संबंधों का अनुकूलन विभिन्न तापमान पर एनीलेड, जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स (एल्सेवियर), खंड 151, पृ. 109928, 2021। <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0022369720328286>.
14. अहमद रजा, हिमांशु पाठक, मोहम्मद तलहा, स्टोकेस्टिक एक्सटेंडेड फिनिट एलिमेंट इम्प्लीमेंटेशन फॉर नेचुरल परीक्वेंसी ऑफ क्रैकड फंक्शनल ग्रेडिएंट एंड बाय-मटेरियल स्ट्रक्चर्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी एंड डायनेमिक्स (वर्ल्ड साइंटिफिक), वॉल्यूम. 21 (3), पृ. 2150044, 2021, <https://www.worldscientific.com/doi/abs/10.1142/S0219455421500449>.
15. पंकज कुमार, हिमांशु पाठक, अखिलेंद्र सिंह, थर्मो-मैकेनिकल प्रोसेस्ड एए 5754 का थकान दरार विकास व्यवहार: प्रयोग और विस्तारित परिमित तत्व विधि सिमुलेशन, उन्नत सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी (टेलर और फ्रांसिस), वॉल्यूम. 28, पृ. 88–101, 2021। <https://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/15376494.2018.1549294>.
16. राजीव कुमार, हिमांशु पाठक, सनी जफर, वैक्यूम-असिस्टेड माइक्रोवेव क्योर्ड यूनिडायरेक्शनल कार्बन वॉवन फ़ैब्रिक रीइन्फोर्सड एपॉक्सी कम्पोजिट का फ्रैक्चर एंड मैकेनिकल बिहेवियर, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स: डिजाइन एंड एप्लीकेशन (एसएजीई), वॉल्यूम. 235 (2), पृ. 400–412, 2020। <https://journals.sagepub.com/eprint/N2U8ADAPYX4C3GCHCHAM/full>.
17. श्रीकांत पद्मनाभन, अंकित गुप्ता, गौरव अरोड़ा, हिमांशु पाठक, रमेश बुरेला, अनंत भटनागर, मेसो-मैक्रो स्केल कम्प्यूटेशनल एनालिसिस ऑफ बीएनएनटी रीइन्फोर्सड एल्युमिनियम एंड एपॉक्सी नैनोकम्पोजिट्स: ए केस स्टडी ऑन क्रैक प्रोपेगेशन, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स: डिजाइन एंड एप्लीकेशन (एसएजीई), वॉल्यूम. 235 (2), पृ. 293–308, 2020। <https://journals.sagepub.com/eprint/NXVDFAH9HF7SWKCHED/full>.
18. निशांत वर्मा, सनी जफर, हिमांशु पाठक, लेजर बीम मशीनीकृत नैनो-हाइड्रॉक्सीपैटाइट यूएचएमडब्ल्यूपीई कंपोजिट, मैनुफैक्चरिंग लेटर्स (एल्सेवियर), थर्मल क्षति और सतह खुरदरापन की जांच। वॉल्यूम. 25, पी. 81–87, 2020। <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2213846320301413>.

19. तुषार कांत स्वैन, अनिल किशन पी, और सुदर्शन कुमार, सीएफडी, दहन विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एक असममित स्ट्रट—आधारित ईंधन इंजेक्शन का उपयोग करते हुए एक स्कैमजेट इंजन में ईंधन और वायु मिश्रण का मूल्यांकन, (doi.org/10.1080/00102202.2020.1791838).
20. पुनीत कुमार, पी. अनिल किशन, एम. निखिल मैथ्यू, और अतुल धर, फ्लेम कर्नेल ग्रोथ स्टडी ऑफ स्पार्क इग्नाइटेड हाइड्रोजन एयर प्रीमिक्स्ड कम्बशन एट इंजन कंडीशन, थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग प्रोग्रेस, वॉल्यूम 21, 1 मार्च 2021, 100769 (<https://doi.org/10.1016/j.tsep.2020.100769>).
21. दास एस. और सरकार के., आईएसओ डोज—रिस्पॉन्स फंक्शन और ग्रिड डेटा का उपयोग करके भारत में स्टील इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रबंधन के लिए वायुमंडलीय संक्षारण मानचित्र, एएससीई—एएसएमई जर्नल ऑफ रिस्क एंड अनसर्टेनिटी इन इंजीनियरिंग सिस्टम्स, भाग ए: सिविल इंजीनियरिंग (एएससीई), खंड 7, 21 मार्च।
22. दास एस., नरूला पी., और सरकार के., ग्रिड डेटा के साथ संरचनाओं के लिए आंतराधिक वर्षा—पैटर्न का डिजाइन: सत्यापन और कार्यान्वयन, जर्नल ऑफ बिल्डिंग इंजीनियरिंग (एल्सेवियर), वॉल्यूम —27, अंक 20 जनवरी।
23. मौसमी मुखर्जी, अनुराग गुप्ता और अमित प्रशांत (2020), ए रेट—डिपेंडेंट मॉडल फॉर सैंड फॉर प्रेडिक्ट कॉन्स्टीट्यूशनल रिस्पांस एंड इंस्टैबिलिटी ऑनसेट, एक्टा जियोटेक्निका (आईएफ: 4.35), सिंगर, डीओआई:10.1007/एस11440—020—00988—8 .
24. देबायन भट्टाचार्य, मौसमी मुखर्जी और अमित प्रशांत (2020), द्विअक्षीय लोडिंग के तहत रेत में युग्मित अप्रशिक्षित अस्थिरता विश्लेषण में गड़बड़ी की तीव्रता और जाल अभिसरण, जियोमैकेनिक्स के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईएफ: 3.4), एएससीई, 20 (7), डीओआई: 10.1061 / (एएससीई) महाप्रबंधक 1943—5622.0001694।
25. नायक पी.एस., और गेड एम. (2021)। पल्स—जैसी ग्राउंड मोशन के अधीन कैंटिलीवर रिटैनिंग वॉल की गतिशील प्रतिक्रिया पर एक संख्यात्मक अध्ययन. इंडियन जियोटेक्निकल जर्नल, 1—10।
26. नायक पी.एस., और गाडे, एम. (2021). एमडब्ल्यू 8.5 परिदृश्य घटना के लिए हिमालय के केंद्रीय भूकंपीय अंतर क्षेत्र का भूकंपीय भूस्खलन खतरा मूल्यांकन. एक्टा जियोफिजिका, 1—13।
27. गाडे एम., नायक पी.एस., और धन्या जे. (2021)। न्यूमार्क के फिसलने वाले विस्थापन के लिए एक नया तंत्रिका नेटवर्क—आधारित भविष्यवाणी मॉडल. इंजीनियरिंग भूविज्ञान और पर्यावरण का बुलेटिन, 80(1), 385—397.
28. मोहम्मद आमिर, मोहम्मद तल्हा, ग्रेडेड मेटैलिक सेल्युलर कोर के साथ सैंडविच मेहराब के मुक्त कंपन विश्लेषण के लिए एक कुशल तीन नोड्डेड परिमित तत्व सूत्रीकरण, एप्लाइड मैकेनिक्स के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 1206, 2050069, 2020।
29. मोहम्मद आमिर, मोहम्मद तल्हा, इंपलुएंस ऑफ लार्ज एम्प्लीट्यूड वाइब्रेशन ऑन जियोमेट्रिकली इम्पेरफेक्ट सैंडविच कर्व्ड पैनल्स एंबेडेड विद ग्रेडिएंट मेटैलिक सेल्युलर कोर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड मैकेनिक्स, 12 09, 2050099, 2020।
30. मोहम्मद शाकिर, मोहम्मद तल्हा, इंपलुएंस ऑफ मटेरियल स्टोचोस्टिसिटी ऑन बकलिंग कैरेक्टर्स ऑफ इंपैक्ट इम्पेरफेक्ट हायर—ऑर्डर शीयर डिफॉर्मबल ग्रेडिएंट प्लेट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी एंड डायनेमिक्स, 21, 01, 2150004, 2021।
31. धूपर के., गुलेरिया एस.डी., और कुमार पी., “इंटरफेस डायनेमिक्स एट द इम्पैक्ट ऑफ ए ड्रॉप ऑन ए डीप पूल ऑफ इमिसिसिबल लिक्विड”, केमिकल इंजीनियरिंग साइंस, 237: 116541, 2021। (इम्पैक्ट फैक्टर: 3.871)
32. चौहान एस. और कुमार पी., “एप्रोच एंड ब्रेकअप ऑफ टेलर बबल एंड टेलर ड्रॉप इन ए हेले—शॉ सेल”, फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स, 32(8): 082104, 2020। (इम्पैक्ट फैक्टर: 3.514; फीचर्ड आर्टिकल)।
33. शितोले पी., चौबे ए., मंडल पी., घोष आर. 2021. रमन असिस्टेड बोन क्वालिटी, स्केलेटल एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड—प्रोडक्ट्स, और टाइप 2 डायबिटिक चूहों की हड्डी में नैनो—मैकेनिकल गुणों पर कम खुराक वाले नाल्ट्रेक्सोन का प्रभाव. सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग सी: जैविक अनुप्रयोगों के लिए सामग्री. 123, 112011।
34. मंडल एस., घोष, आर. 2021. अस्थि उत्तेजना पर जालीदार अस्थि सामग्री और मृत क्षेत्र का प्रभाव, अस्थि पुनर्निर्माण और कुल टखने के प्रतिस्थापन के कारण टिबियल घटक की विफलता के संभावित कारण: एक परिमित तत्व अध्ययन

प्रोक. आईएमईसीएचई, भाग एच: जे. मेडिसिन में इंजीनियरिंग. 235, 185 – 196 ।

35. शिवप्रसाद एस. शास्त्री और सुधीर के. पाण्डेय, थर्मोइलेक्ट्रिक गुण, दक्षता और थर्मल एक्सपेंशन ऑफ $ZrNiSn$ हाफ-हेस्लर बाय फर्स्ट-सिद्धांत गणना, जे. फिज: कंडेंस. बात 32, 355705 (2020) ।
36. शमीम एस.के., जयश्री पति, आर.एस. ढाका और सुधीर के. पाण्डेय, संयुक्त प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक अध्ययनों का उपयोग करके $NaO-74CoO_2$ के उच्च अंक-योग्यता (झ 2) को बढ़ाने की संभावना की खोज, यू.ए. भौतिक. जे बी 93, 155 (2020) ।
37. शमीम एस.के., अर्जेना खातून, जयश्री पति, आर.एस. ढाका और सुधीर के पाण्डेये, उच्च तापमान क्षेत्र में $NaO.74Co_1-xNb_xO_2$ ($x = 0.05, 0.10$) के थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों की जांच, भौतिक. लेट. ए 384, 126893 (2020) ।
38. करण सिंह, एंटिक सीही, सुधीर के. पाण्डेय, और के. मुखर्जी, गैर-फर्मी लिक्विड बिहेवियर का सह-अस्तित्व और ला-प्रतिस्थापित $CeGe$ में द्विघात विनिमय युग्मन: गैर-रेखीय संवेदनशीलता और DFT+DMFT अध्ययन, भौतिक । रेव. बी 102, 235137 (2020) ।
39. पारोमिता दत्ता और सुधीर के पाण्डेय, एफईएसआई के तापमान और दबाव पर निर्भर इलेक्ट्रॉनिक गुणों को समझना: डीएफटी डीएमएफटी अध्ययन, ईपीएल 132, 37003 (2020) ।
40. शिवप्रसाद एस शास्त्री और सुधीर के पाण्डेये, प्रथम-सिद्धांत इलेक्ट्रॉनिक संरचना, फोनन गुण, जाली थर्मल चालकता और एफईवीएसबी हाफ-हेस्लर जे. फिज की योग्यता के आंकड़े की भविष्यवाणी: कंडेंस. मामला 33, 085704 (2021) ।
41. शमीम एस.के. और सुधीर के. पाण्डेय, XC फंक्शनल की निर्भरता और $Co(Si)$ के $3s(2p)$ ऑर्बिटल्स की भूमिका, $CoSi$, *Physica B: Condens* के कंपन और थर्मोडायनामिक गुणों पर कोर/वैलेंस स्टेट्स के रूप में। मामला 608, 412804 (2021) ।
42. राठौर, जे.एस. और सक्सेना, पी., 2021, औद्योगिक माइक्रो एक्स-रे कंप्यूटेड टोमोग्राफी का उपयोग करके जैव-इंजीनियरिंग भागों का गैर-विनाशकारी गुणवत्ता मूल्यांकन: एक समीक्षा, सामग्री पत्र, पी.129252 ।
43. सिंह, एच., सक्सेना, पी. और पुरी, वाई.एम., 2021. झरझरा धातु झिल्ली का निर्माण और अनुप्रयोग: एक महत्वपूर्ण समीक्षा । सीआईआरपी जर्नल ऑफ मैनुफैक्चरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 33, पीपी.339-368 ।
44. जितेंद्र अधिकारी, अनुरुद्ध कुमार, राजीव कुमार और सतीश चंद्र जैन टेलरिंग पोलिंग ओरिएंटेशन द्वारा कार्यात्मक रूप से ग्रेडेड पीजोइलेक्ट्रिक टाइल के प्रदर्शन में वृद्धि । संरचनाओं और मशीनों के यांत्रिकी आधारित डिजाइन (2021) । <https://doi.org/10.1080/15397734.2021.1939047>.
45. सिंह दिवाकर, शर्मा, एस., कुमार, आर., चौहान एस. विशाल, और वैश्य आर. नॉवेल फोटोस्ट्रिक्टिव 0-3 कम्पोजिट्स: ए फिनिट एलिमेंट एनालिसिस। उन्नत सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी । <https://doi.org/10.1080/15376494.2021.1931581>.
46. सौरव शर्मा, दिवाकर सिंह, राहुल वैश्य;, राजीव कुमार और विशाल सिंह चौहान अनुप्रस्थ और अनुदैर्घ्य मोड में फ्लेक्सोइलेक्ट्रिसिटी के लिए प्रदर्शन सूचकांक । जे. एपल. भौतिक. 129, 145105 (2021) ।
47. आर एम पिंडोरिया, आर के ठाकुर, बी एस राजपुरोहित, और आर कुमार, “डीसी जेनरेटर के साथ पीएमएसएम युग्मित टोरसोनियल कम्पन्न और ध्वनिक शोर का संख्यात्मक और प्रायोगिक विश्लेषण”, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स पर आईईईई लेनदेन, 2021 ।
48. कमलप्रीत सिंह, सौरव शर्मा, राजीव कुमार और मोहम्मद तल्हा । पोलिंग ट्यून्ड पीजोइलेक्ट्रिक एक्चुएटर का उपयोग करके कैंटिलीवर बीम का कंपन नियंत्रण । संरचनाओं और मशीनों के यांत्रिकी आधारित डिजाइन । (2021) ।
49. सिंह दिवाकर, शर्मा एस., कुमार आर., चौहान एस. विशाल, और वैश्य आर. 0-3 कंपोजिट में एन्हांस्ड फोटोस्ट्रिक्टिव प्रदर्शन के लिए एक परिमित तत्व कम्प्यूटेशनल ढांचा । डिजाइन में यांत्रिकी और सामग्री के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (2021) । पाण्डुलिपि आईडी :MAMD-D-21-00023R2. (स्वीकार किया हुआ)
50. शर्मा एस., कुमार आर., तलहा एम., और वैश; आर. यूनिवर्सल कन्वर्स फ्लेक्सोइलेक्ट्रिसिटी इन डाइइलेक्ट्रिक मैटेरियल्स वाया वेरिंग इलेक्ट्रिक फील्ड डायरेक्शन । इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्मार्ट एंड नैनो मैटेरियल्स (स्वीकृत) (2021) ।

51. तरुण कुमार, राजीव कुमार, एस.सी. जैन, मैग्नेटोरियोलॉजिकल फ्लुइड डैम्पर्स का उपयोग करते हुए भारी टर्बो-जनरेटर रोटार के अर्ध-सक्रिय टॉर्सनल कंपन नियंत्रण की संख्यात्मक जांच, कंपनी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकियों के जर्नल, डीओआई: DOI: 10.1007/s42417-020-00276-5, (2021).
52. शर्मा एस., कुमार आर., तलहा एम., और वैश्य आर. (2021)। “कन्वर्स फ्लेक्सोइलेक्ट्रिकिटी के माध्यम से ढांकता हुआ सामग्री में बेहतर इलेक्ट्रोमैकेनिकल प्रतिक्रिया को उकसाने की रणनीतियाँ।” चरम यांत्रिकी पत्र। खंड 42, जनवरी 2021, 101138।
53. शर्मा एस., कुमार आर., तलहा एम., और वैश्य आर. फंक्शनली ग्रेडेड फेरोइलेक्ट्रिक मैटेरियल्स की फ्लेक्सोइलेक्ट्रिक पोलिंग। उन्नत सिद्धांत और सिमुलेशन, खंड 4(1), 2000158–2000161, (2020)।
54. राज किरण, अनुरुद्ध कुमार, सौरव शर्मा, राजीव कुमार, राहुल वैश्य। पीजोइलेक्ट्रिक सामग्री में ग्रेडेड पोलिंग के महत्व को समझना: एक संख्यात्मक अध्ययन। इंजीनियरिंग रिपोर्ट, खंड 2 (11), (2020)।
55. शर्मा एस., कुमार आर., तलहा एम., और वैश्य आर. डिजाइन ऑफ स्पेशियली डिफरेंसिंग इलेक्ट्रिकल पोलिंग फॉर एन्हांस्ड पीजोइलेक्ट्रिसिटी इन पीबी (एमजी1 / 3 एनबी2 / 3) ओ3–0.35पीबीटीआईओ3। डिजाइन में यांत्रिकी और सामग्री के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 17, 99–118, 2020।
56. एस कुमार, आर कुमार, डब्ल्यू सीमैन, और एस सी जैन, “मॉडलिंग एंड एनालिसिस ऑफ वर्टिकल कॉन्टैक्ट मोड ट्राइबोइलेक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टर”, जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स। खंड 212, 2020, 68–80।
57. सौरव शर्मा, अनुरुद्ध कुमार, राजीव कुमार, मोहम्मद तलहा, राहुल वैशज्योमेट्री इंडिपेंडेंट डायरेक्ट एंड कन्वर्स फ्लेक्सोइलेक्ट्रिक इफेक्ट्स इन फंक्शनली ग्रेडेड डाइइलेक्ट्रिक्स: एन आइसोजोमेट्रिक एनालिसिस। सामग्री के यांत्रिकी। खंड 148, सितंबर 2020, 103456।
58. पी. गिरी, ए. काकोरिया, एस. वर्मा, एस. सिन्हा रे, ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए सिगरेट फिल्टर का पुनः उपयोग, कार्यात्मक उद्योग एवं परिधान 2020, 161–168।
59. मनोज कुमार, विक्रम बिष्ट, शेषंग सिंह चंदेल, सुमित सिन्हा-रे, प्रदीप कुमार, माइक्रोचैनल हीट सिंक के माध्यम से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक के निष्क्रिय शीतलन के लिए नैनोफ्लुइड और नैनोएनकैप्सुलेटेड चरण परिवर्तन सामग्री का संवहनी प्रवाह, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति, 51–60।
60. आशीष काकोरिया, सुमन सिन्हा-रे, सुमित सिन्हा-रे, औद्योगिक रूप से स्केलेबल चिटोसिन/नायलॉन-6 (सीएस/एन) पानी से भारी धातु के कुशल निष्कासन के लिए नैनोफाइबर-आधारित पुनः प्रयोज्य adsorbent, पॉलिमर 213, 123333।
61. निनाद मेहेंडेल, फेलिक्स जेन, चंद्रकांत जोशी, स्वाति शर्मा, श्याम के. मसाकपल्ली, नील मैकिनॉन। बायोप्रोसेसेस की रीयल-टाइम मेटाबोलिक मॉनिटरिंग के लिए एक न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (एनएमआर) प्लेटफॉर्म। अणु, 25 2020, 4675।
62. चंद्रकांत जोशी, स्वाति शर्मा, नील मैकिनॉन, श्याम के. मसाकापल्ली। जीनोम का उपयोग केईजीजी ऑर्थोलॉजी (जी2केओ) पाइपलाइन टूल से कई माइक्रोब्स में कुशल सिस्टम वाइड मेटाबोलिक पाथवे तुलना। अंतःविषय विज्ञान: कम्प्यूटेशनल जीवन विज्ञान. 12, 2020, 4675।
63. मनोज कुमार सिंह और सनी ज़फर; बुने हुए केनाफ / जूट फ़ैब्रिक हाइब्रिड लैमिनेटेड माइक्रोवेव प्रोसेस्ड कंपोजिट के यांत्रिक गुणों पर लेयरिंग सीक्वेंस का प्रभाव, जर्नल ऑफ इंस्ट्रियल टेक्सटाइल्स, 2020 (स्वीकृत) (आईएफ: 1.884) डीओआई: 10.1177 / 1528083720911219।
64. मनोज कुमार सिंह और सनी जफर; माइक्रोवेव-असिस्टेड कंप्रेशन-मोल्डेड केनाफ / एचडीपीई कम्पोजिट का अपघर्षक वियर मैकेनिज्म, जर्नल ऑफ ट्राइबोलॉजी, 2020, 142(10), 101702 (आईएफ: 1.648)
65. निशांत वर्मा, राजीव कुमार, सनी जफर, और हिमांशु पाठक; एपॉक्सी / कार्बन फाइबर कम्पोजिट का वैक्यूम-असिस्टेड माइक्रोवेव क्योरिंग: प्रोसेसिंग में डिफेक्ट रिडक्शन के लिए प्रयास, मैनुफैक्चरिंग लेटर्स, 2020, 24, 127–131। (एसएनआईएफ: 4.725)।
66. भूपिंदर सिंह और सनी जफर माइक्रोवेव कंपोजिट क्लैड्स के माइक्रोस्ट्रक्चर और इरोशन-ट्राइबो परफॉर्मेंस के

इंटरप्ले पर पावर का प्रभाव, जर्नल ऑफ ट्राइबोलॉजी, 2020, 142(11): 112401 | (आईएफ: 1.648) |

67. निशांत वर्मा, सनी जफर, और हिमांशु पाठक; लेजर बीम मशीनीकृत नैनोहाइड्रॉक्सीपैटाइट यूएचएमडब्ल्यूपीई कंपोजिट, विनिर्माण पत्र, 2020, 25,81–87 की थर्मल क्षति और सतह खुरदरापन पर जांच। (एसएनआईएफ: 4.725) |
68. भूपिंदर सिंह और सनी जफर; माइक्रोवेव क्लैडिंग में समय–तापमान विशेषताओं को समझना, निर्माण पत्र, 2020, 25,75–80 | (एसएनआईएफ: 4.725) |
69. तारेश गुलेरिया, निशांत वर्मा, सनी जफर और विवेक जैन; बॉडी आर्मर अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोवेव–असिस्टेड कम्प्रेसन मोल्डिंग के माध्यम से केवलरो रीइन्फोर्सड यूएचएमडब्ल्यूपीई कम्पोजिट का निर्माण, जर्नल ऑफ रीइन्फोर्सड प्लास्टिक्स एंड कम्पोजिट्स, 2021, 40, 307–320 (आईएफ: 1.987) |
70. राजीव कुमार, हिमांशु पाठक और सनी जफर; वैक्यूम–असिस्टेड माइक्रोवेव क्योर्ड यूनिडायरेक्शनल कार्बन वॉवन फ़ैब्रिक रीइन्फोर्सड एपॉक्सी कम्पोजिट का फ्रैक्चर और मैकेनिकल बिहेवियर, प्रोसीडिंग्स ऑफ इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स, पार्ट एल: जर्नल ऑफ मैटेरियल्स: डिजाइन एंड एप्लीकेशन, 2020, (आईएफ: 2.018) | DOI: <https://dx.doi.org/10.1177/1464420720967030>.
71. भूपिंदर सिंह और सनी जफर; नी–आधारित माइक्रोवेवक्लाड, वैक्यूम, 2021, 184, 109946 के माइक्रोस्ट्रक्चर और घोल क्षरण विशेषताओं पर पोस्ट क्लैड हीट ट्रीटमेंट का प्रभाव। (आईएफ: 2.906) |
72. एन. असवाल, एस. सेन, एल. मेवेल, इंटरैक्टिंग पार्टिकल–एनसेम्बल कलमन फिल्टर, मैकेनिकल सिस्टम्स और सिग्नल प्रोसेसिंग 160, 107824 का उपयोग करके तनाव में स्थानीय विफलता का अनुमान।
73. जे. हे. के.एस. काशिविस्वनाथन, एस. सेन, स्टेशनरी हाइड्रोलॉजिकल फरीक्वेंसी एनालिसिस, गैर–स्टेशनरी परिदृश्यों के तहत अनिश्चितता मूल्यांकन के साथ, सीटी विद्रियो–सहगुन, जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी 598, 125725 |
74. एस. शर्मा, एस. सेन, टू–स्टेप न्यूरल नेटवर्क अप्रोच का उपयोग करते हुए अलग–अलग तापमान की उपस्थिति में ब्रिज डैमेज डिटेक्शन, जर्नल ऑफ ब्रिज इंजीनियरिंग 26 (6), 04021027 |
75. एस. सेन, एन. असवाल, क्यू. झांग, एल. मेवेल, गैर–रैखिक सेंसर माप के साथ संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, अज्ञात गैर–स्थिर इनपुट फोर्सिंग, मैकेनिकल सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग 152, 107472 के लिए मजबूत।
76. एस. शर्मा, एस. सेन, डैमेज डिटेक्शन इन प्रेजेंस इन प्रेजेंस ऑफ वेरीइंग टेम्परेचर यूजिंग मोड शेप एंड ए टू–स्टेप न्यूरल नेटवर्क, हालिया एडवांस इन कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स एंड सिमुलेशन, 285–299 |
77. एस शर्मा, एस सेन, संरचनात्मक जोड़ों में एक आयामी दृढ़ तंत्रिका नेटवर्क–आधारित क्षति का पता लगाने, जर्नल ऑफ सिविल स्ट्रक्चरल हेल्थ मॉनिटरिंग 10 (5), 1057–1072 |
78. एस. सेन, जे. हे. के.एस. काशिविस्वनाथन, गैर–स्थिर हाइड्रोलॉजिकल आवृत्ति विश्लेषण के लिए कण फिल्टर का उपयोग कर अनिश्चितता मात्रा का ठहराव, जल विज्ञान जर्नल 584, 124666
79. एच. कुमार और एस.के. साहा (2021), “फिक्स्ड बेस और बेस आइसोलेटेड लिक्विड स्टोरेज टैंक की भूकंपीय प्रतिक्रिया पर मृदा संरचना इंटरैक्शन के प्रभाव”, भूकंप इंजीनियरिंग जर्नल, डीओआई: 10.1080 / 13632469.2021.1911887 |
80. एच. कुमार और एस.के. साहा (2021), “बेस आइसोलेटेड एलिवेटेड लिक्विड स्टोरेज टैंक का भूकंपीय प्रदर्शन मिट्टी–स्ट्रक्चर इंटरैक्शन को ध्यान में रखते हुए”, स्ट्रक्चरल डिजाइन एंड कंस्ट्रक्शन (एएससीई), 26(1), आर्टिकल नंबर 04020062 पर प्रैक्टिस पीरियोडिकल।
81. डी. एच. जेलेके, एस. के. साहा, और वी.ए. मतसागर (2020), “द्विदिशात्मक गतिशील उत्तेजना के तहत आधार–पृथक इमारतों का बहु–खतरा प्रतिक्रिया नियंत्रण”, शॉक और कंपन, अनुच्छेद आईडी 8830460 |
82. सावरकर एस., पेंधारी एस., देसाई वाई. और कांत टी. (2020) सिंपल सपोर्टेड फंक्शनली ग्रेडेड, लैमिनेटेड और सैंडविच पीजोइलेक्ट्रिक प्लेट्स का इलेक्ट्रो–इलास्टिक एनालिसिस, इंटरनेशनल जर्नल फॉर कम्प्यूटेशनल मेथड्स इन इंजीनियरिंग साइंस एंड मैकेनिक्स (टेलर एंड फ्रांसिस)) 21(6), 312–330, डीओआई: 10.1080 / 15502287.2020.1841333 |
83. आलम एम., मिश्रा एस.के. और कांत टी. (2020), स्केल–डिपेंडेंट क्रिटिकल एक्सटर्नल प्रेशर फॉर बकलिंग ऑफ

स्फेरिकल शेल बेस्ड नॉनलोकल स्ट्रेन ग्रेडिएंट थ्योरी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी एंड डायनेमिक्स, डीओआई: 10.1142/एस021945542150036।

84. अमित कुमार, विशाल एस. चौहान, राजीव कुमार, कमल प्रसाद "सीमेंट-मोर्टार/लेड जिरकोनेटेटिनेट कंपोजिट्स यूजिंग ड्रॉप वेट इम्पैक्ट तकनीक", निर्माण और निर्माण सामग्री, वॉल्यूम में विद्युतचुंबकीय विकिरण का पता लगाना। 273, 122022, 1 मार्च 2021। DOI: <https://doi.org/10.1016/j.conbuildmat.2020.122022>। I.F. 4.419.
85. सुमीत कु. शर्मा, विशाल एस. चौहान, माइकल सिनापियस "विरूपण-प्रेरित विद्युत चुंबकीय विकिरण का पता लगाने पर एक समीक्षा: तकनीक का इतिहास और वर्तमान स्थिति" जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस, वॉल्यूम। 56, 4500-4551, (अंक मार्च 2021)। DOI: <https://doi.org/10.1007/s10853-020-05538-x>। I.F. 3.553.
86. सुमीत कुमार शर्मा, अशोक कुमार शिवरात्रि, विशाल एस चौहान, "सॉफ्ट एंड हार्ड पीजेडटी से वायरलेस सिग्नल डिटेक्शन पर उच्च तापमान और पोलिंग का प्रभाव", सामग्री विज्ञान जर्नल: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, वॉल्यूम। 31(22), 20168-20180 (अंक नवंबर 2020)। DOI: <https://doi.org/10.1007/s10854-020-04538-6>। I.F. 2.22
87. सुमीत कु. शर्मा, अमित कुमार, विशाल एस चौहान, राज किरण, और राजीव कुमार "इम्पैक्ट लोडिंग के अधीन क्यूबिकल मोर्टार नमूनों से ईएमआर उत्सर्जन के लिए एक भौतिक मॉडल" सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग. बी, वॉल्यूम. 260, 114638, अक्टूबर 2020. आई.एफ. 4.706.
88. वेंकटेश्वरन, एच. श्रीमूलनधन, भानु पंत, एस.सी. शर्मा, वी.एस. चौहान, राहुल वैश्य, "प्रोसेसिंग Li₂O-Al₂O₃-SiO₂ (LAS) ग्लास-सिरेमिक के साथ और बिना P₂O₅ बल्क और सिंटरिंग रूट के माध्यम से", जर्नल ऑफ नॉन-क्रिस्टलीय सॉलिड्स, वॉल्यूम. 550, 120289, सितंबर/दिसंबर 2020. आई.एफ. 2.929.
89. सप्तर्षि कर्मकार, राज किरण, विशाल सिंह चौहान, राहुल वैश्य; **0.5Ba(Ca_{0.8}Zr_{0.2})O₃ - 0.5(Ba_{0.7}Ca_{0.3})TiO₃** सिरेमिक के ऊर्जा संचयन प्रदर्शन पर सरंधता का प्रभाव: एक संख्यात्मक अध्ययन" ऊर्जा प्रौद्योगिकी, वॉल्यूम। 8 (5), 1901302, मई 2020। डीओआई:10.1002/एंटे.201901302. अग्र. 3.404.
90. एन आर्य, पी अवरुथी, वी बालकृष्णन, कंडक्टिंग सबस्ट्रेट्स पर विकसित मल्टी-लेयर्ड आरईएस 2 का एक लाइट-फोस्टेड सुपरकैपेसिटर प्रदर्शन, नैनोस्केल एडवांस 3 (7), 2089-2102, 2021।
91. नितिका आर्य, पीयूष अवरुथी, अदिति हल्दर, विश्वनाथ बालकृष्णन, निकेल ने एमओओ₃ सिंगल क्रिस्टल माइक्रोफ्लेक्स को बढ़ाया हाइड्रोजन विकास प्रतिक्रिया के लिए बहु-साइट कार्यक्षमता के साथ सजाया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 46 (2), 1945-1954, 2021।
92. पाण्डेय, मीनू और वर्मा, दिव्या और बालकृष्णन, विश्वनाथ और गोस्वामी, नित्यानंद और सिंह, जेपी, फ्रिक्शनल एनिसोट्रॉपी ऑफ एजी नैनोकोलुमनर सरफेस, ट्राइबोलॉजी इंटरनेशनल, 153, 106674, 2021।
93. वर्मा, दिव्या और अवरुथी, पीयूष और बालकृष्णन, विश्वनाथ, संपीडन के तहत Al₂O₃ लेपित VACNT वन वास्तुकला के यांत्रिक गुणों का उन्नयन, सामग्री विशेषता, 170, 110687, 2020।
94. चौहान, एम. शर्मा, एस. कुमार, एस. थिरुमलाई, आर.वी. कुमार, आर. वैश, **TiO₂@ C core@shell nanocomposites**: ए सिंगल प्रीकर्सर सिंथेसिस ऑफ फोटोकैटलिस्ट फॉर एफिशिएंट सोलर वाटर ट्रीटमेंट, जर्नल ऑफ डेंजरस मैटेरियल्स 381, 120883 (2020)।
95. वी.पी. सिंह, एम. शर्मा, आर. वैश, एन्हांस्ड डाई सोखना और मोमबत्ती कालिख लेपित Bi₂WO₆ सिरेमिक में रैपिड फोटो कैटलिस्टिस, इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस 1 (2), 025056 (2020)।
96. एम. शर्मा, ए. हलदर, आर. वैश, बीए₀ के पीजो/फोटोकैटलिटिक प्रभाव पर सीई का प्रभाव। 9सीए₀। डाइ/फार्मास्युटिकल अपशिष्ट जल उपचार के लिए 1CexTi_{1-x}O₃ सिरेमिक, सामग्री अनुसंधान बुलेटिन 122, 110647 (2020)।
97. वी.पी. सिंह, आर. वैश्य, अपशिष्ट जल से डाई हटाने के लिए डीजल निकास उत्सर्जन कालिख सोखना, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 17 (4), 2367-2376 (2020)।
98. गुरप्रीत सिंह, मूलचंद शर्मा, राहुल वैश, एक्सप्लोरिंग द पाइजोकैटलिटिक डाई डिग्रेडेशन कैपेबिलिटी ऑफ लीथियम नाइओबेट, एडवांस पाउडर टेक्नोलॉजी 31 (4), 1771-1775 (2020)।

99. मूलचंद शर्मा, विश्वेंद्र प्रताप सिंह, संदीप कुमार, राहुल वैश्य, फार्मास्युटिकल/डाई/बैक्टीरिया उपचार के लिए $Ba_0-85Ca_0-15Ti_0-9 Zr_0-1O_3$ सिरामिक का मल्टीकैटलिटिक व्यवहार, एप्लाइड फिजिक्स जर्नल 127 (13), 135103 (2020) .
100. राज किरण, अनुरुद्ध कुमार, राजीव कुमार, राहुल वैश्य, पोलिंग ट्यूनिंग: फेरोइलेक्ट्रिक्स में माइक्रोफोनी और सेकेंडरी पायरोइलेक्ट्रिक गुणांक को कम करने के लिए एक प्रशंसनीय समाधान, एप्लाइड सिरामिक टेक्नोलॉजी के इंटरनेशनल जर्नल 17 (3), 1328–1333 (2020) ।
101. एस. कर्मकार, आर. किरण, वी सिंह चौहान, आर. वैश, $0.5Ba(Ca_0.8Zr_0.2)O_3 \cdot 0.5(Ba_0.7Ca_0.3)TiO_3$ सिरामिक के एनर्जी हार्वेस्टिंग परफॉर्मेंस पर पोरसिटी का प्रभाव: एक संख्यात्मक अध्ययन, ऊर्जा प्रौद्योगिकी 8 (5), 1901302 (2020) ।
102. प्रियंका सिंह, संपत सिंह चौहान, गुरमीत सिंह, मूलचंद शर्मा, वी.पी. सिंह, राहुल वैश्य, एंटीकोर्सोसियन एंड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरफेरेंस शील्डिंग बिहेवियर ऑफ कैंडल सूट-बेस्ड एपॉक्सी कोटिंग, जर्नल ऑफ एप्लाइड पॉलिमर साइंस 137 (19), 48678 (2020) ।
103. के.एस. श्रीकांत, वी.पी. सिंह, सत्यनारायण पटेल, राहुल वैश, पाइरोइलेक्ट्रिक प्रदर्शन $[Bi_0.48 Na_0.4032 K_0.0768] Sr_0.04 (Ti_0.975 Nb_0.025) O_3$ सिरामिक, जर्नल ऑफ द ऑस्ट्रेलियन सिरामिक सोसाइटी 56 (2), 395–402 (2020) ।
104. सौरव शर्मा, अनुरुद्ध कुमार, राजीव कुमार, मोहम्मद तलहा, राहुल वैश्य, पोलिंग ट्यून्ड पीजोइलेक्ट्रिक सामग्री का उपयोग कर स्मार्ट संरचना का सक्रिय कंपन नियंत्रण, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट मटेरियल सिस्टम्स एंड स्ट्रक्चर्स 31 (10), 1298–1313 (2020) ।
105. पी. थॉमस, ए. अशोकबाबू आर. वैश्य, स्ट्रक्चरल, थर्मल एंड डाइइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज एंड थर्मल डिग्रेडेशन कैनेटीक्स ऑफ नायलॉन 11/ $CaCu_3 Ti_4 O_{12}$ (CCTO) नैनोकम्पोजिट्स, जर्नल ऑफ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरीमेट्री 141 (3), 1123–1135 (2020) ।
106. दीपशिखा यादव, पुनीत आजाद, राहुल वैश्य, सोलर एनर्जी हार्वेस्टिंग यूजिंग कैंडल सूट कोटेड थर्मोइलेक्ट्रिक मैटेरियल्स, ग्लोबल चैलेंजिज 4 (8), 1900080 (2020) ।
107. विश्वेंद्र प्रताप सिंह, राहुल वैश्य, लौ की ऊंचाई के आधार पर मोमबत्ती कालिख नैनोकणों की ट्यून करने योग्य अवशोषण गतिविधि, इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस 2 (3), 035018 (2020) ।
108. वी.पी. सिंह, आर. वैश्य, लौ की ऊंचाई के आधार पर मोमबत्ती कालिख नैनोकणों की ट्यून करने योग्य अवशोषण गतिविधि, इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस 2 (3), 035018 (2020) ।
109. एस. पटेल, ए. चौहान, आर. वैश्य, फ्लेक्सो/इलेक्ट्रो-कैलोरिक परफॉर्मेंस ऑफ $BaTi_0.87Sn_0.13O_3$ सिरामिक, एप्लाइड फिजिक्स लेटर्स 117 (9), 092904 (2020) ।
110. वी.पी. सिंह, आर. सिंघल, आर. वैश्य, ऑप्टिमाइजेशन ऑफ डाई रिमूवल बाय डीजल एग्जॉस्ट एमिशन कालिख यूजिंग रिस्पॉन्स सरफेस मेथोडोलॉजी, एनवायरनमेंटल प्रोग्रेस एंड सस्टेनेबल एनर्जी 39 (5), ई13419 (2020) ।
111. एम. शर्मा, जी. सिंह, आर. वैश्य, डाई डिग्रेडेशन एंड बैक्टीरियल डिसइंफेक्शन मल्टीकैटलिटिक $BaZr_0-02Ti_0-98O_3$ सिरामिक का उपयोग करते हुए, जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरामिक सोसाइटी 103 (9), 4774–4784 (2020) ।
112. एस. शर्मा, ए. कुमार, आर. कुमार, एम. तलहा, आर. वैश्य, ज्योमेट्री इंडिपेंडेंट डायरेक्ट एंड कन्वर्स फ्लेक्सोइलेक्ट्रिक इफेक्ट्स इन फंक्शनल ग्रेडेड डाइइलेक्ट्रिक्स: एन आइसोजियोमेट्रिक एनालिसिस, मैकेनिक्स ऑफ मैटेरियल्स 148, 103456 (2020) ।
113. एम. शर्मा, एस. पटेल, वी.पी. सिंह, आर. वैश्य, पायरोइलेक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टिंग फॉर डाई डीकोलाइजेशन यूजिंग $Ba_0-9Ca_0-1Ti_0O_3$ सिरामिक जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स 128 (9), 095108 (2020) ।
114. वी.पी. सिंह, एम. शर्मा, आर. वैश्य, एन्हांस्ड डाई सोखना और मोमबत्ती कालिख लेपित $BaTiO_3$ सिरामिक, सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी 252, 123311 (2020) का तेजी से फोटोकैटलिसिस ।
115. आर. किरण, ए. कुमार, एस. शर्मा, आर. कुमार, आर. वैश्य, डीडिफरिंग द इम्पोर्टेंस ऑफ ग्रेडेड पोलिंग इन

पीजोइलेक्ट्रिक मैटेरियल्स: ए न्यूमेरिकल स्टडी, इंजीनियरिंग रिपोर्ट्स 2 (11), म12266 (2020)।

116. पी. आजाद, एस. राउत, आर. वैश्य, कैंडल सूट-कोटेड एग कार्टन मैटेरियल फॉर ऑयल वाटर सेपरेशन एंड डिटर्जेंट सोखना, बुलेटिन ऑफ मैटेरियल्स साइंस 43 (1), 1-6 (2020)।
117. एम. शर्मा, आर. वैश्य, वाइब्रेशन एनर्जी हार्वेस्टिंग फॉर डिग्रेडेशन ऑफ डार्क एंड बैक्टीरियल सेल्स यूजिंग सीमेंट-बेस्ड $Ba_{0.85}Ca_{0.15}Zr_{0.1}Ti_{0.9}O_3$ कंपोजिट, मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस 25, 101592 (2020)।
118. एम. शर्मा, आर. वैश्य, बाटीओ3-सीमेंट कंपोजिट की पीजोकैटलिसिस गतिविधि पर पोलिंग कंडीशन का प्रभाव, सामग्री पत्र 280, 128583 (2020)।
119. वेंकटेश्वरन, एच. श्रीमूलनधन, भानु पंत, एस.सी. शर्मा, वी.एस. चौहान, राहुल वैश्य, प्रसंस्करण $Li_2O-Al_2O_3-SiO_2$ (LAS) ग्लास-सिरेमिक P_2O_5 के साथ और बिना थोक और सिंटरिंग मार्ग के माध्यम से, गैर-क्रिस्टलीय ठोस जर्नल 550, 120289 (2020)।
120. गुरप्रीत सिंह, मूलचंद शर्मा, राहुल वैश्य, पीजोकैटलिसिस द्वारा अपशिष्ट जल उपचार के लिए पारदर्शी फेरोइलेक्ट्रिक ग्लास-सिरेमिक, संचार सामग्री 1 (1), 1-8 (2020)।
121. एम. शर्मा, आर. वैश्य, पीजो/पाइरो/फोटो? उत्प्रेरक गतिविधियों में $Ba_{0.85}Ca_{0.15}(Ti_{0.9}Zr_{0.1})_1xFe_xO_3$ सिरेमिक, जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी 104 (1), 45-56 (2021)।
122. कुंवर प्रताप सिंह, गुरप्रीत सिंह, राहुल वैश्य, पीजोकैटलिटिक डार्क डिग्रेडेशन के लिए सेंट्रोसिमेट्रिक $Sr_{1-x}Fe_xTiO_3$ (x\ 0.2) सिरेमिक की स्थानीयकृत सतह पीजोइलेक्ट्रिसिटी का उपयोग, जर्नल ऑफ द यूरोपियन सिरेमिक सोसाइटी 41 (1), 326-334 (2021)।
123. मनीष कुमार, गुरप्रीत सिंह, राहुल वैश्य, ए रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड/बिस्मथ वनाडेट कंपोजिट एफिशिएंट पीजोकैटलिस्ट फॉर डिग्रेडेशन ऑफ ऑर्गेनिक डार्क, मैटेरियल्स एडवांस (2021)।
124. वी.पी. सिंह, मीरजेंडर कुमार, मूलचंद शर्मा, दीपिका मिश्रा, क्वांग-सु सेओंग, सी-ह्यून पार्क, राहुल वैश्य, बीआईएफ 3 का संश्लेषण और फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए बीआईएफ 3-एडेड प्लास्टर ऑफ पेरिस कंपोजिट्स, एनर्जी 14 (16), 5159 (2021)।
125. मूलचंद शर्मा, गुरप्रीत सिंह, राहुल वैश्य, एग-नैनोपार्टिकल्स-लोडेड $Ba_{0.85}Ca_{0.15}Ti_{0.9}Zr_{0.1}O_3$ मल्टीकैटलिटिक डार्क डिग्रेडेशन के लिए IO_3 , नैनोटेक्नोलॉजी 32 (14), 145716 (2021)।
126. संदीप कुमार, मूलचंद शर्मा, टिल फ्रोमलिंग, राहुल वैश्य, जीवाणुरोधी फेरोइलेक्ट्रिक सामग्री: उन्नति और भविष्य के निर्देश, जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री 2021।
127. गुरप्रीत सिंह, मूलचंद शर्मा, राहुल वैश्य, इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ग्लास-सिरेमिक फोटोकैटलिस्ट्स, केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल 407, 126971 (2021)।
128. गुरप्रीत सिंह, मनीष कुमार, मनमोहन सिंह, राहुल वैश्य, सरफेस प्लास्मोन रेजोनेंस ने $LiNbO_3$ सिरेमिक समर्थित एजी नैनोपार्टिकल्स के वास्तविक दृश्य प्रकाश फोटोकैटलिसिस को ट्रिगर किया, जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी 104 (3), 1237-1246 (2021)।
129. विश्वेंद्र प्रताप सिंह, मनीष कुमार, राज शेखर श्रीवास्तव, राहुल वैश्य, सीमेंट-आधारित कंपोजिट का उपयोग करके थर्मोइलेक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टिंग: ए रिव्यू, मैटेरियल्स टुडे एनर्जी, 100714 (2021)।
130. जेंएक्सु, टी जांग, डी डू, एस कुमार, एम शर्मा, आर. वैश्य, बैटीओ 3 का उपयोग करते हुए म्यूटी प्रदूषकों के पाइजोकैटलिटिक हटाने पर पोलिंग का प्रभाव, अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी के जर्नल 104 (4), 1661-1668 (2020)।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी और पत्र प्रस्तुति

1. डॉ. अतुल धर ने 19 दिसंबर 2020 को सतत परिवहन के लिए भविष्य के ईंधन विषय पर ISEES द्वारा आयोजित V SEEC 2020 सम्मेलन में एक पैनल चर्चा सत्र का आयोजन किया।
2. अश्विनी कुमार शर्मा, आशुतोष कुमार, वासिलिस सरहोसिस (2021) "भारत के हिमाचल प्रदेश क्षेत्र में घरेलू और ऐतिहासिक चिनाई संरचनाओं के भूकंपीय प्रदर्शन का मूल्यांकन।" भूकंप इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति, प्रोक। आपदा

जोखिम न्यूनीकरण पर आभासी सम्मेलन वीसीडीआरआर 2021 (सिविल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, स्प्रिंगर, पीपी 1-12), संपादक: कोलाथायर, श्रीवलसा, चियान, सियाउ चैन (सं.) आईएसबीएन 978-981-16-4617-1 (स्वीकृत), मुद्रणालय में। (अश्वनि शर्मा, मेरे एम.टेक. छात्र ने पेपर प्रस्तुत किया)

3. चौधरी एके, भारती डी, भूतानी जी., मल्टीफेज नॉन-न्यूटोनियन फ्लुइड मैकेनिक्स का उपयोग करते हुए स्नो हिमस्खलन गतिकी का कॉन्टिनम मॉडलिंग, फ्लुइड मैकेनिक्स और फ्लुइड पावर पर 8वें अन्तर्राष्ट्रीय और 47वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 2020 / 12,
4. सिंह एन.के., भूतानी जी., पावर-लॉ गैर-न्यूटोनियन द्रव प्रवाह के समाधान के लिए एक अनुकूली-जाल ओपन-सोर्स परिमित-तत्व ढांचा, द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति पर 8 वें अन्तर्राष्ट्रीय और 47 वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 2020 /12.
5. सिंह डी.के., भूतानी जी., एक परिमित तत्व ढांचे में द्विचर जनसंख्या संतुलन समीकरण का संख्यात्मक समाधान, द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति पर 8वें अन्तर्राष्ट्रीय और 47वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 2020 / 12 ।
6. अक्कापेली ए, भूतानी जी, एक परिमित तत्व ढांचे में उथले पानी के समीकरणों का उपयोग करके मुक्त सतह प्रवाह की संख्यात्मक मॉडलिंग, द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति, 2020 / 12 पर 8 वें अन्तर्राष्ट्रीय और 47 वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही ।
7. अग्रवाल एन., भूतानी जी., एलईएस मॉडलिंग ऑफ वोल्केनिक ऐश पार्टिकल-सेटलिंग इन वाटर यूजिंग एडेप्टिव-मेश परिमित तत्व विधि, 8वें अन्तर्राष्ट्रीय और 47वें नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्लुइड मैकेनिक्स एंड फ्लुइड पावर, 2020 / 12 की कार्यवाही ।
8. दास एस. और सरकार के., 0.5 X 0.5 ग्रिड स्केल पर भारत का एक स्थानिक रूप से निरंतर ड्राइविंग रेन मैप, भवन निर्माण सामग्री और घटकों की स्थायित्व पर 15वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20-23 अक्टूबर, यूपीसी-बार्सिलोनाटेक, बार्सिलोना (स्पेन), 20 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया ।
9. मोहम्मद आमिर, मोहम्मद तलहा, थर्मल एनवायरनमेंट में कार्यात्मक रूप से ग्रेडेड पोरस सर्कुलर आर्चेस का फ्री वाइब्रेशन एनालिसिस, थ्योरीटिकल, एप्लाइड, कम्प्यूटेशनल एंड एक्सपेरिमेंटल मैकेनिक्स में हालिया एडवांस, 2020, स्प्रिंगर, सिंगापुर ।
10. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तलहा, जियोमेट्रिक इम्पेरफेक्शन के साथ शीयर डिफॉर्मेशन ग्रेडिएंट प्लेट का वाइब्रेशन रिस्पॉन्स, 2020, सैद्धांतिक, अनुप्रयुक्त, कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक यांत्रिकी में हालिया प्रगति, स्प्रिंगर, सिंगापुर ।
11. मोहम्मद शाकिर, मोहम्मद तलहा, इलास्टिक फाउंडेशन पर प्रारंभिक ज्यामितीय अपूर्णता के साथ उच्च-क्रम कतरनी विकृत एफजीएम प्लेट्स की प्राकृतिक आवृत्ति, कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन में हालिया प्रगति, 153-161, 2021, स्प्रिंगर, सिंगापुर ।
12. मंडल आरके, गुलेरिया एसडी और कुमार पी., "फ्री सरफेस वॉर्टेक्स एंड एसोसिएटेड एयर एंटरटेनमेंट एट इनटेक ऑफ ए सेंट्रीफ्यूगल पंप," पेपर नंबर: FMFP2020-150, 8 वां अन्तर्राष्ट्रीय और 47 वां नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्लुइड मैकेनिक्स एंड फ्लुइड पावर (FMFP), 9-11, 2020, आईआईटी गुवाहाटी, भारत ।
13. देबनाथ डी. और कुमार पी., "ड्रॉपलेट स्प्रेडिंग डायनेमिक्स से जुड़ी विसंगतियों का खुलासा," पेपर नंबर: FMFP2020-155, द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति (FMFP) पर 8 वां अन्तर्राष्ट्रीय और 47 वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 9-11 दिसंबर, 2020, आईआईटी गुवाहाटी, भारत ।
14. सिंह ए और कुमार पी., "डायनेमिक्स ऑफ ड्रॉप इम्पैक्ट फेनोमेनन ऑन ए डीप लिक्विड पूल विथ इनिशियल एक्सिसिमेट्रिक वेवी इंटरफेस," पेपर नंबर: FMFP2020_040, 8वां अन्तर्राष्ट्रीय और 47वां नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्लुइड मैकेनिक्स एंड फ्लुइड पावर । (FMFP-2020), 9-11 दिसंबर, 2020, IIT गुवाहाटी, भारत ।
15. गुलेरिया, एस.डी. और कुमार पी., "प्रत्यक्ष संपर्क संघनन पर जल पूल तापमान का प्रभाव: एक संख्यात्मक अध्ययन," पेपर संख्या: FMFP2020-201, द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति (FMFP) पर 8 वें अन्तर्राष्ट्रीय और 47 वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही दिसंबर 9-11, 2020, आईआईटी गुवाहाटी, असम, भारत ।
16. सिंह आई., कुमार पी. और धर ए., "डिजाइन ऑफ एन ओआरसी बेस्ड सिस्टम फॉर वेस्ट हीट रिकवरी ऑफ इंजन: ए थ्योरेटिकल अप्रोच," पेपर नंबर: FMFP2020-148, द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति के 8वें अन्तर्राष्ट्रीय और 47वें

राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, दिसंबर 09–11, 2020, आईआईटी गुवाहाटी, असम, भारत ।

17. हर्ष अरोड़ा, रंजीत झा और प्रदीप कुमार, फॉइल नेट – ऑसिलेटिंग एयरफॉइल के आस-पास दबाव क्षेत्र की भविष्यवाणी के लिए एक कनवल्यन आधारित तंत्रिका नेटवर्क, द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति (FMFP) पर 8वें अन्तर्राष्ट्रीय और 47वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही दिसंबर 09–11, 2020, आईआईटी गुवाहाटी, गुवाहाटी–781039, असम, भारत ।
18. शर्मा एस., कुमार आर., और तलहा एम. (2020), पीजोइलेक्ट्रिक एक्ट्यूएटर्स के ऑप्टिमाइज्ड पोलिंग डायरेक्शन के साथ एक स्मार्ट कैंटिलीवर बीम का नॉनलाइनियर वाइब्रेशन कंट्रोल, सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के लिए स्मार्ट मेटेरियल्स पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसएमएसटी–2020), गोवा, इंडिया ।
19. सतीश कुमार, डॉ. राजीव कुमार, और प्रो. एस.सी. जैन (2020), थियोरेटिकल एनालिसिस ऑफ वर्टिकल कॉन्टैक्ट-मोड ट्राइबोइलेक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टर, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्मार्ट मेटेरियल्स फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी (SMST–2020), गोवा, भारत ।
20. जितेंद्र अधिकारी, राजीव कुमार, सतीश चंद्र जैन (2020), पीजोइलेक्ट्रिक PZT-PZNM टाइल के माध्यम से ऊर्जा का संचयन करके विद्युत उत्पादन, स्मार्ट सामग्री और सतत प्रौद्योगिकी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (SMST 2020), गोवा, भारत ।
21. कुमार, तरुण, राजीव कुमार, और एस.सी. जैन । “न्यूमार्क-बीटा एकीकरण विधि का उपयोग करके बड़े टर्बो-जनरेटर रोटर कंपन का परिमित तत्व मॉडलिंग ।” आईओपी सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग । वॉल्यूम । 876. नंबर 1. आईओपी पब्लिशिंग, 2020 ।
22. डीटीयू डेनमार्क द्वारा आयोजित कार्बन एमईएमएस कार्यशाला (ऑनलाइन मोड), जुलाई 2020 में डॉ स्वाति शर्मा ने भाग लिया ।
23. एन. असवाल, ई. कुंचम, एस. सेन, एल. मेवेल, रोबस्ट इंटरैक्टिंग पार्टिकल-कलमैन फिल्टर आधारित संरचनात्मक क्षति आकलन, गैर-स्थिर उत्तेजना के तहत गतिशील तनाव माप का उपयोग कर-एक प्रयोगात्मक अध्ययन, एसएचएमआईआई –10 2021–10 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी पर ।
24. एन. असवाल, एस. सेन, एल. मेवेल, डैमेज डिटेक्शन इन टेन्सग्रिटी यूजिंग इंटरैक्टिंग पार्टिकल-एनसेम्बल कलमैन फिल्टर, एल. स्ट्रक्चरल हेल्थ मॉनिटरिंग पर यूरोपीय वर्कशॉप, 732–741 ।
25. कांट टी. (2020), बीम, प्लेट और शेल के सिद्धांतों में मोटाई के माध्यम से उच्च-क्रम विस्थापन बहुपदों की शुरुआत की उत्पत्ति, उद्घाटन मुख्य व्याख्यान, प्रोक। कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक यांत्रिकी 2020 (ICRACEM2020), आईआईटी खड़गपुर, 4–6 सितंबर 2020 में हाल की प्रगति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।

आमंत्रित व्याख्याता / वार्ता / सतत शिक्षा कार्यक्रम

डॉ. अतुल धर

- टीईक्यूआईपी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए 11 फरवरी, 2021 को आईआईटी लखनऊ में “डीजल इंजन के लिए अपशिष्ट हीट रिकवरी और उपयोग विकल्प” विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया ।
- इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स मलेशिया के सहयोग से कर्टिन यूनिवर्सिटी मलेशिया द्वारा आयोजित “ऊर्जा रूपांतरण प्रौद्योगिकियों में हालिया रुझान” पर एक सप्ताह के अल्पकालिक कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में “परिवहन क्षेत्र के लिए अपशिष्ट गर्मी वसूली विकल्प” पर एक व्याख्यान दिया । जुलाई 13–20, 2020 ।

डॉ. अर्पण गुप्ता

- औद्योगिक शोर और कंपन नियंत्रण (26–28 नवंबर 2020), के लिए एक वक्ता के रूप में आईआईटी इंदौर और मैकेनिकल सिस्टम के शोर और कंपन (29–31 अक्टूबर 2020), आईआईटी इंदौर में आमंत्रित किया गया ।

डॉ. आशुतोष कुमार

- जवाहरलाल नेहरू गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज सुंदरनगर, मंडी, हिमाचल प्रदेश, 6 मार्च, 2021, में स्टार्टअप में ट्रान्सैडिंग इनोवेशन पर एक कार्यशाला के दौरान "सिविल इंजीनियरिंग का अभ्यास करते हुए सेंसिंग टेक्नोलॉजी और न्यूमेरिकल मॉडलिंग के एकीकृत डेटा, नवाचार और विकास" पर आमंत्रित वार्ता, 6 मार्च, 2021।
- सतत विषय पर "एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम (एसटीटीपी)" पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में "संयुक्त डेर-राफ्ट फाउंडेशन सिस्टम-उच्च वृद्धि संरचनाओं के लिए एक लागत प्रभावी और टिकाऊ नींव डिजाइन दर्शन" पर आमंत्रित वार्ता के आईटी वारंगल द्वारा आयोजित सामग्री और लचीला भवन-दर्शन, डिजाइन कार्यान्वयन और प्रदर्शन, 23-28 नवंबर, 2020, वेब प्लेटफॉर्म पर बातचीत।
- एनआईटी आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित "भूकंप भू-तकनीकी" पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में "भूकंप की स्थिति के तहत डेर और डेर राफ्ट फाउंडेशन का प्रदर्शन: सिद्धांत, अनुसंधान और अभ्यास" पर आमंत्रित वार्ता। (सितम्बर 22-26, 2020, वेब प्लेटफॉर्म पर बातचीत)।
- एसवीएनआईटी सूरत द्वारा आयोजित "शहरी विरासत संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियां" पर टीईक्यूआईपी-III प्रायोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पर "2015 गोरखा भूकंप अनुक्रम के दौरान ऐतिहासिक बुनियादी ढांचे का प्रदर्शन" पर आमंत्रित वार्ता। (अगस्त 31- सितंबर 4, 2020)।
- काठमांडू शहर पोस्ट 2015 गोरखा भूकंप: एक अंतःविषय परिप्रेक्ष्य के ऐतिहासिक शहरी बुनियादी ढांचे की भूकंपीय सुरक्षा का मूल्यांकन पर आमंत्रित वार्ता विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'निर्मित बुनियादी ढांचे के लिए प्राकृतिक आपदा लचीलापन' पर एक अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार शृंखला (ऑस्ट्रेलिया-भारत-यूके) पर। प्रौद्योगिकी सिडनी (यूटीएस) ऑस्ट्रेलिया और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटीएम) भारत, 4-28 जुलाई, 2020,।
- केआईआईटी सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियरिंग द्वारा एएससीई और आईसीई छात्र चैप्टर के सहयोग से "नॉलेज फोरम- ए गाइड टू योर फ्यूचर लेक्चर सीरीज" थीम पर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, केआईआईटी विश्वविद्यालय के एक गर्वित पूर्व छात्र के रूप में संकाय और छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया, 19 जुलाई, 2020,।

डॉ. गौरव भूटानी

- एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में 21 से 25 दिसंबर 2020 तक "इंजीनियरों के लिए प्रायोगिक तरीके" पर एक सप्ताह (ऑनलाइन) व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में आमंत्रित भाषण दिया। वार्ता का शीर्षक था "सटीक माप के लिए व्युत्क्रम विधियां।

डॉ. पी. अनिल किशन

- जनवरी-फरवरी 2021 के दौरान गीतांजलि कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद में कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स और इसके अनुप्रयोगों में प्रगति पर एआईसीटीई प्रायोजित एफडीपी कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए समन्वयक व्यक्ति (24 सत्र, प्रत्येक सत्र 1.5-2.0 घंटे: 48 घंटे)।

डॉ. हिमांशु पाठक

- मिश्रित सामग्री के कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग पर वेबिनार: एमईएस द्वारा आयोजित फ्रैक्चर और मीन फील्ड होमोजेनाइजेशन अध्ययन (17 मार्च 2021)।
- आईआईटी मंडी द्वारा आयोजित समग्र के लिए एपीडीएल प्रोग्रामिंग पर वेबिनार (5 फरवरी 2021)।
- स्मार्ट सामग्री की मॉडलिंग पर वेबिनार: सी.वी. रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर (20 जनवरी 2021) द्वारा आयोजित फ्रैक्चर और मीन फील्ड होमोजेनाइजेशन अध्ययन।
- सरकार द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए फेम पर वेबिनार। इंजीनियरिंग कॉलेज, सीतामढ़ी (31 अक्टूबर 2020)।
- एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद (20 और 23 अक्टूबर 2020) द्वारा आयोजित 2डी डोमेन में फेम और एक्सएफईएम कार्यान्वयन पर वेबिनार।
- एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद (8 अगस्त 2020) द्वारा आयोजित 2डी डोमेन में फेम और एक्सएफईएम कार्यान्वयन पर वेबिनार।

- उन्नत फेम पर वेबिनार: पुणे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अवधारणा और अनुप्रयोग (27 मई 2020)।

डॉ. कौस्तव सरकार

- सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एसवीएनआईटी सूरत द्वारा 21- के दौरान आयोजित स्टील स्ट्रक्चर्स के उन्नत डिजाइन पर टीईक्यूआईपी-III प्रायोजित एक सप्ताह के वर्चुअल एसटीटीपी में भारत में स्टील इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रबंधन के लिए वायुमंडलीय संक्षारण मानचित्र पर एक ऑनलाइन वार्ता दी. 25 दिसंबर 20।
- टीईक्यूआईपी-III के तत्वावधान में 7-12 सितंबर 20 के दौरान सिविल इंजीनियरिंग विभाग, जीईसी भरतपुर द्वारा आयोजित सामग्री, विश्लेषण और संरचनाओं की मुरम्मत (एमएआरएस 2020) पर संकाय विकास कार्यक्रम में ऑनलाइन वार्ता दी गई।
 - (ए) इस्पात बुनियादी ढांचे के प्रबंधन के लिए भारत का वायुमंडलीय संक्षारण मानचित्र
 - (बी) कंक्रीट संरचनाओं के टिकाऊ डिजाइन के लिए भारत में वर्षा की अभिव्यक्ति की गंभीरता और पैटर्न को समझना।
- सिविल इंजीनियरिंग विभाग, शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा 15 सितंबर, 20 को आयोजित सिविल इंजीनियरिंग में नए युग पर एक दिवसीय पाठ्य परिचर्चा में टिकाऊ संरचनाओं को डिजाइन करने के लिए जलवायु गंभीरता को समझने पर एक ऑनलाइन वार्ता दी।

डॉ. प्रमोद कुमार

- डीवीआर और डॉ. एचएस एमआईसी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, आंध्र प्रदेश और महाराणा प्रताप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, यूपी में "फंडामेंटल्स ऑफ मल्टीफेस फ्लो एंड इट्स मॉडलिंग" पर एक वेबिनार दिया।
- महात्मा गांधी सरकार में "मल्टीफेज फ्लो और कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स" पर एक व्याख्यान दिया। इंजीनियरिंग कॉलेज जियोरी, एचपी।
- आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी में अपशिष्ट हीट रिकवरी पर क्यूआईपी पाठ्यक्रम में "परिवहन क्षेत्र और प्रक्रिया उद्योगों के लिए अपशिष्ट गर्मी वसूली विकल्प" पर एक व्याख्यान दिया।
- आईआईटी मंडी में डिफरेंशियल इक्वेशन और इसके अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन कार्यशाला में "फ्लूइड डायनेमिक्स में डिफरेंशियल इक्वेशन्स के अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. प्रदीप कुमार

- एनआईटी कालीकट में लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम में औद्योगिक और पर्यावरण अनुप्रयोग के साथ आधुनिक सीएफडी में विशेषज्ञ वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. राजेश घोष

- ऑर्थोपेडिक बायोमैकेनिक्स में सॉलिड मैकेनिक्स के व्याख्यान आवेदन के लिए आमंत्रित: TEQIP-III ने गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कालाहांडी द्वारा आयोजित 'मैकेनिकल सिस्टम्स के मॉडलिंग, सिमुलेशन और प्रायोगिक दृष्टिकोण' (MSEAMS-2020) पर पांच दिवसीय ऑनलाइन फैंकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम प्रायोजित किया। 24 से 28 अगस्त 2020 तक ओडिशा।

डॉ. राजीव कुमार

- एफईएम के मूलभूत और बुनियादी व्याख्यान के लिए आमंत्रित, Ansys-2020 ABES का उपयोग करते हुए परिमित तत्व विश्लेषण पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, गाजियाबाद, 24 नवंबर, 2020।

डॉ. सनी ज़फर

- ऑनलाइन मोड के माध्यम से TEQIP-III माइक्रोवेव सामग्री प्रसंस्करण: अवसर और चुनौतियां "एनआईटी उत्तराखंड के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान में 17 दिसंबर 2020 को माइक्रोवेव ऊर्जा का उपयोग कर कार्बन फाइबर प्रबलित कंपोजिट के निर्माण पर एक व्याख्यान दिया।
- एआईसीटीई एक्यूआईएस प्रायोजित एसटीटीपी "ऑनलाइन मोड के माध्यम से विनिर्माण पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर में एक्लेक्टिक रिसर्च ट्रेड्स" पर 22 दिसंबर 2020 को माइक्रोवेव के माध्यम से कार्बन फाइबर कंपोजिट के सतत विनिर्माण पर एक व्याख्यान दिया।

- ऑनलाइन मोड के माध्यम से 22 जनवरी 2021, गाजियाबाद में वेल्डिंग विंटर कैंप (IIW India) ABES इंजीनियरिंग कॉलेज के आयोजन में गैस टंगस्टन आर्क वेल्डिंग पर व्याख्यान दिया।
- ऑनलाइन मोड के माध्यम से 1 फरवरी 2021 को इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए कंपोजिट के डिजाइन और निर्माण पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कंपोजिट्स और उनकी निर्माण प्रक्रियाओं पर एक व्याख्यान दिया।
- एआईसीटीई-आरजीपीवी ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 फरवरी 2021, एसजीएसआईटीएस, इंदौर में नयी सामग्री के माइक्रोवेव प्रसंस्करण पर व्याख्यान दिया।
- TEQIP III प्रायोजित पाठ्यक्रम में "सस्टेनेबल कंपोजिट्स: प्रोसेसिंग, कैरेक्टराइजेशन एंड एप्लीकेशन 23 फरवरी 2021 एनआईटी उत्तराखंड में ऑनलाइन मोड के माध्यम से माइक्रोवेव-असिस्टेड कम्प्रेसन मोल्डिंग का उपयोग करके लकड़ी के प्लास्टिक कंपोजिट के निर्माण पर व्याख्यान दिया।
- ऑनलाइन मोड के माध्यम से 19 मार्च 2021 पीएचसीईटी, रसायनी में "कंपोजिट्स: फ्रैक्चर टफनेस, एनडी एंड फेल्योर एनालिसिस" पर एआईसीटीई स्वीकृत स्टेशन में माइक्रोवेव ऊर्जा का उपयोग करके पॉलिमर कंपोजिट के निर्माण पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. संदीप साहा

- सिविल इंजीनियरिंग विभाग, जीबी पंत इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, पौड़ी, उत्तराखंड, भारत द्वारा आयोजित दो सप्ताह के अन्तर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम "हाल के अग्रिम और संरचनाओं के डिजाइन में नवाचार, 2020 (छापे-2020)" में 07 – 18 दिसंबर, 2020 के दौरान एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी झांसी द्वारा 17 से 21 अगस्त, 2020 के दौरान आयोजित "भविष्य के भूकंप प्रतिरोधी डिजाइन ऑफ स्ट्रक्चर्स (FTERDS 2020)" पर 5-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) में एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

डॉ. विशाल एस. चौहान

- मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल के सहयोग से आयोजित 10-12 दिसंबर, 2020 के दौरान आयोजित विनिर्माण में विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईएम – 2020) में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। (ऑनलाइन मोड)।
- न्यू जनरेशन फंक्शनल मैटेरियल्स और उनके अनुप्रयोगों (एनएफएमए-2021), फरवरी 3-7, 2021 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर (ऑनलाइन मोड) पर शॉर्ट टर्म कोर्स में "विरूपण प्रेरित विद्युत चुम्बकीय विकिरण" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन

- आईआईटी कानपुर और आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित सोसायटी ऑफ इंडिया संगोष्ठी के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

शैक्षणिक संस्थानों का दौरा और दिए गए व्याख्यान

- डॉ. प्रमोद कुमार ने महात्मा गांधी सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज जियोरी एचपी का दौरा किया और "मल्टीफेज फ्लो और कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रदीप कुमार ने आईआईटी कानपुर में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मैकेनिकल इंजीनियरिंग सेमिनार सीरीज पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रदीप कुमार ने आईआईटी गोवा, गोवा में स्कूल ऑफ मैकेनिकल साइंसेज में एक भाषण दिया।

आयोजित अल्पावधि पाठ्यक्रम / कार्यशाला

महामारी की स्थिति को देखते हुए ऑनलाइन मोड में 1 फरवरी से 5 फरवरी 2021 के दौरान अभियांत्रिकी स्कूल, आईआईटी मंडी द्वारा अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों के लिए कंपोजिट्स के डिजाइन और निर्माण पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें देश भर के अभियांत्रिकी कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों (आईआईटी, एनआईटी, राज्य सरकार के अभियांत्रिकी कॉलेजों) के संकाय और छात्र शामिल थे। कुछ प्रतिभागी विदेशों के विश्वविद्यालयों (रोम के सैपिएंजा विश्वविद्यालय) से थे। कार्यशाला में इसरो, टाटा स्टील, एलएम पवन ऊर्जा आदि के उद्योग कर्मियों ने भी भाग लिया। वक्ताओं में आईआईटी कानपुर, आईआईटी रुड़की, सालेर्नो विश्वविद्यालय, पीएसआई स्विट्जरलैंड, आईआईटी बॉम्बे, केएमयूटीएनबी, थाईलैंड, इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च हाइड्रो क्यूबेक, कनाडा और आईआईटी मंडी के विषय विशेषज्ञ शामिल थे। अभियांत्रिकी स्कूल, आईआईटी मंडी के डॉ. सनी जफर और डॉ. हिमांशु पाठक इस कार्यशाला के समन्वयक थे।



चित्र 1: कार्यशाला के समन्वयक डॉ. सनी ज़फर द्वारा उद्घाटन भाषण



चित्र 2: प्रो. एस.सी. जैन (मुख्य अतिथि) द्वारा भाषण



चित्र 3: डॉ. विश्वनाथ बी. द्वारा भाषण (अध्यक्ष अभियांत्रिकी स्कूल)



चित्र 4: डॉ. हिमांशु पाठक (कार्यशाला के समन्वयक) द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव

पेशेवर संकाय / छात्र उपलब्धियां / सम्मान / पुरस्कार

1. डॉ. के.वी. उदय को मंडी जिले में लागू भूस्खलन निगरानी और चेतावनी प्रणाली के लिए "सुरक्षा एवं प्रतिभूति" श्रेणी में 2020 गोल्ड स्कोच अवार्ड मिला।
2. डॉ. स्वाति शर्मा को भारतीय कार्बन सोसाइटी के एक परिषद सदस्य के रूप में चुना गया है जो संस्थानों/राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और उद्योग के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान की सुविधा के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
3. प्रो. तरुण कांत ने वर्ष 2020 के लिए यांत्रिक और संरचनात्मक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए वासविक पुरस्कार प्राप्त किया।
4. डॉ. प्रमोद कुमार ने अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स, एएससीई द्वारा प्रकाशित इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोमैकेनिक्स में "एएससीई 2019 इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोमैकेनिक्स के उत्कृष्ट समीक्षक की मान्यता" प्राप्त की है।
5. डॉ. आशुतोष कुमार ने अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स, एएससीई द्वारा प्रकाशित इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोमैकेनिक्स में "एएससीई 2019 इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोमैकेनिक्स के उत्कृष्ट समीक्षक की मान्यता" प्राप्त की है।
6. डॉ. सनी जफर के साथ काम करने वाले श्री राजीव कुमार को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित आईसीएएमएसई-2021 में सर्वश्रेष्ठ पत्र का पुरस्कार मिला।
7. डॉ. संदीप कुमार साहा के साथ काम कर रहे श्री महिपाल कुलारिया (डी20012) को प्रधानमंत्री रिसर्च फेलो (पीएमआरएफ) के लिए चुना गया।
8. सौरभ डोगरा, एमएस छात्र, डॉ. अर्पण गुप्ता की देखरेख में, विनिर्माण, स्वचालन, डिजाइन और ऊर्जा ICoFT2020 में फ्यूचर टेक्नोलॉजीज पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लो-कॉस्ट पोर्टेबल स्मार्ट वेंटिलेटर" के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
9. डॉ. राजीव कुमार और प्रो. एस.सी. जैन के मार्गदर्शन में एक छात्र ऋषि कांत ठाकुर ने "ऑटो" नामक एक परियोजना के लिए प्रायोजित एजेंसी "आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशन सोसाइटी (आईएस), यूएसए" से दूसरा स्थान और + 400 का पुरस्कार जीता। -ट्यून वेंटिलेटर: विशेष रूप से COVID-19 रोगियों के लिए एक संपर्क रहित उपचार मशीन।
10. डॉ. सुमीत कुमार शर्मा, जिन्होंने डॉ. विशाल सिंह चौहान की देखरेख में पीएचडी की और एनआईटी हमीरपुर में सहायक प्रोफेसर (एड हॉक) के रूप में चुना गया था।
11. डॉ. शरद कुमार गुप्ता, जिन्होंने पीएच.डी. डॉ. डेरिक्स पी शुक्ला की देखरेख में पूर्ण की है उन्होंने एजीयू यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया और पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर, लुधियाना में वैज्ञानिक सी के रूप में भी चुना गया।
12. डॉ. मोहम्मद आमिर, जिन्होंने पीएच.डी. डॉ. मोहम्मद तलहा के मार्गदर्शन में, दक्षिण कोरिया के हांक्योंग नेशनल यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग स्कूल में पोस्ट डॉक्टरेट का पद प्राप्त किया।
13. डॉ. डेरिक्स पी शुक्ला के साथ कार्यरत, हरसिमरनजीत कौर, पीएचडी छात्र को आईएसपीआरएस यात्रा अनुदान मिला।
14. डॉ. सुमित सिन्हा रे की देखरेख में आशीष काकोरिया, पीएच.डी. छात्र को उन्नत सामग्री 2020, दुबई में अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया।
15. डॉ. संदीप कुमार साहा की देखरेख में यति अग्रवाल, पीएचडी छात्र को भूकंप इंजीनियरिंग, सेंडाई, जापान में 17वें विश्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए 100,000 जेपीवाई की सहायता अनुदान से सम्मानित किया गया।
16. धरणी राज एस.वी., जो एमटेक कर रहे हैं, उन्हें डॉ. मौसमी मुखर्जी की देखरेख में टीयू म्यूनिख, जर्मनी में उनके परियोजना को उनके कार्य को आगे बढ़ाने के लिए डीएएडी फ़ैलोशिप से सम्मानित किया गया।

पेशेवर संस्थाओं की सदस्यता

डॉ. संदीप साहा

- इंडियन सोसाइटी ऑफ अर्थक्वेक टेक्नोलॉजी (आईएसईटी), भारत (आजीवन सदस्य)।

- कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स के लिए इंडियन एसोसिएशन (इंडएसीएम) (आजीवन सदस्य)।

डॉ. राजीव कुमार

- एसएसएमई, इसरो।
- आईईईई सोसायटी।

डॉ. आशुतोष कुमार

- भारतीय भू-तकनीकी सोसायटी के आजीवन सदस्य (एलएम- 4794)।
- 2018-2021 के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सॉयल मैकेनिक्स एंड जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग के सदस्य।

डॉ. प्रमोद कुमार

- इंडियन सोसाइटी ऑफ हीट एंड मास ट्रांसफर (आईएसएचएमटी) के आजीवन सदस्य।

डॉ. स्वाति शर्मा

- भारतीय कार्बन सोसायटी के आजीवन सदस्य।

लोक सम्पर्क गतिविधियाँ

- राजस्व विभाग (आपदा प्रबंधन), हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर 20.10.2020 को हस्ताक्षर किये। (पीआई- डॉ. कौस्तव सरकार)
- 06.03.2021 को हस्ताक्षरित पीएमजीएसवाई योजना के तहत निर्मित किए जा रहे पुलों के तकनीकी सहायता और तीसरे भाग के निरीक्षण के प्रावधान के लिए हिमाचल प्रदेश पीडब्ल्यूडी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। (पीआई- डॉ. कौस्तव सरकार)
- डॉ. संदीप साहा, हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष के तहत परियोजनाओं की जांच के लिए तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य बनें।

प्रयोगशालाओं में स्थापित कुछ प्रमुख उपकरण



चित्र 1: फाइबर लेजर काटने की मशीन (FIST)
















चित्र 2: कोल्ड वेल्डिंग मशीन (FIST)










3.3 मूलभूत विज्ञान स्कूल (एसबीएस)







आईआईटी मंडी में मूलभूत विज्ञान स्कूल गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवन विज्ञान तथा सम्बन्धित विज्ञान के विभिन्न विषयों का एक समूह है। स्कूल के मूल में अनुसंधान के समकालीन क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले 39 संकाय (साथ ही अतिथि प्रोफेसर और शिक्षण साथी) शामिल हैं। स्कूल ने पीएचडी कार्यक्रम 2010 में, और वर्तमान में 173 शोध विद्वानों ने विभिन्न विषयों में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए नामांकन किया है। स्कूल का उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाव बनाने के लिए अनुसंधान और शिक्षा में विद्वानों की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक परिवेश बनाना है। मूलभूत विज्ञान स्कूल ने वर्ष 2014 से विभिन्न क्षेत्रों जैसे कार्बनिक रसायन विज्ञान, अकार्बनिक रसायन विज्ञान, और भौतिक रसायन विज्ञान और नैनो विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ रसायन विज्ञान में एसएससी पाठ्यक्रम शुरू किये हैं। इस स्कूल ने वर्ष 2015 में संकलित पीएचडी भौतिकी, वर्ष 2016 में एसएससी गणित और एमटेक जैव प्रौद्योगिकी तथा वर्ष 2017 में एसएससी भौतिकी पाठ्यक्रम भी शुरू किए। इसने वर्ष 2019 में अन्य स्कूलों के साथ संयुक्त रूप से तीन नये बीटेक पाठ्यक्रम की भी शुरुआत की थी। स्कूल के संकाय सदस्य विभिन्न शोध परियोजनाओं पर इंजीनियरिंग सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।









संकाय

| | | |
|---|---|---|
| 1 | <p>डॉ. सुमन कल्याण पाल प्रोफेसर और अध्यक्ष, एसबीएस विशेषज्ञता: तेज और अल्ट्राफास्ट लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस, जादवपुर (2006) से पीएचडी गृह नगर: कटवा, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267040, ईमेल: suman & chairsbs</p> |  |
| 2 | <p>डॉ. अदिति हल्दर सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: नवीकरणीय ऊर्जा, नैनो-इलेक्ट्रॉनिक्स और सेंसर के अनुप्रयोग के लिए नए कार्यात्मक नैनोमटेरियल्स का डिजाइन और विकास भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएचडी (2009) गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 1905-267140 ईमेल: aditi</p> |  |
| 3 | <p>डॉ. अजय सोनी सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: नैनोमटेरियल्स और प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च, इंदौर से पीएचडी (2009) फोन: 01905- 267135 ईमेल: ajay</p> |  |
| 4 | <p>डॉ. अमित बालकृष्ण पवार सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन विज्ञान आईआईएससी बैंगलोर से पीएचडी गृह नगर: पुणे, महाराष्ट्र फोन: 267116 ईमेल: amitpawar</p> |  |
| 5 | <p>डॉ. अमित जायसवाल सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: नैनो जैव प्रौद्योगिकी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पीएचडी (2013) गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905- 267137 ईमेल: j.amit</p> |  |

| | | |
|----|--|---|
| 6 | <p>डॉ. अमित प्रसाद सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: इम्यूनोलॉजी / माइक्रोबायोलॉजी संजय गांधी पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ से पीएचडी (2008) गृह नगर: रांची, झारखंड फोन: 01905-267136 ईमेल: amitprasad</p> |  |
| 7 | <p>डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: सैद्धांतिक रसायन विज्ञान भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएचडी (2005) गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267145 ईमेल: achakraborty</p> |  |
| 8 | <p>डॉ. आरती कश्यप सह-प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति) विशेषज्ञता: चुंबकत्व और चुंबकीय सामग्री भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से पीएचडी गृह नगर: मंडी, हिमाचल प्रदेश फोन: 01905-267042 ईमेल: arti</p> |  |
| 9 | <p>डॉ. भास्कर बख्तावचलु सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: आनुवंशिकी और आण्विक तंत्रिका विज्ञान राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र से पीएचडी गृह नगर: चेन्नई ईमेल: baskar</p> |  |
| 10 | <p>डॉ. भास्कर मण्डल सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान और कटेलिसेस इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता से पीएचडी गृह नगर: बशीरहाट, पश्चिम बंगाल फोन: 267828 ईमेल: bhaskarmondal</p> |  |
| 11 | <p>डॉ. बिंदु राधामणि सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी यूजीसी-डीएई, कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च, इंदौर से पीएचडी (2005) गृह नगर: कोल्लम, केरल फोन: 01905-267060 ईमेल: bindu</p> |  |
| 12 | <p>डॉ. सी.एस. यादव सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: कम तापमान भौतिकी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पीएचडी (2008) फोन: 01905-267135 ईमेल: shekhar</p> |  |
| 13 | <p>डॉ. चयन के. नंदी प्राध्यापक विशेषज्ञता: भौतिक रसायन विज्ञान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से पीएचडी (2006) गृह नगर: सारंगपुर, बांकुरा, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267047 ईमेल: chayan</p> |  |
| 14 | <p>डॉ. ईके एफ. शिवर आगतुक सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भूतल विज्ञान, फोटोइलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी, सघनता व्यावहारिक सिद्धांत फ्राइबर्ग विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड से पीएचडी गृह नगर: ब्रेमेन, जर्मनी</p> |  |


| | | |
|----|--|---|
| 16 | <p>डॉ. गरिमा अग्रवाल सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: पॉलिमर विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामग्री रसायन विज्ञान, नैनो सामग्री, स्मार्ट सामग्री, बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर, बायोमटेरियल्स RWTH आकिन विश्वविद्यालय, जर्मनी से पीएचडी गृह नगर: जयपुर, राजस्थान फोन: 267827 ईमेल: garima</p> |  |
| 16 | <p>डॉ. गिरीश शर्मा सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी क्लेमसन यूनिवर्सिटी (यूएसए) से पीएचडी गृह नगर: शिमला, हिमाचल प्रदेश ईमेल: girish</p> |  |
| 17 | <p>डॉ. हरि वर्मा सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: परमाणु और आण्विक भौतिकी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से पीएचडी (2008) गृह नगर: कोच्चि, केरल फोन: 01905-267064 ईमेल: hari</p> |  |
| 18 | <p>डॉ. कल्पेश हरिया सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: ऑपरेटर सिद्धांत आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी (2014) गृह नगर: जामनगर, गुजरात फोन: 01905-267114 ईमेल: kalpesh</p> |  |
| 19 | <p>डॉ. कौस्तव मुखर्जी सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी यूजीसी-डीई कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च (2008) से पीएचडी गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267043 ईमेल: kaustav</p> |  |
| 20 | <p>प्रो. केनेथ गोंसाल्वेस अभ्यागत विशिष्ट प्राध्यापक विशेषज्ञता: सामग्री संश्लेषण एमहर्सट में मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय से पीएचडी गृह नगर: शार्लोट, एनसी, यूएसए फोन: 01905-237976 ईमेल: kenneth</p> |  |
| 21 | <p>डॉ. मनोज ठाकुर सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: अनुकूलन, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और कम्प्यूटेशनल वित्त के लिए इसका अनुप्रयोग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से पीएचडी (2007) गृह नगर: रुड़की, उत्तराखंड फोन: 01905-267154 ईमेल: manoj</p> |  |
| 22 | <p>डॉ. मुस्लिम मलिक सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से पीएचडी (2006) गृह नगर: बलरामपुर, यूपी फोन: 01905-267119 ईमेल: muslim</p> |  |
| 23 | <p>डॉ. नीतू कुमारी सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: डिफरेंशियल इक्वेशन, डायनेमिक सिस्टम, नॉनलाइनियर डायनेमिक्स इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स धनबाद से पीएचडी (2009) गृह नगर: धनबाद, झारखंड फोन: 01905-267057 ईमेल: nitu</p> |  |

| | | |
|----|--|---|
| 24 | <p>डॉ. प्रदीप कुमार सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: रमन और इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएचडी (2014) गृह नगर: रोहतक, एचआर फोन: 01905-267152 ईमेल: pkumar</p> |  |
| 25 | <p>डॉ. प्रदीप परमेश्वरन प्राध्यापक विशेषज्ञता: अकार्बनिक/सामग्री/नैनो-रसायन विज्ञान हैदराबाद विश्वविद्यालय से पीएचडी (2006) गृह नगर: वरवूर, त्रिशूर जिला, केरल फोन: 01905-237931/267045 ईमेल: pradeep</p> |  |
| 26 | <p>डॉ. प्रद्युम्न कुमार पाठक सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: क्वांटम ऑप्टिक्स, क्वांटम सूचना और नैनो फोटोनिक्स भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद से पीएचडी गृह नगर: मथुरा, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267046 ईमेल: ppathak</p> |  |
| 27 | <p>डॉ. प्रसाद कस्तूरी सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: प्रोटियोस्टेसिस, एजिंग, स्ट्रेस रिस्पांस और सी. एलिंग्स पराइबोर विश्वविद्यालय से पीएचडी गृह नगर: निजामाबाद ईमेल: prasadkasturi</p> |  |
| 28 | <p>डॉ. प्रशांत पी. जोस सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: शीतल संघनित पदार्थ भौतिकी भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएचडी (2005) गृह नगर: पलक्कड़, केरल फोन: 01905-267064, ईमेल: prasanth</p> |  |
| 29 | <p>डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल प्रोफेसर विशेषज्ञता: नैनोमटेरियल्स का रसायन विज्ञान डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय से पीएचडी (2003) गृह नगर: तिरुवनंतपुरम, केरल फोन: 01905-267040, ईमेल: prem</p> |  |
| 30 | <p>डॉ. प्रोसेनजीत मंडल सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: आप्टिक एंडोक्रिनोलॉजी और चयापचय इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज भुवनेश्वर से पीएचडी (2008) गृहनगर: बबूनपुर, बर्दवान फोन: 01905-267135 ईमेल: prosenjit</p> |  |
| 31 | <p>डॉ. केसर जहान सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: हार्मोनिक और तरंगिका विश्लेषण आईएसआई कोलकाता से पीएचडी (2014) गृह नगर: इलाहाबाद फोन: 01905-267050 ईमेल: qaiser</p> |  |

| | | |
|----|--|---|
| 32 | <p>डॉ. रजनीश गिरि सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: बायोफिजिक्स और प्रोटीन फोल्डिंग, आंतरिक रूप से विकृत प्रोटीन, टी सेल इंजीनियरिंग, प्रोटीन इंजीनियरिंग रोम, रोम, इटली के सैपिएंजा विश्वविद्यालय से पीएचडी (2013) गृह नगर: इलाहाबाद फोन: 01905- 267154, ईमेल: rajanishgiri</p> |  |
| 33 | <p>डॉ. राजेंद्र के. राय सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स, पीडीई के लिए संख्यात्मक तरीके भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पीएचडी (2009) गृह नगर: सैथिया, पश्चिम बंगाल फोन: 01905- 267041 ईमेल: rajendra</p> |  |
| 34 | <p>डॉ. सरिता आजाद सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: सांख्यिकीय समय श्रृंखला विश्लेषण दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएचडी (2008) गृह नगर: नई दिल्ली फोन: 01905-267141 ईमेल: sarita</p> |  |
| 35 | <p>डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: मेटाबोलिक सिस्टम बायोलॉजी (फलक्सोमिक्स और मेटाबोलामिक्स), प्लांट और माइक्रोबियल मेटाबॉलिज्म, एनएमआर और जीसी-एमएस। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके से पीएचडी (2012) गृह नगर: रायगडा, ओडिशा फोन: 01905-267147, ईमेल: shyam</p> |  |
| 36 | <p>डॉ. सुब्रत घोष प्राध्यापक विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन विज्ञान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पीएचडी (2006) गृह नगर: बोलपुर-शांति निकेतन, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267065, ईमेल: subrata</p> |  |
| 37 | <p>डॉ. सैयद अब्बास सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण और पारिस्थितिक मॉडलिंग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से पीएचडी (2009) गृह नगर: गोंडा, उत्तर प्रदेश फोन: 01905- 267148 ईमेल: abbas</p> |  |
| 38 | <p>डॉ. त्रयंबक बसाक सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: चयापचय संबंधी रोग, बाह्य मैट्रिक्स, प्रोटीओमिक्स सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी से पीएचडी गृह नगर: धूपगुड़ी, पश्चिम बंगाल ईमेल: trayambak</p> |  |
| 39 | <p>डॉ. तुलिका प्रकाश यादव सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: जैव सूचना विज्ञान, सिस्टम जीवविज्ञान, मेटागेनोमिक्स, तुलनात्मक जीनोमिक्स, प्रोटीन फंक्शन और संरचनात्मक विश्लेषण आईजीआईबी, सीएसआईआर, दिल्ली से पीएचडी (2005) गृह नगर: दिल्ली फोन: 01905-237922 ईमेल: tulika</p> |  |

| | | |
|-------------------|--|---|
| 40 | डॉ. वेंकट कृष्णन सह-प्राध्यापक विशेषज्ञता: सामग्री रसायन विज्ञान, एक्स-रे विज्ञान जर्मनी के स्टटगार्ट विश्वविद्यालय से पीएचडी (2006) गृह नगर: कोयंबटूर, तमिलनाडु फोन: 01905-267065 ईमेल: vkn |  |
| संकाय सहचर | | |
| 41 | डॉ. श्वेता त्रिपाठी रामलिंगास्वामी फ़ैकल्टी फ़ेलो विशेषज्ञता: वायरोलॉजी, जन्मजात प्रतिरक्षा, कैंसर जीव विज्ञान बोस्टन विश्वविद्यालय से पीएचडी गृह नगर: गोरखपुर ईमेल: shwetatripathi |  |

कार्यालय कर्मचारी

| | | |
|---|--|---|
| 1 | अनूप कुमार कार्यालय सहायक फोन: 91 1905 267061 ईमेल: sbsoffice@iitmandi.ac.in कार्यालय : कमरा नं. 209-ए3 बिल्डिंग |  |
| 2 | अलका कार्यालय सहायक फोन: 91 1905 267061 ईमेल: sbsoa1@iitmandi.ac.in कार्यालय : कमरा नं. 209- ए3 बिल्डिंग |  |
| 3 | पल्लवी शर्मा प्राविधिक सहायक फोन: 91 1905 267061 ईमेल: palvisharma@projects.iitmandi.ac.in कार्यालय: रसायन प्रयोगशाला- ग्राउंड फ्लोर, ए6 बिल्डिंग |  |
| 4 | सुषमा परियोजना सहयोगी फोन: 267226 ईमेल: sushma_verma@iitmandi.ac.in कार्यालय: भौतिकी प्रयोगशाला - भूतल, ए6 भवन |  |

अनुसंधान परियोजनायें

आईआईटी मंडी बीज अनुदान से अनुसंधान परियोजनायें, प्रायोजित परियोजनाएं, परियोजना पर किए गए कार्य की संक्षिप्त प्रगति, इस अवधि के दौरान प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश। पीआई, सीओ-पीआई, फंडिंग एजेंसियों के नाम और प्राप्त अनुदान की राशि आदि।

| क्र. सं. | आईआईटी मंडी संदर्भ / परियोजना संख्या | परियोजना का शीर्षक | प्रायोजक एजेंसी | प्रधान अन्वेषक और समन्वयक | स्वीकृत राशि (₹.) | अवधि |
|----------|--------------------------------------|---|-----------------|--|-------------------|--------|
| 1 | आईआईटीएम / एसईआरबी / पीएफएस / 190 | उत्प्रेरक समर्थन के रूप में प्राचीन ग्राफीन का विकास | एसईआरबी | डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (पीआई) डॉ. सुब्रत घोष (सह-पीआई) | 29,54,600 | 3 वर्ष |
| 2 | आईआईटीएम / एसईआरबी / आरकेआर / 208 | स्टोकेस्टिक आंशिक अंतर समीकरण को हल करने के लिए एक कुशल संख्यात्मक पद्धति का विकास और अशांत प्रवाह विश्लेषण के लिए इसका अनुप्रयोग | एसईआरबी | डॉ. राजेंद्र कुमार राय | 20,09,918 | 3 वर्ष |

| | | | | | | |
|----|--|---|------------------|---|-------------|--------|
| 3 | आईआईटीएम / एसआईआरबी / पीसीपी / 210 | फोटोक्रोमिक फोटोकैटलिटिक और एंटीऑक्सीडेंट अनुप्रयोगों के लिए कार्बनिक-अकार्बनिक संकर | एसआरआईबी | डॉ. प्रदीप सी परमेश्वरन | 39,44,600 | 3 वर्ष |
| 4 | आईआईटीएम / सीएसआईआर / एसीवाई / 212 | वक्र क्रॉसिंग समस्याएं: मनमानी युग्मन के लिए अर्ध-विश्लेषणात्मक विधि | सीएसआईआर | डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती | 2,49,833 | 3 वर्ष |
| 5 | आईआईटीएम / एसआईआरबी / एनकेयू / 213 | पर्यावरण प्रदूषण के प्रभाव में वेक्टर जनित रोगों का अध्ययन | एसआरआईबी | डॉ. नीतू कुमारी | 22,28,160 | 3 वर्ष |
| 6 | आईआईटीएम / एसआईआरबी / एनजी / 214 | मानव ग्लियोमा स्टेम सेल में cmyc और Bmi1 द्वारा नियंत्रित माइक्रो आरएनए की भूमिका | एसआरआईबी | डॉ. नेहा गर्ग | 47,57,058 | 3 वर्ष |
| 7 | आईआईटीएम / डीएसटी / एकेपी / 216 | लैंटाना वीड के पर्यावरण के अनुकूल उपयोग के माध्यम से पहाड़ी आजीविका का उत्थान | डीएसटी | डॉ. आरती कश्यप | 25,19,642 | 3 वर्ष |
| 8 | आईआईटीएम / डीएसटी -फिस्ट / एएच / 217 | विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवसंरचना में सुधार के लिए FIST- FIST परियोजना | डीएसटी | डॉ. अदिति हल्दर | 1,12,00,000 | 5 वर्ष |
| 9 | आईआईटीएम / डीबीटी / एपी / 219 | miRNAs और पैटर्न पहचान रिसेप्टर्स की भूमिका को समझना न्यूरोसाइटोस्टिकोसिस में जन्मजात प्रतिरक्षा कोशिकाओं के मध्यस्थता मॉड्यूलेशन | डीएसटी | डॉ. अमित प्रसाद | 53,31,550 | 3 वर्ष |
| 10 | आईआईटीएम / डीएसटी- आईआर / एमटी / 220 | सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरण नियोजन के लिए बड़े पैमाने पर बहुउद्देश्यीय अनुकूलन समस्याओं के समानांतर अनुकूल हेयुरिस्टिक एल्गोरिदम को एकीकृत करने वाले निर्णय समर्थन प्रणालियों का विकास | डीएसटी | डॉ. मनोज ठाकुर (आईआईटी मंडी) डॉ. एंड्रानिक एस अकोपोव (रूस) | 26,20,400 | 2 वर्ष |
| 11 | आईआईटीएम / डीबीटी-आईवाईबीए / आरजी / 228 | जिका वायरस कैप्सिड फोल्डिंग और कार्यों में अव्यवस्थित क्षेत्रों के प्रभाव | डीबीटी- आईवाईबीए | डॉ. रजनीश गिरि | 57,08,800 | 3 वर्ष |
| 12 | आईआईटीएम / एसआईआरबी / एसकेपी / 229 | अल्ट्राफास्ट टाइम-सॉल्व्ड स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके दो आयामी संक्रमण धातु डाइक्लोजेनाइड्स में स्पिन और घाटी से संबंधित कई कण इलेक्ट्रॉनिक अवस्थाओं के गतिशील विकास का अध्ययन करें। | एसआरआईबी | डॉ. सुमन कल्याण पाल | 35'00'716 | 3 वर्ष |
| 13 | आईआईटीएम / एसआईआरबी / एस / 230 | थर्मोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोग के लिए आंतरिक रूप से कम तापीय चालकता के साथ बड़ी इकाई सेल सामग्री | एसआरआईबी | डॉ. अजय सोनी | 47'12'400 | 3 वर्ष |
| 14 | आईआईटीएम / डीबीटी / पीएम / 233 | बीटासेल फंक्शन को विनियमित करने में एक्टोपिक यकृत व्युत्पन्न प्रणालीगत कारकों की भूमिका | डीबीटी- आईवाईबीए | डॉ. प्रोसेनजीत मंडल (पीआई) डीबीटी | 50,63,000 | 3 वर्ष |
| 15 | आईआईटीएम / एसआईआरबी-मैट्रिक्स / एनकेयू / 246 | भारत में हिंग्लिश आक्रमण की मॉडलिंग और नियंत्रण: एक गणितीय अध्ययन | एसआरआईबी | डॉ. नीतू कुमारी | 6,60,000 | 3 वर्ष |
| 16 | आईआईटीएम / डीआरडीओ / पीएफएस / 272 | CO2- विस्तारित तरल समाधानों के विस्तार द्वारा विस्फोटक का माइक्रोनाइजेशन और एनकैप्सुलेशन | डीआरडीओ | “डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (पीआई) (आईआईटी मंडी) डॉ. समीर दलवी, आईआईटी गांधीनगर” | 22,64,850 | 3 वर्ष |
| 17 | आईआईटीएम / सीएसआईआर / एसीवाई / 277 | ध्रुवीय adsorbates की एक परत द्वारा इलेक्ट्रॉन सॉल्वेशन यथार्थवादी मॉडल | सीएसआईआर | डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती | 4,32,000 | 3 वर्ष |
| 18 | आईआईटीएम / डीएसटी-इंस्पायर / जीए / 279 | दवा वितरण के लिए कार्यात्मक नैनोमटेरियल्स डिजाइन करना | डीएसटी | डॉ. गरिमा अग्रवाल | 35,00,000 | 5 वर्ष |
| 19 | आईआईटीएम / एसआईआरबी / पीएम / 281 | आहार प्रेरित फेटी लीवर रोगों और लिपिड चयापचय में सॉर्सिन के कार्य और तंत्र | एसआरआईबी | डॉ. प्रोसेनजीत मंडल, डॉ. सुब्रत घोष (सह-पीआई), डॉ. मोहन कामथन (सह-पीआई) | 43,60,000 | 3 वर्ष |

| | | | | | | |
|----|---|--|----------------|--|-------------|--------|
| 20 | आईआईटीएम / एसईआरबी / आरजी / 282 | जीका वायरस एनएसआई प्रोटीन के तह और कार्य में यंत्रवत अंतर्दृष्टि: प्रतिकृति जटिल गठन के लिए निहितार्थ | एसआरईबी | डॉ. रजनीश गिरि | 57,97,000 | 3 वर्ष |
| 21 | आईआईटीएम / एसईआरबी / टीपीएस / 283 | औद्योगिक जैव अणुओं के लिए रबर और प्लास्टिक कचरे के बायोप्रोसेसिंग के लिए नये सिंथेटिक माइक्रोबियल कंसोर्टिया का मूल्यांकन और डिजाइन | एसआरईबी | डॉ. तुलिका पी श्रीवास्तव, डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली (सह-पीआई) | 41,51,400 | 3 वर्ष |
| 22 | आईआईटीएम / एसईआरबी / एसबी / 284 | समय के पैमाने पर गतिशील समीकरण पर पहचान की समस्या | एसआरईबी | डॉ. सैयद अब्बास | 6,60,000 | 3 वर्ष |
| 23 | आईआईटीएम / एसईआरबी / एएच / 286 | पोर्टेबल डिवाइस एप्लिकेशन के लिए कम लागत वाली लचीली और पुनः प्रयोज्य Zn-air बैटरी | एसआरईबी | डॉ. अदिति हलदर | 42,17,400 | 3 वर्ष |
| 24 | आईआईटीएम / डीएसटी / वीडी / 288 | अंतःविषय साइबर भौतिक प्रणाली (एनएम-आईसीपीएस) कार्यान्वयन तंत्र पर राष्ट्रीय मिशन- प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच एस) | डीएसटी | डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (पीआई), डॉ. वरुण दत्त, डॉ. अर्णव भावसार, डॉ. अनिल के साओ, डॉ. आदित्य निगम, डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी, डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, डॉ. दिलीप ए.डी. और डॉ. सत्यजीत ठाकोर (सह-पीआई) | 7,25,00,000 | 5 वर्ष |
| 25 | आईआईटीएम / एसईआरबी / एनकेयू / 294 | महामारी के नियंत्रण पर विभिन्न सामाजिक कारकों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए मॉडलिंग COVID-19 | एसआरईबी | डॉ. नीतू कुमारी | 5,50,000 | 1 वर्ष |
| 26 | आईआईटीएम / एसईआरबी / बीएम / 299 | फोटोकैटलिटिक N2 सक्रियण के लिए गैर-महान धातु उत्प्रेरक का संगणना डिजाइन | एसआरईबी | डॉ. भास्कर मंडल एस | 19'91'000 | 2 वर्ष |
| 27 | आईआईटीएम / डीएसटी (डब्ल्यूओएस-ए) / केजीएच / 302 | इमिनोसुगर-बेस सात सदस्यीय फ्यूज्ड डीजापुरिन न्यूक्लियोसाइड्स और न्यूक्लियोटाइड्स का डिजाइन और संश्लेषण | (डब्ल्यूओएस-ए) | डॉ. केतकी घोष डॉ. सुब्रत घोष (संरक्षक) | 30,30,480 | 3 वर्ष |
| 28 | आईआईटीएम / एसईआरबी / जीए / 303 | नमी संरक्षण के साथ कार्यात्मक माइक्रोगेल आधारित एग्नोकेमिकल डिलीवरी सिस्टम डिजाइन करना | एसआरईबी | डॉ. गरिमा अग्रवाल | 24,31,000 | 2 वर्ष |
| 29 | आईआईटीएम / एसईआरबी / जीएस / 305 | विकार डायराक पदार्थ में टोपोलॉजी और सहसंबंध | एसआरईबी | डॉ. गिरीश शर्मा | 13,62,372 | 2 वर्ष |
| 30 | आईआईटीएम / एसईआरबी / एबीपी / 306 | सीपी * सह (III) के माध्यम से इंडोलिजिनोन, क्विनोलिजिनोन और क्विनाजोलिनोन आधारित प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण - उत्प्रेरित कार्बोडा सी-एच क्रियाशीलता | एसआरईबी | डॉ. अमित बालकृष्ण पवार | 30'44'254 | 2 वर्ष |
| 31 | आईआईटीएम / एसईआरबी / किमी / 307 | हेस्लर मिश्र के भौतिक गुणों की खोज बहु-कार्यात्मक सामग्री का एक संभावित वर्ग | एसआरईबी | डॉ. कौस्तव मुखर्जी | 49,87,400 | 3 वर्ष |
| 32 | आईआईटीएम / डीएसटी / एएस / 308 | थर्मल ऊर्जा संचयन के लिए थोक और 2डी रूप में नई स्तरित सामग्री का डिजाइन | डीएसटी | डॉ. अजय सोनी | 38,36,880 | 3 वर्ष |
| 33 | आईआईटीएम / एसईआरबी / क्यूजे / 309 | स्थानीय क्षेत्रों और शील्ड कोऑर्डिबेट रिक्त स्थान पर तरंगों का सिद्धांत | एसआरईबी | डॉ. केसर जहान | 6,60,000 | 3 वर्ष |

| | | | | | | |
|----|--|--|--------------------------------------|--|-------------|----------|
| 34 | आईआईटीएम / एसईआरबी / सीकेएन / 310 | सहसंबंधी सुपर रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी की विधि को आसान बनाने के लिए मार्कर के रूप में अद्वितीय फ्लोरोसेंट नैनोडॉट्स | एसआरईबी | प्रो. चयन कांति नंदी | 66,92,400 | 3 वर्ष |
| 35 | आईआईटीएम / डीएसटी / एकेपी / 312 | छोटे पैमाने पर फल और सब्जी की खेती और कटाई के बाद प्रबंधन में महिला उद्यमियों के लिए आजीविका सृजन और सुधार | डीएसटी | “डॉ. आरती कश्यप (पीआई) डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय (सह-पीआई)” | 35,65,540 | 3 वर्ष |
| 36 | आईआईटीएम / डीबीटी-आरएफ / पीकेएस315 | तनाव और उम्र बढ़ने के दौरान जीव-व्यापी प्रोटियोस्टेसिस को बनाए रखने में अंतर-ऊतक तनाव संचार की भूमिका को उजागर करना | डीएसटी | डॉ. प्रसाद कस्तूरी | 42,50,000 | 5 वर्ष |
| 37 | आईआईटीएम / डीएसटी / जीए / 318 | ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए 3 डी प्रिंट करने योग्य स्मार्ट समग्र हाइड्रोजेल-इंक डिजाइन करना | डीएसटी | डॉ. गरिमा अग्रवाल (पीआई), डॉ. रिक रानी कोनेर (सह-पीआई) | 37,96,642 | 3 वर्ष |
| 38 | आईआईटीएम / डीएसटी / एमटीएच / 319 | स्मार्ट सैटेलाइट इमेज एनालिटिक्स का उपयोग करके मध्य-हिमालयी किसानों के लिए सतत सिंचाई सलाह | डीएसटी | कोपेनहेगन, डेनमार्क के आईटी विश्वविद्यालय से डॉ. मानस ठाकुर (पीआई) प्रो. यवोन डिट्रिच (पीआई), डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, डॉ. श्याम कुमार मसकापल्ली, डॉ. रमना ठाकुर (सीओपीआई) | 99,29,444 | 3 वर्ष |
| 39 | आईआईटीएम / डीएसटी / एसकेपी / 320 | वैलीट्रॉनिक्स सामग्री का ऑप्टिकल नियंत्रण | डीएसटी | प्रो. सुमन कल्याण पाल (पीआई), स्वीडन से प्रो. टोनू पुलेरिट्स | 54,25,000 | 3 वर्ष |
| 40 | आईआईटीएम / एसईआरबी / बीबी / 321 | फ्लेविवायरस आरएनए मेजवान अनुकूलन और संक्रामकता के निर्धारक के रूप में तनाव ग्रेन्युल कॉम्प्लेक्स को इंटरैक्ट करता है | एसआरईबी | डॉ. भास्कर बख्तावचलु | 38,40,000 | 3 वर्ष |
| 41 | आईआईटीएम / आईसीएमआर / आरजी / 322 | जापानी एन्सेफलाइटिस वायरस के आरएनए पर निर्भर आरएनए पोलिमरेज के खिलाफ दवा की खोज और तह तंत्र | आईसीएमआर | डॉ. रजनीश गिरी | 5,66,500 | 3 वर्ष |
| 42 | आईआईटीएम / एचपीएसएमबी / एचटी / 326 | पेकेजिंग सामग्री का इंजीनियरिंग डिजाइन सुधार बाजार के अनुकूल प्रोटोटाइप के लिए अग्रणी है जो फलों की गुणवत्ता को बरकरार रखता है | हिमाचल प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड | डॉ. मोहम्मद तलहा, डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली | 17,88,000 | 1.5 वर्ष |
| 43 | आईआईटीएम / एसयू-यूके / वीकेएन / 328 | कोरोना वायरस से दूषित मेडिकल वेस्ट (ReCoir) की कम लागत वाली रीसाइक्लिंग | स्वामी विश्वविद्यालय (यूके) | डॉ. वेंकट कृष्णन | 7,16,087 | 3 वर्ष |
| 44 | आईआईटीएम / एसईआरबी / सैट / 329 | एन्ट्रापी क्षेत्र सूचना असमानताएँ और उनके अनुप्रयोग | एसआरईबी | डॉ. सत्यजितसिंह अजीतसिंह ठाकोर (पीआई) डॉ. सैयद अब्बास (सह-पीआई) | 37,13,677 | 3 वर्ष |
| 45 | आईआईटीएम / डीबीटी -डब्ल्यूआईए / बीबी / 331 | एटैक्सिन-आश्रित तनाव-ग्रेन्युल असंबली न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में कैसे योगदान करती है | डीबीटी वेलकमट्रस्ट इंडिया एलायंस | डॉ. भास्कर बख्तावचलु | 3,60,73,321 | 5 वर्ष |
| 46 | आईआईटीएम / एसयू-यूके / वीकेएन / 333 | स्वानसी विश्वविद्यालय, मार्ले लिमिटेड, मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय और आईआईटी मंडी के बीच समझौता | स्वानसी विश्वविद्यालय (यूके) | डॉ. वेंकट कृष्णन | 1,81,440 | 3 वर्ष |

| | | | | | | |
|----|--|--|------------------------|---|-------------|--------------|
| 47 | आईआईटीएम / आईसीएमआर / टीबी / 334 | भारत में डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी (डीसीएम) रोगियों में फाइब्रोसिस से संबंधित चयापचय मूल्यांकन के लिए उच्च-रिजॉल्यूशन प्लाज्मा प्रोटीओमिक और लिपिडोमिक विश्लेषण- एक बहु-केंद्र आधारित अध्ययन | आईसीएमआर | डॉ. त्रयंबक बसाकी | 30,27,638 | 1 वर्ष |
| 48 | आईआईटीएम/ एनबीएचएम-डीआई/ एमएम / 336 | अमूर्त अंतर समीकरणों और द्रव गतिकी के लिए व्युत्क्रम समस्याएं | एनबीएचएम | डॉ. मुस्लिम मलिक | 15,15,900 | 3 वर्ष |
| 49 | आईआईटीएम / डीआईसी- समिति / 86 | डिजाइन इनोवेशन सेंटर | एमएचआरडी | डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी डॉ. एसके मसकापाली डॉ. अतुल धर, डॉ. मोहम्मद, डॉ. कोस्तव सरकार | 1,30,00,000 | 7.2 वर्ष |
| 50 | आईआईटीएम / एमएचआरडी (यूएवाई) / एसजी / 121 | अर्धचालक उद्योगों के लिए स्वदेशी फोटोरेसिस्ट प्रौद्योगिकी का विकास: भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, कुशल जनशक्ति विकास और रोजगार की संभावना | एमएचआरडी | डॉ. सुब्रत घोष (पीआई) डॉ. सतिंदर के शर्मा (सह-पीआई) डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन (सह-पीआई) | 2,39,00,000 | 5.3 वर्ष |
| 51 | आईआईटीएम / इसरो-एससीएल / एसजी / 124 | एससीएल, मोहाली के लिए स्वदेशी फोटोरेसिस्ट स्ट्रिपिंग फॉर्मूलेशन का विकास | एससीएल मोहाली | डॉ. सुब्रत घोष | 4,89,850 | 5.1 महीने |
| 52 | आईआईटीएम / एमएचआरडी- इम्प्रिंट / एसआरसी / 138 | एक नयी कार्बनिक डाई का उपयोग करके मूत्र एल्ब्यूमिन को मापने के लिए एक माइक्रोफ्लुइडिक आधारित देखभाल परीक्षण उपकरण | एमएचआरडी -इम्प्रिंट | डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी (पीआई) डॉ. सुब्रत घोष (सह-पीआई), डॉ. प्रोसेनजीत मंडल (सह-पीआई) | 73,20,000 | 4.1 वर्ष |
| 53 | आईआईटीएम / एसईआरबी / वीकेयू / 139 | मृदा स्थिरता प्राप्त करने के लिए जैव-इंजीनियरिंग रणनीतियों में सुधार | एसआरईबी | डॉ. कला वेंकट उदय (पीआई), डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली (सह-पीआई) | 51,33,040 | 3.6 वर्ष |
| 54 | आईआईटीएम / डीबीटी-आरएफ / एसटी / 156 | गैस्ट्रिक कार्सिनोमेनेसिस में मानव कैथेल्सिडिन की भूमिका | डीबीटी | डॉ. श्वेता त्रिपाठी | 88,00,000 | 5 वर्ष |
| 55 | आईआईटीएम / एसईआरबी-आरएफ / एनजी / 113 | रामानुजन फैलोशिप | एसआरईबी | डॉ. नेहा गर्ग | 1,02,40,000 | 5 वर्ष |
| 56 | आईआईटीएम / एसईआरबी / पीपीज / 168 | कम और उच्च घनत्व पर लीनियर पॉलीमर मेल्ट में ग्लास ट्रांजिशन के पास सूक्ष्म संरचना और गतिकी पर एक तुलनात्मक अध्ययन | एसआरईबी | डॉ. प्रशांत पी जोस | 20,23,780 | 3 वर्ष |
| 57 | आईआईटीएम / डीबीटी / पीएम / 170 | प्रगतिशील यकृत रोग रोग निदान और चिकित्सा में गैर-इनवेसिव इमेजिंग, ट्रेकिंग और थेरानोस्टिक के लक्ष्य वितरण के लिए नये एनआईआर -1 और एनआईआर -2 रंजक और उनके कार्यात्मक नैनोकण | डीबीटी | डॉ. प्रोसेनजीत मंडल (पीआई) डॉ. सुब्रत घोष (सह-पीआई) | 60,25,600 | 3 वर्ष |
| 58 | आईआईटीएम / एमएचआरडी -इम्प्रिंट / विज्ञापन / 169 | जैव-फोटोइलेक्ट्रो कटैलिसिस और जैव उत्पादन के माध्यम से सतत अपशिष्ट जल उपचार | एमएचआरडी -इम्प्रिंट | डॉ. अतुल धर (पीआई) डॉ. राहुल वैश्य डॉ. श्याम कुमार मसाकपल्ली, डॉ. अदिति हल्दर, डॉ. तुलिका पी श्रीवास्तव, डॉ. ऋक रानी कोडार | 3,84,34,000 | 4. 8 वर्ष |
| 59 | आईआईटीएम / डीएसटी (डब्ल्यूओएस-बी) / आरएसओ / 180 | मध्य हिमालयी क्षेत्र के किसानों के खेत में प्रयोगशाला से कृषि आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रसार आईआईटी मंडी में अनुकूलित किया जा रहा है | (डब्ल्यूओएस -बी) | डॉ. रेशमा साओ (पीआई) डॉ. श्याम कुमार मसाकपल्ली (संरक्षक) | 26,80,000 | 3 वर्ष |

| | | | | | | |
|----|---|---|------------------|---|-------------|----------|
| 60 | आईआईटीएम / डीबीटी-इंडो-यूके / एसएस / 192 | स्मार्ट कृषि: किसान क्षेत्र | डीबीटी | डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन (पीआई), डॉ. रेणु एम.आर, डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. ए.डी. दिलीप, डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली, डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता (सह-पीआई) आईआईटी मंडी से और डॉ. एस.के. सीपीसीआरआई, शिमला से चक्रवर्ती (पीआई), एनआईएबी (यूके) से डॉ. टीना बार्सबी (पीआई) और गोडान (यूएसए) से डॉ. आंद्रे लेपेरिरे (पीआई) और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय से डॉ. डेविड ह्यूजेस (पीआई) | 9,47,76,400 | 3.3 वर्ष |
| 61 | आईआईटीएम / एससीएल / एसजी / 199 | प्लाज्मा नक्काशी के बाद अवशेषों की सफाई और हटाने के लिए उपयुक्त दो प्रकार के पोस्ट ईच रेसिड्यू स्ट्रिप्स का विकास और धातु और ढांकता हुआ परतों की फोटो प्रतिरोधी राख | एससीएल मोहाली | डॉ. सुब्रत घोष | 39,00,000 | 2 वर्ष |
| 62 | आईआईटीएम / डीएसटी-इंस्पायर / केजेएच / 211 | टुपल्स आने के मानक नॉनकम्यूटिंग और कम्यूटिंग फैलाव का अध्ययन | डीएसटी-इन्स्पायर | डॉ. कल्पेश जयंतिलाल हरिया | 35,00,000 | 5 वर्ष |
| 63 | आईआईटीएम / एसआईआरबी-एनपीडीएफ / डीकेयू / 227 | लेयर्ड डाइक्लोजेनाइड्स-ग्रुप II-VI सेमीकंडक्टर नैनोस्ट्रक्चर मेटेरियल्स में एक्साइटन मैनिपुलेशन | एसआरआईबी | डॉ. दुषंत कुशवाह (पीआई) डॉ. सुमन कल्याण पाल (संरक्षक) | 19,20,000 | 2 वर्ष |
| 64 | आईआईटीएम / एमएचआरडी-स्पार्क / एसकेएम / 258 | कोशिका प्रकार विशिष्ट 13 सी उपापचयी फेनोटाइपिंग द्वारा फाइटोपैथोजेन-कृषि मेजबान चयापचय क्रॉसस्टॉक को पकड़ने के लिए उपन्यास रणनीति विकसित करना | | डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली (पीआई), प्रो. सुवेद्र कुमार रे और तेजपुर विश्वविद्यालय से डॉ. सिद्धार्थ शंकर सतपथी (सह-पीआई), ओर के साथ सहयोग ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से प्रो. जॉर्ज रैटक्लिफ (पीआई) और प्रो. निकोलस क्रूगर (सह-पीआई) | 46,81,775 | 2 वर्ष |
| 65 | आईआईटीएम / एमएचआरडी-स्पार्क / पीएफएस / 260 | प्रवाह रसायन का उपयोग करके पर्यावरणीय उपचार के लिए दृश्य प्रकाश फोटोकैटलिसट के रूप में बहुलक नैनोस्ट्रक्चर और उनके नैनोकम्पोजिट्स का विकास करना | एमएचआरडी-स्पार्क | डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (पीआई), डॉ. सुमन कल्याण पाल (सह-पीआई) आईआईटी मंडी से, ओर के साथ सहयोग यूनिवर्सिटी पेरिस-एसयूडी से प्रो. सैमी रेमिटा (पीआई) और कंजर्वटोएयर नेशनल डेस आर्ट एट मेटियर्स डे पेरिस से डॉ. चौकी जेरौकी और डॉ. नजला फोरती (सह-पीआई) | 60,83,710 | 2 वर्ष |

| | | | | | | |
|----|---|--|---|--|-----------|----------|
| 66 | आईआईटीएम / एमएचआरडी -स्पार्क / आरजी / 261 | जीका वायरस लिफाफा प्रोटीन, झिल्ली संलयन और अवरोधक खोज के बायोफिजिक्स | एमएचआरडी -स्पार्क | अलगप्पा विश्वविद्यालय से डॉ. रजनीश गिरी (पीआई), डॉ. संजीव कुमार सिंह (सह-पीआई), और एसटी में वाशिंगटन विश्वविद्यालय से प्रो. इंदिरा यू. मैसूरकर (पीआई) के साथ सहयोग लुई और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से डॉ. व्लादिमीर एन उवेर्स्की (सह-पीआई) | 97,23,515 | 2 वर्ष |
| 67 | आईआईटीएम / एचडीसी / एसकेएम / 287 | मध्य-हिमालयी क्षेत्र की अविकसित जड़ी-बूटियों की खेती और मध्य-हिमालयी क्षेत्र में स्थानीय किसानों को शामिल करते हुए एक स्थायी आपूर्ति मॉडल विकसित करना | हिमालयन ड्रग कंपनी | डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली | 5,68,800 | 1 वर्ष |
| 68 | आईआईटीएम / डीआरडीओ / एएस / 290 | रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और भौतिक संपत्ति मापन प्रणाली का उपयोग करते हुए डीएलजे के बिस्मथ-एंटीमोनी चाकोजेनाइड नमूनों में मोड-वार तापीय चालकता और सतह-अवस्था परिवहन का अध्ययन | डीआरडीओ | डॉ. अजय सोनी | 15,24,000 | 1 वर्ष |
| 69 | आईआईटीएम / आईएनटी / बायोएक्स -को / 22 | विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना और रखरखाव | | बायोएक्स समन्वयक | 53,50,000 | 3 वर्ष |
| 70 | आईआईटीएम / आईएनटी / एससीजे / 21 | DIY किट और टिकरिंग लैब | | डॉ. एससी जैन (पीआई), सह-पीआई: डॉ. राजीव कुमार, डॉ. राहुल वैश, डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, डॉ. हितेश श्रीमाली, डॉ. चंदर शेखर, डॉ. सैयद अब्बास, डॉ. अदिति हल्दर, डॉ. श्याम के मसाकापल्ली | 10,00,000 | 1 वर्ष |
| 71 | आईआईटीएम / आईएनटी / टीपी / 07 | कमान्द घाटी में महिलाओं को मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग करके करियर विकास के लिए सक्षम बनाना | | डॉ. तूलिका पी श्रीवास्तव | 3,48,500 | 3.6 वर्ष |
| 72 | आईआईटीएम / आईएनटी / आरजी / 18 | अल्जाइमर रोग के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण: अमाइलॉइड बीटा एकत्रीकरण को लक्षित करना | | डॉ. रजनीश गिरी (आईआईटी मंडी से पीआई) के रूप में, डॉ. कैलाश चंद्र (आईआईटी रोपड़ से पीआई) और डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल, डॉ. सुब्रत घोष आईआईटी मंडी - से सह-पीआई के रूप में | 7,50,000 | 1.9 वर्ष |
| 73 | आईआईटीएम / आईएनटी / टीपीएस / 20 | अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (एनजीएस) सुविधा के संचालन, प्रबंधन और डेटा विश्लेषण | | डॉ. तूलिका पी श्रीवास्तव | 6,00,000 | 1.1 वर्ष |
| 74 | आईआईटीएम / कंस / शॉपएक्स / एपी / 47 | शॉप-एक्स द्वारा यूवी-सी डिवाइस की रोगाणु हत्या क्षमता पर रिपोर्ट | मेसर्स शॉपएक्स -10आई कॉमर्स सर्विसेज प्रा. लिमिटेड बेंगलुरु | डॉ. अमित प्रसाद | 38,350 | 11 वर्ष |

आंतरिक परियोजनाएं

| क्रम सं. | आईआईटी मंडी संदर्भ संख्या / परियोजना संख्या | परियोजना का शीर्षक | प्रायोजक एजेंसी | मुख्य जाँचकर्ता समन्वयक(एस) | स्वीकृत राशि (₹.) | परियोजना की अवधि |
|----------|---|---|-----------------|-----------------------------|-------------------|------------------|
| 1 | आईआईटीएम / आईएनटी / बायो एक्स-सीओ / 22 | विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना और रखरखाव | आईआईटी मंडी | बायोएक्स समन्वयक | 53,50,000 | 3 वर्ष |

परियोजनाओं की प्रगति

प्रो. सुमन कल्याण पाल

शीर्षक: अल्ट्राफास्ट टाइम-सॉल्व्ड स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके द्वि-आयामी संक्रमण धातु डाइक्लोजेनाइड्स में स्पिन और घाटी से संबंधित कई-कण इलेक्ट्रॉनिक अवस्थाओं के गतिशील विकास का अध्ययन करना।

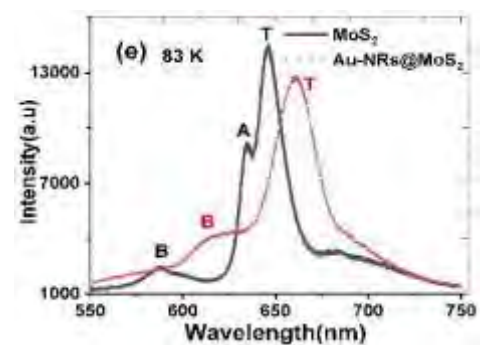
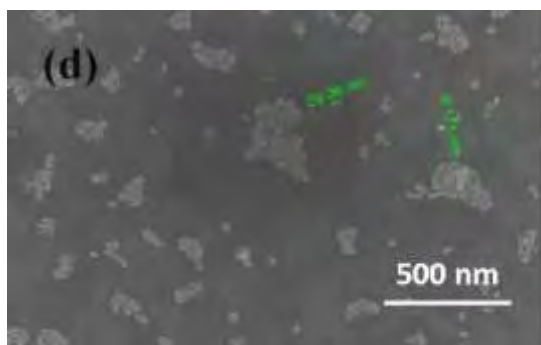
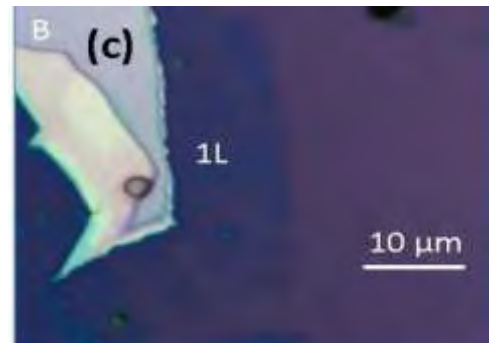
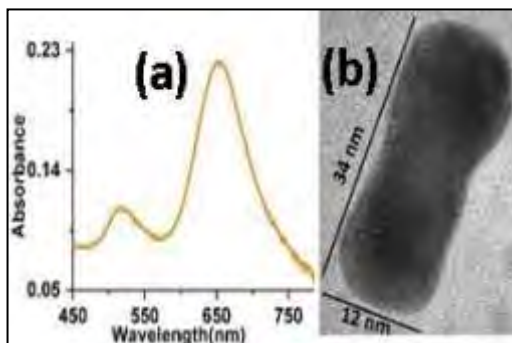
पीआई: सुमन कल्याण पाल

फंडिंग एजेंसी: SERB

राशि: 35 लाख

प्रगति

इस परियोजना का उद्देश्य अल्ट्राफास्ट स्पेक्ट्रोस्कोपी की मदद से 2डी ट्रांजिशन मेटल डाइक्लोजेनाइड्स (टीएमडी) में कई-बॉडी इंटरैक्शन और एक्साइटॉन डायनेमिक्स का अध्ययन करना और स्पिन और घाटी से सम्बंधित समस्याओं को समझने की कोशिश करना है। टीएमडी पर प्लास्मोनिक क्षेत्र के प्रभाव की जांच करने के लिए, हमने MoS₂ को एक्सफोलिएट किया और सोने के नैनोरोड्स (Au-NRs) तैयार किए। MoS₂ की Photoluminescence Au-NRs से प्रभावित हुई है। Au-NRs की उपस्थिति में MoS₂ की PL संपत्ति में परिवर्तन को Au-NRs से MoS₂ में प्लास्मोन प्रेरित इलेक्ट्रॉन हस्तांतरण के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।



चित्र (ए) अनुप्रस्थ और अनुदैर्घ्य बैंड दिखाने वाला अवशोषण स्पेक्ट्रम, और (बी) एयू-एनआर की टीईएम NRs (सी) MoS₂ की ऑप्टिकल SiO₂/Si सबस्ट्रेट पर छूटी हुई है। (डी) एयू-एनआर की एसईएम छवि MoS₂ पर डाली जाती है जो Au-NRs@MoS₂ हेटरोस्ट्रक्चर का निर्माण करती है। (ई) 532 एनएम लेजर उत्तेजना द्वारा प्राप्त 83 K पर MoS₂ और Au-NRs@MoS₂ हेटरोस्ट्रक्चर के लिए PL की तुलना।

डॉ. कौस्तव मुखर्जी

परियोजना स्वीकृत (पीआई के रूप में): हेस्लर मिश्र के भौतिक गुणों की खोज – बहु-कार्यात्मक सामग्री का एक संभावित वर्ग।

प्रायोजक एजेंसी: डीएसटी-एसईआरबी, भारत।

राशि: 49, 87, 400 रुपये

अवधि: दिसंबर 2020 – दिसंबर 2023।

स्पिन आइस स्टेट का पिघलना और पाइरोक्लोर में चुंबकीय क्षेत्र के साथ पांचवें क्रम की संवेदनशीलता का विकास **Tb₂Sn₂O₇**

पाइरोक्लोरेस कुंठित चुंबकीय प्रणालियों की चुंबकीय जमीन की स्थिति की जांच के लिए एक आदर्श खेल का मैदान प्रदान करते हैं। सामग्री के इस वर्ग में, विभिन्न चुंबकीय अंतःक्रियाओं के बीच प्रतिस्पर्धा कुंठित रहती है और कम तापमान पर एक क्रमबद्ध चुंबकीय स्थिति को रोकती है। **Tb₂Sn₂O₇** ने हाल ही में अपने आदेशित स्पिन-आइस अवस्था के कारण महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। इसके अतिरिक्त, बाहरी चुंबकीय क्षेत्र के अनुप्रयोग के परिणामस्वरूप विदेशी चुंबकीय अवस्थाएं हो सकती हैं। **Tb₂Sn₂O₇** पर हमारे अध्ययन, कम तापमान और उच्च चुंबकीय क्षेत्रों पर सकारात्मक पांचवें क्रम की संवेदनशीलता के विकास से जुड़े एक नए चरण की उपस्थिति का खुलासा करते हैं। इस परिसर में, शून्य क्षेत्रों में, एक स्थिर स्पिन-की स्थिति के लिए, गैर-पतित जमीनी अवस्था और ऊर्जा पर उत्साहित डबल एक अनिवार्य भूमिका निभाते हैं। चुंबकीय क्षेत्र के तहत, घटता है और इसके परिणामस्वरूप जमीन के तरंग कार्यों और उत्तेजित दोहरी अवस्था का मिश्रण बढ़ जाता है। यह क्वांटम उतार-चढ़ाव में वृद्धि की ओर जाता है, जिसके परिणामस्वरूप स्पिन-आइस अवस्था पिघल जाती है। **10 kOe** से ऊपर, चुंबकीय क्षेत्र चुंबकीय अनिसोट्रॉपी ऊर्जा को मजबूत करता है जो अर्ध-दोहरी जमीन की स्थापना के कारण सकारात्मक पांचवें क्रम की संवेदनशीलता के विकास के लिए जिम्मेदार हो सकता है। हमारे अध्ययन से पता चलता है कि इस परिसर में इस तरह के उच्च-क्रम क्षण के विकास के लिए अर्ध-दोहरी अवस्था प्रमुख घटक हो सकती है।

La-प्रतिस्थापित CeGe में गैर-Fermi तरल व्यवहार और द्वि-द्विघात विनिमय युग्मन का सह-अस्तित्व: गैर-रेखीय संवेदनशीलता और DFT + DMFT अध्ययन

“गैर-फर्मी तरल” (एनएफएल) प्रणालियों की जांच से जुड़े अध्ययन संघनित पदार्थ भौतिकी समुदाय में रुचि को आकर्षित करना जारी रखते हैं। ऐसी प्रणालियों और उससे सम्बंधित इलेक्ट्रॉनिक संरचनाओं द्वारा प्रदर्शित विषम भौतिक गुणों को समझना इस क्षेत्र के केंद्रीय शोध विषयों में से एक है। इस संदर्भ में, सीई-आधारित और सीई-साइट पतला (गैर-चुंबकीय आयनों के साथ) यौगिक एक उर्वर खेल का मैदान प्रदान करते हैं। यहां, हम **Ce_{0.24}La_{0.76}Ge** पर गैर-रैखिक डीसी संवेदनशीलता और संयुक्त घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत प्लस गतिशील माध्य क्षेत्र सिद्धांत (डीएफटी, डीएमएफटी) का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करते हैं। अवस्थाओं के **4f** आंशिक घनत्व, स्थानीय संवेदनशीलता और आत्म-ऊर्जा की सैद्धांतिक जांच एनएफएल व्यवहार की उपस्थिति को प्रदर्शित करती है जो स्थानीय क्षणों में उतार-चढ़ाव से जुड़ा है। इस यौगिक पर गैर-रेखीय डीसी संवेदनशीलता अध्ययन से पता चलता है कि एनएफएल अवस्था से नए चरण में संक्रमण द्वि-द्विघात विनिमय युग्मन के विकास के कारण है और यह गैर-रेखीय संवेदनशीलता स्केलिंग का पालन करता है। चुंबकीय क्षेत्र के अनुप्रयोग के तहत, स्थानीय क्षण चालन इलेक्ट्रॉनों के माध्यम से स्थानिक रूप से परस्पर क्रिया करते हैं जिसके परिणामस्वरूप चुंबकीय उतार-चढ़ाव होता है। हमारे अध्ययन इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि देखे गए द्वि-द्विघात विनिमय युग्मन की उत्पत्ति स्थानिक चुंबकीय उतार-चढ़ाव के कारण है।

पी-टाइप **ZrIrSb** हाफ-हेस्लर मिश्र धातु में ऑप्टिकल फोनन मोड ने तापीय चालकता की सहायता की: एक संयुक्त प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल अध्ययन

हॉफ ह्यूस्लर (HH) मिश्र 18 संयोजकता इलेक्ट्रॉन संख्या के साथ थर्मोइलेक्ट्रिक्स से सम्बंधित अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रुचि को आकर्षित किया है। इन प्रणालियों द्वारा प्रदर्शित उपन्यास परिवहन गुणों को अर्धचालक जमीनी अवस्था के साथ समझना इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है। अधिकांश एचएच-मिश्र धातु द्वारा दिखाई गई बड़ी तापीय चालकता योग्यता के आंकड़ों में सुधार करने में एक बड़ी बाधा है। इसके अतिरिक्त, भारी घटकों एचएच मिश्र धातुओं में थर्मल चालन के तंत्र को समझना एक दिलचस्प पहलू है। यहां, हमने प्रायोगिक अध्ययन, फोनन फैलाव और इलेक्ट्रॉनिक बैंड संरचना गणना के माध्यम से **ZrIrSb** के उच्च तापमान थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों की जांच की है। **ZrIrSb** को कमरे के तापमान के पास

प्रतिरोधकता और सीबेक गुणांक के काफी कम परिमाण का प्रदर्शन करने के लिए पाया जाता है, जो कि बीजे/एसबी और खाली साइटों के बीच साइट-विरोधी विकार के अस्तित्व के कारण होता है। दिलचस्प बात यह है कि ZrIrSb में, जाली तापीय चालकता ध्वनिक और कम आवृत्ति वाले ऑप्टिकल फोनन मोड के बीच युग्मन द्वारा नियंत्रित होती है, जो भारी इर/एसबी परमाणुओं के कारण उत्पन्न होती है। यह युग्मन जोन सीमा के पास ऑप्टिकल फोनन उत्तेजनाओं के कारण mEDySi प्रक्रियाओं में वृद्धि की ओर जाता है, जिसके परिणामस्वरूप एल का परिमाण कम होता है। हमारे अध्ययन इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि एक साधारण इकाई सेल के भीतर दो भारी द्रव्यमान तत्वों का एक साथ अस्तित्व काफी हद तक स्वतंत्रता की जाली डिग्री कम कर सकता है।

डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती

स्वीकृत परियोजना (पीआई के रूप में): ध्रुवीय adsorbates की एक परत द्वारा इलेक्ट्रॉन सॉल्वेशन – यथार्थवादी मॉडल।

प्रायोजक एजेंसी: सीएसआईआर, भारत।

राशि : रु. 3,96,000

सारांश: धातु की सतह के पास एक इलेक्ट्रॉन धातु में अपनी छवि के आवेश को महसूस करता है और इसलिए यह इस आकर्षक क्षमता के प्रभाव में चलता है। हैरिस एट. अल., एक धातु की सतह की छवि अवस्थाओं में इलेक्ट्रॉन की गतिशीलता के एक प्रायोगिक अध्ययन की सूचना दी, जिस पर ध्रुवीय सोखना होता है – वे दो प्रकार की अवस्थाएँ पाते हैं, एक स्थानीयकृत और दूसरी डेलोकलाइज्ड। प्रक्रिया को मॉडल करने का प्रयास किया गया है, लेकिन समस्या यह है कि छवि संभावित स्थिति की प्रकृति धातु की सतह की ज्यामिति के विस्तृत ज्ञान की कमी के कारण ज्ञात नहीं है। अब तक की गई सभी सैद्धांतिक गणनाओं में सपाट धातु की सतह का उपयोग किया गया है। इस परियोजना में हमने एक मॉडल पर विचार किया है जिसमें हम सतह की गैर-समतलता के लिए खाते हैं, प्रभावी क्षमता के लिए गणना का विश्लेषणात्मक हिस्सा किया जाता है और हम अपनी गणना को सत्यापित करने की प्रक्रिया में हैं।

स्वीकृत परियोजना (पीआई के रूप में): मनमानी युग्मन के साथ वक्र क्रॉसिंग समस्याएं।

प्रायोजक एजेंसी: सीएसआईआर, भारत।

राशि : रु. 7,54,400

सारांश: संभावित ऊर्जा वक्र क्रॉसिंग के कारण नॉनडायबेटिक संक्रमण टकराव की प्रक्रिया में इलेक्ट्रॉनिक संक्रमण को प्रेरित करने के लिए एक दिलचस्प तंत्र है। ऐसे उदाहरण हैं जहां संक्रमण दो अवस्थाओं के बीच में है और इस प्रक्रिया में दो से अधिक अवस्थाओं के शामिल होने के मामले भी हैं। ऐसे कुछ ही मामले हैं जहां दो अवस्थाओं की समस्या का सटीक विश्लेषणात्मक समाधान उपलब्ध है, लेकिन उनमें विशिष्ट आकार की क्षमता और युग्मन अवधि शामिल हैं। हमने गणना की है, जहां युग्मन शब्द स्थिति का एक मनमाना कार्य है और वर्तमान में, हम इसे उस मामले में विस्तारित कर रहे हैं जहां युग्मन अवधि स्थिति और समय दोनों का कार्य है।

डॉ. सी. एस. यादव

परियोजना का शीर्षक: सुपरकंडक्टर्स और सेमीमेटैलिक यौगिकों में नर्नस्ट प्रभाव का अध्ययन

प्रायोजित एजेंसी: डीएसटी-एसईआरबी

परियोजना कार्य की मुख्य विशेषताएं: हमने एसबीएस, आईआईटी मंडी में डीएसटी एसईआरबी परियोजना की परियोजना के हिस्से के रूप में 'सुपरकंडक्टर्स और सेमीमेटैलिक यौगिकों में नर्नस्ट प्रभाव का अध्ययन' शीर्षक से एक प्रयोगात्मक सेट अप विकसित किया। यह नर्नस्ट गुणांक और सीबेक गुणांक को कम तापमान 1.8 K तक सक्षम करने में सक्षम है। नर्नस्ट गुणांक सहसंबद्ध इलेक्ट्रॉन सामग्री में चार्ज वाहक की परिवहन गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित होता है, और यह देश में अपनी तरह का एक है। डिजाइन किए गए सेट अप ने न केवल परियोजना के परिणाम की आवश्यकता को पूरा किया बल्कि वर्तमान में अन्य संबंधित अनुसंधान गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा रहा है।

परियोजना की लागत : रु. 15 लाख (इस परियोजना के लिए छात्र फेलोशिप का अनुरोध नहीं किया गया था) परियोजना मार्च 2020 में पूरी हुई थी। डिजाइन किए गए प्रयोगात्मक सेट अप का परिणाम 'वैज्ञानिक उपकरणों की समीक्षा' में प्रकाशित किया गया था।

डॉ. प्रोसेनजीत मंडल (पीआई)

डीएचआर— जीआईए/2020/000788 फरवरी, 24 2021 (अनुदान स्वीकृत लेकिन स्वीकृति पत्र प्रतीक्षित)

शीर्षक: प्लाज्मा एसिटिलेटेड हाई मोबिलिटी ग्रुप बॉक्स 1 को मापने के लिए लक्षित मास स्पेक्ट्रोमेट्री आधारित दृष्टिकोण

बजट: आईएनआर। 49,73,701 (प्रस्तावित)

फंडिंग एजेंसी— डीएचआर

सह—पीआई: त्रयंबक बसाक, एसबीएस, आईआईटी मंडी।

डॉ. गरिमा अग्रवाल (पीआई)

परियोजना का शीर्षक: ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए 3डी प्रिंट करने योग्य स्मार्ट कम्पोजिट हाइड्रोजेल-इंक डिजाइन करना

योजना: भारत-दक्षिण कोरिया संयुक्त अनुसंधान परियोजना

प्रायोजक एजेंसी: डीएसटी

सह—पीआई: डॉ. ऋक रानी कोडार

रुपये में स्वीकृत राशि: 37,96,642 /—

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष

परियोजना मार्च 2021 के मध्य में ही शुरू हुई थी। उक्त समयावधि में आवश्यक रसायनों की खरीद शुरू की गई थी।

परियोजना का शीर्षक: नमी संरक्षण के साथ कार्यात्मक माइक्रोगेल आधारित एगोकेमिकल डिलीवरी सिस्टम डिजाइन करना

प्रायोजक एजेंसी: SERB

सह—पीआई: एनए।

रुपये में स्वीकृत राशि: 24,31,000 /—

परियोजना की अवधि: 2 वर्ष

यह परियोजना 18 दिसंबर 2020 को शुरू हुई और यह पूरी तरह से प्रायोगिक प्रकृति की है। उस समय प्रचलित कोविड-19 स्थिति के कारण, छात्र मार्च 2021 के अंत में ही परिसर में (व्यक्तिगत रूप से) शामिल हो सकता था। इस बीच, दिए गए विषय में कला की वर्तमान स्थिति को गहराई से समझने के लिए साहित्य सर्वेक्षण किया गया।

परियोजना का शीर्षक: दवा वितरण के लिए कार्यात्मक नैनोमटेरियल्स डिजाइन करना

प्रायोजक एजेंसी: डीएसटी

सह—पीआई: एनए।

रुपये में स्वीकृत राशि: 35,00,000 /—

परियोजना की अवधि: 5 वर्ष

इसमें आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स (INPs) कोर के ऊपर सोने के खोल के साथ बहुक्रियाशील नैनोकण तैयार किए गए हैं। निर्मित प्रणाली आईएनपी की चुंबकीय संपत्ति और सोने की सतह प्लास्मोन प्रतिध्वनि को जोड़ती है। विकसित नैनोकणों को थिओलेटेड पेक्टिन (टीपीजीआईएन) के साथ लेपित किया गया है, जो नैनोकणों के फैलाव को स्थिरता प्रदान करता है और हाइड्रोफोबिक एंटीकैंसर दवाओं को लोड करने की अनुमति देता है। **Curcumin (Cur)** का उपयोग मॉडल दवा के रूप में किया गया है और TPGINs में लगभग 80% की एनकैप्सुलेशन दक्षता देखी गई है। हेला कोशिकाओं के साथ साइटोटोक्सिसिटी अध्ययन से पता चला है कि कर-लोडेड टीपीजीआईएन में टीपीजीआईएन के 30 माइक्रोग्राम की खुराक पर अकेले क्यू (~40%) की तुलना में बेहतर व्यवहार्यता प्रतिशत (~30%) है।

- फंसे हुए परमाणुओं के लिए कर्म-मान वाले सीमित परमाणु प्रणालियों में **SOAIC** विशेषताएं देखी जाती हैं। यह सीमित परमाणु प्रणालियों के **photoionization** मापदंडों को संशोधित करने के लिए पाया जाता है।
- **GRASP** और **RATIP** सॉफ्टवेयर पैकेजों के संयोजन का उपयोग करके खुले शेल परमाणुओं के लिए निकट सीमा क्षेत्र पर सहसंबंध प्रभाव किया जाता है। क्रॉस सेक्शन और कोणीय वितरण मापदंडों पर प्राप्त परिणाम **Na** परमाणु के उपलब्ध प्रयोगात्मक डेटा के साथ बहुत अच्छा समझौता दिखाते हैं।
- एनए परमाणुओं पर कारावास का प्रभाव क्रॉस-सेक्शन प्रोफाइल में कई कूपर जैसे मिनीमा पैदा करता है।
- जेलियम फ्रेम के भीतर **TDLDA** का उपयोग करते हुए परमाणु समूहों के फोटोआयनीकरण अध्ययनों ने निकट-दहलीज क्षेत्र में आयनीकरण गतिकी में प्लास्मोनिक विशेषताओं के अस्तित्व को दिखाया।

प्रकाशित पुस्तक अध्याय

1. एल रॉय, बी मंडल, एफ नीस, एस ये; कार्बन डाइऑक्साइड इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री में "सीओ₂ के सजातीय उत्प्रेरक न्यूनीकरण के लिए सैद्धांतिक दृष्टिकोण: नए उत्प्रेरक बनाने के लिए यंत्रवत समझ": सजातीय और विषम कटैलिसीस, 2020, एड. मार्क रॉबर्ट, सिरिल कॉस्टेंटिन, किम दासबर्ज, अध्याय 5, पीपी. 197–225.
2. जी अग्रवाल, एस शर्मा, इलेक्ट्रोसपुन पॉलिमर और कार्बन फाइबर के जैव चिकित्सा अनुप्रयोग, सामग्री के विश्वकोश में: प्लास्टिक और पॉलिमर, एड। सलीम हाशमी, एल्सेवियर लिमिटेड
3. टी. छाबड़ा और वी. कृष्णन, ऊर्जा और पर्यावरण अनुप्रयोगों के लिए नैनोमटेरियल्स और नैनोकंपोजिट्स की हैंडबुक में ग्रीन सॉल्वेंट्स (अध्याय X) में बायोमास रूपांतरण के लिए नैनोसंरचित विषम उत्प्रेरक, ओवी खारिसोवा, एलएम टोरेस मार्टिनेज और बीआई खारिसोव (एड्स।), स्प्रिंगर प्रकाशक, स्विट्जरलैंड, 2020, 1, 1–24। (https://doi.org/10.1007/978-3-030-11155-7_115-1).
4. पी. चौधरी, ए. कुमार, ए. बहुगुणा और वी. कृष्णन, कार्बन-आधारित नैनोकंपोजिट्स, पर्यावरण के अनुकूल सॉल्वेंट्स में कार्बनिक प्रतिक्रियाओं के लिए विषम उत्प्रेरक के रूप में (अध्याय 4) पर्यावरण अनुप्रयोगों के लिए उभरते कार्बन-आधारित नैनोकंपोजिट्स में, एके मिश्रा, सीएम हुसैन और एस.बी. मिश्रा (सं.), स्क्रिप्तेनर पब्लिशिंग, विले, यूएसए, 2020, 1, 71–119। (<https://doi.org/10.1002/9781119554882.ch4>).
5. वायरस के आंतरिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन: कोशिका विनियमन और रोगजनन के तंत्र में भागीदारी, पुष्पेंद्र एम। मिश्रा, नवनीत सी। वर्मा, चेतना राव, व्लादिमीर एन उवर्सकी, चयन के. नंदी, डांसिंग प्रोटीन क्लाउड्स में प्रकाशित: आंतरिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन स्वास्थ्य और रोग, भाग बी, आण्विक जीव विज्ञान और अनुवाद विज्ञान में प्रगति, एल्सेवियर इंक. 2020, 174, 1–78।

प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित एपीईआर

1. चौबे ए, गिरधर के, कर एके, कुशवाहा एस, यादव एमके, घोष डी, पी मंडल। (2020) नाल्ट्रेक्सोन की कम खुराक हाइपरिन्सुलिनमिया से जुड़ी सूजन और इंसुलिन प्रतिरोध को बचाती है जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री 295 (48), 16359–16369।
2. ए. चौबे, बी. देहुरी, एस. कुमार, बी. मेधी, पी. मॉडल (2020) नाल्ट्रेक्सोन, COVID-19 जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स सितंबर 15:1–8 के लिए एक संभावित चिकित्सीय उम्मीदवार।
3. विनीत डेनियल पी., पी. मॉडल (2020) हेपाटो-मेटाबोलिक डिसऑर्डर्स यूरोपियन जर्नल ऑफ सेल बायोलॉजी में ChREBP की कॉजेटिव एंड सैनेटिव डायनेमिकिटी, नवंबर;99(8):151128।
4. टू स्टेट प्रॉब्लम में डी-फंक्शन कपलिंग के लिए ट्रांजिशन टाइम एस्टीमेशन: एन एनालिटिकली सॉल्वेबल मॉडल, एम. वशिष्ठ, सी. सामंत और ए. चक्रवर्ती, केम। भौतिक. लेट।, वॉल्यूम: 770, पेज: 138436 (6 पेज), वर्ष: 2021।
5. डिफ्यूजन ऑन ए फ्लैट पोर्टेंशियल विथ ए रेक्टेंगुलर सिंक विथ ए रेक्टेंगुलर सिंक ऑफ मनमाना चौड़ाई: सटीक एनालिटिकल सॉल्यूशन इन लैपलेस डोमेन, पी. मॉडल एंड ए. चक्रवर्ती, फिजिका ए, वॉल्यूम: 567, पेज: 125707 (9 पेज), वर्ष: 2021।
6. विलयन में डूबे हुए बंद लूप वाले बहुलक की दुर्बल कड़ी का खुलना। एनालिटिकल मॉडलिंग यूजिंग ए डेल्टा फंक्शन

- सिंक, एम. गांगुली एंड ए. चक्रवर्ती, फिजिक्स। **Scr.**, खंड: 95, पृष्ठ: 015003 (7 पृष्ठ), वर्ष 2021।
7. दो प्रतिस्पर्धी सिंक की उपस्थिति में प्रसार गतिकी: ओस्टर-निशिजिमा के मॉडल के लिए विश्लेषणात्मक समाधान। आर. सरवनन और ए. चक्रवर्ती, फिजिका ए, खंड: 563, पृष्ठ: 125317 (8 पृष्ठ), वर्ष 2021।
 8. एक लंबे बहुलक अणु के दो-राज्य प्रतिवर्ती कैनेटीक्स एक डेलोकाइज्ड युग्मन शब्द के साथ समाधान। एक सटीक विश्लेषणात्मक मॉडल. एम. गांगुली और ए. चक्रवर्ती, भौतिक - **Scr.**, वॉल्यूम: 95, पृष्ठ: 115006 (7 पृष्ठ) वर्ष: 2020।
 9. प्रतिवर्ती प्रतिक्रिया-प्रसार प्रणालियों से सम्बंधित कुछ सटीक समय-क्षेत्र परिणाम। आर. सरवनन और ए. चक्रवर्ती, रसायन. फिज., वॉल्यूम: 539, पेज: 110955 (9 पेज), साल: 2020।
 10. समाधान में इलेक्ट्रॉनिक छूट के लिए प्रतिक्रिया-प्रसार दृष्टिकोण: डेल्टा फंक्शन सिंक मॉडल के लिए सरल व्युत्पत्ति। एस. मुद्रा और ए. चक्रवर्ती, रसायन. भौतिक. लैट., वॉल्यूम: 751, पेज: 137531 (5 पेज), वर्ष: 2020।
 11. पांच सदस्यीय सुगंधित वलय प्रणालियों के माध्यम से प्रोटॉन की तेज गति। एस. चमोली और ए. चक्रवर्ती, कम्प्यूट। या. रसायन., वॉल्यूम: 1183, पृष्ठ: 112825 (7 पृष्ठ), वर्ष: 2020।
 12. एक स्थानीयकृत सिंक के साथ एक प्लैट क्षमता के लिए प्रसार संभावना का विश्लेषणात्मक समाधान, एच. छाबड़ा, एस. मुद्रा और ए. चक्रवर्ती, फिजिका ए, वॉल्यूम: 555, पृष्ठ: 124573 (6 पृष्ठ), वर्ष: 2020।
 13. विलयन में एक लंबी श्रृंखला बहुलक का लूपिंग: डेल्टा फंक्शन सिंक के सटीक समाधान के लिए सरल व्युत्पत्ति। एम. गांगुली और ए. चक्रवर्ती, रसायन. भौतिक. लैट., वॉल्यूम: 749, पेज: 137370 (4 पेज), वर्ष: 2020।
 14. समाधान में इलेक्ट्रॉनिक छूट के लिए प्रसार-प्रतिक्रिया दृष्टिकोण। दो अवस्था मॉडल के लिए एक वैकल्पिक सरल व्युत्पत्ति. एस. मुद्रा और ए. चक्रवर्ती, फिजिका ए, खंड: 545, पृष्ठ: 123779 (4 पृष्ठ), वर्ष: 2020।
 15. "लाल उत्सर्जन कार्बन नैनोडॉट्स में प्रकाश का अवशोषण और उत्सर्जन" नीरज सोनी, शिवेंद्र सिंह, शुभम शर्मा, गायत्री बत्रा, कुश कौशिक, चेतना राव, नवनीत सी वर्मा, भास्कर मंडल, आदित्य यादव और चयन के नंदी "रसायन। विज्ञान 2021, 12, 3615-3626।
 16. "सुपर-रिजॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी के लिए एक जांच के रूप में कार्बन नैनोडॉट्स का उद्भव" नवनीत सी वर्मा, आदित्य यादव, चेतना राव, पुष्पेंद्र एम मिश्रा और चयन के नंदी जे भौतिक. रसायन. सी. 2021, 125, 1637।
 17. "सुपर-रिजॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी के लिए फ्लोरोसेंट नैनोप्रोब के रूप में बोवाइन सीरम एल्ब्यूमिन-संयुग्मित लाल उत्सर्जन गोल्ड नैनोक्लस्टर" आदित्य यादव, नवनीत सी वर्मा, चेतना राव, पुष्पेंद्र एम मिश्रा, अमित जायसवाल और चयन के नंदी ' जे भौतिक. रसायन. पत्र. 2020, 11, 5741।
 18. "एक विशिष्ट कंट्रास्टिंग एजेंट के रूप में कार्बन नैनोडॉट्स का उपयोग करके प्रोटीन कोरोना का प्रत्यक्ष दृश्य" चेतना राव, आदित्य यादव, रिमनप्रीत कौर, अमित प्रसाद, और चयन के. नंदी ' केम. कॉम. 2020, 56, 13599।
 19. "कैंसर थेरेपी के लिए कैंसर सेल मेम्ब्रेन टेक्नोलॉजी" चेतना राव, पुष्पेंद्र एम. मिश्रा, आदित्य यादव, और चयन के. नंदी ' केमनैनोमैट। 2020, 6, 1712।
 20. "लाइसोसोम की सुपर-रिजॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी के लिए फ्लोरोसेंट जांच" आदित्य यादव, चेतना राव, और चयन के नंदी ' एसीएस ओमेगा 2020,5, 26967।
 21. 'मल्टीमॉडल और मल्टीकलर बायोइमेजिंग के लिए मैग्नेटोफ्लोरोसेंट नैनोप्रोब" आदित्य यादव, चेतना राव, नवनीत सी. वर्मा, पुष्पेंद्र एम. मिश्रा, और चयन के. नंदी' मॉलिक्यूलर इमेजिंग 2020, 19, 1-8।
 22. **SARS-CoV-2** के प्रभावी लक्ष्यीकरण के लिए सीरम एल्बुमिन मध्यस्थता रणनीति" पुष्पेंद्र एम. मिश्रा, व्लादिमीर उवर्सकी, ' चयन के नंदी ' चिकित्सा परिकल्पना 2020, 140, 109790।
 23. "लाइट-ट्रिगर फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर के लिए मोनोलेयर डब्ल्यूएस 2 के पॉलीमॉर्फिक इन-प्लेन हेटेरोस्ट्रक्चर" पवन कुमार, कार्तिकेय ठाकर, नवनीत सी वर्मा, जयता बिस्वास, ताक्युया मैदा, अहिन रॉय, केंजी कानेको, चयन के. नंदी, सौरभ लोढ़ा, और विश्वनाथ बालकृष्णन ' एसीएस एप्ल. नैनो मेटर. 2020, 3, 3750।
 24. "डुअल-मोड इमेजिंग और हाइपरथर्मिया के लिए ग्रेफाइटिक कार्बन कोटेड मैग्नेटाइट नैनोपार्टिकल्स" आशीष तिवारी, नवनीत सी. वर्मा, सिबेल तुर्ककन, अयान देबनाथ, अनूप सिंह, गेराल्ड ड्रेगर, चयन के नंदी'. जे. के. रंधावा', एसीएस एप्ल. नैनो मेटर। 2020, 3, 896।
 25. गैर-रासायनिक रूप से प्रवर्धित पॉलिमरिक हाइब्रिड प्रतिरोध में ऑर्गनोटिन अगली पीढ़ी की लिथोग्राफी के लिए संवेदनशीलता के साथ बेहतर समाधान प्रदान करता है। जेरोम पीटर, मोहम्मद जी. मोइनुद्दीन, सुब्रत घोष, सतिन्द्र के.

- शर्मा और केनेथ ई. गोंजाल्विस. एसीएस एपल. बहुलक. मेटर. 2020, 2, 5, 1790–1799 |
26. कम दक्षता रोल-ऑफ के साथ समाधान-संसाधित OLEDs के लिए कार्यात्मक पाइरीन-पाइरीडीन-एकीकृत होल-परिवहन सामग्री कृष्ण कुमार, किरण किशोर केशवन, दीक्षा ठाकुर, सुब्रत बानिक, जयचंद्रन जयकुमार, चिएन-होंग चेंग, ज्वो-हुई जौ, और सुब्रत घोष एसीएस ओमेगा 2021, 6, 16, 10515–10526 |
 27. इलेक्ट्रॉन-बीम और हीलियम आयन बीम लिथोग्राफी के लिए Organoiodine कार्यात्मकता असर प्रतिरोध: जटिल और उप-16 एनएम पैटर्निंग मिदथाला योगेश, मोहम्मद जी मोइनुद्दीन, मानवेंद्र चौहान, सतिन्द्र के. शर्मा, सुब्रत घोष, और केनेथ ई. गोंजाल्विस एसीएस एपल. इलेक्ट्रॉन. मेटर. 2021, <https://doi.org/10.1021/acsaelm.0c01120>.
 28. हीलियम आयन बीम लिथोग्राफी के लिए प्रतिरोध: हालिया अग्रिम नागार्जुन रवि किरण, मानवेंद्र चौहान, सतिन्द्र के. शर्मा, सुब्रत घोष और केनेथ ई. गोंजाल्विस एसीएस एपल | इलेक्ट्रॉन | मेटर | 2020, 2, 12, 3805–3817 |
 29. जीवित कोशिकाओं में ए-सिन्यूक्लिन तंतुओं के चयनात्मक इमेजिंग के लिए फ्लोरोसेंट जांच अंकजगौर, मैक्सिम गल्किन, एंड्री कुरोचका, सुब्रत घोष, दिमित्रो ए. युशचेंको, और वोलोडिमिर वी. श्वादचक एसीएस केम. तंत्रिका विज्ञान. 2021, 12, 8, 1293–1298 |
 30. एल रॉय, बी मोंडाली, एस ये, गैर-महान-धातु-उत्प्रेरित सीओ 2 रूपांतरण में कम्प्यूटेशनल मैकेनिस्टिक अंतर्दृष्टि, डाल्टन ट्रांस. 2020, 49, 16608–16616. संयुक्त प्रथम लेखक |
 31. डी. गंभीर, बी. मोंडल', आर. आर. कोनेर', मॉलिक्यूलर-लेवल इनसाइट्स इन सेल्फ-असंबली ड्रिवेन एनैटियोसेलेक्टिव रिऑक्जिशन प्रोसेस, केम. कम्यून्., 2021, 57, 2535–2538 |
 32. एन. सोनी, एस. सिंह, एस. शर्मा, जी. बत्रा, के. कौशिक, सी. राव, एन.सी. वर्मा, बी. मंडल', ए. यादव,' और सी.के. नंदी,' एब्सॉर्प्शन एंड एमिशन ऑफ लाइट इन लाल उत्सर्जक कार्बन नैनोडॉट्स, रसायन. विज्ञान., 2021, 12, 3615–3626 |
 33. वैथेगी, के.य पवार, ए.बी.य प्रसाद, के.आर. सिंथेसिस ऑफ द मैक्रोलेक्टोन कोर ऑफ द रिवाइज्ड स्ट्रक्चर ऑफ पामेरोलाइड सी. टेद्राहेड्रोन 2021, 77, 131768 |
 34. एस. अब्बास, एस धामा, एम पिंटो, डी सेपुलेवेदा, स्यूडो कॉम्पैक्ट लगभग ऑटोमोर्फिक सॉल्यूशंस फॉर ए फ़ैमिली ऑफ डिलेल्ड पॉपुलेशन मॉडल ऑफ निकोलसन टाइप, जर्नल ऑफ मैथमैटिकल एनालिसिस एंड एप्लिकेशन, वॉल्यूम 495, अंक 1, 1 मार्च 2021, 124722 |
 35. आर. दयाल; एम मलिक; एस. अब्बास; ए. कुमार; आर शक्तिवेल; भिन्नात्मक अंतर समीकरण द्वारा शासित नियंत्रणीयता समस्या के लिए सन्निकटन प्रमेय | विकास | समीकरण नियंत्रण सिद्धांत 10 (2021), नं. 2, 411–429.
 36. आर धयाल, एम मलिक, एस अब्बास, गैर-तात्कालिक आवेगों के साथ स्टोकेस्टिक अंतर समीकरणों के अस्तित्व, स्थिरता और नियंत्रणीयता परिणाम, प्रेस में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंट्रोल, 2021 |
 37. आर धयाल, एम मलिक, एस. अब्बास, सॉल्वेबिलिटी एंड ऑप्टिमल कंट्रोल ऑफ नॉन-इंस्टैंटियस इंपल्सिव स्टोकेस्टिक फ्रैक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन ऑफ ऑर्डर क्यू (1, 2), स्टोचौस्टिक्स, 1–23, प्रेस में, 2020 |
 38. एस. अब्बास, एम नीजाबिटोवस्की, एसआर ग्रेस, ग्लोबल असिस्टेंस एंड स्टेबिलिटी ऑफ निकोलसन ब्लोपलाइज मॉडल विथ हार्वेस्टिंग एंड रैंडम इफेक्ट, नॉनलाइनियर डायनेमिक्स, 103, 2109–2123 (2021) |
 39. एस त्यागी, एससी मार्था, एस अब्बास, ए डेबौचे, संक्रामक रोगों के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए गणितीय मॉडलिंग और विश्लेषण, अराजकता, सॉलिटॉन और फ्रैक्टल्स 144, 110707, 2021 |
 40. जेपी त्रिपाठी, एस बुगलिया, के बर्दक, एस अब्बास, एक सामाजिक संपर्क मॉडल में कानून प्रवर्तन का गतिशील विश्लेषण और प्रभाव, फिजिका ए: सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग, 567 (2021), 125725, 26 पृष्ठ |
 41. एस आलम, एस ठाकोर, एस अब्बास, लगभग एंट्रोपिक क्षेत्र और नेटवर्क कोड निर्माण के लिए आंतरिक सीमा, संचार पर आईईईई लेनदेन, 69, नं. 2, पीपी. 874–883, 2021 |
 42. जेपी त्रिपाठी, डी जाना, एनएसएनवीकेवी देवी, वी तिवारी, एस. अब्बास, संरक्षित क्षेत्रों में गतिशील दरों के साथ शिकार के लिए शिकारी की इंद्रास्पेसिफिक प्रतियोगिता, नॉनलाइनियर डायनेमिक्स 102, 511दृ535, 2020 |
 43. एस सिंह नेगी, एस. अब्बास, मलिक, एम., ए जनरलाइज्ड डेल्टा व्युत्पन्न ऑन टाइम स्केल विथ एप्लिकेशन, मैथमैटिकल मेथड्स इन द एप्लाइड साइंसेज, 43 (2020), नं. 15, 9046–9079 |
 44. गुएने, लीना, हाफयेद, मोख्तार, मेहररेम, शाहलर, एस. अब्बास, मैककेन-वेलासोव प्रकार की सामान्य निरंतर-एकवचन स्टोकेस्टिक नियंत्रण समस्या के इष्टतम समाधान पर, अनुप्रयुक्त विज्ञान में गणितीय तरीके, 43 (2020), नं. 10, 6498–6516 |

45. एस. धामा, एस. अब्बास, ए. देबबौचे, डबली-वेटेड स्यूडो लगभग ऑटोमोर्फिक सॉल्यूशंस फॉर स्टोकेस्टिक डायनेमिक इक्वेशन्स विद स्टेपानोव-लाइक कोएफिशिएंट्स ऑन टाइम स्केल्स, कैओस, सॉलिटॉन्स एंड फ्रैक्टल्स, 137, 109899, 2020 ।
46. एस. अब्बास, एस. धामा, मैक्सिमल एंड मिनिमम सॉल्यूशंस ऑफ ए क्लास ऑफ डिसकॉन्टिन्यूअस जनरलाइज्ड डायनामिकल इक्वेशन्स विथ डिले ऑन टाइम स्केल, जे. फिक्स्ड प्वाइंट थ्योरी एपल. 22 (2), 2020 ।
47. एस. धामा, एस. अब्बास, भारित छद्म का अस्तित्व और स्थिरता, भारित स्टेपानोव-जैसे (एसपी) छद्म लगभग ऑटोमोर्फिक गुणांक, गतिशील प्रणालियों के गुणात्मक सिद्धांत, 19, अनुच्छेद संख्या: 46 के साथ समय के तराजू पर गतिशील समीकरण का लगभग स्वचालित समाधान । (2020) ।
48. एस.एस. नेगी, एस. अब्बास, एम. मलिक, एस.आर. ग्रेस, न्यू ऑसिलेशन क्राइटेरिया फॉर पी-लाप्लासियन डायनेमिक इक्वेशन्स ऑन टाइम स्केल्स, स्वीकृत, रॉकी माउंटेन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 50 (2020), नं. 2, 659-670 ।
49. आर. धयाल, एम. मलिक, एस. अब्बास, ए. देबबौचे, दूसरे क्रम के स्टोकेस्टिक डिफरेंशियल इक्वेशन के लिए इष्टतम नियंत्रण, मिश्रित भिन्नात्मक ब्राउनियन मोशन विथ इम्पल्स, मैथ द्वारा संचालित । तरीके विज्ञान, 43 (2020), नं. 7, 4107-4124 ।
50. झुके हुए वेइल फर्मियंस अजाज अहमद, गिरीश शर्मा फिजिकल रिव्यू बी 103, 115146 (2021) के जाली मॉडल में अनुदैर्घ्य चुंबकत्व और तलीय हॉल प्रभाव ।
51. वेइल सेमीमेटल्स में अनुदैर्घ्य चुंबकत्व चालकता और प्लेनर हॉल प्रभाव का संकेत । गिरीश शर्मा, एस. नंदी, एस. तिवारी शारीरिक समीक्षा बी 102, 205107 (2020) ।
52. सेमीकंडक्टर-सुपरकंडक्टर हेटरोस्ट्रक्चर के अर्ध-मेजराना शासन में माप-आधारित ब्रेडिंग की व्यवहार्यता । सी. झांग, गिरीश शर्मा, टी.डी. स्टेनेस्कु, एस. तिवारी फिजिकल रिव्यू बी 102, 205101 (2020) ।
53. सेमीकंडक्टर-सुपरकंडक्टर नैनोवायर हेटरोस्ट्रक्चर में मेजराना और एंटीव बाध्य राज्यो के संकरण ऊर्जा दोलन । गिरीश शर्मा, सी. झांग, टी.डी. स्टेनेस्कु, एस. तिवारी फिजिकल रिव्यू बी 101, 245405 (2020) ।
54. मैजिक एंगल टिवस्टेड बाइलेयर ग्राफीन में सामूहिक उत्तेजनाओं से अतिचालकता । गिरीश शर्मा, एम. ट्रुशिन, ओ. पी. सुशकोव, जी. विग्नाले, एस. एडम फिजिकल रिव्यू रिसर्च 2, 022040 ® (2020).
55. कुशवाह, डी.; मुश्ताक, ए.; घोष, एस.; पाल, एस.के. अल्ट्राफास्ट और नॉनलाइनियर ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज ऑफ टू-डायमेंशनल सीडीएसई नैनोस्ट्रक्चर्स को MoS₂ नैनोशीट्स एज टेम्प्लेट Physica E 2021, 130, 114682 का उपयोग करके तैयार किया गया है ।
56. घोष, एस.; रे, आर.; पाल, एस.के. अल्ट्राफास्ट मल्टी-पार्टिकल फेनोमेना इन लीड ब्रोमाइड हाइब्रिड पेरोव्स्काइट नैनोक्रीस्टल अंडर स्ट्रॉन्ग ऑप्टिकल एक्साइटेशन नैनोक्रीस्टल जे. फिज. रसायन. सी 2021, 125, 3198-3205 ।
57. रे, आर.; नक्का, एन.; CH₃NH₃PbBr₃ क्वांटम डॉट / TiO₂ हेटरोजंक्शन नैनो टेक्नोलॉजी 2021, 32, 085201 पर आधारित पाल, एस.के. हाई-परफॉर्मेंस पेरोव्स्काइट फोटोडेटेक्टर ।
58. कुमार, ए.य राव, वी. एन; कुमार, ए.; मुश्ताक, ए.; शर्मा, एल.; हलदर, ए.; पाल, एस. के.; शंकर, एम. वी.; कृष्णन, वी. थ्री-डायमेंशनल कार्बोनेसियस एरोगल्स एंबेडेड के साथ RhSrTiO₃ के लिए एन्हांस्ड हाइड्रोजन इवोल्यूशन के लिए एफिशिएंट चार्ज ट्रांसफर और लाइट एब्जॉर्प्शन एसीएस एपल द्वारा ट्रिगर. ऊर्जा मेटर. 2020, 3, 12134 ।
59. नारियांगडु, एस.बी.; चोएडक, टी.; मलार, ई. जे. पी.; चैन, जे.; थिरहौग, ई.; कुमार, पी.; झोउ, जे.; येचुरी, वी.; पाल, एस. के.; लिडिन, एस.; थंगधोराई, के.एन.; कार्की, के.जे.; Pullerits, To\(\nu न्यू नॉनलाइनियर ऑप्टिकल क्रिस्टल ऑफ रोडामाइन 590 एसिड Phthalate ACS Omega 2020, 5, 20863 ।
60. रे, आर.; सरकार, ए.एस.; पाल, एस. के. एमओएस₂ नैनोशीट्स जे. फिजिक्स को शामिल करके पॉलिमर फिल्मों में कैरियर ट्रांसपोर्ट में सुधार. डी: एपल. भौतिक. 2020, 53, 275109 ।
61. घोष, एस.; शि, क्यू .; प्रधान, बी.; मुश्ताक, ए.; आचार्य, एस.; कार्की, के.जे.; पुलरिट्स, टी.; पाल, एस.के. लाइट-इंड्यूस्ड डिफेक्ट हीलिंग एंड स्ट्रॉन्ग मैनी-बॉडी इंटरैक्शन इन फॉर्मिडिनियम लेड ब्रोमाइड पेरोव्स्काइट नैनोक्रीस्टल्स जे. फिज. रसायन. लेट. 2020, 11, 1239-1246 ।
62. सरकार, ए.एस.; मुश्ताक, ए.; कुशवाह, डीय इलेक्ट्रॉनिक ग्रेड अल्ट्राथिन टिन (II) सल्फाइड (एसएनएस) का पल, एस. के. लिक्विड एक्सफोलिएशन विद इंटेस्टिंग ऑप्टिकल रिस्पॉन्स एनपीजे 2डी मेटर. आवेदन 2020,4,1 ।
63. Fe₂CrAl कविता यादव और के मुखर्जी इंटरमेटेलिक्स 133, 107153 (2021) की इलेक्ट्रॉनिक संरचना और भौतिक

- गुणों पर सीआर—साइट पर आइसो—वैलेंट मो के आंशिक प्रतिस्थापन का प्रभाव ।
64. गैर—फर्मी तरल व्यवहार और ला—प्रतिस्थापित सीईजीई में द्वि—द्विघात विनिमय युग्मन का सह—अस्तित्व: गैर—रेखीय संवेदनशीलता और डीएफटी. डीएमएफटी अध्ययन करण सिंह, ए सिही, एस के पांडे और के मुखर्जी भौतिक। रेव. बी 102, 235137 (2020)।
 65. मैनेटोकैलोरिक प्रभाव और स्पिन—फोनन सहसंबंध $RFe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ ($R = Er$ और Yb) यौगिकों में कविता यादव, गुरप्रीत कौर, मोहित के शर्मा, और के मुखर्जी फिज. लेट्स. ए 384, 126638 (2020)।
 66. ऑर्थोरोम्बिक $SmFeO_3$ पेरोव्स्काइट में क्लस्टर ग्लास व्यवहार: स्पिन ऑर्डरिंग और लैटिस डायनेमिक्स एमके वारशी, ए कुमार, ए सती, एस थोटा, के मुखर्जी, ए सागदेव, और पीआर सागदेव केम के बीच इंटरप्ले. मेटर. 32, 1250 (2020)।
 67. हाइड्रोजन उत्पादन और अपशिष्ट जल उपचार के लिए Fe और Al इलेक्ट्रोड का उपयोग करके ईसी मापदंडों का अनुकूलन एल शर्मा, एस प्रभाकर, वी तिवारी, ए. धर, ए हल्दर पर्यावरण अग्रिम, 100029, 2020।
 68. कुशल चार्ज ट्रांसफर और लाइट द्वारा ट्रिगर्ड हाइड्रोजन इवोल्यूशन के लिए $Rh-SrTiO_3$ के साथ एंबेडेड थ्री—डायमेंशनल कार्बोनेसियस एरोगल्सए कुमार, वी नवकोटेश्वर राव, ए कुमार, ए मुश्ताक, एल शर्मा, एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स, 2020।
 69. रिचार्जबल जिंक—एयर बैटरी ए माथुर, आर कौशिक, ए हल्दर मैटेरियल्स टुडे एनर्जी, 100612, 2020 के लिए को—इंटरकलेटेड 2—डी मैंगनीज ऑक्साइड शीट्स का फोटोएन्हांस्ड परफॉर्मेंस।
 70. ऑक्सीजन न्यूनीकरण और सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए कोबाल्ट—एंबेडेड एन—डोपेड कार्बन नैनोस्ट्रक्चर बी देवी, ए जैन, बी रॉय, बी राव आर, एनआर तुम्मुरु, ए हल्दर, आरआर कोनेर एसीएस एप्लाइड नैनो सामग्री 3 (7), 6354—6366, 2020।
 71. हाइड्रोजन इवोल्यूशन रिएक्शन एंड एनवायरनमेंटल रेमेडिएशन के लिए एजी कोटेड $2DTiO_2 / RGO$ हेटेरोजंक्शन की फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल गतिविधि एम साकिब, आर कौशिक, ए हल्दर केमिस्ट्री 5 (21), 6376—6388, 2020 का चयन करें।
 72. एन्हांस्ड फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल हाइड्रोजन इवोल्यूशन 2डी नैनोलीफ स्ट्रक्चर्ड क्यूओ पीके सामल, एल शर्मा, ए हैल्डर जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स 127 (19), 194902, 2020।
 73. गैर—थर्मल O_2 प्लाज्मा उपचार एल शर्मा, टी. बोतारी, सीएस तिवारी, ए हलदर एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स, 2020 द्वारा निर्मित इन—सीटू MoO_3 / MoS_2 हेटेरोजंक्शन में हाइड्रोजन विकास।
 74. डाई—बेस्ड कोऑर्डिनेशन पॉलीमर एस सिंह, बी देवी, आर.आर. कोडार, ए हल्दर, सीएस यादव आर्किव प्रीप्रिंट arXiv: 2003.06609, 2020 में फील्ड प्रेरित एकल अणु चुंबक व्यवहार।
 75. एसिडिक माध्यम में हाइड्रोजन इवोल्यूशन रिएक्शन के लिए क्लोराइड जंग प्रतिरोधी नाइट्रोजन डोपेड रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड / लैटिनम इलेक्ट्रोकेटलिस्ट एम साकिब, ए भारद्वाज, एच.एस.
 76. BaO के पीजो / फोटोकैटलिटिक प्रभावों पर Ce का प्रभाव। 9सीए0. डाई / फार्मास्युटिकल अपशिष्ट जल उपचार के लिए $1CexTi_{1-x}O_3$ सिरेमिक एम शर्मा, ए हल्दर, आर वैश्य सामग्री अनुसंधान बुलेटिन 122, 110647, 2020।
 77. फॉर्मिक एसिड ऑक्सीकरण प्रतिक्रियाओं में उनकी इलेक्ट्रोकेटलिटिक गतिविधि को ट्यून करने के लिए पैलेडियम नैनोस्ट्रक्चर की आकृति विज्ञान इंजीनियरिंग बी प्रमाणिक, टी कुमार, ए हल्दर, पीएफ सिरिल नैनोस्केल एडवांस 2 (12), 5810—5820, 2020।
 78. सतह के विघटन द्वारा नाइट्रोजन—डॉपेड ग्रेफाइटिक कार्बन शेल—एम्बेडेड निकल / निकल ऑक्साइड नैनोकणों की ऑक्सीजन विकास गतिविधि को बढ़ाना सी मदन, सीएस तिवारी, ए हल्दर मैटेरियल्स केमिस्ट्री फ्रंटियर्स 4 (11), 3267—3279, 2020।
 79. विभिन्न प्रकार के MnO_2 नैनोस्ट्रक्चर ए माथुर, आर कौशिक, ए हल्दर कैटेलिसिस साइंस एंड टेक्नोलॉजी 10 (21), 7352—7364, 2020 के सहक्रियात्मक प्रभाव का उपयोग करते हुए दृश्यमान—प्रकाश—चालित फोटो—एन्हांस्ड जिंक—एयर बैटरी।
 80. फ्लोरोक्विनोलोन—आधारित प्रदूषकों का क्षरण और बैक्टीरियल निष्क्रियता इ विजिबल—लाइट एक्टिव एल्युमिनियम—डॉपेड TiO_2 नैनोफ्लेक्स रविंदर कौशिक, पंकज कुमार सामल और अदिति हल्दर ACS Appl. नैनो. मेटर. 2 (12), 7898—7909, 2020।

81. स्थानीय फेरोइलेक्ट्रिक पोलराइजेशन इन एंटीफेरोइलेक्ट्रिक चाल्कोजेनाइड पेरोव्स्काइट $BaZrS_3$ थिन फिल्म, जूही पांडे, देबजीत घोषाल, दिब्येंदु डे, तुषार गुप्ता, ए तारफदेर ।
82. थर्मोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए स्तरित Bi_2GeTe_4 में क्रिस्टलीय एनहार्मोनिकिटी और अल्ट्रालो थर्मल कंडक्टिविटी, नीरज सिंह और अजय सोनी, एप्लाइड फिजिक्स लेटर 117, 123901 (2020) ।
83. रुडल्सडेन-पॉपर 2डी पेरोव्स्काइट $Cs_2PbI_2Cl_2$ में आंतरिक रूप से अल्ट्रालो थर्मल कंडक्टिविटी: स्थानीयकृत एनाहार्मोनिक कंपन और गतिशील ऑक्टाहेड्रल विकृतियां, परिबेश आचार्य, तन्मय घोष, कौशिक पाल, कौशिक कुंडू, केवल सिंह राणा, जूही पांडे, अजय सोनी, यू.वी. वाघमारे और के. बिस्वास, द जर्नल ऑफ द अमेरिकन केमिकल सोसाइटी 142 (36), 15595 (2020) ।
84. इलेक्ट्रॉन-फोनन इंटरैक्शन और सिंगल क्रिस्टलीय 1 टी-वीएसई 2, जूही पाण्डेय और अजय सोनी, फिजिकल रिव्यू रिसर्च में चार्ज डेंसिटी वेव के साथ जुड़े दो फोनन मोड, 02, 033118 (2020), [rXiv: 1912.05802](https://arxiv.org/abs/1912.05802) (2020) ।
85. गैर-वाष्पशील फ्लैश मेमोरी अनुप्रयोगों के लिए $NrGO$ फ्लोटिंग $xsV/SiOXNY$ टनलिंग लेयर स्टैक, महेश सोनी, अजय सोनी, एस के शर्मा डिवाइस और सामग्री विश्वसनीयता पर IEEE लेनदेन 20 (3), 570 (2020) ।
86. एटॉमिकली थिन $MoS_2(1-x)Se_{2x}$ अलॉयज, राहुल शर्मा, जूही पाण्डेय, कृष्णा साहू, केवल सिंह राणा, रवि कुमार बिरोजू, वोल्फगैंग थीस, अजय सोनी, टीएन नारायणन, जर्नल ऑफ फिजिक्स: मैटेरियल्स में चाकोजेन दोषों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक सहसंबंध, 3, 045001 (2020) ।
87. पर्यावरण की दृष्टि से स्थिर और सीसा रहित चालकोसाइट, तुषार गुप्ता, देबजीत घोषाल, एंथोनी योशिमुरा, स्वास्तिक बसु, फिलिप के. चाउ, अनिरुद्ध एस. लखनोट, जूही पाण्डेय, जेफरी एम. वारेंडर, हैरी एफस्टैथियाडिस, अजय सोनी, एरिक ओसेई –अग्यमंग, गणेश बालासुब्रमण्यम, शेंगबाई झांग, सु-फी शि, तोह-मिंग लू, विंसेंट मेयुनियर और निखिल कोराटकर, उन्नत कार्यात्मक सामग्री 30 (23) 2001387, (2020) ।
88. क्यू डेफिसिएंट सुपरियोनिक थर्मोइलेक्ट्रिक $Cu_{2-x}Te$, में फोनन लिक्विड इलेक्ट्रॉन क्रिस्टल का रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन, जूही पाण्डेय, श्रीपर्णा मुखर्जी, दिव्या रावत, शोएब अतहर, केवल एस राणा, रमेश सी। मलिक और अजय सोनी, एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स 3, 3, 2175 (2020) ।
89. लेजर असिस्टेड मॉलिक्यूलर बीम एपिटैक्सी द्वारा विकसित होमो-एपिटैक्सियल GaN नैनोवाल नेटवर्क पर एक्साइटेशन डेंसिटी डिपेंडेंट फोटोल्यूमिनेशन स्टडीज, सी. रमेश, जूही पांडे, पी. त्यागी, अजय सोनी, एम. संधिल कुमार, एस.एस. कुशवाहा, जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी 20 (6), 3866 (2020) ।
90. बैटरी और सुपरकैपेसिटर के लिए वीओ2 नैनोस्ट्रक्चर: ए रिव्यू जियाउद्दीन खान', प्रेम सिंह, साजिद अली अंसारी, साई रश्मी मनिप्पडी, अमित जायसवाल', मानव सक्सेना'स्मॉल (2020) 2006651, <https://doi.org/10.1002/smll.202006651>.
91. सुपर-रिजॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी आदित्य यादव, नवनीत सी वर्मा, चेतना राव, पुष्पेंद्र एम मिश्रा, अमित जायसवाल, चयन के नंदी ' जे भौतिक के लिए फ्लोरोसेंट नैनो जांच के रूप में बोवाइन सीरम एल्ब्यूमिन-संयुग्मित लाल उत्सर्जन गोल्ड नैनोकलस्टर. रसायन. लेट. (2020) 11(14), 5741–5748 ।
92. डीएनए बाइंडिंग और एनआईआर ने क्वार्टरनरी अमोनियम मॉडिफाइड पॉली (एलीलामाइन हाइड्रोक्लोराइड) फंक्शनलाइज्ड और फोलिक एसिड कंजुगेटेड रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट्स एस रॉय एंड ए जायसवाल' इंट से डीएनए रिलीज को ट्रिगर किया । जे बायोल । मैक्रोमोल । (2020) 153, 931–941 ।
93. एक टा बफर परत, ए मुखोपाध्याय, एसके वायलिल, डी ग्रौलिच, आई अहमद, एस फ्रैंकौल, ए कश्यप, टी कुशेल, और पीएस अनिल कुमार के सम्मिलन द्वारा पीटी/को/पीटी त्रयी में चुंबकीय निकटता प्रभाव का असममित संशोधन फिजिकल रिव्यू बी, वॉल्यूम 102(14), 144435, 2020 ।
94. Fe_2O_3 and Fe_2O_3 : की विषम संरचनाएं, घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत से अंतर्दृष्टि, I अहमद, एन सेरियानी, आर गेबॉयर, और ए कश्यप, आरएससी एडवांस, वॉल्यूम. 10, 46 पीपी. 27474–27480, 2020 ।
95. बोर्न इफेक्टिव चार्जस एंड इलेक्ट्रिक पोलराइजेशन इन बल्क Fe_2O_3 : एन एब-इनिटियो अप्रोच, आई अहमद, आर स्कोम्स्की, और ए कश्यप, केमिकल फिजिक्स, पी.110789, 2020 ।
96. एक चतुर्धातुक स्पिन-गैपलेस सेमीकंडक्टर में गैर-हाइजेनबर्ग चुंबकत्व, आर.चौधरी, ए. कश्यप, दुर्गा पौड्याल, डी.जे. सेलमेयर, और आर. स्कोम्स्की, जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, खंड 497, पृष्ठ 166058, 2020 ।
97. मेल्ट-स्पून $Fe_{41}Pd_{41}B_8Si_6P_4$ रिबन, ओए गोलोब्लिया, एनआई व्लासोवा, एजी पोपोव, वीएस गाविको, वीवी

- पोपोव, एवी प्रोतासोव, और ए कश्यप, रेयर मेटल्स, खंड 39(1), पीपी.76–83, 2020 ।
98. बाइनरी फे–पीडी एलॉय आर पाठक, ओए गोलोन्निया, ईजी गेरासिमोव, एजी पोपोव, एनआई व्लासोवा, आर स्कोम्स्की, ए कश्यप, दुर्गा पौडयाल जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, वॉल्यूम में संभावित चरणों के चुंबकीय गुणों का अब इनिटियो अध्ययन । 499, पृष्ठ.166266, 2020 ।
 99. सोनू छिल्लर, के मुखर्जी, और सी.एस. यादव; 6H में संरचना संचालित चुंबकीय सहसंबंध और मैग्नेटोइलेक्ट्रिक युग्मन – पेरोसाइट $Ba_3DyRu_2O_9$, सबमिट किया गया (2020) ।
 100. शैलजा शर्मा, और सी.एस. यादव; सीबेक और नर्नस्ट गुणांक माप के लिए प्रायोगिक सेटअप, वैज्ञानिक उपकरणों की समीक्षा (2020) में प्रदर्शित होने के लिए ।
 101. एम.के. हुड्डा, सी.एस. यादव, और डी. सामलय गुप –10 ट्रांजिशन मेटल डाइक्लोजेनाइड्स के इलेक्ट्रॉनिक और टोपोलॉजिकल गुण, जर्नल ऑफ फिजिक्स: कंडेंसड मैटर (2020) में प्रदर्शित होने के लिए ।
 102. शीतल, और सी.एस. यादव; स्पिन फ्रीजिंग संक्रमण का विकास और $Dy_2-xLaxZr_2O_7$ के संरचनात्मक, चुंबकीय चरण आरेख; $x = 0-2-0$, समीक्षाधीन (20200029) ।
 103. एन. के. राजेश कुमार, एल. वासिलेचको, शैलजा शर्मा, सी.एस. यादव, और आर. के. सेलवन; स्थानीय क्रिस्टल संरचना और $CoxMn_{3-x}O_4$ ($x = 0-0.5$) ठोस समाधान, जे मिश्र धातु और कॉम्प के फेरिमैग्नेटिक ऑर्डर के बीच संबंध को समझना । 853, 157256 (2020) ।
 104. सूरज सिंह, शीतल, बी देवी, आरआर कोनेर, ए हल्दर, और सी.एस. यादव; एक डार्क–आधारित समन्वय बहुलक, ईपीएल 130, 47002 (2020) में क्षेत्र प्रेरित एकल–अणु चुंबक व्यवहार ।
 105. शैलजा शर्मा, और सी.एस. यादव; स्ट्रक्चरल और मैग्नेटो–ट्रांसपोर्ट स्टडीज ऑफ आयरन इंटरकलेटेड Bi_2Se_3 सिंगल क्रिस्टल, फिजिका स्टेट सॉलिडी बी 20000086 2020) ।
 106. शीतल, अंजार अली, सरिता राजपूत, योगेश सिंह, तूलिका मैत्रा और सी.एस. यादव; $Dy_2-xLaxZr_2O_7$ में कमजोर पायरोक्लोर चरण का उदय और क्षेत्र प्रेरित स्पिन आइस ग्राउंड स्टेट का हस्ताक्षर; $x = 0, 0-15, 0-30$, जर्नल ऑफ फिजिक्स: कंडेंसड मैटर 32, 365804 (2020) ।
 107. टी.एस. दास, एस.डी. कौशिक, एस.एन. सारंगी, डी. सामल, शीतल, सी.एस. यादव, और एस.एल. सामल; प्रतिस्थापित एंटीफेरोमैग्नेटिक Mn_2SnS_4 , डाल्टन ट्रांजैक्शन 49, 6425 (2020) में मिश्रित–वैलेंटाइन सुरमा–प्रेरित विकार ।
 108. मोहम्मद एफ अब्दुल्ला, पी. पाल, के. चंद्रकांत, आर. जेना, शीतल, सी.एस. यादव और ए.के. सिंह; एमएन संशोधित $Ba_2Mg_2Fe_{12}O_{22}$ वाई–टाइप हेक्साफेराइट में एन्हांसड मैग्नेटिक एंड रूम टेम्परेचर इंट्रिंसिक मैग्नेटोडायइलेक्ट्रिक इफेक्ट, जर्नल ऑफ फिजिक्स: कंडेंसड मैटर 32, 135701 (2020) ।
 109. ए. वासदेव, ए. शिरोही, एम.के. हुड्डा, सी.एस. यादव, और जी. शीट; Cu इंटरकलेटेड $PdTe_2$, जर्नल ऑफ फिजिक्स: कंडेंसड मैटर 32, 125701 (2020) में एन्हांसड सजातीय प्रकार II सुपरकंडक्टिविटी ।
 110. सुरेंद्र लाल, सी.एस. यादव, के. मुखर्जी; लेयर्ड पेरोसाइट मल्टीफेरोइक $YBaCuFeO_5$ के चुंबकीय और ढांकता हुआ गुणों पर Co , Ni और Ga के डोपिंग का प्रभाव, जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल 498, 166124 (2020) ।
 111. आवेशित फुलरीन के अंदर फंसे परमाणुओं के कूलम्ब कारावास प्रतिध्वनि का व्यवस्थित अध्ययन, अफसल थुपिलाक्कडन, जोबिन जोस, और हरि आर. वर्मा, शारीरिक समीक्षा ए 102 (6), 062826 (2020) ।
 112. क्षणिक चरण विधियों का उपयोग करते हुए एंडोहेड्रली सीमित परमाणुओं के फोटोआयनीकरण चरण शिफ्ट और विग्नर समय विलंब, सुभाषिश साहा, अफसल थुपिलाक्कडन, हरि आर वर्मा, जोबिन जोस, यू.भौतिक. जे प्लस 135, 753 (2020) ।
 113. सुपरकूलड लीनियर पॉलीमर मेल्ट, जालिम सिंह, डी.सी. ठाकुर, और प्रशांत पी. जोस, एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2265, 030220 (2020) में घनत्व में छूट और पहले समन्वय शेल के घनत्व के बीच संबंध ।
 114. आकर्षक अंतःक्रियाओं के साथ और बिना बाइनरी मिश्रण बनाने वाले ग्लास की गतिशीलता में माध्य बल क्षेत्र की भूमिका, डीसी ठाकुर, जालिम सिंह, और प्रशांत पी. जोस एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2265, 030224 (2020) ।
 115. Th_1 उत्तेजक पॉलीप्रोटीन की खोज के लिए लीशमैनिया डोनोवानी–इम्यूनोप्रोटेमिक दृष्टिकोण के शुद्ध प्लीहा अमास्टिगोट्स । मिश्रा पी, टंडन आर, बसाक टी, सेनगुप्ता एस, दुबे ए. पैरासाइट इम्यूनोलॉजी, 2020 मई 16; ई12729. डीओआई: 10.1111 / पीआईएम.12729 ।
 116. कार्बनिक काउंटरो के सहसंयोजक संशोधन के माध्यम से पोस्ट–फंक्शनलाइजेशन: नोवेल हाइब्रिड

- पॉलीऑक्सोमेटेलेट सामग्री के लिए एक चरणबद्ध और नियंत्रित दृष्टिकोण ए. कार, सी.पी. प्रदीप डाल्टन ट्रांस. 2020, 49, 12174–12179।
117. एन्थ्रेसीन-टर्मिनेटेड ट्राइपोडल एमाइन लिगेंड और उनकी उत्प्रेरक क्षमता का उपयोग करके बड़े झुर्रियों वाले सोने के नैनोकणों का सुगम संश्लेषण एम। देवी, ए. धीर, सी.पी. प्रदीप उर. जे. इन्नॉर्ग. रसायन. 2020, 4516–4522।
118. सिंथेसिस, क्रिस्टल स्ट्रक्चर एंड सबस्टीट्यूटेड कंट्रोल्ड फोटोल्यूमिनेसेंस एंड केमोसेंसिंग प्रॉपर्टीज ऑफ ए सीरीज ऑफ 2,2'– (एरीलेनेडिविनाइलीन) बीआईएस–8–हाइड्रॉक्सीक्विनोलिन एस. सेहलंगिया, एम. देवी, एन. नायक, एन। गर्ग, ए. धीर, सीपी प्रदीप केमिस्ट्री सेलेक्ट 2020, 5, 5429–5436।
119. एसिडामिनोपाइरीमिडीन सिंथॉन के लिए 1–नेपथलीनएसेटिक एसिड और यूटिलाइजिंग हिर्शफेल्ड सरफेस कैलकुलेशन के कोक क्रिस्टल/नमक यू. गर्ग, वाई. अजीम, ए. कर, सी.पी. प्रदीप CrystEngComm 2020, 22, 2978–2989।
120. अल (III) के लिए फ्लोरोसेंट केमोसेंसर, चेलेशन–प्रेरित फ्लोरोसेंस एन्हांसमेंट और लाइव सेल इमेजिंग में इसके अनुप्रयोग पर आधारित एन. क्षीरसागर, आर. सोनावने, पी. पाटिल, जे. नंद्रे, पी. सुल्तान, एस. सहलांगिया, सी.पी. प्रदीप, वाई. वांग, एल. चैन, एस.के. साहू इन्नॉर्ग. चिम. एक्टा 2020, 511, 119805।
121. एन्थ्रेसीन आधारित चाल्कोन डेरिवेटिव्स का संश्लेषण और उपन्यास क्रिस्टल संरचना विश्लेषण टी. मेरी, पी. मदेला, सी.पी. प्रदीप, आर. सिंह, एस. बसावोजू मोल. क्रिस्ट. लीक. क्रिस्ट 2020, 692, 13–24।
122. सिंह, आशुतोष, संदेश कुमार पटेल, प्रतीक कुमार, कान्हू चरण दास, दीपांशु वर्मा, रोहित शर्मा, तिमिर त्रिपाठी, रजनीश गिरी, नतालिया मार्टिंस और नेहा गर्ग। “क्वेरसेटिन न्यूक्लियोटाइड–बाइंडिंग डोमेन से ट्रांसमेम्ब्रेन डोमेन तक सिग्नल ट्रांसडक्शन को बाधित करके पी–जीपी मॉड्युलेटर के रूप में कार्य करता है।” जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स (2020): 1–9।
123. कुमार, दीपक, अंकुर कुमार, तानिया भारद्वाज और रजनीश गिरी। “जीका वायरस NS4. एन–टर्मिनल क्षेत्र (1–48) NS3 हेलीकॉप्टर की NTPase गतिविधि को प्रेरित करने के लिए एक सहकारक के रूप में कार्य करता है लेकिन NS3 प्रोटीज।” जैव रसायन और जैवभौतिकी के अभिलेखागार 695 (2020): 108631।
124. कुमार, प्रतीक, तानिया भारद्वाज, अंकुर कुमार, भुवनेश्वरी आर. गेही, शिवानी के. कपुगंती, नेहा गर्ग, गोपाल नाथ और रजनीश गिरी। SARS-CoV-2 मुख्य प्रोटीज के खिलाफ अनुमोदित दवाओं की रीप्रोफाइलिंग: एक इन–सिलिको अध्ययन।” जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स (2020): 1–15।
125. कुमार, अंकुर, प्रतीक कुमार, और रजनीश गिरी। “जीका वायरस NS4A साइटोसोलिक क्षेत्र (अवशेष 1–48) एक आंतरिक रूप से अव्यवस्थित डोमेन है और लिपिड के लिए बाध्य होने पर फोल्ड होता है।” वायरोलॉजी 550 (2020): 27–36।
126. सौम्या, कुमार उदित, दीपक कुमार, प्रतीक कुमार और रजनीश गिरी। “डेंगू वायरस के विपरीत, जीका वायरस कैप्सिड के एन–टर्मिनल क्षेत्र में संरक्षित 14–23 अवशेष लिपिड इंटरैक्शन में शामिल नहीं हैं।” बायोचिमिका एट बायोफिजिका एक्टा (बीबीए) –बायोमेम्ब्रेन 1862, नं. 11 (2020): 183440।
127. शर्मा, नितिन, ओलिवर प्रॉसेर, प्रतीक कुमार, एंड्रयू टुपलिन और रजनीश गिरी। “छोटे अणु अवरोधक संभवतः जीका वायरस लिफाफा प्रोटीन के पुनर्व्यवस्था को लक्षित कर रहे हैं।” एंटीवायरल रिसर्च 182 (2020): 104876।
128. कुमार, अमित, प्रतीक कुमार, कुमार उदित सौम्या, शिवानी के. कपुगंती, तानिया भारद्वाज और रजनीश गिरी। “मल्टी–एपिटोप वैक्सिन विकास के लिए SARS-CoV-2 संरचनात्मक प्रोटीन की खोज: एक इन–सिलिको दृष्टिकोण।” टीकों की विशेषज्ञ समीक्षा 19, नं. 9 (2020): 887–898।
129. भारद्वाज, तानिया, कुमार उदित सौम्या, प्रतीक कुमार, नितिन शर्मा, कुंडलिक गढ़वे, व्लादिमीर एन. उवर्सकी और रजनीश गिरी। “जापानी एन्सेफलाइटिस वायरस–अंधेरे प्रोटिओम और विकार–कार्य प्रतिमान की खोज।” एफईबीएस जर्नल 287, नं. 17 (2020): 3751–3776।
130. कुमार, दीपक, पुष्पेंद्र मणि मिश्रा, कुंडलिक गढ़वे, और रजनीश गिरी। “विभिन्न विलायक स्थितियों के तहत p53 एन–टर्मिनल TAD2 क्षेत्र की संरचना संबंधी गतिशीलता।” बायोकेमिस्ट्री और बायोफिजिक्स के अभिलेखागार 689 (2020): 108459।
131. गढ़वे, कुंडलिक, दीपक कुमार, व्लादिमीर एन. उवर्सकी, और रजनीश गिरी। “अल्जाइमर रोग और एडी रोगजनन और चिकित्सा में उनकी भूमिका से जुड़े सिग्नलिंग मार्ग की एक भीड़।” औषधीय अनुसंधान समीक्षा (2020)।

132. शर्मा, नितिन, प्रतीक कुमार, और रजनीश गिरी। "पॉलीसेकेराइड जैसे पेंटागैलॉयलग्लूकोज, पैरिथिन ए और स्टेवियोसाइड जीका वायरस लिफाफा प्रोटीन को बांधकर वायरल प्रविष्टि को रोकता है।" *जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स* (2020): 1–13।
133. कुमार, दीपक, नितिन शर्मा, मुरली आरती, संजीव कुमार सिंह और रजनीश गिरी। "एपिगैलोकैटेचिन-3-गैलेट द्वारा जीका वायरस NS3 हेलीकॉप्टर निषेध में यंत्रवत अंतर्दृष्टि।" *एसीएस ओमेगा 5*, नं. 19 (2020): 11217–11226।
134. गढ़वे, कुंडलिक, प्रतीक कुमार, शिवानी के. कपुगंती, व्लादिमीर एन. उवर्सकी और रजनीश गिरी। "यूबिकिटिन-प्रोटिएसम सिस्टम से प्रोटीन का असंरचित जीव विज्ञान: कैंसर और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में भूमिकाएँ।" *बायोमोलेक्यूलस 10*, नं. 5 (2020): 796।
135. ब्रैमसन, जोनाथन, क्रिस्टोफर डब्ल्यू हेल्सन, गैलिना डेनिसोवा, रजनीश गिरी, और केनेथ एंथोनी मवासी। "ट्राइफंक्शनल टी सेल-एंटीजन कपलर और उसके तरीके और उपयोग।" *यूएस पेटेंट 10,435,453*, 8 अक्टूबर 2019 को जारी किया गया।
136. गढ़वे, कुंडलिक, अंकुर कुमार, प्रतीक कुमार, शिवानी के. कपुगंती, नेहा गर्ग, मिशेल वेंड्रस्कोलो और रजनीश गिरी। **SARS-CoV-2** लिफाफा प्रोटीन के सी-टर्मिनल डोमेन की संरचना की पर्यावरणीय निर्भरता।" *बायोरेक्सिव* (2020)।
137. सौम्या, कुमार उदित, कुंडलिक गढ़वे, अमित कुमार और रजनीश गिरी। "जीका वायरस कैप्सिड एंकर साइटोटोक्सिक अमाइलॉइड-जैसे फाइब्रिल बनाता है।" *बायोरेक्सिव* (2020)।
138. कुमार, अमित, प्रतीक कुमार, नेहा गर्ग और रजनीश गिरी। "स्पाइक, लिफाफा और न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन के साथ **SARS-CoV-2** मेम्ब्रेन प्रोटीन इंटरैक्शन में एक अंतर्दृष्टि।" *बायोरेक्सिव* (2020)।
139. खीस्तलेव, व्लादिस्लाव विक्टोरोविच, रजनीश गिरी, तात्याना अलेक्जेंड्रोवना खीस्तलेवा, शिवानी कृष्णा कपुगंती, अलेक्जेंडर निकोलेविच स्टोजारोव और विक्टर विटोल्डोविच पोबोइनव। **SARS-CoV-2** और अन्य कोरोनावायरस के पहले ORF में अनुवाद से जुड़े म्यूटेशनल यू-प्रेसर।" *माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियर्स 11* (2020): 2336।
140. गिरि, रजनीश, तानिया भारद्वाज, मीनाक्षी शोगने, भुवनेश्वरी आर. गेही, प्रतीक कुमार, कुंडलिक गढ़वे, क्रिस्टोफर जे. ओल्डफील्ड और व्लादिमीर एन. उवर्सकी। **SARS-CoV-2**, मानव **SARS** और **bat SARS**—जैसे कोरोनावायरस के डार्क प्रोटोमोम के तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से **COVID-19** को समझना।" *सेलुलर और आणविक जीवन विज्ञान 78*, नं. 4 (2021): 1655–1688।
141. ए कुमार, पी कुमार, एस कुमारी, वीएन उवर्सकी, गिरि आर *A p53 सी-टर्मिनल डोमेन का तह और संरचनात्मक बहुरूपता: कई अनुरूपताओं वाला एक पेप्टाइड। *जैव रसायन और बायोफिजिक्स के अभिलेखागार*। 2020 15 मई।
142. ए. सूद, ए. गुप्ता, जी. अग्रवाल, दवा वितरण और ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए पॉलीसेकेराइड आधारित बायोमैटिरियल्स में हालिया प्रगति, कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर टेक्नोलॉजीज और अनुप्रयोग 2021, 2, 100067।
143. आर यादव, सी सेल्वराज, एम आरती, पी कुमार, ए कुमार, एसके सिंह, गिरी आर* इन-सिलिको दृष्टिकोण के माध्यम से **ZIKA** वायरस से **NS2B-NS3** प्रोटीज को लक्षित फ्लेवोनोइड्स की आणविक अंतःक्रियाओं की जांच करना। *जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स*। 2020 जनवरी 13.
144. मयंक, डी कुमार, एन कौर, गिरी आर' एन सिंह'। **NS3**—हेलीकेस निरोधात्मक क्षमता के साथ एक कुशल एंटी-जीका वायरस लीड के रूप में **Biscoumarin** पाइ: इन-विट्रो और इन-सिलिको जांच। *रसायन विज्ञान का नया जर्नल*. 2020 जनवरी 3।
145. गढ़वे के, गेही बीआर, कुमार पी, जू बी, उवर्सकी वीएन, गिरी आर'। अल्जाइमर रोग का अंधेरा पक्ष: अमाइलॉइड कैस्केड सिग्नलिंग मार्ग से प्रोटीन का असंरचित जीव विज्ञान. *सेल मोल लाइफ साइंस*. 2020 जनवरी 2।
146. खीस्तलेव वीवी', खीस्तलेवा टीए, स्टोजारोव एएन, शर्मा एन, भास्कर बी, गिरि आर गिरि आर.ओ एडीनो—एसोसिएटेड वायरस के विकास के दौरान उत्परिवर्तनीय दबाव परिवर्तन का इतिहास: जीन थेरेपी और डीएनए-वैक्सीन वैक्टर डिजाइनरों के लिए एक संदेश। *संक्रमित जेनेट इवोल*। 2020 जनवरी;77:104100।
147. प्रकृति और सासंग प्रणालियों के तुलनात्मक मानव आंत माइक्रोबायोम विश्लेषण से संवैधानिक रूप से समान वर्गों में कार्यात्मक स्तर की समानता का पता चलता है। *फौजुल मोबीन, विकास शर्मा, तूलिका प्रकाश'। 3बायोटेक (बीआईटीसी) 2020, सितंबर; 10(9): 379.*
148. रबर ऑक्सीजनेज (रॉक्सा और रॉक्सबी) के सिलिको फंक्शनल एंड इवोल्यूशनरी एनालिसिस में। *विकास शर्मा, फौजुल मोबीन, तूलिका प्रकाश'। 3बायोटेक (बीआईटीसी) 2020, सितंबर; 10(9): 376.*

149. कावेरी नदी बेसिन, भारत पी जेना, केएस काशिविस्वनाथन, एस आजाद प्राकृतिक खतरे 104 (3), 2239–2259 2020 पर अत्यधिक सूखे की स्थानिक विशेषताएं और समुद्र की सतह के तापमान के साथ उनका जुड़ाव।
150. चरम घटनाओं की निगरानी के लिए हिमालयी क्षेत्र में वर्षा गेज नेटवर्क के इष्टतम विस्तार का डिजाइन ए सूरी, एस आजाद एजीयू फॉल मीटिंग एक्सट्रैक्ट्स 2020, ए183–0008 2020।
151. महामारी के प्रारंभिक चरण में सामाजिक नेटवर्क के माध्यम से भारत में COVID–19 के प्रसार पर नजर रखना एस आजाद, एस देवी जर्नल ऑफ ट्रैवल मेडिसिन 27 (8), taaa130 13 2020।
152. आईएमडी उच्च–रिजॉल्यूशन ग्रीडेड वर्षा (0.25 डिग्री 0.25 डिग्री) का प्रदर्शन विश्लेषण और उत्तर पश्चिमी हिमालय पर बादल फटने की घटनाओं का पता लगाने के लिए उपग्रह अनुमान पी जेना, एस गर्ग, एस आजाद जर्नल ऑफ हाइड्रोमेटेरोलॉजी 21 (7), 1549–1569 2 2020।
153. झोसोफिला अनाससे पी. सिंह, पी. नरुला, एस. आजाद फ्रंटियर्स इन बायोसाइंस (एलीट एडिशन) 12, 237–253 2020 की भारतीय प्राकृतिक आबादी में आनुवंशिक विविधता का विश्लेषण।
154. 30 जनवरी से 6 अप्रैल 2020 तक भारत में COVID–19 के सोशल नेटवर्क को उजागर करना एस आजाद, एस देवी प्रीप्रिंट्स 2020।
155. सबसे खराब स्थिति के तहत 29 मई 2020 तक भारतीय राज्यों में फैले COVID–19 के अल्पकालिक पूर्वानुमान एस आजाद, एन पुनिया प्रीप्रिंट्स 10 2020।
156. उत्तर पश्चिमी हिमालय जी दहिया, पी जेना, एस गर्ग, एस आजाद हिमालयन मौसम और जलवायु और पर्यावरण पर उनके प्रभाव में बादल फटने की घटनाओं के लिए उच्च संकल्प उपग्रह अनुमानों की अंतर–तुलना, 3–17 1 2020।
157. अनुकूल रूप से भारित अपघटन आधारित बहु–उद्देश्यीय विकासवादी एल्गोरिथम एसएस मेघवानी, एम ठाकुर एप्लाइड इंटेलेजेंस, 1–23। 2020।
158. कॉम्पैक्ट एबेलियन समूहों एम बॉनिक, क्यू जहान एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल हार्मोनिक विश्लेषण 49 (2), 471–494 पर तरंगिकाएं। 2020।
159. बेसिक रिप्रोडक्शन नंबर एस्टीमेशन एंड फोरकास्टिंग ऑफ कोविड–19: ए केस स्टडी ऑफ इंडिया, ब्राजील एंड पेरू (2021) नीतू कुमारी, सुमित कुमार, संदीप शर्मा, फतेह सिंह और राणा प्रसाद, कम्प्युनिकेशंस इन प्योर एंड एप्लाइड एनालिसिस (एम्स) स्वीकृत। (प्रभाव कारक 1.916)।
160. सौमेन कुंडू, नीतू कुमारी, सर्ईद कौआची और पीयू कुंडू (2021) “डिफ्यूजन, डिले और नॉनलाइनियर इंसिडेंस रेट के साथ हेरोइन मॉडल की स्थिरता और द्विभाजन विश्लेषण”, मॉडलिंग अर्थ सिस्टम्स एंड एनवायरनमेंट (स्प्रिंगर), स्वीकृत, <https://doi.org/10.1007/s40808-021-01164-x>.
161. विकास कुमार और नीतू कुमारी (2021) “द्विभाजन अध्ययन और समूह रक्षा और निष्क्रिय–जैसी गैर–मोनोटोनिक कार्यात्मक प्रतिक्रिया के साथ एक ट्राइट्रोफिक खाद्य श्रृंखला मॉडल का पैटर्न गठन विश्लेषण”, कैओस, सॉलिटॉन और फ्रैक्टल्स (एल्सेवियर) (प्रभाव कारक: 3.764) <https://doi.org/10.1016/j.chaos.2021.110964>.
162. निशीथ मोहन और नीतू कुमारी (2021) “क्रॉस डिफ्यूजन के साथ एक एसआई महामारी मॉडल की सकारात्मक स्थिर अवस्थाएँ” अनुप्रयुक्त गणित और संगणना (एल्सेवियर), स्वीकृत (प्रभाव कारक 3.472)।
163. नीतू कुमारी और निशीथ मोहन (2020) “क्राउले–मार्टिन कार्यात्मक प्रतिक्रिया के साथ एक डिफ्यूसिव ट्राइट्रोफिक सिस्टम में सकारात्मक समाधान और पैटर्न गठन।” नॉनलाइनियर डायनेमिक्स (स्प्रिंगर) 1–22। (प्रभाव कारक 4.604)।
164. विकास कुमार, नीतू कुमारी (2020) “डर इफेक्ट का उपयोग करके तीन प्रजातियों के खाद्य श्रृंखला मॉडल में अराजकता को नियंत्रित करना”, एम्स गणित 5 (2): 828–842।
165. संदीप शर्मा और नीतू कुमारी (2020) वायु प्रदूषण के संपर्क में आने वाली आबादी पर बारिश के प्रभाव की मॉडलिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉनलाइनियर साइंसेज एंड न्यूमेरिकल सिमुलेशन (डी गुटियर), <https://doi.org/10.1515/ijnsns-2017-0109>. (Impact factor 1.033).
166. विकास कुमार और नीतू कुमारी (2020) “फियर इफेक्ट के साथ हैसेल–वर्ली प्री–प्रीडेटर सिस्टम की स्थिरता और द्विभाजन विश्लेषण”, एप्लाइड एंड कम्प्यूटेशनल मैथमैटिक्स के इंटरनेशनल जर्नल (स्प्रिंगर) प्रेस में।
167. बिनायक नाथ, विकास कुमार, नीतू कुमारी (2020) प्रदीप रॉय और कृष्णा पाड़ा दास। “लेस्ली–गॉवर–टाइप ट्राइट्रोफिक फूड चेन मॉडल में कैओस को नियंत्रित करने में नरभक्षण की भूमिका”, नॉनलाइनियर स्टडीज, 27(3)।
168. ए. नाथ, विकास कुमार, नीतू कुमारी, एस मैती और केपी दास (2020) “ए स्टडी ऑफ कैओस एंड इट्स पॉसिबल

कंट्रोल इन ए इको-एपिडेमियोलॉजिकल मॉडल विथ ए अल्टरनेटिव फूड सोर्स इन प्रीडेटर एंड वीक एली इफेक्ट इन प्री स्पीशीज" नॉनलाइनियर स्टडीज, 27(3) ।

169. उपाध्याय ए, सुंदरिया एन, धीमान आर, प्रजापति वीके, प्रसाद ए और मिश्रा ए. 2021 । न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में जटिल समावेशन निकाय और दोषपूर्ण प्रोटीओम हब: नए सुराग, नई चुनौतियां । न्यूरोसाइंटिस्ट 3:1073858421989582 । डोई: 10.1177 / 10738584 21989582 ।
170. राव सी, यादव ए, कौर आर, प्रसाद ए, नंदी सीके । 2020 एक विशिष्ट कंट्रास्टिंग एजेंट के रूप में कार्बन नैनोडॉट्स का उपयोग करके प्रोटीन कोरोना का प्रत्यक्ष दृश्य । रासायनिक संचार 56 (88), 13599–13602 । doi.org/10.1039/D0CC06333A.
171. अरोड़ा एन, प्रसाद ए ' . 2020 टेनिया सोलियम प्रोटीन: प्रो और एंटी-इंप्लेमेटरी एंटीजन का एक सुंदर बहुरूपदर्शक । प्रोटीओमिक्स 17 (7–8), 609–622 की विशेषज्ञ समीक्षा । (डीओआई: 10.1080 / 14789450.2020.1829486) ।
172. अरोड़ा एन, कौर आर, अंजुम एफ, रावत एस, सिंह ए, त्रिपाठी एस, सिंह जी, प्रसाद ए ' . 2020 उत्तर भारत की शहरी और अत्यधिक स्थानिक ग्रामीण आबादी में न्यूरोसिस्टीसरकोसिस के निदान के लिए सिस्ट फ्लूइड आधारित एंजाइम इलेक्ट्रोइम्यून ट्रांसफर ब्लॉट का मूल्यांकन । क्लिनिका केमिका एक्टा. 508; 16-21. doi: 10.1016/j.cca.2020.05.006.
173. कुमार, वी.एन. राव, ए. कुमार, ए. मुश्ताक, एल. शर्मा, ए. हल्दर, एसके पाल, एमवी शंकर और वी. कृष्णन श्री-डायमेशनल कार्बोनेसियस एरोगल्स एंबेडेड विद आरएच-एसआरटीओ3 फॉर एनहांस्ड हाइड्रोजन इवोल्यूशन बाई एफिशिएंट चार्ज स्थानांतरण और प्रकाश अवशोषण । एसीएस एपल । एनर । मेटर । 2020, 3, 12134–12147 (DOI: 10.1021/acsaem.0c02229). (<https://pubs.acs.org/doi/abs/10.1021/acsaem.0c02229>).
174. एन. शर्मा, एके डे, आरवाई साठे, ए. कुमार, वी. कृष्णन, डीटीजे कुमार और सीएम नागराज पोर्फिरिन-आधारित धातु? कार्बनिक ढांचे द्वारा पानी से सीआर (VI) की अत्यधिक कुशल दृश्य-प्रकाश-चालित कमी: फोटोकैटलिटिक गतिविधि पर बैंड गैप इंजीनियरिंग का प्रभाव कैटल. विज्ञान तकनीक । 2020, 10, 7724–7733 (DOI: 10.1039/D0CY00969E). (<https://doi.org/10.1039/D0CY00969E>).
175. एल. जेम्स, एम. लेंका, एन. पांडे, ए. ओझा, ए. कुमार, आर. सारस्वत, पी. थरेजा, वी. कृष्णन और के. जसुजा टाइटेनियम डाइबोराइड से प्राप्त फोटोकैटलिटिक रूप से सक्रिय नैनोशीट्स के प्रोसेसेबल डिस्पर्सन्स: सेल्फ-हाइड्रोजेल और कागज जैसे मैक्रोस्ट्रक्चर में असेंबली । नैनोस्केल 2020, 12, 17121–17131 (DOI: 10.1039/d0nr03677c). (<https://pubs.rsc.org/en/content/articlelanding/2020/nr/d0nr03677c>).
176. एम. सिंह, ए. कुमार और वी. कृष्णन इंप्लुएंस् ऑफ डिफरेंट बिस्मथ ऑक्सीहाइड्रस ऑन फोटोकैटलिटिक एक्टिविटी ऑफ ग्रेफाइटिक कार्बन नाइट्राइड: ए कम्पेरेटिव स्टडी अंडर नेचुरल सनलाइट । मेटर । सलाह 2020, 1, 1262–1272 (DOI: 10.1039/D0MA00294A). (<https://pubs.rsc.org/en/content/articlelanding/2020/MA/D0MA00294A>).
177. एस. ढींगरा, टी. छाबड़ा, वी. कृष्णन और सी.एम. नागराज बायोमास-व्युत्पन्न एचएमएफ से डीएफएफ के दृश्यमान-प्रकाश-चालित चयनात्मक ऑक्सीकरण नोबल मेटल-फ्री Zn0-5Cd0-5S/MnO2 हेटेरोस्ट्रक्चर द्वारा H2 जनरेशन के साथ युग्मित. एसीएस एपल. एनर. मेटर. 2020, 3, 7138–7148 (DOI: 10.1021/acsaem.0c01189). (<https://pubs.acs.org/doi/10.1021/acsaem.0c01189>).
178. पी. चौधरी, ए. बहुगुणा, ए. कुमार, एस.एस. धनखड़, सी.एम. नागराजा और वी. कृष्णन ऑक्सीडाइज्ड ग्रेफाइटिक कार्बन नाइट्राइड हल्के परिस्थितियों में हाइड्रोजन स्थानांतरण प्रतिक्रियाओं के लिए एक स्थायी धातु मुक्त उत्प्रेरक के रूप में । हरा रसायन । 2020, 22, 5084–5095 (DOI: 10.1039/D0GC01123A). (<https://pubs.rsc.org/en/content/articlelanding/2020/gc/d0gc01123a>).
179. एम. साबरी, ए. हबीबी-यांगजेह, एच. चंद और वी. कृष्णन एक्टिवेशन ऑफ पर्सल्फेट बाय नॉवेल TiO2/FeOCl फोटोकैटलिस्ट अंडर विजिबल लाइट: फैंसिल सिंथेसिस एंड हाई फोटोकैटलिटिक परफॉर्मेंस । सितंबर पुरीफ । तकनीक । 2020, 250, 117268–1–13 (DOI: 10.1016/j.seppur.2020.117268). (<https://www.science direct.com/science/article/pii/S1383586620317421>).
180. एस. इशिहारा, ए. बहुगुणा, एस. कुमार, वी. कृष्णन, जे. लबुता, टी. नकानिशी, टी. तनाका, एच. कटौरा, वाई. कोन और

- डी. होंग कैस्केड रिएक्शन—आधारित एथिलीन सेंसिंग के लिए केमिरेसिस्टिव ऐरे . एसीएस सेंसर 2020, 5, 1405–1410 (DOI: 10.1021/acssensors.0c00194). (<https://pubs.acs.org/doi/10.1021/acssensors.0c00194>).
181. एच. कौर, एस. सिन्हा, वी. कृष्णन और आर. आर. कोनेर फोटोकैटलिटिक कमी और सीआर (VI) की मान्यता: उत्प्रेरक सतह के रूप में न्यू जेडएन (द्वितीय) आधारित धातु कार्बनिक ढांचा। उद्योग इंजी. रसायन। रेस. 2020, 59, 8538–8550 DOI: 10.1021/acs.iecr.9b06417). (<https://pubs.acs.org/doi/10.1021/acs.iecr.9b06417>).
182. पी. कुमार, ए. कुमार, एम. ए. रिजवी, एस. के. मूसवी, वी. कृष्णन, एम.एम. डुवेनहेज, डब्ल्यू.डी. रूस और एच.सी. स्वार्ट सरफेस, आरबी डोपेड ZnO नैनोपार्टिकल्स के ऑप्टिकल और फोटोकैटलिटिक गुण। आवेदन सर्फ. विज्ञान 2020, 514, 145930–1–16। (<https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0169433220306863>).
183. कुमार, वी.एन. राव, ए. कुमार, एम.वी. शंकर और वी. कृष्णन इंटरप्ले के बीच CaTiO₃ के मेसोक्रीस्टल और एज सल्फर परमाणु समृद्ध MoS₂ कम ग्रेफीन ऑक्साइड नैनोशीट पर: सूरज की रोशनी विकिरण के तहत फोटोकैटलिटिक प्रदर्शन को बढ़ावा दिया केमफोटोकेम 2020, 4, 427–444 (DOI: 10.1002/cptc.201900267). (<https://onlinelibrary.wiley.com/doi/abs/10.1002/cptc.201900267>).
184. बहुगुणा, ए. सिंह, पी. कुमार, डी. धस्माना, वी. कृष्णन और एन. गर्ग बिसिंडोलेमेथेन डेरिवेटिव्स अत्यधिक शक्तिशाली एंटीकैंसर एजेंटों के रूप में: संश्लेषण, औषधीय गतिविधि मूल्यांकन, सेल—आधारित यौगिक खोज, और कम्प्यूटेशनल लक्ष्य पूर्वानुमान कॉम्प। बायोल। मेड. 2020, 116, 103574–1–14। (<https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0010482519304287>).
185. वी. कुमार, एम. जेमई, एम. डेफोर्ट, एम. मलिक; समय के पैमाने पर आवेगों के साथ अलग—अलग स्विचड डायनेमिक सिस्टम के समय के एक वर्ग के लिए कुल नियंत्रणीयता परिणाम, एशियन जर्नल ऑफ कंट्रोल 1, 2020।
186. वी. कुमार, एम. मलिक; जनसंख्या गतिकी के लिए आवेदन के साथ समय के पैमाने पर भिन्नात्मक गतिशील प्रणाली का अस्तित्व, स्थिरता और नियंत्रणीयता परिणाम, गैर—रेखीय विज्ञान और संख्यात्मक सिमुलेशन के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 2020।
187. एस सिंह नेगी, एस अब्बास, एम मलिक; अनुप्रयोगों के साथ समय के पैमाने पर एक सामान्यीकृत डेल्टा व्युत्पन्न, अनुप्रयुक्त विज्ञान में गणितीय तरीके 43 (15), 9046–9079, 2020।
188. एस.एस. नेगी, एस. अब्बास, एम. मलिक, पीरियोडिक सॉल्यूशंस ऑफ द एन—प्रीज एंड एम—प्रिडेटर्स मॉडल विथ वेरिएबल रेट्स ऑन टाइम स्केल्स, इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड मैथमैटिक्स 51 (3), 945–967, 2020।
189. एम. मलिक, वी. कुमार; मलेशियाई गणितीय विज्ञान सोसायटी 43 (5), 3369–3394 1 2020 के समय के पैमाने पर युग्मित भिन्नात्मक गतिशील प्रणाली के अस्तित्व, स्थिरता और नियंत्रणीयता के परिणाम।
190. आर. धयाल, एम. मलिक, एस. अब्बास; गैर—तात्कालिक आवेगों और पॉइसन जंप के साथ भिन्नात्मक स्टोकेस्टिक अंतर समीकरण की अनुमानित और प्रक्षेपवक्र नियंत्रणीयता, एशियन जर्नल ऑफ कंट्रोल 3 2020।
191. एम. मलिक, ए. कुमार: अस्तित्व और नियंत्रणीयता के परिणाम दूसरे क्रम के तटस्थ अंतर समीकरण के साथ गैर—तात्कालिक आवेगों के साथ, जर्नल ऑफ कंट्रोल एंड डिजीजन 7 (3), 286–308 2 2020।
192. प्रियमेधा शर्मा, जसकीरत बराड़, भरत एम और आर बिंदु; GdCu मिश्र धातु में संरचनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक प्रभाव, GdCu alloy, J. Phys.: Condens. Matter 32 (2020) 305603.
193. एम. भरत, प्रियमेधा शर्मा, जसकीरत बराड़, पंकज आर. सागदेव, और आर. बिंदु Y-doped BaBiO₃, Eur के इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल गुण. भौतिक. जे. बी (2021) 94:59।
194. आर. धयाल, एम. मलिक, एस. अब्बास, ए. देबोचेय मिश्रित भिन्नात्मक ब्राउनियन गति द्वारा आवेगों के साथ संचालित दूसरे क्रम के स्टोकेस्टिक अंतर समीकरणों के लिए इष्टतम नियंत्रण, अनुप्रयुक्त विज्ञान में गणितीय तरीके 43 (7), 4107–4124 15 2020।
195. आर. चौधरी, एम. मुस्लिम, डी.एन. पाण्डेय क्रम के भिन्नात्मक स्टोकेस्टिक पूर्णांक—अंतर समीकरणों के समाधान का अनुमान (1, 2 स्टोचोस्टिक्स 92 (3), 397–417 1 2020।

196. एस.एस. नेगी, एस. अब्बास, एम. मलिक, एस.आर. सुंदर; समय के पैमाने पर —लाप्लासियन गतिशील समीकरणों के लिए नया दोलन मानदंड, रॉकी माउंटेन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स 50 (2), 659–670 2 2020 ।
197. एम. मलिक, वी. कुमार; समय के पैमाने पर गैर—तात्कालिक आवेगों के साथ वोल्टेरा इंटीग्रो—डायनेमिक सिस्टम का अस्तित्व, स्थिरता और नियंत्रणीयता परिणाम, आईएमए जर्नल ऑफ मैथमेटिकल कंट्रोल एंड इंफॉर्मेशन 37 (1), 276–299 13 2020 ।
198. एस. हर्षवर्तिनी, आर. शक्तिवेल, वाई.के. मा, एम. मुस्लिम; अराजक गैर—रेखीय वित्त प्रणाली, अराजकता, सॉलिटॉन और फ्रैक्टल्स 132, 109567 9 2020 के लिए परिमित समय लचीला दोष—सहिष्णु निवेश नीति योजना ।
199. आर. शक्तिवेल, एल.एस. राम्या, वाई.के. मा, एम. मलिक, ए. लीलामणि; एक्चुएटर दोष और इनपुट संतृप्ति के खिलाफ अनिश्चित स्वचंड असतत—समय प्रणालियों का स्थिरीकरण, नॉनलाइनियर विश्लेषण: हाइब्रिड सिस्टम 35, 100827 9 2020 ।
200. बीरेंद्र सिंह, डी. कुमार, वी. कुमार, एम. वोगल, एस. वुर्महल, एस. अश्वार्थम, बी. बुचनर, पी. कुमार; Gd_2ZnIrO_6 , arXiv: 2011.01470 2020 में भिन्नात्मक स्पिन उतार—चढ़ाव और क्वांटम तरल हस्ताक्षर ।
201. ए. सिंह, एम. वोगल, एस. वुर्महल, एस. अश्वार्थम, बी. बुचनर, पी. कुमार; Eu_2ZnIrO_6 , Phys में Eu^{3+} की जाली, पिन और इंटर—कॉन्फिगरेशनल उत्तेजनाओं का युग्मन. रेव. रिसर्च 2, 043179 1 2020 ।
202. ए. सिंह, एम. वोगल, एस. वुर्महल, एस. अश्वार्थम, बी. बुचनर, पी. कुमार; Nd_2ZnIrO_6 , Phys में क्रैमर डबल, फोनन, क्रिस्टल—फील्ड उत्तेजना और उनके युग्मन. रेव. रिसर्च 2, 023162 3 2020 ।
203. हिमांशी, बी. सिंह, पी. कुमार; सिलिकॉन के एकल क्रिस्टल में विसंगतिपूर्ण फोनन का सामान्यीकरण, एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2265, 030468 1 2020 ।
204. ए. कुमार, बी. सिंह, आर. कुमार, एम. कुमार, पी. कुमार; स्तरित MoS_2 , J.Phys.: Condens में अनिसोट्रोपिक इलेक्ट्रॉन—फोटॉन—फोनन युग्मन । बात 32, 415702 1 2020 ।
205. बी. सिंह, एम. वोगल, एस. वुर्महल, एस. अश्वार्थम, बी. बुचनर, पी. कुमार; डबल पेरोव्स्काइट Sm_2ZnIrO_6 , चैले में Kitaev $pqacdRo$ और भिन्नात्मक उत्तेजना. रेव. रिसर्च 2, 013040 2 2020 ।
206. दो सेमीकंडक्टर क्वांटम डॉट्स द्वारा मध्यस्थता वाले दो माइक्रोकैविटी मोड के बीच फोनन—प्रेरित बातचीत और उलझाव गठन जेके वर्मा, एच. सिंह, पीके पाठक, एस. ह्यूजेस. शारीरिक समीक्षा ए 102 (6), 063701 2020 ।
207. एच. सिंह, एम. दास, पीके पाठक; एक फोटोनिक क्रिस्टल गुहा में एकल क्वांटम डॉट का उपयोग करते हुए निरंतर दो—फोटॉन स्रोत. जर्नल ऑफ फिजिक्स बी: परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी 53 (15), 155503 2020 ।
208. पीएफ सिरिल, एम. तुर्क; सुपरक्रिटिकल कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग कर धातु नैनोस्ट्रक्चर का संश्लेषण: एक हरा और अपस्केलेबल प्रक्रिया छोटा 16 (49), 2001972 2 2020 ।
209. आर कुमार, एसवी दलवी, पीएफ सिरिल; नैनोपार्टिकल—आधारित दवाएं और फॉर्मूलेशन: वर्तमान स्थिति और उभरते अनुप्रयोग, एसीएस एप्लाइड नैनो मैटेरियल्स 3 (6), 4944–4961 16 2020 ।
210. के शर्मा, बी दास, पीएफ सिरिल; इंडोमेथेसिन का आणविक वितरण: ग्लासी करक्यूमिन पीएच—उत्तरदायी नैनोकणों के वर्षा पर प्रभाव, बढ़ी हुई घुलनशीलता, क्रिस्टल विकास और डिजाइन के साथ 20 (4), 2377–2389 3 2020 ।
211. आर. कुमार, पीएफ सिरिल; पानी में घुलनशीलता और जैवउपलब्धता को बढ़ाने के लिए सल्फामेथोक्साजोल के इंजीनियरिंग नैनोक्रीस्टलाइजेशन के लिए ड्रॉप—बाय—ड्रॉप सॉल्वेंट हॉट एंटीसॉल्वेंट इंटरैक्शन विधि, जर्नल ऑफ ड्रग डिलीवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी 55, 101359 6 2020 ।
212. बी प्रमाणिक, टी. कुमार, ए हल्दर, पीएफ सिरिल; फॉर्मिक एसिड ऑक्सीकरण प्रतिक्रियाओं में उनकी इलेक्ट्रोकेटलिटिक गतिविधि को ट्यून करने के लिए पैलेडियम नैनोस्ट्रक्चर की आकृति विज्ञान इंजीनियरिंग, नैनोस्केल एडवांस 2 (12), 5810–5820 3 2020 ।
213. आर. कुमार, ए. सिंह, के. शर्मा, डी. धस्माना, एन. गर्ग, पीएफ सिरिल; फेनोफिब्रेट और नैबुमेटोन लोडेड सॉलिड लिपिड नैनोपार्टिकल्स, मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग की तैयारी, लक्षण वर्णन और इन विट्रो साइटोटोक्सिसिटी: सी 106, 110184 23 2020 ।
214. एम. कुंभकर, आरके रे, के. घोषाल, वी.पी. सिंह; खुले चैनलों में वेग मॉडलिंग के लिए सैलिस एन्ट्रापी इंडेक्स की भूमिका पर, फिजिका ए: सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग 557, 124901 2 2020 ।
215. एम. कुंभकर, आरके रे, एसके चक्रवर्ती, के. घोषाल, एस. विजय पी.; सैलिस एंट्रापी, कम्युनिकेशंस इन नॉनलाइनियर

साइंस एंड न्यूमेरिकल सिमुलेशन 94 (मार्च 2021) 3 2020 का उपयोग करके ओपन चैनलों में स्ट्रीमवाइज वेलोसिटी प्रोफाइल का गणितीय मॉडलिंग।

216. एस मजी, एसके जैन, आरके रे, एके माजीय छवि बहाली के लिए एक युग्मित गैर-रेखीय टेलीग्राफ-प्रसार मॉडल के विकास पर, अनुप्रयोगों के साथ कंप्यूटर और गणित 80 (7), 1745–1766 2020।
217. ए. कुमार, आरके रे; संरचनात्मक द्विभाजन विश्लेषण, कम्प्यूटेशनल और अनुप्रयुक्त गणित 39, 1–32 2020 का उपयोग करते हुए वी आकार में कतरनी प्रवाह पिछले तीन वर्ग सिलेंडर के लिए अस्थिर प्रवाह पृथक्करण की सैद्धांतिक समझ।
218. अतेंद्र कुमार, राजेंद्र के राय; एक झुके हुए स्क्वायर सिलेंडर के पास शीयर फ्लो के लिए फ्लो फेनोमेनन का एक संरचनात्मक द्विभाजन विश्लेषण: 2 डी अस्थिर पृथक्करण के लिए आवेदन, द्रव गतिशीलता 55 (3) 2020।
219. ऋषभ सक्सेना, राजेंद्र के रे; ऊर्ध्वाधर नियंत्रण प्लेट के साथ एक झुके हुए वर्ग सिलेंडर के पास कतरनी प्रवाह का संख्यात्मक अध्ययन, में: कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी और सिमुलेशन (स्प्रिंगर) में हाल के अग्रिम 351–361 2021।
220. अश्विनी, राजेंद्र के रे; क्षैतिज नियंत्रण प्लेट के साथ शीयर फ्लो पास्ट स्क्वायर सिलेंडर का कम्प्यूटेशनल अध्ययन, इन: कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन (स्प्रिंगर) में हालिया अग्रिम 339–350 2021।
221. एस. माजी, आरके रे, एके माजी; ग्रे लेवल इंडिकेटर-आधारित रेगुलराइज्ड टेलीग्राफ डिफ्यूजन मॉडल: एप्लीकेशन टू इमेज डेस्पेक्लिंग, सियाम जर्नल ऑन इमेजिंग साइंसेज 13 (2), 844–870 1 2020।
222. अमित कुमार, राजेंद्र के रे, मिखाइल ए शेरमेट; नॉनलाइनियर मिश्रित संवहन और अरहेनियस एक्टिवेशन एनर्जी के साथ घूर्णन डिस्क पर नैनोफ्लुइड के डबल डिफ्यूसिव एमएचडी स्लिप फ्लो पर एन्ट्रॉपी जनरेशन, इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स (स्प्रिंगर) 1–17 2021।
223. एचवीआर मित्तल, राजेंद्र के रे, हर्मीस गडिल्हा, धीरज वी पाटिल; सतह तनाव, प्रायोगिक और कम्प्यूटेशनल मल्टीफेज फ्लो (स्प्रिंगर) 3(1) 21–37 2021 द्वारा संचालित इंटरफेसियल प्रवाह के अनुकरण के लिए एक युग्मित डूबे हुए इंटरफेस और स्तर सेट विधि।
224. ए. जोशी, एस. शर्मा, एन. मैककिनोन, एसके मसाकापल्ली जीनोम से केईजीजी ऑर्थोलॉजी (जी2केओ) पाइपलाइन टूल, इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज: कम्प्यूटेशनल लाइफ साइंसेज 12(3,311–322) 2020 का उपयोग करने वाले मल्टीपल माइक्रोब्स में कुशल सिस्टम वाइड मेटाबोलिक पाथवे तुलना।
225. ए. यादव, डी. सिंह, एम. लिंगवान, पी. यदुकृष्णन, एसके मसाकापल्ली, एस दत्ताय लाइट सिग्नलिंग और यूवी बी मध्यस्थता संयंत्र विकास विनियमन, जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव प्लांट बायोलॉजी 62 (9), 1270–1292 26 2020।
226. एम. लिंगवान, एस. शगुन, वाई. पंत, बी. कुमारी, आर. नंदा, एसके मसाकापल्ली रोडोडेंड्रोन अर्बोरियम पंखुड़ियों में पहचाने जाने वाले एंटीवायरल फाइटोकेमिकल्स ने SARS-CoV-2 MPro and Human ACE2 receptor, Preprints 2 2020.
227. पी. ज्योति, एम. श्री, सी. जोशी, टी. प्रकाश, एसके रे, एसएस सतपथीय एंटनर-डौडोरॉफ और नॉनऑक्सिडेटिव पेंटोस फॉस्फेट पाथवे बाइपास ग्लाइकोलाइसिस और ऑक्सिडेटिव पेंटोस फॉस्फेट पाथवे इन राल्स्टोनिया सोलानेसीरम, MSystems 5 (2), e00091-20 7 2020.
228. एस. अकरम, जे. ठाकुर, एम. श्री, एसके मसाकापल्ली, आरके नंदा; 13lh6, ग्लूकोज, बायोरेक्सिव 2020 का उपयोग करके मानव फेफड़े के कार्सिनोमा कोशिकाओं में ग्लिसरॉल और डे नोवो प्रोटीजेनिक अमीनो एसिड का काइनेटिक आइसोटोप ट्रेसिंग।
229. एन. मेहेंदले, एफ. जेन, सी. जोशी, एस. शर्मा, एसके मसाकापल्ली; बायोप्रोसेस की रीयल-टाइम चयापचय निगरानी के लिए एक परमाणु चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) मंच, अणु 25 (20), 4675 3 2020।
230. पी. ज्योति, एम. श्री, सी. जोशी, टी. प्रकाश, एसके रे, एसएस सतपथी; एंटनर-डौडोरॉफ पाथवे और नॉन-ऑक्सिपीपीपी ग्लाइकोलाइसिस और ऑक्सिपीपीपी को राल्स्टोनिया सोलानेसीरम, बायोरेक्सिव 2020 में बायपास करता है।
231. ए. मोरी, पी. ज्योति, टी. ठाकुर, एसके मसाकापल्ली, केवी उदय; बायोसिम्युलेशन में कैल्साइट वर्षा पैटर्न पर सीमेंटिंग सॉल्यूशन कंसंट्रेशन का प्रभाव, कंप्यूटर मेथड्स एंड जियोमैकेनिक्स में एडवांस, 737–746 1 2020।
232. टी. सेमवाल, एन. माली, एसके मसाकापल्ली, केवी उदय; मिट्टी की पारगम्यता, भू-तकनीकी विशेषता और मॉडलिंग पर पौधों की जड़ों का प्रभाव, 343–352 2020।

प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में स्वीकृत पत्र

1. विकास कुमार और नीतू कुमारी (2021) "फियर इफेक्ट के साथ हैसल-वर्ली प्री-प्रीडेटर सिस्टम का पैटर्न फॉर्मेशन

स्टडी”, एनआईटी जमशेदपुर में आयोजित एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, एफआईएम-2020, स्वीकृत।

2. सुमित कुमार, संदीप शर्मा, एफ. सिंह, पी एस भटनागर और नीतू कुमारी (2020) संभावित नियंत्रण रणनीतियों के साथ इटली में COVID-19 के लिए एक गणितीय मॉडल, COVID-19 (स्प्रिंगर) के संचरण के लिए गणितीय विश्लेषण में पुस्तक अध्याय।
3. नीतू कुमारी और शुभांगी द्विवेदी (2020) सिंक्रोनाइजेशन की मौलिक अवधारणाएं एक परिचय: शास्त्रीय से आधुनिक तक, अनुनाद वॉल्यूम। 25 (4), 539–566।
4. एच. यांग, एम.के. हुड्डा, सी.एस. यादव, डी. हार्बोव्स्की, ए. हौजी और वाई. क्लेन एनोमलस चार्ज ट्रांसपोर्टेशन ऑफ सुपरकंडक्टिंग Cu_xPdTe_2 अंडर हाई-प्रेसर फिजिकल रिव्यू बी 103, 235105 (2021)।
5. एन. अली, बी. सिंह, विजय आर., सुरेंद्र लाल, सी.एस. यादव, के. ताराफदर, और एस. घोष फेरो-मैग्नेटिज्म इन एमएन डोपेड जेडएनओ: एक संयुक्त सैद्धांतिक और प्रायोगिक अध्ययन जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सी 125, 7734 (2021)।
6. एस. चंद्रा, एस. अब्बास, मिश्रित वेइल-मार्चर्ड का विश्लेषण भिन्नात्मक व्युत्पन्न और बॉक्स आयाम, भग्न, स्वीकृत, 2021।
7. एस. चंद्रा, एस. अब्बास, द कैलकुलस ऑफ बिवरिएट फ्रैक्टल इंटरपोलेशन सर्फेस, फ्रैक्टल्स, प्रेस में, 2021
8. एस. धामा, एस. अब्बास, आर. शक्तिवेलय स्टेचोस्टिक निकोलसन के ब्लोपलाइज मॉडल के लिए टाइम स्केल्स पर लगभग ऑटोमोर्फिक सॉल्यूशन की स्थिरता और अनुमान, जर्नल ऑफ इंटीग्रल इक्वेशन एंड एप्लिकेशन, प्रेस, 2020 में।
9. एस.आर. ग्रेस, जी.एन. छतरिया, एस. अब्बास, समय के पैमाने पर गैर-विहित कार्यात्मक गतिशील समीकरणों का दूसरा क्रम दोलन, अनुप्रयुक्त विज्ञान में गणितीय तरीके, 2021, प्रेस में।
10. आर. धयाल, एम. मलिक, एस. अब्बास, गैर-तात्कालिक आवेगों के साथ भिन्नात्मक स्टोकेस्टिक अंतर समीकरण की अनुमानित और प्रक्षेपवक्र नियंत्रणीयता और पॉइसन जंप, एशियन जर्नल ऑफ कंट्रोल, प्रेस, 2020 में।
11. एस. धामा, एस. अब्बास, एक गैर-स्वायत्त लेस्ली-गॉवर प्री-प्रीडेटर मॉडल के लगभग ऑटोमोर्फिक समाधान की स्थायित्व, अस्तित्व और स्थिरता समय के पैमाने पर नियंत्रण प्रतिक्रिया शर्तों के साथ, अनुप्रयुक्त विज्ञान में गणितीय तरीके, प्रेस में, 1–14, 2020।
12. अल्ट्रा-लो ड्राइविंग वोल्टेज के साथ उच्च प्रदर्शन वाले कम रंग-तापमान OLEDs के लिए नए समाधान-प्रक्रिया योग्य होस्ट के साथ डिवाइस आर्किटेक्चर को कॉन्फिगर करना, दीक्षा ठाकुर, दीपक कुमार दुबे, रोहित अशोक कुमार यादव, सुब्रत बानिक, जयचंद्रन जया कुमार, चिएन-होंग चेंग, श्रूव-Huei श्रवन और सुब्रत घोष, ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, <https://doi.org/10.1016/j.orgel.2021.106127>.
13. पोजिशनल आइसोमेरिज्म के माध्यम से: सॉल्यूशन-प्रोसेस्ड OLED एफिशिएंसी इम्प्रूवमेंट के लिए एन्हांस्ड ट्रिपल हार्वेस्ट पर आणविक संरचना का प्रभाव, दीक्षा ठाकुर, मांगे राम नगर, अंजू तोमर, दीपक कुमार दुबे, सुनील कुमार, सुजीत सुधींद्रन स्वयंप्रभा, सुब्रत बानिक, ज्वो-हुई जौ, सुब्रत घोष, एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक सामग्री <https://doi.org/10.1021/acsaelm.1c00203>.

राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी और पत्र प्रस्तुति

- भरत एम., प्रियमेधा शर्मा, जसकीरत बराड़, और आर. बिंदु; डोपड $BaBiO_3$, AIP सम्मेलन की कार्यवाही 2265, 030362 (2020) की इलेक्ट्रॉनिक संरचना।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी और पत्र प्रस्तुति

डॉ. प्रोसेनजीत मंडल

- इंसेप्टर, मधुमेह के उपचार के लिए एक आशाजनक नया लक्ष्य. 10 मार्च 2021 को हेल्महोल्त्ज सेंटर म्यूनिख द्वारा आयोजित।

- मधुमेह अनुसंधान केंद्र (डीआरसी) द्वारा आयोजित आइलेट जीवविज्ञान कार्यशाला 12/20/20 | वाशिंगटन विश्वविद्यालय।
- चौथा अच्छा नैदानिक अभ्यास (जीसीपी): वर्चुअल वर्कशॉप – 2020, 18 – 20 दिसंबर, 2020, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।

डॉ. सैयद अब्बास

- एक लघु संगोष्ठी का आयोजन किया और सम्मेलन **ADENA, IIT गुवाहाटी, 2020** में एक भाषण दिया।

प्रो. चयन के. नंदी

- चयन के नंदी "कार्बोजेनिक नैनोडॉट्स के भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना" रसायन विज्ञान में हालिया विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एनआईटी दुर्गापुर, 3–5 मार्च 2021।
- नीरज सोनी, शिवेंद्र सिंह, शुभम शर्मा, गायत्री बत्रा, कुश कौशिक, चेतना राव, नवनीत सी. वर्मा, भास्कर मंडल, आदित्य यादव और चयन के नंदी "कार्बन नैनो डॉट्स में प्रकाश का अवशोषण और उत्सर्जन" एफसीएस वर्चुअल मीटिंग, आईआईटी बंबई, 7–12 दिसंबर 2020।

आमंत्रित व्याख्याता/वार्ता/सतत शिक्षा कार्यक्रम

1. प्रो. सुमन के. पाल ने सामग्री अनुसंधान केंद्र, एमएनआईटी, जयपुर द्वारा आयोजित "सामग्री विशेषता के लिए स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक" पर एक सप्ताह के लघु अवधि पाठ्यक्रम में क्षणिक अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी: सामग्री में तेजी से प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए 4 – 8 जनवरी, 2021 को एक उपकरण पर वार्ता दी।
2. डॉ. अमित बी. पवार ने 29 जनवरी 2021 को आईआईटी जोधपुर में "सीपीसीओ (III)–उत्प्रेरित सीएच फंक्शनलाइजेशन" पर एक व्याख्यान दिया।
3. डॉ. भास्कर मंडल ने 19–24 जनवरी, 2021 को आईआईटी इंदौर, भारत में "सामग्री इंजीनियरिंग के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी" विषय पर एआईसीटीई प्रायोजित ऑनलाइन क्यूआईपी पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान दिए।
4. डॉ. गरिमा अग्रवाल ने वीआईटी-नैनो-प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र (फरवरी 2021) में संकाय विकास कार्यक्रम में "लक्षित अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट पॉलिमर और नैनो/सूक्ष्म सामग्री" पर एक आमंत्रित वार्ता दी।
5. डॉ. गरिमा अग्रवाल ने आईआईटी पटना (दिसंबर 2020) में "रमन एंड डीएलएस एनालिसिस ऑफ पॉलीमरिक बायोमैटिरियल्स" पर एक आमंत्रित वार्ता दी।
6. डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने 10 जुलाई, 2020 को कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मणिपाल में रिसर्च सेल के लिए एक अतिथि व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक था "इंसुलिन प्रतिरोध और मधुमेह के रोगजनन में हाइपरिन्सुलिनमिया: अग्नाशय बीटा-सेल और परिधीय अंगों के बीच एक परस्पर क्रिया"।
7. डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने 8 अगस्त, 2020 को आईक्यूएसी के साथ पंसकुरा बनमाली कॉलेज द्वारा आयोजित पर्यावरण और रोग पर राष्ट्रीय वेबिनार में एक भाषण दिया, जिसका शीर्षक था "चयापचय रोगों में पर्यावरण कारक"।
8. डॉ. सैयद अब्बास ने आईआईटी दिल्ली, 2021 में आयोजित एनटीएसई शिविर में "गणित" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
9. डॉ. सैयद अब्बास ने बाल विज्ञान कांग्रेस, आईआईटी मंडी, 2020 में "गणित के महत्व" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
10. डॉ. सैयद अब्बास ने TISS, मुंबई, 2020 द्वारा एक वेबिनार में "फ्रैक्शनल कैलकुलस और एप्लिकेशन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
11. प्रो. सुब्रत घोष ने जुलाई 2020 में एनआईटी राउरकेला में एक वेबिनार में "केवल ट्रिपल एनर्जी नं. PHOLED प्रदर्शन पर आणविक होस्ट की संरचनात्मक संरचना का प्रभाव" पर एक वार्ता दी।
12. डॉ. गिरीश शर्मा ने यूनिवर्सिटी ऑफ बेसल, स्विटजरलैंड में अतिथि ऑनलाइन संगोष्ठी, "सुपरकंडक्टिविटी एंड मेटैलिक स्टेट ट्रांसपोर्ट इन मैजिक एंगल टिवस्टेड बाइलेयर ग्राफीन", अगस्त 2020 दिया।
13. डॉ. गिरीश शर्मा ने लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेटरी (यूएसए), "सुपरकंडक्टिविटी एंड मेटैलिक स्टेट ट्रांसपोर्ट इन मैजिक एंगल टिवस्टेड बाइलेयर ग्रेफीन", अगस्त 2020 में अतिथि ऑनलाइन सेमिनार दिया।
14. डॉ. सी.एस. यादव ने APW-RIKEN-सिंधुआ-कावली कार्यशाला "संघनित पदार्थ भौतिकी पर प्रकाश डाला"

दिनांक: 2–4 सितंबर, 2020 में “असामान्य क्वांटम दोलनों और ZrTe₅ में टोपोलॉजिकल सतह अवस्थाओं” पर दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।

15. डॉ. सी.एस. यादव ने 14 सितंबर, 2020 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली में संकाय विकास कार्यक्रम में ‘संघनित पदार्थ में विदेशी क्वांटम घटना’ पर दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।

आयोजित कार्यशाला / सम्मेलन

- बच्चों के विज्ञान कांग्रेस 2020 के लिए हिमाचल विद्यालय शिक्षकों की आभासी प्रशिक्षण कार्यशाला, (13 अक्टूबर, 2020) आयोजक: डॉ. अजय सोनी, डॉ. सैयद अब्बास, डॉ. अदिति हल्दर, डॉ. प्रोसेनजीत मंडल, डॉ. एस रॉय चौधरी (एससीईई से), प्रो. एससी जैन और डॉ. स्वाति शर्मा (एसई से)।
- डिफरेंशियल इक्वेशन और उनके अनुप्रयोगों पर वर्चुअल वर्कशॉप (27–28 नवंबर, 2020) आयोजक: डॉ. मुस्लिम मलिक और डॉ. प्रमोद (एसई से)।
- “माइक्रोब और प्लांट सिस्टम के फ्लक्सोमिक्स (फ्लक्सएमएपीएस 2021)” पर भारत-यूके संगोष्ठी, 24–25 मार्च, 2021 को आईआईटी मंडी और यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूके द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। यह आयोजन एमएचआरडी-स्पार्क और यूकेआईईआरआई द्वारा समर्थित है। आयोजक: डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली।

पेटेंट दायर / सम्मानित किया गया

| क्रम सं. | पेटेंट आवेदन संख्या | पेटेंट शीर्षक | आविष्कारक | सह-आविष्कारक | स्थिति |
|----------|---|--|---|---|----------------|
| 1 | पेटेंट आवेदन संख्या 201711003716 पेटेंट संख्या: 342426 | एल्यूमिन के विजुअलाइजेशन और मात्रा के ठहराव के लिए यौगिक, तैयार करने और उसके उपयोग की विधि | प्रो. सुब्रत घोष और डॉ. प्रोसेनजीत मंडल | गौरव डे | मंजूर किया गया |
| 2 | पेटेंट आवेदन संख्या 202011038666 | “औषधीय संरचना जिसमें कम खुराक वाले नाल्ट्रेक्सोन (एलडीएन) और जीएलपी1 एगोनिस्ट (एक्सेंडिन4) औरथ्या एंटी-माइक्रोबियल के नैनो फॉर्मूलेशन शामिल हैं” | डॉ. प्रोसेनजीत मंडल | अभिनव चौबे | दायर |
| 3 | पेटेंट आवेदन संख्या 202011019980 | “सुपर रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी और उसके आवेदन की विधि के लिए नई जांच के रूप में कार्बोजेनिक फ्लोरोसेंट नैनोडॉट” | प्रो. चयन के. नंदी | नवनीत सी वर्मा, आदित्य यादव, चेतना राव | दायर |
| 4 | पेटेंट आवेदन संख्या 202011021910 | “मल्टीमॉडल मैग्नेटोफ्लोरोसेंट कोर शेल सुपरपारामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोडॉट्स का सिंगल स्टेप सिंथेसिस” | प्रो. चयन के. नंदी डॉ. जसप्रीत के रंधावा | आशीष तिवारी, अनूप सिंह | दायर |
| 5 | पेटेंट आवेदन संख्या 202141007495 | “हाइड्रॉक्सी-पॉलीमर का उपयोग करके आई-लाइन प्रतिरोध विघटन मॉड्यूलन के लिए एक प्रक्रिया” | प्रो. प्रदीप सी. परमेश्वरन, डॉ. सतिंदर शर्मा, प्रो. सुब्रत घोष, प्रो. केनेथ ई. गॉसाल्वेस | संतू नंदी, ललित खिलारे, एम. योगेश, सुमन दोलाई, नारायण तिवारी, परितोष जैन और सुरिंदर सिंह। | दायर |
| 6 | पेटेंट आवेदन संख्या 202111015581 | “शोधित पानी के अपशिष्ट से अपशिष्ट को केंद्रित करने और मूल्यवान गैसों के उत्पादन के लिए प्रणाली और विधि” | डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली डॉ. अतुल धर | ज्योतिका ठाकुर, हेमंत ठाकुर | दायर |

पेशेवर उपलब्धियां, सम्मान और पुरस्कार

1. डॉ. अमित बी. पवार वर्तमान में सिंथेटिक रिएक्शन अपडेट्स के लिए वैज्ञानिक संपादक काम कर रहे हैं, जो रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री से ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए एक साहित्य अद्यतन सेवा है।
2. डॉ. भास्कर मंडल अतिथि संपादक के रूप में कार्यरत: कम्प्यूटेशनल बायोफिजिक्स एंड केमिस्ट्री, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिकेशन के जर्नल में "कम्प्यूटेशनल कैटलिसिस" पर विशेष अंक।
3. डॉ. सैयद अब्बास को "ग्लोबल यंग एकेडमी", 2020 के सदस्य के रूप में शामिल किया गया।
4. प्रो. चयन के. नंदी: अतिथि संपादक, रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स (जून 2020)।
5. पांच संकाय सदस्य प्रोफेसर बने हैं:
डॉ. सुमन के. पाल
डॉ. सुब्रत घोष
डॉ. प्रेम एफ. सिरिल
डॉ. चयन के. नंदी
डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन

व्यावसायिक संस्थाओं की सदस्यता

1. डॉ. सैयद अब्बास इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डिफरेंस इक्वेशन के सदस्य हैं।
2. प्रो. चयन के नंदी मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया, 2020 के आजीवन सदस्य हैं।
3. डॉ. गिरीश शर्मा अमेरिकन फिजिकल सोसायटी के सदस्य हैं।
4. डॉ. सी.एस. यादव अमेरिकन फिजिकल सोसायटी के सदस्य हैं।

लोकसंपर्क गतिविधियाँ

- डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने 13 अक्टूबर-2020 में हिमकोस्टे और शिक्षा विभाग, एचपी, भारत सरकार द्वारा आयोजित बाल विज्ञान कांग्रेस में एक भाषण दिया।

अन्य जानकारी

1. डॉ. नवनीत चंद्र वर्मा को कार्बन पदार्थों के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध के लिए यह पुरस्कार मिला था। उन्होंने प्रो. चयन के. नंदी के मार्गदर्शन में अपनी पीएचडी वर्ष 2020 में पूर्ण की थी।
2. डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती के दो पूर्व एमएससी. (रसायन विज्ञान) छात्रों को पीएमआरएफ मिला (एक आईआईटी कानपुर में पीएचडी कर रहे हैं और दूसरे आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी कर रहे हैं।)।
3. पहली बार हमने दूरस्थ इंटरशिप की पेशकश की, डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती की देखरेख में छात्र श्री चिराग अरोड़ा (आईआईटी खड़गपुर के एमएससी रसायन विज्ञान के अंतिम वर्ष के छात्र) शामिल हुए। अब वे प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, यूएसए में पीएचडी करने के लिए चयनित हुए।
4. प्रो. सुब्रत घोष ने कई पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया, जैसे पीएचडी थीसिस समीक्षक और अन्य संगठनों के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भी कार्य किया।




3.4 मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस)

वर्ष 2020–21 की प्रकृति अभूतपूर्व थी। यह अनिश्चितता के वर्ष के रूप में शुरू हुआ, जिसमें अकादमिक समुदाय इस बात से अनजान था कि स्थिति से कैसे निपटा जा सकता है और फिर नई वास्तविकता से निपटने के विकल्पों की खोज कर रहा है। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल ने भी संघर्ष किया और स्थिति का सामना किया, जैसा कि बाकी दुनिया ने किया था। चुनौतियों के बावजूद, स्कूल के फैकल्टी को स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक विकास चुनौतियों से सामना करते हुए बाहरी रूप से वित्त पोषित/प्रायोजित नई परियोजनाएं मिलीं। प्रतिष्ठित प्रेस (कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, ड्यूक यूनिवर्सिटी प्रेस, सेज, एल्सेवियर, टेलर और फ्रांसिस आदि सहित) के शीर्ष अकादमिक आउटलेट्स में मोनोग्राफ, संपादित खंड, जर्नल पेपर, व्यक्तिगत रूप से, छात्रों के साथ और सहयोग के हिस्से के रूप में प्रकाशित किए गए थे। संकाय सदस्यों ने ऑनलाइन आयोजित कई राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। देश के सभी हिस्सों के सरकारी अधिकारियों को ऑनलाइन मोड में प्रशिक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण कार्यशालाएं, जैसे कि जलवायु भेद्यता मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गईं।



स्कूल ने 2020 में विकास अध्ययन में एमए (2018–20 बैच) के स्नातकों के पहले बैच के रूप में नई ऊंचाइयों को छुआ। दूसरे बैच (2019–21) के लिए, जबकि फील्ड स्टडी आयोजित नहीं की जा सकी, स्कूल ने समूह-परियोजना आधारित: संकट और पुनर्प्राप्ति: COVID-19 पर एक निर्देशित परियोजना नामक नये पाठ्यक्रम की शुरुआत की। पाठ्यक्रम को छात्रों को, विशेष रूप से एमए विकास अध्ययन में, मुद्दों का निदान करने और उन उपायों का सुझाव देने के लिए डिजाइन किया गया था जो राज्य को वर्तमान COVID 19 संकट के दौरान लचीला और उत्तरदायी प्रणाली बनाने में मदद करे। इतिहास के क्षेत्र में स्कूल ने अपना तीसरा पीएचडी छात्र दीक्षांत समारोह 2020 भी मनाया, जैसा कि मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल संस्थान की व्यापक दृष्टि के भीतर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के लिए आगे बढ़ता है, चुनौतिपूर्ण वर्ष 2020–21 सफलता प्राप्त करने के लिए चुनौतियों पर काबू पाने के एक विलक्षण वर्ष के रूप में सामने आता है।

विकास अध्ययन में एमए के 12 छात्रों का पहला अग्रणी बैच मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल से उत्तीर्ण हुआ था।



संकाय

| क्रम सं. | नाम और विशेषज्ञता | फोटो |
|----------|--|---|
| 1 | <p>डॉ. सुमन सहायक प्राध्यापक और अध्यक्ष विशेषज्ञता: उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद के बाद, साम्राज्यवाद और रोमांस साहित्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पीएचडी गृह नगर: फरीदाबाद फोन: 01905-267919 ईमेल: suman.sigroha</p> |  |
| 2 | <p>डॉ. अरुणा बोम्मरेड्डी सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य, अंग्रेजी में भारतीय साहित्य हैदराबाद विश्वविद्यालय से पीएचडी गृह नगर: हैदराबाद, आंध्र प्रदेश फोन: 01905-267121 ईमेल: aruna</p> |  |
| 3 | <p>डॉ. देविका सेठी सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: आधुनिक भारतीय इतिहास, उपनिवेशवाद और उपनिवेशवाद, फ्री स्पीच और सेंसरशिप जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से पीएचडी गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश फोन: 01905 267244 ईमेल: devika</p> |  |

| | | |
|----|---|---|
| 4 | <p>डॉ. मनु वी. देबदेवन सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: दक्षिण एशिया में साहित्यिक अभ्यास, पूर्व-आधुनिक दक्षिण एशिया और दक्षिण एशियाई पुरालेख में राजनीतिक और आर्थिक प्रक्रियाएं मैंगलोर विश्वविद्यालय, मंगलगंगोत्री, मैंगलोर से पीएचडी फोन: 01905-267147 ईमेल: manu</p> |  |
| 5 | <p>डॉ. नेहा कौशिक सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: अनुवाद अध्ययन, महिला लेखन, तुलनात्मक भाषाविज्ञान, जर्मन अध्ययन जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से पीएचडी गृह नगर: नई दिल्ली फोन: 267267 ईमेल: nehakaushik</p> |  |
| 6 | <p>डॉ. नीलांबर छेत्री सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: समाजशास्त्र जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से पीएचडी गृह नगर: कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल फोन: 267269 ईमेल: nilamber</p> |  |
| 7 | <p>डॉ. पूरन सिंह सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कॉर्पोरेट वित्त, माइक्रोफाइनेंस पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से पीएचडी गृह नगर: मंडी, हिमाचल प्रदेश फोन: 01905 267916 ईमेल: puran</p> |  |
| 8 | <p>डॉ. राजेश्वरी दत्त सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: लैटिन अमेरिका, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, यूएसए से पीएचडी गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267043 ईमेल: rdutt</p> |  |
| 9 | <p>डॉ. रमना ठाकुर सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: विकास अर्थशास्त्र हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से पीएचडी गृह नगर: मंडी फोन: 01905-267044 ईमेल: ramna</p> |  |
| 10 | <p>डॉ. सौम्या दीक्षित सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: उपभोग के बाद उपभोक्ता व्यवहार, ई-अपशिष्ट प्रबंधन, ई-वोम प्रबंधन आईआईआईटी इलाहाबाद से पीएचडी गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश ईमेल: saumya</p> |  |
| 11 | <p>डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: ऊर्जा और पर्यावरण अर्थशास्त्र, जलवायु परिवर्तन का अर्थशास्त्र, अनुप्रयुक्त अर्थमिति जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता से पीएचडी गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267122 ईमेल: shyamasree</p> |  |

| | | |
|----|---|---|
| 12 | <p>डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: धर्म का समाजशास्त्र, शहरी समाजशास्त्र, सुधार के बाद का भारत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे से पीएचडी गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267136 ईमेल: surya</p> |  |
| 13 | <p>डॉ. वरुण दत्त सह-प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति) विशेषज्ञता: निर्णय और निर्णय लेना, पर्यावरणीय निर्णय लेना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव-कंप्यूटर संपर्क कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, यूएसए से पीएचडी गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267150 ईमेल: varun</p> |  |

अभ्यागत एवं सहायक संकाय

| | | |
|----|---|--|
| 14 | <p>डॉ. पूर्णिमा बाजरे अभ्यागत सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के साथ भाषा प्रसंस्करण और प्रारंभिक शिक्षा आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी गृह नगर: पटना ईमेल: purnimabajre</p> |  |
| 15 | <p>डॉ. इंग्रिड शॉकी संयुक्त सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: पर्यावरण समाजशास्त्र ब्रैंडिस यूनिवर्सिटी, यूएसए से पीएचडी गृह नगर: नॉर्थम्पटन, एमए, यूएसए</p> |  |
| 16 | <p>प्रो. वेंकटरमण रंगनाथन अभ्यागत विशिष्ट प्राध्यापक विशेषज्ञता: अर्थशास्त्र, ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन आईआईएम अहमदाबाद से पीएचडी गृह नगर: बेंगलुरु ईमेल: ranga</p> | |
| 17 | <p>श्री गोकुल सोमशेखरन शिक्षण साथी विशेषज्ञता: जर्मन साहित्य फ्री यूनिवर्सिटी बर्लिन से पीएचडी गृह नगर: त्रिशूर, केरल फोन: 01905-267144 ईमेल: gokul</p> | |

बाहरी रूप से प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

| क्रम सं. | आईआईटी मंडी संदर्भ / परियोजना संख्या | परियोजना का शीर्षक | प्रायोजक एजेंसी | प्रधान अन्वेषक और समन्वयक | विभाग / स्कूल | स्वीकृत राशि (₹.) | परियोजना की अवधि |
|----------|--------------------------------------|---|------------------------------------|--|----------------------------|-------------------|------------------|
| 1 | आईआईटीएम/ डीआईआरआई/ पीएस/237 | बैंकिंग सेवा के अंतिम छोर तक बेहतर वितरण में आधार की भूमिका: हिमाचल प्रदेश का एक अध्ययन | डिजिटल पहचान अनुसंधान पहल | डॉ. पूरन सिंह (पीआई), डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता (सह-पीआई) | एसएचएसएस | 43,45,380 | 20 महीने |
| 2 | आईआईटीएम/ डीबीटी-इंजो-यूके/ एसएस/192 | स्मार्ट कृषि: किसान क्षेत्र | डीबीटी | डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन (पीआई), डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता (सह-पीआई) | एससीईई, एसबीएस और एसएचएसएस | 7,16,00,000 | 3 वर्ष |
| 3 | आईआईटीएम/ टीडीडी-एचपी/आरटी/231 | हिमाचल प्रदेश की जनजातियों की सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा | जनजातीय विकास विभाग, हिमाचल प्रदेश | डॉ. रमना ठाकुर (पीआई), डॉ. राजेश्वरी दत्त (सह-पीआई) | एसएचएसएस | 5,00,000 | 3 वर्ष |

| | | | | | | | |
|----|--|---|---|---|----------------------------|------------------------|-----------------|
| 4 | आईआईटीएम / डीएसटी-आईसीपीएस / वीडि / 251 | साइबर सुरक्षा में धोखे का उपयोग करते हुए हैकर के निर्णय के प्रयोग और कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग को शामिल करने वाला एक गेम थ्योरेटिक दृष्टिकोण | डीएसटी-आईसीपीएस | डॉ. वरुण दत्त (पीआई), डॉ. वी.एस.सी पम्मी सीबीसीएस, विश्वविद्यालय इलाहाबाद | एसएचएसएस और एससीईई | 31,00,000 | 3 वर्ष |
| 5 | आईआईटीएम / डेस्ट-एचपी / वीडि / 240 | वायु प्रदूषण की सार्वजनिक धारणा और कम लागत वाली वायु प्रदूषण संवेदन और चेतावनी प्रणाली का विकास और परीक्षण | डेस्ट, एचपी | डॉ. वरुण दत्त (पीआई), ईआर. प्रतीक चतुर्वेदी डीटीआरएल, डीआरडीओ | एसएचएसएस और एससीईई | 6,79,679 | 2 वर्ष |
| 6 | आईआईटीएम / डीआरडीओ-डीटीआरएल / वीडि / 179 | कम लागत वाले भूस्खलन पूर्व चेतावनी समाधानों का विकास और मूल्यांकन | डीआरडीओ-डीटीआरएल | डॉ. वरुण दत्त (पीआई), डॉ. वेंकट उदय कला (सह-पीआई) एसई | एसएचएसएस और एससीईई | 9,99,460 | 3 वर्ष |
| 7 | आईआईटीएम / एनडीएमए / वीडि / 184 | कम लागत वाले भूस्खलन निगरानी समाधानों का विकास और मूल्यांकन | एनडीएमए | डॉ. वरुण दत्त (पी.आई.), डॉ. वेंकट उदय कला (सह-पीआई) एसई | एसएचएसएस और एससीईई | 27,85,080 | 3 वर्ष |
| 8 | आईआईटीएम / एमएचआरडी-स्पार्क / आरटी / 259 | क्षेत्र की कमी और गैर-संचारी रोगों की व्यापकता: पंजाब में ब्लॉक स्तर पर विश्लेषण | एमएचआरडी-स्पार्क | डॉ. रमना ठाकुर (पीआई), डॉ. राजेश्वरी दत्त और डॉ. चंदर सिंह (सह-पीआई) और सहयोग के साथ टेक्नीश यूनिवर्सिटी बर्लिन से प्रो. मार्टिन सीगल (पीआई) और हेल्महोल्ड-जेंद्रम म्युनिख से डॉ. वार्नर मायर (सह-पीआई) | एसएचएसएस | 60,88,190 | 2 वर्ष |
| 9 | आईआईटीएम / डीएसटी / एसडीजी / 278 | भारत के लिए सुभेद्यता प्रोफाइल: राज्य और जिला स्तर | डीएसटी | डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता | एसएचएसएस | 80,51,832 | 10 महीनें |
| 10 | आईआईटीएम / एसडब्ल्यू-एफडीएफए / एसडीजी / 34 | एक सामान्य कार्यप्रणाली ढांचे का उपयोग करके राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु भेद्यता और जोखिम मूल्यांकन | विकास निगम के लिए स्विस एजेंसी (एसडीसी) | डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता | एसएचएसएस | 65,52,238 | 1 वर्ष 3 महीनें |
| 11 | आईआईटीएम / एलयू-एसडब्ल्यू / एसवाईएस / 330 | विकासशील देशों में कोयला आधारित अर्थव्यवस्थाएं: मेगा थर्मल पावर प्लांट के आसपास एक पर्यावरण, स्वास्थ्य और लागत मूल्यांकन | वी.आर.: स्वीडिश अनुसंधान परिषद | डॉ. सायंतन सरकार (पीआई), डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता सह-पीआई) | एसई और एसएचएसएस | ~90,00,000 आईआईटी मंडी | 3 वर्ष |
| 12 | आईआईटीएम / आईसीएसएसआर / एसएसजी / 264 | हिमाचल प्रदेश में स्थित नाजुक हिमालय में सतत विकास के लिए मौखिक इतिहास और धर्म के अंतर्संबंधों का अध्ययन | आईसीएसएसआर | डॉ. सुमन सिंगरोहा | एसएचएसएस | 5,00,000 | 2 वर्ष |
| 13 | आईआईटीएम / आईसीएसएसआर / आरटी / 289 | क्या भारत में गैर-संचारी रोगों को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य नीतियों को लिंग संबंधी विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करने की आवश्यकता है? | आईसीसीएसएसआर | डॉ. रमना ठाकुर | एसएचएसएस | 10,00,000 | 2 वर्ष |
| 14 | आईआईटीएम / डीएसटी / एकेपी / 312 | छोटे पैमाने पर फल और सब्जी की खेती और कटाई के बाद प्रबंधन में महिला उद्यमियों के लिए आजीविका सृजन और सुधार | डीएसटी | “डॉ. आरती कश्यप (पीआई), डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय (सह-पीआई)” | एसबीएस और एसएचएसएस | 35,65,540 | 3 वर्ष |
| 15 | आईआईटीएम / डीएसटी / एमटीएच / 319 | स्मार्ट सैटेलाइट इमेज एनालिटिक्स का उपयोग करके मध्य-हिमालयी किसानों के लिए सतत सिंचाई सलाह | डीएसटी | डॉ. मानस ठाकुर (पीआई), कोपेनहेगन, डेनमार्क के आईटी विश्वविद्यालय से प्रो. यवोन डिट्रिच (पीआई), डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली, डॉ. रमना ठाकुर (सीओपीआई) | एससीईई, एसबीएस और एसएचएसएस | 99,29,444 | 3 वर्ष |

संस्थान से अनुसंधान अनुदान/बीज अनुदान का विवरण

| क्रम सं. | फाइल सं. | प्रस्ताव शीर्षक | संकाय का नाम | विभाग / स्कूल | स्वीकृत राशि (रु.) | परियोजना की अवधि |
|----------|---------------------------|--|--|--------------------|--------------------|------------------|
| 1 | आईआईटीएम/एसजी/डीएसई/65 | कांगड़ा भूकंप (1905): एक सामाजिक और राजनीतिक इतिहास अनुमोदन की तिथि: 17.04.2018 पूरा होने की तिथि: 17.04.2021 | डॉ. देविका सेठी | एसएचएसएस | 5,00,000 | 3 वर्ष |
| 2 | आईआईटीएम/एसजी/एसडीजी/57 | वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का व्यापक मूल्यांकन और मूल्य निर्माण की विधि को समझना: हिमाचल प्रदेश में एक केस स्टडी अनुमोदन की तिथि: 03.05.2017 पूरा होने की तिथि: 02.05.2021 | डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता | एसएचएसएस | 5,00,000 | 4 वर्ष |
| 3 | आईआईटीएम/आईएनटी/एसडीजी/17 | पहाड़ी राज्यों में ई-ऑटो में संक्रमण – मंडी शहर का एक केस स्टडी अनुमोदन की तिथि: 09.03.2018 पूरा होने की तिथि: 31.05.2021 | डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता (एसएचएसएस), डॉ. नरसा रेड्डी (एससीईई), डॉ. राजन कपूर (एससीईई) | एसएचएसएस और एससीईई | 31,00,000 | 3.2 वर्ष |
| 4 | आईआईटीएम/एसजी/आरडी/36 | 19वीं सदी के मेक्सिको और बेलीज में माया अनुमोदन की तिथि: 04.06.2015 पूरा होने की तिथि: 31.01.2021 | डॉ. राजेश्वरी दत्त | एसएचएसएस | 6,20,000 | 5.5 वर्ष |

प्रकाशित पुस्तकें

पुस्तकें (एकल लेखक)

- राजेश्वरी दत्त, एम्पायर ऑन एज: द ब्रिटिश स्ट्रगल फॉर ऑर्डर इन बेलीज ड्यूरिंग युकाटन कास्ट वॉर, न्यू टॉर्क: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2020।
- बोम्मरेड्डी, अरुणा. एक तेलुगु महाकाव्य की कथा परम्पराएं: पलनातिविरुला कथा। शिमला: आईआईएस 2020। आईएसबीएन: 9789382 396741

पुस्तक समीक्षा

- दत्त, राजेश्वरी (2020), युकाटन में संघर्ष और नरसंहार: उदारवादी, दूसरा साम्राज्य, और माया क्रांतिकारी, 1855–1876। रिचमंड द्वारा, डगलस डब्ल्यू. टस्कलोसा: अलबामा विश्वविद्यालय प्रेस, 2015। मैप्स। आंकड़े। टिप्पणियाँ। ग्रंथ सूची। अनुक्रमणिका। xv, 177 पीपी. कपड़ा, \$49.95. हिस्पैनिक अमेरिकी ऐतिहासिक समीक्षा, ड्यूक यूनिवर्सिटी प्रेस, 100 (4)।
- दत्त, राजेश्वरी (2020), युकाटन की हिंसा और जाति युद्ध, वोल्फगैंग गैबर्ट द्वारा। कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2019. पीपी. 342. +120.00 कपड़ा, अमेरिका, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 77 (4)।
- छेत्री, नीलांबर. 2020. हिमालय की सीमा पर राजशाही और राजनीति: प्रारम्भिक औपनिवेशिक मुठभेड़ के दौरान राजपूत पहचान, एरिक मोरन द्वारा। एशियन स्टडीज रिव्यू, डीओआई: 10.1080 / 10357823.2020.1801126
- छेत्री, नीलांबर. 2021. नरेटिंग लव एंड वायलेंस: लाहौल, भारत में जाति, जनजाति और राज्य से लड़ने वाली महिलाएं, हिमिका भट्टाचार्य द्वारा, हिमालयन अनुसंधान के यूरोपीय बुलेटिन। (स्वीकृत)।

प्रकाशित पुस्तक अध्याय

- दासगुप्ता, एस., दास, एन. और रॉय, जे. (2021)। चक्रवर्ती, टी., मुखर्जी, डी., साहा, एस. (सं.) कंटेम्परेरी इश्यूज इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट: द केस ऑफ इंडिया में भारत में ऊर्जा उपयोग का सूचकांक अपघटन विश्लेषण। रूटलेज। न्यूयॉर्क।
- देवदेवन, एम., (2021) 'फ्रॉम कॉरपोरल टाइम टू कॉग्निटिव टाइम: कन्डर्ड वर्ड-स्क्रेप इन ट्रांजिशन, 10वीं टू 12थ सेंचुरी', शोनालीका कौल (एड), रिटेलिंग टाइम: अल्टरनेटिव टेम्पोरलिटीज फ्रॉम प्रीमॉडर्न साउथ एशिया, रूटलेज, नई दिल्ली।

3. टी. सैनी, जी. तोमर, डी.सी. राणा, एस. अत्री, और वी. दत्त, "ए वेटेड एनसेम्बल अप्रोच टू रियल-टाइम प्रेडिक्शन ऑफ सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर," इन एडवांस्ड कंप्यूटिंग। डी. गर्ग, के. वोंग, जे. सारंगापानी, और एस. के. गुप्ता, एड., सिंगापुर: स्प्रिंगर, 2021, पीपी. 381–394।
4. एस कौशिक, ए. चौधरी, वी दत्त, एन दासगुप्ता, एस नटराजन, और एल ए पिकेट, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में "स्वास्थ्य देखभाल व्यय के समय-श्रृंखला पूर्वानुमान के लिए एकल और बहु-सिर वाले तंत्रिका वास्तुकला का मूल्यांकन": सैद्धांतिक अग्रिम और उन्नत अनुप्रयोग। सी. एस. बी. दिनेश और आर. मैंगी, एड.: डी ग्रुइटर, 2020, पीपी. 159–176।
5. पी. कुमार, पी. सिहाग, ए. पठानिया, पी. चतुर्वेदी, के.वी. उदय, और वी. दत्त, "कंपेरिजन ऑफ मूविंग-एवरेज, लेजी, एंड इंफॉर्मेशन गेन मेथड्स फॉर प्रेडिक्टिंग वीकली स्लोप-मूवमेंट्स: ए केस-स्टडी इन चमोली, इंडिया," इन अंडरस्टैंडिंग एंड रिड्यूसिंग लैंडस्लाइड डिजास्टर रिस्क: वॉल्यूम 3 मॉनिटरिंग एंड अर्ली वार्निंग। एन. कासागली, वी. टोफानी, के. सस्सा, पी. टी. बोब्रोस्की, और के. तकारा, एड.: स्प्रिंगर, 2021, पीपी. 321–330।
6. ए चौधरी, एस कौशिक, और वी दत्त, इंटेलिजेंट डेटा इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स में "ट्विटर भावनाओं पर अनुयायियों का प्रभाव दुर्लभ रोग दवाओं के बारे में", एस. सी. सतपथी, वाई. झांग, वी. भटेजा, आर. मांझी, एड., सिंगापुर: स्प्रिंगर, 2021, पीपी. 595–603.

अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. छेत्री, नीलाम्बर. 2021. जेंडर फ्रेम्स ऑफ मोबिलाइजेशन: डिफरेंशियल पार्टिसिपेशन ऑफ विमेन इन एथनो-पॉलिटिक्स ऑफ दार्जिलिंग। इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज। <https://doi.org/10.1177/0971521520974846>
2. छेत्री, नीलाम्बर. 2021. नेगोशिअटेड स्पेस, शेयर्ड प्लेस आइडेंटिटीज: रोडसाइड सेटलमेंट्स एंड कल्चर ऑफ बिलॉन्गिंग इन ए हिमालयन टाउन। साउथ एशिया: जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज। डीओआई: 10.1080/00856401.2021.1845453।
3. एस. कौशिक, ए. चौधरी, एस. नटराजन, एल.ए. पिकेट, और वी. दत्त, "मेडिसिन एक्सपेंडिचर प्रेडिक्शन वाया ए वेरिएंस-बेस्ड जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क," आईईईईई एक्सेस, वॉल्यूम। 8, पीपी. 110947–110958, 2020।
4. एम. कुमार और वी. दत्त, "अंडरस्टैंडिंग डिजीजन इन कलेक्टिव रिस्क सोशल डिलेमा गेम्स यूजिंग रीइनफोर्समेंट लर्निंग," आईईईईई ट्रांजेक्शन्स ऑन कॉग्निटिव एंड डेवलपमेंटल सिस्टम्स, वॉल्यूम. 12, नं. 4, पीपी. 824–840, 2020।
5. आर. त्यागी, पी. अग्रवाल, एम. मोहंती, वी. दत्त, और ए. आनंद, "कम्प्यूटेशनल कॉग्निटिव मॉडलिंग एंड वैलिडेशन ऑफ डीपी140 प्रेरित परिवर्तन ऑफ वर्किंग मेमोरी इन डचेन मस्क्युलर डिस्ट्रॉफी," साइंटिफिक रिपोर्ट्स, वॉल्यूम। 10, नं.1, पीपी. 1–12, 2020।
6. एच. कटकवार, पी. अग्रवाल, जेड. मकबूल, और वी. दत्त, "हनीपोट्स से जुड़े एक धोखे के खेल में प्रतिकूल निर्णयों पर नेटवर्क आकार का प्रभाव," मनोविज्ञान में फ्रंटियर्स, वॉल्यूम. 11, पृ. 2385, 2020।
7. के. अग्रवाल, पी. उनियाल, एस. वीरेंद्रसिंह, एस. कृष्णा, और वी. दत्त, "स्पैम मेल क्लासिफिकेशन यूजिंग एन्सेम्बल एंड नॉन-एन्सेम्बल मशीन लर्निंग एल्गोरिदम," लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क एंड सिस्टम्स, वॉल्यूम. 141, पीपी. 179–189, 2021।
8. ए.के. राव, एस. चंद्रा, और वी. दत्त, "डेस्कटॉप और वर्चुअल-रियलिटी ट्रेनिंग अंडर वेरीइंग डिग्री ऑफ टास्क डिफिकल्टी इन ए कॉम्प्लेक्स सर्च-एंड-शूट सिनेरियो," लेक्चर नोट्स इन कंप्यूटर साइंस, वॉल्यूम. 12428, पीपी 421–439, 2020।
9. पी. चतुर्वेदी और वी. दत्त, "अंडरस्टैंडिंग ह्यूमन डिजीजन मेकिंग इन एन इंटरएक्टिव लैंडस्लाइड सिमुलेटर टूल वाया रीइन्फोर्समेंट लर्निंग," (अंग्रेजी में), फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, वॉल्यूम. 11, पृ. 3985, 2021।
10. वी. ठाकुर, के. रॉबिन्सन, ई.ए. ओगुज, आई. दीपिना, ए. पठानिया, पी. कुमार, पी. चतुर्वेदी, के.वी. उदय, और वी.दत्त, "जल-ट्रिगर भूस्खलन की प्रारंभिक चेतावनी," में व्याख्यान नोट्स सिविल इंजीनियरिंग, वॉल्यूम. 140, पीपी 139–150, 2021।
11. एस. संगर, वी. दत्त, और आर. ठाकुर, "भारत में स्वास्थ्य व्यय के साथ मुकाबला: एनएसएस 71वें दौर से साक्ष्य," ग्लोबल सोशल वेलफेयर, वॉल्यूम। 7, नं. 3, पीपी. 275–284, 2020।

12. डॉ. मनु वी. देवदेवन, 'द तारिसप्पा आई कॉपरप्लेट ग्रांट एंड द अर्ली क्रिस्टियन ऑफ इंडिया', निदान, वॉल्यूम. 5, नंबर 2, 'बहु-धार्मिक उलझावों में प्रायद्वीपीय भारत' पर विशेष अंक, इनेस जी. जुपनोव द्वारा संपादित, पीपी. 5-26।
13. बोम्मरेड्डी, अरुणा, "अनुवाद क्षेत्र: कन्नड़ और तेलुगु मौखिक महाकाव्यों का एक मामला।"
14. मानदंड: अंग्रेजी में एक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम। 12, अंक- I, फरवरी 2021 ISSN: 0976-8165
15. बोम्मरेड्डी, अरुणा, हार्डी के उपन्यासों में एक विवादित स्थान के रूप में क्षेत्र। मानविकी और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल। खंड 7; अंक 1; 2021; पृष्ठ संख्या 153-158. आईएसएसएन: 2455-2070।
16. बोम्मरेड्डी, अरुणा, "द कोलोनीयल एंड पोस्ट-कोलोनीयल आर्काइव एंड द आइडिया ऑफ आंध्र" जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस वॉल्यूम 9, अंक 2 (2021) पीपी: 10-14 आईएसएसएन (ऑनलाइन): 2321-9467।
17. संगर, एस., और ठाकुर, आर. भारत में संक्रामक रोग: घरेलू सुविधाओं और सामाजिक-जनसांख्यिकीय निर्धारकों की भूमिका का आकलन. जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 1-9, 2021।
18. ठाकुर, आर., और संगर, एस. भारत में स्वास्थ्य देखभाल के लिए भुगतान के बोझ में सामाजिक आर्थिक अंतर: एक अलग विश्लेषण। स्वास्थ्य प्रणाली, टेलर और फ्रांसिस, 1-11, 2020।

राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. सान्याल, के., कौर, ए. और दासगुप्ता, एस'. (2021)। इतनी दूर अभी तक: हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक जंगल में रहने वाले गद्दी समुदाय से एक कथा। पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और समाज-इनसेई जर्नल। 4 (2354-2021-249), पीपी, 123-128।
2. बरुआ, ए., दासगुप्ता, एस, एट अल. (2020), भारत के हिमालयी क्षेत्र के राज्य जलवायु परिवर्तन के प्रति कितने संवेदनशील हैं? इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली - एंगेज। आईएसएसएन- 2349-8846।

राष्ट्रीय सम्मेलन

1. दत्त, राजेश्वरी (2020, अक्टूबर), "इतिहास के माध्यम से भारत-लैटिन अमेरिका कनेक्शन: 1857 का भारतीय विद्रोह और युकाटन के जाति युद्ध के दौरान बेलीज"। वैश्विक बदलाव पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार: कनाडा और लैटिन अमेरिका से सबक। कनाडा, अमेरिका और लैटिन अमेरिकी अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय। नई दिल्ली।
2. गुप्ता, एस., और सिंह, पी. (2021), जारी रखने के लिए बैंकिंग एजेंटों के इरादे को प्रभावित करने वाले कारक: ग्रामीण भारत में अनुभवजन्य अध्ययन। तीसरा वार्षिक भारतीय सार्वजनिक नीति नेटवर्क सम्मेलन।
3. रे, एस.एस., और सिंह, पी. (2021)। एमवीपी डिस्कवरी बाई अर्ली स्टेज स्टार्टअप्स: ए क्वालिटेटिव एनालिसिस ऑफ फाउंडर्स हिंडसाइट। आर. शर्मा, एस. शुक्ला, ए. कुमार, ए.के. द्विवेदी और जी. बत्तिनी (सं.), उद्यमिता पर चौदहवां द्विवार्षिक सम्मेलन। बुकवेल दिल्ली। <http://library.ediindia.ac.in:8181/xmlui//handle/123456789/12646>.
4. गुप्ता, एस., और सिंह, पी. (2020)। प्रौद्योगिकी की तैयारी और जारी रखने का इरादा: एचपी में बैंकिंग एजेंटों का एक अध्ययन। तीसरा ICDE और 14 वां ISDSI वार्षिक सम्मेलन 2020 नए डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर।
5. रे, एस.एस., और सिंह, पी. (2020, 27-29 दिसंबर)। न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद का रहस्योद्घाटन: सिद्धांत, धारणा और व्यवहार [कागजी प्रस्तुति] तीसरा ICDE और 14 वां ISDSI वार्षिक सम्मेलन 2020, नया रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत।
6. श्यामश्री दासगुप्ता, 5 जनवरी, 2021 को जलवायु संवेदनशीलता आकलन पर पंजाब के हितधारक राज्य सरकार के विभागों के साथ बैठक में मुख्य भाषण।
7. श्यामश्री दासगुप्ता, भेद्यता मूल्यांकन के चरणों की व्याख्या करना: संकेतकों की भूमिका और डेटा आवश्यकताएं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग, हरियाणा जलवायु परिवर्तन प्रकोष्ठ (एनएमएसकेसीसी) द्वारा आयोजित हरियाणा राज्य में जलवायु परिवर्तन भेद्यता आकलन पर वेबिनार, 20 जुलाई 2020।

8. श्यामश्री दासगुप्ता, जलवायु परिवर्तन जोखिम मूल्यांकन: रूपरेखा और इसका अनुप्रयोग। नाबार्ड के 39वें फाउंडेशन के अवसर पर नाबार्ड द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन पर वेबिनार. 14 जुलाई 2020।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. डॉ. मनु वी देवदेवन, 'नारायण गुरु का जीवन और समय: उनके बदलते विश्व—दृश्य पर प्रारम्भिक विचार,' वेबिनार सम्मेलन, आलोचना और निर्माण: केरलम के इतिहास पर समकालीन लेखन (डॉ. ए. पसलिथिल के सम्मान में) और डॉ. एम. टी. नारायणन उनकी सेवानिवृत्ति पर), श्रीशंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी, 24 फरवरी से 13 मार्च 2021 (5 मार्च 2021 को प्रस्तुत)।
2. ठाकुर, आर. ने एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, "क्या भारत में मधुमेह के मामले में सामाजिक आर्थिक और जोखिम कारक पुरुषों और महिलाओं के बीच अलग-अलग भूमिका निभाते हैं? एक क्रॉस-अनुभागीय विश्लेषण", भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति संघ (आईएचईपीए) का 9वां वार्षिक सम्मेलन, 22-23 जनवरी, 2021। (ऑनलाइन)।
3. ठाकुर, आर. ने एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, "क्या भारत में गरीब और गैर-गरीब परिवारों में स्वास्थ्य व्यय भिन्न होता है? 22-23 जनवरी, 2021 के दौरान भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र संघ (ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित) के 9वें वार्षिक सम्मेलन में एनएसएस डेटा से एक जांच"। (ऑनलाइन)।
4. ठाकुर, आर. ने नेशनल इंस्टीट्यूट में आयोजित इंडियन हेल्थ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी एसोसिएशन (आईएचईपीए) के 8वें वार्षिक सम्मेलन में "भारत में विभिन्न सामाजिक-जनसांख्यिकीय समूहों के बीच टोस ईंधन और श्वसन रोगों के साथ खाना पकाने से जोखिम का आकलन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान (एनआईएसईआर) भुवनेश्वर 23-24 जनवरी, 2020 के दौरान।
5. श्यामश्री दासगुप्ता: 'एडम स्मिथ, कार्ल मार्क्स और जेएम कीन्स इन द हिस्ट्री ऑफ डेवलपमेंट थॉट्स' - 22 नवंबर 2020 को अर्थशास्त्र विभाग, ईस्ट डेल्टा यूनिवर्सिटी, बांग्लादेश में आमंत्रित वार्ता
6. एस. उत्तरानी, एन. शर्मा, और वी. दत्त, "मॉडलिंग द एक्सपेंस ऑफ फ्रेमिंग इफेक्ट अमंग इंडियन एंड यूएस पॉपुलेशन इन ए एक्सपीरियंस-बेस्ड COVID-19 डिजीज प्रॉब्लम," 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल कंप्यूटिंग, बिहेवियरल-कल्चरल मॉडलिंग, और मॉडलिंग और सिमुलेशन में भविष्यवाणी और व्यवहार प्रतिनिधित्व, वाशिंगटन डीसी, यूएसए, अक्टूबर 2020।
7. एस. भार्गव, एस. कौशिक, ए. चौधरी, और वी. दत्त, "रक्त शर्करा के स्तर की भविष्यवाणी के लिए एक भारत पहनावा दृष्टिकोण का विकास," कंप्यूटिंग और मशीन इंटेलिजेंस पर पहला अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमआई 2021), पीपी। 297-301, इस्तांबुल, तुर्की, फरवरी 2021।
8. ए.के. राव, एस. चंद्रा, और वी. दत्त, "डेस्कटॉप और वर्चुअल-रियलिटी प्रशिक्षण एक जटिल खोज-और-शूट परिदृश्य में कार्य कठिनाई की बदलती डिग्री के तहत," मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2020, पीपी। 421-439, कोपेनहेगन, डेनमार्क, अक्टूबर 2020।
9. डी. साहू, एन. सूद, यू. रानी, जी. अब्राहम, वी. दत्त, और ए दिलीप, "नेटवर्क लोड डेटासेट के लिए बहु-चरण समय-श्रृंखला पूर्वानुमान का तुलनात्मक विश्लेषण," कम्प्यूटिंग पर 2020 11वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संचार और नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज (आईसीसीसीएनटी), पीपी 1-7, खड़गपुर, भारत, अक्टूबर 2020।
10. एन शर्मा, एस उत्तरानी, और वी दत्त, "मॉडलिंग द एक्सपेंस ऑफ फ्रेमिंग इफेक्ट इन एन एक्सपीरियंस-बेस्ड कोविड-19 डिजीज प्रॉब्लम," इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉग्निटिव मॉडलिंग में, पीपी। 249-255, इरविन, सीए, यूएसए, जून 2020।

पेशेवर संस्थाओं को अनुदान / अध्येतावृत्ति / सदस्यता

1. सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स (<https://www.iaee.org/>) दासगुप्ता, एस।
2. सदस्य, द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (<https://www.isee.org/>) दासगुप्ता, एस।
3. आजीवन सदस्य, भारतीय अर्थमितीय सोसायटी (<http://www.tiesindia.net/>) दासगुप्ता, एस।

4. एसवाईएलएफएफ फेलो, जादवपुर विश्वविद्यालय—एसवाईएलएफएफ नेटवर्क (<http://goethals.in/bea/default.htm>) दासगुप्ता, एस.
5. आजीवन सदस्य, बंगाल आर्थिक संघ, भारत (<http://goethals.in/bea/default.htm>) दासगुप्ता, एस.
6. आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स, भारत (<http://www.ecoinsee.org/>) दासगुप्ता, एस.
7. सस्टेनेबिलिटी ट्रांजिशन रिसर्च नेटवर्क (STRN) (<http://www.transitionsnetwork.org>) दासगुप्ता एस.
8. संसाधन सूचना केंद्र का अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क (द बालाटन ग्रुप) दासगुप्ता, एस.
9. बेंगलोर हिस्टोरियंस सोसाइटी के संस्थापक सदस्य डॉ. मनु देवदेवन।
10. आई-शोर (सामाजिक विज्ञान, मानविकी और समुद्री अनुसंधान संस्थान) के संस्थापक सदस्य डॉ. मनु देवदेवन।

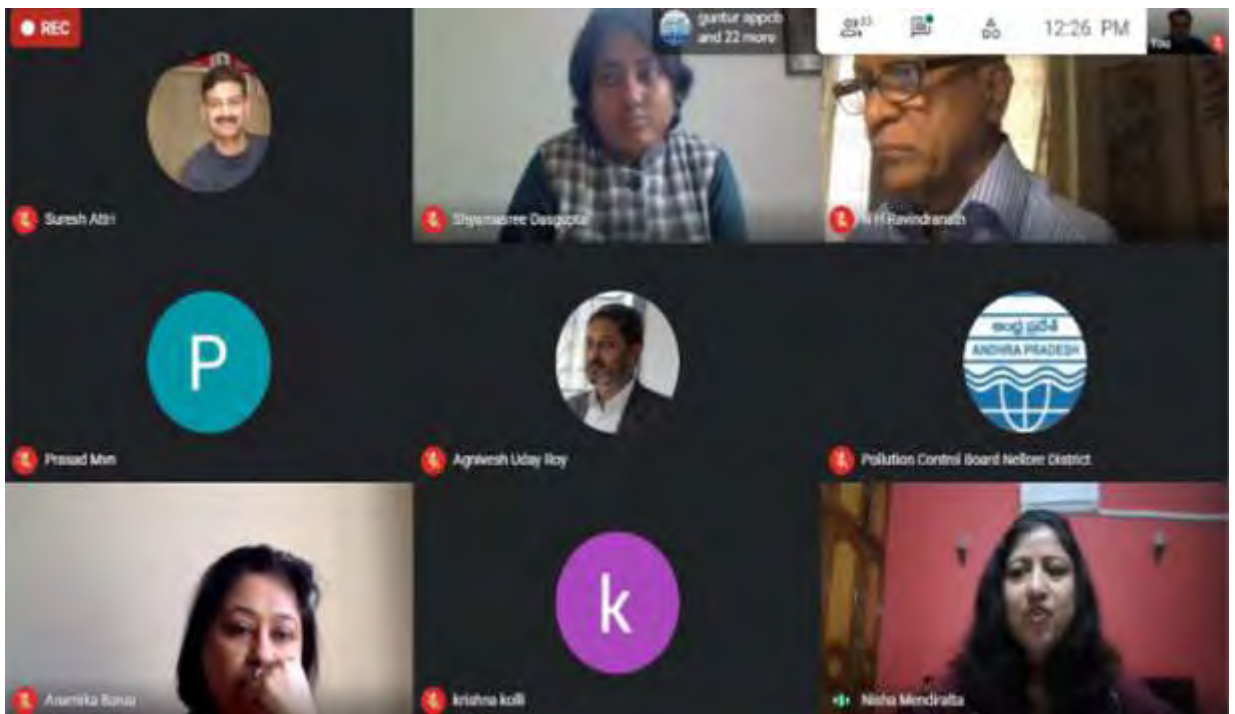
आयोजित वार्ता, कार्यशालाएं और राष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित वार्ता

| वक्ता | वार्ता का शीर्षक | दिनांक |
|----------------|------------------------|---------------|
| डॉ. प्रीति मान | विकास और भलाई की धारणा | 12 मार्च 2021 |

कॉमन फ्रेमवर्क (24–26 नवंबर 2020) का उपयोग करके भारत में भेद्यता मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यशाला और 10 दिसंबर, 2020 को अनुवर्ती प्रसार कार्यशाला:

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मंडी (आईआईटी मंडी) के सहयोग से अखिल भारतीय जलवायु भेद्यता मूल्यांकन पर अनुसंधान परियोजना के एक भाग के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी (आईआईटी गुवाहाटी) और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु ने 24–26 नवंबर 2020 के दौरान दूसरी क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में आठ राज्यों के बीस प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उन्हें प्रशिक्षित किया गया। COVID-19 महामारी के कारण, कार्यशाला को एक आभासी मंच पर आयोजित करना पड़ा। कार्यशालाओं के लक्षित दर्शक राज्य सरकार के विभागों के प्रतिनिधि हैं; राज्य जलवायु परिवर्तन प्रकोष्ठ, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण विभाग, वानिकी, आदि। कार्यशाला ने राज्य सरकार के प्रतिनिधियों को सामान्य कार्यप्रणाली ढांचे से परिचित कराया, परियोजना टीम को राज्यों की आवश्यकताओं और उनकी वर्तमान क्षमताओं का आकलन करने और समझने की अनुमति दी, डेटा उपलब्धता और साझा ढांचे का उपयोग करके भेद्यता मूल्यांकन करने में उन्हें प्रशिक्षित करें। डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता (परियोजना के पीआई, आईआईटी मंडी), प्रो. अनामिका बरुआ (सह-पीआई, आईआईटी गुवाहाटी), प्रो. एन.एच. रवींद्रनाथ (संसाधन व्यक्ति, सेवानिवृत्त प्रोफेसर आईआईएससी बेंगलुरु), डॉ. निशा मेंदीरत्ता (एसोसिएट हेड), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार), डॉ. मुस्तफा अली खान, टीम लीडर, 3SCA स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन (SDC) और डॉ. सुशीला नेगी, वैज्ञानिक ई, SPLICE, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने कार्यशाला में भाग लिया। 12–15 फरवरी 2020 और 24–26 नवंबर 2020 के दौरान राज्य के विभागों के प्रतिभागियों के साथ भेद्यता मूल्यांकन पर दो क्षमता निर्माण कार्यशालाओं के बाद, 10 दिसंबर 2020 को संबंधित प्रसार कार्यशाला हुई। यह कार्यशाला प्रतिभागियों को अपनी बात साझा करने के लिए मंच भी देती है। अनुभव और चुनौतियाँ जिनका उन्होंने अपनी राज्य भेद्यता रिपोर्ट तैयार करने के दौरान सामना किया। प्रसार कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के 58 प्रतिभागियों ने भाग लिया। परियोजना की अंतिम रिपोर्ट भी जल्द ही डीएसटी और एसडीसी द्वारा जारी करने की योजना थी।



एम.ए. छात्रों द्वारा कोविड-19 परियोजनाएं

2021 (फरवरी-जून, 2021) के शीतकालीन सेमेस्टर में, एसएचएसएस ने एक अनूठा पाठ्यक्रम चलाया जिसका शीर्षक था: क्राइसिस एंड रिकवरी: ए गाइडेड प्रोजेक्ट ऑन सीओवीआईडी -19। पाठ्यक्रम को छात्रों, विशेष रूप से एमए विकास अध्ययन में, मुद्दों का निदान करने और वर्तमान COVID 19 संकट के दौरान राज्य को लचीला और उत्तरदायी प्रणाली बनाने में मदद करने के उपायों का सुझाव देने के लिए डिजाइन किया गया था। पाठ्यक्रम एमए विकास अध्ययन कार्यक्रम के समग्र उद्देश्य के साथ संरेखित विचारकों और चिकित्सकों का उत्पादन करने के लिए जो विकास की चुनौतियों का निदान करके उभरते सामाजिक संकटों का जवाब दे सकते हैं। इस पाठ्यक्रम में, 3-4 छात्रों के समूहों को कई विषयों पर संकाय सदस्यों के साथ काम करने का अवसर मिला, जिसमें भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र की अनुकूली क्षमता और COVID-19 के प्रसार से इसका सम्बंध, COVID-19 महामारी के दौरान प्रवासी श्रमिकों पर सरकारी योजनाओं का प्रभाव तथा वैश्विक मानव गतिशीलता पर सामाजिक-आर्थिक कारकों का प्रभाव शामिल है।

इस पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की गईं:

शीर्षक: पहले से मौजूद स्वास्थ्य-क्षेत्र की भेद्यता और COVID-19: भारत में एक राज्य-स्तरीय अध्ययन।

संकाय पर्यवेक्षक: डॉ. श्यामाश्री दासगुप्ता।

परियोजना का विवरण

30 जनवरी, 2020 को, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने SARS-COV-2 (COVID-19) के प्रकोप को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया, इसके बाद 11 मार्च, 2020 को इसे वैश्विक महामारी घोषित किया। COVID-19 का प्रसार इसलिए, देश में पहले से ही सीमित स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे पर महत्वपूर्ण अतिरिक्त दबाव डालता है। जनसंख्या घनत्व, पेयजल और स्वच्छता तक पहुंच, शिक्षा का स्तर, रोजगार, आय, गरीबी, आदि चिंता के विषय हैं, विशेष रूप से एक महामारी की स्थिति में। इस पृष्ठभूमि में, इस अध्ययन का उद्देश्य है:

- पहले से मौजूद संचारी और गैर-संचारी रोगों और उपलब्ध स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र की संवेदनशीलता के आधार पर भारत की मौजूदा राज्य-स्तरीय स्वास्थ्य-भेद्यता की गणना करें।
- पूर्व-मौजूदा स्वास्थ्य भेद्यता और राज्य-स्तर के बीच सहसंबंध का पता लगाएं, प्रति मिलियन आबादी पर पुष्टि किए गए COVID-19 मामलों के नवीनतम आंकड़े और संबंधित बंद केस घातक दर (CCFR)।
- महत्वपूर्ण सहसंयोजकों और उनके समग्र प्रभावों को समझने के लिए परिकल्पित स्वास्थ्य-भेद्यता सूचकांकों की तुलना सामाजिक-आर्थिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य-संबंधी संकेतकों की एक श्रृंखला के साथ करें। अध्ययन माध्यमिक मात्रात्मक डेटा के विश्लेषण पर आधारित होगा, किसी विशेष सॉफ्टवेयर ज्ञान की आवश्यकता नहीं है।

शीर्षक: महामारी के दौरान और बाद में अनौपचारिक और प्रवासी श्रमिक

संकाय पर्यवेक्षक: डॉ. नीलाम्बर छेत्री

परियोजना का विवरण

कोविड-19 ने अप्रत्याशित अनुपात का वैश्विक संकट पैदा कर दिया है। इसने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों द्वारा विशेष रूप से अनौपचारिक और प्रवासी मजदूरों के संबंध में किए गए राहत उपायों की अपर्याप्तता को राहत दी है, जिसने उनकी गति को और बढ़ा दिया है।

वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, यह अध्ययन लॉकडाउन के दौरान लोगों के बड़े पैमाने पर रिवर्स माइग्रेशन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को मैप करने का प्रयास करेगा। विशेष रूप से, अध्ययन में पीएम गरीब कल्याण रोजगार अभियान जैसे सरकार द्वारा अपनाए गए रोकथाम उपायों और अन्य कल्याणकारी साधनों को नोट करने का प्रयास किया जाएगा और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जाएगी। इस संबंध में अध्ययन ग्रामीण क्षेत्रों में लौटने वाले प्रवासियों को राहत प्रदान करने के लिए किए गए विभिन्न सरकारी उपायों पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह प्रवास सुविधा केंद्रों के कामकाज, शिकायत निवारण प्रक्रियाओं के कामकाज और मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा और छुट्टी से संबंधित श्रम कानूनों के बदलते शासन को उजागर करने का प्रयास करेगा। यह इस परिदृश्य के भीतर सामने आने वाली लैंगिक गतिशीलता का पता लगाने का भी प्रयास करेगा। शोध मुख्य रूप से द्वितीयक स्रोतों, और अन्य प्राथमिक स्रोतों जैसे सरकारी रिपोर्ट, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों द्वारा तैयार की गई सामाजिक मूल्यांकन रिपोर्ट, महामारी के संदर्भ में काम और श्रम के लिए बदलते दृष्टिकोण को नोट करने के लिए तैयार करेगा।

शीर्षक: भारत और अमेरिका में लोगों की आवाजाही पर COVID-19 के प्रभाव की तुलना करना।

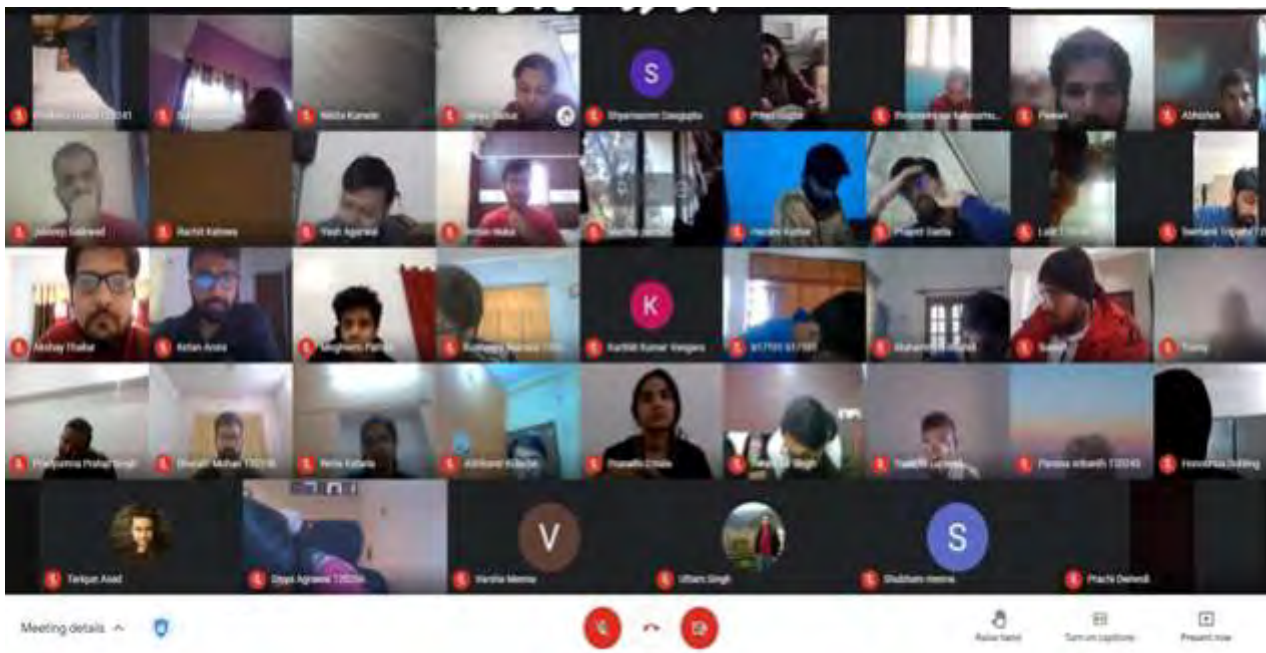
संकाय पर्यवेक्षक: डॉ. वरुण दत्त

परियोजना का विवरण

अवलोकन: COVID-19 महामारी के दौरान गतिशीलता में व्यक्तियों या समुदायों दोनों के लिए तनाव और जोखिम शामिल है। अधिक जोखिम से बचने वाले व्यक्तियों के अपने घरों से बाहर जाने और अन्य लोगों के साथ बातचीत करने की संभावना कम होती है, जबकि कम जोखिम वाले (या जोखिम लेने वाले) लोग बाहर जाने और अधिक सामाजिक होने के अवसरों की तलाश करेंगे। पहले के शोध से पता चलता है कि किसी घटना के अनुभव और घटना के परिणाम से लोगों का जोखिम-रवैया

नियंत्रित होता है। हालांकि, कम ही लोग जानते हैं कि कोविड-19 महामारी के लिए लोगों का जोखिम-रवैया और गतिशीलता उनके वायरस के अनुभव और इसके परिणामों से कैसे निर्धारित होती है। इसके अलावा, लोगों के जोखिम-रवैये और गतिशीलता को उनके स्थान (भारत या अमेरिका में होने के कारण) द्वारा नियंत्रित किया जाता है, इसके बारे में कम ही जाना जाता है। इस अध्ययन का प्राथमिक फोकस यह जांच करना है कि भारत और अमेरिका में कोविड -19 महामारी के दौरान जोखिम-रवैया के सिद्धांत लोगों की गतिशीलता को समझने में कैसे मदद कर सकते हैं। छात्र समूहों में काम कर सकते हैं और क्राउडसोर्सिंग के माध्यम से भारतीय और अमेरिकी आबादी का सर्वेक्षण कर सकते हैं। साथ ही, छात्र Google के मोबिलिटी एपीआई का उपयोग करके लोगों के मोबिलिटी डेटा का विश्लेषण करेंगे।

ऑनलाइन कक्षाओं का स्क्रीनशॉट



एमए विकास अध्ययन पायनियर स्नातक बैच 2018-2020



4. समझौता ज्ञापन (एमओयू)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी और विदेशी संस्थान के बीच सहयोग (एमओयू) पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट



अन्तर्राष्ट्रीय स्नातक, परास्नातक और पीएचडी छात्र आदान-प्रदान के तहत छात्र आईआईटी मंडी में एक साल तक का समय बिता सकते हैं। इसके अलावा, अन्तर्राष्ट्रीय छात्र संस्थान में स्नातक डिग्री कार्यक्रम कर सकते हैं। छात्र विनिमय या डिग्री कार्यक्रमों के लिए आने वाले छात्र आईआईटी मंडी में अपने पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय छात्र संस्थागत, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय हितों से जुड़े सहयोगी अनुसंधान विषयों पर संस्थान के संकाय के साथ काम कर सकते हैं। आईआईटी मंडी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण और शोध के उद्देश्यों के लिए समय बिताने का अवसर भी प्रदान करता है। जिन क्षेत्रों में आईआईटी मंडी वर्तमान में स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी. स्तरों में कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, बुनियादी विज्ञान, और मानविकी और सामाजिक विज्ञान शामिल हैं। एमओयू/करारों के नियमों और शर्तों के अनुसार विनिमय दौरे किए जा रहे हैं।

वर्सेस्टर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूपीआई), यूएसए के साथ एक मौजूदा समझौता ज्ञापन के तहत, आईआईटी मंडी ने डब्ल्यूपीआई से 25 स्नातक छात्रों और दो संकाय सलाहकारों की एक टीम को मार्च के मध्य और मई की शुरुआत के बीच दो महीने के लिए संस्थान का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया, और इन छात्रों ने साथ काम किया इतनी ही संख्या में आईआईटी मंडी के स्नातक छात्रों ने मंडी और कमान्द में स्थानीय समुदायों से संबंधित कई सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को हल करने में मदद की, लेकिन महामारी की स्थिति के कारण, इस साल यह दौरा नहीं हो सका।

आईआईटी मंडी में अन्तर्राष्ट्रीय छात्र

वर्तमान में, 14 अन्तर्राष्ट्रीय छात्र परास्नातक और पीएचडी के लिए नामांकित हैं। इनमें से आईआईटी मंडी में कार्यक्रम 05 छात्र बांग्लादेश से हैं, 07 छात्र नेपाल से हैं और 02 छात्र इथियोपिया से हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारी वाले कार्यक्रम

अप्रैल 2020 और मार्च 2021 के बीच आईआईटी मंडी में कई कार्यशालाएं/वार्ता ऑनलाइन आयोजित की गईं, जिनमें विदेशों के विश्वविद्यालयों के आगंतुक शामिल थे। इन कार्यशालाओं/वार्ता का विवरण नीचे दिया गया है।

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने वस्तुतः 15 से 17 दिसंबर 2020 तक संज्ञानात्मक मॉडलिंग (डब्ल्यूएससीएम) पर दूसरे शीतकालीन स्कूल की मेजबानी की। इस पहल की मेजबानी आईआईटी मंडी ने हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय (एचपीटीयू), ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय वाटरलू और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, के सहयोग से की थी, इस आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं और पेशेवरों के प्रमुख सत्र शामिल थे, ताकि छात्रों को संज्ञानात्मक मॉडलिंग के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रशिक्षित किया जा सके।
- SCRI (सोसायटी फॉर कोलैबोरेटिव रिसर्च एंड इनोवेशन) आईआईटी मंडी ने 15 जनवरी 2021 को डॉ. टॉम क्रॉफर्ड द्वारा "हमारे महासागर को साफ करने के लिए गणित का उपयोग" पर एक आभासी वार्ता का आयोजन किया। टॉम सेंट एडमंड में गणित में एक प्रारंभिक कैरियर शिक्षण और आउटरीच फेलो हैं एवं हॉल और विजिटिंग स्टूडेंट्स के शिक्षण के लिए भी जिम्मेदार हैं। टॉम ने अनुप्रयुक्त गणित में विशेषज्ञता प्राप्त की और अपनी पीएचडी प्रो. पॉल लिंडेन की देखरेख में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में द्रव गतिकी में और 2012 में उन्होंने ऑक्सफोर्ड से गणित में स्नातक की डिग्री प्राप्त की, जहां उन्होंने सेंट जॉन्स कॉलेज में अध्ययन किया। अपनी शिक्षण प्रतिबद्धताओं के साथ, टॉम टेडी हॉल में आउटरीच टीम के साथ मिलकर काम करता है और नियमित रूप से यूके भर के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में बातचीत की। उनकी पुरस्कार विजेता वेबसाइट tomrocksmaths.com वीडियो, पॉडकास्ट, पहेली और लेख होस्ट करती है जिसका उद्देश्य गणित को मनोरंजक और सभी के लिए समझने योग्य बनाना है। टॉम कई भागीदारों के साथ काम करता है, जिसमें बीबीसी और नंबरफाइल यूट्यूब चैनल शामिल हैं – जो कि 3.5 मिलियन से अधिक ग्राहकों के साथ मंच पर सबसे बड़ा गणित शिक्षा चैनल है।
- महामारी की स्थिति को देखते हुए, इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए कंपोजिट्स के डिजाइन और निर्माण पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 1 से 5 फरवरी 2021 तक ऑनलाइन मोड में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। कार्यशाला में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें देश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों (आईआईटी, एनआईटी, राज्य सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेजों) के संकाय और छात्र शामिल थे। कुछ प्रतिभागी विदेशों के विश्वविद्यालयों (रोम के सैपिएंजा विश्वविद्यालय) से थे। कार्यशाला

में इसरो, टाटा स्टील, एलएम पवन ऊर्जा आदि के उद्योग कर्मियों ने भी भाग लिया। वक्ताओं में आईआईटी कानपुर, आईआईटी रुड़की, सालेर्नो विश्वविद्यालय, PSI स्विट्जरलैंड, आईआईटी बॉम्बे, KMUTNB, थाईलैंड, इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च हाइड्रो क्यूबेक, कनाडा और आईआईटी मंडी के विषय विशेषज्ञ शामिल थे।

- “सूक्ष्मजीव और संयंत्र प्रणालियों के फ्लक्सोमिक्स (फ्लक्सएमएपीएस 2021)” पर इंडो-यूके संगोष्ठी सफलतापूर्वक 24-25 मार्च 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। कवर किए गए विषय प्लांट सिस्टम में फ्लक्स बैलेंस विश्लेषण और प्लांट और माइक्रोबियल सिस्टम में 13C मेटाबोलिक फ्लक्स विश्लेषण थे। प्रासंगिक क्षेत्रों में काम कर रहे वैज्ञानिकों, शिक्षकों और विद्वानों को एमएचआरडी-एसपीएआरसी और यूकेआईआईआरआई द्वारा समर्थित संगोष्ठी से बहुत लाभ हुआ।
- आईआईटी मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी द्वारा “फाउंडेशन ऑफ मशीन लर्निंग एंड एप्लिकेशन” शीर्षक से 4 दिवसीय सप्ताहांत कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला ने मशीन लर्निंग के क्षेत्र में काम करने के इच्छुक प्रेरित अधिकारियों और काम करने वाले पेशेवरों को लक्षित किया। अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ वक्ताओं में एनटीयू, ताइवान के डॉ. शिह-चुन लिन और एनवाईसीयू, ताइवान के डॉ. स्टेफानो रिनी थे।

विदेशों में संस्थानों का दौरा करने वाले आईआईटी मंडी के छात्र

कई आईआईटी मंडी स्नातक और स्नातक छात्रों ने 2020 में अकादमिक आदान-प्रदान के तहत कई यूरोपीय संघ के संस्थानों का दौरा किया। स्नातक यात्राओं में शामिल थे: DAAD (KOSPIE) कार्यक्रम के तहत RWTH आचन जर्मनी के 03-छात्र और जर्मनी में M. Tech के 04-छात्र।

आईआईटी मंडी में अन्तर्राष्ट्रीय आगंतुक

जर्मनी से डॉ. इरविन फ्यूहरर एक वर्ष के लिए अतिथि सहायक प्रोफेसर के रूप में आईआईटी मंडी में शामिल हुए।

समझौता ज्ञापन

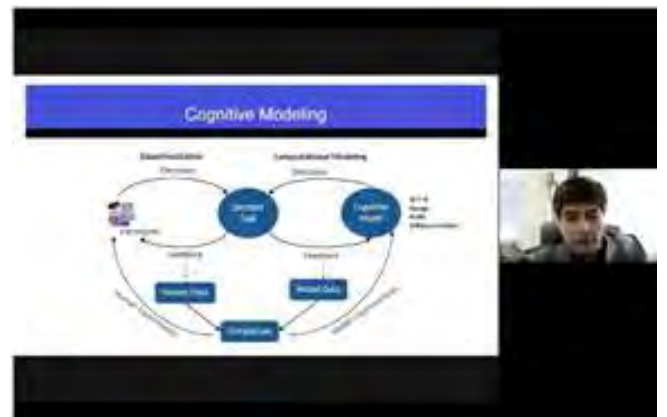
आईआईटी मंडी ने अगस्त 2020 में तकनीकी विश्वविद्यालय ड्रेसडेन के साथ और दिसंबर 2020 में जापान में क्यूशू विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।



SCRI (सोसायटी फॉर कोलैबोरेटिव रिसर्च एंड इन्वैशन) आईआईटी मंडी द्वारा 15 जनवरी 2021 को डॉ. टॉम क्राफर्ड के साथ “हमारे महासागर को साफ करने के लिए गणित के उपयोग” पर एक आभासी वार्ता का आयोजन



स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी द्वारा 01 से 05 फरवरी 2021 तक आयोजित इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए कंपोजिट्स के डिजाइन और निर्माण पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी द्वारा वस्तुतः 15 से 17 दिसंबर 2020 तक संज्ञानात्मक मॉडलिंग (डब्ल्यूएससीएम) पर दूसरे शीतकालीन स्कूल की मेजबानी

5. महत्त्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र

5.1 उन्नत समग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी)



अवलोकन

उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) सहायक उपकरण और आवश्यक विशेषज्ञता के साथ अत्याधुनिक उपकरण प्रदान करके भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी (आईआईटी मंडी) में अनुसंधान उद्यम का समर्थन और पोषण करता है। हम अपनी व्यापक सुविधाओं से आईआईटी मंडी के विभिन्न स्कूलों के साथ-साथ अन्य बाहरी शैक्षणिक संस्थानों और वाणिज्यिक संगठनों को अपनी विश्लेषणात्मक सेवाएं प्रदान करते हैं।



छात्र एएमआरसी सिंथेसिस लैब में काम करते हुए

एएमआरसी की नीतियां

एएमआरसी में, हम उचित सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखते हुए, सभी स्तरों पर अत्याधुनिक अनुसंधान को सक्षम करने के लिए उन्नत उपकरणों और कुशल तकनीशियनों के साथ साझा प्रयोगशालाओं की सुविधा प्रदान करते हैं।

एएमआरसी - संरचना

एएमआरसी की देखरेख एएमआरसी समन्वयक, सह-समन्वयक, इंस्ट्रूमेंट फैकल्टी प्रभारी और कई कुशल कर्मचारी सदस्य करते हैं।

रखरखाव

पिछले वर्षों में, एएमआरसी ने कई उन्नत प्रकार के उपकरण रखना जारी रखा है, जिन्हें नियमित रूप से बनाए रखा जाता है और खराब होने पर कुशलतापूर्वक मरम्मत की जाती है। शोधार्थियों को इन परिष्कृत उपकरणों को समय पर ढंग से सम्भालने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।



डॉ. आर.आर. कोडार
(एएमआरसी समन्वयक)



डॉ. सी.एस. यादव
(सह-समन्वयक)



सुश्री इसिता नंदी
(परियोजना वैज्ञानिक)



श्री पुनीत सूद
(परियोजना अभियन्ता)



श्री अर्जुन बरवाल
(परियोजना अभियन्ता)



श्री सुनील ठाकुर
(परियोजना अभियन्ता)



श्री नवीन ठाकुर
(परियोजना अभियन्ता)



श्री दुष्यंत गुमरा
(कार्यालय सहायक)



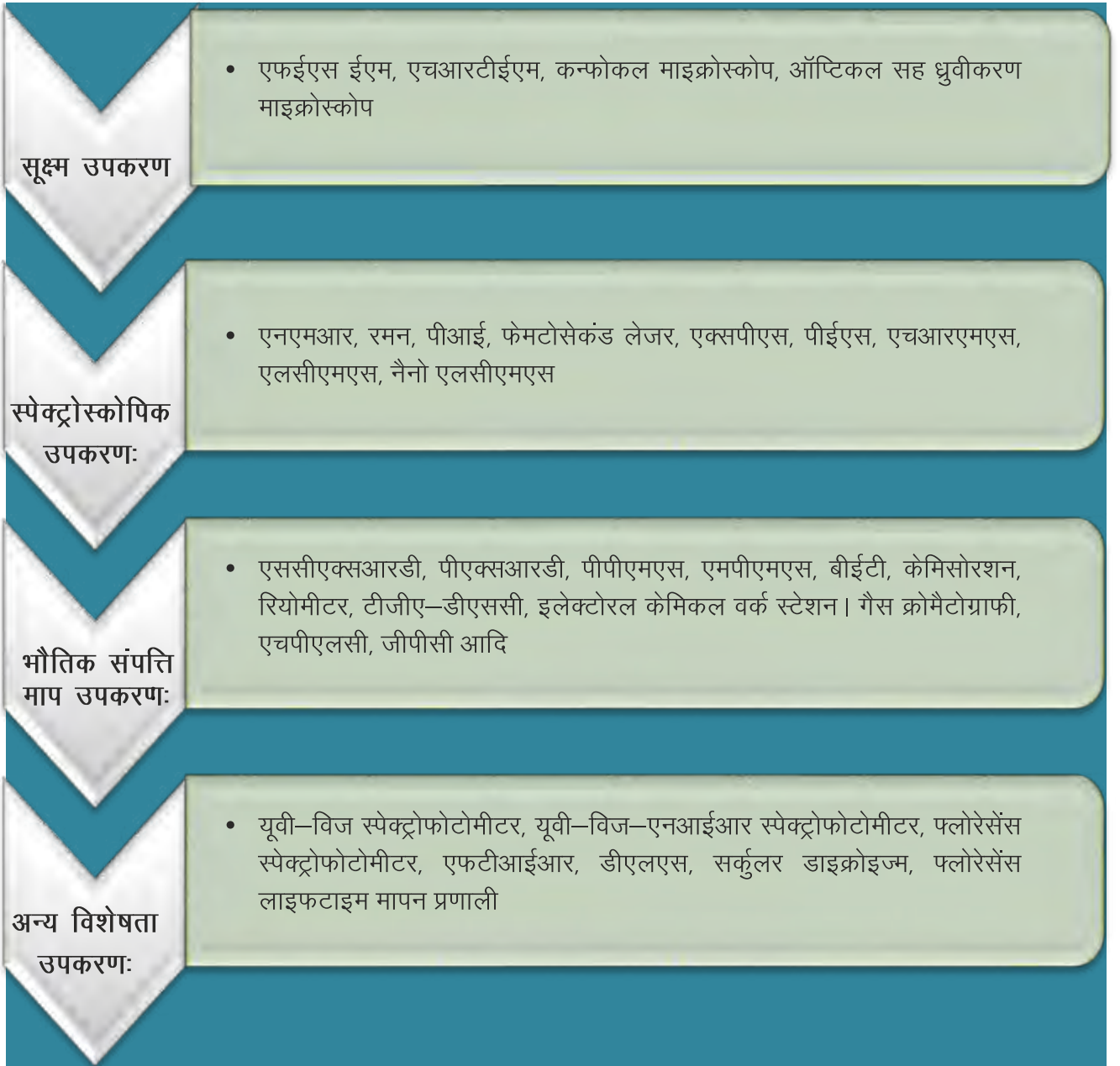
श्री कर्म सिंह
(प्रयोगशाला परिचर)

सुरक्षा

एएमआरसी में सुरक्षा एक उच्च प्राथमिकता है। अनुसंधान संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग करने वाले विद्वानों और छात्रों के लिए नियमित रूप से सुरक्षा प्रशिक्षण और सुरक्षा परीक्षणों की व्यवस्था की जाती है। आईआईटी मंडी सुरक्षा समिति, समन्वयक और स्टाफ द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

सुविधाएँ

एएमआरसी में विभिन्न प्रकार के परिष्कृत और सामान्य लक्षण वर्णन वाले 76 उपकरण हैं जो ऊर्जा, पर्यावरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, चुंबकत्व, जैविक प्रदर्शन, सौर सेल, दवा वितरण और नैनो प्रौद्योगिकी अनुसंधान क्षेत्रों को कवर कर रहे हैं। भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग विषयों के कुल 55 से अधिक संकाय सदस्य नियमित रूप से भाग ले रहे हैं। 30 कोर फैकल्टी AMRC के हैं।



उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र के परिष्कृत उपकरण



हाई रीजॉल्यूशन मास ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप



फील्ड उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप



संनभि माइक्रोस्कोपी



हाई रीजॉल्यूशन स्पेक्ट्रोमीटर



पंप जांच इलेक्ट्रॉन



भौतिक संपत्ति मापन प्रणाली



चुंबकीय संपत्ति मापन प्रणाली



एक्स-रे फोटो स्पेक्ट्रोस्कोप



परमाणु चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोप

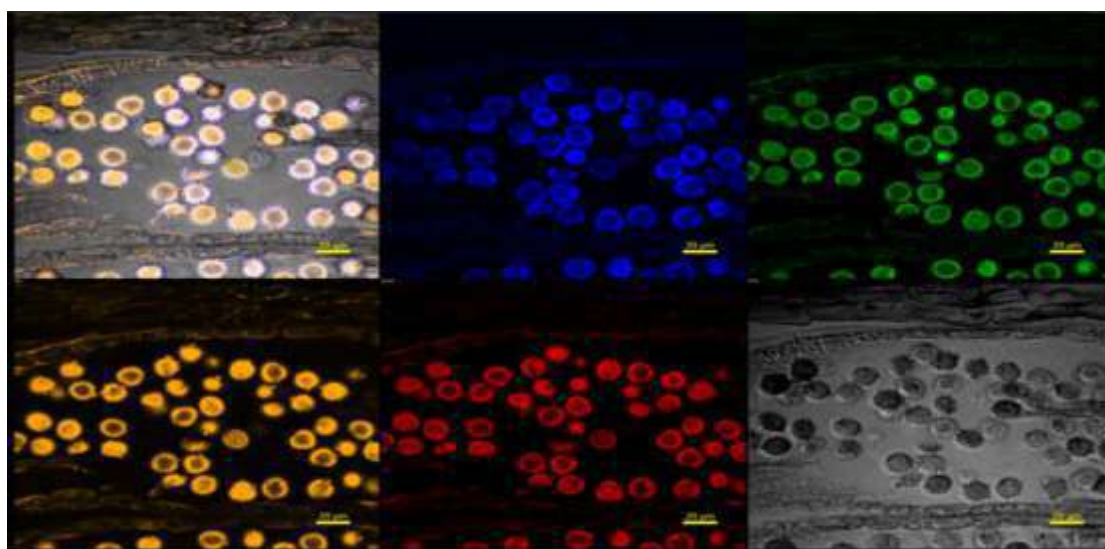


तरल नाइट्रोजन संयंत्र

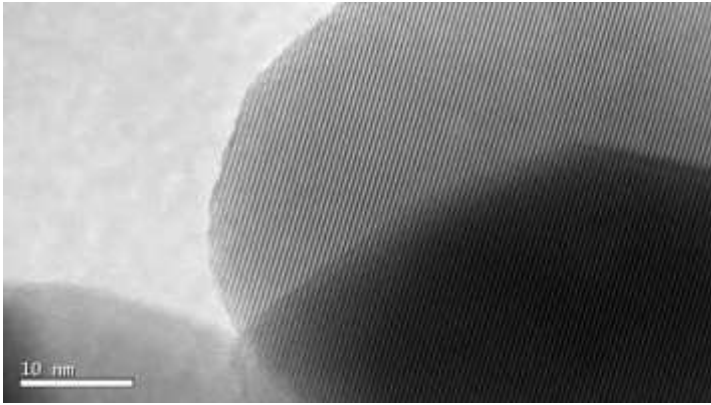


रमन स्पेक्ट्रोमीटर

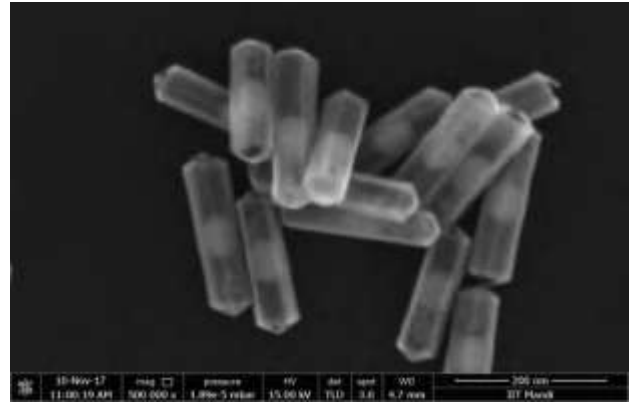
विभिन्न उपकरणों से प्राप्त चित्र



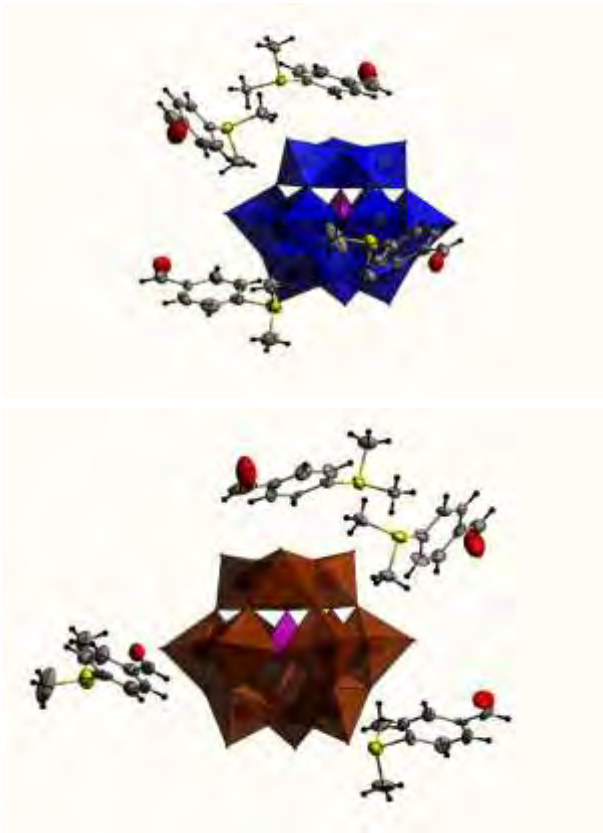
विभिन्न लेज़र उत्तेजना के तहत पराग कणों की कन्फोकल इमेजिंग



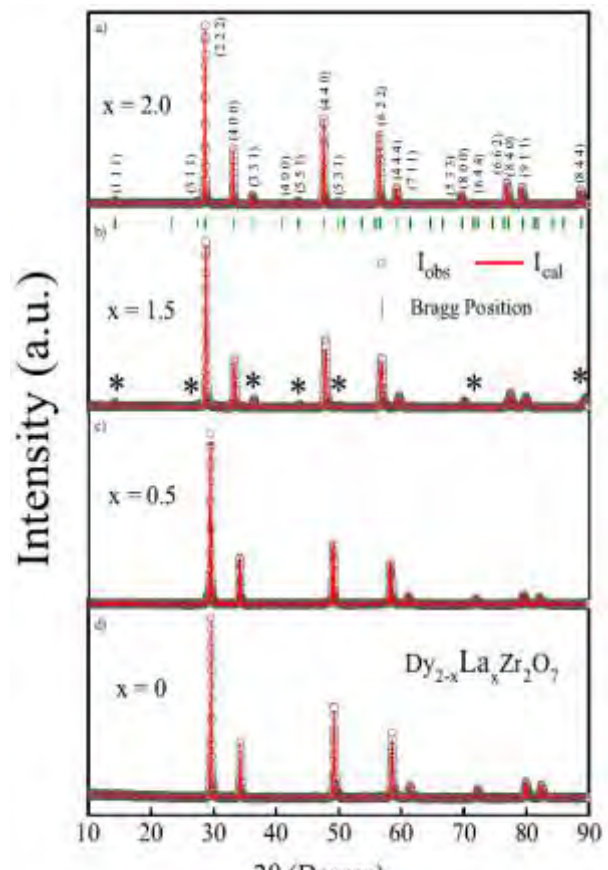
FEI G2 S टिवन TEM द्वारा निकेल नैनोपार्टिकल HRTEM छवि



FEI NovaNano SEM द्वारा गोल्ड नैनोकैप्सूल छवि



sc-xrd (सुपर नोवा डुअल सोर्स) द्वारा सिलिकोमोलिब्डिक एसिड छवि और सिलिकोटुंगस्टिक एसिड छवि



La प्रतिस्थापित $Dy_2Zr_2O_7$ का रिटवेण्डफाइण्ड एक्स-रे विवर्तन पैटर्न अक्रमिक फ्लोराइट से पाइरोक्लोर संरचना के विकास को दर्शाते हुए

उन्नत सामग्री अनुसंधान केंद्र (एएमआरसी) भुगतान के आधार पर सामग्री अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में आंतरिक और बाहरी दोनों शोधकर्ताओं के लिए सहायक सुविधाएं प्रदान कर रहा है। इसने शोधकर्ताओं की सुविधा के लिए एक सुव्यवस्थित और आसान पहुंच प्रणाली विकसित की है। कहने की जरूरत नहीं है कि पिछले आठ वर्षों की मेहनत से केंद्र देश के कोने-कोने तक अपनी सुविधा पहुंचाने में सक्षम है।

बाहरी उपभोक्ताओं की सूची नीचे दी गई है:

❖ हिमाचल प्रदेश में संस्थानों के नाम

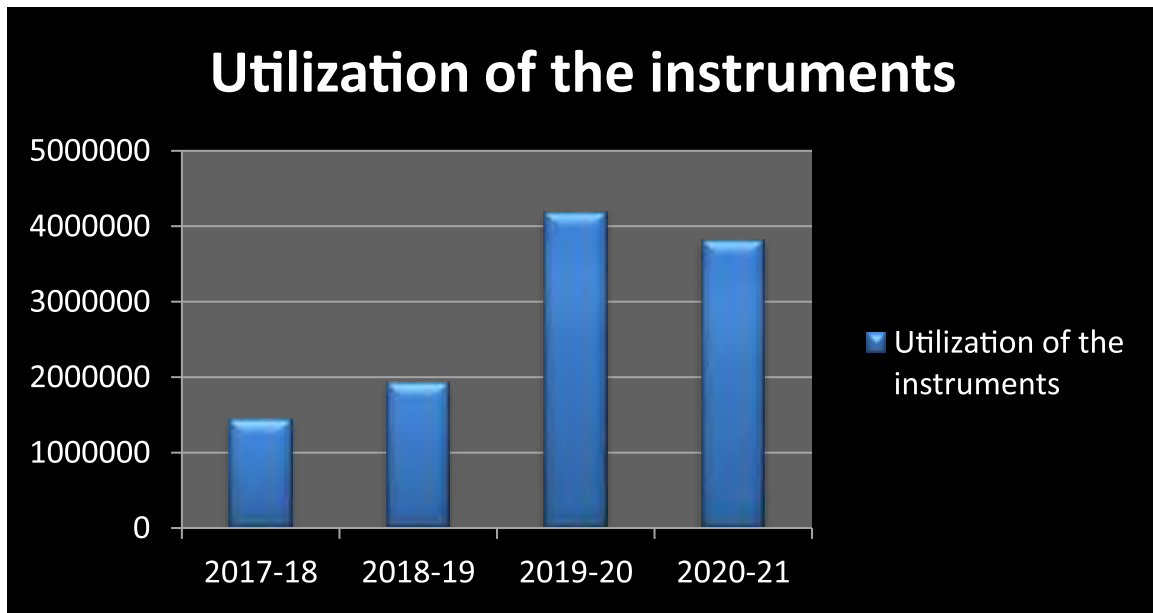
- एनआईटी हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश
- सीएसआईआर—आईएचबीटी पालमपुर, हिमाचल प्रदेश
- एचपीयू शिमला, एचपी
- शूलिनी विश्वविद्यालय, एचपी
- श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर, एचपी
- जेपी विश्वविद्यालय, एचपी
- करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, एचपी
- अरनी विश्वविद्यालय, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
- महाराजा आगरा सेन विश्वविद्यालय, बदी, हिमाचल प्रदेश
- लॉरेल फार्मसी संस्थान, कथोग, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
- एम फार्मसी संस्थान, ज्वालामुखी हिमाचल प्रदेश
- इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बथू, ऊना, एचपी
- ए.पी. गोयल शिमला विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश
- बदी विश्वविद्यालय, बदी, हिमाचल प्रदेश
- इटरनल यूनिवर्सिटी, बारू साहिब, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
- स्कूल ऑफ फार्मसी एंड इमर्जिंग साइंस यूनिवर्सिटी, बदी, एचपी
- वाईएस परमार विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश

❖ हिमाचल प्रदेश के अलावा अन्य संस्थानों के नाम

- एनआईटी जालंधर, पंजाब
- एनआईटी मणिपुर
- एनआईटी दिल्ली, नई दिल्ली
- एनआईटी दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल
- एनआईटी कर्नाटक
- एनआईटी त्रिची, तमिलनाडु
- आईआईटी गांधीनगर
- आईआईटी रोपड़, पंजाब
- आईआईटी गुवाहाटी, असम
- आईआईटी खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
- आईआईटी दिल्ली
- आईआईटी पटना, बिहार
- शिव नादर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- एचएनबीजी विश्वविद्यालय, उत्तराखंड
- माधव विश्वविद्यालय, राजस्थान
- भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून
- बी बी अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
- आईआईटी मद्रास, तमिलनाडु
- जेएनयू नई दिल्ली
- सीएसआईआर एनपीएल नई दिल्ली
- सीएसआईआर सीएमईआरआई दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल
- आईआईएससी बैंगलोर, कर्नाटक
- आईएनएसटी मोहाली, चंडीगढ़, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- दून विश्वविद्यालय, उत्तराखंड
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
- पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला
- मणिपुर विश्वविद्यालय

❖ इंडस्ट्रीज का नाम

- क्रिस्टल मॉर्फिक्स टेक्नोलॉजी, हैदराबाद



एएमआरसी उपकरणों का वर्ष-वार उपयोग

विभिन्न उपकरणों से काम कर रहे शोध विद्वान



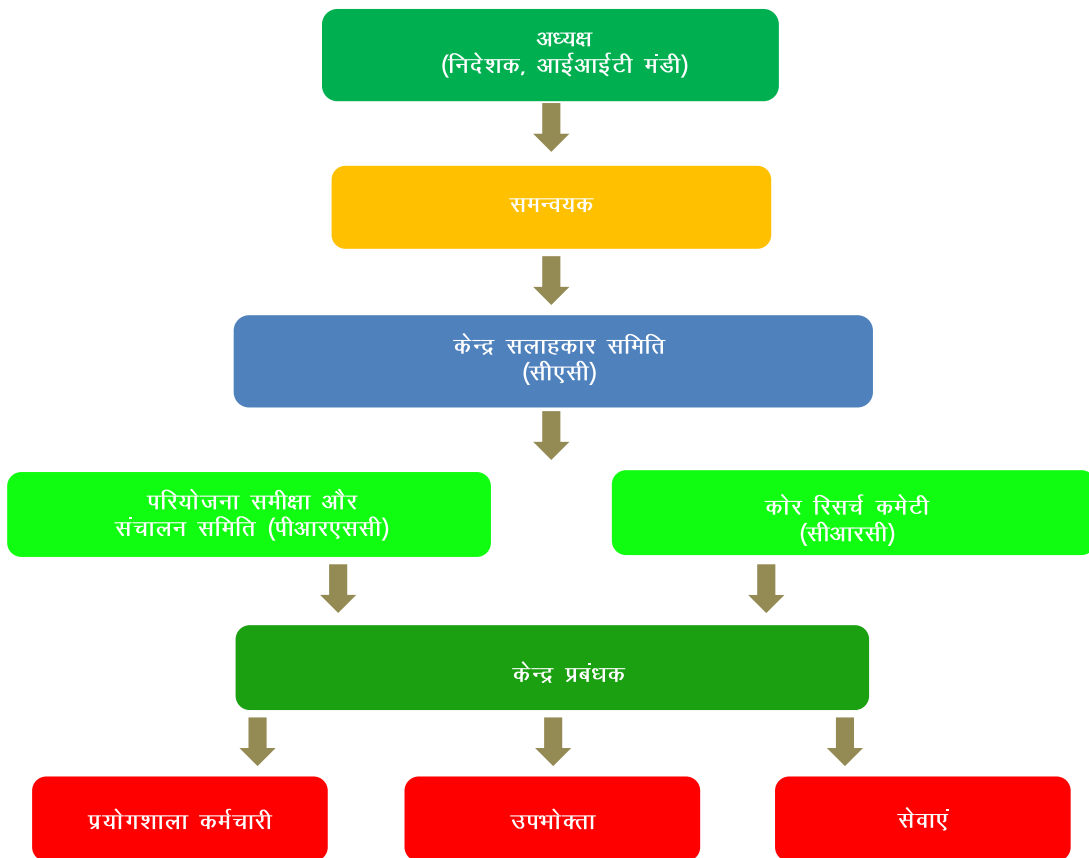
5.2 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र (C4DFED)/ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मंडी, (हिमाचल प्रदेश), भारत



समन्वयक: प्रो. सतिन्द्र कुमार शर्मा

<https://c4dfed.iitmandi.ac.in>

संगठनात्मक संरचना **C4DFED** सुविधा / आईआईटी मंडी



“परियोजना समीक्षा और संचालन समिति (पीआरएससी)”

| | |
|--|-----------------------------|
| प्रो. सतिन्द्र कुमार शर्मा (एससीईई, आईआईटी मंडी) | समन्वयक |
| प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी | अध्यक्ष, निदेशक आईआईटी मंडी |
| प्रो. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज (एससीईई, एमेरिटस प्रो.) | संस्थापक निदेशक / सदस्य |
| प्रो. केनेथ गोंजाल्विस (एसबीएस, आईआईटी मंडी) | विशिष्ट प्रो./सदस्य |
| प्रो. सुब्रत घोष (एसबीएस, आईआईटी मंडी) | सदस्य |
| डॉ. हितेश श्रीमाली (एससीईई, आईआईटी मंडी) | सदस्य |
| डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन (एसई, आईआईटी मंडी) | सदस्य |
| डॉ. अजय सोनी (एसबीएस, आईआईटी मंडी) | सदस्य |
| डॉ. अंकुश बाग (एससीईई, आईआईटी मंडी) | सदस्य |
| डॉ. अमित जायसवाल (एसबीएस, आईआईटी मंडी) | सदस्य |

“कोर रिसर्च कमेटी (सीआरसी)”

| क्रम सं. | नाम | स्कूल | ई-मेल आईडी |
|----------|--------------------------|---------------------|--|
| 1 | डॉ. अजय सोनी | एसबीएस, आईआईटी मंडी | ajay@iitmandi.ac.in |
| 2 | डॉ. अमित जायसवाल | एसबीएस, आईआईटी मंडी | j.amit@iitmandi.ac.in |
| 3 | डॉ. अंकुश बाग | एससीईई, आईआईटी मंडी | ankushbag@iitmandi.ac.in |
| 4 | डॉ. सी. एस. यादव | एसबीएस, आईआईटी मंडी | shekhar@iitmandi.ac.in |
| 5 | डॉ. गौरव भूटानी | एसई, आईआईटी मंडी | gaurav@iitmandi.ac.in |
| 6 | डॉ. जी. श्रीकांत रेड्डी | एससीईई, आईआईटी मंडी | gopishrikanth@iitmandi.ac.in |
| 7 | डॉ. हितेश श्रीमाली | एससीईई, आईआईटी मंडी | hitesh@iitmandi.ac.in |
| 8 | डॉ. कुणाल घोष | एससीईई, आईआईटी मंडी | kunal@iitmandi.ac.in |
| 9 | डॉ. प्रदीप कुमार | एसबीएस, आईआईटी मंडी | pkumar@iitmandi.ac.in |
| 10 | प्रो. प्रदीप परमेश्वरन | एसबीएस, आईआईटी मंडी | pradeep@iitmandi.ac.in |
| 11 | डॉ. राहुल श्रेष्ठ | एससीईई, आईआईटी मंडी | rahul_shrestha@iitmandi.ac.in |
| 12 | प्रो. सतिन्द्र के. शर्मा | एससीईई, आईआईटी मंडी | satinder@iitmandi.ac.in |
| 13 | डॉ. सत्वशील रमेश पोवार | एसई, आईआईटी मंडी | satvasheel@iitmandi.ac.in |
| 14 | डॉ. शुभजीत आर. चौधरी | एससीईई, आईआईटी मंडी | src@iitmandi.ac.in |
| 15 | डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन | एससीईई, आईआईटी मंडी | srikant@iitmandi.ac.in |
| 16 | डॉ. श्रीनिवासु बोडापति | एससीईई, आईआईटी मंडी | srinivasu@iitmandi.ac.in |
| 17 | प्रो. सुब्रत घोष | एसबीएस, आईआईटी मंडी | subrata@iitmandi.ac.in |
| 18 | डॉ. स्वाति शर्मा | एसई, आईआईटी मंडी | swati@iitmandi.ac.in |
| 19 | डॉ. वेंकट कृष्णन | एसबीएस, आईआईटी मंडी | vkn@iitmandi.ac.in |
| 20 | डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन | एसई, आईआईटी मंडी | viswa@iitmandi.ac.in |

कार्यकारी सारांश

यह दस्तावेज 31 मार्च, 2021 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष 20-21 के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डिजाइन और निर्माण (C4DFED) की आधिकारिक वार्षिक रिपोर्ट का सारांश प्रस्तुत करता है। आईआईटी मंडी में C4DFED सुविधा उपकरण डिजाइन और निर्माण पर बहु-विषयक अनुसंधान के लिए एक अनूठी सुविधा है। आईआईटी मंडी में कई अत्याधुनिक सुविधाएं श्रेणी 100, श्रेणी 1000 और श्रेणी 10000 स्वच्छ प्रयोगशालाओं के अंदर रखी गई हैं। श्री आर. सुब्रह्मण्यम, सचिव (एचई), मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार ने 31 अक्टूबर, 2018 को इस अत्याधुनिक सुविधा का उद्घाटन किया।

इस केंद्र का अंतिम लक्ष्य विभिन्न चल रही परियोजनाओं और भविष्य के लिए आईआईटी मंडी अनुसंधान और वैज्ञानिक समुदाय की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करना है और छात्रों को लंबे समय में भारत और अर्धचालक उद्योगों/समाज की सेवा करने के लिए कुशल पेशेवर और शोधकर्ता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना है। आईआईटी मंडी में C4DFED सुविधा पिछले दो वर्षों से पूरी तरह से चालू है। यह अब नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स के विकास और अनुप्रयोग, चरम पराबैंगनी लिथोग्राफी (ईयूएल) प्रतिरोध पदार्थों के विकास अगली पीढ़ी के प्रौद्योगिकी नोड, आईसी डिजाइन और निर्माण, और नैनो-माइक्रो (एनईएमएस और एमईएमएस) सिस्टम और डिजाइन आदि जैसी अनुसंधान परियोजनाओं को सम्भालने में सक्षम है। आईआईटी मंडी में उपलब्ध इस बुनियादी ढांचे से बड़ी संख्या में शोधकर्ता, संस्थान और पड़ोसी संस्थानों के छात्र लाभान्वित होते हैं। पिछली दो तिमाहियों में एकत्र उपभोगकर्ता शुल्क लगभग 4 लाख हैं। यह सुविधा की आत्मनिर्भरता के लिए राजस्व सृजन का एक स्रोत भी है।

इसके साथ ही, इसरो, डीआरडीओ, डीएसटी आदि जैसे कई सरकारी संस्थान या औद्योगिक वित्त पोषित परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं या अभी भी चल रही हैं। वर्तमान परियोजनाओं में केंद्र की सुविधाओं के दिन-प्रतिदिन के संचालन के लिए केंद्र प्रबंधक, दो परियोजना कर्मचारी और उपकरण संचालकों को काम पर रखा जाता है। जबकि, दो तकनीकी कर्मचारी सदस्य पूरे क्लीनरूम और प्लांट रूम संचालन की देखभाल कर रहे हैं, जो एएचयू, एमएयू, चिलर्स, यूपीएस और बीएमएस से लैस हैं।

C4DFED सुविधाओं को आत्मनिर्भर स्वतः स्थायी बनाने के लिए एक समूहिक प्रयास शुरू किया गया है। इस सम्बंध में, भारत के विभिन्न संस्थानों/संगठनों (आईआईटी मंडी, आईआईटी दिल्ली, आईआईएससी, आईआईटी रोपड़, इसरो, डीआरडीओ और कंपनी आदि) और विदेशों से एक विशेषज्ञ समिति ने 11 दिसंबर 2019 को व्यक्तिगत रूप से/स्काइप आईआईटी मंडी सी4डीएफईडी सुविधा का दौरा किया है। उनके सुझावों के अनुसार केंद्र पिछले वर्ष की तरह और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है।

C4DFED की मुख्य विशेषताएं

| | |
|---------------------------|--|
| उपभोक्ता | <ul style="list-style-type: none"> सभी आईआईटी मंडी संकाय जिनकी अनुसंधान रुचि समान है। आईआईटी मंडी और अन्य संस्थानों के परास्नातक और पीएचडी छात्र शैक्षणिक, अनुसंधान और औद्योगिक संस्थान |
| परियोजना की कुल लागत | ₹.10 करोड़. ₹.40 करोड़ के उपकरण |
| विद्युत शक्ति की आवश्यकता | 600 केवीए |
| श्रेणी 100 क्षेत्र | 1200 वर्ग फीट |
| श्रेणी 1000 क्षेत्र | 450 वर्ग फीट |
| श्रेणी 10000 क्षेत्र | 350 वर्ग फीट |
| श्रेणी 100000 क्षेत्र | 2000 वर्ग फीट |

सी4डीएफडी, आईआईटी मंडी में सुविधाओं / उपकरणों की सूची

| क्रम सं. | उपकरण | मॉडल | निर्माण | श्रेणी | फोटो |
|----------|---|--------------------------------------|------------------------------|----------------|---|
| 1 | परमाणु बल माइक्रोस्कोप | आयाम चिह्न पीटी | ब्रूकर | परिष्कृत उपकरण |  |
| 2 | ऑप्टिकल प्रोफिलोमीटर | CONTOURGT-K स्वचालित प्रणाली | ब्रूकर | परिष्कृत उपकरण |  |
| 3 | इलिप्सोमीटरी | ईपी4 | एक्यूरियन | परिष्कृत उपकरण |  |
| 4 | फील्ड उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप | जेमिनी एसईएम 500 | कार्ल जीस माइक्रोस्कोपी | परिष्कृत उपकरण |  |
| 5 | हीलियम आयन बीम लिथोग्राफी | ओरियन नैनो फ़ैब | कार्ल जीस माइक्रोस्कोपी | परिष्कृत उपकरण |  |
| 6 | मास्कलेस लिथोग्राफी | एसएफ-100 एक्सप्रेस मास्कलेस एक्सपोजर | इंटेलिजेंट माइक्रो पैटर्निंग | परिष्कृत उपकरण |  |

| | | | | | |
|----|---------------------------|------------------|---|----------------------|---|
| 7 | इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी | ईलाइन प्लस | रायथ | परिष्कृत उपकरण |  |
| 8 | मास्क अनाइनर | ईवीजी610 | ईवी समूह | परिष्कृत उपकरण |  |
| 9 | स्टाइलस प्रोफिलोमीटर | नैनो मैप-LS | एईपी प्रौद्योगिकी | परिष्कृत उपकरण |  |
| 10 | दस्ताना बॉक्स | एसजीआई 200/750TS | साइलैब – विग्रो गैस शोधन तकनीक | सामान्य विशेषता साधन |  |
| 11 | ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप | बीएक्स 51 | ओलिंपस | परिष्कृत उपकरण |  |
| 12 | संपर्क कोण | एसईओ फोनिक्स 300 | एसईओ (सरफेस इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स) फोनिक्स 300 | परिष्कृत उपकरण |  |
| 13 | इलेक्ट्रो केमिकल एनलाइज़र | सीएच उपकरण | सीएच उपकरण | सामान्य विशेषता साधन |  |

| | | | | | |
|----|-------------------------------|------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------|---|
| 14 | स्पिन कोटर | डब्ल्यू-650एमजेड 23एनपीपी | लॉरेल | परिष्कृत उपकरण |  |
| 15 | स्पटरिंग सिस्टम | स्वतः संचारण | उत्कृष्ट प्रक्रिया प्रौद्योगिकी | परिष्कृत उपकरण |  |
| 16 | प्रतिक्रियाशील आयन नक्काशी | प्लानरआरआईई -6एस | प्लानर टेक. | परिष्कृत उपकरण |  |
| 17 | थर्मल वाष्पीकरण | बीसी-300 | हिंद हाई वैक्यूम | परिष्कृत उपकरण |  |
| 18 | विद्युत विशेषता प्रणाली | कीथेली 4200 एससीएस | टेक्ट्रॉनिक्स (कीथली) | परिष्कृत उपकरण |  |
| 19 | नैनोफाइबर यूनिट | सुपर-ES2 | ई-स्पिन नैनोटेक | परिष्कृत उपकरण |  |
| 20 | 3 जोन फर्नेस | लिंडबर्ग ब्लू एम | थर्मोफिशर साईटिफिक | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |
| 21 | वैक्युम ओवन | | नैनोसेमी प्रौद्योगिकी | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |

| | | | | | |
|----|------------------|-----------------------------|---------------------------|--------------------------|---|
| 22 | गर्म हवा ओवन | एमएसी | मैक्रो साईटिफिक वर्क | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |
| 23 | अपकेन्द्रण | स्पिनविन एमसी 03 | टार्सन्स | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |
| 24 | प्रोब सोनिकेटर | फ्रंटलाइन एफएस-750 सोनिकेटर | | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |
| 25 | अल्ट्रा सोनिकेटर | | रिवेरा ग्लास | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |
| 26 | 3डी प्रिन्टर | | एक्सवाईजेड प्रिंटिंग प्रो | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |
| 27 | तोलन यंत्र | एमई-204 | मैटलर टोलेडो | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |
| 28 | होट प्लेट | एम10102003 | एक्सवा सिकेम बायोटेक | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |
| 29 | वैक्यूम फिल्टर | | एक्सवा सिकेम बायोटेक | सामान्य प्रयोगशाला उपकरण |  |

आईआईटी मंडी में अब तक सी4डीएफईडी सुविधा से लाभान्वित छात्रों / शोधकर्ताओं की संख्या

• शैक्षणिक वर्ष (2020–21): 52

सी4डीएफईडी उपभेक्ताओं के प्रकाशनों और पेटेंटों की सूची

वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए सी4डीएफईडी सुविधा से कुल 18 प्रकाशन सृजित किए गए हैं, सूची इस प्रकार है:

पत्रिकाओं में प्रकाशन

1. 2,2'-(Arylenedivinylene) bis-8-hydroxyquinolines एकजिबिटिंग एरोमैटिक $\pi-\pi$ स्टैकिंग इंटरैक्शन फॉर सॉल्यूशन प्रोसेसेबल हाई-परफॉर्मंस पी-टाइप ऑर्गेनिक सेमीकंडक्टर्स, सुमन सहलांगिया, शिवानी शर्मा, सतिंदर के शर्मा, चुल्लीकट्टिल पी. प्रदीप मैटेरियल अग्रिम, 3 (2021) | DOI: 10.1039/d1ma00215e.
2. अगली पीढ़ी के सीएमओएस अनुप्रयोगों के लिए उच्च प्रदर्शन लागत प्रभावी तांबा-धातु-कार्बनिक-नैनोक्लस्टर आधारित गेट ड्राइइलेक्ट्रिक का एकीकरण, प्राची गुप्ता, रुद्र कुमार, सतिन्द्र के. शर्मा, विले: उन्नत इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, 7,4 (2021) . <https://doi.org/10.1002/aelm.202000835>.
3. एसएआर एडीसी के लिए डिजिटली असिस्टेड सेकेंडरी स्विच-एंड-तुलना तकनीक; आशीष जोशी, हितेश श्रीमाली, और सतिन्द्र के. शर्मा; सर्किट और सिस्टम II पर आईईईई लेनदेन: एक्सप्रेस ब्रीफ, 21,1 (2021), Doi:10.1109/TCSII.2021.3053210.
4. मास्कलेस लिथोग्राफी: एसयू-8 आधारित संवेदनशील और उच्च-जी जेड-अक्ष बहुलक एमईएमएस एक्सेलेरोमीटर के लिए एक दृष्टिकोण; मनदीप जांगड़ा, धैर्य सिंह आर्य, रॉबिन खोसला, और सतिन्द्र के शर्मा; माइक्रोसिस्टम टेक्नोलॉजीज, 3, (2021) | Doi.org/10.1007/s00542-021-05217.
5. फेरोइलेक्ट्रिक सामग्री का एकीकरण: अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग और भंडारण उपकरणों के लिए एक अंतिम समाधान; रॉबिन खोसला और सतिन्द्र के शर्मा; एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 3, 7, 2862–2897, (2021) को स्वीकार किया | Doi.org/10.1021/acsaelm.0c00851.
6. एन्हांस्ड नेगेटिव मैग्नेटोरेसिस्टेंस के साथ फेरिमैग्नेटिक सेमीकंडक्टर की जांच: 2 डी क्रोमियम सल्फाइड; मोहम्मद जी. मोइनुद्दीन, श्रीकांत श्रीनिवासन, सतिन्द्र के. शर्मा, एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स | संचार, 9,2001116(2021) | <https://doi.org/10.1002/aelm.202001116>.
7. एपिटैक्सियल p-Ge-on-p-Si और HfO₂ आधारित Al/HfO₂/p-Ge-on-p-Si/Al संरचनाओं पर चार्ज ट्रैपिंग और लगातार वोल्टेज तनाव का प्रभाव, सुमित चौधरी, डैनियल श्वार्ज, हेंस फंक, रॉबिन खोसला, सतिन्द्र के शर्मा और जोर्ग शुल्ज, नैनो टेक्नोलॉजी पर आईईईई ट्रांजेक्शन, वॉल्यूम. 20, (2021) | Doi. 10.1109/TNANO.2021.3069820.
8. नीलम पर Ga₂O₃ SBD की उच्च तापमान (200 C) स्थिर स्विचिंग प्रतिक्रिया; मनोज के. यादव, अर्नब मंडल, मोहम्मद जी. मोइनुद्दीन, सतिन्द्र के शर्मा, अंकुश बैग, डिवाइस और सामग्री विश्वसनीयता पर आईईईई लेनदेन, 1530–4388 (2021) | Doi:10.1109/TDMR.202.3125244.
9. पदानुक्रमित Ag/ZnO खोखले माइक्रोस्ट्रक्चर पर आधारित एक कुशल हाइड्रोजन गैस सेंसर; सोनालिका अग्रवाल, संजय कुमार, हिमांशु अग्रवाल, मोहम्मद जी. मोइनुद्दीन, मनोज कुमार, सतिन्द्र के शर्मा, कमलेंद्र अवस्थीय सेंसर और एक्ट्यूएटर्स: बी केमिकल 346 (2021) | Doi.org/10.1016/j.snb.2021.130510.
10. मेटल (पीटी)/फेरोइलेक्ट्रिक (SrBi₂ Ta₂O₉)/इंसुलेटर (La₂O₃)/सेमीकंडक्टर (Si), नॉन-वोलेटाइल मेमोरी एप्लिकेशन के लिए MFIS स्ट्रक्चर्स, शिवेंद्र के. राठौर, रॉबिन खोसला, सतिन्द्र के शर्मा, एपल. भौतिक. लेट. 119, 063505 (2021) | Doi: 10.1063/5.0055792.
11. केल्विन प्रोब फोर्स माइक्रोस्कोपी द्वारा फंक्शनल कॉपर-मेटल कोर ऑर्गेनिक क्लस्टर्स थिन फिल्मस में सरफेस चार्ज

की नैनोस्केल प्रोबिंग; रुद्र कुमार, प्राची गुप्ता, सतिन्द्र के शर्मा; उन्नत सामग्री इंटरफेस, 8, 2100529 (2021)
<https://Doi.org/10.1002/admi.202100529>.

सम्मेलनों में प्रकाशन

1. सतिन्द्र के. शर्मा, रुद्र कुमार, मानवेंद्र चौहान, कुमार पालित, और केनेथ ई. गोंजाल्विस ने 26 मार्च (2021) को सैन जोस, कैलिफोर्निया, यूएसए में एसपीआईई, एडवांस्ड ईयूवी लिथोग्राफी में वार्ता आमंत्रित की। (वर्चुअल मोड पर ओरल टॉक, 22 फरवरी 2021)।
2. **SU-8, PolySi, Si 3 N 4, और SiC**—आधारित संरचनात्मक सामग्री का उपयोग करके कैपेसिटिव—अक्ष MEMS एक्सेलेरोमीटर का डिजाइन और सिमुलेशन; मनदीप जांगड़ा, धैर्य सिंह आर्य, रॉबिन खोसला, और सतिन्द्र के शर्मा; आईईईई—आईसीईई 2020, उभरते इलेक्ट्रॉनिक्स पर 5 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 26 से 28 नवंबर (2020) तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भारत द्वारा होस्ट किया गया।
3. वैक्यूम पैकेज्ड एमईएमएस उपकरणों के मापन के लिए अत्यधिक संवेदनशील पॉलिमर माइक्रो—मेष; मनु गर्ग, धैर्य एस आर्य, मोहम्मद जी मोइनुद्दीन, सतिन्द्र के शर्मा, पुष्पराज सिंह; आईईईई—आईसीईई 2020, उभरते इलेक्ट्रॉनिक्स पर 5 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 26 से 28 नवंबर (2020) तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भारत द्वारा होस्ट किया गया।

केन्द्र में चल रही परियोजनाएं और वित्त पोषण

- अर्धचालक उद्योगों के लिए स्वदेशी फोटोरेसिस्ट प्रौद्योगिकी का विकास: भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, कुशल जनशक्ति विकास और रोजगार की सम्भावनाएं ~239 लाख रुपये, एमएचआरडी, भारत से (सितंबर 2016 – जुलाई 2020)।
- वाइब्रेटरी गायरोस्कोप सेंसर एप्लिकेशन के लिए एएसआईसी इंटरफेस का डिजाइन और निर्माण ~ 45.76 लाख रुपये, फंडिंग एजेंसी—इसरो, भारत (नवंबर 2018—नवंबर 2020)।
- C4DFED (स्वच्छ कक्ष) सुविधा परियोजना (IITM/INT/C4DFED-CO/27) IIT मंडी द्वारा वित्त पोषित।

केन्द्र में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय विशिष्ट आगंतुक:

- डॉ. संजय कुंडू, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, शिमला, हिमाचल प्रदेश ने 30 / 12 / 2020 को केन्द्र का दौरा किया।
- श्री जय राम ठाकुर, मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश ने 24 / 2 / 2021 को केन्द्र का दौरा किया।

C4DFED सुविधा उपभोक्ताओं के लिए दर संरचना

- C4DFED आधारित सुविधाएं आंतरिक और बाहरी उपयोगकर्ताओं के लिए मामूली शुल्क पर उपलब्ध हैं। नीचे C4DFED सुविधा की दर संरचना है, जो ऑनलाइन भी उपलब्ध है।

| क्रम सं. | उपकरण | मेक / मॉडल | अकादमिक आंतरिक उपभोक्ताओं के लिए रियायती शुल्क (₹.) | बाहरी शैक्षणिक उपभोक्ताओं के लिए शुल्क (₹.) | उद्योग उपभोक्ताओं के लिए शुल्क (₹.) |
|----------|--------------------------------------|------------------------------------|---|---|-------------------------------------|
| 1 | एफईएसईएम | जीस | 750 | 1,875 | 3,750 |
| 2 | एच ई आयन माइक्रोस्कोप | ओरियन, जीस | 2,000 | 5,000 | 10,000 |
| 3 | एएफएम | ब्लूकर | 500 | 1,250 | 2,500 |
| 4 | रायथ ईबीएल (केवल एक्सपोजर) | रायथ | 1,000 | 2,500 | 5,000 |
| 5 | दीर्घवृत्तमापी (आंकड़ा अधिग्रहण) | एक्यूरियन | 500 | 1,250 | 2,500 |
| 6 | दीर्घवृत्तमापी (मॉडलिंग और विश्लेषण) | एक्यूरियन | 2,500 | 6,250 | 12,500 |
| 7 | मास्कलेस लिथोग्राफी (केवल एक्सपोजर) | इंटेलिजेंट माइक्रो पैटर्निंग | 200 | 500 | 1,000 |
| 8 | ऑप्टिकल लिथोग्राफी | ईवी समूह | 250 | 625 | 1,250 |
| 9 | स्टाइलिस प्रोफाइलर | ईपी प्रौद्योगिकी | 100 | 250 | 500 |
| 10 | ऑप्टिकल प्रोफाइलर | ब्लूकर | 150 | 375 | 750 |
| 11 | आरआईई | प्लानर टेक. | 300 | 750 | 1,500 |
| 12 | ई-स्पिन | ई-स्पिन नैनोटेक | 100 | 250 | 500 |
| 13 | स्पटरिंग | उत्कृष्ट प्रक्रिया प्रौद्योगिकी | 400 | 1000 | 2000 |
| 14 | ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप | ओलम्पिस | 100 | 250 | 500 |
| 15 | जांच स्टेशन के साथ कीथली सिस्टम | कीथली | 100 | 250 | 500 |
| 16 | दस्ताना बॉक्स | साइलैब एसजी1200/750TS | 150 | 375 | 750 |
| 17 | थर्मल वाष्पीकरण | हिंद उच्च वैक्यूम | 300 (प्रति रन) | 750 (प्रति रन) | 1,500 (प्रति रन) |
| 18 | स्पिन कोटर (नियंत्रित वातावरण) | लॉरेल | 75 (प्रति नमूना) | 200 (प्रति नमूना) | 600 (प्रति नमूना) |
| 19 | स्पिन कोटिंग (हवा में) | स्पेक्ट्रो स्पिन | 50 (प्रति नमूना) | 125 (प्रति नमूना) | 250 (प्रति नमूना) |
| 20 | संपर्क कोण | एसईओ फीनिक्स 300 टच कॉन्टैक्ट एंगल | 50 (प्रति नमूना) | 125 (प्रति नमूना) | 400 (प्रति नमूना) |
| 21 | थ्री डी प्रिन्टर | एक्सवाईजेड प्रिंटिंग प्रो | 100 | 250 | 500 |
| 22 | इलेक्ट्रो केमिकल एनालाइजर | सीएच उपकरण | 100 | 250 | 500 |
| 23 | थ्री जोन फर्नेस 1000 डिग्री सेल्सियस | थर्मोफिशर वैज्ञानिक | 100 | 250 | 500 |
| 24 | वैक्यूम ओवन | नैनोसेमी प्रौद्योगिकी | 100 प्रति दिन | 250 प्रति दिन | 500 प्रति दिन |
| 25 | डीआई पानी | मिलीपोर | 50 प्रति लीटर | 125 प्रति लीटर | 250 प्रति लीटर |
| 26 | क्लीन लैब स्पेस (5'x5') | - | 2,000 प्रति दिन | 5,000 प्रति दिन | 10,000 प्रति दिन |

5.3 बायोएक्स

बड़े पैमाने पर कृषि, प्राकृतिक और नाजुक मध्य हिमालय में स्थित, भा.प्रौ.सं. मण्डी का कृषि और पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित है। अनुसंधान का एक अन्य महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र मानव स्वास्थ्य है। इस दिशा में, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने हिमालयी क्षेत्र के लिए तत्काल प्रासंगिकता के व्यापक क्षेत्रों में जीवन विज्ञान में गतिविधियों की शुरुआत की है, और विशेष रूप से ग्रामीण और समाज के निम्न-आय वर्ग के लिए स्वास्थ्य देखभाल। इस क्षेत्र में पारंपरिक किसानों, विशेष रूप से फलों, सब्जियों, केसर और औषधीय पौधों की खेती में लगे किसानों को उन्नत ज्ञान और प्रौद्योगिकी के लाभों का विस्तार करने की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही, प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्थाओं को विकसित करने की आवश्यकता है।

इन लक्ष्यों की ओर, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने बुनियादी विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों के संकायों सहित अंतःविषय अनुसंधान और विकास करने की पहल की है। इस पहल के एक हिस्से के रूप में बायोएक्स सेंटर की परिकल्पना आईआईटी मंडी में 2012 में की गई थी, जो भारत के लिए सस्ती स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता और कृषि में उन्नत प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप और हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित थी। तब से, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने मूलभूत विज्ञान स्कूल के एक हिस्से के रूप में जीवन विज्ञान में छह संकायों और दो अध्येताओं की भर्ती की है। ये संकाय और अध्येता विज्ञान एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और अभियांत्रिकी स्कूल सहित अन्य स्कूलों के संकायों के साथ, जीवन विज्ञान, बायोफिजिक्स, नैनो टेक्नोलॉजी, जैव सूचना विज्ञान, प्लांट सिस्टम बायोलॉजी, के फोकस क्षेत्रों में अत्यधिक अंतःविषय अनुसंधान में लगे हुए हैं। इसके अलावा, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने इन क्षेत्रों से जुड़े लैब उपकरण खरीदने के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रारम्भिक निवेश भी किया। डीबीटी, डीएसटी, एसईआरबी, एमएचआरडी, आदि सहित विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से केंद्र में काम करने वाले व्यक्तिगत संकायों और शोधकर्ताओं द्वारा भी इसी तरह की धनराशि प्राप्त की गई है। चूंकि यह एक महत्वपूर्ण द्रव्यमान तक पहुंच गया था अतः बायोएक्स केंद्र की औपचारिक संरचना का अनुमोदन अंततः दिसंबर 2016 में स्वीकृत किया गया।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बायोएक्स सेंटर की व्यापक दृष्टि स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और पर्यावरण में अनुप्रयोगों के साथ सिस्टम और सिंथेटिक बायोलॉजी के लक्षित क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध करना है। बायोएक्स सेंटर जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान के बीच की खाई को पाटने के द्वारा रोग की रोकथाम और सस्ती स्वास्थ्य देखभाल, हिमालयी क्षेत्र के संबंध में कृषि प्रथाओं, और जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए हिमालयी जैव विविधता अन्वेषण में प्रगति की ओर प्रौद्योगिकी विकास और इंजीनियरिंग की सीमाओं को आगे बढ़ाने की कल्पना कर रहा है, बायोएक्स केंद्र के कुछ महत्वपूर्ण मिशनों में शामिल हैं:

- प्रमुख स्वास्थ्य संबंधी और कृषि-आधारित चुनौतियों से निपटना और अत्याधुनिक अनुसंधान करना।
- बाह्य धन को आकर्षित करने के लिए बहु-संस्थागत और अंतर-अनुशासनात्मक सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- उद्योग-अकादमिक भागीदारी विकसित करना।
- इंजीनियरों, कम्प्यूटेशनल वैज्ञानिकों और भौतिक और जीवन विज्ञान शोधकर्ताओं के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाना।
- जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुसंधान, नवाचार और खोज में उत्कृष्टता हासिल करना।

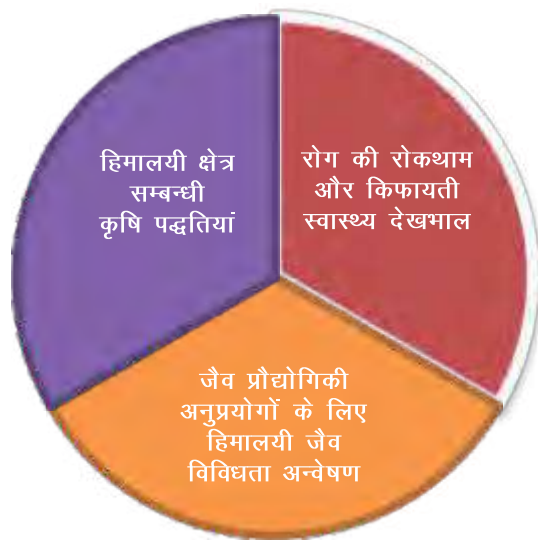
वर्तमान में, विभिन्न विशेषज्ञता के साथ भा.प्रौ.सं. मण्डी के भीतर 20 संकायों का एक समूह, जिसका अनुसंधान फोकस बायोएक्स सेंटर की दृष्टि के साथ संरेखित करता है, केंद्र का एक मुख्य हिस्सा है। इनमें स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज (जीवविज्ञानी, रसायनज्ञ, गणितज्ञ, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञानी), स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), और विज्ञान एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और अभियांत्रिकी स्कूल (कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के संकाय शामिल हैं।

डॉ. प्रोसेनजीत मंडल

बायोएक्स समन्वयक

प्रदीप्ता मुखर्जी राय

परियोजना सहयोगी



चित्र: भा.प्रौ.सं. मण्डी में किए जा रहे अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र

अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र जिन पर केन्द्र में ध्यान केंद्रित किया जा रहा है

रोग की रोकथाम और वहनीय स्वास्थ्य देखभाल

- बायोमेडिकल डिवाइस और इंस्ट्रुमेंटेशन
- बायोमैकेनिक्स
- बायोमेडिकल इमेजिंग
- नैनोबायोटेक्नोलॉजी
- जैव सामग्री
- रोगों के लिए निदान और चिकित्सा

जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए हिमालयी जैव विविधता अन्वेषण

- स्वास्थ्य और उद्योग के लिए प्राकृतिक उत्पाद जैव प्रौद्योगिकी
- औद्योगिक और जैव-प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए चरम वातावरण में नये रोगाणुओं (एंजाइमों) की खोज

हिमालयी क्षेत्र के सम्बंध में कृषि पद्धतियां

- कृषि में उच्च-थ्रूपुट फेनोटाइपिंग
- प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण फसल रोगजनकों का सिस्टम विश्लेषण

वर्तमान में भा.प्रौ.सं. मण्डी के बायोएक्स केंद्र में मौजूद प्रयोगशालाओं और प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों में शामिल हैं:

- उन्नत सामग्री अनुसंधान केंद्र (एएमआरसी) (एनएमआर, मास-स्पेक, सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी, कन्फोकल माइक्रोस्कोप, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित)
- उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा
- आण्विक और सिस्टम जीव विज्ञान
- नैनो तकनीक
- अगली पीढ़ी की अनुक्रमण सुविधा
- एनिमल हाउस सुविधा
- कोशिका और ऊतक संवर्धन सुविधाएं
- अन्य ओमिक्स में विस्तार



सेल और ऊतक संवर्धन सुविधाएं



कवक संवर्धन सुविधाएं



अगली पीढ़ी अनुक्रमण सुविधा



गैस क्रोमैटोग्राफी (मास स्पेक)



बायोरिएक्टर



फाउ साइटोमीटर



यूवी-विज एनआईआर



प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोप



बंद प्रवाह



बेसिक मॉलिक्यूलर बायोलॉजी लैब



सिस्टम्स बायोलॉजी लैब



प्लांट ग्रोथ लैब



औषधीय पादप उद्यान



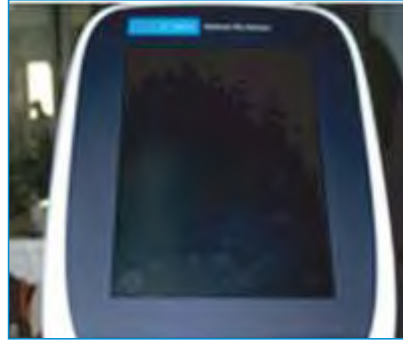
बोटैनिकल गार्डन



सूखी वनस्पतियों का संग्रहालय



जेल डॉक



फ्लक्स विश्लेषक



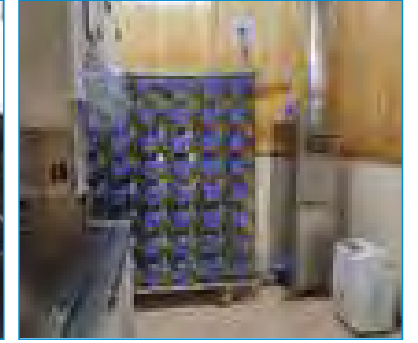
करीयॉसटेट



अल्ट्रासेंट सेट्रीफ्यूज



मल्टीप्लेट रीडर



चित्र: बायोएक्स केन्द्र में मौजूदा अनुसंधान सुविधाएं

- उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) (एनएमआर, मास-स्पेक, सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी, कन्फोकल माइक्रोस्कोप, स्पेक्ट्रोफोटो-मीटर, आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित)



- उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा



चित्र: बायोएक्स सेंटर के शोधकर्ता द्वारा उपयोग की जा रही संस्थान की अन्य शोध सुविधाएं

केन्द्र की सुविधाएं भी चल रहे एम.टेक का एक अभिन्न अंग हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी में स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में एमटेक बायोटेक्नोलॉजिकल रिसर्च और बायो-फार्मा आधारित उद्योग के लिए उपयुक्त अत्याधुनिक ज्ञान और कौशल के साथ छात्रों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करने के लिए अगस्त 2016 में बायोटेक्नोलॉजी कार्यक्रम शुरू किया गया था। भा.प्रौ.सं. मण्डी में जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में एम.टेक का उद्देश्य जैव चिकित्सा अनुसंधान/उद्योग की मौजूदा चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुसंधान और जैव-उद्योग में अत्यधिक रुचि वाले छात्रों का पोषण और प्रशिक्षण देना है। पाठ्यक्रम "सिस्टम बायोलॉजी" और "मेडिकल और नैनो-बायोटेक्नोलॉजी" में विशेषज्ञता कार्यक्रमों के रूप में विशेष क्षेत्रों के साथ-साथ मुख्य जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की मौलिक और व्यावहारिक समझ की ओर निर्देशित है। इसके अलावा, अन्य विषयों के वैकल्पिक पाठ्यक्रम छात्रों को अंतःविषय अनुभव प्रदान करते हैं। कोर-विषय, बायोएक्स के विशेष विषय क्षेत्र, अन्य स्कूलों के ऐच्छिक, प्रयोगशाला प्रशिक्षण के साथ-साथ थीसिस परियोजना घटक के साथ-साथ इन-हाउस/अन्य आर एंड डी संस्थानों/उद्योगों में छात्रों को वर्तमान नौकरी बाजार में आवश्यक सही कौशल के साथ समृद्ध किया जाता है। शिक्षा और उद्योग दोनों में, कार्यक्रम के पूरा होने पर एमटेक छात्रों के प्रथम बैच (8 संख्या) ने पहले ही अपनी डिग्री पूरी कर ली है।

बायोएक्स सेंटर जैव प्रौद्योगिकी के कई क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास और शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें सिस्टम बायोलॉजी, बायोइनफॉर्मेटिक्स, मिसफॉल्डिंग रोगों के बायोफिजिक्स, आंतरिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन (आईडीपी), मेटाबोलिक इंजीनियरिंग, नैनोबायोटेक्नोलॉजी, ट्रांसलेशनल मेडिसिन, सिंथेटिक बायोलॉजी, आदि शामिल हैं। प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अपने मजबूत तालमेल रखते हुए वर्तमान में, पचास से अधिक शोध विद्वान संबंधित क्षेत्रों में आपनी पीएचडी अपाधि के लिए, बायोएक्स सेंटर में विकसित सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं। बायोएक्स केंद्र के संकाय अपने शोध कार्य को उच्च प्रभाव वाली समकक्ष-समीक्षित अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित करने में सक्षम रहे हैं।

1. प्रकृति और ससंग प्रणालियों के तुलनात्मक मानव आंत माइक्रोबायोम विश्लेषण से संवैधानिक रूप से समान वर्गों में कार्यात्मक स्तर की समानता का पता चलता है। फौजुल—मोबीन, विकास शर्मा, तूलिका प्रकाश। 3बायोटेक (बीआईटीसी) 2020, सितंबर; 10(9): 379.
2. सिलिको फंक्शनल एंड इवोल्यूशनरी एनालिसिस ऑफ रबर ऑक्सीजनेज (रॉक्सा और रॉक्सबी) में विकास शर्मा, फौजुल मोबीन, तूलिका प्रकाश। 3बायोटेक (बीआईटीसी) 2020, सितंबर; 10(9): 376.
3. क्लैथ्रिन एडेप्टर AP-1B नॉकआउट चूहों में आंत—माइक्रोबायोटा डिस्बोसिस के साथ कोलाइटिस का संघ, अदिति जांगिड़, शिंजी फुकुदा, मासाहिदे सेकी, तेरुमी होरियुची, युताका सुजुकी, टॉड डी टेलर, हिरोशी, ओहनो, तुलिका प्रकाश। पीएलओएस वन 2020, 24 मार्च 15(3) ई0228358।
4. पीवी डेनियल, एस डोगरा, पी रावत, ए चौबे, ए एस खान, एस रजक, एम कामथन, पी मंडल (2021) एनएफ—केबी पी65 उच्च कार्बो—हाइड्रेट के जवाब में ChREBP के परमाणु प्रवेश को बढ़ावा देकर यकृत लिपोजेनेसिस को नियंत्रित करता है। आहार। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री: 100714 'संबंधित लेखक।
5. रमन असिस्टेड बोन क्वालिटी, स्केलेटल एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड—प्रोडक्ट्स और टाइप 2 डायबिटिक चूहों बोन पी शिटोले, ए चौबे, पी मंडल, आर घोष (2021) मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में कम डोज नाल्ट्रेक्सोन का प्रभाव: सी 123 :112011.
6. कम खुराक नाल्ट्रेक्सोन हाइपरिन्सुलिनमिया से जुड़ी सूजन और इंसुलिन प्रतिरोध को बचाता है। चौबे ए, गिरधर के, कर एके, कुशवाहा एस, यादव एमके, घोष डी, पी मंडल (2020)। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री 295 (48), 16359—16369।
7. नाल्ट्रेक्सोन कोविड—19 के लिए एक संभावित चिकित्सीय उम्मीदवार ए चौबे, बी देहुरी, एस कुमार, बी मेधी, पी मंडल (2020)। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स सितम्बर 15:1—8।
8. हेपाटो—मेटाबोलिक विकारों में ChREBP की प्रेरक और स्वस्थ गतिशीलता। विनीत डेनियल पी, पी मंडल (2020)। यूरोपियन जर्नल ऑफ सेल बायोलॉजी, नवंबर 99 (8):151128।
9. आरएनपी संघनन में एटैक्सिन—2 संरचित और अव्यवस्थित डोमेन के लिए विरोधी भूमिकाएं। सिंह ए, ह्यूल्समीयर जे, रेड्डी ए, पोथाप्रगडा एसएस, हिलेब्रांड जे, पेट्रास्कस ए, अग्रवाल के, कृष्णन आरटी, त्यागराजन डी, जयप्रकाशप्पा डी, विजयराघवन के, रामास्वामी एम, और बक्थावचलु बी (2021)। ईलाइफ., 10:ई60326।
10. रमन असिस्टेड बोन क्वालिटी, स्केलेटल एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड—प्रोडक्ट्स और टाइप 2 डायबिटिक चूहों की हड्डी में नैनो—मैकेनिकल गुणों पर कम खुराक वाले नाल्ट्रेक्सोन का प्रभाव। शितोले पी., चौबे ए., मंडल पी., घोष आर। 2021. सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग सी: जैविक अनुप्रयोगों के लिए सामग्री। 123, 112011।
11. बोन स्टिमुलस पर कैंसलस बोन मैटेरियल और डेड जोन का प्रभाव, बोन रीमॉडेलिंग और टोटल एंकल रिफ्लेसमेंट के कारण टिबियल कंपोनेंट की विफलता के संभावित कारण: एक परिमित तत्व अध्ययन। मंडल एस, घोष, आर. 2021. प्रोक. आईएमईसीएचई, भाग एच: जे. मेडिसिन में इंजीनियरिंग। 235, 185 — 196।
12. उन्नत ईपीएसपीएस जीन की अधिक अभिव्यक्ति से क्षेत्र—स्तरीय ग्लाइफोसेट सहनशीलता और चावल में उच्च अनाज उपज होती है। आचार्य वीएम, शेरी वी, मन्ना एम, पंडित वी, बोरफुकन बी, राम बी, अग्रवाल ए, फरत्याल डी, तेवतिया डी, मसाकापल्ली एसके, अग्रवाल पी, रेड्डी एम. प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जर्नल (2020) 18, पीपी. 2504—2519 :<https://doi.org/10.1111/pbi.13428>.
13. जीनोम से केईजीजी ऑर्थोलॉजी (जी2केओ) पाइपलाइन टूल का उपयोग करते हुए कई रोगाणुओं में कुशल सिस्टम वाइड मेटाबॉलिक पाथवे तुलना। जोशी सी, शर्मा एस, मैकिनॉन एन, मसाकापल्ली एसके (2020)। अंत:विषय विज्ञान: कम्प्यूटेशनल लाइफ साइंसेज वॉल्यूम 12, पेज 311—322 (2020)[https:// link.springer.com/article/10.1007%2Fs12539-020-00375-7](https://link.springer.com/article/10.1007%2Fs12539-020-00375-7).

14. लाइट सिग्नलिंग और यूवी-बी मध्यस्थता संयंत्र विकास विनियमन। यादव ए, सिंह डी, लिंगवान एम, यदुकृष्ण पी, मसाकापल्ली एसके, दत्ता एस. जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव प्लांट बायोलॉजी, वॉल्यूम 62(9); 2020 doi: 10.1111/jipb. 12932 (2020) <https://doi.org/10.1111/jipb. 12932>.
15. विस्तारित HYPOCOTYL5 यूवी-बी तनाव के दौरान उत्तरजीविता बढ़ाने के लिए मोम जैव-संश्लेषण को नकारात्मक रूप से नियंत्रित करता है। प्रिंस सैनी, शिवानी भाटिया, मोनिका महाजन, अंशुल कौशिक, संग्राम केशरी साहू, असिस कुमार, संतोष बी सतभाई, मनोज कुमार पटेल, श्वेता सक्सेना, ओम प्रकाश चौरसिया, मनीष लिंगवान, मसाकापल्ली एसके, राम किशोर यादव। प्लांट फिजियोलॉजी, खंड 184, अंक 4, दिसंबर 2020, पृष्ठ 2091–2106, <https://doi.org/10.1104/pp.20.01304>.
16. एमटीएचएफआर का एलोस्टेरिक निषेध व्यर्थ एसएएम साइकिलिंग को रोकता है और एक-कार्बन मेटा-बोलिज्म में न्यूक्लियोटाइड पूल बनाए रखता है। मुस्कान भाटिया, ज्योतिका ठाकुर, श्रद्धा सुयाल, रुचिका ओनिएल, राहुल चक्रवर्ती, शालिनी प्रधान, मोनिका शर्मा, शांतनु सेनगुप्ता, सुनील लक्ष्मण, मसाकापल्ली एसके, आनंद कुमार बछावत। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री, 2020। 295(47) 16037–16057 <https://doi.org/10.1074/jbc.RA120.015129>
17. बायोप्रोसेसेस की रीयल-टाइम मेटाबोलिक मॉनिटरिंग के लिए एक न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (एनएमआर) प्लेटफॉर्म। मेहेंडेल एन, जेन एफ, जोशी सी, शर्मा एस, मसाकापल्ली एसके, मैककिनोन एन मोलेक्यूल्स 2020 जनवरी; 25(20):4675। <https://doi.org/10.3390/molecules25204675>.
18. पर्सनल प्रोटेक्टिव मास्क के पुनर्प्रयोजन के लिए फोटोथर्मल डिसइंफेक्शन गुणों के साथ पुनः प्रयोज्य MoS₂-संशोधित जीवाणुरोधी कपड़े। प्रवीण कुमार, शौनक राँय, अंकिता सरकार, अमित जायसवाल। एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेस (2021) 13, 11, 12912–12927।
19. बैटरी और सुपरकैपेसिटर के लिए वीओ₂ नैनोस्ट्रक्चर: खान, जेड, सिंह, पी., अंसारी, एस.ए., मनिप्पडी, एस. आर., जायसवाल, ए., सक्सेना, एम. ए रिबि. छोटा 2021, 17, 2006651।
20. लीशमैनिया डोनोवानी-इम्यूनोप्रोटेमिक दृष्टिकोण के शुद्ध प्लीहा अमास्टिगोट्स Th1 उत्तेजक पॉलीप्रोटीन की खोज के लिए। मिश्रा पी, टंडन आर, बसाक टी, सेनगुप्ता एस, दुबे ए. पैरासाइट इम्यूनो-लॉजी, 2020 मई 16; ई12729. doi: 10.1111/pim.12729.
21. जीका वायरस कैप्सिड एंकर साइटोटोक्सिक अमाइलॉइड-जैसे फाइब्रिल बनाता है। सौम्या केयू, गढ़वे के, कुमार ए, गिरि आर', 2021। वायरोलॉजी (*Corres— विचार करने वाले लेखक)।
22. SARS-CoV-2 NSP1 सी-टर्मिनल (अवशेष 131–180) अलगाव में आंतरिक रूप से अव्यवस्थित क्षेत्र है। ए कुमार, ए कुमार, पी कुमार, एन गर्ग, आर गिरि'। 2021. वायरोलॉजिकल साइंस में करंट रिसर्च, 100007।
23. NS2B-NS3 प्रोटीज पर प्रयोग और अनुकरण इसकी जटिल तह को प्रकट करते हैं। कुमार ए, कुमार पी, आरती एम, सिंह एस के, गिरी आर', वायरोलॉजी (2021)। (* अनुरूपी लेखक)।
24. एंटी-वायरल के रूप में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले बायोएक्टिव: कोरोनावायरस संक्रमण पर जोर। सालेही बी, शरीफी-रेड जे, फोकौ पीवीटी, महाडी जीबी, सुलेरिया एचएआर, कापुगंती एसके, गढ़वे के, गिरि आर, शर्मा आर, रिबेरो डी, रॉड्रिक्स सीएफ, रेनर जेड, मार्टिस एन. 2021, फार्माकोलॉजी में फ्रंटियर्स।
25. एंटी-ट्यूबरकुलोटिक थियोनामाइड एंटीबायोटिक्स मानव इंसुलिन और एमिलॉयड -42 में एमिलॉयड गठन को रोककर एंटीऑक्सीडेटिव और न्यूरोनल साइटोप्रो-टेक्टिव प्रकृति दिखाते हैं। एएन खान, के गाधवे, एम. फुरकान, पी कुमार, एमके सिद्दीकी, आर गिरी, आरएच खान। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स 2021, 326,11 5396।
26. क्वेरसेटिन न्यूक्लियोटाइड-बाइंडिंग डोमेन से ट्रांसमेम-ब्रेन डोमेन तक सिग्नल ट्रांसडक्शन को बाधित करके पी-जीपी मॉड्यूलैटर के रूप में कार्य करता है। सिंह ए, पटेल एस के, कुमार पी, दास के सी, वर्मा डी, शर्मा आर, त्रिपाठी टी, गिरी आर, मार्टिन्स एन, गर्ग एन जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 1–9 (2020)।

27. **SARS-CoV-2** मुख्य प्रोटीज के खिलाफ अनुमोदित दवाओं की रीप्रोफाइलिंग: एक इन-सिलिको अध्ययन। कुमार पी, भारद्वाज टी, कुमार ए, गेही बीआर, कपुगंती एसके, गर्ग एन, नाथ जी, गिरी आर'. *जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स*, 1–15 (2020)। (*अनुरूपी लेखक)।
28. जीका वायरस **NS4A** एन-टर्मिनल क्षेत्र (1–48) **NS3** हेलीकॉप्टर की **NTPase** गतिविधि को प्रेरित करने के लिए एक सहकारक के रूप में कार्य करता है लेकिन **NS3** प्रोटीज नहीं। कुमार डी, कुमार ए, भारद्वाज टी, गिरी आर'। *जैव रसायन और बायोफिजिक्स के अभिलेखागार* 695 (2020) 108631. (*संबंधित लेखक)।
29. **SARS-CoV-2** और अन्य कोरोनावायरस के पहले **ORF** में ट्रांसलेशन-एसोसिएटेड म्यूटेशनल यू-प्रेसर। वी वी ख्रुस्तलेव, आर गिरी, टी ए ख्रीस्तलेवा, एस के कपुगंती, ए एन स्टोजारोव, वी वी पोबोइनव। *माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियस*, सितंबर 2020।
30. मल्टी-एपिटोप वैक्सीन विकास के लिए **SARS-CoV-2** संरचनात्मक प्रोटीन की खोज: एक इन-सिलिको दृष्टिकोण। ए कुमार, पी कुमार, केयू सौम्या, एसके कापुगंती, टी भारद्वाज, आर गिरि'। *टीकों की विशेषज्ञ समीक्षा*, 2020। (*कोरेस-पॉन्डिंग लेखक)।
31. जीका वायरस **NS4A** साइटोसोलिक क्षेत्र (अवशेष 1–48) एक आंतरिक रूप से अव्यवस्थित डोमेन है और लिपिड के लिए बाध्य होने पर फोल्ड होता है। ए कुमार, पी कुमार, आर गिरि'। *वायरोलॉजी*, 2020 (*संबंधित लेखक)।
32. डेंगू वायरस के विपरीत, जीका वायरस कैप्सिड के एन-टर्मिनल क्षेत्र में संरक्षित 14–23 अवशेष लिपिड इंटरैक्शन में शामिल नहीं हैं। केयू सौम्या, डी कुमार, पी कुमार, आर गिरि'। *Biochimica et Biophysica Acta (BBA)—बायोमेम्ब्रेन*, 2020, 183440. (*Corres-ponding लेखक)।
33. अल्जाइमर रोग से संबद्ध अनेक संकेत पथ और **AD** रोगजनन और चिकित्सा में उनकी भूमिकाएँ। के गढ़वे, डी कुमार, वीएन उवर्सकी, आर गिरी'। *औषधीय अनुसंधान समीक्षा* (2020 अगस्त)। (*अनुरूपी लेखक)।
34. छोटे अणु अवरोधक संभवतः जीका वायरस लिफाफा प्रोटीन के पुनर्व्यवस्था को लक्षित कर रहे हैं। शर्मा एन., प्रॉसेर ओ., कुमार पी., टुपलिन ए. और गिरी आर'। *एंटीवायरल रिसर्च* (2020 अगस्त 9; पृष्ठ 104876 से)। (*अनुरूपी लेखक)।
35. पॉलीसेकेराइड जैसे पेंटागैलॉयलग्लूकोज, पैरिथिन ए और स्टीवियोसाइड जीका वायरस लिफाफा प्रोटीन को बांधकर वायरल प्रवेश को रोकते हैं। शर्मा एन., कुमार पी. और गिरी आर'। *जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स* (2020, 23 जुलाई; पृष्ठ 1–13)। (*अनुरूपी लेखक)।
36. सार्स-सीओवी-2, ह्यूमन सार्स और बैट सार्स-लाइक कोरोनावायरस के डार्क प्रोटिओम के तुलनात्मक विश्लेषण के जरिए कोविड-19 को समझना। गिरि आर', भारद्वाज टी, शेगने एम, गेही बीआर, कुमार पी, गढ़वे के, ओल्डफील्ड सीजे, उवर्सकी वी एन. *सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर लाइफ साइंसेज*। 2020 जुलाई 25, पृष्ठ 1–34। (*अनुरूपी लेखक)।
37. विभिन्न विलायक स्थितियों के तहत **p53** एन-टर्मिनल **TAD2** क्षेत्र की गठनात्मक गतिशीलता। कुमार डी, मिश्रा पी एम, गढ़वे के, गिरी आर'। *जैव रसायन और बायोफिजिक्स के अभिलेखागार*। 2020, 24 जून, 108459। (*संबंधित लेखक)।
38. जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस – डार्क प्रोटिओम और डिसऑर्डर-फंक्शन प्रतिमान की खोज। भारद्वाज टी, सौम्या केयू, कुमार पी, शर्मा एन, गढ़वे के, उवरस्की वीएन, गिरी आर'। *FEBS J-* 2020 मई 30. (*कोरेस-पॉन्डिंग लेखक)।
39. एपिग्लोकैटेचिन-3-गैलेट द्वारा जीका वायरस **NS3** हेलीकॉप्टर निषेध में यंत्रवत अंतर्दृष्टि। कुमार डी, शर्मा एन, आरती एम, सिंह एसके, गिरी आर'। *एसीएस ओमेगा*। 2020 मई 4य5 (19):11217–11226। (*अनुरूपी लेखक)।
40. यूबिकिटिन-प्रोटिएसम सिस्टम से प्रोटीन की असंरचित जीवविज्ञान: कैंसर और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में भूमिकाएँ। गढ़वे के, कुमार पी, कपुगंती एसके, उवर्सकी वीएन, गिरी आर'। *जैव अणु*. 2020 मई 21;10(5):796। (*अनुरूपी लेखक)।

41. p53 सी-टर्मिनल डोमेन का फोल्डिंग और संरचनात्मक बहुरूपता: कई अनुरूपताओं वाला एक पेप्टाइड। ए कुमार, पी कुमार, एस कुमारी, वीएन उवर्सकी, आर गिरि। जैव रसायन और जैवभौतिकी के अभिलेखागार, 108342. 2020 (* संबंधित लेखक)।
42. उपाध्याय ए, सुंदरिया एन, धीमान आर, प्रजापति वीके, प्रसाद ए और मिश्रा ए. 2021, न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में जटिल समावेशन निकाय और दोषपूर्ण प्रोटीओम हब: नए सुराग, नई चुनौतियां। न्यूरोसाइंटिस्ट 3:1073858421989582. doi:10.1177/10738 5842198 9582.
43. एक विशिष्ट कंट्रास्टिंग एजेंट के रूप में कार्बन नैनोडॉट्स का उपयोग करके प्रोटीन कोरोना का प्रत्यक्ष दृश्य। राव सी, यादव ए, कौर आर, प्रसाद ए, नंदी सीके। 2020 रासायनिक संचार 56 (88), 13599–13602। doi.org/10.1039/D0CC063 33A.
44. टेनिया सोलियम प्रोटीन: प्रो और एंटी-इंफ्लेमेटरी एंटीजन का एक सुंदर बहुरूपदर्शक। अरोड़ा एन, प्रसाद ए। 2020 प्रोटीओमिक्स 17 (7–8), 609–622 की विशेषज्ञ समीक्षा। (Doi:10.1080/14789450. 2020.1829486).
45. उत्तर भारत के शहरी और अत्यधिक स्थानिक ग्रामीण आबादी में न्यूरोसिस्टीसरकोसिस के निदान के लिए सिस्ट फ्लूइड आधारित एंजाइम इलेक्ट्रोइम्यून ट्रांसफर ब्लॉट का मूल्यांकन। अरोड़ा एन, कौर आर, अंजुम एफ, रावत एस, सिंह ए, त्रिपाठी एस, सिंह जी, प्रसाद ए। 2020 क्लिनिकाकेमिका एक्टा. 508; 16–21. doi: 10.1016/j.cca.2020.05.006.
46. वाई. अरोड़ा, पी. वालिया, एम. हयाशिबे, एम. मुथालिब, एस. रॉय चौधरी, एस. पेरी, ए. दत्ता, “ग्रे-बॉक्स मॉडलिंग और कार्यात्मक निकट-अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी-आधारित सेरेब्रोवास्कुलर रिएक्टिविटी का परिकल्पना परीक्षण। स्वस्थ मनुष्यों में एनोडल हाई-डेफिनिशन टीडीसीएस”, पीएलओएस कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 2021।
47. एल.वी.आर. प्रसादराजू, ए. मधुबाबू, एस. रॉय चौधरी, “इंप्रूवमेंट इन मेडिकल सिस्टम सेफटी एनालिटिक्स फॉर ऑथेंटिक मेजर ऑफ वाइटल साइन्स यूजिंग फॉल्ट-टॉलरेंट डिजाइन अप्रोच”, फ्रंटियर्स इन मेडिकल टेक्नोलॉजी, प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 2021।
48. मधुबाबू, एल.वी.आर. प्रसादाराजू, एस रॉय चौधरी, “एफपीजीए आधारित हाई-परफॉर्मेंस फोनोकार्डि-योग्राफी सिस्टम फॉर एक्सट्रैक्शन ऑफ कार्डिअक साउंड कंपोनेंट्स यूजिंग इनवर्स डिफ्रेड न्यूरॉन मॉडल”, फ्रंटियर्स इन मेडिकल टेक्नोलॉजी, प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 2021।
49. बंदोपाध्याय, जी शर्मा, एस रॉय चौधरी, “एनआईआरएस का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण और तीन न्यूरॉन-सिस्टम फीडफॉरवर्ड इनहिबिशन नेटवर्क के साथ न्यूरो-वैस्कुलर कपलिंग से बोल्ड सिग्नल”, जर्नल ऑफ थियोरिटिकल बायोलॉजी, वॉल्यूम। 498, पीपी. 110297 (1–12), 2020।
50. जी शर्मा, ए बंदोपाध्याय, एस रॉय चौधरी, “इस्केमिक स्ट्रोक पुनर्वास तकनीक के साथ संवहनी गतिविधि पर एक प्रारंभिक अध्ययन”, क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी, वॉल्यूम. 131, नंबर 4, पीपी. ई73–ई75, 2020।
51. जी शर्मा, ए बंदोपाध्याय, एस रॉय चौधरी, “एनोडल ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन तकनीक के साथ इस्केमिक स्ट्रोक पेशेंट्स के स्वस्थ और लेसियन गोलार्ध को वर्गीकृत करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन”, क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी, वॉल्यूम 131, नंबर 4, पीपी। ई199–ई200, 2020।
52. एल.वी.आर. प्रसादाराजू, ए. मधुबाबू, एस. रॉय चौधरी, “कार्डियक एनॉर्मलिटीज के एक्यूरेट डिटेक्शन में सुधार और मेडिकल सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए प्रोग्नॉस्टिक हेल्थ डायग्नोसिस”, आईईईई एक्सेस, वॉल्यूम. 8, पीपी. 32776–32782, 2020।
53. जी शर्मा, एस रॉय चौधरी, “गैर इनवेसिव ब्रेन स्टिमुलेशन के लिए इष्टतम स्थानों का पता लगाने के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण”, मेडिकल सिस्टम के जर्नल, 44: 85 (1–10), 2020।

54. वाई. अरोड़ा, एस. रॉय चौधरी, “कॉर्टिकल एक्साइटेबिलिटी थ्रू एनोडल ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन: ए कंप्यूटेशनल अप्रोच”, जर्नल ऑफ मेडिकल सिस्टम्स, 44: 48 (1–13), 2020।

55. जी. शर्मा, आर. कुमार, एस. रॉय चौधरी, “फैब्रिकेशन ऑफ ड्यूल पर्पस स्पाइकिंग इलेक्ट्रोड फॉर सेंसिंग इलेक्ट्रो-एन्सेफेलोग्राम सिग्नल एंड हाई डेफिनिशन ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन”, आईईईई सेंसर्स जर्नल, वॉल्यूम. 20, नंबर 3, पीपी. 1664–1671, 2020।

| डिफेंड किए गए पीएचडी छात्र (बायोएक्स, एसबीएस) | सुपरवाइजर |
|---|---------------------------|
| डॉ. दीपक शर्मा | डॉ. रजनीश गिरि |
| डॉ. नितिन शर्मा | डॉ. रजनीश गिरि |
| डॉ. नैना अरोड़ा | डॉ. अमित प्रसाद |
| डॉ. कुंडलिक गढ़वे | डॉ. रजनीश गिरि |
| डॉ. सुब्रत मंडल (एसई) | डॉ. राजेश घोष |
| डॉ. फौजुल मोबीन | डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तव |
| डॉ. याशिका अरोड़ा (एससीईई) | डॉ. शुभजित राय चौधरी |

आयोजित कार्यक्रम

- “माइक्रोब और प्लांट सिस्टम के फ्लक्सोमिक्स (फ्लक्सएमएपीएस 2021)” पर इंडो-यूके संगोष्ठी दिनांक: 24–25 मार्च, 2021।

आयोजन संस्थान: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके।

आयोजक: डॉ. श्याम कुमार मसाकपल्ली

- “नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग एप्लीकेशन्स: सिस्टम्स बायोलॉजी एंड मेटागेनोमिक्स” पर ऑनलाइन कार्यशाला।

दिनांक: (6 दिन 14 अक्टूबर 2020 से 29 अक्टूबर 2020 तक)।

स्थान: जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जीवन विज्ञान स्कूल, मोजोरम विश्वविद्यालय

आयोजक: डॉ. तुलिका प्रसाद श्रीवास्तव

6. अनुसंधान समूह

6.1 डिजाइन और नवाचार केन्द्र पेटेंट, डिजाइन और नवाचार संस्कृति

डीआईसी के बारे में

भा.प्रौ.सं. मण्डी डिजाइन और नवाचार सेंटर स्नातकों और शोधार्थियों के लिए आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है ताकि उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को डिजाइन और विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित किया जा सके। चूंकि भारत “मेक इन इंडिया” नीति की ओर बढ़ रहा है और आईआईटी मंडी का मिशन और विजन देश के दृष्टिकोण के अनुरूप है, इसलिए हमारा संस्थान ऐसे स्नातकों और शोध विद्वानों को तैयार करने का प्रयास करता है जो उन्हें रचनात्मकता और नवाचार के मामले में स्वतंत्र रूप से सोचने में सक्षम बनाते हैं। इस विश्वास के साथ कि किसी भी गतिविधि में प्रगतिशील विकास और स्थायी सुधार प्राप्त करने के लिए तकनीकी नवाचार एक आवश्यक तत्व है, एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित अत्याधुनिक डिजाइन केंद्र परिसर में स्थापित किया जा रहा है। चूंकि विश्व स्तर पर आर्थिक विकास की अगली लहर नवाचार और उद्यमिता के नेतृत्व में होगी, यह आने वाले वर्षों में भारत के लिए प्रमुख आर्थिक चालक होगा।

डिजाइन और नवाचार केन्द्र को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने 1.6 करोड़ रुपये वाली परियोजना के लिए मूल सहायता प्रदान की है। केन्द्र भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों और संकाय सदस्यों की बेहतरी और उत्पाद विकास प्रयासों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित है। केन्द्र में 3डी प्रिंटर, पीसीबी फैब्रिकेशन यूनित, मैग्नेटिक स्टिटरर्स, एल्विस सिस्टम डेवलपमेंट बोर्ड और अन्य विकास और परीक्षण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। संस्थान चौबीसों घंटे अपने छात्रों को केन्द्र की आसान पहुंच प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

नवाचार परिषद के उद्देश्य

- डिजाइन और नवाचार से संबंधित गतिविधियों के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों को एक आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र और संसाधन प्रदान करना।
- छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच उद्यमशीलता की भावना को प्रशिक्षित और विकसित करना।
- डिजाइन और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रमों को अपनाना / शुरू करना।

डीआईसी संस्थान की संसाधन संख्या

- डीआईसी सदस्यों की कुल संख्या: 07
- संकाय मेंटर्स की कुल संख्या: 07
- पूर्व-ऊष्मायन इकाइयां: 01
- ऊष्मायन इकाइयाँ: 01
- आईपी सुविधा इकाई: 01

डिजाइन और नवाचार केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं

डिजाइन और नवाचार केंद्र के माध्यम से संस्थान नवाचार परिषद द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं: निम्नलिखित उपकरण और उपकरण डिजाइन एवं नवाचार केंद्र के अंदर उपलब्ध हैं

| क्रम सं. | वस्तु | राशि (लाख रु.) | औचित्य |
|----------|--|----------------|---|
| 1 | टैप एंड डाई सेट (2) | 0.4 | लघु विनिर्माण उपकरण |
| 2 | डिजिटल मल्टीमीटर (2) | 0.4 | विद्युत घटकों के चयन और उनकी स्थिति की जांच के लिए उपयोगी |
| 3 | हाथ उपकरण सेट (3) (पाना, पेचकस, छेनी और हथौड़े आदि) | 1.5 | लघु विनिर्माण उपकरण |
| 4 | डीसी बिजली की आपूर्ति (2) | 0.4 | विद्युत घटक विकास के लिए महत्वपूर्ण लघु नियमित उपकरण |
| 5 | एफपीजीए बोर्ड (5) | 1 | विद्युत घटक विकास के लिए महत्वपूर्ण लघु नियमित उपकरण |

| | | | |
|---------|--|-----------|--|
| 6 | माइक्रोकंट्रोलर बोर्ड (10) | 0.5 | विद्युत घटक विकास के लिए महत्वपूर्ण छोटा नियमित उपकरण |
| 7 | लॉजिक प्रोब (2) | 0.1 | विद्युत घटक विकास के लिए महत्वपूर्ण छोटा नियमित उपकरण |
| 8 | एनआई एल्विस बोर्ड | 2.0 | विद्युत घटक विकास के लिए महत्वपूर्ण छोटा नियमित उपकरण |
| 9 | पीएच जांच, पीएच मीटर | 0.5 | रासायनिक गुणों को समझने के लिए महत्वपूर्ण छोटा नियमित उपकरण |
| 10 | टेम्प प्रोब | 0.2 | रासायनिक/शारीरिक गुणों को समझने के लिए महत्वपूर्ण लघु नियमित उपकरण |
| 11 | चुंबकीय उत्तेजक | 0.2 | समाधान मिश्रण करने के लिए नियमित उपकरण |
| 12 | वजनी संतुलन (2) (बैटरी संचालित) | 0.2 | नियमित प्रयोगशाला उपकरण |
| 13 | मास फ्लो मीटर | 1.0 | तरल और गैस मात्रा नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण नियमित प्रयोगशाला उपकरण |
| 14 | इलेक्ट्रोड सामग्री – कॉपर, एल्युमिनियम आदि | 0.5 | विद्युत रासायनिक अनुप्रयोगों में उपयोगी |
| 15 | सोल्डरिंग स्टेशन (3) | 0.6 | सर्किट निर्माण के लिए उपयोगी |
| 16 | उपभोज्य कच्चे माल जैसे शीट धातु, तार, ट्यूब, छड़ आदि | 1.0 | उपभोग्य |
| 17 | प्रतिरोध बॉक्स | 0.05 | सर्किट बनाने के लिए आवश्यक प्रतिरोधक |
| 18 | संधारित्र | 0.05 | सर्किट बनाने के लिए आवश्यक कैपेसिटर |
| 19 | कुचालक | 0.05 | सर्किट बनाने के लिए आवश्यक इंडक्टर |
| 20 | आईसी चिप्स | 0.5 | सर्किट बनाने के लिए आईसी |
| 21 | कनेक्टिंग तार, स्ट्रिप्स, आदि | 0.01 | सर्किट के लिए तारों को जोड़ना, तारों को काटने के लिए स्ट्रिप्स |
| कुल बजट | | 11.16 लाख | |

कुछ उपकरणों की तस्वीरें



पीसीबी प्रोटोटाइप इकाई



थ्री डी प्रिन्टर



अरुडिनो मेगा बोर्ड



सीपीएलडी-एफपीजीए ट्रेनर बोर्ड



एनआई एल्विस प्रोटोटाइप बोर्ड



पीएच मीटर



चुम्बकीय उत्तेजक

वर्तमान में, संस्थान खरीद की प्रक्रिया में है

- COMSOL मल्टीफिजिक्स (मॉडलिंग और सिमुलेशन के लिए)।
- Exaar किट (आभासी वास्तविकता वातावरण के लिए)।
- डेस्कटॉप और वर्कस्टेशन।

उपभोक्ताओं के लिए सुलभ अन्य प्रयोगशालाओं की सुविधाएं:

इलेक्ट्रॉनिक्स लैब

डिजिटल/एनालॉग लैब सभी विभागों के छात्रों के लिए उपलब्ध है। प्रयोगशाला बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक सर्किट के डिजाइन और कार्यान्वयन में उपयोग किए जाने वाले डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप फंक्शन जेनरेटर, डिजिटल मल्टीमीटर, सामान्य प्रयोजन आईसी आदि से सुसज्जित है। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोग हार्डवेयर डिजाइन और रेक्टिफायर के कार्यान्वयन, ट्रांजिस्टर विशेषताओं के विश्लेषण, तुलनित्र, सिंक्रोनस और एसिंक्रोनस काउंटर, ऑप एम्प एप्लिकेशन आदि से लेकर होते हैं।

नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स और एंबेडेड सिस्टम लैब

नियंत्रण प्रणाली और रोबोटिक्स लैब सभी विभागों के छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह प्रयोगशाला अच्छी तरह से नियंत्रित करने वाले उपकरणों अर्थात् बालंडुइनों, मल्टी टैंक सिस्टम, रोबोटिक्स आर्म, लैब व्यू स्टार्टर किट आदि से सुसज्जित है। इस लैब में उल्टे पेंडुलम कंट्रोल ट्रेनर, वीटीओएल कंट्रोल, डीसी मोटर कंट्रोल ट्रेनर किट, हीटिंग वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग कंट्रोल ट्रेनर, मेक्ट्रोनिक्स सेंसर कंट्रोल ट्रेनर, रोटरी जैसे कुछ ट्रेनर किट हैं।

विद्युत मशीन लैब

इलेक्ट्रिक मशीन लैब सभी परीक्षण और माप करने के लिए आवश्यक सभी साधनों और उपकरणों से सुसज्जित है। छात्रों को प्रमुख प्रकार के डीसी/एसी मोटर्स, डीसी/एसी जनरेटर और ट्रांसफार्मर या तो सिंगल-फेज या थ्री-फेज से परिचित होना आवश्यक है,

सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार लैब

प्रयोगशाला प्रयोगों और प्रदर्शनों के बिना संचार प्रणालियों को समझना और सिद्धांत का कार्यान्वयन आसान नहीं है। SPCOM (सिग्नल प्रोसेसिंग एंड कम्युनिकेशन) लैब इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को प्रयोगशाला प्रयोग निष्पादित करने के लिए आवश्यक सुविधा प्रदान करता है। SPCOM लैब का उद्देश्य आधुनिक संचार की तेजी से विकसित हो रही दुनिया में छात्रों को अच्छी समझ देना है। छात्र प्रयोगशाला उपकरणों का उपयोग करके संचार सिद्धांत में कई प्रयोग कर सकते हैं।

केन्द्रीय कार्यशाला

यांत्रिक कार्यशाला एक ऐसा स्थान है जहां छात्र निर्माण और उत्पादन में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं के संचालन द्वारा ज्ञान प्राप्त करते हैं। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को अनुसंधान प्रयोगशालाओं में प्रतिकृति निर्माण का प्रशिक्षण देने में सक्षम बनाना है। कार्यशाला छात्रों को इंजीनियरिंग के माहौल में व्यावहारिक कार्य को संभालने में सक्षम बनाती है। कार्यशाला में मशीन की वर्कशाप, फाउंड्री की वर्कशाप, सीएनसी की वर्कशाप, वेल्डिंग की वर्कशाप, और 3 डी प्रिंटिंग जैसे अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विभिन्न वर्कशाप हैं। कार्यशाला को उनके सम्बंधित ट्रेडों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारियों द्वारा समर्थित किया जाता है। यांत्रिक कार्यशाला में अभियांत्रिकी का ध्येय प्रयोगशाला और अनुसंधान कार्य के लिए विशेष, उच्च-सटीक, कम मात्रा वाले भागों के उत्पादन पर केंद्रित है।

वर्ष 2020–21 के दौरान उपलब्धियां:

स्वीकृत पेटेंट

- एम. अमुधन, के.वी. उदय, एन. चौधरी, एन. कदेली, “डिटेक्शन यूनिट और उसके संचालन की विधि”, भारतीय पेटेंट नं. 372004 दिनांक 31.10.2020।
- एस. रॉय चौधरी, ए. दत्ता, ए. दास, “सिस्टम्स एंड मेथड्स फॉर डिफाइनिंग न्यूरोवस्कुलर रिएक्टिविटी टू ब्रेन स्टिम्युलेशन”, यूएस पेटेंट नंबर 10874341 29–12–2020 को प्रदान किया गया।

आयोजित कार्यशाला

- बायोफेस्ट 2021: यह 3 दिवसीय कार्यक्रम था जिसमें विशेषज्ञ वार्ता, छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण और एमटेक और पीएचडी आईआईटी मंडी के छात्र के साथ बातचीत शामिल थी।

भा.प्रौ.सं. मण्डी संकाय द्वारा की गई नवाचार उन्मुख वार्ता

- डॉ. शुभजित रॉय चौधरी ने सेंसर टेक्नोलॉजी पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, मैसूर में 21–25 सितंबर, 2020 को “देखभाल के बिंदु पर पैथोफिजियोलॉजिकल मापदंडों की गैर इनवेसिव सेंसिंग” पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. शुभजित रॉय चौधरी ने शोध पद्धति पर फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम, साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट, सितंबर 20–24, 2020 में “अनुसंधान में अंतःविषय” पर एक व्याख्यान दिया।

वर्ष 2020–21 में विभिन्न मंचों पर नवाचारों के लिए कुछ सर्वश्रेष्ठ डीआईसी संकाय / छात्र सदस्य और उनकी उपलब्धियां / पुरस्कार

- डॉ. वरुण दत्त को वर्ष 2020 में भूस्खलन निगरानी और चेतावनी प्रणाली के लिए SKOCH अवार्ड (स्वर्ण), सुरक्षा एवं प्रतिभूति से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अमित जायसवाल को वर्ष 2020 में भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलुरु के एसोसिएट के रूप में चुना गया था।

वर्ष 2020–21 में संस्थान में सर्वश्रेष्ठ नवाचार

- डॉ. सुमित सिन्हा रे ने कपड़ा आधारित फेस मास्क का आविष्कार किया जो N99 मानक का था।
- डॉ. अमित जायसवाल ने एक स्व-सफाई आधारित फेस मास्क का आविष्कार किया, जो बैक्टीरिया और वायरस के खिलाफ एक ढाल प्रदान कर सकता है और इसके लिए साबुन आधारित सफाई प्रक्रिया की भी आवश्यकता नहीं होती है।
- डॉ. शुभजित रॉय चौधरी ने न्यूरोरेहेबिलिटेशन को बहाल करने के लिए एक गैर-आक्रामक मस्तिष्क उत्तेजना प्रणाली विकसित की।

2020–21 में खोले गए स्टार्ट-अप

- छात्रों के एक समूह, नमन चौधरी, एम. अमुधन, एन. कदेली ने डॉ. कला वेंकट उदय द्वारा निर्देशित पहाड़ी सड़कों पर दुर्घटनाओं से बचने के लिए एक स्मार्ट सड़क निगरानी प्रणाली विकसित की। छात्रों ने अपने विचार को आगे बढ़ाने के लिए एक स्टार्ट-अप भी खोला है।

संस्थान में विकसित महत्वपूर्ण नवाचार

- प्रो. सुब्रत घोष, प्रो. प्रदीप परमेश्वरन, प्रो. सतिन्द्र शर्मा और प्रो. के.ई गोंजाल्विस के नेतृत्व में रसायन विज्ञान शोधकर्ताओं के एक समूह ने एक स्वदेशी फोटोरेसिस्ट विकसित किया जिसके साथ एक आईसी बनाने की लागत को नाटकीय रूप से कम किया जा सकता है।
- नैनोबायोटेक्नोलॉजी शोधकर्ताओं के एक समूह ने डॉ. अमित जायसवाल के नेतृत्व में मास्क के लिए MoS₂ आधारित सामग्री विकसित की, जिससे स्व-सफाई आधारित फेस मास्क का विकास हुआ, सफाई प्रक्रिया जो बैक्टीरिया और

वायरस के खिलाफ एक ढाल प्रदान कर सकता है और साबुन—आधारित की भी आवश्यकता नहीं है।

- डॉ. शुभजित राय चौधुरी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं के एक समूह ने गैर—आक्रामक मस्तिष्क उत्तेजना पर आधारित एक कम लागत वाले हेडबैंड का आविष्कार किया जो दर्दनाक फिजियोथेरेपी प्रक्रियाओं से गुजरे बिना स्ट्रोक के रोगियों को ठीक कर सकता है।
- डॉ. वरुण दत्त और डॉ. कला वेंकट उदय के नेतृत्व में शोधकर्ताओं के एक समूह ने पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटना की भविष्यवाणी करने के लिए एक कम लागत वाली तकनीक का आविष्कार किया।

2020 में संस्थान की रैंकिंग

एनआईआरएफ रैंकिंग: 31 (इंजीनियरिंग संस्थानों के बीच)

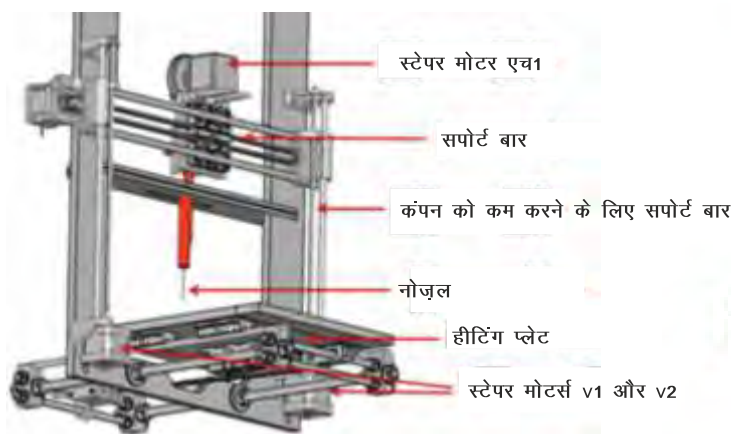
एआरआईआईए रैंकिंग: 07

सोशल मीडिया और संस्थान के कनेक्शन

फेसबुक: www.facebook.com/IITMandi2009

ट्विटर: www.twitter.com/iit_mandi

नवाचारों की तस्वीरें



कम लागत वाला 3डी प्रिंटर



इग्निश बेलेटर: द फायर वॉरियर



स्वचालित राशन
वेंडिंग मशीन



कम लागत वाली मूत्र
एल्युमिन आकलन प्रणाली



सभी मौसम की जैकेट

सम्पर्क:

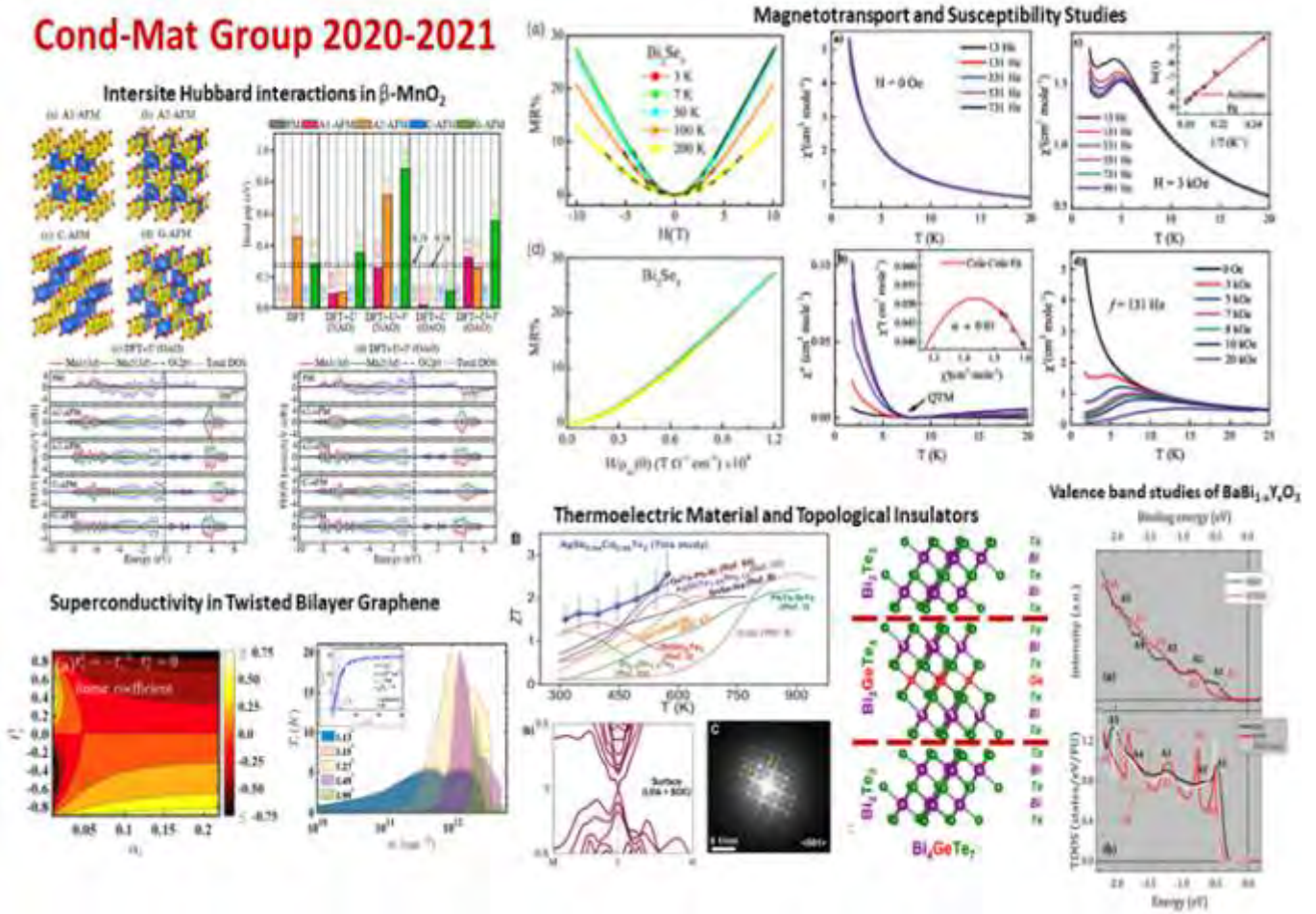
डॉ. शुभजित राय चौधुरी

मोबाइल नंबर: 9816683456, ईमेल: src@iitmandi.ac.in

6.2 संघनित पदार्थ भौतिकी

संघनित पदार्थ भौतिकी समूह में भा.प्रौ.सं. मण्डी में स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के युवा और गतिशील संकाय सदस्य शामिल हैं। वर्तमान में, दस से अधिक संकाय सदस्यों का संघनित पदार्थ भौतिकी से संबंधित गतिविधियों पर एक शोध फोकस है और समूह के सदस्य विभिन्न प्रयोगात्मक तकनीकों, कम्प्यूटेशनल प्रोटोकॉल और सैद्धांतिक मॉडल का उपयोग करके सामग्री के भौतिक गुणों का अध्ययन कर रहे हैं। अनुसंधान गतिविधि का फोकस चौगुना है; (i) तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न चरण संक्रमणों और भौतिक गुणों की मौलिक भौतिकी को समझना, (ii) नई सामग्रियों के लिए खोजपूर्ण अनुसंधान, (iii) भविष्य की ऊर्जा और नैनोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग, और (iv) संगणात्मक उपकरणों का उपयोग करके मूलभूत भौतिकी समस्याओं का डिजाइन और बोध। कार्य की प्रकृति के आधार पर, इन क्षेत्रों को टोपोलॉजिकल क्वांटम सामग्री, ग्राफेन और 2 डी सामग्री, सुपरकंडक्टिविटी और इलेक्ट्रॉन-इलेक्ट्रॉन/फोनन सहसंबंध, मल्टीफेरोइक्स, मैग्नेटोकैलोरिक्स, ह्यूस्लर मिश्र, नैनो-विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी, कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स और कार्यात्मक उपकरणों के रूप में विस्तृत किया गया है। ऑप्टिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, थर्मोइलेक्ट्रिसिटी और ऊर्जा रूपांतरण सामग्री, शीतल संघनित पदार्थ भौतिकी, कम्प्यूटेशनल और सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी, इलेक्ट्रॉनिक बैंड संरचनात्मक गणना, सहसंबद्ध और अव्यवस्थित इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, चरण संक्रमण। प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी में कार्यरत संकाय सदस्यों में डॉ. अजय सोनी, डॉ. बिंदु राधामणि, डॉ. सी.एस. यादव, डॉ. कौस्तव मुखर्जी, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. सुमन के. पाल हैं। सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी समूह में डॉ. आरती कश्यप, डॉ. गिरीश शर्मा और डॉ. सुधीर के पांडे शामिल हैं। कुल मिलाकर, 50 से अधिक शोधकर्ता (संकाय सदस्यों, पीएचडी छात्रों और परियोजना सहयोगियों सहित) हैं जो आईआईटी मंडी में संघनित पदार्थ भौतिकी के विभिन्न पहलुओं में काम कर रहे हैं।

वर्ष 2020-2021 में संघनित पदार्थ समूह के सदस्यों ने क्षेत्र की प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में 70 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं। प्रमुख शोध पत्रिकाएं विज्ञान, प्रकृति संचार, भौतिक समीक्षा बी, भौतिक समीक्षा अनुसंधान, एसीएस फोटोनिक्स, अनुप्रयुक्त सतह विज्ञान, आईईईई इलेक्ट्रॉन उपकरण पत्र, नैनो प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक उपकरणों की समीक्षा, यूरो भौतिकी हैं। पत्र, जे. भौतिक. रसायन. लेट., जे. भौतिक: Cond. मैटर, जे. मैग्न. एंड मैग. मेटर., एपल. भौतिक. लेट., जे. भौतिक. डी: एपल. Phys.-, J. Alloy and Comp., ACS Appl- एनर्जी मेटर., एसीएस ओमेगा, जे. फिज. रसायन. पत्र, संगणना सामग्री विज्ञान, JACS, और सलाह. कार्य मेटर. विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सीएमपी सदस्यों का एक बहुत सक्रिय प्रतिनिधित्व रहा है, जहां संकाय और शोध विद्वानों ने आमंत्रित/अंशदायी वार्ता और पोस्टर आदि के रूप में अपना काम प्रस्तुत किया है। वर्तमान में, संकाय सदस्य डीएसटी-एसईआरबी, सीएसआईआर, बीआरएनएस, भारत-स्वीडन और भारत-रूस द्विपक्षीय अनुदान, और डीआरडीओ जैसी विभिन्न बाहरी-वित्त पोषण एजेंसियों से कुल 3.5 करोड़ से अधिक की कई वित्त पोषित राष्ट्रीय और द्विपक्षीय अनुसंधान परियोजनाओं में कार्य कर रहे हैं। शोध कार्य के कुछ प्रतिनिधि परिणाम नीचे दिए गए हैं।



चित्र: संघनित पदार्थ भौतिकी समूह द्वारा प्रकाशित शोध कार्य के कुछ परिणाम

7. केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय आईआईटी मंडी के अकादमिक और अनुसंधान मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और ज्ञान के निर्माण और प्रसार की सुविधा प्रदान करता है। पुस्तकालय वर्तमान पुस्तकालय सेवाओं की पेशकश करके आवश्यक सहायता प्रदान करता है जो शिक्षण, सीखने और अनुसंधान गतिविधियों के साथ एकीकृत हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय तेजी से पुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, रिपोर्टों, पत्रिकाओं और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के अपने संग्रह का विकास कर रहा है। पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तक संग्रह चल रहे स्नातक शिक्षण कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है।

यह विभिन्न ई-जर्नल डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करता है। इसमें विभिन्न विषयों पर सैकड़ों जर्नल शीर्षकों तक पहुंच शामिल है। सेंट्रल लाइब्रेरी ओपन सोर्स लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर कोहा का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित है। सभी दस्तावेज आरएफआईडी प्रौद्योगिकी-सक्षम हैं। पुस्तकों का लेन-देन भी स्वचालित है। पुस्तकालय ने सीएस/एसडीआई, आईएलएल की ऑनलाइन स्थिति, पुस्तकों का ऑनलाइन आरक्षण, संसाधनों की दूरस्थ पहुंच आदि सहित विभिन्न नवीन सेवाएं शुरू की हैं। वेब ओपेक का उपयोग करके, उपयोगकर्ता अपने उधार विवरण की ऑनलाइन जांच कर सकते हैं। उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय होल्डिंग्स तक पहुंचने के लिए दो वर्कस्टेशन स्थापित किए गए हैं।

स्थान

वर्तमान में, पुस्तकालय की तीन अलग-अलग इकाइयाँ दो अलग-अलग परिसरों यानी दक्षिणी परिसर और उत्तरी परिसर में चालू हैं। इन पुस्तकालयों का विवरण नीचे दिया गया है:

सेंट्रल लाइब्रेरी / उत्तरी परिसर (ए16 भवन)

इस इकाई में मुद्रित पुस्तकों से संबंधित अधिकतम संग्रह उपलब्ध है। भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी को छोड़कर विभिन्न पाठ्यक्रम विषयों से संबंधित लगभग सभी संग्रह इस भवन के भीतर संचालन उद्देश्यों के लिए उपलब्ध हैं। ए16 एक बड़ी इमारत है जिसमें 192 बैठने की क्षमता वाली तीन मंजिलें हैं।

उत्तरी परिसर स्थित सैटेलाइट पुस्तकालय (ए12 भवन—शीर्ष तल)

सैटेलाइट लाइब्रेरी में 50 बैठने की क्षमता वाले चर्चा वाचनालय में धीमी आवाज़ में चर्चा करने की सुविधा है।

दक्षिणी परिसर स्थित पुस्तकालय (ए5 भवन—प्रथम तल)

इस खंड में लगभग 75 सीटों वाले वाचनालय में पुस्तक परिचालन की सुविधा उपलब्ध है। विभिन्न पाठ्यक्रमों (भौतिकी, रसायन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी) से संबंधित संग्रह जेरोक्स के साथ-साथ प्रचलन के लिए उपलब्ध है और इस इकाई में स्कैनिंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

पुस्तकालय में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर

- **कोहा:** स्वचालन उद्देश्य के लिए।
- **डीस्पेस:** डिजिटलीकरण के उद्देश्य से।
- **लिनक्स:** ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए।
- **पिविगो:** तस्वीरों के भंडार के लिए।

संग्रह, विकास और प्रबंधन

'संग्रह भवन' पुस्तकालय के महत्वपूर्ण भागों में से एक है जो छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य उपयोगकर्ताओं के शैक्षणिक और शोध कार्य का समर्थन करता है। पुस्तकालय संग्रह में विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में किताबें, पत्रिकाएं, रिपोर्ट, पैम्फलेट और अन्य पठन सामग्री शामिल हैं।

वर्ष 2020–21 के दौरान संकलित मुद्रित दस्तावेज

2020–21 की अवधि के दौरान केंद्रीय पुस्तकालय ने 170 पुस्तकों का अधिग्रहण किया। प्रिंट पुस्तकों का कुल संग्रह 20137 तक पहुंच गया। इसमें कुछ पत्रिकाओं/पत्रिकाओं के अलावा पुनर्मुद्रण, तकनीकी रिपोर्ट और अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों की वार्षिक रिपोर्ट भी शामिल हैं।

हर महीने नई पुस्तकों की एक सूची जारी की जाती है और इसे पुस्तकालय के होम पेज पर देखा जा सकता है। यह सूची ई-मेल से भी भेजी गई थी। अनुरोध करने वाले संकाय सदस्यों को उनके प्रकाशनों के आगमन के बारे में एक ईमेल अलर्ट भी भेजा जाता है।

वर्ष 2020–21 के दौरान सब्सक्राइब किए गए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

केंद्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों के लिए वेब-आधारित पहुंच प्रदान करता है:

- **पूर्ण-पाठ्य-पत्रिकाएँ:** निम्नलिखित डेटाबेस से 8000 पूर्ण-पाठ पत्रिकाओं तक पहुँच:
एआईपी, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, एसीएस, एपीएस, एएसएमई, सेल प्रेस, आईओपी, एल्सेवियर्स साइंसडायरेक्ट, आईईईई इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी, जेएसटीओआर, सियाम, स्प्रिंगर लिंक, टेलर एंड फ्रांसिस (एस एंड टी पूर्ण संग्रह), प्रकृति, वार्षिक समीक्षा आदि।
- **ग्रंथ सूची ई-डेटाबेस:** विज्ञान खोजक, गणित विज्ञाननेट और विज्ञान का वेब।
- **थीसिस और निबंध:** प्रॉक्वेस्ट निबंध और थीसिस डेटाबेस, संस्थान का थीसिस डेटाबेस, आदि।
- **मानक:** बीआईएस मानक, आईईईई मानक
- **अभिलेखागार:** संस्थागत अभिलेखागार, सबिन अमेरिकाना
- **वीडियो संसाधन:** जोव – जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव रसायन, बायोइंजीनियरिंग, इम्यूनोलॉजी और इंजीनियरिंग संग्रह।
- **ई-पुस्तकें:** केंद्रीय पुस्तकालय विभिन्न विषयों में 21774 से अधिक ई-पुस्तकों के अनुशासित तक पहुंच प्रदान करता है। ई-पुस्तक संग्रह में शीर्षक शामिल हैं जो संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा अत्यधिक अनुशासित हैं और उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं। ई-पुस्तकों के संग्रह के प्रकाशकों में साइंस-डायरेक्ट (एल्सेवियर), मैकग्रा हिल, पियर्सन, टीएंडएफ, आईईईई, आईईईई-एमआईटी प्रेस, आईईईई-विले, मॉर्गन क्लेपूल, सीयूपी, एएसएमई, वर्ल्ड साइंटिफिक

और जॉन विले शामिल हैं। ई-पुस्तकों के संग्रह में स्प्रिंगर प्रकाशक के गणित (एलएनएम), भौतिकी (एलएनपी) और कंप्यूटर विज्ञान (एलएनसीएस) पर व्याख्यान नोट्स श्रृंखला भी शामिल है।

इस वर्ष के लिए ई-पुस्तक संग्रह विकास की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है। अन्य प्रसिद्ध प्रकाशन गृहों के पुस्तक संग्रह को शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रसार

परिसंचरण गतिविधियाँ अब स्वचालित हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ता वेबओपैक का उपयोग करके अपने उधार विवरण की जांच कर सकते हैं। हम फ़ैकल्टी, रिसर्च स्कॉलर, छात्रों और कर्मचारियों से मिलकर बने उपयोगकर्ताओं की सेवा करते हैं। सर्कुलेशन डेस्क सप्ताह में 35 घंटे खुला रहता है। औसतन, मासिक संचलन लेनदेन लगभग 400 हैं।

डिजिटल लाइब्रेरी

केंद्रीय पुस्तकालय का अपना मुखपृष्ठ (<http://library.iitmandi.ac.in/>) है, जो अपने संसाधनों तक वेब-आधारित पहुंच प्रदान करता है, 50000 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों, 21774 इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों और डेटाबेस की खरीद करता है।

ओपेक (ऑन-लाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग)

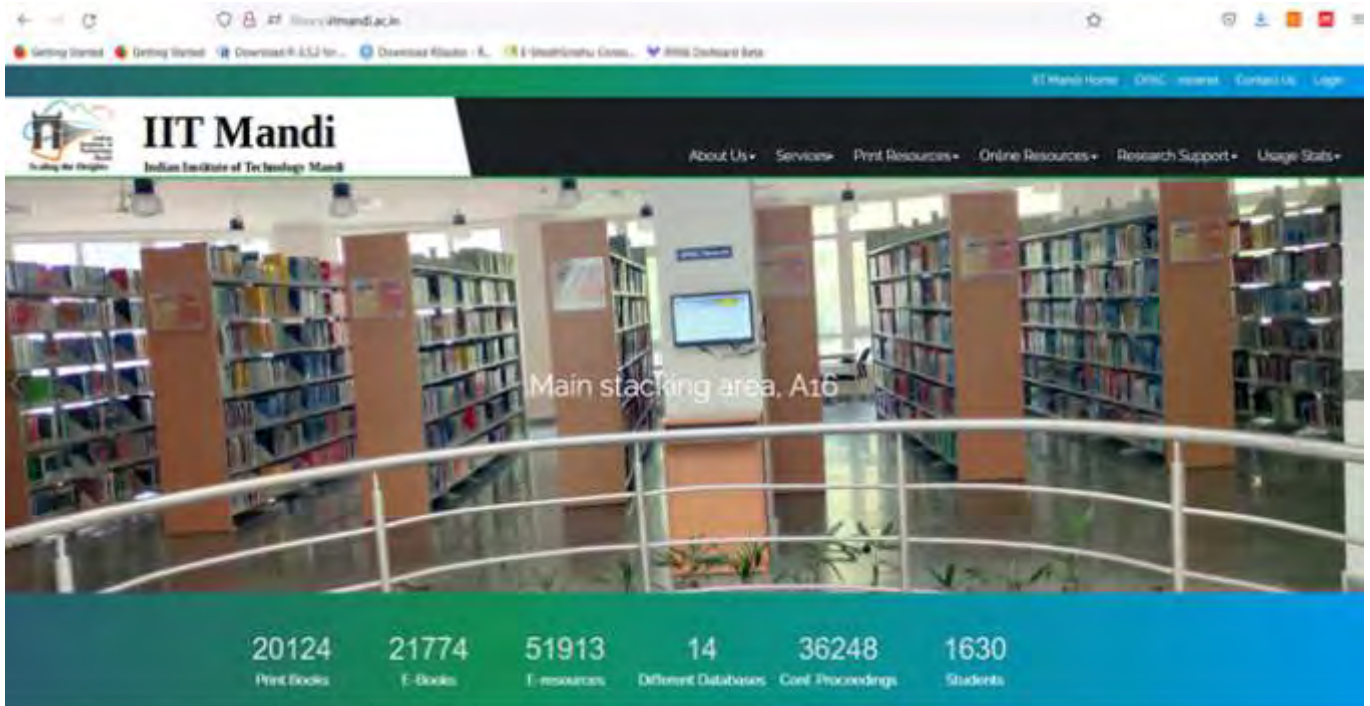
ओपेक पुस्तकालय के सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले डेटाबेस में से एक है और पुस्तकालय वेब पेज (<http://www.webopac.iitmandi.ac.in/>) के माध्यम से 24*7 तक पहुँचा जा सकता है। पुस्तकालय में उपलब्ध सभी दस्तावेजों को सूचीबद्ध करने के अलावा, यह ऑनलाइन नवीनीकरण और आरक्षण, संचलन की अनुमति देता है और प्रत्येक पुस्तक की वर्तमान स्थिति बताता है। ओपेक लेखक, शीर्षक, परिग्रहण संख्या, विषय और कई अन्य क्षेत्रों द्वारा खोजा जा सकता है।

प्रदत्त सेवाएं

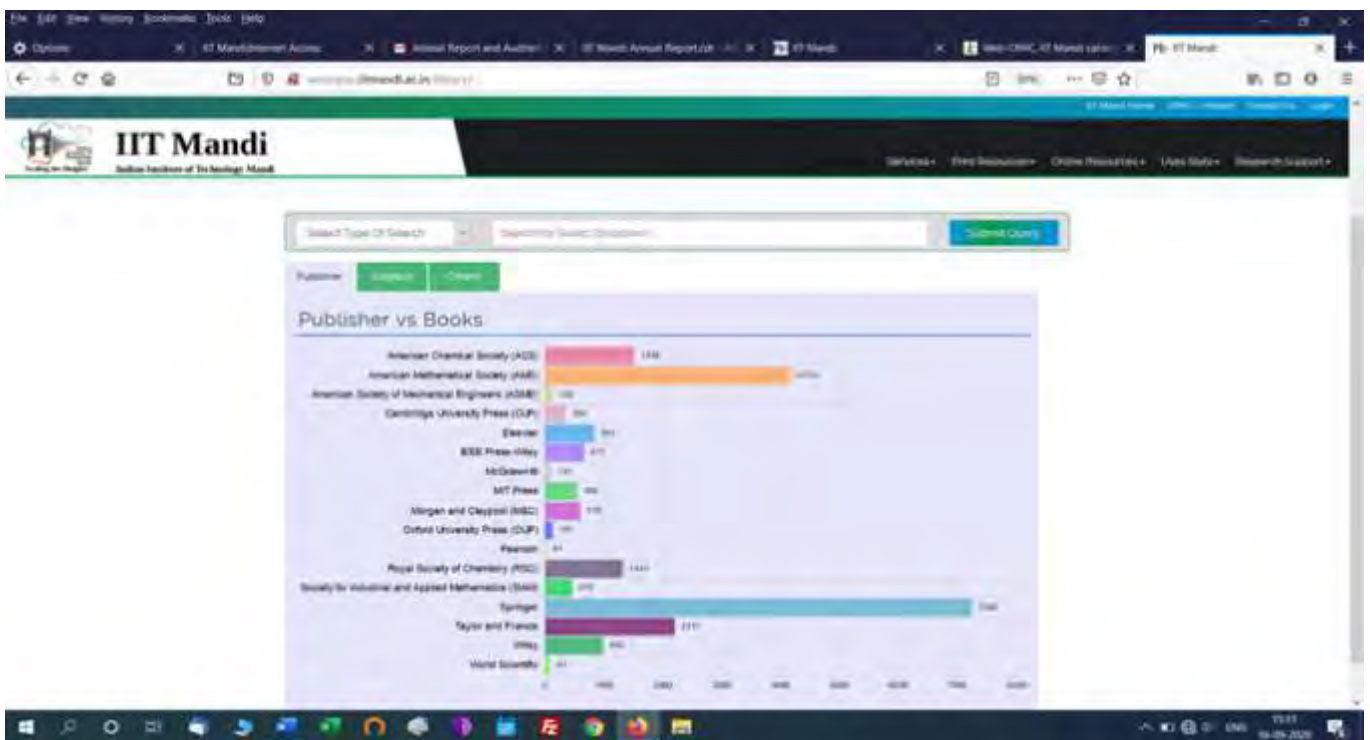
- पूरी तरह से स्वचालित परिसंचरण सुविधा
- ऑनलाइन पुस्तक आरक्षण, सूचना खोज, संरक्षक पुस्तकालय पुस्तक ऋण स्थिति जांच
- वेबओपैक (वेब आधारित ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग)
- छात्र को घर में पढ़ने के लिए आरक्षित संग्रह विकास
- नया आगमन पुस्तक अनुभाग
- संदर्भ सेवा
- अंतरपुस्तकालयी ऋण
- दस्तावेज वितरण सेवा
- सूचना चेतावनी सेवाएं
- ई-जर्नल्स / डेटाबेस
- डिजिटल पुस्तकालय सेवाएं
- उपयोगकर्ता शिक्षा कार्यक्रम
- मोबाइल ऐप सेवाएं
- अनुसंधान सहायता सेवा
- रिमोट एक्सेस सर्विस
- आरएफआईडी
- विषय गाइड
- संकाय अनुसंधान डेटा
- संस्थागत भंडार
- संस्थागत अभिलेखागार

आगामी योजनाएं

- एकल खोज समाधान।
- विभिन्न पुस्तकालय संसाधनों के लिए ऑनलाइन सिफारिश मंच।
- अधिक स्मार्ट कमरे।
- चर्चा कक्ष।
- संग्रह के लिए स्थान।



पुस्तकालय मुख पृष्ठ



8. आठवां दीक्षांत समारोह

इस दीक्षांत समारोह में 147 बी.टेक. छात्र, 97 एम.टेक., 77 एम.एससी. (रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी), विकास अध्ययन में 12 एम.ए., 11 एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) और 39 पीएच.डी. विद्वानों ने संस्थान से उपाधि ग्रहण की थी।

| पुरस्कार | विद्यार्थी |
|--|---|
| भारत का राष्ट्रपति स्वर्ण पदक | नीलोत्पल दत्ता (बी16106) |
| निदेशक का स्वर्ण पदक | आनंद रामरखयानी (बी16124) |
| संस्थान रजत पदक: सीई | गौरव मीणा (बी16130) |
| संस्थान रजत पदक: सीएसई | अभिज्ञान खंड (बी16082) |
| संस्थान रजत पदक: ईई | राम लखन (बी16138) |
| संस्थान रजत पदक: एमई | नीलोत्पल दत्ता (बी16106) |
| रानी गोंजाल्विस मेमोरियल मेडल | पलक गुप्ता (बी16067) और विष्णु प्रिया जिंदल (बी16041) |
| जर्मन भाषा में बालसुंदरम वृत्ति पुरस्कार | ऋतिक गुप्ता (बी16097) |
| संस्थान रजत पदक (एमएससी (रसायन विज्ञान)) | अभिषेक जैन (वी18033) |
| संस्थान रजत पदक (एमएससी (भौतिकी)) | भीष्म नारायण महंती (वी18079) |
| संस्थान रजत पदक (एमएससी (अनुप्रयुक्त गणित)) | अलका सिंह चौहान (वी18008) |
| संस्थान रजत पदक (एम.टेक. एमईएस) | वागीश कुमार (टी18127) |
| उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्कार (एम.टेक. बायोटेक) | निकिता देशवाल (टी18208) |
| उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्कार (सीएसपी में एम.टेक) | अंकित चक्रवर्ती (टी18033) |
| उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्कार (ईईएम में एम.टेक) | मोहित बर्थवाल (टी18151) |
| उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्कार (वीएलएसआई में एम.टेक) | सास्वथ टी (टी18004) |
| उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्कार (पीईडी में एम.टेक) | पटेल पार्थ हसमुखभाई (टी18069) |
| उत्कृष्ट अकादमिक उपलब्धि पुरस्कार (एसई में एम.टेक) | महिपाल कुलरिया (टी18109) |
| उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्कार (एमए) | रजत चौधरी (ए18008) |

9. छात्र सुविधाएं और गतिविधियां

विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद

सामाजिक सलाहकार: डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन

सचिव: विपुल शर्मा

SnTC - के तहत क्लब

| क्रम सं. | क्लब का नाम | क्लब समन्वयक | क्लब सलाहकार |
|----------|---|---|-------------------------|
| 1 | प्रोग्रामिंग क्लब | सुभाष सुमन सारांश जैन | डॉ. श्रीलक्ष्मी मंजूनाथ |
| 2 | रोबोट्रॉनिक्स क्लब | दीपांशु वर्मा अभिषेक परमार प्रीतिश चुघ | डॉ. अमित शुक्ला |
| 3 | अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और खगोल विज्ञान प्रकोष्ठ (STAC) | युवराज मिश्रा ललित नारायण मुदगल | डॉ. अर्णव भावसार |
| 4 | ई-सेल | ख्याति पार्श्व जैन साहस गोयल | डॉ. सौम्या दीक्षित |
| 5 | यांत्रिक क्लब | तन्मय अक्षांश धीमान ऋत्तिक कामेश | डॉ. गौरव भूटानी |
| 6 | निर्माण क्लब | अंकित गुप्ता अमित कुमार जाटव हुजैफा एस इलेक्ट्रिकवाला | डॉ. डेरिक्स शुक्ला |
| 7 | ऑटोमोटिव इंजीनियर्स सोसायटी (एसई) | आदित्य नौटियाल निखिल कटनौर | डॉ. अर्पण गुप्ता |

कोड फोर्सस चैलेंज विंटर 2020 (दिनांक: 2/11/2020)

कोडफोर्स प्रतिस्पर्धी कोडिंग के लिए सबसे अच्छे प्लेटफार्मों में से एक है और आमतौर पर अपनी छोटी चुनौतियों/प्रतियोगिताओं के लिए जाना जाता है जहां दुनिया के हर कोने से प्रोग्रामर भाग लेते हैं। प्रोग्रामिंग क्लब ने एसीएम स्टूडेंट चैप्टर के साथ 02/11/2020 –19/12/2020 से कोड फोर्स चैलेंज सीरीज का आयोजन किया। चैलेंज सीरीज में 6 कोडफोर्स राउंड शामिल थे। रैंकिंग की गणना GP-15 रैंकिंग प्रणाली का उपयोग करके की गई थी।

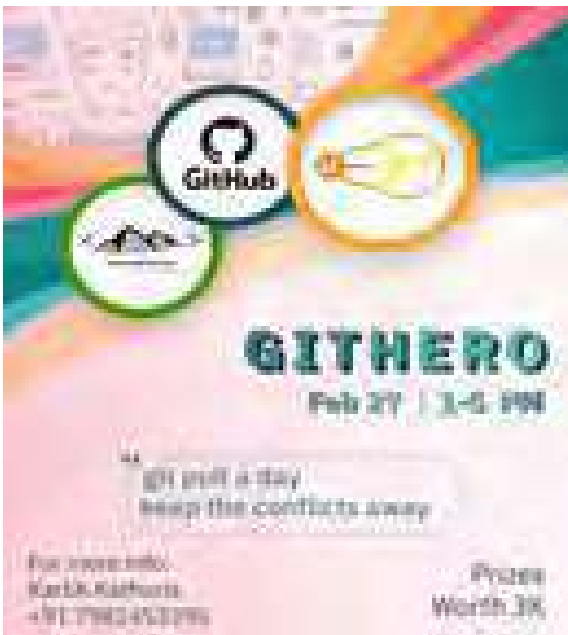


धन की चोरी (दिनांक: 3/1/2021)

यह आयोजन गेम ट्रिलॉजी वीकेंड (2 और 3 जनवरी) का भी हिस्सा था और ई-सेल आईआईटी मंडी के सहयोग से था।

अपनी तरह का एक ऐसा खेल जहां आपको बैंक लूटने और अन्य टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए मिलता है यह देखने के लिए कि दिन के अंत में कौन सबसे अधिक पैसा कमाता है। यह बुद्धि, प्रबंधन कौशल का परीक्षण करने के लिए एक रणनीति बनाने वाला कार्यक्रम था।

दिनांक: 3 जनवरी 2021 (शाम 4 बजे – रात 8 बजे)।



गीथरो उत्कर्ष-21 (दिनांक: 27/2/2021)

कमान्द प्रॉम्प्ट ने गिट हीरो का आयोजन किया जिसका उद्देश्य फ्रेशर्स था ताकि वे गिट और गिटहब के बारे में जान सकें। चुनौतियों की एक श्रृंखला तैयार की गई थी जिसे प्रतिभागियों को पूरा करने की आवश्यकता थी। इसमें आसान से लेकर कठिन तक की चुनौतियां थीं और इसमें कई फ्रेशर्स ने हिस्सा लिया। उन्हें प्रभावी अनुरोध करना, रिमोट जोड़ना, स्कैश कमिट करना, रिबेसिंग और स्टैशिंग कमिट्स, चेरी-पिक एंड ड्रॉप बग्गी कमिट करना सीखने को मिलता है। चुनौतियों को [https://github.com/ Kamand Prompt/git_hero_2021/issues/](https://github.com/Kamand Prompt/git_hero_2021/issues/) पर पोस्ट किया गया था और प्रतियोगिता के दौरान 100 से अधिक पीआर बनाए गए थे!

प्रतियोगिता के मुख्य आयोजक दूसरे वर्ष के प्रियम और प्रांशु थे (कोर-टीम कमान्द प्रॉम्प्ट आईआईटी मंडी के सदस्य) जिन्होंने चुनौतियों का सामना किया जिसमें प्रथम वर्ष के छात्रों ने प्रभावी अनुरोध इस तरह से किया ताकि वे गिट और जीथब की विशेषताओं के बारे में अधिक जान सकें। चुनौतियों को इतनी अच्छी तरह से सोचा गया था कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले लगभग सभी लोगों को लगा कि उन्होंने कुछ नया सीखा है जो निश्चित रूप से बाद में उनके लिए मददगार होगा।

कार्यक्रम से पहले, कमान्द प्रॉम्प्ट ने छात्रों को मूल बातें सिखाने के लिए गिट और जीथब पर सत्र आयोजित किए थे, विशेष रूप से गिट और गिटहब सीखने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने और उन्हें उसी की मूल बातें सिखाने के लिए।

चुनौतियाँ इसलिए बनाई गईं ताकि उन सत्रों में भाग लेने वाले छात्र उन सत्रों से सीखी गई बातों को पूरी तरह से लागू कर सकें। कुछ चुनौतियों में, उन्हें कुछ नई चीजें सीखने और प्रतियोगिता के दिए गए समय के भीतर उन्हें लागू करने के लिए भी कहा गया था। प्रतियोगिता के दौरान छात्र द्वारा बनाए गए सैंपल पुल अनुरोध का एक उदाहरण, जहां प्रियम ने उन्हें यह भी बताया कि वे और क्या सुधार कर सकते हैं और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। कई छात्रों ने समय सीमा के बाद प्रतियोगिता को हल करने का भी प्रयास किया क्योंकि उन्हें लगा कि यह सामान्य रूप से बुनियादी और उन्नत गिट और गिटहब सीखने के लिए बहुत अच्छा है। प्रतिभागियों द्वारा कुल 128 प्रभावी अनुरोध किए गए हैं, कुछ छात्रों ने प्रतियोगिता के बाद भी अपने सबमिशन में सुधार करने के लिए अनुरोध किया है।

कैप्चर द स्टोन सीटीएफ उत्कर्ष—21 (दिनांक: 27 / 2 / 2021)

सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन एंड इन्फोसेक क्लब (S.A.I.C) ने इवन सेमेस्टर का पहला कैप्चर द प्लैग इवेंट आयोजित किया।

सीटीएफ प्लेटफॉर्म को एसएनटीसी सर्वर: <https://tartarusctf.iitmandi.co.in/> पर होस्ट किया गया था। यह आयोजन सभी के लिए खुला था लेकिन मुख्य रूप से कंप्यूटर सुरक्षा के प्रति पहली और दूसरी वर्ष के छात्रों की रुचि जानने पर केंद्रित था। इसमें क्रिप्टोग्राफी, वेब शोषण, रिवर्स इंजीनियरिंग एवं पीडब्ल्यूएन से लेकर विषयों पर 10 चुनौतियाँ शामिल थीं। इस आयोजन में 97 प्रतिभागियों की कुल भागीदारी देखी गई और प्रश्नों का उत्तर देने की आवश्यकता थी।

सीटीएफ के शीर्ष स्कोरर :

सीटीएफ को यश बंसोड़, दिव्यशील कुमार, ध्रुव पिंडावाला और मिलिंद टोपनो द्वारा एक साथ रखा गया था, और इस्तेमाल किया गया मंच हमारे पूर्व छात्र अभिज्ञान खांड द्वारा बनाया गया था। हमारा उद्देश्य सदस्यों के एक समुदाय का निर्माण करना था जो सुरक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे की मदद करते हैं इसलिए हम प्रतिभागियों को संदेह और संकेत के साथ मदद करने के लिए अपने मतभेद सर्वर पर सक्रिय थे। हमारा डिस्कॉर्ड सर्वर भविष्य की घटनाओं पर चर्चा के लिए एक केंद्र के रूप में भी काम करेगा।

Hack30 (दिनांक: 28 / 2 / 2021)

प्रोग्रामिंग क्लब ने हैक 30 नामक एक 30 घंटे के हैकथॉन का आयोजन किया, जिसमें टीमों को एक सामान्य समस्या पर एक साथ काम करना होता है और विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके उसी के लिए एक सॉफ्टवेयर समाधान विकसित करना होता है। समस्या वक्तव्य का विषय था – और Covid-19 महामारी के कारण स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन शैली में समस्याएं।



समय – 28 फरवरी सायं 4 बजे से 1 मार्च 10 बजे तक

हमने प्रस्तुत करने की एक खुली शैली के साथ नियमों का एक काफी सरल सेट व्यवस्थित किया। विचारों को आगे बढ़ाने और पूर्ण उत्पादों के बजाय ढांचे को आजमाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। साथ ही, फ्रेशर्स के लिए यह पहला हैकथॉन था, इसलिए डिस्कॉर्ड पर पूरे हैकथॉन के दौरान समन्वयक, वरिष्ठ और पूर्व छात्र अपने विचारों पर चर्चा करने और कार्यान्वयन में टीमों की मदद करने के लिए सक्रिय थे। जुड़ाव बढ़ाने के लिए हमें सर्वश्रेष्ठ टीम परिचय वीडियो का पुरस्कार भी मिला और प्रस्तुतियाँ मजेदार और रचनात्मकता से भरपूर थीं।

टीम का आकार – अधिकतम 3 | छात्रों ने भाग लिया – लगभग 160

Tezos - Frost Hack ने ब्लॉकचेन की मूल जानकारी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

Tezos द्वारा ब्लॉकचेन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था ताकि लोग Tezos का उपयोग कर सकें और Frosthack में ब्लॉकचेन पर आधारित उत्पादों का निर्माण कर सकें। यह कार्यशाला उन छात्रों के लिए बहुत प्रभावी साबित हुई जो Tezos और ब्लॉकचेन के लिए नए थे क्योंकि हमने Frosthack में ब्लॉकचेन पर आधारित बहुत अधिक संख्या में प्रस्तुतियाँ देखीं।

Tezos द्वारा पुरस्कार:

Flutter Tezos Wallet App बनाने के लिए 25000 INR स्पीकर – सौम्या घोष दस्तीदार

लिंकडइन: <https://www.linkedin.com/in/gdsoumya/>

YouTube लाइवस्ट्रीम लिंक : [youtube.com/watch?v=k7ZqYKgDyUQ](https://www.youtube.com/watch?v=k7ZqYKgDyUQ)



राष्ट्रीय स्तर की हैक (ACM-W) के लिए मार्गदर्शन सत्र (दिनांक: 1 / 11 / 2020)

कॉलेज के बाहर हैकथॉन में आईआईटी मंडी की लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए एसीएम-डब्ल्यू ने विशेष मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए। इस सत्र को एसीएम-डब्ल्यू इंडिया द्वारा आयोजित कम्प्यूटिंग में महिलाओं के लिए 5वें राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन में लक्षित किया गया था। 20 क्वालीफायर टीमों में से 5 हमारे कॉलेज से थीं, जिनमें से 3 हैकथॉन के अंतिम दौर में पहुंचीं, और 1 टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी रैंक प्राप्त की।

(कंप्यूटिंग में महिलाओं के लिए 5वें राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन के आभासी समारोह में अन्य फाइनलिस्ट के साथ आईआईटी मंडी की लड़कियों)।

उत्कर्ष-21: इलेक्ट्रा (दिनांक: 26 / 2 / 2021)—इलेक्ट्रा: प्लैण्डस शृंखला में तीसरा एस्ट्रोथॉन 26-27 फरवरी को उत्कर्ष-21 के तहत आयोजित किया गया था। समस्या विवरण का पहला भाग कक्षीय अनुकरण पर आधारित था जिसमें प्रतिभागियों को सामान्य सापेक्षतावादी प्रभावों को ध्यान में रखते हुए अंतर्निहित कक्षीय सिद्धांत की भौतिकी को समझने की आवश्यकता थी। तब कार्य सूर्य के चारों ओर बुध ग्रह की कक्षा और एक दूसरे के बारे में दो न्यूट्रॉन सितारों की कक्षा का अनुकरण करना था। दूसरा भाग खगोलीय छवियों को धुंधला करने में एमएल के अनुप्रयोग पर केंद्रित है।

उत्कर्ष-21: क्यूरियोसिटी (दिनांक: 27 / 2 / 2021)—क्यूरियोसिटी, एस्ट्रोक्विज, एसटीएसी द्वारा उत्कर्ष-21 के तहत क्यूरियोसिटी के सहयोग से आयोजित दूसरा कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम की मेजबानी विनीत आहूजा ने की और जान्हवी शेगे ने इसका समन्वयन किया, और इसमें लगभग 30 छात्रों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, खगोल भौतिकी, आदि से संबंधित अवधारणाओं से संबंधित थी।

वार्ता: डार्क मैटर पर प्रकाश डालना (दिनांक: 9 / 3 / 2021) — ब्रह्मांड में आंख से दिखाई देने वाली चीजों से कहीं अधिक है। आकाशगंगाओं की गति को देखने से, वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ब्रह्मांड का 95% हिस्सा हमारे लिए अदृश्य है। डार्क मैटर खगोल विज्ञान में सबसे आकर्षक और रहस्यमय विषयों में से एक है। लेकिन वैज्ञानिकों ने डार्क मैटर के अस्तित्व का सिद्धांत क्या बनाया? डार्क मैटर किससे बनता है? क्या यह सिर्फ एक सिद्धांत है, या इसे देखा गया है?

वार्ता: सितारों का जीवन चक्र (दिनांक: 10 / 3 / 2021) — एक तारों वाली रात के दौरान आकाश को देखना कैसा लगता है? तारे हमारे ब्रह्मांड को रोशन करते हैं, और वे रात के आकाश पर कढ़ाई करते हैं। तो आइए जानते हैं हमारे साथ स्टार्स के बारे में। हम सितारों, उनके जीवन, विकास और मृत्यु के बारे में बात करेंगे। ब्रह्मांड को रोशन करने वाली वस्तु के बारे में सभी सवालों के जवाब देने के लिए, एसटीएसी ने श्री अभिजीत मन्हास द्वारा 'सितारों के जीवन चक्र' पर एक वार्ता प्रस्तुत की। यह 10 मार्च 2021 को शाम 6 बजे आयोजित किया गया था।

श्री मनोहर कनापका द्वारा उत्पाद प्रबंधन पर वार्ता (दिनांक: 7 / 10 / 2020)

श्री मनोहर वेबदुनिया में उत्पाद प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उनके पास आईआईएम इंदौर से प्रबंधन की डिग्री है और वह भा.प्रौ.सं. मण्डी के पूर्व छात्र हैं। बात Youtube लाइव (ई-सेल चैनल) पर एक साक्षात्कार के रूप में आयोजित की गई थी। हमें 70 लाइव दर्शक मिले। वर्तमान में, इस सत्र पर 550 विचार हैं। सत्र के दौरान दर्शकों के सवालों के जवाब दिए गए। श्री मनोहर ने विस्तार से बताया कि उत्पाद प्रबंधन वास्तव में क्या है। सत्र के बाद, श्री मनोहर ने छात्रों को इस क्षेत्र में यात्रा शुरू करने के लिए सहायक संसाधनों की एक सूची भी प्रदान की।

स्टार्ट-अप नाउ

इस आयोजन के संचालन के लिए ई-सेल ने भा.प्रौ.सं. मण्डी उत्प्रेरक के साथ सहयोग किया। टीमों को स्टार्टअप के अपने विचार को आगे बढ़ाना था और एचएसटी 2020 में पिच करने का मौका मिला। प्रतिभागियों को अपनी पिच के वीडियो जमा करने थे। हमें 4 सबमिशन मिले। इन सबमिशन को कैटलिस्ट टीम ने जज किया।



यह कार्यक्रम आईआईटी मंडी में अधिक उद्यमियों को लाने के लिए आयोजित किया गया था। हमारे पिछले कार्यक्रम की निरंतरता में, इसने वास्तविक पूंजी जुटाने और ऊष्मायन समर्थन प्राप्त करने का मौका दिया। हमें उम्मीद है कि इस तरह के अनुभवों ने वास्तव में छात्रों को अपने कौशल को निखारने और पिछली गलतियों से सीखने में मदद की है। भविष्य में, हम उम्मीद करते हैं कि आईआईटी मंडी कैटलिस्ट द्वारा और अधिक स्टार्टअप्स का चयन और इनक्यूबेशन किया जाएगा।

श्री सक्षम ग्रोवर द्वारा स्टार्टअप्स और बियॉन्ड टॉक (दिनांक: 28 / 2 / 2021)

श्री सक्षम ग्रोवर पहले बैच से हमारे कॉलेज के पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने 2013 में स्नातक किया था। 2015 में उन्होंने एक स्टार्टअप – ड्राइवर्सकार्ट की सह-स्थापना की। उन्होंने 2016 में 500k USD जुटाए और 2017 में इसे हासिल कर लिया। वर्तमान में वह YouTube में एक बिजनेस इंटेलिजेंस मैनेजर के रूप में काम करते हैं। बात Youtube लाइव (ई-सेल चैनल) पर एक साक्षात्कार के रूप में आयोजित की गई थी। हमें 50 लाइव दर्शक मिले। वर्तमान में, इस सत्र पर 250 विचार हैं। सत्र के दौरान दर्शकों के सवालों के जवाब दिए गए।

Inc42 द्वारा मेकर्स समिट (दिनांक: 12 / 3 / 2021)

हमने 12 मार्च से 14 मार्च तक Inc42 द्वारा बहुत प्रसिद्ध मेकर्स समिट प्रस्तुत किया, जहां हम भारत के एआई-पावर्ड कंटेंट इंजन के निर्माण से लेकर हाउ इंडिया विन-विन्स द फ्यूचर जैसे विषयों के बारे में देख सकते हैं, चर्चा कर सकते हैं और चैट कर सकते हैं।

The Makers Summit by Inc42 Live Stream 12-14th March



इंटर-आईआईटी सिविल कॉन्क्लेव में भाग लिया आईआईटी रुड़की-तिथि: (7-9 / 11 / 2020)

सिविल कॉन्क्लेव भा.प्रौ.सं. रुड़की द्वारा आयोजित सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए एक इंटर भा.प्रौ.सं. वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम है। टिंकर द वॉटर व्हील, स्ट्रक्चरल डिजाइन डिलेमा और गंगा नदी के कायाकल्प की केस स्टडी प्रतियोगिताओं में कुल 12 छात्रों की तीन टीमों ने भाग लिया था।

उत्कर्ष-21 | सिविज: दिनांक-(27 / 02 / 2021)

इस प्रतियोगिता का आयोजन निर्माण क्लब द्वारा उत्कर्ष-21 में किया गया था। यह "प्लुइड मैकेनिक्स" पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता थी। इस प्रतियोगिता में बी.टेक प्रथम वर्ष से एम.टेक द्वितीय वर्ष के छात्रों ने भाग लिया, यह 26 और 27 फरवरी के लिए निर्धारित किया गया था। हमें इसके लिए 90 से अधिक प्रविष्टियां मिलीं और इसे एक ही दौर में संचालित करना हमारे लिए संभव नहीं था इसलिए हमने इसे 2 राउंड में आयोजित करने का निर्णय लिया। पहले दौर में कुल पांच समूह थे और प्रत्येक समूह से शीर्ष 3 छात्रों ने अंतिम दौर के लिए क्वालीफाई किया। हमने 27 फरवरी को दोपहर 1 बजे कहुत पर फाइनल राउंड आयोजित किया, कुछ बी.टेक. पीजी के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया।



छायाचित्र निर्माण – दिनांक: (27/03/2021-10/04/2021)

एसएई सुप्रा के छात्रों की उपलब्धियां

हमारे छात्र नियमित रूप से हमारे संस्थान के बाहर होने वाले कई तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और नियमित रूप से अन्य प्रमुख पहलों में भी योगदान करते हैं। इस तरह के आयोजनों में हमारे छात्रों की कुछ उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

- प्रतिष्ठित गूगल समर ऑफ कोड (जीएसओसी) 2021 कार्यक्रम में 12 छात्रों का चयन किया गया। ये हैं प्रियम सेठ, दिव्यशील कुमार, प्रांशु खर्कवाल, निष्पुन शर्मा, सूरज कुलिया, चंदन प्रकाश, सार्थक गर्ग, राहुल सैनी, नवीन साई, शार्दुल सेमवाल, ऋषभ गर्ग, भावना कोस्टा।
- गूगल समर ऑफ कोड (जीएसओसी) 2021 कार्यक्रम में 3 छात्रों को मेंटर के रूप में चुना गया था। ये हैं धीरज यादव, जय लूथरा, कार्तिक कथूरिया।
- नवीन साईसरीनिवास और निष्पुन शर्मा की टीम एमएलऋहैकस्टर्स कैस्केड कप 2020, आईआईटी गुवाहाटी में 2000 प्रतिभागियों में 10वें स्थान पर रही, डेटा एनालिटिक्स चैलेंज 2021, बीआईटी मेसरा में 800 प्रतिभागियों में दूसरे स्थान पर रही और एस्ट्राजेनेका एआई चैलेंज 2021, आईआईटी मद्रास शास्त्र में 178 टीमों में तीसरे स्थान पर रही।
- गर्लस्क्रिप्ट समर ऑफ कोड 2021 में आकृति और यामिनी शर्मा का चयन किया गया।
- विपुल शर्मा को दिसंबर 2020 में गिटहब द्वारा संचालित कैम्पस एक्सपर्ट प्रोग्राम में गिटहब कैम्पस एक्सपर्ट के रूप में चुना गया था। इस प्रोग्राम में लोगों को अपने कॉलेज कैम्पस में एक समुदाय बनाने और विकसित करने के लिए सलाह दी जाती है।
- टीम नाम में क्या रखा है, जिसमें यश वर्मा, निष्पुन शर्मा, नवीन साईश्रीनिवास शामिल हैं, 1400 प्रतिभागियों के बीच फ्रॉन्टहैक 2021 आईआईटी मंडी में तीसरे स्थान पर रहे।
- प्रीतिश चुघ, आईआईटी रोपड़ के अद्वितीय 2020 में आयोजित फ्यूरी-रोड और रोबोसॉकर कार्यक्रमों में शीर्ष 5 प्रतिभागियों में से एक थे।
- निशिता, रुचिका शरण और महक जैन ने एसीएम-डब्ल्यू नेशनल हैकथॉन 2020 में उपविजेता का स्थान हासिल किया और 15000 रुपये का नकद पुरस्कार जीता।
- दीपांशु वर्मा और आयुष्मान दीक्षित ने एक ऐसा ऐप बनाया, जिसने COVID युग में सेना के अधिकारियों को दुकानों में जमा होने से रोक दिया। इसे acsa.iioots.in पर होस्ट किया गया है।
- लिनक्स फाउंडेशन कम्प्युनिटीब्रिज 2020 में 5 लोगों का चयन किया गया जो कि जीएसओसी के समान एक कार्यक्रम है, जिसमें छात्रों का चयन किया जाता है और ओपन सोर्स प्रोजेक्ट्स में योगदान करने के लिए भुगतान किया जाता है। पीयूष गोयल, यश वार्ष्णेय, निधि जैन, जाह्नवी गुप्ता और दीपांशु वर्मा हैं।
- पीयूष गोयल को गूगल सीजन ऑफ डॉक्स 2020 प्रोग्राम में तकनीकी लेखक के रूप में चुना गया था।
- सिद्धार्थ धामा जेफ्री हिंटन फेलोशिप हैकथॉन 2021 में प्रथम स्थान पर रहे।
- सिद्धार्थ धामा और रूपेश कुमार की टीम समर एआई चैलेंज 2021, आईआईटी खड़गपुर में 7वें स्थान पर रही।
- ध्रुव पिंडावाला को उनके सिस्टम में कमजोरियों का पता लगाने के लिए <https://unite.un.org/content/hall-fame> पर संयुक्त राष्ट्र हॉल ऑफ फेम में तीन बार सम्मानित किया गया है। उन्हें सरकारों द्वारा भी स्वीकार किया गया है। अर्जेंटीना, साइबेरिया, नाइजीरिया, भारत और ब्राजील के अपने सिस्टम में भी कमजोरियां खोजने के लिए।
- प्रज्वल सूद एपीआई हैक्स, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी 2021 में दूसरे स्थान पर रहे और स्पाईन के विजेता रहे। इलेक्ट्रोथॉन 2021, एनआईटी हमीरपुर में एआई समस्या वक्तव्य।
- इंटर आईआईटी टेक मीट 9.0, आईआईटी गुवाहाटी में प्रदर्शन — यह टेक मीट ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी जिसमें प्रतिभागियों के लिए चुनौतियों का अपना सेट था। इस साल, हमने विभिन्न आयोजनों में अपने प्रदर्शन के लिए 3 पदक जीते —

क्वांटइंस्टी एल्गोरिथम ट्रेडिंग में स्वर्ण पदक

- आर्यन गोयल (बी19073), विनीत आहूजा (बी19122), धीरज यादव (बी17041), संस्कार गुप्ता (बी18140), अंशिका बाजपेयी (बी19127)
- सप्तांगलैब्स सुरक्षा हैकथॉन में रजत पदक
- मिलिंद टोपनो (बी18069), यश बंसोड़ (बी18095), प्रांशु खार्कवाल (बी19136), ध्रुव पिंडावाला (बी19033), दिव्यशील कुमार (बी19081)
- Bridgei2i ऑटोमेटेड हेडलाइन और सेंटीमेंट जेनरेटर में कांस्य पदक
- अभिजीत मन्हास (बी18043), ख्याति अग्रवाल (बी18064), पीयूष गोयल (बी18077), प्रखर उनियाल (बी18128), नमन तायल (बी18123), प्रज्ज्वल झा (बी17051), मनन शाह (बी19042), ऋषभ गर्ग (बी19107), पारस जैन (बी19100), यश वर्मा (बी19144)

सांस्कृतिक समिति

सामाजिक सलाहकार: डॉ. पूरन सिंह

डॉ. नेहा कौशिक (सह-सलाहकार)

सचिव: तुषार त्यागी

सांस्कृतिक समिति के तहत क्लब

| क्रम सं. | क्लब का नाम | क्लब समन्वयक | क्लब सलाहकार |
|----------|-------------------------------|--|---------------------|
| 01 | फोटोग्राफी और मूवीमेकिंग क्लब | रूपेश कुमार खुबी कुमार आरुषि गजरीक | डॉ. सिद्धार्थ शर्मा |
| 02 | नृत्य क्लब | अनुष्का बजाज प्रतीक्षा जैन | डॉ. पूरन सिंह |
| 03 | संगीत क्लब | अनिरुद्ध प्रकाश मयंक जिंदल नवीन साईश्रीनिवास | डॉ. पूरन सिंह |
| 04 | ड्रामा क्लब | भुमन्यू गोयल शिवानी पांडे समर्थ नीमा | डॉ. पूरन सिंह |
| 05 | ललित कला क्लब | एकांश शर्मा सोनाली | डॉ. हितेश श्रीमाली |
| 06 | डिजाइन क्लब | नयान | डॉ. सत्यजीत ठाकोर |

कला: द कल्चरल लीग (04.10.2020 – 05.11.2020)

कला एक सहयोगी टूर्नामेंट है जिसमें सभी 6 सांस्कृतिक क्लबों के आयोजन होते हैं, जिसमें आकर्षक टीम इवेंट होते हैं। कई आयोजनों में कई क्लबों का सार होता है, जो रोमांच को बढ़ाता है। वरिष्ठ क्लब सदस्य टीम बनाते हैं, और टीम के सदस्यों का चयन नीलामी के एक भयंकर दौर द्वारा किया जाता है। टीमों के गठन के बाद, वे अंतिम सांस्कृतिक चैंपियन बनने के लिए एक महीने की अवधि में प्रतिस्पर्धा करते हैं।



इवेंट: फ्यूजन डांस वीडियो: एक डांस वीडियो जिसमें अलग-अलग टीम के सदस्यों द्वारा 5 अलग-अलग डांस फॉर्म की जरूरत होती है। **कला जीवन देना (चरित्र डिजाइन प्रतियोगिता):** टीमों ने कला का एक 2डी डिजिटल चरित्र बनाया, जैसा कि वे इसे समझते हैं। इसे दिखाओ **(फोटोग्राफी प्रतियोगिता):** टीमों ने दो विषयों पर अद्भुत तस्वीरें क्लिक कीं: पलैट-ले और उत्पाद फोटोग्राफी। **कुक अपनी खुद की वीडियो कॉल स्टोरी (नाटक प्रतियोगिता):** टीमों ने अद्भुत वीडियो कॉल कहानियां बनाईं और नाटक के सार को ऑनलाइन मोड में वापस लाया। समझ में आता है? **(कला प्रतियोगिता):** टीमों को 4 अलग-अलग रेखाचित्र/पेंटिंग (या दोनों का मिश्रण) बनाने की आवश्यकता होती है, जिन्हें अंततः कला का एक भाग बनाने के लिए एक साथ आने की आवश्यकता होती है, जबकि प्रत्येक एकल कला का भाग भी अपने आप में समझ में आता है।



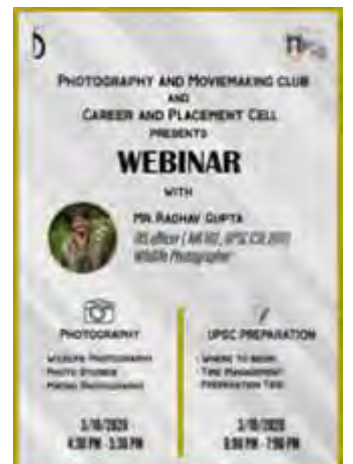
मेडले संगीत प्रतियोगिता: टीमों ने तीन अलग-अलग गीतों का एक मिश्रण बनाया, जिसे तीन अलग-अलग गायकों द्वारा गाया गया था, साथ ही टीम के साथियों द्वारा प्रदान किया गया पृष्ठभूमि संगीत भी था। **विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता:** टीमों ने एक उत्पाद विचार के साथ आई जिसके लिए उन्होंने 3 सप्ताह की अवधि में एक विज्ञापन बनाया। सब कुछ, स्क्रिप्ट, अभिनय, पृष्ठभूमि संगीत, मेडले, डिजाइनिंग और संपादन टीमों द्वारा ही किया गया था।

वन्यजीव फोटोग्राफी कार्यशाला

दिनांक: 3/10/2020

अतिथि का नाम – श्री राघव गुप्ता

फोटोग्राफी और मूवीमेकिंग क्लब ने करियर और प्लेसमेंट सेल के सहयोग से श्री राघव गुप्ता के साथ एक वन्यजीव फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित की, जो न केवल फोटोग्राफी के क्षेत्र में हैं, बल्कि एक आईआरएस अधिकारी भी हैं, जिन्होंने एआईआर 102 के साथ प्रतिष्ठित सीएसई (2011) को क्रेक किया है! उन्होंने फोटोग्राफी से संबंधित कुछ तकनीकी शब्दों के साथ कार्यशाला की शुरुआत की, जिसका उपयोग वे अपनी तस्वीरों से संबंधित विवरण का



वर्णन करने के लिए करेंगे। उन्होंने हमें सिखाया कि देश भर से विभिन्न पक्षियों और जानवरों की तस्वीरें कैसे खींची जाती हैं। उन्होंने अपनी खुद की फोटोग्राफी के कई उदाहरण दिखाए और विस्तार से चर्चा की कि कैसे उन्होंने इसे तकनीकी अर्थों में कैप्चर किया और भौगोलिक पृष्ठभूमि और जैव विविधता से संबंधित अंतर्दृष्टि भी दी। उन्होंने प्रतिभागियों से उपकरण और तकनीक से संबंधित प्रश्न पूछे। इस कार्यशाला में 40 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और इस कार्यशाला का सीधा प्रसारण “परसेप्शन आईआईटी मंडी” चैनल पर भी किया गया।

दीपावली फोटोग्राफी प्रतियोगिता

दिनांक: 13 / 11 / 2020

एक फोटोग्राफी कार्यक्रम जो सभी को रोशनी के त्यौहार पर अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं को प्रदर्शित करने की अनुमति देता है। यह आयोजन पीएमसी की वार्षिक परम्परा है। इस साल इसे डॉ. तिमोथी गोन्सेल्वज ने जज किया था।



उन्नत फोटोग्राफी कार्यशाला

दिनांक: 16 / 01 / 2021

मेंटर: जस्सी ओबेरॉय

क्लब ने जस्सी ओबेरॉय द्वारा ली गई एक उन्नत फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया जो एक सम्मानित यात्रा फोटोग्राफर हैं। उनकी कार्यशाला में लैंडस्केप और पोर्ट्रेट फोटोग्राफी शामिल थी। उन्होंने अपने कई फोटोग्राफिक कार्यों को साझा किया और बताया कि कैसे उन्होंने प्रत्येक को कैप्चर किया। उन्होंने एक ऐसी दुनिया में एक तस्वीर क्लिक करने के पीछे मनोविज्ञान के बारे में विस्तार से बात की, जो स्नैप-शूटिंग संस्कृति में बदल गई है। उनका काम महाद्वीपों तक फैला हुआ है और उन्होंने अपनी फोटोग्राफी के माध्यम से देश भर की कहानियाँ सुनाई हैं। सत्र में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया और अत्यधिक संवादात्मक था।

लुमोस

लुमोस इस साल कैंपस में हुए एकमात्र सत्रों में से एक था। इसने क्लब के सदस्यों को क्लब के उपकरणों के साथ काम करने और फोटोग्राफी के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने का मौका दिया। यह 2 दिनों में हुआ और इस तरह से आयोजित किया गया जिसमें सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक दूरी के उपायों का पालन किया गया। ज्ञान और विशेषज्ञता का एक मुक्त प्रवाह था और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि क्लब तकनीक और कौशल की मजबूत नींव के साथ जारी रखने में सक्षम है।

पहला दिन (लाइट पेंटिंग और स्टील वूल):

क्लब के सदस्यों ने स्टील वूल बर्निंग फोटोग्राफी का अभ्यास किया जो सूर्यास्त के बाद की जाती है। यह एक लंबी एक्सपोजर फोटोग्राफी है जो जलती हुई स्टील की ऊन से चिंगारी को पकड़ती है जो चित्र के विषय में होती है। प्लास्टिक ट्यूबों से हल्की पेंटिंग का भी अभ्यास किया गया। प्लास्टिक ट्यूबों में अद्वितीय रंग होते हैं जो लंबे समय तक एक्सपोजर में घुमाए जाने पर सौन्दर्यपूर्ण रूप से आकर्षक पैटर्न बनाते हैं। अंधेरे में लाइट पेंटिंग भी की जाती है।

दूसरा दिन (पोर्ट्रेट फोटोग्राफी): पीएमसी स्टूडियो में पोर्ट्रेट फोटोग्राफी का आयोजन किया गया था और यह प्रकाश और अभिव्यक्ति का उपयोग करके कम महत्वपूर्ण चित्रों को कैप्चर करने का एक प्रयास था। क्लब के सदस्यों ने मॉडल और फोटोग्राफर दोनों की भूमिका निभाई और स्टूडियो फोटोग्राफी की कला को बेहतर ढंग से समझा।

इनेज—हिमाचल शोरील

इनेज का अर्थ है “शुद्ध” और “पवित्र” और यही देवताओं की भूमि, देवभूमि हिमाचल है। यह धर्मशाला और चंबा के कुछ सबसे लुभावने स्थानों का संकलन है। खूबसूरती से कैप्चर किए गए शॉट्स को इस तरह से व्यवस्थित किया गया है जो राज्य की आश्चर्यजनक सुंदरता को दर्शाता है। वीडियो 27 मई, 2021 को जारी किया गया था और यह परसेप्शन यूट्यूब चैनल पर है।



निकोन स्ट्रीट फोटोग्राफी दिनांक: 25/02/21

निकॉन द्वारा स्ट्रीट फोटोग्राफी कार्यशाला, ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। कार्यशाला का संचालन युसूफ कथावाला ने किया। इसे हमारे यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया गया था। (धारणा आईआईटी मंडी)

आईआईटी गोवा फोटोग्राफी प्रतियोगिता

विजेता दूसरा स्थान: तुषार त्यागी

थीम: दिवाली नाइट फोटोग्राफी प्रतियोगिता

कार्यक्रम/गतिविधि के बारे में विस्तृत विवरण संख्या सहित। प्रतिभागियों की संख्या, अतिथि का नाम, तस्वीरें (अनिवार्य), संक्षिप्त सारांश के साथ समाप्त— (फॉन्ट शैली—टाइम्स न्यू रोमन, आकार—12, प्रारूप—जस्टिफाई, अनबोल्ड)।

ब्रेकआउट 2.0

कॉमेडी ब्लिस में भागीदारी

(आईआईटीएच का स्टैंडअप कॉमेडी इवेंट)

दिनांक: 14 फरवरी 2021

क्लब ने आईआईटी हैदराबाद द्वारा आईआईटी बीएचयू, आईआईटी गोवा, आईआईटी मंडी, आईआईटी हैदराबाद के लिए आयोजित स्टैंडअप कॉमेडी इवेंट में भाग लिया।

प्रतिभागी — देवांश कोचर, भुमन्यू गोयल।

यह कॉमेडी की शैली में क्लब का पहला कदम था। यह आयोजन क्लब के लिए काफी नया और अद्भुत अनुभव था क्योंकि इसने काम करने के लिए एक नया आयाम खोला!

शिक्षक दिवस टाइमलैप्स पेंटिंग

13 सितंबर

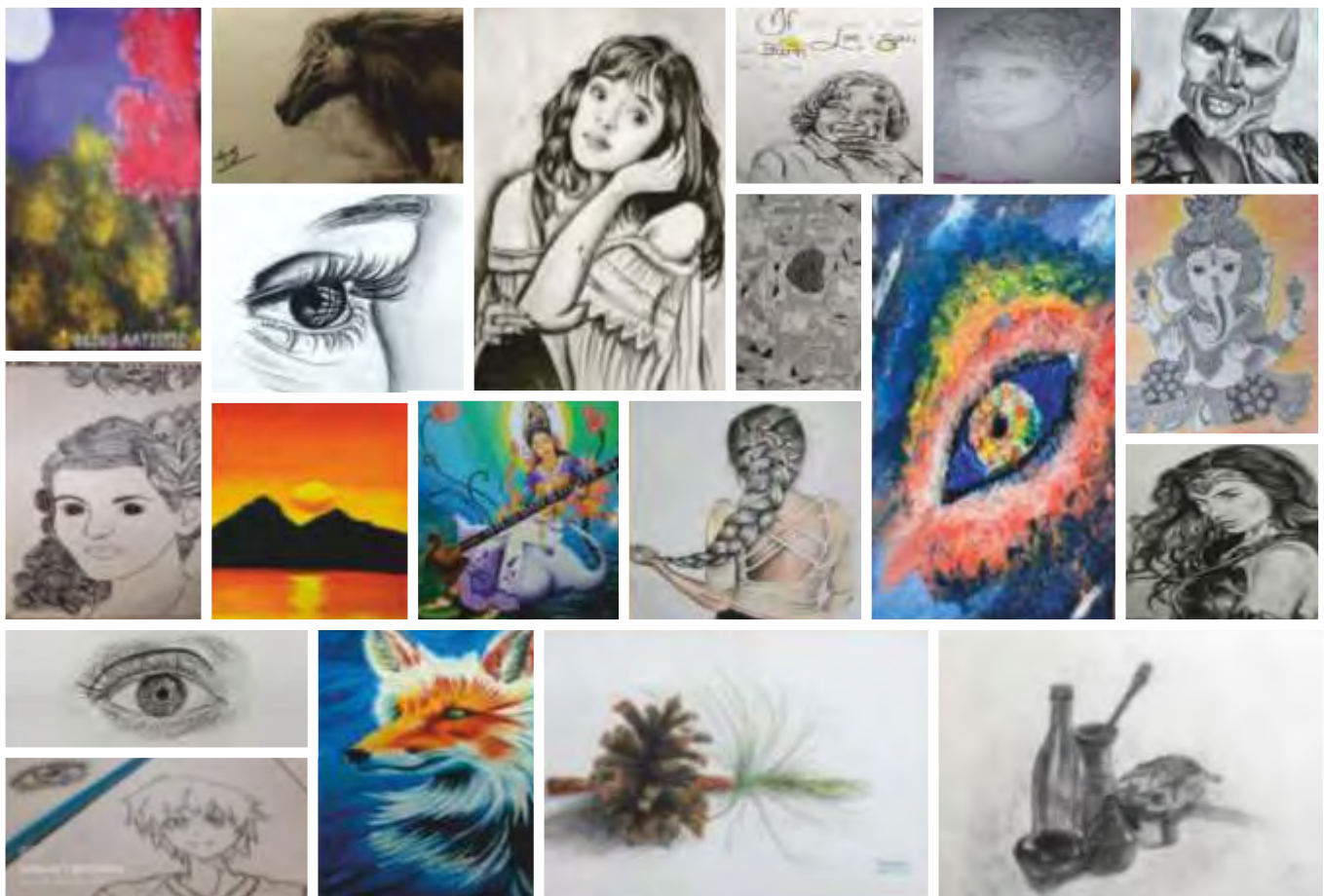
शिक्षक दिवस को कलात्मक तरीके से मनाने के लिए क्लब के सदस्यों ने विचार मंथन किया। कोलाज और वीडियो संकलन के बारे में सोचा गया और अंतिम विचार कॉलेज की पेंटिंग का समयबद्ध होने का निर्णय लिया गया। परिसर की तस्वीरें 10 सदस्यों की कोर टीम द्वारा साझा की गईं और सोनाली को पेंटिंग करने का काम सौंपा गया। पेंटिंग की जानकारी और टिप्स के साथ पेंटिंग पर काम करने में कोर सदस्यों ने सोनाली की मदद की। छोटा कार्यक्रम मजेदार था और सदस्यों को एक दूसरे को अधिक व्यक्तिगत तरीके से जानने में मदद करता था।

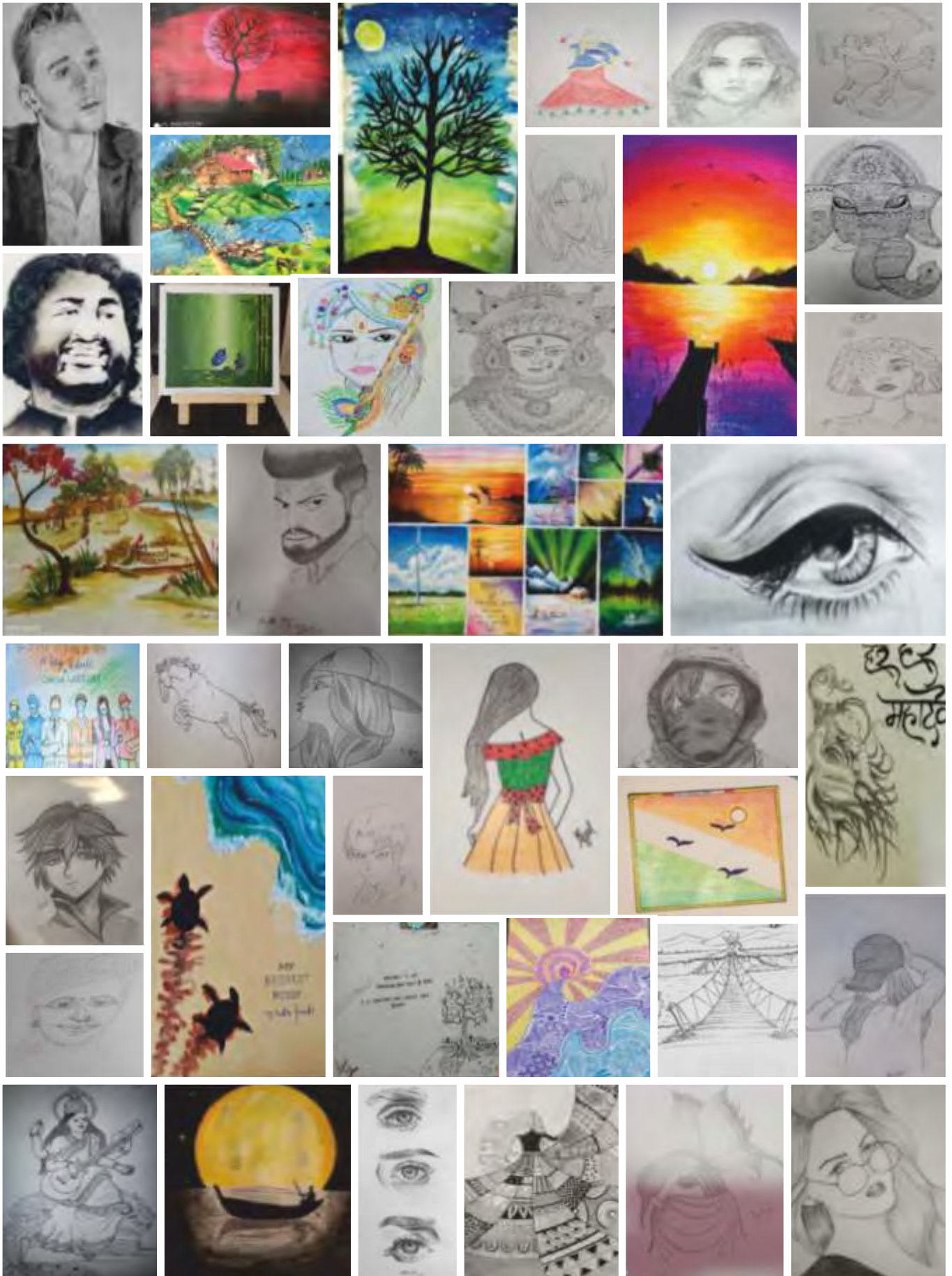


कला प्रदर्शन

जनवरी-मार्च

जनवरी से मार्च के महीनों के दौरान, क्लब के सभी नए सदस्यों को अपने कौशल को सुधारने और अपनी कलाकृति का प्रदर्शन करने के लिए सक्रिय रूप से प्रेरित किया गया। सीखने की रुचि रखने वाले सदस्यों को सहायता और समर्थन दिया गया। तरह-तरह की कलाकृतियां देखने को मिलीं।





महिला दिवस पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता (09-03-2021)

इस आयोजन में, डिजाइनोंट्स ने आईईईई के साथ मिलकर एसटीईएम में भारतीय महिला विषय पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की।

साहित्यिक समाज

सलाहकार और सह—सलाहकार: डॉ. सूर्य प्रकाश और डॉ. नेहा कौशिक

सचिव का नाम: शिखा चौधरी

सभी क्लब समन्वयकों और सह समन्वयकों के नाम:

1— राइटिंग क्लब

वी. मधुमिता (समन्वयक)

रिद्धि रतन (समन्वयक)

2— डिबेटिंग क्लब

युवराज सिंह बिश्नोई (समन्वयक)

देवांश कोचर (समन्वयक)

3— क्विजिंग क्लब

अन्वेश दास (समन्वयक)

रमन सोनी (समन्वयक)



रोस्ट्रा में भागीदारी (साहित्यिक उत्सव बीआईटी मेसरा)

दिनांक: 26 से 28 मार्च 2021

रोस्ट्रा बीआईटी मेसरा का वार्षिक साहित्यिक उत्सव है। आईआईटी मंडी की लिटरेरी सोसाइटी (राइटिंग एंड डिबेटिंग क्लब) की तीन टीमों ने रोस्ट्रा में हिस्सा लिया था और जिन इवेंट्स में उन्होंने हिस्सा लिया था, उनमें शानदार प्रदर्शन किया था। जिन 7 इवेंट्स में उन्होंने हिस्सा लिया था, उनमें से उन्होंने 6 इवेंट्स में मेडल जीते थे। उन्होंने कुशलतापूर्वक प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत दोनों पदक जीते।

रोस्ट्रा-21 में उपलब्धियां

स्टेलर 2021 में भागीदारी – टेप ए टेल

दिनांक: 14 जनवरी 2021

स्टेलर एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसका आयोजन टेप ए टेल द्वारा देश भर के कुछ इच्छुक कॉलेजों के सहयोग से किया जाता है, ताकि सर्वश्रेष्ठ कहानीकार की खोज की जा सके। राइटिंग क्लब के साथ आईआईटी मंडी के साहित्यिक समाज ने एक प्रारंभिक कार्यक्रम आयोजित किया, और स्टेलर 2021 के पहले दौर में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने के लिए शीर्ष 10 प्रतिभागियों का चयन किया। इन 10 प्रतिभागियों में से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले को दूसरे दौर में जाने के लिए चुना गया था। स्टेलर 2021, जो एक अंतर-कॉलेज प्रतियोगिता थी।

स्वेवेन (साहित्यिक उत्सव एनआईटी आंध्र प्रदेश) में भागीदारी

स्वेवेन एनआईटी आंध्र प्रदेश का वार्षिक साहित्यिक उत्सव है। हम एनआईटी के एपी फेस्ट में अपने साहित्यिक समाज का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। यह फेस्ट 25 से 27 जून तक आयोजित होने जा रहा है। जिन आयोजनों की हम तैयारी कर रहे हैं, वे हैं— रिकॉन, एमयूएन और मॉडल पार्लियामेंट, क्रिएटिव राइटिंग।

हिंदी साहित्य प्रश्नोत्तरी: दिनांक— 29 / 02 / 2020

यह कार्यक्रम हिंदी पखवाड़ा 2020 का समापन कार्यक्रम था। इस एकल भागीदारी कार्यक्रम में लोकप्रिय हिंदी साहित्य और अन्य हिंदी मीडिया के बारे में प्रश्न थे। यह सिंगल राउंड क्विज था।

हिंदी सप्ताह लेखन— 14 सितंबर—28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है और इस अवसर पर वैकल्पिक रूप से सोशल मीडिया पेज पर 7 लेख पोस्ट किए गए।

शायरी रात : तारीख – 18 फरवरी

कवियों का जमावड़ा हमेशा मन के लिए एक इलाज होता है। वॉयस योर थॉट्स के सभी संस्करणों में इतनी उत्साही भागीदारी

देखने के बाद, हम उन सभी अद्भुत कवियों को एक साथ लाना चाहते थे और उनसे उनके कामों के बारे में सुनना चाहते थे। आत्मनिरीक्षण से प्रेम तक, त्रासदी से हल्के-फुल्के हास्य तक, आनंद से अकेलेपन तक, 20 प्रतिभागियों ने अपनी कविता प्रस्तुत की और शब्दों को परिप्रेक्ष्य में बदल दिया। क्लब, और दो क्लबों के बीच एक दोस्ताना आमना-सामना था। हर हफ्ते पटकथा लेखन के लिए एक संकेत जारी किया जाता था और लेखकों ने अपनी पटकथाएँ लिखीं और नाटक क्लब के अभिनेताओं को इसे निभाने के लिए चुनौती दी। अभिनेताओं ने अपने कृत्यों को पोस्ट किया और अगले संकेत के लिए और अधिक लेखकों को चुनौती दी और यह सिलसिला पूरे महीने जारी रहा। स्क्रिप्ट्स को लिटरेरी सोसाइटी के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया गया था।

गांधीगिरी

दिनांक— 4 अक्टूबर

गांधीगिरी एक वाद-विवाद प्रतियोगिता थी। आयोजन में दोनों टीमों को एक स्थिति दी गई। और फिर एक पहली दौर था जिसमें उन्हें पहली को सुलझाना था। जिस टीम ने पहले पहली को हल किया, उसे विषय पर अपना पक्ष चुनने का लाभ दिया गया। विषय ऐसे थे कि कोई भी व्यक्ति या तो अहिंसा और क्षमा के गांधीवादी तरीकों से या हिंसक और अनैतिक तरीकों से हल कर सकता है। इस आयोजन में 3 सदस्यों वाली 8 टीमों ने भाग लिया। प्रारंभिक दौर का निर्णय क्लब समन्वयकों और पूर्व समन्वयकों द्वारा किया गया था। फाइनल राउंड को प्रो. देविका सेठी ने जज किया।

क्या सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण होना चाहिए

हाल की घटनाओं को देखते हुए, डिबेटिंग क्लब ने सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण होना चाहिए या नहीं, इस पर बहस का आयोजन किया। यह आयोजन गूगल मीट पर, छात्रों के बीच विविध राय थी और बहस काफी जानकारीपूर्ण थी। आयोजन के मेजबान और जज श्री वैभव शर्मा थे, जो चौथे वर्ष के छात्र और क्लब मेंटर थे। उन्होंने इस मुद्दे पर कई बिंदु भी साझा किए।

सत्र रिकॉर्डिंग: https://drive.google.com/file/d/1CdFQkM2I4ddO_PWfpgB7hxEGivE21xDS9/view?usp=sharing

क्या समान नागरिक संहिता होनी चाहिए

हमारे देश की आजादी के बाद से समान नागरिक संहिता एक महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। बहुत से लोगों का विचार है कि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार आदि जैसे व्यक्तिगत मामलों में सभी धर्मों के लिए समान शासी कानून होने चाहिए। लेकिन कई लोग यह भी मानते हैं कि समान नागरिक संहिता हमारे देश की विविधता को प्रभावित करेगी। संविधान सभा में एक लंबी बहस के बाद, हमारे संविधान निर्माता अनुच्छेद 44 के साथ आए, जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में सूचीबद्ध है, जो कहता है कि राज्य एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा। बहस शुरू होने से पहले इन सभी बातों पर चर्चा हुई। नमन तायल (क्लब के पूर्व समन्वयक) इस आयोजन के जज थे।

क्या भारत में लॉकडाउन होना चाहिए था?

COVID महामारी ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया और यह भारत में भी बहुत तेजी से फैल रहा था। हमारी सरकार ने बहुत सख्त राष्ट्रव्यापी तालाबंदी लागू की। लेकिन कई लोगों का कहना है कि लॉकडाउन सही समाधान नहीं था और कई लोग यह भी मानते हैं कि स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए लॉकडाउन आवश्यक था।

बहस केवल कोर क्लब के सदस्यों के लिए थी और इस बहस में कोई पुरस्कार नहीं था। दो टीमों थीं एक लॉकडाउन के पक्ष में और दूसरी इसका विरोध कर रही थी। दोनों टीमों ने अपने विचार रखे और फिर अपने विचार रखने का कारण बताया। इस बहस में कोई जज नहीं था, क्लब के सदस्यों ने खुद टीम बनाई और फिर इस बहस का संचालन किया।

वेबिनार – भारत में शासन और नीतियों में वैचारिक बदलाव

डिबेटिंग क्लब ने भारत के पूर्व कोयला और स्कूल शिक्षा सचिव, श्री अनिल स्वरूप (आईएसएस सेवानिवृत्त) को भारत में शासन और वर्षों से हमारे देश की नीतियों में वैचारिक बदलाव पर एक सत्र के लिए आमंत्रित किया। श्री स्वरूप ने पहले हमें बताया कि विभिन्न सरकारों के दौरान किस तरह की नीतियां थीं और फिर उन्होंने हमें समझाया कि आर्थिक और सामाजिक रूप से उच्च विकास प्राप्त करने के लिए हमें अपनी नीतियों को बदलने की आवश्यकता क्यों है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर सरकार के साथ काम करने के अपने अनुभव भी साझा किए। सत्र में 80 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। अपने सत्र के अंत में, उन्होंने

छात्रों से प्रश्न पूछे और कई छात्र ऐसे भी थे जो सरकारी नीतियों के बारे में बहुत सी बातें जानने के लिए उत्सुक थे। यह लगभग 1 घंटे लंबा सत्र था। उन्होंने इस इवेंट के बारे में अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर भी शेयर किया।

सत्र रिकॉर्डिंग: https://drive.google.com/file/d/1rcXSttRrak7IKJh9FNAW1bVB_ffvpkplO/view?usp=sharing

अन्य विकास

विवान-21: आईआईटी मंडी की वार्षिक साहित्यिक पत्रिका, कुछ रसद मुद्दों के कारण पिछले 2 सत्र में जारी नहीं की जा सकी। समन्वयकों और पिछले 2 सचिवों के साथ बहुत देरी और चर्चा के बाद, हमने विवान'19, विवान'20 और विवान'21 को जोड़ा। डिजाइनिंग पूरी हो गई है और संकलन का हिस्सा लंबित है।

9.1 खेल समिति

सोसायटी का नाम: स्पोर्ट्स सोसाइटी'

सचिव का नाम: आकाश मौर्य

सोसायटी सलाहकार और सह-सलाहकार का नाम: डॉ. श्यामाश्री दासगुप्ता (खेल सलाहकार) और

डॉ. राहुल श्रेष्ठ

(खेल सह-सलाहकार)

सम्बंधित क्लबों का नाम: माउंटेन बाइकिंग क्लब।

क्लब सलाहकार: डॉ. आदर्श पटेल (माउंटेन बाइकिंग क्लब सलाहकार)

सभी गतिविधि समन्वयकों और सह समन्वयकों के नाम

1. साहिल शर्मा (समग्र समन्वयक, पीजी पुरुष)
2. यति अग्रवाल (समग्र समन्वयक, पीजी महिला)
3. राजन गढ़वाल (समग्र समन्वयक, यूजी पुरुष)
4. राशिका राठी (कुल समन्वयक, पीजी महिला)
5. उत्कर्ष जैन (वेब समन्वयक)
6. सागर कुमार (सामग्री समन्वयक)
7. सी. गिरी वर्षिथ (खेल समन्वयक, बास्केटबॉल पुरुष)
8. पूजा पाटीदार (खेल समन्वयक, वॉलीबॉल महिला)
9. सृष्टि गिंजाला (खेल समन्वयक, बैडमिंटन महिला)
10. प्रिंसी गुप्ता (खेल समन्वयक, लॉन टेनिस महिला)
11. सोलाई आदित्य ए (खेल समन्वयक, टेबल टेनिस पुरुष)
12. नवीन खंगरावत (खेल समन्वयक, क्रिकेट)
13. रोहन नुका (खेल समन्वयक, बैडमिंटन पुरुष)
14. प्रज्ञानशु चौधरी (खेल समन्वयक, शतरंज)
15. अक्षय कुमार (खेल समन्वयक, एथलेटिक्स पुरुष)
16. निवेदिता एन (खेल समन्वयक, एथलेटिक्स महिला)
17. शेख मोहम्मद शोएब (खेल समन्वयक, वॉलीबॉल पुरुष)
18. मुकुल धीमान (खेल समन्वयक, भारोत्तोलन)
19. आकांक्षा सिन्हा (खेल समन्वयक, बास्केटबॉल महिला)

20. दिव्यशील कुमार (खेल समन्वयक, फुटबॉल)
21. अनुष्का बजाज (खेल समन्वयक, टेबल टेनिस महिला)
22. श्रवण सुदेशा (खेल समन्वयक, हॉकी)
23. यथार्थ मोगरा (खेल समन्वयक, लॉन टेनिस पुरुष)
24. अतुल जैन (समन्वयक, माउंटेन बाइकिंग क्लब)
25. अभिषेक कुल्हड़िया (समन्वयक, माउंटेन बाइकिंग क्लब)

अंतर-महाविद्यालय टूर्नामेंट

दिनांक: 1 नवंबर – 13 दिसंबर 2020

नवंबर और दिसंबर के दौरान परिसर में छात्रों, कर्मचारियों और संकायों के लिए क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस के लिए मैत्रीपूर्ण टूर्नामेंट आयोजित किए गए। उस समय के दौरान, पूरे आईआईटी मंडी समुदाय का एक-चौथाई से भी कम परिसर में मौजूद था और COVID-19 महामारी के कारण कई प्रतिबंधों के तहत रखा गया था। इसमें अधिकांश छात्र स्नातकोत्तर और शोधार्थी उपस्थित थे। इन टूर्नामेंटों ने प्रतिभागियों को लॉकडाउन जैसी स्थिति के दौरान शारीरिक रूप से सक्रिय और मानसिक रूप से फिट होने में मदद की। सभी टूर्नामेंटों में कुल मिलाकर 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

टूर्नामेंट के दौरान परिसर में उनके बहुमत के कारण पीजी छात्रों और स्टाफ/संकायों से परिसर की खेल गतिविधियों में अधिक भागीदारी देखी गई। प्रतियोगिताएं तीव्र थीं, और विजेताओं और उपविजेताओं के बीच अंतर छोटा था। इस तरह की विशेष प्रतियोगिताएं खेल गतिविधियों में पीजी की भागीदारी को बढ़ावा देती हैं।

ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट

तिथियां: 12 नवंबर 2020, 2-3 जनवरी 2021

कार्यकाल के दौरान कुल 3 अलग-अलग ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट आयोजित किए गए। ये टूर्नामेंट पूरे आईआईटी मंडी समुदाय के लिए खुले थे। टूर्नामेंट "लीचेस" नामक एक ऑनलाइन शतरंज मंच पर आयोजित किए गए थे और स्विस प्रारूप नियमों का पालन करते थे। प्रत्येक टूर्नामेंट अपनी रेटिंग और टूर्नामेंट संरचना के मामले में अलग था। समर्पित गेम विंडो के दौरान प्रतिभागियों का उनके प्लेटफॉर्म प्रोफाइल और उपलब्धता के अनुसार मिलान किया गया। गेम विंडो की समय सीमा समाप्त होने और विजेताओं की घोषणा के बाद लीडरबोर्ड तैयार किया गया था।

पहला टूर्नामेंट ब्लिट्ज (50) रेटिंग था और 12 नवंबर 2020 को आयोजित किया गया था। दूसरा टूर्नामेंट रैपिड (100) रेटिंग था और 2 और 3 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया था। कुल मिलाकर लगभग 55 और 65 प्रतिभागी थे।

कमान्ड प्रीमियर लीग सीजन 2, क्रिकेट

दिनांक: 30 जनवरी – 7 मार्च 2021

परिसर में छात्रों, कर्मचारियों और संकायों के लिए क्रिकेट के लिए एक नीलामी आधारित इंटर-कॉलेज टूर्नामेंट आयोजित किया गया था। चूंकि टीमों को बनाने के लिए नीलामी की गई थी, इसलिए गठित टीमों में विविध थीं और खिलाड़ी अपने छात्र कार्यक्रम, स्टाफ या फैकल्टी कद के प्रतिभागियों के बावजूद खेल की भावना को सामने रखते हुए खेले। खेलों के लिए ऐसा नीलामी-आधारित टूर्नामेंट पहली बार आयोजित किया गया था और यह एक बड़ी सफलता थी। यहां तक कि COVID-19 महामारी में लॉकडाउन जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिसमें आधे से अधिक भा.प्रौ.सं. मण्डी समुदाय अपने घरों में थे, टूर्नामेंट देखने के लिए अधिक रोचक और शानदार थे। टूर्नामेंट के स्कोर को "क्रिकेरोज" ऐप और वेबसाइट पर लाइव स्ट्रीम किया गया था, जिसमें वेबसाइट/ऐप पर टूर्नामेंट कुल 16,796 बार देखा गया था। हमें खिलाड़ियों की जर्सी, ट्राफियां और स्मृति चिन्ह के लिए प्रायोजन भी मिल सकते हैं। हमने समापन समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ. राहुल श्रेष्ठ (खेल सह-सलाहकार) और भा.प्रौ.सं. मण्डी उत्प्रेरक (प्रायोजक) के सदस्यों को आमंत्रित किया। कुल 75 से अधिक प्रतिभागियों ने टूर्नामेंट खेला, और 150 से अधिक ने कार्रवाई के लिए पंजीकरण कराया। यह टूर्नामेंट एक बड़ी सफलता थी। उस समय हमारे पास जो प्रतिबंध थे, उन्हें देखते हुए हमने कैम्पस में लोगों को इसके बारे में बात करते हुए सुना और ऐसे लोगों को देखा जिन्होंने मैच को लाइव/ऐप पर देखा और अपनी टीमों का समर्थन किया। इसने कॉलेज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को खोजने

और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में टीम के साथियों से सीखने की आदत डालने में मदद की।

हाफ सेंचुरी राइड— 20 मार्च 2021: यह सेशन की सबसे लंबी राइड थी। इस सवारी में एक संकाय सदस्य (अर्नव सर) के साथ 12 सवार थे जिन्होंने इस सवारी में भाग लिया। हम कैफे से प्यार करने के लिए नॉर्थ कैंपस से सड़क मार्ग से जाते हैं, फिर लव कैफे से अर्नेहर तक ऑफ—रोड राइडिंग करते हैं। यह सबसे साहसिक सवारी थी, जो एक ऑफ—रोड मार्ग का उपयोग करके प्रदर्शन करती है। कुल तय की गई दूरी लगभग 50 किमी. थी।

अनुसंधान समिति

अधिष्ठाता (शैक्षणिक): प्रो. प्रदीप परमेश्वरन

सह अधिष्ठाता (अनुसंधान): डॉ. राहुल वैश्य

अनुसंधान सचिव: पवन कुमार मंडल

अनुसंधान समिति के सदस्य

| नाम | अनुक्रमांक | स्कूल | पाठ्यक्रम |
|------------------|------------|----------|-----------|
| साई सुषमा पी | एस19012 | एससीईई | एमएस |
| आर्यन भंबू | वी19059 | एसबीएस | एम.एससी. |
| शिवम गुजराल | डी17026 | एससीईई | पीएच.डी. |
| गोकुल कृष्ण | डी19001 | एसई | पीएच.डी |
| पवन कुमार मंडल | डी17044 | एसबीएस | पीएच.डी. |
| अभिषेक सिंह | टी19050 | एसई | एम.टेक. |
| मानवेंद्र सिंह | टी19138 | एससीईई | एम.टेक. |
| सौरभ गर्ग | डी16084 | एसबीएस | पीएच.डी. |
| अमन मिश्रा | डी18067 | एसएचएसएस | पीएच.डी. |
| पी विनीत, डैनियल | डी16075 | एसबीएस | पीएचडी |
| अरमान खान | टी2009 | एसई | एम.टेक. |

| क्रम सं | क्लब का नाम | क्लब समन्वयक | क्लब सलाहकार |
|---------|-------------------------|--|-------------------------|
| 1. | आईईईई छात्र शाखा अध्याय | <ul style="list-style-type: none"> ○ मनीष शर्मा ○ जाह्नवी गुप्ता | डॉ. अमित कुमार सिंघा |
| 2. | एसीएम | <ul style="list-style-type: none"> ○ कार्तिक कथूरिया ○ व्योम गोयल ○ कियारव बंसल | डॉ. मानस ठाकुर |
| 3. | एसीएम—डब्ल्यू | <ul style="list-style-type: none"> ○ निशिता शर्मा ○ रुचिका शरण | डॉ. श्रीलक्ष्मी मंजुनाथ |
| 4. | एससीआरआई | <ul style="list-style-type: none"> ○ मनोज कुमार ○ अपूर्व सिंह देव | डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती |

आईईईई छात्र शाखा अध्याय क्लब विवरण

| क्लब का नाम | संकाय सलाहकार का नाम | अध्यक्ष | उपाध्यक्ष | सचिव | कोषाध्यक्ष |
|---------------------------|-------------------------|------------------------|----------------|----------------|------------------------|
| आईईईई छात्र शाखा | डॉ. अमित कुमार सिंघा | मनीष शर्मा | जाह्नवी गुप्ता | तुशिका सिंह | सिद्धांत कुमार |
| आईईईई दृष्टि समूह | डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित | वेंकट आदित्य दुग्गराजू | सचिन चौहान | उत्कर्ष | संजना के |
| आईईईई पेल्स-आईईएस सोसायटी | डॉ. मौमिता दास | सिद्धांत कुमार | मोहसिन असद | गरिमा चाहरी | वेंकट आदित्य दुग्गराजू |
| आईईईई वाईई एफिनिटी ग्रुप | रेणु एम रमेश | तुशिका सिंह | निवेदिता एन | कृतिका गुप्ता | हरनमन कौर |
| आईईईई आईएस-पीएस सोसायटी | डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित | सचिन चौहान | दीपशिखा पांडा | अनुज कुमार राव | जसवंत सिंह |
| आईईईई रास सोसायटी | डॉ. तुषार जैन | दिवांशु गुप्ता | अंकित करन | दीक्षा | अभिषेक ध्यानी |

एसीएम और एसीएम-डब्ल्यू छात्र अध्याय

सभी क्लब सलाहकारों का नाम:

- एसीएम अध्याय: डॉ. मानस ठाकुर
- कमान्द प्रोम्पर और एसीएम-डब्ल्यू अध्याय: डॉ. श्रीलक्ष्मी मंजूनाथ
- एसीएम अध्याय समन्वयक अध्याय
- कार्तिक कथूरिया
- व्योम गोयल
- कियारव बंसल
- एसीएम-डब्ल्यू अध्याय समन्वयक:
- निशिता शर्मा
- रुचिका शरण

एस.सी.आर.आई.

संकाय सलाहकार का नाम: डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती

- समन्वयक और सह समन्वयक:
- श्री मनोज कुमार
- श्री अपूर्व सिंह देव

मानवीय अभियांत्रिकी के माध्यम से सामाजिक नवाचारों में तेजी लाने पर एक वार्ता दिनांक: 26 / 03 / 2021

अतिथि वक्ता: श्री सम्पथ कुमार वीरराघवन, आईईईई एचएसी 2021 अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष आईईईई साइट

वार्ता की शुरुआत स्पीकर द्वारा 17 सतत विकास लक्ष्यों के बारे में एक झलक देने के साथ हुई, जिसका उद्देश्य दबाव वाली वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना है। लक्ष्यों के परस्पर संबंध, उन्हें संबोधित करने की आवश्यकता आदि की व्याख्या करने के बाद, वक्ता ने तब उन चुनौतियों पर जोर दिया जो वैश्विक स्तर पर सतत विकास कार्यक्रम के लिए आम तौर पर सामना की जाती हैं। कुछ आँकड़ों की मदद से इन मुद्दों की भयावहता को विस्तार से समझाया गया। इन मुद्दों को हल करने की आवश्यकता के बारे में बात करते हुए, वक्ता ने श्रोताओं को मानवतावादी इंजीनियरिंग के सिद्धांत से परिचित कराया जो विज्ञान, इंजीनियरिंग और समाज का अंतर्संबंध है। वक्ता ने एक छात्र के रूप में एक आईईईई मानवीय स्वयंसेवक के रूप में अपनी व्यक्तिगत यात्रा के कुछ उदाहरणों का हवाला देते हुए, उन अवसरों के बारे में बताया जो इंजीनियरों के लिए होते थे सतत विकास चुनौतियों का सामना करते समय। परिचय देने के बाद, वक्ता ने दर्शकों के लिए IEEE HAC/SIGHT की शुरुआत की। आईईईई ढांचे में एचएसी की भूमिका, यह कैसे आईईईई लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करता है, के बारे में बताया गया। स्पीकर ने आईईईई साइट स्वयंसेवक की तुलना में लाभों पर जोर दिया, जब इसमें शामिल होने पर व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से आनंद ले सकते थे। आईईईई साइट समूह के बारे में एक सिंहावलोकन सदस्यता सांख्यिकी और प्रस्ताव वित्त पोषण आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद स्पीकर ने तेजी से एचएसी/साइट परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जिसमें वित्त पोषण, परियोजना के प्रकार आदि की जानकारी शामिल थी। SIGHT का उपयोग करके वित्त पोषित किया जाए। वक्ता ने विशेष पहल— COVID परियोजना कार्यक्रम के बारे में प्रकाश डाला। स्वयंसेवकों के लिए साइट संसाधनों के बारे में जानकारी वक्ता द्वारा प्रदान की गई। सत्र समाप्त होने के साथ, यह प्रश्नोत्तर के लिए दर्शकों ने प्रस्तावों, फंडिंग आदि के संबंध में अपने प्रश्नों को स्पीकर द्वारा संबोधित करने में सक्रिय रूप से शामिल किया। सत्र इंटरैक्टिव था, जानकारी से भरा था और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई थी।

इस सत्र में उपस्थित लोगों की संख्या: 55

स्थान: आभासी



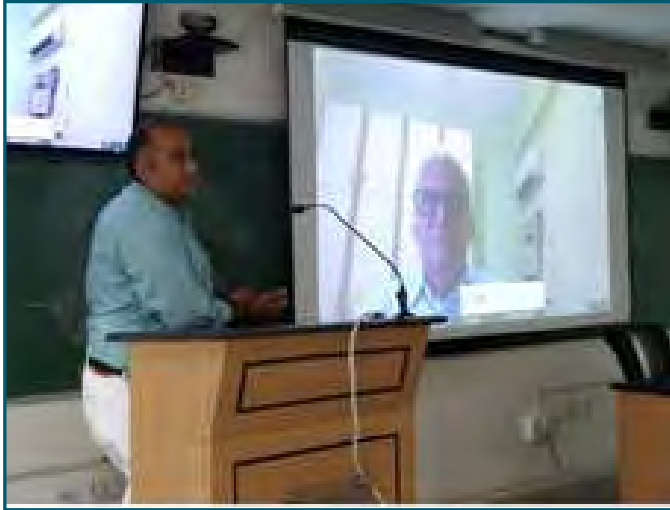
IEEE व्याख्यान “थीसिस और शोध पत्र कैसे लिखें” PELS दिवस समारोह

दिनांक: 20 / 06 / 2020

अध्यक्ष: प्रो. रमेश ओरुगंटी (सिंगापुर): IEEE PELS दिवस समारोह के अवसर पर, हमने प्रोफेसर रमेश ओरुगंटी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत के विजिटिंग प्रोफेसर द्वारा दिए गए IEEE PELS व्याख्यान का आयोजन किया है। उन्होंने “थीसिस और शोध पत्र कैसे लिखें” शीर्षक से व्याख्यान दिया है। अंतिम वर्ष के छात्र अपने स्नातक की ओर बढ़ रहे हैं और चूंकि कोविड -19 के वर्तमान परिदृश्य में स्नातक छात्र परिसर से बाहर हैं और अपने स्थानों पर थीसिस लिखने के लिए कठिन दिनों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, IEEE PELS SB चैप्टर IIT मंडी ने PELS दिवस (20 जून) के अवसर पर IEEE PELS व्याख्यान का आयोजन किया है IEEE छात्र शाखा अध्याय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी,

भारत ने IEEE PELS दिवस 2020, 20 जून, 2020 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक मनाने के लिए "थीसिस और शोध पत्र" कैसे लिखें" पर IEEE PELS व्याख्यान (वेबिनार) आयोजित किया। वेबिनार का संचालन प्रोफेसर रमेश ओरुगंती ने किया। इसे "सिस्को वीबेक्स" वर्चुअल मीटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से (ए-1, एनकेएन, आईआईटी मंडी से) प्रसारित किया गया था।

उपस्थित लोगों की संख्या: 50 (ऑनलाइन) 13 (ऑफलाइन)



IEEE PELS विशिष्ट व्याख्यान: V2G एप्लिकेशन PELS दिवस समारोह के लिए EVs का वायरलेस ग्रिड एकीकरण

दिनांक: 22 / 06 / 2020

अध्यक्ष: प्रो. उदाव कुमारा मदावाला (ऑकलैंड विश्वविद्यालय, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड)

स्थान: आभासी

IEEE छात्र शाखा अध्याय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत ने IEEE PELS दिवस 2020, 22 जून, 2020 को सुबह 10:00 बजे मनाने के लिए V2G अनुप्रयोगों के लिए EVs के वायरलेस ग्रिड एकीकरण पर विशिष्ट व्याख्यान" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार ऑकलैंड विश्वविद्यालय, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड के प्रोफेसर उदाव कुमारा मदावाला, फेलो आईईईई द्वारा दिया गया था। इसे "सिस्को वीबेक्स" वर्चुअल मीटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से (एससी, एनकेएन, आईआईटी मंडी से) प्रसारित किया गया था।

अध्यक्ष के बारे में: डॉ. मदावाला आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक सोसाइटी के एक विशिष्ट व्याख्याता हैं, और उन्हें बिजली इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा के क्षेत्र में उद्योग और अनुसंधान दोनों का 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने सम्मेलनों, तकनीकी समितियों और अध्याय गतिविधियों से संबंधित कई भूमिकाओं में आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स सोसायटी दोनों की सेवा की है। वह वर्तमान में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स पर आईईईई लेनदेन के लिए एक सहयोगी संपादक हैं, और सतत ऊर्जा प्रणाली तकनीकी समिति के सदस्य और आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी की सदस्यता विकास समिति के ओशिनिया संपर्क अध्यक्ष हैं।

उपस्थित लोगों की संख्या: 78 (आभासी: 71, व्यक्तिगत रूप से: 7)

स्मार्ट माइक्रोग्रिड प्रबंधन पर आईईईई आईईएस विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक: 21 / 09 / 2020

अध्यक्ष: प्रो. मो-युएन चाउ (उत्तरी कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, उत्तरी कैरोलिना, यूएसए)

स्थान: A1- NKN, IIT मंडी

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म: सिस्को वेबएक्स

21 सितंबर 2020 को, हमने प्रोफेसर मो-युएन चाउ, IEEE फेलो, नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए द्वारा वितरित एक IEEE PELS-IES DL का आयोजन किया। उन्होंने स्मार्ट माइक्रोग्रिड प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। स्मार्ट माइक्रोग्रिड को विद्युत ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (ईईएसएस) के दोहन के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में जाना जाता है। दूसरी ओर, ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम (ईईपी) को स्मार्ट एमजी निवेश और संचालन के एक अभिन्न और अत्यधिक मूल्यवान तत्व के रूप में मान्यता प्राप्त है।

अध्यक्ष के बारे में: प्रो. चाउ ने विद्युत और संगणक अभियांत्रिकी में यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन (बी.एस., 1982) तथा कॉर्नेल यूनिवर्सिटी (एम. इंजी., 1983; पीएचडी, 1987) से उपाधि हासिल की। अपने पीएचडी डिग्री, के पूरा होने पर डॉ. चाउ उत्तरी कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए। वे 1993 में एसोसिएट प्रोफेसर और 1999 से प्रोफेसर बने। डॉ. चाउ चांगजियांग विद्वान और झेजियांग विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर हैं। उन्होंने 2003 की गर्मियों के दौरान अमेरिकी सेना, TACOM TARDEC डिवीजन में एक वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक के रूप में काम किया। उन्होंने 1995 में ABB ऑटोमेटेड डिस्ट्रीब्यूशन डिवीजन में विजिटिंग साइंटिस्ट के रूप में अपना विश्राम अवकाश बिताया। उपस्थित लोगों की संख्या: **44 (ऑनलाइन) 10 (ऑफलाइन)**

पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में मॉडल प्रेडिक्टिव कंट्रोल पर IEEE PELS विशिष्ट व्याख्यान: एक महत्वपूर्ण समीक्षा और हाल के औद्योगिक उत्पाद

दिनांक: 11 / 03 / 2021

वक्ता: प्रोफेसर टोबियास गेयर, (एबीबी कॉर्पोरेट रिसर्च, स्विट्जरलैंड और स्टेनबोश विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका)

आईईईई छात्र शाखा अध्याय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत ने 11 मार्च, 2021 को "पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में मॉडल भविष्य वक्ता नियंत्रण: एक महत्वपूर्ण समीक्षा और हाल के औद्योगिक उत्पादों" पर विशिष्ट व्याख्यान पर एक वेबिनार का आयोजन किया। एक घंटे और 15 मिनट लंबा डीएल दोपहर 12:00 शुरू हुआ। वेबिनार प्रोफेसर टोबियास गेयर, एबीबी कॉर्पोरेट रिसर्च, स्विट्जरलैंड और स्टेनबोश यूनिवर्सिटी, दक्षिण अफ्रीका द्वारा दिया गया था। इसे A1 NKN, भा.प्रौ.सं. मण्डली से "सिस्को वेबएक्स" वर्चुअल मीटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रसारित किया गया था। अध्यक्ष के बारे में प्रो. टोबियास गेयर (एम'08 – एसएम'10) ने डिप्लोमा प्राप्त किया और पीएचडी डिग्री ईटीएच ज्यूरिख, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड से क्रमशः 2000 और 2005 में विद्युत अभियांत्रिक, और 2017 में ईटीएच ज्यूरिख, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड से पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में हैबिलिटेशन डिग्री प्राप्त की। वह वर्तमान में एबीबी में बिजली रूपांतरण नियंत्रण के लिए एक वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक हैं (कॉर्पोरेट रिसर्च सेंटर, बाडेन-दत्तविल, स्विट्जरलैंड) उन्हें 2017 से 2020 तक स्टेनबोश विश्वविद्यालय, स्टेनबोश, दक्षिण अफ्रीका में एक असाधारण प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था। उपस्थित लोगों की संख्या: **56 (44 ऑनलाइन और 12 आयोजन स्थल पर)**

परिवहन क्षेत्र में व्यवधान पर आईईईई व्याख्यान

अध्यक्ष: प्रो. के.एन. श्रीवास्तव

आईईईई छात्र शाखा अध्याय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत ने 30 मार्च, 2020 को 17:00 बजे "परिवहन क्षेत्र में व्यवधान" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का संचालन प्रो. के. एन. श्रीवास्तव ने किया। इसे "सिस्को वीबेक्स" वर्चुअल मीटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से (ए1, एनकेएन, आईआईटी मंडी से) प्रसारित किया गया था।

अध्यक्ष के बारे में: प्रो. कैलाश श्रीवास्तव, यूरोप में शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनी से लेकर यूरोप और एशिया के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों तक के 36 वर्षों के व्यापक अनुभव के साथ एक बिजली व्यवस्था पेशेवर से शिक्षाविद हैं। कैलाश एक स्वीडिश नागरिक हैं और अब अपने संचित अनुभव और लीक से हटकर विचारों के माध्यम से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समर्पित हैं। शिक्षा, उद्योग, प्रौद्योगिकी और समाज पर कैलाश के वैश्विक दृष्टिकोण ने उन्हें प्रणाली में प्रभावी ढंग से सुधार करने के अवसर प्रदान किए। विशेषता: अनुसंधान, प्रौद्योगिकी व्यवधान, रणनीतिक योजना, उच्च शिक्षा, परामर्श, अभिनव शिक्षा प्रणाली डिजाइन, सामरिक लागत प्रबंधन, सलाह, कोचिंग, पावर सिस्टम, मॉडलिंग, सिमुलेशन पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उपस्थित लोगों की संख्या: **25**

"एकेडेमिया से उद्योग तक की यात्रा—दिनांक 27 / 03 / 2021" पर आईईईई व्यावसायिक व्याख्यान

अध्यक्ष: डॉ. ज्योतिर्मय घोष (लीड डिजाइन इंजीनियर, एनएक्सपी)

IEEE PELS छात्र शाखा अध्याय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत ने 27 मार्च, 2020 को IEEE IAS SBC आईआईटी मंडी के सहयोग से 10:00 बजे "एकेडेमिया से उद्योग की यात्रा" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का संचालन डॉ. ज्योतिर्मय घोष ने किया। इसे "सिस्को वीबेक्स" वर्चुअल मीटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से (ए1, एनकेएन, आईआईटी मंडी से) प्रसारित किया गया था।

अध्यक्ष के बारे में: डॉ. ज्योतिर्मय घोष ने अपना बी.ई. 2005 में जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की। उन्होंने एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) और पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से क्रमशः 2009 और 2019 में की। डॉ. घोष एनालॉग वीएलएसआई, पावर मैनेजमेंट आईसी, स्विच-मोड पावर सप्लाय (एसएमपीएस) पर विभिन्न शोध परियोजनाओं में शामिल थे। डॉ. घोष 2014 में वरिष्ठ एनालॉग डिजाइन इंजीनियर के रूप में फ्रीस्केल सेमीकंडक्टर में शामिल हुए। वर्तमान में एनएक्सपी सेमीकंडक्टर में पोर्टेबल पावर मैनेजमेंट में है। **उपस्थित लोगों की संख्या: 55**

आईईईई व्यावसायिक व्याख्यान: "करियर मोल्ड" – दिनांक 27 / 03 / 2021

अध्यक्ष: प्रो. रवींद्र अरोड़ा (वरिष्ठ आजीवन सदस्य, IEEE) स्थान: A1-NKN, आईआईटी मंडी

IEEE PELS छात्र शाखा अध्याय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत ने आईईईई आईएस एसबीसी आईआईटी मंडी के सहयोग से 27 मार्च, 2020 को 12:00 बजे "करियर मोल्ड" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार प्रो. रवींद्र अरोड़ा (वरिष्ठ आजीवन सदस्य, आईईईई) द्वारा दिया गया था। इसे "सिस्को वीबेक्स" वर्चुअल मीटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से (ए1, एनकेएन, आईआईटी मंडी से) प्रसारित किया गया था। अध्यक्ष के बारे में डॉ. रवींद्र अरोड़ा, प्रोफेसर डॉ. आईएनजी (तकनीकी विश्वविद्यालय, ड्रेसडेन, जर्मनी)।

डॉ. रवींद्र अरोड़ा ने 1973 में टेक्निकल यूनिवर्सिटी, ड्रेसडेन, जर्मनी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डॉक्टर-इंजीनियर की डिग्री प्राप्त की। **उपस्थित लोगों की संख्या: 55**

अकादमिक और अनुसंधान में करियर के अवसर पर आईईईई व्यावसायिक व्याख्यान—दिनांक 27 / 03 / 2021

अध्यक्ष: प्रो. श्री निवास सिंह (फेलो, आईईईई)

IEEE PELS छात्र शाखा अध्याय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत ने आईईईई आईएस एसबीसी आईआईटी मंडी के सहयोग से 27 मार्च, 2020 को 15:30–16:30 बजे "शिक्षा और अनुसंधान में करियर के अवसर" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार प्रो. श्री निवास सिंह (फेलो, आईईईई) द्वारा दिया गया था। इसे "सिस्को वीबेक्स" वर्चुअल मीटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से (ए1, एनकेएन, आईआईटी मंडी से) प्रसारित किया गया था। **उपस्थित लोगों की संख्या: 40**

"करियर परामर्श और नौकरी के अवसर" पर आईईईई व्यावसायिक व्याख्यान – दिनांक 27 / 03 / 2021

अध्यक्ष: डॉ. टॉमी सेबेस्टियन (आईईईई आईएस पूर्व अध्यक्ष)

IEEE PELS छात्र शाखा अध्याय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, भारत ने आईईईई आईएस एसबीसी आईआईटी मंडी के सहयोग से 27 मार्च, 2020 को 17:30–18:30 बजे "करियर परामर्श और नौकरी के अवसर" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार प्रो. श्री निवास सिंह (फेलो, आईईईई) द्वारा दिया गया था। इसे "सिस्को वीबेक्स" वर्चुअल मीटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से (एससी, एनकेएन, आईआईटी मंडी से) प्रसारित किया गया था। 13 अध्यक्ष के बारे में: डॉ. टॉमी सेबेस्टियन ने क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज कालीकट (वर्तमान में एनआईटी, कालीकट), भारत से बी.एससी (इंजीनियरिंग) की डिग्री प्राप्त की, एम.एस. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, एमएससी डिग्री और पीएचडी 1979 से 1980 तक टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा से, वह 1987 से 1992 तक KELTRON, त्रिवेंद्रम, भारत के अनुसंधान एवं विकास केंद्र में थे। डॉ. सेबेस्टियन ने स्टीयरिंग सिस्टम में स्थायी मोटर डिजाइन और नियंत्रण मुद्दों तथा अनुप्रयोगों के क्षेत्र में व्यापक शोध किया है। उन्होंने 45 से अधिक तकनीकी लेख प्रकाशित किए हैं और उनके पास 25US पेटेंट हैं। 2003 में उन्हें IEEE का फेलो चुना गया। उन्होंने 2004–05 के दौरान औद्योगिक विद्युत रूपांतरण प्रणाली विभाग के अध्यक्ष के रूप में IEEE उद्योग अनुप्रयोग सोसायटी बोर्ड में कार्य किया। 2008–09 के दौरान, उन्होंने आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशन सोसाइटी के एक विशिष्ट व्याख्याता के रूप में कार्य किया। **उपस्थित लोगों की संख्या: 42**

वाईई आइडियाथॉन 2020—दिनांक – 19 दिसंबर 2020

IEEE SB चैप्टर आईआईटी मंडी के WiE एफिनटी ग्रुप ने 19–20 दिसंबर, 2020 के दौरान एक Ideathon का आयोजन किया। वर्तमान महामारी के कारण, हम सभी को ऑनलाइन अध्ययन करना है। इसके अपने पक्ष और विपक्ष हैं। चल रही कक्षाओं के साथ भी, कई स्कूलों और कॉलेजों की शिक्षा प्रणाली को शिक्षा की गुणवत्ता और वितरण के मामले में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस आइडियाथॉन में, 3 के समूह के छात्रों को एक नवीन तकनीक—आधारित समाधान के साथ आना था जो अंतर को पाट सकता है और शिक्षा प्रणाली को सुव्यवस्थित कर सकता है ताकि शिक्षण अधिक प्रभावी हो सके। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे, 19 दिसंबर, 2020 को शुरू हुआ और 48 घंटे तक चला, जिसमें प्रतिभागियों को 2 मिनट के वीडियो और एक प्रस्तुति का उपयोग करके इसे “जहां शिक्षा प्रौद्योगिकी से मिलती है” विषय पर अपने समाधान के साथ आना था। वे कुछ नवीन विचारों के बारे में सोचने के लिए मजबूर थे जिन्हें वास्तव में इस नए सामान्य में लागू किया जा सकता है।

इस कार्यक्रम में लगभग 24 छात्रों ने भाग लिया। कोर टीम के सदस्यों ने पूरे आयोजन में उनका मार्गदर्शन किया और जरूरत पड़ने पर आवश्यक सहायता प्रदान की। प्रतिभागियों में काफी उत्साह था। उन्हें लीक से हटकर सोचने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने यह भी सीखा कि किसी विचार को लागू करने से पहले उसकी सभी संभावनाओं का विश्लेषण कैसे किया जाए।

उनके द्वारा प्रस्तुत इस तरह के अद्भुत विचारों को देखकर बहुत अच्छा लगा।

महिला दिवस समारोह—तिथि – 8 मार्च 2021

महिला दिवस दुनिया भर में मनाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण आयोजनों में से एक है। हम शानदार दिन मनाने का मौका नहीं छोड़ना चाहते थे। इस प्रकार, आईईईई एसबी चैप्टर आईआईटी मंडी के वाईई एफिनटी ग्रुप ने महिला सेल आईआईटी मंडी के सहयोग से 8 मार्च, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। वर्तमान महामारी के कारण इसे हाइब्रिड मोड (इन-पर्सन और ऑनलाइन दोनों) में आयोजित किया गया था। इस उत्सव में विभिन्न कार्यक्रम देखे गए जिसमें परिसर में रहने वाली महिलाओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे। इसमें कॉलेज की एक पूर्व छात्रा और रानी गोंजाल्विस पुरस्कार प्राप्तकर्ता, नेहा मुथियान ने भी एक अद्भुत भाषण दिया, जिन्होंने संस्थान की सभी महिलाओं को बेहतर करने और बड़ा लक्ष्य रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में 2 Wie, IEEE स्पीकर भी देखे गए; कॉलेज में एक तीसरे वर्ष के स्नातक, मिस निशिता शर्मा और अंतिम वर्ष में पढ़ने वाली एक अन्य कॉलेज की छात्रा, मिस मानवी गुप्ता। दोनों के बीच महत्वपूर्ण बातचीत हुई जिसमें इस तथ्य पर जोर दिया गया कि कुछ भी असंभव नहीं है और अपने स्वयं के जीवन से उदाहरणों का हवाला दिया जहां उन्होंने उन परिस्थितियों पर चर्चा की जिन्हें उन्हें दूर करना मुश्किल था लेकिन समय ने उन सभी को बेहतर ऊर्जा और उत्साह के साथ वापस आने का साहस दिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. शर्मिला मांडे, विशिष्ट मुख्य वैज्ञानिक, टीसीएस रिसर्च ने जोरदार भाषण दिया।

यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी और इसकी बहुत सराहना की गई थी।

आईईईई आईएस—पीईएस “इलेक्ट्रिक मशीनों की स्थिति की निगरानी और दोष निदान” पर विशिष्ट व्याख्यान अध्यक्ष: प्रोफेसर जोस ए एंटोनियो—दिनांक – 27/07/2020

यह अपनी तरह का पहला आयोजन था, जो इस चल रही महामारी की चपेट से ग्रसित होने पर प्रेरणा पाकर फिर से सक्षम बनने के लिए आयोजित किया गया था। इसलिए, IEEE IAS ने Universitat Politecnica de Valencia, Valenci, स्पेन से प्रो. जोस ए. एंटोनियो—डेवियू द्वारा वितरित IEEE IAS DL का आयोजन किया। उन्होंने इलेक्ट्रिक मशीनों की कंडीशन मॉनिटरिंग और फॉल्ट डायग्नोसिस विषय पर डीएल दिया है। यह विषय न केवल उद्योगों की उग्र मांग में है बल्कि वर्तमान बुनियादी ढांचे का समर्थन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो ज्यादातर विद्युत मशीनरी पर निर्भर करता है। इसलिए, हमें बिना किसी रुकावट के उद्योग चलाने के लिए मशीनों के लिए निगरानी और इसके दोष निदान के विचारों को शामिल करना होगा। उपस्थित लोगों की संख्या: 60 (आभासी रूप से: 50, व्यक्तिगत रूप से: 10)

“अण्डर ग्रेजुएट कंट्रोल अत्याधुनिक अनुप्रयोगों” पर आईईईई वार्ता – दिनांक – 7 नवंबर 2020

आईईईई आरएस छात्र शाखा अध्याय, आईआईटी मंडी ने 7 नवंबर 2020 को “अंडरग्रेजुएट कंट्रोल के अत्याधुनिक अनुप्रयोगों” पर एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया। यह वार्ता आईआईटी कानपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रामप्रसाद पोटलुरी ने दी। बात दोपहर 12 बजे (IST) के आसपास शुरू हुई और प्रश्नोत्तर के साथ 2 घंटे तक चली। निम्नलिखित उप-विषयों जैसे कि कीनेमेटिक-आधारित विधियों का उपयोग करते हुए मून रोवर का पथ-ट्रैकिंग नियंत्रण, CSL और NCSL जो कि नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला है और इसके प्रयोग जो IITK में पहले से ही 10 वर्षों से लगातार चल रहे हैं, व्यावसायिक रूप से लागत के दसवें हिस्से से कम पर निर्मित- उपलब्ध प्रायोगिक सेटअप और एक स्वचालित पुस्तक कापियर के पृष्ठ-पृथक्करण-लिपिटिंग-मोड़ तंत्र पर संक्षेप में चर्चा की गई थी।

वस्तुतः सिस्को वीबेक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से लगभग 35 छात्रों ने इस वार्ता में भाग लिया। वार्ता की अवधि के भीतर उपस्थित लोगों के सभी सवालों का अच्छी तरह से जवाब दिया गया। **उपस्थित लोगों की संख्या: 35 (आभासी: 32, व्यक्तिगत रूप से: 3)**

दिनांक: 6-8 फरवरी 2021, स्थान – ऑनलाइन

आईईईई छात्र शाखा आईआईटी मंडी ने तीन दिवसीय हैकथॉन “इलेक्ट्रोथॉन” के आयोजन में सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स कल्चर (एसपीईसी) एनआईटी हमीरपुर के साथ सहयोग किया।

इलेक्ट्रोथॉन 3.0 एनआईटी हमीरपुर की टीम स्पेक द्वारा संचालित वार्षिक हैकथॉन का तीसरा पुनरावृत्ति था। टीम स्पेक न केवल इस गोलियत मिशन को कोविड-19 महामारी के कठिन समय में बनाने और प्रबंधित करने में सक्षम थी, बल्कि इसे ऑनलाइन मोड में भी निष्पादित करने में सक्षम थी। यह आयोजन 31 जनवरी से 7 फरवरी तक आयोजित किया गया था। 31 जनवरी, 2, 3 और 4 फरवरी को प्री-हैकथॉन कार्यशालाएं और वेबिनार किए गए, और हैकथॉन 7 से 8 फरवरी तक उनके बीच अधिक कार्यशालाओं और वेबिनार के साथ आयोजित किया गया।

इसे पूरे भारत के छात्रों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिससे हैकथॉन को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई।

इस साल, इस महान आयोजन में दुनिया भर से 44 प्रायोजकों, 1800 पंजीकरणों और 4 विदेशी टीमों को देखा गया, जिनमें से 700 शानदार प्रतिभागियों को विचार प्रक्रिया के बाद अंतिम हैकथॉन के लिए चुना गया था। साथ ही हर वर्कशॉप और वेबिनार में छात्रों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। हमारे दो विविधता भागीदारों, एस्पायर फॉर हर और द गर्ल कोड के मार्गदर्शन में, हमने अपने प्रतिभागियों को विविधता प्रदान करने और गर्ल कोडर्स को उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए अनूठी कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी के भी 20 से अधिक प्रतिभागी थे और दो टीमों ने विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीते।

कोडफोर्स चैलेंज विंटर 2020

कोडफोर्स प्रतिस्पर्धी कोडिंग के लिए सबसे अच्छे प्लेटफार्मों में से एक है और आमतौर पर अपनी छोटी चुनौतियों/प्रतियोगिताओं के लिए जाना जाता है जहां दुनिया के हर कोने से प्रोग्रामर भाग लेते हैं। प्रोग्रामिंग क्लब के साथ एसीएम स्टूडेंट चैप्टर ने 02/11/2020 – 19/12/2020 तक कोडफोर्स चैलेंज सीरीज का आयोजन किया। चैलेंज सीरीज में 6 कोड फोर्स राउंड शामिल थे। रैंकिंग की गणना GP-15 रैंकिंग प्रणाली का उपयोग करके की गई थी।

हैक30

प्रोग्रामिंग क्लब और एसीएम स्टूडेंट चैप्टर ने एक साथ 30 घंटे का हैकथॉन हैक 30 का आयोजन किया, जिसमें टीमों को एक सामान्य समस्या पर एक साथ काम करना है और विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके उसी के लिए एक सॉफ्टवेयर समाधान विकसित करना है। समस्या वक्तव्य का विषय था – Covid19 और महामारी के कारण स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन शैली में समस्याएं।

समय – 28 फरवरी सायं 4 बजे से 1 मार्च 10 बजे तक

हमने प्रस्तुत करने की एक खुली शैली के साथ नियमों का एक काफी सरल सेट व्यवस्थित किया। विचारों को आगे बढ़ाने और पूर्ण उत्पादों के बजाय ढांचे को आजमाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

साथ ही, फ्रेशर्स के लिए यह पहला हैकथॉन था, इसलिए डिस्कॉर्ड पर पूरे हैकथॉन के दौरान समन्वयक, वरिष्ठ और पूर्व छात्र अपने विचारों पर चर्चा करने और कार्यान्वयन में टीमों की मदद करने के लिए सक्रिय थे।

तेजोस और फ्रॉस्टहैक ने ब्लॉकचेन की जानकारी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

तेजोस द्वारा ब्लॉकचेन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था ताकि लोग तेजोस का उपयोग कर सकें और फ्रॉस्टहैक में ब्लॉकचेन पर आधारित उत्पादों का निर्माण कर सकें। यह कार्यशाला उन छात्रों के लिए बहुत प्रभावी साबित हुई जो तेजोस और ब्लॉकचेन के लिए नए थे क्योंकि हमने Frosthack में ब्लॉकचेन पर आधारित बहुत अधिक संख्या में प्रस्तुतियाँ देखीं।

तेजोस द्वारा पुरस्कार: फलट्र तेजोस वॉलेट ऐप बनाने के लिए 25000 INRA स्पीकर – सौम्या घोष दस्तीदार लिंकडइन: [https:// www.linkedin.com/in/gdsoumya/](https://www.linkedin.com/in/gdsoumya/)

YouTube लाइवस्ट्रीम लिंक : youtube.com/watch?v=k7ZqYKgDyUQ

“हमारे महासागरों को साफ करने के लिए गणित का उपयोग करना” पर डॉ. टॉम क्रॉफर्ड (ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय) द्वारा वार्ता

SCRI (सोसायटी फॉर कोलैबोरेटिव रिसर्च एंड इनोवेशन) आईआईटी मंडी ने 15 जनवरी 2021 को डॉ. टॉम क्रॉफर्ड द्वारा “यूजिंग मैथ टू क्लीन अप अवर ओशन” पर एक वर्चुअल टॉक का आयोजन किया। इस वार्ता में वक्ता ने निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास किया गया है:

डॉ. टॉम क्रॉफर्ड, अपनी बातचीत के दौरान

टॉम सेंट एडमंड हॉल में गणित में प्रारंभिक कैरियर शिक्षण और आउटरीच फेलो हैं और विजिटिंग छात्रों के शिक्षण के लिए भी जिम्मेदार हैं।

टॉम ने अनुप्रयुक्त गणित में विशेषज्ञता प्राप्त की और अपनी पीएच.डी. प्रो. पॉल लिंडेन की देखरेख में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में द्रव गतिकी में की है। उन्होंने 2012 में ऑक्सफोर्ड से गणित में स्नातक की डिग्री प्राप्त की, जहां उन्होंने सेंट जॉन्स कॉलेज में अध्ययन किया।

अपनी शिक्षण प्रतिबद्धताओं के साथ, टॉम टेडी हॉल में आउटरीच टीम के साथ मिलकर काम करता है और नियमित रूप से यूके भर के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में बातचीत करता है। उनकी पुरस्कार विजेता वेबसाइट tomrocksmaths.com वीडियो, पॉडकास्ट, पहेली और लेख होस्ट करती है जिसका उद्देश्य गणित को मनोरंजक और सभी के लिए समझने योग्य बनाना है। टॉम बीबीसी और नंबरफाइल यूट्यूब चैनल सहित कई भागीदारों के साथ काम करता है – 3.5 मिलियन से अधिक ग्राहकों के साथ मंच पर सबसे बड़ा गणित शिक्षा चैनल।

वार्ता के दौरान एससीआरआई के सभी कोर सदस्य वस्तुतः उपस्थित थे। श्री अपूर्व सिंह देव (एससीआरआई समन्वयक) ने सोसाइटी फॉर कोलैबोरेटिव रिसर्च एंड इनोवेशन और इसके कामकाज के संक्षिप्त परिचय के साथ सत्र की शुरुआत की। डॉ. सैयद अब्बास (एसोसिएट प्रो. एसबीएस) ने श्रोताओं को वक्ता का परिचय दिया और अनुप्रयुक्त गणित की उपयोगिता के बारे में एक प्रेरक भाषण दिया।

डॉ. सबरीना मानिसल्को (हेलसिंकी विश्वविद्यालय) द्वारा “कैसे क्वांटम कम्प्यूटिंग दुनिया को बदल देगा” पर वार्ता की। प्रो. सबरीना मानिसल्को ने 26-02-2021 को अपनी बात रखी। प्रो. सबरीना मानिसल्को, तुर्कू विश्वविद्यालय, फिनलैंड में सैद्धांतिक भौतिकी के प्रोफेसर हैं और आल्तो विश्वविद्यालय फिनलैंड में सहायक प्रोफेसर भी हैं। उसे विशेष रूप से क्वांटम यांत्रिकी और उसके अनुप्रयोगों जैसे विषय पर विज्ञान को संप्रेषित करने का बहुत अनुभव है। क्वांटम सिस्टम और इसके अनुप्रयोगों पर बातचीत के लिए उन्हें कई संस्थानों में आमंत्रित किया गया था।

उन्होंने “कैसे क्वांटम कम्प्यूटिंग दुनिया को बदल देगी (और यह कैसे नहीं होगा)” पर अपनी बात कही। वार्ता में भाग लेने वाले छात्रों की विविधता को ध्यान में रखते हुए इस वार्ता का आयोजन किया गया था। इस वार्ता का उद्देश्य यह बताना था कि क्वांटम कम्प्यूटिंग वास्तव में क्या है और यह हमारे आसपास की दुनिया को कैसे प्रभावित करने वाली है। डॉ. हरि वर्मा (स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज, आईआईटी मंडी में एसोसिएट प्रोफेसर) ने दर्शकों से वक्ता का परिचय कराया, विभिन्न प्लेटफार्मों पर



लगभग 70 श्रोता हमारे साथ जुड़े। वार्ता के अंत के बाद कुछ संबंधित सवालों के जवाब दिए गए।

सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, बार्टन हिल थिरुवनंतपुरण, की ओर से डॉ. डी. बिजूलाल द्वारा व्यावहारिक LaTeX कार्यशाला आयोजित की गई। SCRI IIT मंडी ने 13-03-2021 को एक व्यावहारिक LaTeX कार्यशाला का आयोजन किया। छात्रों की भारी मांग के बाद एससीआरआई ने इस कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में दो सत्र हुए, कार्यशाला के दौरान किसी भी तकनीकी गड़बड़ी से निपटने के लिए एससीआरआई सदस्य मनोज, अपूर्व और साहिल मौजूद थे। कार्यशाला सुचारु रूप से चली और एससीआरआई को छात्रों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली, यहां कुछ टिप्पणियां दी गई हैं:

SCRI ने इस कार्यशाला का सीधा प्रसारण YouTube और Webex पर किया। कार्यशाला के लिए 182 छात्रों ने पंजीकरण कराया था। एससीआरआई ने कार्यशाला के दोनों सत्रों में भाग लेने वाले सभी छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। एससीआरआई भविष्य में इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। कार्यशाला के वीडियो एससीआरआई के यूट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध हैं। हमारे यूट्यूब चैनल पर इस वर्कशॉप के लिए अब तक एससीआरआई को 1000 से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

9.2 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

एनएसएस छात्रों का एक स्वैच्छिक समूह है जो अपने आसपास के समुदाय की बेहतरी के लिए काम करता है। वे संस्थान के सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो अपने आसपास एक बेहतर समाज के लिए प्रयासरत हैं। एनएसएस का आदर्श वाक्य “मैं नहीं बल्कि आप” है। यह लोकतांत्रिक जीवन के सार को दर्शाता है और निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता को कायम रखता है। इस योजना का समग्र उद्देश्य समुदाय द्वारा समुदाय को शिक्षा और सेवा देना है।

सलाहकार: डॉ. सुमित सिन्हा राय

सह-सलाहकार: डॉ. महेश रेड्डी गेड

सहयोगी स्टाफ: प्रतीक पटानिया (कनिष्ठ सहायक-छात्र)

151वां गांधी जयंती समारोह, दिनांक: 26.09.2020 से 02.10.2020

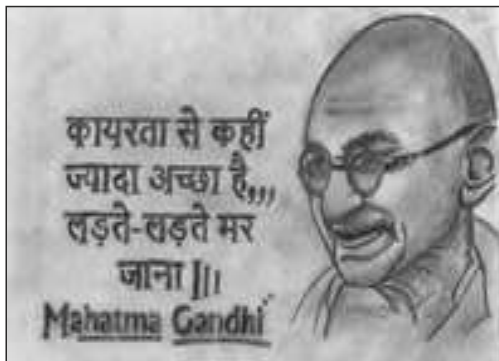
एनएसएस इकाई आईआईटी मंडी ने महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के अवसर पर गांधीवादी इतिहास, दर्शन आदि से संबंधित कई ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए। सभी कार्यक्रम एक सप्ताह के अंतराल में आयोजित किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), आईआईटी मंडी के सहयोग से गांधी जयंती के अवसर पर आईआईटी मंडी की सांस्कृतिक सोसायटी और साहित्य समिति ने कुछ कार्यक्रम आयोजित किए। लिटरेरी सोसाइटी के कार्यक्रम क्विजिंग प्रतियोगिता, मूवी स्क्रीनिंग और लेखन प्रतियोगिता थे। सांस्कृतिक समाज ने स्केचिंग और फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया। भले ही आयोजन ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए थे, लेकिन छात्रों ने भारी मात्रा में भागीदारी दिखाई, जिससे प्रतियोगिताओं को और अधिक रोमांचक बना दिया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (गांधी प्रश्नोत्तरी) छात्रों के गांधी जी के बारे में ज्ञान का परीक्षण करने और बढ़ाने के लिए थी। छात्रों ने एकल के साथ-साथ टीमों में भी भाग लिया।

फोटोग्राफी कार्यक्रम: राष्ट्रवादी आंदोलन में 'बापू' के आगमन ने एक ऐसी क्रांति ला दी जिसने विदेशी शासन को हिलाकर रख दिया और पूरे देश को प्रेरित किया। इसलिए, चल रहे ऑनलाइन सेमेस्टर के बीच, सांस्कृतिक समाज ने गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित करने के लिए कुछ दिलचस्प की रूपरेखा तैयार की थी। पीएमसी ने इस सप्ताह सामाजिक मुद्दे विषय पर एक फोटोग्राफी कार्यक्रम का आयोजन किया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की खूब भागीदारी देखी गई। प्रत्येक प्रविष्टि में एक अलग कहानी दिखाई गई जिसने प्रतियोगिता को कठिन बना दिया, विजेता प्रविष्टियाँ थीं:



मूवी स्क्रीनिंग: इन सभी आयोजनों के बीच ऑस्कर विजेता फिल्म “गांधी (1982)” की मूवी स्क्रीनिंग थी। इस स्क्रीनिंग की व्यवस्था कैंपस में मौजूद दोनों छात्रों के साथ-साथ अपने घरों में रहने वालों के लिए भी की गई थी। इस फिल्म ने सभी छात्रों को गांधी के जीवन का अधिक बारीकी से अनुभव कराया। छात्रों को इस बात की भी जानकारी दी गई कि कैसे उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के लिए देश का नेतृत्व किया और “स्वतंत्र भारत” के लिए अरबों भारतीयों के सपनों को साकार किया, जिसके लिए उन्होंने इस महान कार्य के लिए खुशी-खुशी अपना पूरा जीवन बलिदान कर दिया। वह सामाजिक समानता में विश्वास करते थे और हमेशा एक सरल लेकिन महान जीवन जीने पर जोर देते थे।

स्केचिंग प्रतियोगिता: गांधी जयंती के अवसर पर, “महात्मा गांधी के विचारों पर” विषय के साथ एक ऑनलाइन स्केचिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। सप्ताह भर में कुल 10 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं और परिणाम इस प्रकार रहा: प्रविष्टियों का मूल्यांकन डॉ. तृप्ति सिंह, सहायक प्रोफेसर पीडीपीएम द्वारा किया गया।



लेखन व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता : गांधी जयंती के अवसर पर आईआईटी मंडी की लिटरेरी सोसायटी ने कुछ कार्यक्रम आयोजित किए, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता—यह आयोजन गांधी जयंती सप्ताह का हिस्सा था। यह 2 सदस्यों की टीमों के साथ Dare2Compete पर आयोजित किया। इस क्विज में दो राउंड थे, एक एलिमिनेशन राउंड जिसमें 8 टीमों में फाइनल राउंड में आगे बढ़ रही थीं, प्रतिभागी – 60.

लम्बी पैदल यात्रा और ट्रेकिंग क्लब

सलाहकार: डॉ. सिद्धार्थ सरमा

सह-सलाहकार: डॉ. आदर्श पटेल

समन्वयक: रोहित कुमार भामु

सह-समन्वयक: जैदान भाटी

सह-समन्वयक: मोहित कुमार

500 इंस्टाग्राम फॉलोअर्स तक पहुंचे

मार्च 2021 में, हाइकिंग और ट्रेकिंग क्लब ने एक समर्पित सोशल मीडिया टीम बनाई है जो हमारे सोशल मीडिया हैंडल का रखरखाव करती है और अब हमारे 500 से अधिक अनुयायी हैं।

9.3 मार्गदर्शन और परामर्श सेवा (जीसीएस)

नियमित मार्गदर्शन सत्रों और जरूरतमंद छात्रों के लिए परामर्श की सुविधा के अलावा, मार्गदर्शन और परामर्श सेवा (जीसीएस) पूरे वर्ष विभिन्न छात्र लोक सम्पर्क, कल्याण और प्रेरणा गतिविधियों का आयोजन करती है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान जीसीएस द्वारा आयोजित गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है।

- संभावित स्नातक छात्रों के लिए खुला घर, 11.10.2020
- संभावित यूजी छात्रों के लिए पहली बार एक ऑनलाइन ओपन हाउस का आयोजन किया गया था। 53 संभावित उम्मीदवारों ने ओपन हाउस में भाग लिया। एक टीम में डीन, बीटेक कार्यक्रम संकाय सलाहकार, मुख्य वार्डन,

करियर और प्लेसमेंट सलाहकार, जेईई चेयर, और छात्र प्रतिनिधि थे, जिन्होंने प्रवेश प्रक्रिया, विभिन्न बीटेक के पाठ्यक्रम विवरण कार्यक्रम, परिसर जीवन, भविष्य की संभावनाएं आदि के बारे में प्रश्नों के उत्तर दिए।

- **प्रथम वर्ष नवंबर 2020 बीटेक छात्रों के लिए प्रवेश सहायता डेस्क प्रेरणा कार्यक्रम**
- महामारी के कारण जेईई (एड) और स्नातक प्रवेश कार्यक्रम बाधित हो गया था और प्रथम वर्ष के छात्र नवंबर 2020 में संस्थान में शामिल हो गए थे। छात्रों को प्रवेश औपचारिकताओं और संस्थान से संबंधित प्रश्नों के मार्गदर्शन के लिए एक ऑनलाइन प्रवेश हेल्प-डेस्क की स्थापना की गई थी। हेल्प डेस्क का प्रबंधन JS-GCS और 51 छात्र स्वयंसेवकों द्वारा किया गया था। 21.11.2020 से 27.11.2020 तक आने वाले स्नातक छात्रों के लिए सात दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लगभग 50 संकाय सदस्यों ने बीटेक प्रथम वर्ष को अंग्रेजी और संचार, इंजीनियरिंग और सॉफ्ट कौशल की खोज के बारे में परामर्श दिया।
- **पीजी और पीएचडी के छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम**
- आईआईटी मंडी में शिक्षाविदों, अनुसंधान और छात्र जीवन से परिचित कराने के लिए आने वाले पीजी और पीएचडी के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जीसीएस द्वारा ऐसे दो अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

अगस्त-दिसंबर 2020 सेमेस्टर: एमएससी/एमटेक/एमए/एमएस/पीएचडी/आईपीएचडी छात्र 15.9.2020

फरवरी-जून 2021 सेमेस्टर: एमएस/पीएचडी के लिए छात्र, 13 से 17 फरवरी 2021।

निदेशक और डीन द्वारा स्वागत समारोह और कार्यक्रम की संरचना का परिचय और स्कूल के अध्यक्षों और संकाय सलाहकारों द्वारा अनुसंधान सुविधाओं से परिचित होने के बाद विद्वानों के लिए प्रासंगिक विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए। इनमें व्यावसायिक नैतिकता और शिष्टाचार, अध्ययन हैक: पढ़ना, सुनना और नोट लेना, प्रस्तुति कौशल और सार्वजनिक भाषण, इंटरनेट सर्फिंग की कला और ऑनलाइन उपकरण, कार्य-जीवन संतुलन पर सत्र शामिल थे। तनाव से निपटना और विफलता का प्रबंधन, एक पेशेवर और लिंग संवेदनशील कार्य वातावरण बनाना, अन्तर्राष्ट्रीय अवसरों का परिचय, पुस्तकालय जैसी परिसर सुविधाएं, उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा के साथ-साथ शिक्षण और शिक्षण समिति द्वारा कार्यशाला भी शामिल थे।

स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य तथा जागरूकता अभियान

- स्वास्थ्य के लिए योग: सितंबर 2020 में एक सप्ताह का योग शिविर।
- आईआईटी दिल्ली के सहयोग से ध्यान सत्र: आयोजित ऑनलाइन सत्रों की संख्या = 18।

9.4 करियर और स्थापन प्रकोष्ठ

करियर और स्थानन प्रकोष्ठ (सीएनपीसी)

करियर और स्थानन प्रकोष्ठ (सीएनपीसी) विभिन्न करियर और मार्गदर्शन सत्र आयोजित करके छात्रों को उनके लिए उपयुक्त करियर खोजने में मदद करता है। CnP सेल कैंपस इंटरनशिप और प्लेसमेंट ड्राइव भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न डोमेन की कंपनियां भाग लेती हैं और भा.प्रौ.सं. मण्डी से इंटरन और कर्मचारियों की भर्ती करती हैं।

करियर और स्थानन प्रकोष्ठ ने शैक्षणिक वर्ष (अप्रैल 2020 से मार्च 2021) में निम्नलिखित करियर सत्र आयोजित किए।

- **23 अप्रैल 2020 को GATE की तैयारी पर करियर सत्र:**

अध्यक्ष: श्री तुषार अग्रवाल (बी.टेक. 2019 बैच) ने सिविल इंजीनियरिंग में गेट 2020 में एआईआर 13 हासिल किया है।

- **19 जुलाई 2020 को स्थानन जागरूकता पर वेबिनार:**

अध्यक्ष: अक्षत श्रीवास्तव (आईआईएम कलकत्ता, आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र, वर्तमान में बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप का हिस्सा हैं। वह आईआईएम कलकत्ता में स्थानन समन्वयक भी थे।

- 30 जुलाई 2020 को कोविड -19 के दौरान सिविल सेवा परीक्षा की योजना कैसे बनाएं पर वेबिनार: इस सत्र के लिए

फोकस बिंदु यूपीएससी परीक्षा—विशिष्ट अंतर्दृष्टि जैसे परीक्षा पैटर्न, प्रश्न और प्रवृत्ति विश्लेषण, बुद्धिमान समय प्रबंधन और प्रभावी तैयारी युक्तियाँ थीं। कोविड -19, क्रिस्प नोट्स तैयार करने और परीक्षा के दबाव को संभालने के लिए टिप्स और ट्रिक्स। अध्यक्ष: श्री मुकेश झा (बायजू के भूगोल, पारिस्थितिकी और पर्यावरण के लिए वरिष्ठ संकाय)

- **7 अगस्त 2020 को रिज्यूम निर्माण पर वेबिनार:**

अध्यक्ष: श्री राजीव मार्कंडेय (हिटबुल्सआई)

- **31 अक्टूबर 2020 को गैर—मुख्य कैरियर अवसरों पर कैरियर सत्र:** इस सत्र में वर्तमान प्रतियोगिता पर विचार करते हुए गैर—मुख्य अवसरों के पहलुओं को शामिल किया गया और छात्रों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए।

अध्यक्ष: श्री प्रतीक गौबा आईआईटी मंडी के पूर्व छात्र हैं जिन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 2016 में बीटेक किया है। वह वर्तमान में टॉपर में उत्पाद प्रबंधक के रूप में काम कर रहे हैं। उन्हें आईआईटी मंडी निदेशक द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था और बी.टेक के अपने तीसरे और चौथे वर्ष में करियर और प्लेसमेंट सेल के छात्र समन्वयक भी थे।

- **21 नवंबर 2020 को समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार पर वेबिनार:** इस सत्र में शामिल विषय जीडी और पीआई में क्या करें और क्या न करें, पारंपरिक और अपरंपरागत जीडी विषय, सामान्य रूप से पूछे जाने वाले एचआर दौर के प्रश्न, जीडी दौर की तैयारी और व्यक्तिगत साक्षात्कार हैं।

अध्यक्ष: मयंक चौहान — मयंक वर्तमान में आईआईएम अहमदाबाद में एमबीए अंतिम वर्ष के छात्र हैं। उन्होंने एक्सचेंजर स्ट्रैटेजी में अपनी इंटरनशिप से पीपीओ और एमेजॉन और पीएंडजी से पीपीआई प्राप्त किया।

- **T.I.M.E** प्रा. लिमिटेड द्वारा 5 दिसंबर 2020 को **GATE** के बारे में पूर्ण जानकारी।

13 दिसंबर 2020 को सिविल सेवा में करियर: कार्यशाला की मुख्य विशेषताएं थीं: 1. भारत की सिविल सेवाओं के बारे में जानकारी। 2. सिविल सेवा में विभिन्न क्षेत्रों के लिए एक्सपोजर। 3. सिविल सेवा कैसे एक संतोषजनक कार्य है। 4. परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरणा। 5. सेवारत सिविल सेवक के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र।

- **वक्ता: दिलखुश मीणा (श्री दिलखुश मीणा ने आईआईटी इंदौर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक पूरा किया है। 2015 में बीटेक पूरा करने के बाद उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की। उन्होंने 2019 में यूपीएससी परीक्षा पास करके भारतीय प्रशासनिक सेवा प्राप्त की) रुचिका भारद्वाज (अगले आईएएस के साथ प्रख्यात संकाय तथा सिविल सेवा परीक्षा कोचिंग का विशाल अनुभव। 2006 से अपने प्रस्तुति कौशल और सिविल सेवा उम्मीदवारों को सलाह देने के लिए जाना जाता है)।**

- **16 दिसंबर 2020 को ब्लूटूथ लो एनर्जी मेश टेक्नोलॉजी पर तकनीकी वार्ता:**

अध्यक्ष: श्री आलोक मित्तल (एसटी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक से ब्लूटूथ मेश तकनीक का नेतृत्व करने वाले सीनियर ग्रुप मैनेजर)

- **22 दिसंबर 2020 को भारतीय छात्रों के लिए बाइडेन प्रेसीडेंसी के संभावित अर्थ पर चर्चा करें:**

वक्ता: टीम गैल्वनाइज

- **वेदा गेट अकादमी द्वारा 15 फरवरी 2021 को उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक और प्रमुख नौकरियों के महत्व पर वेबिनार:**

अध्यक्ष: साई प्रसाद चौधरी (वरिष्ठ महाप्रबंधक, बीडी वेदा गेट अकादमी प्राइवेट लिमिटेड)

- **23 फरवरी 2021 को साक्षात्कार लेने की कला पर वेबिनार:** साक्षात्कार लेने के सही तरीकों, कंपनी अनुसंधान के महत्व, स्वयं को प्रस्तुत करने, लक्षित भूमिका के अनुसार साक्षात्कार पिच को अनुकूलित करने, प्रश्न पूछने की कला के विवरण को समझने के लिए आयोजन किया गया।

वक्ता: पब्लिसिस सैपिएंट के अधिकारी

- **डेटा और एआई में हाल के रुझानों पर वेबिनार— 26 फरवरी 2021 को वेबिनार:** कॉर्पोरेट दृष्टिकोण से व्यावसायिक अनुभव साझा करके अभी से अगले तक कैसे छलांग लगाई जाए, इस पर एक सत्र।

पब्लिसिस सैपिएंट में वरिष्ठ प्रबंधक डेटा साइंस अभिषेक कुमार द्वारा तकनीकी अतिथि व्याख्यान।

भूतपूर्व छात्र मामला प्रकोष्ठ

परिचय: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी अब एक ऐसा संस्थान है जिसके पास 1000 पूर्व छात्र हैं और यह संख्या भविष्य में बढ़े अनुपात में बढ़ेगी। चूंकि पूर्व छात्र संस्थान के मूल्यवान सदस्य हैं, इसलिए उन्हें संस्थान निर्माण गतिविधियों में शामिल करना महत्वपूर्ण है।

मिशन: पूर्व छात्र मामलों के प्रकोष्ठ का मिशन होगा:

- शिक्षा, अनुसंधान, आउटरीच और नवाचार में दुनिया के अग्रणी संस्थानों में मान्यता प्राप्त होने के संस्थान के दृष्टिकोण में योगदान करना।
- एक जीवंत मंच प्रदान करना जो संस्थान के पूर्व छात्रों के बीच बातचीत और नेटवर्किंग को बढ़ावा देता हो।
- पूर्व छात्रों को उनके पेशेवर और सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करना।
- पूर्व छात्रों को उनके अल्मा मेटर के साथ जोड़ने की सुविधा प्रदान करना।
- धर्मार्थ आधार पर कार्य करना और अफेयर्स सेल को 'नो प्रॉफिट नो लॉस' के आधार पर चलाना।
- संस्थान और इसके पूर्व छात्रों के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करना।
- समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के योग्य छात्रों की सहायता करना तथा
- पूर्व छात्रों को उनकी जरूरत की घड़ी में मदद करना।

सदस्यता: संस्थान द्वारा प्रदान की गई उपाधि प्राप्त करने वाले स्नातक को स्वतः ही संस्थान के भूतपूर्व छात्र/पूर्व छात्र के रूप में माना जाता है।

पूर्व छात्र अध्याय

| शहर | सचिव का नाम |
|---------------------------|-------------------|
| बैंगलोर | श्री चामुण्डेश्वर |
| राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र | श्री विवेक शर्मा |
| हैदराबाद | श्री आयुष यादव |
| मुंबई | श्री रवि कुमार |

पूर्व छात्र की गतिविधियाँ

| वेबिनार | आयोजन का विषय | आयोजन की तिथि | पूर्व छात्रों का नाम | स्नातक की उपाधि |
|---|--|---------------|---------------------------------------|-----------------|
| कॉलेज टू टेक जायंट्स -स्नातकोत्तर के बाद यात्रा | इंडस्ट्री करियर की तैयारी कैसे करें और इंडस्ट्री की मौजूदा जरूरतें क्या हैं? | 11.07.2020 | हिमांशु देवन मोइज अहमद आनंद धंधनिया | 2014 |
| कॉलेज टू टेक जायंट्स -स्नातकोत्तर के बाद यात्रा | इंडस्ट्री करियर की तैयारी कैसे करें और इंडस्ट्री की मौजूदा जरूरतें क्या हैं? | 03.10.2020 | शिव वैश्य | 2014 |
| ग्रेजुएशन के बाद की यात्रा | इंडस्ट्री करियर की तैयारी कैसे करें और इंडस्ट्री की मौजूदा जरूरतें क्या हैं? | 08.11.2020 | मोहित मल्होत्रा सौरभ जैन दिव्या गांधी | 2013 |
| मुझसे कुछ भी पूछो | यूपीएससी की तैयारी कैसे करें? | 25.07.2021 | मोहित रावत | 2015 |

उल्लेखनीय पूर्व छात्र

| नाम | स्नातक वर्ष | अनुक्रमांक | उपलब्धि |
|------------------------|-------------|------------|---|
| मोहित कुमार मल्होत्रा | 2013 | बी09066 | वैज्ञानिक-रक्षा मंत्रालय भारत सरकार |
| दीपांशु रस्तोगी | 2013 | बी09086 | इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा-2015, आकाशवाणी-58. केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के राष्ट्रीय विद्युत समिति प्रभाग में सहायक निदेशक |
| अमनजोत कौर | 2013 | बी09004 | रुबिकॉन टोरंटो कनाडा में डेटा वैज्ञानिक |
| धीरेंद्र कुमार सिंह | 2014 | बी10057 | आईआईटी मंडी के पहले उद्यमी |
| अतहर आमिर खान | 2014 | बी10055 | सीएसई 2015, एआईआर - 2 |
| प्रदीप सेर्वी | 2015 | बी11070 | गेट 2015, आकाशवाणी - 1 |
| शुभम अजमेरा | 2015 | बी11035 | पहले आईआईटी मंडी के छात्र को गूगल में रखा गया |
| आदित्य चौहान | 2015 | एस12021 | सबसे युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया |
| अनिल झाझरिया | 2015 | बी11003 | सहायक आयकर आयुक्त |
| मनीष लाडला | 2015 | बी11066 | सहायक पुलिस आयुक्त, DANIPS सेवा |
| अमन अग्रवाल | 2016 | बी12110 | कैट 2015, 99.91% |
| अभिजीत सचदेवा | 2016 | एस1304 | गेट, आकाशवाणी - 99.7% |
| अमन गुप्ता | 2017 | बी13106 | सीईओ, अप्लाई नॉर्डिक, ओस्लो नॉर्वे |
| ललित शाक्यवाल | 2017 | बी13313 | वैज्ञानिक बी, समूह ए अधिकारी, डीआरडीओ भारत सरकार |
| रसप्रीत सिंह | 2017 | बी13325 | 196वीं रैंक यूपीएससी-2020 |
| डॉ. नवनीत चंद्र वर्मा | 2017 | डी1409 | इनयास अवार्ड-2021 |
| डॉ. नेहा शर्मा | 2018 | डी12087 | सहायक प्रोफेसर, आईआईआईटी रुना |
| डॉ. शुभित कुमार जैन | 2018 | डी12070 | सहायक प्रोफेसर, गणित, एनआईटी हमीरपुर |
| डॉ. थिरुमुरुगन सी | 2019 | डी11045 | सहायक प्रोफेसर, वेल्डोर प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु |
| दिवांशु गुप्ता | 2020 | टी18133 | असिस्टेंट प्रोफेसर, पंजाब कॉलेज ऑफ टेक्निकल इंजीनियरिंग |
| डॉ. शैफू गुप्ता | 2020 | डी1402 | सहायक प्रोफेसर, आईआईटी जम्मू |
| डॉ. इंदु यादव | 2020 | डी14030 | सहायक प्रोफेसर, आईआईआईटी रुना |
| डॉ. संदीप कुमार शुक्ला | 2020 | डी14015 | सहायक प्रोफेसर, गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा |
| डॉ. अभिलाष मलयिल | 2020 | डी1407 | सहायक प्रोफेसर, कॉलेजिएट शिक्षा विभाग केरल सरकार |

9.5 महिला प्रकोष्ठ

आईआईटी लोक सम्पर्क कार्यक्रम और महिला शिक्षा कार्यक्रम की भागीदारी

आईआईटी मंडी के संकाय महिला गतिविधियों के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न शैक्षिक पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पहली बार संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1975 में मनाया गया था। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास और संघर्ष के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर आईआईटी मंडी के महिला केंद्र ने 8 मार्च 2021 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। मुख्य अतिथि डॉ. शर्मिला मांडे, मुख्य वैज्ञानिक, टीसीएस रिसर्च एंड इनोवेशन थी। कार्यक्रम मिश्रित मोड में था, क्योंकि कोविड महामारी की स्थिति के कारण कई छात्र घर पर थे। हमारे दो पूर्व छात्र, रानी गोंजाल्विस पुरस्कार, विजेता दामिनी सिंघल (वर्तमान में माइक्रोसॉफ्ट, यूएसए में काम कर रहे हैं) और नेहा मुथियान (वर्तमान में ब्लूमबर्ग, लंदन में सॉफ्टवेयर इंजीनियर) ने छात्राओं को उच्च शिक्षा और रोजगार में अपने सपनों को साकार करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए एक ऑनलाइन बात की। नेतृत्व को चुनौती के रूप में लेना कार्यक्रम की प्रमुखता थी।

महिला केंद्र से हमने पिछले साल कई ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया है। उनमें से एक बंगलौर की एक युवा महिला उद्यमी डॉ. एकता चौधरी थीं। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी कई छात्रों ने भाग लिया। दूसरी ओर, लोक सम्पर्क के संबंध में, हमने विभिन्न कॉलेजों में कई वार्ताएं की हैं।

10. मीडिया कवरेज

संचार बाह्य सम्पर्क 2020-21

वर्ष 2021 में, लगभग 253 प्रिंट कवरेज, 713 ऑनलाइन कवरेज और आईआईटी-मंडी के लिए 30 इलेक्ट्रॉनिक कवरेज थे। जिन प्रकाशनों ने आईआईटी मंडी को सबसे अधिक कवर किया है उनमें हिंदुस्तान टाइम्स, द स्टेट्समैन, द पायनियर, तेलंगाना टुडे, द टाइम्स ऑफ इंडिया – एजुकेशन टाइम्स, द इकोनॉमिक टाइम्स, डेक्कन हेराल्ड, द हंस इंडिया, दैनिक जागरण, द ट्रिब्यून, हिंदुस्तान, द हिंदू, बिजनेस लाइन, द फाइनेंशियल एक्सप्रेस, मिंट, एजुकेशन वर्ल्ड, वेस्टर्न टाइम्स, मॉर्निंग इंडिया और कई अन्य शामिल हैं।

प्रमुख झलकियां

आईआईटी-मंडी ने मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर के साथ अपना 12वां स्थापना दिवस मनाया।



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने 2009 में अपनी यात्रा शुरू की और तब से इंजीनियरिंग शिक्षा, अनुसंधान और विकास (आर एंड डी), सामाजिक प्रभाव और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में कई पहली और अग्रणी पहलों के साथ तेजी से प्रगति की है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने 24 फरवरी 2021 को अपना 12वां स्थापना दिवस मनाया। हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर ने इस अवसर पर लोक सभा सदस्य श्री राम स्वरूप शर्मा की सम्मानित उपस्थिति में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस भव्य अवसर के दौरान संस्थान को संबोधित करते हुए, माननीय मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश एवं 12वें स्थापना दिवस के मुख्य अतिथि, श्री जय राम ठाकुर ने कहा, “मैं आईआईटी मंडी में 12वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। मुझे खुशी है कि हमारा राज्य आईआईटी मंडी में संकाय सदस्यों और छात्रों के रूप में हमारे देश के सबसे उत्कृष्ट में से एक की मेजबानी कर रहा है। संस्थान ने पिछले 12 वर्षों में स्थापित अनुसंधान, सहयोग और अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में अपनी पहचान बनाई है।”

प्रकाशनों के 16 स्थानीय मीडिया पत्रकार, जिनमें दूरदर्शन, न्यूज18, पीटीआई, दैनिक जागरण, पंजाब केसरी, दैनिक हिंदी मिलाप, हिमाचल दस्तक, दिव्य हिमाचल, दैनिक सवेरा, जनसत्ता, आपका फैसला, अजीत समाचार, दैनिक ट्रिब्यून, ईटीवी भारत, देवभूमि मिरर और HP 24X7 ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

आईआईटी मंडी के शोधकर्ताओं ने फेस मास्क और पीपीई उपकरण के लिए एक एंटी-बैक्टीरियल, सेल्फ-क्लीनिंग सामग्री विकसित की

— डॉ. अमित जायसवाल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के शोधकर्ताओं ने एक वायरस-फिल्टरिंग, स्वयं-सफाई और जीवाणुरोधी सामग्री विकसित की है जिसका उपयोग फेस मास्क और अन्य पीपीई उपकरण बनाने के लिए किया जा सकता है। डॉ. अमित जायसवाल, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज, आईआईटी मंडी, ने अपने शोध विद्वानों, श्री प्रवीण कुमार, श्री शौनक रॉय और सुश्री अंकिता सरकार के साथ यह पथप्रदर्शक विकास ऐसे समय में किया है, जब देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को रोकने के लिए तकनीक विकसित करना अनिवार्य हो गया है। इस खबर ने मीडिया का खूब ध्यान खींचा।

आईआईटी मंडी के शोधकर्ताओं ने एनएसपी1 सी-टर्मिनल क्षेत्र की संरचना को आइसोलेशन में प्रकट किया, मेजबान सेल वातावरण में कोविड-19 वायरस में एक प्रमुख प्रोटीन – डॉ. रजनीश गिरी

डॉ. रजनीश गिरी, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज, आईआईटी मंडी के नेतृत्व में एक शोध दल ने प्रोटीन समूहों/समुच्चय के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण जैव-आणविक तंत्र की खोज की है जो अक्सर अल्जाइमर रोग में देखा जाता है। उन्होंने दिखाया है कि एमिलॉयड प्रीकर्सर प्रोटीन (एपीपी) का सिग्नल पेप्टाइड एमिलॉयड बीटा पेप्टाइड (एβ42) के साथ सह-एकत्रित हो सकता है। यह Aβ42, अल्जाइमर रोग के रोगजनन के लिए जाना जाता है, यह मनोभ्रंश का सबसे सामान्य रूप है जो धीरे-धीरे स्मृति और अन्य महत्वपूर्ण मानसिक कार्यों को नष्ट कर देता है।

जबकि कोशिका के भीतर लगभग हर प्रक्रिया के लिए प्रोटीन आवश्यक हैं, एकत्रीकरण और/या मिसफॉल्डिंग के कारण उनके अशांत कार्यों के परिणामस्वरूप हानिकारक प्रभाव हो सकते हैं। 50 से अधिक बीमारियां हैं जो प्रोटीन एकत्रीकरण/मिसफॉल्डिंग से जुड़ी हैं। उदाहरण के लिए, अल्जाइमर रोग तंत्रिका कोशिकाओं के बीच रिक्त स्थान में अमाइलॉइड 42 (Aβ42) नामक मिसफॉल्ड पेप्टाइड्स के जमाव से जुड़ा हुआ है। Aβ42 एक पेप्टाइड है जो पूर्ण लंबाई वाले प्रोटीन अमाइलॉइड प्रीकर्सर प्रोटीन (एपीपी) से प्राप्त होता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी, आईआईटी दिल्ली और योगी वेमना विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने हरी हाइड्रोजन और अमोनिया के सौर-चालित उत्पादन के लिए पत्ती जैसी उत्प्रेरक संरचना विकसित की – डॉ. वेंकट कृष्णन

भा.प्रौ.सं. मण्डी, आईआईटी दिल्ली और योगी वेमना विश्वविद्यालय की एक बहु-संस्थागत टीम ने हाइड्रोजन और अमोनिया

के प्रकाश—प्रेरित उत्पादन को सक्षम करने के लिए एक अकार्बनिक उत्प्रेरक में पत्ती की संरचना को दोहराया है।

डॉ. वेंकट कृष्णन, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज, आईआईटी मंडी के नेतृत्व में उनके हालिया काम के परिणाम प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ मैटेरियल्स कैमिस्ट्री में एक पत्र के प्रकाशित हुए हैं जिसके सह लेखक उनके शोध विद्वान श्री आशीष कुमार आईआईटी मंडी, डॉ. शाश्वत भट्टाचार्य और आईआईटी दिल्ली से श्री मनीष कुमार, और डॉ. नवकोटेश्वर राव, और श्री एम.वी. योगी शंकर वेमना विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश से हैं।

दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात प्रबंधन को बढ़ाने के लिए आईआईटी मंडी ने स्मार्ट रोड मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया – डॉ. के.वी. उदय

छात्रों और फ़ैकल्टी इनोवेटर्स ने एक स्मार्ट रोड मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया है, जो तेज/अंधे मोड़ पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए है, जिससे मौतें और चोटें आती हैं और यातायात प्रबंधन में वृद्धि होती है। यातायात में वृद्धि के साथ, मैनुअल इंटरफेस सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने और रोकने के लिए और विशेष रूप से पहाड़ी इलाकों में यातायात प्रबंधन के लिए एक चुनौती बन जाता है।

इसे संबोधित करने के लिए, डॉ कला वेंकट उदय, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी, बी.टेक की अपनी टीम के साथ 2016 – 20 बैच के छात्र, जिसमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग से श्री नमन चौधरी और श्री शिशिर अस्थाना शामिल हैं; इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से श्री अमुधन मुथैया और सिविल इंजीनियरिंग से सुश्री निधिका कडेला शामिल है, जिन्होंने एक निगरानी प्रणाली विकसित की है जिसका उपयोग माइक्रो-इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) प्रौद्योगिकियां लगाने से गति की जांच, वाहन संख्या वृद्धि यातायात नियंत्रण और सड़क में चलने के लिए किया जा सकता है।

विकसित प्रणाली में मोड़ के प्रत्येक तरफ पहचान इकाइयों की दो परतें और झाड़वों को सतर्क करने के लिए दो सिग्नलिंग इकाइयां शामिल हैं। जब कोई वाहन डिटेक्शन यूनिट की लगातार दो परतों से गुजरता है, तो सेंसिंग सिस्टम वाहन की गति, दिशा और प्रकार (दो/चार/एकाधिक पहियों) का पता लगाता है। पता की गई दिशा पुष्टि करती है कि वाहन मोड़ की ओर बढ़ रहा है, और आने वाले वाहन के चालकों को सतर्क करने के लिए दूसरी तरफ एक संगत संकेत (प्रकाश/ध्वनि/बाधा) प्रदर्शित किया जाता है। यदि वाहन वक्र से दूर जाता है, तो कोई संकेत प्रदर्शित नहीं होता है। सिग्नल गति, दिशा, ढलान की ढाल और वाहन के प्रकार के आधार पर तय किए जाते हैं।

आईआईटी मंडी ने आलू की फसल में पत्तों की तस्वीर से बीमारी का पता लगाने का तरीका दिखाया – डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन

डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी के नेतृत्व में केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के सहयोग से पत्ती के रोगग्रस्त हिस्सों को उजागर करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों के उपयोग से अनुधान किया है। उन्होंने आलू की फसलों में पत्तियों की तस्वीरों का उपयोग करके स्वचालित रोग का पता लगाने के लिए एक कम्प्यूटेशनल मॉडल विकसित किया है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, इस शोध के परिणाम हाल ही में जर्नल प्लांट फीनोमिक्स में प्रकाशित हुए हैं, जिस के सह लेखकों में डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, और डॉ. श्याम के. मसाकपल्ली, शोध विद्वान, श्री जो जॉनसन, और सुश्री. गीतांजलि शर्मा, आईआईटी मंडी से, और डॉ. विजय कुमार दुआ, डॉ. संजीव शर्मा, और डॉ. जगदेव शर्मा, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला शामिल है।

आईआईटी मंडी के नवम् दीक्षान्त समारोह में 452 उत्तीर्ण छात्रों में से 45 पीएचडी छात्र

आईआईटी मंडी ने 23 अक्टूबर 2021 को अपना 9वां दीक्षांत समारोह ऑनलाइन मनाया। पद्मश्री प्रो. अनिल काकोडकर, पूर्व अध्यक्ष, भारत परमाणु ऊर्जा आयोग, पूर्व सचिव, भारत सरकार और पूर्व निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रो. प्रेम व्रत, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी मंडी ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की।

11. निर्माण गतिविधियां (बुनियादी ढांचा और सेवाएं)

आधारभूत संरचना

आईआईटी मंडी का निर्माण कार्य वर्ष 2012 में शुरू हुआ था। वर्तमान में दोनों परिसर यानी उत्तर और दक्षिण परिसर पूरी तरह कार्यात्मक हैं।



विलेज स्क्वायर, उत्तरी परिसर का दृश्य

दक्षिण क्षेत्र परिसर में लगभग 40,000 वर्ग मीटर का बुनियादी ढांचा है। यह परिसर वर्तमान में 760 छात्रों और 57 संकाय/स्टाफ सदस्यों के लिए उपलब्ध है। 22000 वर्गमीटर के क्षेत्रफल वाले इस परिसर में डाइनिंग हॉल के साथ 500-क्षमता वाले छात्रावास ब्लॉक, 10-2बीएचके और 45-3बीएचके अपार्टमेंट जोड़े जा रहे हैं। 25-3बीएचके, 10-2बीएचके, एक छात्रावास ब्लॉक, 350 सीटर क्षमता वाला डाइनिंग हॉल, 25-3बीएचके और 10-2बीएचके अक्टूबर 2021 तक उपयोग के लिए तैयार हो जाएगा और शेष 2021 के अंत तक होने की संभावना है।

दूसरी ओर, उत्तरी परिसर में वर्तमान में 1,43,000 वर्ग मीटर का भवन है, क्षेत्र परिसर के इस हिस्से में लगभग 1,200 छात्र और 133 संकाय/कर्मचारी सदस्य हैं। खेल परिसर और अस्पताल अब पूरी तरह कार्यात्मक हैं। शेष 16,000 वर्ग मीटर का निर्माण, जिसमें एक अकादमिक ब्लॉक, एक छात्रावास ब्लॉक और एक डाइनिंग ब्लॉक शामिल है, वर्ष 2021/मार्च 2022 के अंत तक पूरा होने की संभावना है। हम चालू वर्ष के दौरान COVID-19 के कारण कम गतिविधियों के बावजूद 12-3 बीएचके, 4 शैक्षणिक भवन जिनका क्षेत्रफल 37000 वर्गमीटर है को जोड़ने में सक्षम थे, इस परिसर में एम.टी.आर. हॉकी मैदान, टेनिस, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट भी अक्टूबर 2021 तक पूरे हो जाएंगे। उत्तर को दक्षिण परिसर से जोड़ने वाले साइकिल पथ के लिए निविदा मंगाई जा रही है और निर्माण का काम वर्ष 2021 के अंत तक शुरू हो जाएगा।



उत्तरी परिसर का दृश्य



दक्षिणी परिसर का दृश्य



विलेज स्क्वायर में सभागार (742 बैठक)



खेल का मैदान, दक्षिण परिसर



विलेज स्क्वायर, उत्तरी परिसर



उत्तरी परिसर का दृश्य

सेवाएं

स्वास्थ्य केंद्र

भा.प्रौ.सं. मण्डी का स्वास्थ्य केंद्र, उत्तरी परिसर में स्थित है, जिसकी एक विस्तार इकाई दक्षिण परिसर में है। यह एक गैर-आहार रोगी देखभाल इकाई है जो कमान्द के सभी संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को नियमित और आपातकालीन चिकित्सा सेवा प्रदान करती है। यह माइंड ट्री स्कूल के छात्रों और परिसर के कार्यकर्ता / आकस्मिक श्रमिकों को प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन देखभाल भी प्रदान करता है, जिसमें बड़े अस्पताल को भेजने के लिए रोगी बाहन सेवा, 24 घंटे तत्पर रहती है, स्वास्थ्य केंद्र में पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी, अतिथि विशेषज्ञ और पैरा मेडिकल स्टाफ की टीम होती है।



स्वास्थ्य केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:

नियमित ओपीडी – चिकित्सा अधिकारी और विजिटिंग सलाहकार द्वारा देखभाल की जाती है।



- ❖ आपातकालीन देखभाल—मल्टीपैरा मॉनिटर, ईसीजी, नेबुलाइजेशन, ऑक्सीजन कंसंटेटर और सेंट्रल ऑक्सीजन सिस्टम और माइनर सर्जिकल रूम के प्रावधान सहित।



- ❖ ईएनटी, मेडिसिन, ऑब्स एंड गाइनी, पीडियाट्रिक्स और ऑर्थोपेडिक के विजिटिंग कंसल्टेंट।
- ❖ दंत चिकित्सा सेवा और फिजियोथेरेपी भी पूरी तरह कार्यात्मक है।



- ❖ **क्लिनिकल पैथोलॉजी लैब:** प्रशिक्षित प्रयोगशाला कर्मचारी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, जिसमें नियमित रक्त परीक्षण और मूत्र परीक्षण शामिल हैं। किट के माध्यम से कुछ विशेष परीक्षणों में सीआरपी, मलेरिया, स्क्रब टाइफस, गर्भावस्था परीक्षण, एचआईवी, वीडिआरएल, एचबी एजी, टाइफाइड आदि शामिल हैं।



- ❖ **इसके अलावा, डॉ. लाल का पैथ लैब स्टाफ** आईआईटी परिसर में लैब की सेवाओं को बढ़ाने के लिए मासिक आधार पर दो बार स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा कर रहा है। निकट भविष्य में एएलएस एम्बुलेंस, एक माइनर ओटी रूम, एक्स-रे और आयुर्वेद पंचकर्म थेरेपी जैसी अतिरिक्त सुविधाओं के साथ स्वास्थ्य केंद्र आने वाला है। ये सभी प्रक्रियाएं पहले से ही पाइपलाइन में हैं।



2020–21 के दौरान चिकित्सा टीम द्वारा की गई गतिविधियां

पिछले करीब दो साल से पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी से जूझ रही है। भा.प्रौ.सं. मण्डी भी कोविड 19 के प्रभाव से अछूती नहीं है। इसलिए, परिसर में कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए परिसर में निम्नलिखित गतिविधियाँ शुरू की गईं।

- **संगरोध केंद्र:** उत्तरी परिसर में बी-26 भवन में एक समर्पित संगरोध सुविधा स्थापित की गई थी, जिसमें 30 कमरे संगरोध के लिए और 10 कमरे कोविड रोगियों के अलगाव के लिए थे।



मेडिकल स्टाफ ने बी 26 में क्वारंटाइन किए गए सभी मरीजों की टेलीफोन पर जांच की और मेडिकल स्टाफ द्वारा पल्स ऑक्सीमीटर, डिजिटल थर्मामीटर आदि जैसे बुनियादी स्व-निगरानी उपकरणों के प्रावधान के साथ कोविड पॉजिटिव रोगियों का फॉलोअप भी किया गया। भा.प्रौ.सं. मण्डी पहुंचने वाले सभी लोगों, छात्रों की यात्रा और कोविड इतिहास के साथ उनकी थर्मल स्क्रीनिंग भी की।



- कोविड-19 नमूनाकरण: स्वास्थ्य केंद्र ने स्थानीय या जिला स्वास्थ्य टीम की मदद से राज्य के भीतर और बाहर से परिसर में प्रवेश करने वाले सभी आगंतुकों के लिए परिसर के अंदर कोविड 19 RT-PCR / RAT नमूना लेने की पहल की।



मेडिकल टीम ने सीओवीआईडी -19 आरटी-पीसीआर/आरएटी नमूने के लगभग 60 सत्र आयोजित किए, जो परिसर के अंदर थे और 1200 से अधिक व्यक्तियों का परीक्षण किया गया था। कुल 67 लोग सकारात्मक पाए गए, और सभी का सफलतापूर्वक परिसर के अंदर डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा इलाज किया गया।

- लक्षणात्मक मामलों के लिए क्वारंटाइन सेंटर और स्वास्थ्य केंद्र में ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ बेड की व्यवस्था भी की गई थी। साथ ही, कोविड पॉजिटिव रोगियों के बेहतर प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य केंद्र द्वारा तीन नए ऑक्सीजन कंसंटेटर, पल्स ऑक्सीमीटर, डिजिटल थर्मामीटर, थर्मल स्कैनर और मल्टीपारा मॉनिटर खरीदे गए, और कोविड रोगी के इलाज के लिए विशेष दवाओं की खरीद की व्यवस्था की गई। इसके अलावा, कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए, दोनों परिसरों के सभी छात्रावासों की स्क्रीनिंग के लिए परिसर में चिकित्सा जांच सत्र शुरू किए और मासिक आधार पर लगभग 12-14 सत्र आयोजित किए गए।



क्षेत्र की पूर्ण स्वच्छता की नियमित जांच करने के लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा मेस और कैंटीन का मासिक दौरा भी किया गया था।

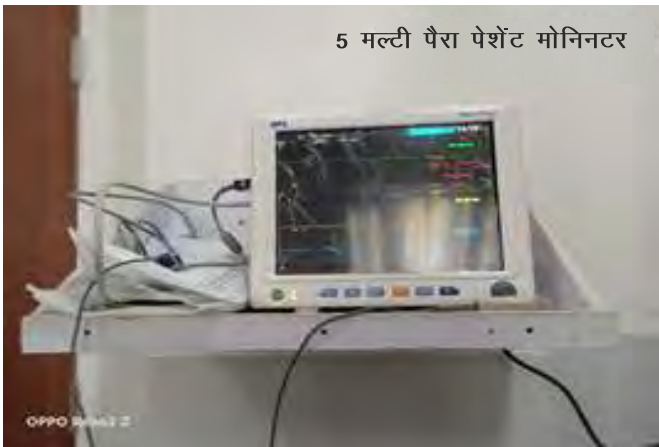
- कोविड-19 टीकाकरण: पहले सभी चिकित्सा कर्मचारियों के लिए परिसर के अंदर टीकाकरण अभियान चलाया गया और बाद में परिसर के सभी निवासियों के लिए भी शुरू किया गया।



खरीदे गए नए उपकरण



5 मल्टी पैरा पेशेंट मोनिटर



एकल और दोहरे मोड वाला कन्स्ट्रेटर



ऑक्सीमीटर और थर्मल स्कैनर



कोविड टीकाकरण टीम स्वास्थ्य केन्द्र, भा.प्रौ.सं. मण्डी

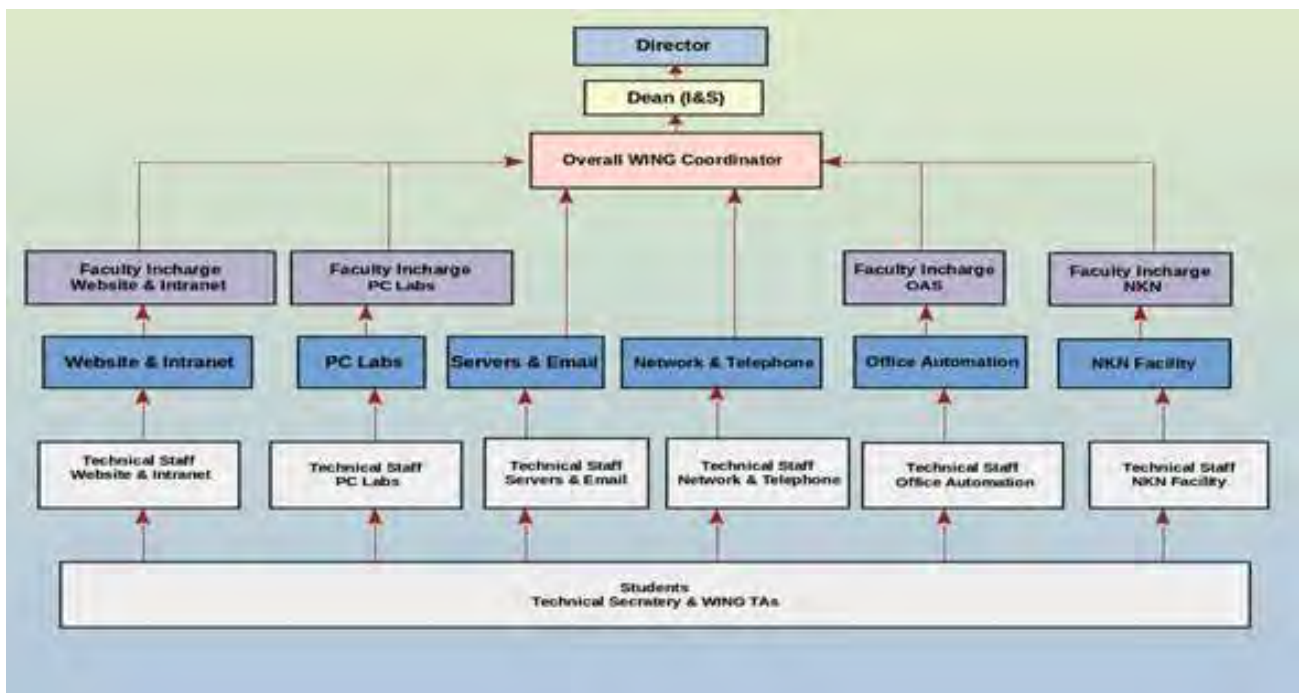
वेब सूचना और नेटवर्क समूह (विंग)

विंग, वेबसाइट सूचना और नेटवर्क समूह, आईआईटी मंडी एक संकाय, कर्मचारी और छात्र समूह है जो संस्थान की वेबसाइटों, नेटवर्क, सॉफ्टवेयर और आवाज / डेटा संचार के विकास, प्रबंधन, बजट, निगरानी और रखरखाव में शामिल है। विंग आईटी अवसंरचना प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है, नेटवर्क और सूचना प्रणालियों के उपयोग को नियंत्रित करता है, और यह आईआईटी मंडी समुदाय को उनकी आवश्यक कार्यक्षमता प्रदान करके सहायता करता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि संगठन के सिस्टम, नेटवर्क, डेटा और एप्लिकेशन सभी कनेक्ट होते हैं और ठीक से काम करते हैं। विंग के पास वेब एप्लिकेशन, सेवाओं और आईटी अवसंरचना जैसे सर्वर, नेटवर्क और स्टोरेज आदि को तैनात करने और बनाए रखने के लिए एक कुशल तकनीकी टीम है।

वेबपेज: <https://wing.iitmandi.ac.in> [Local Portal]

ईमेल: wing@iitmandi.ac.in

विंग संगठनात्मक संरचना



विंग सेवाएं

- सर्वर, सॉफ्टवेयर और ईमेल सेवाएं।
- नेटवर्क और दूरसंचार सेवाएं।
- कंप्यूटर लैब।
- वेबसाइट और इंटरनेट सेवाएं।
- ऑफिस ऑटोमेशन / ईआरपी सिस्टम।
- एनकेएन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवाएं।

सर्वर, सॉफ्टवेयर और ईमेल सेवाएं

विंग ने विभिन्न सॉफ्टवेयर और वेब सेवाओं को स्थानीय रूप से परिसर में तैनात किया है। भौतिक रैक सर्वर का उपयोग स्थानीय और वैश्विक वेब पोर्टलों को होस्ट करने के लिए किया जाता है। ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, क्लाउड स्टोरेज, ईआरपी सिस्टम, सेंट्रलाइज्ड ऑथेंटिकेशन, इंटरनेट एक्सेस, टैली सॉल्यूशंस आदि कुछ ऐसी सेवाएं हैं जो विंग आईआईटी मंडी समुदाय को प्रदान करता है। विंग सभी छात्रों / कर्मचारियों और संकाय को आईआईटी मंडी डोमेन के साथ व्यक्तिगत ईमेल खाते प्रदान करता है। सेवा विफलता हानियों से बचने के लिए प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के रखरखाव और बैकअप के प्रबंधन / पुनर्स्थापन के लिए विंग जिम्मेदार है।



रैक सर्वर: मिनी क्लस्टर, ए5



सर्वर रूम: दक्षिणी परिसर

नेटवर्क और दूरसंचार सेवाएं

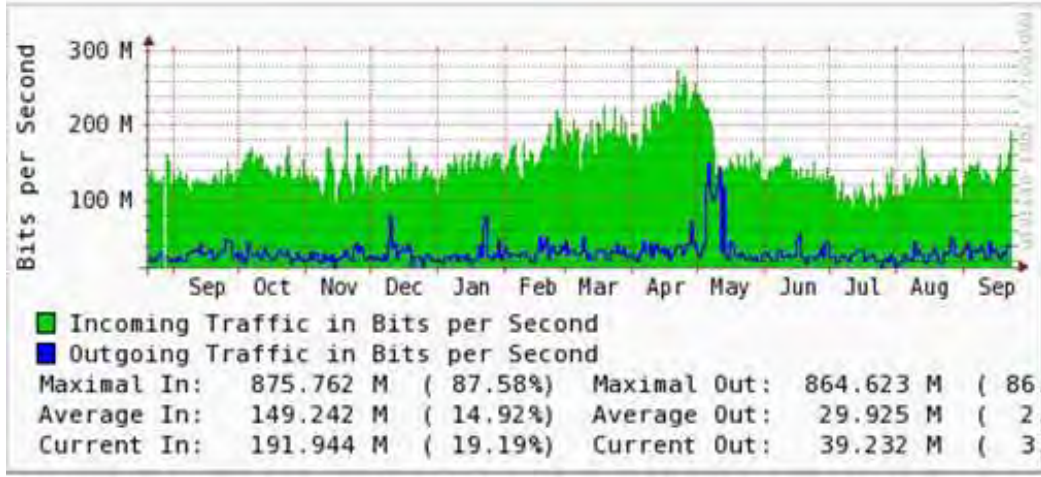
विंग भौतिक और वायरलेस नेटवर्क दोनों को डिजाइन और कार्यान्वित करने, नेटवर्क प्रदर्शन को बनाए रखने, किसी भी नेटवर्क भाग को सक्रिय करने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रबंधन करने, नेटवर्क समस्याओं का निवारण करने और नेटवर्क जीवनचक्र में नई तकनीकों पर शोध करने और एकीकृत करने के लिए जिम्मेदार है। विंग एक संगठन में दूरसंचार प्रणाली का ख्याल रखता है जैसे टेलीफोन लाइन, वैन लिंक, एनकेएन वीसी लिंक इत्यादि। टीम सुनिश्चित करती है कि ये प्रौद्योगिकियां निर्बाध रूप से काम करती हैं।



स्विच पैनल: सर्वर रूम



टेलीफोन एक्सचेंज: लाइन कार्ड



नेटवर्क ट्रैफिक मॉनिटर: एनकेएन

कंप्यूटर लैब्स

कंप्यूटर लैब सीखने और अनुसंधान के केंद्र के रूप में कार्य करता है। विंग छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को विभिन्न गतिविधियों जैसे प्रयोगशाला पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं, ऑनलाइन परीक्षा, प्लेसमेंट, ऑनलाइन साक्षात्कार आदि के लिए कंप्यूटर लैब की सुविधा प्रदान करता है। हमारी कंप्यूटर प्रयोगशालाओं में तीन अलग-अलग प्रयोगशालाओं में अब तक 200 कंप्यूटरों की कुल क्षमता है। जल्द ही 120 कंप्यूटरों वाली एक लैब जोड़ी जाएगी।



कंप्यूटर लैब 2: ए5 दक्षिणी परिसर



कंप्यूटर लैब 1: ए5, दक्षिणी परिसर



कंप्यूटर लैब 3: ए10, उत्तरी परिसर

वेबसाइट और इंटरनेट सेवाएं

विंग मुख्य वेबसाइट और इंटरनेट पोर्टल की सभी सामग्री का प्रबंधन करता है और उन्हें समय-समय पर अद्यतन करता है। वेब विकास दल वेब पोर्टल पर अपलोड करने और अद्यतन करने के लिए सामग्री प्राप्त करने के लिए प्रत्येक अनुभाग/विभाग के साथ समन्वय करता है। यह वेब पोर्टलों के डेटाबेस, डिजाइन और यूजर इंटरफेस का प्रबंधन भी करता है। सम्मेलनों, कार्यशालाओं, दीक्षांत समारोह आदि जैसे आयोजनों के लिए जब आवश्यक हो वेब पोर्टलों को डिजाइन करने के लिए टीम वर्ड प्रेस, ड्रूपल, लारवेल आदि जैसे उपकरणों का उपयोग करती है।



Intranet Portal: INSITE

कार्यालय स्वचालन/ईआरपी प्रणाली

आईआईटी मंडी में OAS (ऑफिस ऑटोमेशन सिस्टम) नाम की एक ERP प्रणाली है जो संस्थान की विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को स्वचालित करने में मदद करती है। OAS विभिन्न विभागों/अनुभागों को विभिन्न प्रक्रियाओं में डिजिटलीकरण और सहायता करने में मदद करता है। संकाय, छात्रों, कर्मचारियों और परियोजना कर्मचारियों की सहायता के लिए संस्थान द्वारा अकादमिक, एस्टेट, स्थापना, एसआरआईसी, छात्रावास, लेखा, लेखा और गेस्ट हाउस आदि जैसे विभिन्न मॉड्यूल का उपयोग किया जाता है।

2020–2021 के दौरान ओएस में किए गए कुछ महत्वपूर्ण संवर्द्धन इस प्रकार थे:

- कोविड महामारी की स्थिति के कारण ऐसे संस्थान की आवश्यकता थी जहां संकाय, कर्मचारी, परियोजना कर्मचारी, छात्र अपने संबंधित स्थान से परिसर में वापसी का अनुरोध कर सकें। इस सुविधा ने संस्थान को योजना बनाने और क्रियान्वयन में मदद की है।
- COVID महामारी के कारण सीमित संख्या में बस सीट बुकिंग की अनुमति देने की आवश्यकता थी ताकि COVID प्रोटोकॉल का पालन किया जा सके।
- COVID के कारण कुछ छात्र परिसर में थे और कुछ अपने-अपने स्थानों पर थे, जिसके कारण संस्थान द्वारा फीस में बदलाव किया गया था। संबंधित परिवर्तन प्रणाली में किए गए थे।
- एक ऐसी सुविधा प्रदान की गई है जहां पुस्तकालय अनुभाग द्वारा पुस्तकालय आईडी कार्ड के लिए छात्रों की थोक तस्वीरें डाउनलोड की जा सकती हैं।
- एसआरआईसी अनुभाग को सुविधा प्रदान की जहां परियोजना प्रस्ताव और बीज अनुदान प्रक्रिया में कई दस्तावेज अपलोड किए जा सकते हैं।
- स्थापना अनुभाग अब ओएस से संकाय और कर्मचारियों को शामिल कर सकता है। हमने इस उद्देश्य के लिए फैंकल्टी और कर्मचारी डेटा का डिजिटलीकरण किया है।

- महामारी के दौरान आभासी कक्षाओं के अनुसार टीसीएफ पृष्ठ परिवर्तन किए गए थे।
- पाठ्यक्रम और उसके प्रासंगिक पंजीकरण को छोड़ने का प्रावधान दिया गया है। पंजीकरण <5 होने पर भी टीए आवंटित किए जाते हैं।
- टीए पात्रता और फेलोशिप को मैप करने के लिए शैक्षणिक कार्यालय में प्रावधान किया गया। सिस्टम अब उनकी नियुक्ति की दिनांक के आधार पर पात्रता को ऑटो मैप कर सकता है।

आईआईटी मंडी में उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा

आईआईटी मंडी में इंटेल झियोन प्रोसेसर पर आधारित 171 नोड्स वाले क्लस्टर के साथ एक उच्च-प्रदर्शन कम्प्यूटेशनल (एचपीसी) सुविधा है, जिसमें 3000 प्रोसेसर कोर, 12 टीबी की मेमोरी और 986 टीबी स्टोरेज स्पेस है। इसके अलावा, यह सुविधा 33 एनवीडिया ग्राफिकल प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) के एक जीपीयू क्लस्टर को होस्ट करती है जो डीप लर्निंग और मॉलिक्यूलर डायनेमिक्स अनुप्रयोगों के लिए सबसे उपयुक्त है। नोड्स एक दूसरे से समर्पित गीगाबिट और 10 गीगाबिट ईथरनेट के माध्यम से जुड़े हुए हैं। इस सुविधा में आईआईटी मंडी के अनुसंधान समुदाय के 400 पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, जो हिमस्खलन गतिकी, मल्टीफेज फ्लो मॉडलिंग, इंजीनियरिंग, जैव प्रौद्योगिकी, आण्विक गतिकी और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान सहित अन्य अनुप्रयोगों पर काम कर रहे हैं।

यह सुविधा वर्तमान में दो उप-क्लस्टरों – CPUHPC (10.8.1.19) और GPUHPC (10.8.1.20) को होस्ट करती है, दोनों ही Cent OS 7 पर चल रहे हैं। CPUHPC क्लस्टर सीपीयू-समानांतर नौकरियों के लिए अनुकूलित कंप्यूट नोड्स को होस्ट करता है, जबकि GPUHPC क्लस्टर नोड्स को होस्ट करता है उच्च अंत एनवीडिया जीपीयू कार्ड जीपीयू-गहन समानांतर नौकरियों के लिए अनुकूलित। एचपीसी क्लस्टर पर दो फाइल सिस्टम उपलब्ध हैं: क्रमशः 10 जीबी और 2 टीबी की सीमा के साथ होम और वर्किंग डायरेक्टरी। मानक पुस्तकालय सॉफ्टवेयर हैं जो क्लस्टर पर स्थापित हैं। उपयोगकर्ताओं के लिए एचपीसी प्रशासकों पर निर्भर किए बिना, प्रतीक्षा समय को कम करने और उत्पादकता में वृद्धि के बिना, अपने स्वयं के सॉफ्टवेयर को स्थापित करने के लिए क्लस्टर पर अत्याधुनिक कंटेनरीकरण सक्षम है। क्लस्टर पर खाता निर्माण स्क्रिप्टिंग कोड के माध्यम से स्वचालित होता है जो अनुमोदन प्रक्रिया, नए खातों के निर्माण और स्वागत ईमेल भेजने का ध्यान रखता है। काम के अपेक्षित आकार और रनटाइम के आधार पर उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न कतारें उपलब्ध हैं। सभी विवरण क्लस्टर वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जो प्रमाणीकरण के बाद कॉलेज के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं।

सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं स्थापित करने के लिए सी-डैक के साथ समझौता ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-मंडी) ने 17 करोड़ रुपये की सुपरकंप्यूटिंग सुविधा स्थापित करने के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (सी-डैक), पुणे के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। राज्य मंत्री संजय धोत्रे और निदेशक अजित के. चतुर्वेदी की उपस्थिति में 12 अक्टूबर को एक आभासी कार्यक्रम में ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

सुपर कंप्यूटर एक ऐसा कंप्यूटर है जिसके संचालन में बहुत तेज गति और उच्च मेमोरी होती है। यह सुपरकंप्यूटिंग सिस्टम किसी भी अन्य सामान्य पर्सनल कंप्यूटर की तुलना में बहुत तेज गति से कई कार्यों सहित असाइन किए गए कार्यों को कर सकता है और कई मामलों में सामान्य पीसी की तुलना में लाखों गुना तेज गति से संचालित करने में सक्षम है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मंत्री संजय धोत्रे ने कहा, “राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। आईआईएससी, आईआईटी और एनआईटी के साथ सी-डैक डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत मिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। ये समझौता ज्ञापन सुपरकंप्यूटिंग के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रासंगिकता को बढ़ाने में मदद करेंगे। मैं इस उपलब्धि के लिए सी-डैक और सहयोगी संस्थानों को बधाई देता हूँ।

इसके अलावा, निदेशक अजित के. चतुर्वेदी ने कहा कि यह सुपर कंप्यूटर संकाय और छात्रों सहित शोधकर्ताओं को प्रशिक्षण देने में संस्थान की क्षमता को बढ़ाएगा। यह सुपरकंप्यूटिंग सिस्टम सामान्य पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) की तुलना में बहुत तेज गति और लाखों गुना तेज गति से सौंपे गए कार्यों को कर सकता है। इस सुविधा को अगले चार महीनों के भीतर अनुसंधान और विकास उद्देश्यों के लिए चालू कर दिया जाएगा।

IIT-Mandi to have supercomputing facilities, signs MoU with C-DAC

TRIBUNE NEWS SERVICE

MANDI, OCTOBER 12
The Indian Institute of Technology (IIT), Mandi, has signed a memorandum of understanding (MoU) with the Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC), Pune, to establish a super-computing facility of 650 TF compute power for research and development activities at a cost of Rs 17 crore.

Prof Ajit K. Chaturvedi, Director, IIT Mandi, and Dr Hemant Darbari, Director General, C-DAC, India, signed the MoU today during a virtual event in the presence of Sanjay Dhotre, Union Minister of State for Electronics and Information Technology, Education and Communications, and Prof Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology, Central Government.

Dhotre said, "The

WHAT IT IS ALL ABOUT

A supercomputer is a computer that has very high speed in its operation and higher memory. This supercomputing system can perform the assigned tasks, including multiple tasks, at very high speeds than any other normal personal computers and in many cases are able to operate at speeds that are millions of times faster than ordinary PCs.

National Supercomputing Mission is an important initiative of the Central Government. C-DAC along with the IISc, IITs, and the NITs is playing an eminent role in achieving the goal of Digital India and the Atamirbhar Bharat mission. The MoU will help in increasing India's global relevance in the field of supercomputing. I congratulate C-DAC and the partner institutes for this milestone".

A supercomputer is a computer that has very high speed in its operation and higher memory. This supercomputing system can perform the assigned tasks, including multiple

tasks, at very high speeds than any other normal personal computers and in many cases are able to operate at speeds that are millions of times faster than ordinary PCs.

Ashutosh Sharma said, "In the past five years, our emphasis has shifted from buying hardware and software components of supercomputers to the manufacturing of these components under the Atamirbhar Bharat mission".

Chaturvedi said, "IITs are pioneers in the field of computer science in the country. With the setting up of this supercomputing facility at the IIT, Mandi, we are looking for-

ward to addressing every area of science and technology. This supercomputer will enhance our capability in training researchers, including the faculty and students of the institute. This MoU with C-DAC is a milestone for the IIT, Mandi".

"The supercomputer will be made operational for research and development purposes for the users at the IIT, Mandi, within the next four months. The Department of Science and Technology (DST) along with the Union Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) is coordinating the project and the Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC), Pune, is the implementing agency," he added.

He said that C-DAC, Pune, would instal the supercomputing facility in the IIT, Mandi, with liquid-cooled racks and 200 gigabit Infini-band connectivity.

सी-डैक से करार • एमओयू पर आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. अजीत के. चतुर्वेदी और सी-डैक के महानिदेशक डॉ. हेमंत दरबारी ने हस्ताक्षर किए

17 करोड़ की लागत से स्थापित होगा सुपर कम्प्यूटर केंद्र

बसंत मुखर्जी

प्राचीन इतिहासों के समकालीन 12 करोड़ की लागत से सुपर कम्प्यूटर केंद्र स्थापित करने के लिए मंडी की आईआईटी और केंद्र के अध्यक्ष (सी-डैक) प्रो. अजीत के. चतुर्वेदी और सी-डैक के महानिदेशक डॉ. हेमंत दरबारी ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह 17.5 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जाएगा और इसका उद्देश्य है कि आईआईटी मंडी में उच्च गति वाले सुपर कम्प्यूटर का स्थापित किया जा सके।

सुपरकम्प्यूटिंग मिशन भारत सरकार की प्रथम पहल: छोटे

इतिहास में देश के सबसे बड़े सुपर कम्प्यूटिंग मिशन भारत सरकार की प्रथम पहल है। इसका उद्देश्य है कि देश में उच्च गति वाले सुपर कम्प्यूटिंग और एनआईटी के साथ मिल कर शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके।

सुपरकम्प्यूटिंग मिशन भारत सरकार की प्रथम पहल है। इसका उद्देश्य है कि देश में उच्च गति वाले सुपर कम्प्यूटिंग और एनआईटी के साथ मिल कर शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके।

इस मिशन के अंतर्गत देश में उच्च गति वाले सुपर कम्प्यूटिंग और एनआईटी के साथ मिल कर शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके।

के अंतर्गत देश में उच्च गति वाले सुपर कम्प्यूटिंग और एनआईटी के साथ मिल कर शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके।

इस मिशन के अंतर्गत देश में उच्च गति वाले सुपर कम्प्यूटिंग और एनआईटी के साथ मिल कर शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके।

मंडी जिला एसएमसी टीवर्स एसोसिएशन की कमान फिर दुष्यंत शर्मा के हाथ

मंडी जिला एसएमसी टीवर्स एसोसिएशन की कमान फिर दुष्यंत शर्मा के हाथ में है। उन्होंने इस पद को संभालने का फैसला किया है।

हरित समिति

समिति का अधिदेश परिसर में "हरित गतिविधियों" के उचित प्रबंधन और कुशल कामकाज को सुनिश्चित करना है। समिति को सेवाओं, उपकरणों, रखरखाव और अन्य संबंधित गतिविधियों की खरीद के लिए सिफारिशें करनी हैं। साथ ही परिसर में हरित गतिविधियों की कुशल और प्रभावी पूर्ति के लिए रणनीतिक योजना और रसद की तैयारी।

परिसर की हरित गतिविधियों को निम्नलिखित उपखंडों में वर्गीकृत किया गया है और हरित समिति के तहत विभिन्न उप समितियां प्रत्येक कार्यक्षेत्र का प्रबंधन करती हैं।

- सौंदर्यीकरण और जैव विविधता संरक्षण: भूमिर्माण और बागवानी, जैव विविधता निगरानी और संरक्षण।
- अपशिष्ट प्रबंधन: अपशिष्ट संग्रह, पृथक्करण, प्रसंस्करण और निपटान। जागरूकता अभियान।
- पर्यावरण निगरानी: हवा और पानी की गुणवत्ता, भूजल, भूमि उपयोग की निगरानी।

- ऊर्जा दक्षता और संरक्षण: ऊर्जा उपयोग की निगरानी, परिसर में हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन में सहायता करना।
- हाउसकीपिंग: परिसर और उसके भवनों की सफाई और रखरखाव।

वर्ष 2020–21 के दौरान की गई गतिविधियाँ

• वृक्षारोपण अभियान

23 सितंबर 2020 को एक विशेष वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया था। वृक्षारोपण अभियान के लिए कोविड योद्धा, सुरक्षा गार्ड, हाउसकीपिंग स्टाफ, अस्पताल के कर्मचारी और कोविड टास्क फोर्स से जुड़े अन्य कर्मचारी सदस्य विशेष आमंत्रित थे। वर्ष 2020–21 में पेड़ प्रजातियों के लगभग 500 पौधे रोपे गए।



• स्वच्छता में काम आने वाले रूमाल को भस्म करने वाले यंत्र की स्थापना

अक्टूबर 2020 में बी5 महिला छात्रावास में स्वच्छता में काम आने वाले रूमाल के निपटान के लिए तीन यूनिट वाले यंत्र लगाए गए। इस कुशल यंत्र स्थापना के उपयोग और उपयुक्तता की निगरानी के बाद हरित समिति सभी महिला छात्रावासों में ऐसे अन्य यंत्र लगाने पर विचार कर रही है।

• अन्य नियमित रखरखाव गतिविधियाँ

- हाउसकीपिंग गतिविधियाँ और अपशिष्ट प्रबंधन: शैक्षणिक और आवासीय क्षेत्रों की सफाई, हमारे हाउसकीपिंग स्टाफ द्वारा घर-घर कचरे का संग्रह और उनका निपटान। अलगाव से जुड़ी चुनौतियों और बेहतर प्रबंधन के लिए नए तरीके अपनाने पर लगातार गौर किया जाता है। समिति ने अपशिष्ट प्रबंधन के एक पायलट मॉडल का परीक्षण करने की योजना बनाई है जिसके 2021–22 में शुरू होने की उम्मीद है।
- सौंदर्यीकरण और जैव विविधता गतिविधियाँ: हमारे बागवानी कर्मचारियों और बागवानों द्वारा हरित क्षेत्रों, लॉन और पौधों का रखरखाव।

परिसर में “जल शक्ति अभियान” के रूप में “कैच द रेन” राष्ट्रीय जल मिशन का अभियान

परिसर में पानी की कमी की स्थिति को दूर करने के लिए वर्षा जल संचयन और इसके संरक्षण के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:

- जल परिवर्तन और भूजल के पुनर्भरण के लिए सोखता गड्ढों का निर्माण।
- भूजल स्तर को रिचार्ज करने के लिए हर 10 मीटर के अंतराल पर तूफान के पानी के नाले में मिट्टी के अंतराल उपलब्ध कराना।
- परिसर की सड़कों और रास्तों के किनारे बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान।
- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में ट्रीटमेंट के बाद किचन और बाथरूम से ग्रे पानी और कैंपस में गार्डन एरिया की सिंचाई के लिए अल्ट्रा फिल्ट्रेशन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

- मल जल प्रबंधन संयंत्रों से दूषित जल का उपयोग वृक्ष संवर्धन और प्रक्षालन प्रणाली में करने के लिए दोहरी नलिका प्रणाली की योजना बनाना।



• बागवानी

भा.प्रौ.सं. मण्डी कमान्द घाटी में स्थित है, जो मंडी शहर से लगभग 18 किमी दूर है, जो एक अविकसित हरी-भरी खूबसूरत घाटी है। यह क्षेत्र फूलों की संपत्ति से समृद्ध है, इस क्षेत्र में पाए जाने वाले पेड़ों की महत्वपूर्ण प्रजातियां हैं पाइन (पिनस रॉक्सबर्गी), शहतूत (मोरस अल्बा), विलो ट्री (सेलिकस अल्बा), ब्लू जैकरांडा (जैकरांडा मिमोसिफोलिया), तोश (सिल्वर ओक), अखरोट (जुगलन्स रेजिया), गुलमोहर (डेलोनिकस रेजिया), चिनार (प्लाननस ओरिएंटलिस), टूना (टूना सिलिअट), देवदार (सेड्रस देवदरा), सरु का पौधा (क्यूप्रेसस सेपरविरेंस), ब्रास (रोडेंड्रोन लेपिडोटम) आदि।

इसके अलावा, बहुत सारे औषधीय पौधे हैं और भा.प्रौ.सं. मण्डी ने वानस्पतिक बाग को भी बनाए रखा है जिसमें मुख्य प्रजातियां सेना (कैसिया तोरा), नेरियम (नेरियम इंडिकम), कॉक्सकॉम्ब (सेलोसिया अर्जेंटिया), पीच (प्रूनस पर्सिका), प्लम (प्रूनस डोमेस्टिका) आदि शामिल हैं।

भा.प्रौ.सं. मण्डी प्रदूषण के प्रभाव को कम करने और पर्यावरण को बचाने के बारे में पौधों के महत्व को समझने के लिए छात्रों और आईआईटी बिरादरी के बीच जागरूकता पैदा करने की दिशा में वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित करता है।



• परिसर की सफाई, रखरखाव एवं अपशिष्ट प्रबंधन

हम अच्छी कार्यालय की सफाई करने के लिए सर्वोत्तम विधियों का उपयोग कर रहे हैं और हमारा उद्देश्य प्रदूषकों को बारिश से दूर रखना और परिसर में कहीं भी कचरे को डंप करने से बचाना है। उपरोक्त मुद्दों से बचने के लिए घर-घर से कचरा संग्रहण प्रणाली लागू है।

परिसर में किसी भी प्रकार के जहरीले सफाई रसायनों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है। प्रक्रियाओं और उनके सुरक्षा पहलुओं का भी पालन करने के लिए जनशक्ति को प्रशिक्षित किया जा रहा है। हमारे पास एक प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन योजना है, मजबूत अपशिष्ट प्रबंधन योजना के कुछ लाभ नीचे दिए गए हैं:

- वातावरण की सुरक्षा
- मानव स्वास्थ्य का संरक्षण
- कचरे को कम करना
- प्राकृतिक संसाधनों की खपत को कम करना



गंदा पानी साफ करने के संयंत्र

हमारे पास एसबीआर/एमबीबीआर प्रक्रियाओं के आधार पर लगभग 600 KLD (450KLD + 75KLD + 75KLD) की कुल क्षमता वाले तीन मलजल प्रबन्धन संयंत्र हैं। निकलने वाले ठोस अपशिष्ट और उपचारित जल का उपयोग क्रमशः खाद और सिंचाई के उद्देश्य से किया जा रहा है।



बच्चों के खेल का मैदान

परिसर में बच्चों के खेल के मैदानों की संख्या 3 है। (दक्षिण परिसर में 2 और उत्तर परिसर में 1)। क्षेत्र के विवरण के साथ सुविधाओं की तस्वीरें इस प्रकार हैं:



उत्तरी परिसर

उत्तरी परिसर में बच्चों के खेल के मैदान की सुविधा का कुल क्षेत्रफल लगभग 297 वर्गमीटर है।

दक्षिणी परिसर



इस खेल के मैदान का कुल क्षेत्रफल लगभग 855 वर्गमीटर है। सी-6 ब्लॉक दक्षिणी परिसर के समीप



इस खेल के मैदान का कुल क्षेत्रफल लगभग 128 वर्गमीटर है।

वानस्पतिक एवं औषधीय पौधशाला

आईआईटी मंडी ग्रीन कैंपस बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यावरण प्रबंधन योजना के आधार पर संस्थान के ग्रीन पैनल ने माना कि वानस्पतिक बाग स्थापित करने से प्रतिबद्धता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। वानस्पतिक बाग जुलाई 2015 में निम्नलिखित मुख्य उद्देश्यों के साथ आईआईटी मंडी के पूर्ण समर्थन से शुरू किया गया था।

- कमान्द क्षेत्र की वनस्पतियों का अध्ययन।
- स्थानीय वनस्पतियों के संग्रह के साथ एक वनस्पति उद्यान की स्थापना करना।
- हर्बेरियम का विकास और रखरखाव।
- औषधीय पौधों का यथास्थान संरक्षण, संग्रह और रखरखाव।
- संबंधित जानकारी का दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और प्रसार।
- संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास करना (चयनित पौधों की फाइटोकेमिकल प्रोफाइलिंग, स्थानीय खाद्य पौधों को समझना, बायोइंजीनियरिंग संयंत्र आदि)।



आईआईटी मण्डी के उत्तरी और दक्षिणी परिसर के मध्य स्थित वानस्पतिक एवं औषधीय पौधशाला

2020–21 में गतिविधियाँ

- वानस्पतिक और औषधीय पादप उद्यान के नियमित आधार पर रखरखाव में सिंचाई, छाद, पेड़ों की देखभाल आदि शामिल है।
- कमान्द क्षेत्र की वनस्पतियों का संरक्षण और प्रलेखन/डिजिटलीकरण
- लगभग 200 पौधों की प्रजातियां कई प्रतियों में मौजूद हैं और अच्छी तरह से बढ़ रही हैं।
- सौन्दर्यीकरण के उद्देश्य से 65 विभिन्न किस्मों के गुलाब उद्यान का रखरखाव किया जा रहा है। दूरता के साथ शुरू की गई बायोफेंसिंग जो कुछ वर्षों में दिखाई देगी।
- हमारे मौजूदा हर्बेरियम में और प्रजातियां जोड़ी गई – भौतिक और साथ ही ई-हर्बेरियम (<https://research.iitmandi.ac.in/botanical/herbarium.php>)
- विभिन्न जड़ी बूटियों का मौसमी रोपण और नियमित रखरखाव गतिविधियाँ।
- अनुसंधान कार्य के लिए जड़ी बूटियों का संग्रह करना और सुखाना।
- EWOK को हर्बल इन्फ्यूजन की तकनीक से समर्थित। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को औपचारिक रूप देने के लिए आगे की योजना।
- मेडिसिनल प्लांट लैब, आईआईटी मंडी ने नाबार्ड अनुदान के साथ तीन किसान उत्पादक कंपनियों के गठन में ईडब्ल्यूओके को सलाह दी और समर्थन किया
- मेडिसिनल प्लांट लैब, आईआईटी मंडी ने हिमालय ड्रग कंपनी (अब हिमालय वेल नेस कंपनी) के साथ रिसर्च कम आउटरीच प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा किया। इससे परियोजना को और विस्तार मिला।
- मेडिसिनल प्लांट लैब, आईआईटी मंडी ने एक डीएसटी वित्त पोषित डब्ल्यूओएस (बी) परियोजना पूरी की, जिसके कारण स्थानीय किसानों द्वारा आवश्यक तेल फसलों को बढ़ावा दिया गया।
- बॉटनिकल गार्डन में पानी की आपूर्ति डीनरी द्वारा की गई थी।
- पिछले वर्षों में मंडी जिले के कई स्कूल और कॉलेज के छात्रों द्वारा बॉटनिकल गार्डन के दौरे जैसी आउटरीच गतिविधियों की मेजबानी की गई। इस वर्ष कोविड के कारण कोई एक्सपोजर विजिट नहीं किया गया। हम उम्मीद करते हैं कि स्थिति में सुधार होगा, लोक सम्पर्क गतिविधियां फिर से शुरू होंगी।



बॉटनिकल गार्डन आईआईटी मंडी: ए) गार्डन का दौरा करने वाले स्थानीय समुदाय बी) पोमोलॉजिकल सेक्शन से कीवी फल सी) जल स्रोत स्थापित डी) वाटर लिली के साथ एक छोटा तालाब ई) प्रायोगिक चाय बागान



कमान्द वनस्पतियों के चयनित पौधों का हर्बेरियम



औषधीय पादप परियोजना के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु नर्सरी विकास एवं अनुरक्षण



औषधीय पादप प्रयोगशाला ने टैगेट की खेती और आवश्यक तेल के उत्पादन में किसानों का समर्थन किया

पुस्तकालय का उद्घाटन



केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन करते हुए माननीय मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने 24 फरवरी 2021 को अपना 12वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री जय राम ठाकुर, लोक सभा सदस्य, श्री राम स्वरूप शर्मा की सम्मानित उपस्थिति में और श्री जवाहर ठाकुर, सदस्य हिमाचल प्रदेश विधानसभा की गरिमामयी उपास्थिति में शोभा बढ़ायी। विधान सभा माननीय मुख्यमंत्री ने उत्तरी परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में आईआईटी मंडी के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया। आयोजन के दौरान, संस्थान की अभिलेखागार टीम ने 2009 से संस्थान के विकास की तस्वीरों का एक स्लाइड शो प्रस्तुत किया।

आईआईटी-मंडी में अतिथि गृह सेवाएं



सी.वी. रमन अतिथि गृह

आईआईटी मंडी, मंडी शहर से 18 किलोमीटर दूर स्थित हिमालय की शिवालिक रेंज की तलहटी में स्थित है। राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, आगंतुक और प्रसिद्ध गणमान्य व्यक्ति के साथ-साथ पूर्व छात्र और माता-पिता आधिकारिक और व्यक्तिगत कारणों से परिसर में आते रहते हैं। आईआईटी-मंडी परिसर में आने वाले मेहमानों के लिए ठहरने और खाने की सेवाओं की सुविधा के लिए, दोनों परिसरों में अतिथि गृह सेवाएं प्रदान की जाती हैं। मुख्य अतिथि गृह उत्तरी परिसर में स्थित है जिसका नाम महान भारतीय वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता सर के नाम पर सी वी रमन रखा गया है। दक्षिण परिसर में मणिरंग अपार्टमेंट (दो आवास) और तीन कमरों वाला एक छोटा अर्ध-सुसज्जित अतिथि गृह (उहल गेस्ट हाउस) उपलब्ध हैं।

इन दो अतिथि गृह के अलावा प्रतिष्ठित संस्थान मेहमानों को आवास प्रदान करने के लिए दोनों परिसरों में पूरी तरह से सुसज्जित अपार्टमेंट के कुछ सेट उपलब्ध हैं। अतिथि गृह संस्थान के मेहमानों के लिए एक सुखद स्वर्ग बना हुआ है, चाहे वह शिक्षाविदों से हो, केंद्र/राज्य सरकार प्रशासन के मेहमान, संस्थान के पूर्व छात्र, या छात्रों के माता-पिता/बच्चे हों।

सेवाएं

बोर्डिंग और लॉजिंग: उत्तरी परिसर का सी वी रमन गेस्ट हाउस परिसर में आगंतुकों के लिए उपलब्ध सभी आवासों में सबसे बड़ा है। गेस्ट हाउस आवास में सुइट, डबल बेड और ट्विन बेड रूम सहित अच्छी तरह से नियुक्त 88 कमरे शामिल हैं। साउथ कैम्पस में डबल बेड रूम के साथ मणिरंग और उहल गेस्ट हाउस हैं। प्रत्येक कमरा अच्छी तरह से सुसज्जित है और मेहमानों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं में वाई-फाई कनेक्टिविटी, केबल टीवी, 24 घंटे गर्म और ठंडे पानी की आपूर्ति, कुर्सी के साथ स्टडी टेबल, लगेज रैक और अलमारी विद्यमान है।

वीवीआईपी मेहमानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सुइट रूम की व्यवस्था की गई है। बुनियादी सुविधाओं के अलावा सुइट कमरों में सोफा सेट के साथ बैठक और मेहमानों के लिए एक छोटा पाकगृह है।

भोजन सेवाएं

उत्तरी परिसर में सी वी रमन गेस्ट हाउस में भोजन सेवा है जो बुफे शैली की भोजन व्यवस्था प्रदान करती है। यह भोजन क्षेत्र नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने के दौरान 50 मेहमानों तक आसानी से बैठने की सेवाएं प्रदान कर सकता है। सी. वी. रमन गेस्ट हाउस डाइनिंग में मेहमानों के लिए अनुरोध पर भोजन के समय के अलावा उपलब्धता के अनुसार हल्का नाश्ता भी परोसा जाता है। दक्षिणी परिसर में अतिथि गृह के आसपास के कैंटीन और मेस से भोजन सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है।



विश्राम कक्ष

सी. वी. रमन अतिथि गृह में छोटी अनौपचारिक बैठकों और सभाओं के लिए पहली मंजिल पर एक विश्राम कक्ष है। यह उन लोगों के लिए एक उपयुक्त स्थान है जो मौन, शांति और निर्बाध वातावरण में अपने शोध, चर्चा और दिमागी तूफान के लिए एक कप चाय या कॉफी और टेबल पर परोसे जाने वाले स्नैक्स वाली जगह की तलाश कर रहे हैं।

विश्राम कक्ष में अनुरोध किए जाने पर बुफे लंच और डिनर और स्नैक्स भी परोसा जाता है और स्टैंडिंग बुफे सेवा भी प्रदान की जाती है। इसमें आधिकारिक और व्यक्तिगत आयोजनों के दौरान एक बार में 40 व्यक्तियों की सेवा करने की क्षमता है।



सम्मेलन कक्ष

सी.वी. रमन अतिथि गृह में अत्याधुनिक सम्मेलन कक्ष की सुविधा है। सम्मेलन कक्ष 32 व्यक्तियों को समायोजित कर सकता है और इसमें विभिन्न सुविधाएं हैं जैसे कि ओवरहेड प्रोजेक्टर, वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के लिए ऑडियो-विजुअल कनेक्टिविटी के साथ वाई-फाई।

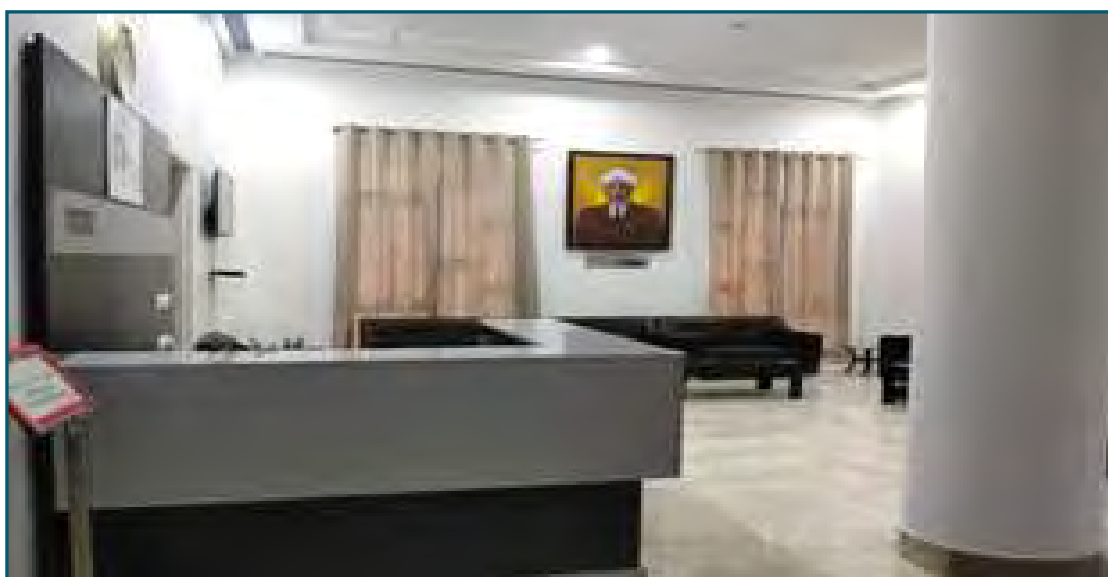


परिवहन सेवा

अतिथि गृह आईआईटी-मंडी परिसर में आने वाले अतिथि के लिए रसद सेवाओं का प्रबंधन भी कर रहा है। हमारे सम्मानित मेहमानों को यात्रा सहायता प्रदान करने के लिए 3 समर्पित कारों का बेड़ा चौबीसों घंटे तैयार रहता है। संस्थान की कारों के अलावा, हमारे मेहमानों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए, जब आवश्यक हो, टैक्सी बुकिंग सेवाओं में सहायता भी प्रदान की जाती है।

सी. वी. रमन अतिथि गृह में माननीय अतिथि

- श्री बंडारू दत्तात्रेय – (राज्यपाल हिमाचल प्रदेश 2019–2021)
- श्री जयराम ठाकुर – (माननीय मुख्यमंत्री– हिमाचल प्रदेश)
- सुश्री टेसी थॉमस– (एयरोनॉटिकल सिस्टम के महानिदेशक और डीआरडीओ में अग्नि-IV मिसाइल के लिए पूर्व परियोजना निदेशक)
- श्री सुबोध भार्गव– (टाटा कम्युनिकेशंस लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक अध्यक्ष)
- प्रो. अशोक झुनझुनवाला– (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास में संस्थान के प्रोफेसर)



स्वागत एवं प्रवेश कक्ष

माइंड ट्री आईआईटी मंडी कैंपस स्कूल

यह हरे-भरे इलाकों में फैला हुआ है, जो देहाती पहाड़ों से घिरा हुआ है। मजबूत और प्रतिबद्ध टीम के साथ, स्कूल ने मार्च 2017 में अपनी यात्रा शुरू की। स्कूल नए क्षितिज पर पहुंच गया है और सीबीएसई से संबद्ध है। स्कूल छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना का पोषण करने के साथ-साथ छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। स्कूल की प्राथमिकता न केवल पाठ्य पुस्तक ज्ञान प्रदान करना है, बल्कि छात्रों का समग्र विकास भी है।



हम COVID-19 महामारी में एक विश्वव्यापी संकट से गुजर रहे हैं, शैक्षणिक संस्थानों के अप्रत्याशित रूप से बंद होने से पढ़ने, सीखने के उद्देश्यों में ठहराव आ गया है। कोविड के समय में, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की हमारी प्रतिबद्ध टीम ने छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने के लिए खुद को एकजुट किया। सभी कक्षाओं के छात्रों को अलग-अलग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्याख्यान और प्रदर्शन दिए गए ताकि लॉकडाउन के समय में उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। छात्रों की प्रगति को विनियमित करने के लिए नियमित परीक्षण, असाइनमेंट और आकलन भी लिए गए थे।

नियमित अध्ययन के अलावा पर्यावरण दिवस, योग दिवस, शिक्षक दिवस, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, हिंदी दिवस आदि जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर विभिन्न कार्यक्रमों और समारोहों का भी ऑनलाइन आयोजन किया गया।



इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य छात्रों के मन में एकता और कक्षा के कमरे वाली भावना उत्पन्न करना था। समय-समय पर विद्यार्थियों को क्विज, पेंटिंग, मॉडल मेकिंग जैसी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में शामिल किया गया, ताकि उनकी समग्र प्रगति और विकास का ध्यान रखा जा सके।

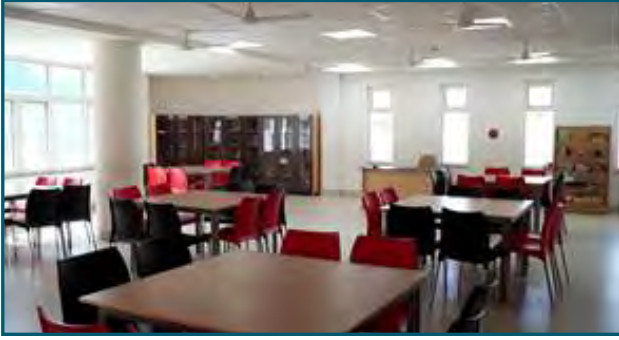


ऑनलाइन गतिविधियों की झलक



स्कूल में सुविधाएं





पुस्तकालय



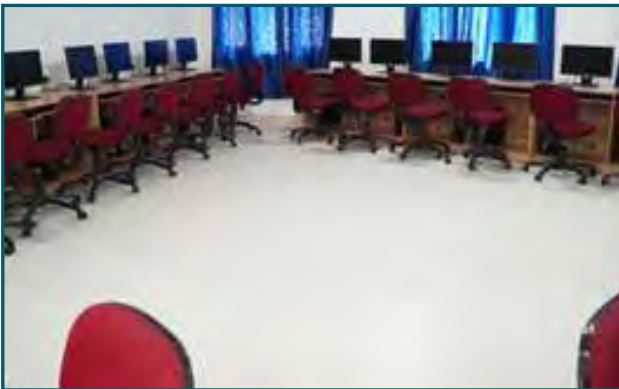
भौतिकी प्रयोगशाला



गणित प्रयोगशाला



रसायन प्रयोगशाला



संगणक प्रयोगशाला



जीव विज्ञान प्रयोगशाला



स्कूल कर्मचारी

दैनिक संरक्षण

दैनिक संरक्षण सुविधाओं को सुरक्षित और सुखद इकाइयों में रखा गया है, जिसमें भोजन, सोने और विभिन्न आंतरिक और बाहरी गतिविधियों के संचालन के लिए उपलब्ध बुनियादी ढाँचे हैं। चार वर्गों में विभाजन, अर्थात्; शिशु (1 वर्ष से कम), बहुत ही छोटे बच्चे (1-3 वर्ष), पूर्व-स्कूल (3-4 वर्ष) और स्कूली बच्चे (5 वर्ष से अधिक) आवश्यकतानुसार विशिष्ट देखभाल प्रदान करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, शिशु और शिशु वर्गों को सोने के लिए अलग पालना और भोजन के लिए ऊंची कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। प्री-स्कूलर्स और स्कूली बच्चों को स्कूल के समय के बाद होमवर्क और सोने की सुविधा प्रदान की जाती है।

दक्षिण और उत्तर परिसरों में स्थित, ये सुविधाएं आईआईटी मंडी के छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक मजेदार सीखने का माहौल प्रदान करती हैं। माता-पिता अपने बच्चों को एक चयन प्रक्रिया के बाद नियुक्त अनुभवी और देखभाल करने वाले कर्मचारियों की देखभाल में आत्मविश्वास से छोड़ सकते हैं। शिक्षक और देखभाल करने वाले 10 साल तक के शिशुओं और बच्चों की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करते हैं। छोटे बच्चों को उपयुक्त आयु के अनुसार कार्यक्रम में व्यस्त रखा जाता है जिससे उनका समग्र विकास होता है। माता-पिता अंशकालिक या पूर्णकालिक सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।



सुविधाएँ

बुनियादी ढाँचे में बच्चों के विभिन्न आयु समूहों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए सुविधाएं शामिल हैं। शिशुओं (1 वर्ष से कम) और टॉडलर्स (1-3 वर्ष) वर्गों को सोने के लिए अलग-अलग पालना प्रदान किया जाता है। आरामदायक पालने युवाओं के लिए सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हैं। उच्च कुर्सियों और बूस्टर सीटों के साथ भोजन के समय को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया जाता है जो उन्हें खिलाए जाने के दौरान अपने भोजन का पता लगाने की अनुमति देता है! प्री-स्कूलर्स (3-4 साल) और स्कूलर्स (5 साल और उससे अधिक) को दोपहर की झपकी के लिए आरामदायक चारपाई उपलब्ध कराई जाती है। एक अध्ययन कक्ष उन्हें किसी भी गृहकार्य या अतिरिक्त अध्ययन गतिविधियों को पूरा करने के लिए एक शांत वातावरण प्रदान करता है। जब रचनात्मक दिमाग अपने काल्पनिक नाटकों में व्यस्त हो जाता है तो वही कमरा शोरगुल वाले खेल के कमरे में बदल जाता है। विभिन्न वर्गों के लिए उपयुक्त खिलौने उपयोग के लिए उपलब्ध हैं।



सहायक कर्मचारी: दैनिक संरक्षण सुविधाओं को पूर्णकालिक समर्पित और प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा समर्थित किया जाता है। सहायक कर्मचारियों की सूची नीचे दी गई है:



अंजना चंदेल
शिक्षक



जया कुमारी
केयर टेकर



मीना कुमारी
केयर टेकर



आशा कुमारी
केयर टेकर



मीना कुमारी
केयर टेकर

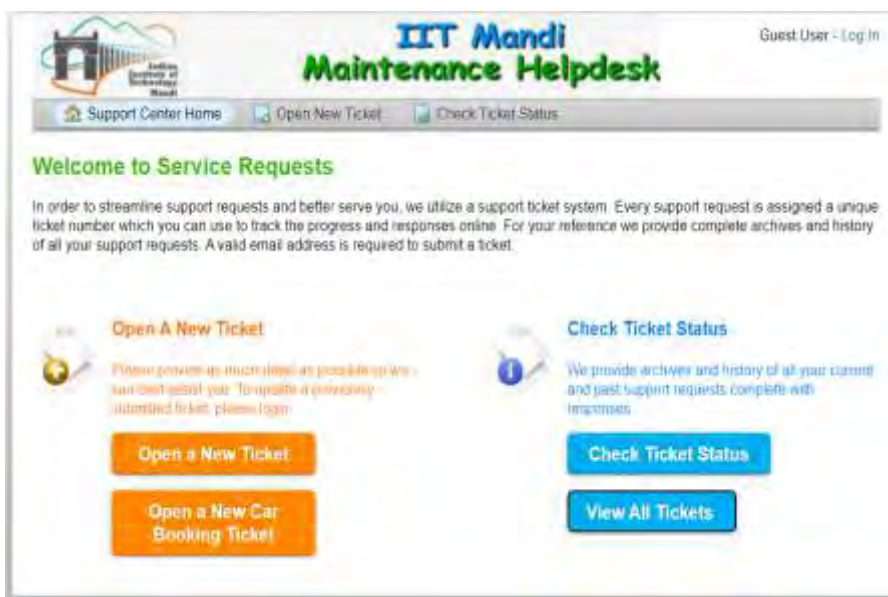
नामांकित बच्चे

वर्तमान में, कुल 24 बच्चे डेकेयर में नामांकित हैं और इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। नामांकित बच्चों के संक्षिप्त आँकड़े नीचे दिए गए हैं:

| क्रम सं. | आयु वर्ग | बच्चों की संख्या |
|----------|------------------------------------|------------------|
| 1 | शिशु (1 वर्ष से कम) | 3 |
| 2 | बहुत छोटे बच्चे (1-3 साल) | 7 |
| 3 | स्कूल से पूर्व (3-4 वर्ष) | 8 |
| 4 | स्कूली शिक्षार्थी (5 वर्ष और अधिक) | 6 |

ऑनलाइन रखरखाव हेल्पडेस्क

समर्थन अनुरोधों को सुव्यवस्थित करने और आपकी बेहतर सेवा करने के लिए, हम एक समर्थन टिकट प्रणाली का उपयोग करते हैं। प्रत्येक समर्थन अनुरोध को एक अद्वितीय टिकट नंबर दिया जाता है जिसका उपयोग आप ऑनलाइन प्रगति और प्रतिक्रियाओं को ट्रैक करने के लिए कर सकते हैं। आपके संदर्भ के लिए, हम आपके सभी समर्थन अनुरोधों का पूरा संग्रह और इतिहास प्रदान करते हैं। टिकट जमा करने के लिए एक वैध ईमेल पते की आवश्यकता होती है।



**2020-21 के दौरान किए गए अनुरक्षण कार्य
(दक्षिणी परिसर और उत्तरी परिसर के सिविल और विद्युत टिकट)**

| परिसर | 01/04/2020 से 30/09/2021 की अवधि के दौरान दर्ज की गई शिकायतों की संख्या | 01/04/2020 से 30/09/2021 की अवधि के दौरान शिकायत का समाधान किया गया | बैलेंस शिकायत | टिप्पणियां | | |
|-------------------------------------|---|--|------------------|-----------------------------|-------------------|----------|
| | | | | आईआईटी सामान्य शिकायत | सीपी डब्ल्यूडी | एनबीसीसी |
| सिविल टिकट दक्षिणी परिसर | 1442 | 1402 | 40 | 29 | 11 | |
| विद्युत टिकट दक्षिणी परिसर | 985 | 924 | 61 | 61 | | |
| विद्युत टिकट उत्तरी परिसर | 794 | 715 | 79 | 72 | | 7 |
| सिविल टिकट उत्तरी परिसर और एलपी1 | 1914 | 1742 | 172 | 109 | 54 | 9 |
| कुल | 5135 | 4783 | 352 | 271 | 65 | 9 |

परिवहन सुविधाएं

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, जिला मंडी (हि.प्र.) की कमान्द घाटी में स्थित है। संस्थान अपने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों को बहुत मामूली शुल्क पर परिवहन सुविधाएं प्रदान कर रहा है। संस्थान शटल बसें दोनों परिसरों (आईआईटी मंडी के उत्तर और दक्षिण परिसर) के बीच चल रही हैं और मंडी टाउन से आईआईटी मंडी परिसर तक परिवहन सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

सभी की जानकारी के लिए संस्थान के वाहन अनुसूची को वेबसाइट पर नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। भा.प्रौ.सं. मण्डी अपने समुदाय को अग्रिम ऑनलाइन सीट बुकिंग सुविधा भी प्रदान कर रहा है। वर्तमान में संस्थान सुबह 07:00 बजे से रात 10:00 बजे तक परिवहन सुविधा प्रदान कर रहा है। आजकल 7 बसें (30 सीटर) और एक वैन (12 सीटर) संचालित है।



वाणिज्यिक प्रतिष्ठान

वर्तमान में संस्थान में 7 व्यावसायिक प्रतिष्ठान चल रहे हैं, जिसमें कैंटीन, प्रोविजन स्टोर, सुपर मार्केट, सब्जी और फलों की दुकान और स्टेशनरी की दुकान शामिल हैं। सेवाएं दोनों परिसरों में उपलब्ध हैं। जैसा कि परिसर में बुनियादी ढांचा विकसित हो रहा है, कुछ और दुकानें आ रही हैं और उन्हें परिसर में नयी सेवाएं शुरू करने के लिए आवंटित किया जाएगा।



ग्रिफॉन कैंटीन, दक्षिणी परिसर



प्रोविजन स्टोर एवं स्टेशनरी की दुकान, दक्षिणी परिसर



सुपर मार्केट, उत्तरी परिसर



सुपर मार्केट, उत्तरी परिसर



सब्जी और फलों का स्टाल, उत्तरी परिसर



सब्जी और फलों का स्टाल, उत्तरी परिसर

आईआईटी मंडी की जलापूर्ति योजना (0.50 एमएलडी क्षमता)

डब्ल्यूटीपी चरण-1

कमान्द पुल के समीप डब्ल्यूटीपी चरण-1 उहल नदी पर स्थापित किया है जो कि रियागड़ी सड़क के साथ प्रवाहित होती है। उहल नदी से पानी को 7.5 एचपी मोनोसबमर्सिबल पंपों के माध्यम से 1,00,000 लीटर क्षमता वाले गंदे पानी के टैंक-1 तक उठाया जाता है। गंदे पानी के टैंक-1 से 6 इंच व्यास वाले जी 1 पाईप के माध्यम से 3,35,000 लीटर क्षमता वाले गंदे पानी के टैंक-2 (चरण-2) तक उठाया जाता है।



डब्ल्यूटीपी चरण-2

डब्ल्यूटीपी चरण-2 आईआईटी मंडी के दक्षिण परिसर के घड़पा क्षेत्र (एलपी-6) में स्थापित है। 3,35,000 की क्षमता वाले गंदे पानी के टैंक-2 (स्टेज-2) से गुरुत्वाकर्षण के तहत पानी का प्रवाह प्री-सेटलिंग टैंक तक, फिर फ्लोक्युलेटर में, फिर सेटलिंग टैंक में और फिर स्लो सैंड फिल्टर बेड के माध्यम से होता है। इन सभी निस्पंदन प्रक्रियाओं के बाद 3,35,000 लीटर क्षमता के साफ पानी के टैंक में पानी एकत्र हो जाता है। साफ पानी की टंकी से पानी 100HP सबमर्सिबल पंपों द्वारा साफ पानी की टंकी से 3,35,000 लीटर की क्षमता के मुख्य ओवरहेड स्टोरेज टैंक तक उठाया जाता है।



मुख्य ओएचटी

ओएचटी टैंक में पानी का क्लोरीनेशन किया जा रहा है। यहां से गुरुत्वाकर्षण के तहत पानी की आपूर्ति 3 इंच जी.आई लाइन से उत्तरी परिसर के 3,50,000 लीटर क्षमता वाले ओएचटी टैंक को तथा दक्षिणी परिसर के 1,00,000 लीटर क्षमता वाले के ओएचटी टैंक को की जा रही है। दोनों परिसरों की जल आपूर्ति दोनों परिसरों के ओएचटी टैंकों से गुरुत्वाकर्षण रेखा के माध्यम से नियंत्रित होती है।



विद्युत आपूर्ति प्रणाली

आईआईटी मंडी की बिजली आपूर्ति का मुख्य स्रोत हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड है। आईआईटी मंडी को कैंपस के पास नंदली सबस्टेशन से एचपीएसईबीएल से 33 केवी एचटी ट्रांसमिशन लाइन के जरिए बिजली मिल रही है। इसके अलावा, इस्ट. उत्तर परिसर में 33/11 केवी रिसीविंग सबस्टेशन (आरएसएस) में है। आईआईटी मंडी परिसर का कुल कनेक्टेड लोड 10.90 मेगावाट है। खानपान के लिए यह भार इस्ट. आरएसएस में 2X5 एमवीए बिजली ट्रांसफार्मर स्थापित हैं।



आरएसएस में बिजली ट्रांसफार्मर

33 केवी की आपूर्ति 11 केवी तक कम हो गई है और उत्तर और दक्षिण परिसरों में स्थापित विभिन्न 11/0.415 केवी उप-स्टेशनों को वितरित की गई है।



इंडोर 11/0.415 केवी (800 केवीए) ट्रांसफार्मर



इंडोर एलटी वितरण पैनल

वर्तमान में, संस्थान को नंदली सबस्टेशन के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की है, लेकिन निकट भविष्य में हमारे परिसर में निर्बाध बिजली आपूर्ति प्राप्त करने के लिए दो और स्रोतों की योजना बनाई गई है और एचपीएसईबीएल को साथ लिया गया है। निम्नलिखित वैकल्पिक लाइनों का कार्य प्रगति पर है:

- पंडोह से नंदली सबस्टेशन तक 33 केवी एचटी लाइन। यह आईआईटी मंडी परिसर को समर्पित फीडर होगा।
- कुल्लू से नंदली सबस्टेशन तक 33 केवी फीडर। डेडिकेटेड फीडर के खराब होने की स्थिति में इस लाइन पर बिजली स्थानान्तरित की जा सकती है।

अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं सेवाएं



डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित (22.01.2021 से प्रभावी)
ए-7 भवन, कमरा संख्या 200, प्रथम तल, दक्षिणी परिसर
फोन : 267278; ईमेल आईडी: deaninfra@iitmandi.ac.in

सह अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं सेवाएं



डॉ. कौस्तव सरकार
ए-10 भवन, कमरा संख्या 402, उत्तर परिसर
फोन: 267901; ईमेल: srkr@iitmandi.ac.in

संकाय प्रभारी (विद्युत)



डॉ. नरसा रेड्डी
ए-6 भवन, कमरा संख्या 21, दक्षिणी परिसर
फोन: 267225; ईमेल: tummuru@iitmandi.ac.in

संकाय प्रभारी (सिविल)





डॉ. संदीप साहा
ए10 भवन, कमरा संख्या – 408, उत्तर परिसर
फोन: 267907; ईमेल आईडी: sandip_saha@iitmandi.ac.in

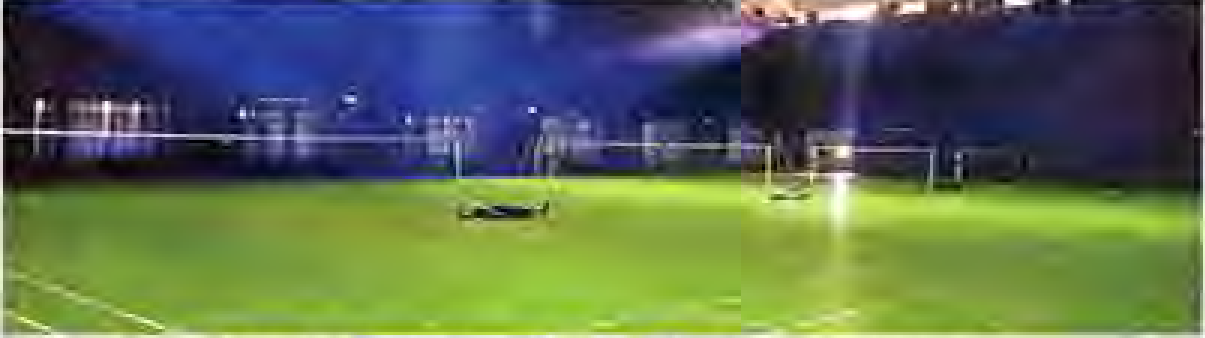
कार्यालय अवसंरचना एवं सेवाएं



सुश्री मोनिका
वरिष्ठ अधीक्षक
ए-7 भवन, कमरा संख्या 200, प्रथम तल, दक्षिणी परिसर
फोन: 267278; ईमेल: monika@iitmandi.ac.in
अधिष्ठाता, अवसंरचना एवं सेवाएं से संबंधित संपूर्ण कार्य का समन्वय करके अधिष्ठाता (अवसंरचना एवं सेवाएं) की सहायता करती है।

| | |
|---|---|
|  | <p>श्री अंकुश शर्मा कार्यालय सहायक ए-7 भवन, कमरा संख्या 200, प्रथम तल, दक्षिणी परिसर फोन : 267278; ईमेल: ankusoa@iitmandi.ac.in डीन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज से संबंधित संपूर्ण कार्य का समन्वय करके डीन (इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज) की सहायता करते हैं।</p> |
| अवसरचना दल | |
|  | <p>श्री सुनील कपूर अधीक्षण अभियंता निर्माण अनुभाग, दक्षिण परिसर फोन: 267020; ईमेल: sunil@iitmandi.ac.in दोनों परिसरों के निर्माण और रखरखाव कार्य की निगरानी करना। सीपीडब्ल्यूडी और एनबीसीसी द्वारा किए गए निर्माण कार्य की निगरानी करना। शिक्षा मंत्रालय और एचईएफए द्वारा आवश्यक विभिन्न सूचनाओं को तैयार करना। सीआरएम, बी एंड डब्ल्यूसी और निर्माण योजना समिति की बैठकों का आयोजन और प्रबंधन। जमीन का मामला देखना। नई आवश्यकता के अनुसार योजना बनाना। डीन (आई एंड एस) और एसोसिएट डीन (आई) द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य।</p> |
|  | <p>अभि. पुनीत कु. शर्मा आई (सिविल) निर्माण अनुभाग, दक्षिण परिसर फोन: 267240; ईमेल: puneetsharma@iitmandi.ac.in नवीन निर्माण एवं अनुरक्षण कार्य, उद्यानिकी कार्य, निविदा कार्य, जलापूर्ति योजना एवं दक्षिण परिसर की विभिन्न सिविल सेवाओं का संचालन एवं संपदा कार्यालय से संबंधित उत्तरदायित्वों को देखते हुए। एसई द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य। अभि. नवीन शर्मा, टेक. सहायक (सी) और अभि. अतुल सेन, टेक. सहायक (सी) द्वारा सहायता प्राप्त।</p> |
|  | <p>अभि. सिद्धार्थ जम्वाल आई (सिविल) कंस्ट्रक्शन विंग, साउथ कैंपस फोन : 267295; ईमेल: siddharth@iitmandi.ac.in नार्थ कैम्पस में नवीन निर्माण एवं अनुरक्षण कार्य, छात्रावास, भोजन एवं शैक्षणिक भवनों के निविदा कार्य तथा समस्त उत्तरी परिसर के बागवानी कार्य को देखते हुए। एसई द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य। अभि. मंधीर बाली, जेई (सी), अभि. जितेन्द्र कश्यप, तकनीकी सहायक (सी) द्वारा सहायता प्राप्त।</p> |
|  | <p>अभि. विकास चौधरी आई (सिविल) ए-7 भवन, कमरा संख्या. 200, प्रथम तल, दक्षिणी परिसर फोन : 267028; ईमेल: vikas_kumar@iitmandi.ac.in नार्थ कैंपस एवं एलपी-1 क्षेत्र में फैंकल्टी हाउसिंग भवन के नवीन निर्माण, अनुरक्षण कार्य एवं टेंडरिंग कार्य को देखते हुए। एसई द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य। अभि. दीनदयाल, जेई (सी) और अभि. जितेंद्र कश्यप, तकनीकी सहायक (सी) द्वारा सहायता प्राप्त।</p> |
|  | <p>अभि. नीरज चौहान सहायक अभियंता (इलेक्ट्रिकल) निर्माण अनुभाग फोन : 267127; ईमेल: neerajchauhan@iitmandi-ac-in शैक्षणिक, छात्रावास, संकाय ब्लॉक, ईएसएस/स्ट्रीट लाइटिंग/बाहरी प्रकाश व्यवस्था, अग्निशमन, एसटीपी मुद्दों, ट्रांसफार्मर/डीजी आदि के रखरखाव की देखभाल करना एसई द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य। अभि. विराग, जेई (ई) और अभि. यशपाल ठाकुर, तकनीकी सहायक (ई) द्वारा सहायता प्राप्त।</p> |
|  | <p>श्री दौलत राम क्षेत्रीय पर्यवेक्षक (भूमि अधिग्रहण) निर्माण अनुभाग फोन: 7018163487 भूमि सम्बन्धी मामलों को देखते हुए।</p> |

आइआइटी में ढाई हजार छात्रों को मिलेगी सुविधा



आइआइटी मंडी में बना आधुनिक सुविधा से लैस इनडोर स्टेडियम • जागरण

जागरण संवाददाता, मंडी : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मंडी ने 10 साल में 510 एकड़ में शानदार कैम्पस तैयार कर एक मिसाल पेश की है। ऊहल नदी के किनारे हिमालय की शांत वादियों में कम समय में इतना बड़ा कैम्पस तैयार करना पहाड़ जैसी चुनौती था। आज संस्थान के पास अत्याधुनिक आधारभूत ढांचा उपलब्ध है।

संस्थान का बिल्डअप एरिया 1.15 लाख वर्ग मीटर है। इसमें 1300 विद्यार्थियों, 112 शिक्षकों और स्टाफ के 61 सदस्यों के लिए आवासीय व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं, अन्य गतिविधियों और पढ़ाई से जुड़ी अतिरिक्त गतिविधियों के लिए पर्याप्त स्थान है। इसमें 750 सीटों का ऑडिटोरियम भी है जो इस इलाके में अभूतपूर्व है। संस्थान 2021 तक 2.16 लाख वर्ग मीटर निर्माण का लक्ष्य पूरा

करने की दिशा में अग्रसर है। इससे आने वाले समय में 2580 विद्यार्थियों और 270 शिक्षकों और स्टाफ के सदस्यों के लिए आवासीय व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

डीन (इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सर्विसेज) प्रो. एससी जैन का कहना है यहां जो कैम्पस बन रहा है उसका देश के सबसे खूबसूरत कैम्पसों में नाम होगा। उन्होंने बताया कि निर्माण एवं मरम्मत प्रभाग निर्माण कार्य की प्रगति पर नजर रखने के लिए वेब आधारित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टूल का लाभ लेता है। इसका विकास संस्थान के विद्यार्थियों ने ओपन सोर्स प्लेटफॉर्म के साथ किया है। शिक्षा ब्लॉक के अंदर 30 से 300 विद्यार्थियों के लिए बड़े क्लासरूम हैं। संस्थान का एक मुख्य पुस्तकालय है जिसमें 18,948 पुस्तकें हैं और एक सेटलाइट लाइब्रेरी है जो पूरी तरह स्वचालित है। विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ के लिए 20,000 ऑनलाइन संसाधन हैं। गेस्ट हाउस में देश-विदेश के आगंतुकों के लिए 88 कमरे हैं।

वर्ष के दौरान बैकलॉग रिक्तियों को सारणीबद्ध प्रारूप में भरने की स्थिति

शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग ने सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (शिक्षक संवर्ग में आरक्षण) अधिनियम 2019 को लागू करने के लिए सूचित किया है। इसके अलावा, मंत्रालय ने डीओ पत्र संख्या 33-2/2021-टीएस-III (Pt.I) दिनांक 24 अगस्त, 2021 द्वारा सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को 05.09.2021 से शुरू होकर एक वर्ष की अवधि के भीतर मिशन मोड में बैकलॉग रिक्तियों को भरने का निर्देश दिया है:

- I. वार्षिक रिपोर्ट में एक अलग अध्याय शामिल करें,
- ii. प्रत्येक FC/BoG मीटिंग में एक एजेंडा आइटम शामिल करें और
- iii. की गई कार्रवाई की स्थिति पर सचिव (एचई) को मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

अधिष्ठाता (संकाय) और सदस्य-बीओजी ने समिति को सूचित किया कि संस्थान बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। संस्थान की स्थायी समिति ने स्थायी विज्ञापन के अलावा हर छह महीने में संकाय पदों का विज्ञापन करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने आगे कई संकाय साक्षात्कारों के बारे में बताया जो हाल ही में आयोजित किए गए हैं और साक्षात्कार निकट भविष्य में निर्धारित हैं। संकाय भर्ती की वर्तमान स्थिति नीचे दी गई है:

| | |
|---------------------------------------|-----|
| स्वीकृत पद (10:1 छात्र: संकाय अनुपात) | 186 |
| नियमित वेतनमान पद पर कार्यरत संकाय | 113 |
| रिक्ति | 73 |

12. बोर्ड ऑफ गवर्नर्स

| | |
|---|---|
|  | <p>अध्यक्ष (27.10.2020 से प्रभावी) प्रो. प्रेम ब्रत अध्यक्ष, BoG IIT (ISM) धनबाद सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली और संस्थापक निदेशक, आईआईटी रुड़की 1240, सेक्टर-ए, पॉकेट-ए वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070</p> |
|  | <p>अध्यक्ष (26.10.2020 तक) श्री सुबोध भार्गव पूर्व अध्यक्ष, टाटा कम्युनिकेशंस लिमिटेड विला 69, पाम सिंग्स गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-54 गुडगांव-122002, हरियाणा</p> |

| | |
|---|--|
| <p>सदस्य प्रो. अजित के. चतुर्वेदी (01.07.2020 से प्रभावी) प्रो. टी.ए. गोन्सेल्वज (30.06.2020 तक) निदेशक, आईआईटी मंडी (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी-175 075 (हि.प्र.)</p> | <p>मुख्य सचिव/सचिव (टीई) (पद के अनुसार) हिमाचल प्रदेश सरकार शिमला-171 002</p> |
| <p>अपर सचिव (टीई)/ संयुक्त सचिव (पदेन) एमओई, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001</p> | <p>श्री किशन चंद्र शर्मा साइट प्रमुख और वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्माण, ल्यूपिन फार्मा लिमिटेड 198-202, न्यू इंडस्ट्रियल एरिया नंबर 2 मंडीदीप-642 046, जिला, रायसेन (म.प्र.)</p> |
| <p>डॉ. प्रदीप कुमार अग्रवाल वैज्ञानिक, विशेष परियोजना निदेशालय डी.आर.डी.ओ. हैदराबाद एच.सं. 16-142, ग्रीन रिच एवेन्यू बदनगपेट नगर पंचायत हैदराबाद-500 058</p> | <p>श्री हेमंत सूद प्रबंध निदेशक और प्रमोटर (वित्तीय सेवा समूह) फाइंडोक फाइनेंशियल सर्विसेज ग्रुप 5वीं मंजिल, करतार भवन, पीएयू के पास, गेट नंबर 1 फिरोजपुर रोड, लुधियाना-141 001 (पंजाब)</p> |
| <p>प्रो. एस.सी. जैन अवकाश प्राप्त प्रोफेसर अभियांत्रिकी स्कूल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी-175 075 (हि.प्र.)</p> | <p>डॉ. सुब्रत घोष (18.01.2021 तक) सह-प्राध्यापक मूलभूत विज्ञान स्कूल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी-175 075 (हि.प्र.)</p> |
| <p>प्रो. प्रेम फेलिक्स सिरिल (19.01.2021 से प्रभावी) प्रोफेसर मूलभूत विज्ञान स्कूल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी-175 075 (हि.प्र.)</p> | <p>सचिव श्री के.के. बाजरे रजिस्ट्रार (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी-175 075 (हि.प्र.)</p> |

इस वर्ष के दौरान, 23.06.2020, 27.08.2020, 20.11.2020 और 31.03.2021 को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठकें आयोजित की गईं।

13. वित्त समिति

| | |
|--|--|
| <p>अध्यक्ष (पदेन) प्रो. प्रेम व्रत (27.10.2020 से प्रभावी) अध्यक्ष, BoG IIT (ISM) धनबाद सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली और संस्थापक निदेशक, आईआईटी रुड़की 1240, सेक्टर-ए, पॉकेट-ए वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070</p> <p>श्री सुबोध भार्गव (26.10.2020 तक) पूर्व अध्यक्ष, टाटा कम्युनिकेशंस लिमिटेड विला 69, पाम स्पिंग्स गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर - 54 गुड़गांव-122002, हरियाणा</p> | |
| <p>सदस्य प्रो. अजित के. चतुर्वेदी (01.07.2020 से प्रभावी) प्रो. टी.ए. गोन्सेल्वज (30.06.2020 तक) निदेशक, आईआईटी मंडी (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी-175 075, (हि.प्र.)</p> | <p>अतिरिक्त सचिव/ब्यूरो प्रमुख (टी.ई.) (पदेन) एमओई, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001</p> |

| | |
|--|--|
| <p>संयुक्त सचिव और वित्त सलाहकार (पद के अनुसार) एमओई, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001</p> | <p>प्रो. अशोक गुप्ता प्रोफेसर सिविल इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी दिल्ली, हौज खास नई दिल्ली-110 016</p> |
| <p>प्रो. पी. श्रीराम रजिस्ट्रार I/c, डीन (प्रशासन) और प्रमुख एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास चेन्नई - 600 036</p> | <p>डॉ. विशाल सिंह चौहान डीन (एफ एंड ए) (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी कमान्द-175 075, (हि.प्र.)</p> |
| <p>सचिव श्री के.के. बाजरे रजिस्ट्रार (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी कमान्द-175 075, (हि.प्र.)</p> | |

*इस वर्ष के दौरान वित्त समिति की बैठकें 23.06.2020, 20.11.2020 और 31.03.2021 को आयोजित की गईं।

14. भवन एवं निर्माण समिति

| | |
|---|--|
| <p>अध्यक्ष (पदेन) प्रो. अजित के. चतुर्वेदी (01.07.2020 से प्रभावी) प्रो. टी.ए. गोन्सेल्वज (30.06.2020 तक) निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी कमान्द-175 075, (हि.प्र.)</p> | <p>अधिष्ठता (अवसरचना एवं सेवा) (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी कमान्द-175075, हिमाचल प्रदेश</p> |
| <p>सदस्य प्रो. बी. भट्टाचार्जी प्रोफेसर सिविल इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली हौज खास, नई दिल्ली-110 016</p> | <p>अभि. ए.के. जैन वरिष्ठ सलाहकार, आईआईटी मंडी और विशेष महानिदेशक, सीपीडब्ल्यूडी (सेवानिवृत्त) मंडी-175 075, हिमाचल प्रदेश</p> |
| <p>अभि. के.एन. राय (01.01.2021 से प्रभावी) पूर्व मुख्य कार्यकारी सिविल वर्क्स, डीआरडीओ (सेवानिवृत्त) नई दिल्ली अभि. निरंजन सिंह (31.12.2020 तक) मुख्य अभियंता (सिविल), सीपीडब्ल्यूडी (सेवानिवृत्त) ए-3/202, निर्मल छाया टावर्स वी.आई.पी रोड, जीरकपुर जिला एसएस नगर, मोहाली (पीबी)-140 603</p> | <p>सदस्य सचिव अभि. सुनील कपूर अधीक्षण अभियंता (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी कमान्द परिसर, गांव व डाकखाना कमान्द जिला मंडी-175 075, (हि.प्र.)</p> |

*इस वर्ष के दौरान भवन एवं निर्माण कार्य समिति की बैठकें 16.06.2020, 23.10.2020 और 19.03.2021 को आयोजित की गईं।

15. सीनेट

| | |
|---|--|
| <p>अध्यक्ष प्रो. अजित के. चतुर्वेदी (01.07.2020 से प्रभावी) प्रो. टी.ए. गोन्सेल्वज (30.06.2020 तक) निदेशक, आईआईटी मंडी (पदेन)</p> | |
| <p>संस्थान के सदस्य</p> <p>प्रो. रमेश ओरुगटि, सहायक प्राध्यापक, एससीईई, आईआईटी मंडी प्रो. केनेथ ई. गोंजाल्विस, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर, एसबीएस, आईआईटी मंडी प्रो. राजन कपूर, सहायक प्राध्यापक, एससीईई, आईआईटी मंडी प्रो. सुब्रत रे, विशिष्ट अतिथि प्राध्यापक, एसई, आईआईटी मंडी प्रो. यवोन डिट्टिच, सहायक प्राध्यापक, एससीईई, आईआईटी मंडी प्रो. अजीत पद्माकर अन्नाछत्रे, विजिटिंग प्राध्यापक, एसई, आईआईटी मंडी प्रो. आईएनजी. बलथासर नोवाक, सहायक प्राध्यापक, एसई, आईआईटी मंडी प्रो. तरुण कांत, विशिष्ट अतिथि प्राध्यापक (एसई), आईआईटी मंडी प्रो. सुमंत निगम, विशिष्ट अतिथि प्राध्यापक (एसई), आईआईटी मंडी प्रो. बी.डी. चौधरी, एमेरिटस प्राध्यापक, एससीईई, आईआईटी मंडी प्रो. एस. सी. जैन, एमेरिटस प्राध्यापक, एसई और डीन (आई एंड एस), आईआईटी मंडी प्रो. सुब्रत घोष, प्राध्यापक, एसबीएस, आईआईटी मंडी प्रो. प्रेम फेलिक्स सिरिल, प्राध्यापक, एसबीएस और डीन (संकाय), आईआईटी मंडी प्रो. सुमन कल्याण पाल, प्राध्यापक और अध्यक्ष (एसबीएस), आईआईटी मंडी प्रो. चयन के. नंदी, प्राध्यापक, एसबीएस, आईआईटी मंडी प्रो. प्रदीप सी. परमेश्वरन, प्राध्यापक, एसबीएस और डीन (अकादमिक), आईआईटी मंडी डॉ. विशाल सिंह चौहान, डीन (एफएंडए), आईआईटी मंडी डॉ. वेंकट कृष्णन, डीन (एसआरआईसी और आईआर), आईआईटी मंडी डॉ. मनोज ठाकुर, डीन (छात्र), आईआईटी मंडी डॉ. समर अग्निहोत्री, अध्यक्ष (एससीईई), आईआईटी मंडी डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन, अध्यक्ष (एसई), आईआईटी मंडी डॉ. सुमन सिंगरोहा, अध्यक्ष (एसएचएसएस), पीएफजी – एचएसएस पाठ्यक्रम, आईआईटी मंडी डॉ. ऋक रानी कोडार, समन्वयक, एएमआरसी, आईआईटी मंडी डॉ. प्रोसेनजीत मंडल, समन्वयक, बायोएक्स सेंटर, आईआईटी मंडी डॉ. सतिन्द्र के शर्मा, समन्वयक, सी4डीएफडी, आईआईटी मंडी डॉ. राजीव कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर (एसई), आईआईटी मंडी डॉ. अदिति हल्दर, एसोसिएट प्रोफेसर (एसबीएस), आईआईटी मंडी डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, एसोसिएट प्रोफेसर (एससीईई), आईआईटी मंडी डॉ. सनी जफर, सहायक प्रोफेसर (एसई), आईआईटी मंडी डॉ. केसर जहान, सहायक प्रोफेसर (एसबीएस), आईआईटी मंडी डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी, सहायक प्रोफेसर (एससीईई), आईआईटी मंडी डॉ. पूरन सिंह, सहायक प्रोफेसर (एसएचएसएस), आईआईटी मंडी डॉ. एस्ट्रिड किहन, अध्यक्ष, पुस्तकालय सलाहकार समिति (एलएसी), आईआईटी मंडी श्री नरेश सिंह भंडारी, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी मंडी डॉ. नदीम अख्तर, मेसर्स अरिस्टा नेटवर्क्स डॉ. अमित जायसवाल, चीफ वार्डन, आईआईटी मंडी श्री के.के. बाजरे, कुलसचिव एवं सचिव, सीनेट, आईआईटी मंडी अन्य सभी संकाय सदस्य, आईआईटी मंडी (आमंत्रित) छात्र अनुसंधान मामलों के सचिव, आईआईटी मंडी (विशेष आमंत्रित) छात्र महासचिव, आईआईटी मंडी (विशेष आमंत्रित) छात्र शैक्षणिक मामलों के सचिव, आईआईटी मंडी (विशेष आमंत्रित)</p> | |
| <p>बाहरी सदस्य प्रो. सुनील आर. काले प्रोफेसर</p> | <p>प्रो. एन. सत्यमूर्ति पूर्व निदेशक, आईआईएसईआर, मोहाली और मानद प्रोफेसर</p> |

| | |
|--|--|
| यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी दिल्ली | जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएएसआर), बंगलुरु |
| प्रो. रोवेना रॉबिन्सन प्रोफेसर, एसएचएसएस, आईआईटी बॉम्बे | डॉ. नदीम अख्तर एमएस. अरिस्टा नेटवर्क |

*इस वर्ष के दौरान सीनेट की बैठकें 29.05.2020, 15.07.2020, 02.09.2020, 05.11.2020, 11.12.2020 और 03.02.2021 को आयोजित की गईं।

16. 31.03.2021 को शैक्षणिक अधिकारी

निदेशक

प्रो. अजित के. चतुर्वेदी (01.07.2020 से प्रभावी)
प्रो. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज (30.06.2020 तक)

अधिष्ठाता गण

प्रो. प्रेम फेलिक्स सिरिल (19.01.2021 से प्रभावी)
प्रो. बी.डी. चौधरी (18.01.2021 तक)
अधिष्ठाता (संकाय)

डॉ. भरत एस. राजपुरोहित (22.01.2021 से प्रभावी)
प्रो. एस.सी. जैन (21.01.2021 तक)
अधिष्ठाता (अवसंरचना एवं सेवाएं)

डॉ. मनोज ठाकुर
अधिष्ठाता (छात्र)

डॉ. विशाल सिंह चौहान
अधिष्ठाता (वित्त और लेखा)

डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन
अधिष्ठाता (अकादमिक)

डॉ. वेंकट कृष्णन
अधिष्ठाता (एसआरआईसी और आईआर)

सह अधिष्ठाता गण

डॉ. अनिल के. साव
सह अधिष्ठाता (पाठ्यक्रम)

डॉ. देविका सेठी
सह अधिष्ठाता (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध)

डॉ. विशाल सिंह चौहान
सह अधिष्ठाता (वित्त और लेखा)

डॉ. राहुल वैश्य
सह अधिष्ठाता (अनुसंधान)

डॉ. अर्णव भावसार
सह अधिष्ठाता (एसआरआईसी)

डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तव
सह अधिष्ठाता (संकाय)

डॉ. कौस्तव सरकार
सह अधिष्ठाता (इन्फ्रास्ट्रक्चर)

अध्यक्ष गण

डॉ. समर अग्निहोत्री (18.05.2020 से प्रभावी)
डॉ. भरत एस. राजपुरोहित (17.05.2020 तक)
कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल

डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन
अभियांत्रिकी स्कूल

प्रो. सुमन के. पाल (11.01.2021 से प्रभावी)
डॉ. सैयद अब्बास (10.01.2021 तक)
मूलभूत विज्ञान स्कूल

डॉ. सुमन सिगरोहा
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

17. 31.03.2021 को प्रशासनिक अधिकारी

17.1 अशैक्षणिक कर्मचारियों की सूची (वेतनमान पर प्रतिनियुक्त, नियमित, अनुबंध)

| क्रम सं. | नाम | पद |
|-----------------|---------------------------|---|
| 'क' वर्ग | | |
| 1 | श्री के.के. बाजरे | रजिस्ट्रार (प्रतिनियुक्ति पर) |
| 2 | अभि. सुनील कपूर | अधीक्षण अभियंता |
| 3 | श्री नरेश सिंह भंडारी | उप पुस्तकालयाध्यक्ष |
| 4 | श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला | सहायक रजिस्ट्रार (भंडार और खरीद) |
| 5 | श्री विवेक तिवारी | सहायक रजिस्ट्रार (अकादमिक) |
| 6 | श्री परमिंदर जीत | सहायक रजिस्ट्रार (एसआरआईसी और आईआर) |
| 7 | सुश्री शैलिका | सहायक रजिस्ट्रार (स्टाफ प्रशासन और भर्ती) |
| 8 | डॉ. चन्द्र सिंह | मेडिकल अधिकारी |
| 'ख' वर्ग | | |
| 9 | सुश्री मोनिका कश्यप | वरिष्ठ अधीक्षक |
| 10 | श्री अनुज कुमार दुबे | वरिष्ठ अधीक्षक |
| 11 | श्री हरदीप सिंह | सुरक्षा अधिकारी |
| 12 | सुश्री चंदन शर्मा | अधीक्षक |
| 13 | श्री पुनीत कुमार | सहायक अभियंता (सिविल) |
| 14 | श्री सिद्धार्थ जम्वाल | सहायक अभियंता (सिविल) |
| 15 | श्री विकास कुमार चौधरी | सहायक अभियंता (सिविल) |
| 16 | श्री नीरज चौहान | सहायक अभियंता (विद्युत) |
| 17 | श्री अभिजीत तिवारी | सहायक पुस्तकालय सूचना अधिकारी |
| 18 | श्री विनोद कुमार | वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक |
| 19 | सुश्री सोनाली मल्होत्रा | वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक |
| 20 | श्री जितेंद्र नामदेव | वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक |
| 21 | श्री ललित कुमार | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| 22 | श्री हरदीप कुमार सिंह | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| 23 | श्री राकेश कुमार | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| 24 | श्री रमेश कुमार | कनिष्ठ अधीक्षक (लेखा) |
| 25 | श्री कौल सिंह | शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक |
| 26 | श्री पवन कुमार | कनिष्ठ अधीक्षक |
| 27 | सुश्री लिश्मा आनंद | कनिष्ठ अधीक्षक |
| 28 | श्री पाविन एस सैमुअल | वरिष्ठ सहायक |

| | | |
|-----------------|--------------------------|--|
| 29 | श्री ज्ञानेश्वर ए. गुडधे | कनिष्ठ अधीक्षक |
| 30 | सुश्री सुषमा कुमारी | कनिष्ठ अधीक्षक |
| 31 | श्री हीरा सिंह नेगी | उप सुरक्षा अधिकारी (01.03.2021 को आईआईटी मंडी में शामिल हुए) |
| ‘ग’ वर्ग | | |
| 32 | सुश्री सुचेतना शची | वरिष्ठ सहायक |
| 33 | श्री सुनील | वरिष्ठ सहायक |
| 34 | श्री सुशील कुमार पाल | वरिष्ठ सहायक |
| 35 | श्री अमित शर्मा | वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| 36 | श्री अंकुश कपिल | वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| 37 | श्री संजय कुमार | कनिष्ठ लेखाकार |
| 38 | श्री गिरीश पाल | कनिष्ठ लेखाकार |
| 39 | श्री विक्रम जीत | कनिष्ठ लेखाकार |
| 40 | श्री देश राज | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| 41 | श्री दिनेश ठाकुर | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| 42 | श्री तरुण वर्मा | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| 43 | श्री गोपाल | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (तकनीकी) |
| 44 | श्री दशमेश सिंह | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (तकनीकी) |
| 45 | श्री लक्ष्मी चन्द यादव | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (चिकित्सा) |
| 46 | श्री आदित्य | कनिष्ठ सहायक |
| 47 | श्री प्रकाश सिंह नेगी | कनिष्ठ सहायक |
| 48 | श्री अनिल कुमार | कनिष्ठ सहायक |
| 49 | श्री निशांत कुमार | कनिष्ठ सहायक |
| 50 | श्री कुलदीप | कनिष्ठ सहायक |
| 51 | श्री प्रतीक | कनिष्ठ सहायक |
| 52 | श्री अनूप कुमार | कनिष्ठ सहायक |
| 53 | श्री विशाल परमार | कनिष्ठ सहायक |
| 54 | सुश्री नलिनी सिंह गिल | कनिष्ठ सहायक |
| 55 | श्री समीम खॉन | कनिष्ठ सहायक |
| 56 | श्री व्योमेश रावत | कनिष्ठ सहायक |
| 57 | श्री श्याम सिंह | चालक |
| 58 | श्री मनोज कुमार | कनिष्ठ परिचर |
| 59 | श्री लीला धर | कनिष्ठ परिचर (बहु कुशल) |

17.2 संविदा कर्मचारियों की सूची (समेकित परिलब्धियों पर) 31.03.2021 तक

| क्रम सं. | नाम | पद |
|----------|----------------------------|---|
| 1 | श्री जे.आर. शर्मा | सलाहकार (वित्त और लेखा अधिकारी) |
| 2 | श्री सी. एल. शर्मा | सलाहकार सह उपकुलसचिव (लेखापरीक्षा एवं विधि) |
| 3 | अभियन्ता अनिल कुमार जैन | वरिष्ठ सलाहकार (अंशकालिक) |
| 4 | डॉ. शिव नाथ झा | प्रधान खेल अधिकारी |
| 5 | डॉ. पूर्णिमा के. बाजरे | काउंसलर (अंशकालिक) (03.12.2020 को कार्यमुक्त) |
| 6 | श्री आशीष श्रीवास्तव | प्रबंधक (गेस्ट हाउस) |
| 7 | श्री मन्धीर बालि | कनिष्ठ अभियंता (सिविल) |
| 8 | श्री दीन दयाल | कनिष्ठ अभियंता (सिविल) |
| 9 | श्री दौलत राम | क्षेत्रीय पर्यवेक्षक (भूमि अभिलेख) |
| 10 | सुश्री निमिषा एन.बी. | करियर और प्लेसमेंट एग्जीक्यूटिव |
| 11 | सुश्री इशिता महंती नंदी | परियोजना वैज्ञानिक |
| 12 | सुश्री देबश्रिता रॉय चौधरी | वेब सामग्री डेवलपर |
| 13 | डॉ. मिलन बहल | चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) |
| 14 | डॉ. ओ.पी. महेंद्र | चिकित्सा अधिकारी |

18. छात्र नेतृत्व – 2020–21

| | |
|-------------------------|--------------------------|
| श्री सचित यादव | महासचिव |
| श्री तुषार त्यागी | सांस्कृतिक सचिव |
| श्री आकाश मौर्य | खेल सचिव |
| श्री विपुल शर्मा | तकनीकी सचिव |
| सुश्री सिख चौधरी | साहित्य सचिव |
| मोहम्मद तारिक असद रिजवी | छात्रावास मामलों के सचिव |
| श्री अर्णव प्रसाद | शैक्षणिक सचिव |
| श्री पवन कुमार मंडल | अनुसंधान सचिव |

वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान में प्रवेश लेने वाले छात्र

19. पीएचडी छात्र-2020 बैच

| क्रम. सं. | | नाम | स्कूल |
|-----------|---------|-----------------------|----------|
| 1 | डी20001 | कनिका चौहान | एसएचएसएस |
| 2 | डी20004 | स्नेहमय पत्र | एससीईई |
| 3 | डी20005 | सौविक सहाय | एससीईई |
| 4 | डी2007 | पंकज कुमार बेहरा | एससीईई |
| 5 | डी20008 | अनुरंजन झा | एससीईई |
| 6 | डी20009 | कनक रश्मि | एससीईई |
| 7 | डी20011 | अक्षय गौरी | एसई |
| 8 | डी20012 | महिपाल कुलरिया | एसई |
| 9 | डी20013 | मधु सूदन | एसई |
| 10 | डी20014 | अभिपर्ण दासगुप्ता | एसई |
| 11 | डी20015 | सोनू कुमार | एसई |
| 12 | डी20016 | आयशे सान्याल | एसई |
| 13 | डी20017 | किशन द्विवेदी | एसई |
| 14 | डी20021 | प्रजनादिप्त पांडा | एसबीएस |
| 15 | डी20022 | पोर्टिया डी सिंह | एसबीएस |
| 16 | डी20023 | शिल्पा ठाकुर | एसबीएस |
| 17 | डी20024 | रश्मि | एसबीएस |
| 18 | डी20025 | एलेहेगन एस्केमेघ | एसबीएस |
| 19 | डी20026 | अदीसलेम अबेबे | एसबीएस |
| 20 | डी20031 | अखिल भारद्वाज | एसबीएस |
| 21 | डी20032 | आस्था गुप्ता | एसबीएस |
| 22 | डी20033 | आरती यादव | एसबीएस |
| 23 | डी20034 | लवकुमार अडेपल्ली | एसबीएस |
| 24 | डी20035 | आशीष सोनी | एसबीएस |
| 25 | डी20037 | अंकित कश्यप | एसबीएस |
| 26 | डी20038 | ताहिर अहमद | एसबीएस |
| 27 | डी20039 | रिट्त्रिबन चक्रवर्ती | एसएचएसएस |
| 28 | डी20040 | शहर हुसैन | एसएचएसएस |
| 29 | डी20041 | देबलीना रॉय | एसएचएसएस |
| 30 | डी20042 | विलीबीनुओ मेदोम | एसएचएसएस |
| 31 | डी20043 | सुजीत कुमार | एससीईई |
| 32 | डी20044 | अपुरुष कुमार भट्टाराम | एससीईई |
| 33 | डी20045 | अखिलेश कुमार | एससीईई |
| 34 | डी20046 | ललितेंदु शेखर बारिक | एससीईई |
| 35 | डी20047 | मो इरशाद अंसारी | एससीईई |
| 36 | डी20048 | सिद्धांत कुमार | एससीईई |
| 37 | डी20049 | सुभाजीत डे | एससीईई |
| 38 | डी20050 | अनंत कुमार सिंह | एससीईई |
| 39 | डी20051 | आचार्य सत्य मूर्ति | एससीईई |
| 40 | डी20052 | आशुतोष शाह | एससीईई |
| 41 | डी20054 | विनीत श्रीवास्तव | एससीईई |
| 42 | डी20055 | चिराग पोरवाल | एसई |
| 43 | डी20056 | यदु चंद्राणी | एसई |
| 44 | डी20058 | विधते अक्षय संतोष | एसई |

| | | | |
|----|-------------|-----------------------------|----------|
| 45 | डी20059 | करण नरुला | एसई |
| 46 | डी20060 | सौरभ पटेल | एसई |
| 47 | डी20061 | इशिता प्रियदर्शिनी प्रधान | एसई |
| 48 | डी20062 | प्रियंका गुप्ता | एसई |
| 49 | डी20063 | मनजीत रानी | एसई |
| 50 | डी20064 | संदीप कुशवाह | एसबीएस |
| 51 | डी20065 | नीलम बुडानिया | एसबीएस |
| 52 | डी20066 | नसारू खान | एसबीएस |
| 53 | डी20067 | हर्ष गुप्ता | एसबीएस |
| 54 | डी20068 | इशिता घोराय | एसबीएस |
| 55 | डी20069 | गौतम वर्मा के | एसबीएस |
| 56 | डी20070 | भीम कुमार | एसबीएस |
| 57 | डी20071 | सतपुते गणेश अशोक | एसबीएस |
| 58 | डी20072 | शाहीन अंसारी | एसबीएस |
| 59 | डी20073 | काजल मित्तल | एसबीएस |
| 60 | डी20074 | मो शमशाद हुसैन अंसारी | एसबीएस |
| 61 | डी20075 | श्रद्धा सलवाहन | एसबीएस |
| 62 | डी20076 | अपर्णा भारद्वाज | एसबीएस |
| 63 | डी20077 | प्रीतम मुखर्जी | एसबीएस |
| 64 | डी20078 | अब्दुल सलाम | एसबीएस |
| 65 | डी20079 | अरिजीत घोष | एसबीएस |
| 66 | डी20080 | मयंक महाजन | एसबीएस |
| 67 | डी20081 | पूजा | एसबीएस |
| 68 | डी20082 | अंकिता धीमान | एसबीएस |
| 69 | डी20083 | सपकाल गोरक्षा त्रियम्बक | एसबीएस |
| 70 | डी20084 | पाटीदार प्रत्यूषा रमेशचंद्र | एसबीएस |
| 71 | डी20085 | वासु नागपाल | एसबीएस |
| 72 | डी20086 | प्रवीण कुमार | एससीईई |
| 73 | ईआरपीडी2001 | पल्लवी साह | एससीईई |
| 74 | ईआरपीडी2002 | ऐश्वर्या कुमारी | एससीईई |
| 75 | पीटीडी2002 | गुलशन कुमार दुबे | एससीईई |
| 76 | पीटीडी2003 | योगेश रोहिल्ला | एससीईई |
| 77 | पीटीडी2004 | पंकज वर्मा | एससीईई |
| 78 | पीटीडी2005 | वेद प्रकाश | एससीईई |
| 79 | पीटीडी2006 | अनिल पुंडीर | एसई |
| 80 | पीटीडी2007 | अंजलि पठानिया | एसएचएसएस |

20. एमएस छात्र-2020 बैच

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | नाम | स्कूल |
|----------|------------|----------------------|--------|
| 1 | एस20003 | आदर्श प्रकाश पांडेय | एससीईई |
| 2 | एस20005 | एम एस गायत्री | एससीईई |
| 3 | एस20006 | श्वेता संजय गोडसे | एससीईई |
| 4 | एस20007 | आदित्य आनंद | एससीईई |
| 5 | एस20009 | फिजा परवीन | एससीईई |
| 6 | एस20011 | सुशोवन जेना | एससीईई |
| 7 | एस20012 | मीतेश कल्पेश मेहता | एससीईई |
| 8 | एस20013 | एमडी अरशद जमाल | एससीईई |
| 9 | एस20014 | शिखा शर्मा | एसई |
| 10 | एस20015 | चिरंजीव कुमार पांडेय | एसई |
| 11 | एस20016 | पप्पू कुमार | एसई |
| 12 | एस20017 | नीलोत्पल कलिता | एसई |
| 13 | एस20018 | स्वरूप सोनवणे | एसई |
| 14 | एस20019 | आकिफ खुर्शीद भाट | एसई |
| 15 | एस20020 | तुबा फातिमा | एसई |
| 16 | एस20021 | जावेद अहमद | एसई |

21. बीटेक छात्र-2020 बैच

21.1 बीटेक-एमटेक जैव अभियांत्रिकी में संकलित दोहरी उपाधि

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|---------------------------|
| 1 | बी20001 | आदित्य प्रकाश |
| 2 | बी20003 | अक्षिता गर्ग |
| 3 | बी20004 | अविरल गर्ग |
| 4 | बी20005 | आयुष निगम |
| 5 | बी20007 | डिपिन |
| 6 | बी20009 | गढ़वी मिहिरकुमार रंजीतभाई |
| 7 | बी20010 | जैन हिया सुधीर |
| 8 | बी20011 | जंगम थारुणु |
| 9 | बी20013 | खुशी लधा |
| 10 | बी20015 | मोहम्मद सूफी हुसैन |
| 11 | बी20016 | पारुल गोयल |
| 12 | बी20018 | रवनीत कौर |
| 13 | बी20020 | सार्थक सिंह |
| 14 | बी20021 | शुभम प्रकाश |
| 15 | बी20023 | सुधीर कुमार |
| 16 | बी20024 | सुशांत मन्हास |

21.2 सिविल अभियांत्रिकी

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|-------------------------|
| 1 | बी20026 | आदर्श कुमार मीणा |
| 2 | बी20027 | आकाश कुमार |
| 3 | बी20028 | आनंद विश्वकर्मा |
| 4 | बी20029 | अनीशा शर्मा |
| 5 | बी20030 | अंतरिक्ष मेहता |
| 6 | बी20031 | आर्यन त्यागी |
| 7 | बी20032 | बाच्चु पूजा |
| 8 | बी20033 | बती लाल मीना |
| 9 | बी20034 | भगीरथ राम |
| 10 | बी20035 | भाविका सिंह |
| 11 | बी20037 | बृन्दा पुरी |
| 12 | बी20038 | चेपुरी ललिताम्बिका |
| 13 | बी20039 | दीपक गुप्ता |
| 14 | बी20040 | दीपक गुप्ता |
| 15 | बी20041 | दीपक रणवा |
| 16 | बी20042 | गौरव कुमार कणव |
| 17 | बी20043 | हर्ष आर्य |
| 18 | बी20044 | हर्ष भाटी |
| 19 | बी20045 | हर्ष कुमार |
| 20 | बी20046 | हर्ष साबू |
| 21 | बी20047 | जयदीप सिंह |
| 22 | बी20048 | जैनम वास्तुपाल बाफन |
| 23 | बी20049 | कौस्तुभ श्रीवास्तव |
| 24 | बी20050 | कुणाल सिंह |
| 25 | बी20051 | लक्ष्य भांखर |
| 26 | बी20053 | मोहित कुमार मीणा |
| 27 | बी20054 | नलिन अग्रवाल |
| 28 | बी20055 | नीलकंठम संयुक्ता |
| 29 | बी20056 | निखिल उज्ज्वल |
| 30 | बी20057 | पटेल फोरम परेश |
| 31 | बी20058 | पुनीत डागा |
| 32 | बी20059 | राहुल यादव |
| 33 | बी20060 | राजश्री तेजल सिंह मुंडा |
| 34 | बी20061 | रक्षित |
| 35 | बी20062 | रवीना चिरानिया |
| 36 | बी20063 | ऋषभ माहेश्वरी |
| 37 | बी20064 | ऋषव |
| 38 | बी20065 | संतोष गुर्जर |
| 39 | बी20066 | सत्यम सरोज |
| 40 | बी20067 | शुभम |
| 41 | बी20068 | सोनल |
| 42 | बी20069 | उदित कुमार |
| 43 | बी20070 | उज्ज्वल |
| 44 | बी20071 | उज्ज्वल शॉ |
| 45 | बी20073 | विवेक प्रजापति |
| 46 | बी20074 | यशवंत सिंगरिया |

21.3 संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|---------------------------|
| 1 | बी20075 | अभय गुप्ता |
| 2 | बी20076 | आदित्य माहेश्वरी |
| 3 | बी20077 | आदित्य सूद |
| 4 | बी20078 | अक्षत राज आनंद |
| 5 | बी20079 | अमित मेंडोला |
| 6 | बी20080 | अमरेंद्र कुमार |
| 7 | बी20081 | अनिकेत सुखिजा |
| 8 | बी20082 | अर्चना कृष्ण नायक |
| 9 | बी20083 | अरमान |
| 10 | बी20084 | अर्पित सिंह |
| 11 | बी20085 | आर्याश सिंगला |
| 12 | बी20086 | आशुतोष पुरोहित |
| 13 | बी20087 | आशुतोष शर्मा |
| 14 | बी20088 | अवनि मित्तल |
| 15 | बी 20089 | आयुष डोबल |
| 16 | बी20090 | भरत कुमार |
| 17 | बी20091 | डेकारला अखिल |
| 18 | बी20093 | देव प्रजापत |
| 19 | बी20094 | देवांश अग्रवाल |
| 20 | बी20095 | धर्मे प्रणव शालिग्राम |
| 21 | बी20096 | दीपेश शर्मा |
| 22 | बी20097 | दीया आशीष |
| 23 | बी20098 | गर्वित वर्मा |
| 24 | बी20099 | गौरव गुलेरिया |
| 25 | बी20100 | गोकुल गोयल |
| 26 | बी20101 | गुथुला पावनी श्री सात्विक |
| 27 | बी20102 | हरिकृत खतईत |
| 28 | बी20103 | हर्षित कृष्ण |
| 29 | बी20104 | हिमाक्षी गुप्ता |
| 30 | बी20105 | ईशा सुखीजा |
| 31 | बी20106 | कांबले प्रतीक काशीनाथ |
| 32 | बी20107 | कमलेश |
| 33 | बी20108 | कंचन पुरुषोत्तम पदवी |
| 34 | बी20109 | कनिष्क गर्ग |
| 35 | बी20110 | करण बारैक |
| 36 | बी20111 | कोमल |
| 37 | बी20112 | कुलदीप जैन दुगर |
| 38 | बी20113 | लविश सचदेवा |

| | | |
|----|---------|--------------------|
| 39 | बी20114 | मीनल पाटीदार |
| 40 | बी20115 | नेहा कुमारी |
| 41 | बी20116 | निखिल धूमले |
| 42 | बी20117 | नीलेश रेवासिया |
| 43 | बी20118 | परम मीना |
| 44 | बी20119 | पुलिपति श्रीशा |
| 45 | बी20121 | पुष्कर पटेल |
| 46 | बी20122 | पुष्पेंद्र कुमार |
| 47 | बी20123 | रजत बंसल |
| 48 | बी20124 | राजीव कुमार |
| 49 | बी20125 | रेहान सैय्यद |
| 50 | बी20126 | रिजुल जैनी |
| 51 | बी20127 | ऋतम चक्रवर्ती |
| 52 | बी20128 | रुस्तम नारायण |
| 53 | बी20129 | सचिन महावर |
| 54 | बी20130 | संदिति गौतम रेड्डी |
| 55 | बी20131 | संजीत चौधरी |
| 56 | बी20132 | सारांश बंसल |
| 57 | बी20133 | शैलेश गजानन राठौड़ |
| 58 | बी20134 | शिवम कुमार |
| 59 | बी20135 | शिवम मिड्डा |
| 60 | बी20136 | श्रुति जैन |
| 61 | बी20137 | सिद्धार्थ यादव |
| 62 | बी20138 | तितिक्षा बहल |
| 63 | बी20139 | उज्ज्वल खडंगा |
| 64 | बी20140 | वैभव |
| 65 | बी20141 | वरिंदर सिंह |
| 66 | बी20142 | विनायक सचान |
| 67 | बी20143 | विश्वास गर्ग |

21.4 डेटा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|--------------------|
| 1 | बी20144 | अभय सिंह रैहल |
| 2 | बी20145 | अदिति शर्मा |
| 3 | बी20146 | आकांक्षा गौतम |
| 4 | बी20147 | अक्षर सिंह |
| 5 | बी20148 | अंकित कुमार |
| 6 | बी201449 | अर्जुन मेहरा |
| 7 | बी20150 | अवंतिका देवड़ा |
| 8 | बी20151 | आयुष कुमार अग्रवाल |
| 9 | बी20152 | चैतन्या शर्मा |
| 10 | बी20153 | गिरीश गोधर |

| | | |
|----|---------|------------------|
| 11 | बी20154 | गुरकंवल सिंह |
| 12 | बी20155 | जाहवी चौधरी |
| 13 | बी20156 | मर्यक बंसल |
| 14 | बी20157 | मो. आरिफ |
| 15 | बी20158 | पी वी जयंथ |
| 16 | बी20159 | पलक शर्मा |
| 17 | बी20160 | पल्लव वार्षणेय |
| 18 | बी20161 | पार्थ जोशी |
| 19 | बी20162 | पवित्र जैन |
| 20 | बी20163 | पीयूष वर्मा |
| 21 | बी20164 | प्रतीक राज |
| 22 | बी20165 | प्रतीक्षा पाल |
| 23 | बी20166 | रिदम नामा |
| 24 | बी20167 | सौरव कुमार |
| 25 | बी20168 | शुभम शुक्ला |
| 26 | बी20169 | सोनम चौहान |
| 27 | बी20170 | सौरव कुमार सामंत |
| 28 | बी20171 | विजन अग्रवाल |
| 29 | बी20172 | विवेक जायसवाल |
| 30 | बी20173 | यश भोटमगे |

21.5 विद्युत अभियांत्रिकी

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|------------------------|
| 1 | बी20174 | आशुतोष उचोलिया |
| 2 | बी20175 | आयुष्मान झा |
| 3 | बी20176 | अभय विजयवर्गीय |
| 4 | बी20177 | अभिज्ञा |
| 5 | बी20178 | अभिषेक खरयाल |
| 6 | बी20179 | अजीत कुमार |
| 7 | बी20180 | अमित |
| 8 | बी20181 | अंकित पाल सिंह |
| 9 | बी20183 | अनुराग मौर्य |
| 10 | बी20184 | अरुण पटवा |
| 11 | बी20185 | आर्यक नीरज चौधरी |
| 12 | बी20186 | आर्यन आप्टे |
| 13 | बी20187 | आर्यन तिवारी |
| 14 | बी20188 | आर्यवीर गुप्ता |
| 15 | बी20189 | आयुष गर्ग |
| 16 | बी20190 | भानु जिंदल |
| 17 | बी20191 | दीपक कुमार |
| 18 | बी20193 | धनंजय कुमार |
| 19 | बी20194 | दीक्षिता सिंह |
| 20 | बी20195 | जी.के.वी. स्निग्धा |
| 21 | बी20196 | गबानी रोमित घनश्यामभाई |
| 22 | बी20197 | गौरव कुमार |
| 23 | बी20198 | गौतम धुलिपला |

| | | |
|----|---------|--------------------------|
| 24 | बी20199 | गायत्री श्रीधर कापसे |
| 25 | बी20200 | गीतांशु अर्सिया |
| 26 | बी20201 | गुरम धर्म तेज |
| 27 | बी20202 | हरीश चौधरी |
| 28 | बी20203 | हर्ष कुमार वर्मा |
| 29 | बी20204 | जयंत कुमार एम |
| 30 | बी20205 | कमल सिंह |
| 31 | बी20206 | कनिष्क श्रीवास्तव |
| 32 | बी20207 | कनिष्क सिंगला |
| 33 | बी20208 | खुशबू |
| 34 | बी20209 | क्षत्रिय ओम प्रशांत |
| 35 | बी20210 | मदाला लक्ष्मी वेंकट धीरज |
| 36 | बी20211 | मधुर जाजू |
| 37 | बी20212 | मन्ने नंदिनी |
| 38 | बी20213 | मयंक कक्कड़ |
| 39 | बी20214 | मिलन सोनी |
| 40 | बी20215 | मोहित वर्मा |
| 41 | बी20216 | मोनेंद्र मुकेश मीणा |
| 42 | बी20217 | मोनिका मीना |
| 43 | बी20218 | नर्मित कुमार |
| 44 | बी20219 | निखिल |
| 45 | बी20220 | पायल कुमारी साह |
| 46 | बी20221 | प्रदीप मीणा |
| 47 | बी20222 | प्रकाश मंडलोई |
| 48 | बी20223 | प्रशांत चौधरी |
| 49 | बी20224 | प्रतिज्ञा बघेल |
| 50 | बी20225 | रामय माहेश्वरी |
| 51 | बी20226 | रुपेश कुमार यादव |
| 52 | बी20227 | साहिल सिंह राठौर |
| 53 | बी20228 | सक्षम कुमार |
| 54 | बी20229 | शालू |
| 55 | बी20230 | शाश्वत सिंह |
| 56 | बी20231 | शिवम राज |
| 57 | बी20232 | श्री जननी सेंथिल |
| 58 | बी20233 | सोनू मीना |
| 59 | बी20234 | स्वीटी अग्रवाल |
| 60 | बी20235 | उत्कर्ष गुप्ता |
| 61 | बी20236 | वंश कोदेसिया |
| 62 | बी20237 | वंशज विजय नथानी |
| 63 | बी20238 | विकास डांगी |
| 64 | बी20239 | विशाल शर्मा |
| 65 | बी20240 | यश गुप्ता |
| 66 | बी20241 | यश शर्मा |
| 67 | बी20242 | येररामसेट्टी लीला चैतन्य |

21.6 अभियांत्रिकी भौतिकी

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|------------------------|
| 1 | बी20243 | आकाश आनंद |
| 2 | बी20244 | अरिंगी विनय चैतन्य |
| 3 | बी20245 | अर्कदीप घोष |
| 4 | बी20246 | आशुतोष शर्मा |
| 5 | बी20247 | अवनींद्र कुमार |
| 6 | बी20248 | कंजरिया हिरवा हसमुखभाई |
| 7 | बी20249 | खुशी बघेल |
| 8 | बी20250 | किशिता |
| 9 | बी20251 | कुशाग्र शर्मा |
| 10 | बी20252 | कुशाग्र श्रीवास्तव |
| 11 | बी20253 | निकिता राणा |
| 12 | बी20255 | निशिता टायल |
| 13 | बी20256 | पी महेश रेड्डी |
| 14 | बी20257 | प्राची माथुरी |
| 15 | बी20258 | प्रणव आर अयंगर |
| 16 | बी20259 | पुष्कर बोहरा |
| 17 | बी20260 | राघवेंद्र पाठक |
| 18 | बी20261 | रजत वर्मा |
| 19 | बी20262 | रवि सुथार |
| 20 | बी20263 | रितु शुक्ला |
| 21 | बी20264 | रोहन |
| 22 | बी20265 | साहिल कुमार |
| 23 | बी20266 | शार्दुल आशीष महाजन |
| 24 | बी20267 | शीओर्न जिजो |
| 25 | बी20268 | सुधांशु राय |
| 26 | बी20269 | विश्वास सैनी |

21.7 यांत्रिक अभियांत्रिकी

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|--------------------|
| 1 | बी20270 | आचमन गांधी |
| 2 | बी20271 | अभिनव कुमार |
| 3 | बी20272 | अदिति सिंह |
| 4 | बी20273 | अक्षित झारवाल |
| 5 | बी20274 | आलोक राज सिद्धार्थ |
| 6 | बी20276 | अनंथराम वी |
| 7 | बी20277 | अंजलि मीना |
| 8 | बी20278 | अंकित कुमार वर्मा |
| 9 | बी20279 | आर्यन अली |
| 10 | बी20280 | आर्यन वशिष्ठ |
| 11 | बी20281 | अश्विनी कुमार |
| 12 | बी20282 | अथर्व विदुलकरी |
| 13 | बी20283 | बोलिगरला निशुथा |
| 14 | बी20284 | चंद्रेश सोनी |
| 15 | बी20285 | देव हराल |

| | | |
|----|---------|------------------------|
| 16 | बी20286 | दिष्टि ओबेराई |
| 17 | बी20287 | हर्षित अगरवार |
| 18 | बी20288 | हेमंत बंसल |
| 19 | बी20289 | हेमंत चौहान |
| 20 | बी20290 | हिमानी |
| 21 | बी20291 | ऋषभ नयाल |
| 22 | बी20292 | ईशान गुप्ता |
| 23 | बी20293 | कनक दुबे |
| 24 | बी20294 | किशन शर्मा |
| 25 | बी20295 | कुमार कृष |
| 26 | बी20296 | कुशाग्र अग्रवाल |
| 27 | बी20297 | लक्ष्मण प्रसाद |
| 28 | बी20298 | मानव शर्मा |
| 29 | बी20299 | मयंक भायाल |
| 30 | बी20300 | मेहुल जैनी |
| 31 | बी20301 | मोहम्मद आजम |
| 32 | बी20302 | मुर्तजा मेहदी हसन |
| 33 | बी20303 | नवदीप कौर |
| 34 | बी20304 | निशांत कपूर |
| 35 | बी20305 | प्रांजल शर्मा |
| 36 | बी20306 | प्रशुन पांडे |
| 37 | बी20307 | प्रियंका कुमारी |
| 38 | बी20308 | पुनीश कुमार |
| 39 | बी20309 | रचित गोयल |
| 40 | बी20310 | राहुल |
| 41 | बी20311 | रजत दावरा |
| 42 | बी20312 | रजनीश चौधरी |
| 43 | बी20313 | रवि रंजन |
| 44 | बी20314 | रोहन भारती |
| 45 | बी20315 | साहिल |
| 46 | बी20316 | सराफ मैत्री हिमांशु |
| 47 | बी20317 | सार्थक सप्तमी कुमार झा |
| 48 | बी20318 | शाश्वत गुप्ता |
| 49 | बी20319 | शाश्वत शर्मा |
| 50 | बी20320 | श्रुति कीर्ति मधेसिया |
| 51 | बी20321 | शुभम |
| 52 | बी20322 | श्वेता |
| 53 | बी20323 | तल्ला हृदय कुमार |
| 54 | बी20324 | तरुण सोनी |
| 55 | बी20325 | वास्तव बंसल |
| 56 | बी20327 | यश मल्होत्रा |
| 57 | बी20328 | युवराज असेरी |

22. एमएससी (रसायन विज्ञान)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|----------------------|
| 1 | वी20001 | कौस्तव कुंडु |
| 2 | वी20002 | सुसोवोन घोष |
| 3 | वी20003 | अंजलि सैनी |
| 4 | वी20004 | जतिन सक्सेना |
| 5 | वी20005 | स्वप्निल वर्मा |
| 6 | वी20006 | मैनाओ जूली बसुमतारी |
| 7 | वी20007 | अजय कुमार |
| 8 | वी20008 | मेघा गर्ग |
| 9 | वी20009 | ऋषभ गोस्वामी |
| 10 | वी20010 | मुस्कान कौर |
| 11 | वी20011 | समीक्षा |
| 12 | वी20012 | अमन यादव |
| 13 | वी20013 | मोहित |
| 14 | वी20014 | आंचल हुरमाडे |
| 15 | वी20015 | अमित कुमार नायक |
| 16 | वी20016 | सौरव मंडल |
| 17 | वी20017 | मसरकुल आलम |
| 18 | वी20018 | पीयूष राणा |
| 19 | वी20019 | बालेंदु बिष्टो |
| 20 | वी20020 | समीर शेखर मोहंती |
| 21 | वी20021 | उष्मा गंगवार |
| 22 | वी20022 | सयानी चंदा |
| 23 | वी20023 | कमलेश कुमारी |
| 24 | वी20024 | लालनुर्नेगा |
| 25 | वी20025 | छाया थधानी |
| 26 | वी20026 | रितेश कुमार बाग |
| 27 | वी20027 | मृत्युंजय सिंह जादौन |
| 28 | वी20028 | रोहित यादव |
| 29 | वी20029 | विजेन्द्र सिंह |
| 30 | वी20030 | सुभार्थ सरकार |
| 31 | वी20031 | अंबिका |
| 32 | वी20032 | सौरव |
| 33 | वी20033 | ऋतुजॉय बरुआ |
| 34 | वी20034 | अरुण सिंह |
| 35 | वी20035 | अभिषेक साहू |
| 36 | वी20036 | रनेहासिस मोनि |
| 37 | वी20037 | बिकाश राउत |
| 38 | वी20038 | शोभित पंवार |
| 39 | वी20039 | गायत्री |
| 40 | वी20040 | अमन |
| 41 | वी20041 | वैभव सचदेवा |
| 42 | वी20042 | फयाज अहमद |

23. एमएससी (अनुप्रयुक्त गणित)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|---------------------------------|
| 1 | वी20043 | नमन करोल |
| 2 | वी20044 | आदर्श सुभाष नरेनदुलवर |
| 3 | वी20045 | मनोज |
| 4 | वी20046 | साहिल शर्मा |
| 5 | वी20047 | वरुण ए देशपांडे |
| 6 | वी20048 | तरुण कुमार |
| 7 | वी20049 | पायल शर्मा |
| 8 | वी20050 | आशिम मजूमदार |
| 9 | वी20051 | पंकज साहू |
| 10 | वी20052 | राजगोर मिलापकुमार खुशहाल चन्द्र |
| 11 | वी20053 | रितु |
| 12 | वी20054 | अभिषेक |
| 13 | वी20055 | प्रतिष्ठा वाघवा |
| 14 | वी20056 | साहेब मंडल |
| 15 | वी20057 | मनोज कुमार |
| 16 | वी20058 | ठाकर सोनिया लक्ष्मीदास |
| 17 | वी20059 | इफितखार बशीर गोजरी |
| 18 | वी20060 | फिरोज अहमद खान |
| 19 | वी20061 | विकास कलसिया |
| 20 | वी20062 | राजा कन्नवजिया |
| 21 | वी20063 | हेमंत कुमार |
| 22 | वी20064 | अंघा अग्रवाल |
| 23 | वी20065 | महेश कुमार शेषमा |
| 24 | वी20066 | नितिन |
| 25 | वी20067 | दीपक साहू |
| 26 | वी20068 | पीयूष कुमार दीक्षित |
| 27 | वी20069 | सतनाम सिंह |
| 28 | वी20070 | सुशील प्रजापत |
| 29 | वी20071 | विकास राजपाल |
| 30 | वी20072 | कार्तिकेय शर्मा |
| 31 | वी20073 | खीसाविन्यु तेहुँजा |
| 32 | वी20074 | कोमल कुमार |
| 33 | वी20075 | अजय |
| 34 | वी20076 | रेशमा |
| 35 | वी20077 | सुरजीत कुमार |
| 36 | वी20078 | नरेंद्र कुमार |
| 37 | वी20079 | जफर हुसैन |
| 38 | वी20080 | भावना |

24. एमएससी (भौतिक विज्ञान)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|--------------------------|
| 1 | वी20081 | आमिल सैफी |
| 2 | वी20082 | अनन्या मुखर्जी |
| 3 | वी20083 | दीक्षा प्रजापति |
| 4 | वी20084 | सुशील |
| 5 | वी20085 | योगिन जितेंद्रभाई भीमानी |
| 6 | वी20086 | अंजलि |
| 7 | वी20087 | शुभंशु करोलिया |
| 8 | वी20088 | अंशु त्यागी |
| 9 | वी20089 | अरुणा |
| 10 | वी20090 | रोहित गुप्ता |
| 11 | वी20091 | संध्या ए के |
| 12 | वी20092 | नलिनीकांत प्रधान |
| 13 | वी20093 | संदीप पटेल |
| 14 | वी20094 | अफरा नावस |
| 15 | वी20095 | गुंजन |
| 16 | वी20096 | मानशी रानी |
| 17 | वी20097 | बिस्वरूप बिस्वास |
| 18 | वी20098 | अरुण पांडियान |
| 19 | वी20099 | नितिन कुमार |
| 20 | वी20100 | पंकज कुमार |
| 21 | वी20101 | अंकुश कमल |
| 22 | वी20102 | अनायत उल्लाह |
| 23 | वी20103 | संकल्प शर्मा |
| 24 | वी20104 | अर्नब प्रकाश डे |
| 25 | वी20105 | श्रीश्याम वी ए |
| 26 | वी20106 | साहिल कुमार |
| 27 | वी20107 | शाद मोहम्मद ए के |
| 28 | वी20108 | विनोद कुमार |
| 29 | वी20109 | लिजा हेलेन के |

25. एमटेक (संरचनात्मक अभियांत्रिकी)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|---------------------|
| 1 | टी20001 | समरुल होदा |
| 2 | टी20002 | वागीश कुमार दीक्षित |
| 3 | टी20003 | हर्षित नायक |
| 4 | टी20004 | कोला राजकुमार |
| 5 | टी20005 | राहुल डोगरा |
| 6 | टी20006 | ऋषभ शर्मा |
| 7 | टी20007 | सूरज |
| 8 | टी20008 | संजीव रॉय |
| 9 | टी20009 | अरमान खान |
| 10 | टी20010 | शेरिफ चड्ढा |
| 11 | टी20011 | अक्षित नेगी |
| 12 | टी20012 | अम्मार अहमद |
| 13 | टी20013 | प्राची वर्मा |
| 14 | टी20014 | राहुल कुमार |
| 15 | टी20015 | आदित्य महाजन |

26. एमटेक (ऊर्जा प्रणालियों में विशेषज्ञता के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|--------------------|
| 1 | टी20071 | शरद परधे |
| 2 | टी20072 | नितिन कुमार पाठक |
| 3 | टी20073 | विनय कुमार |
| 4 | टी20074 | मुकेश कुमावत |
| 5 | टी20075 | हर्षित मुंद्रा |
| 6 | टी20076 | राहुल गुप्ता |
| 7 | टी20077 | संजय कुमार यादव |
| 8 | टी20078 | नवीन कुमार |
| 9 | टी20080 | अंजनी कुमार सागर |
| 10 | टी20081 | सचिन वर्मा |
| 11 | टी20083 | वर्णित कपूर |
| 12 | टी 20084 | मृदुल अग्रवाल |
| 13 | टी20085 | सुनील कुमार |
| 14 | टी20086 | मैत्रयो ब्रह्मचारी |

27. एमटेक (सामग्री में विशेषज्ञता सहित ऊर्जा अभियांत्रिकी)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|---------------------|
| 1 | टी20031 | नरेश शर्मा |
| 2 | टी 20032 | विनीत कुमार |
| 3 | टी20033 | मनीष कुमार |
| 4 | टी20034 | गौरव खत्री |
| 5 | टी20035 | रुशिकेश शिरीष जाधव |
| 6 | टी20036 | जितेंद्र चौधरी |
| 7 | टी20037 | ध्रुव पाल |
| 8 | टी20038 | शिवम दुबे |
| 9 | टी20039 | मनीष मिश्रा |
| 10 | टी20040 | शिव शंकर तिवारी |
| 11 | टी20041 | राहुल राज |
| 12 | टी20042 | शुभम रोडवाल |
| 13 | टी20043 | साईराज अमृत सालुंके |
| 14 | टी20044 | शशयम राय |
| 15 | टी20045 | प्रेम कुमार |

28. वीएलएसआई में एमटेक

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|-------------------------|
| 1 | टी20251 | मो मुशफिकुर रहमान चौधरी |
| 2 | टी20252 | स्वेतांक त्रिपाठी |
| 3 | टी20253 | अनिमेष भट्ट |
| 4 | टी20254 | कुशाग्र नैनवाल |
| 5 | टी20255 | सयाल चावड़ा |
| 6 | टी20256 | दिव्या अग्रवाल |
| 7 | टी20258 | भरत मोहन |
| 8 | टी20241 | प्रीतिक्षा चन्द |

| | | |
|----|---------|--------------------|
| 9 | टी20242 | अभिषेक पदम |
| 10 | टी20243 | पनासा श्रीकांथ |
| 11 | टी20244 | बलराम पाटीदार |
| 12 | टी20245 | विष्णु कुमार शर्मा |
| 13 | टी20246 | चैतन्य आनंद |
| 14 | टी20247 | दीपांक |
| 15 | टी20248 | अशकंद कुमार |
| 16 | टी20249 | मेघवर्ण पाठक |
| 17 | टी20250 | निशांत कुमार वी |
| 18 | टी20288 | ललित |

29. एमटेक (पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|------------------------|
| 1 | टी20201 | तुहिन मित्र |
| 2 | टी20202 | कुलदीप सिंह |
| 3 | टी20203 | शुभम कुमार |
| 4 | टी20204 | दिवाकर सिन्हा |
| 5 | टी20205 | सूरज एस |
| 6 | टी20207 | अमित सिंह |
| 7 | टी20208 | अंकित कुमार रंजन |
| 8 | टी20209 | हितेश कुमार फुलवरिया |
| 9 | टी20210 | हेतल शर्मा |
| 10 | टी20211 | सौम्य रंजन नायक |
| 11 | टी20213 | दीपक |
| 12 | टी20214 | चिराग गुप्ता |
| 13 | टी20215 | चंदन कुमार महतो |
| 14 | टी20216 | शिवाजी गणेश वेलिचेती |
| 15 | टी20217 | वेंकट आदित्य दुग्गराजू |
| 16 | टी20218 | विवेक सिंह |
| 17 | टी20219 | अंदमाचुगरी वेंकट महेश |
| 18 | टी20220 | महेंद्र कुमार |
| 19 | टी20221 | विवेक कुमार |

30. एमटेक (संचार एवं संकेत प्रक्रम)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|--------------------|
| 1 | टी20289 | रत्नेश कुमार कुमार |
| 2 | टी20282 | श्रुति सिंह |
| 3 | टी20283 | विनीत कुमार मिश्रा |
| 4 | टी20287 | वासुदेवराव लेंका |

31. एमटेक (जैव प्रौद्योगिकी)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|---------------|
| 1 | टी20401 | दीपाली बिष्ट |
| 2 | टी20402 | हिमांशु शर्मा |
| 3 | टी20403 | रिया नागर |

| | | |
|----|---------|----------------------------|
| 4 | टी20404 | चंदन कुमार प्रधान |
| 5 | टी20405 | अर्पिता प्रसाद |
| 6 | टी20406 | प्रेरणा वर्मा |
| 7 | टी20407 | अनिकेत सेना |
| 8 | टी20408 | आशुतोष जोशी |
| 9 | टी20409 | रितिका जैन |
| 10 | टी20410 | शीतल पाल |
| 11 | टी20411 | उज्ज्वल शरण |
| 12 | टी20412 | इरम परवीन शमीम अहमद अंसारी |
| 13 | टी20413 | स्नेहलता राव |
| 14 | टी20414 | विशाल धीमान |
| 15 | टी20415 | शिम्पी निगम |
| 16 | टी20416 | निष्ठा सैनी |

32. एमए (विकास अध्ययन)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|----------------------|
| 1 | ए20001 | आकाश शर्मा |
| 2 | ए20002 | अक्षित सिरोही |
| 3 | ए20003 | अरविंद वेंकटेश अय्यर |
| 4 | ए20004 | अनघा टीवी |
| 5 | ए20005 | डाइमोंड नारजारी |
| 6 | ए20006 | निहिरिका बत्रा |
| 7 | ए20007 | गौतम मिश्रा |
| 8 | ए20008 | हिमानी सिंह |
| 9 | ए20010 | जसमीत सिंह बिंद्रा |
| 10 | ए20011 | केशव ताड़िया |
| 11 | ए20012 | कुलदीप कैलास मेश्राम |
| 12 | ए20013 | नीना श्रीकुमार एस |
| 13 | ए20017 | विकास गौतम शिंदे |

33. आईपीएचडी (भौतिकी)

| क्रम सं. | अनुक्रमांक | छात्र का नाम |
|----------|------------|---------------|
| 1 | डीआई20027 | आदित्य सिंह |
| 2 | डीआई20028 | प्रकाश पांडेय |
| 3 | डीआई20029 | जोगेंद्र |
| 4 | डीआई20030 | अक्सा थॉमस |



कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
ग्राम व डाकखाना—कमान्द, ज़िला मण्डी, हिमाचल प्रदेश—175075
दूरभाष: +91—1905—267015, फ़ैक्स: +91—1905—267075
ईमेल: registrar@iitmandi.ac.in

